दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्।।

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय








**राजा-शनि**

विक्रम संवत्-२०७६
शक-संवत्-१९४१

**मन्त्री-सूर्य**

भा०गणराज्य-संवत् ७२-७३
ईशवीय-सन् २०१९-२०२०

M.Katyayana

# विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

## श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३७

संवत्सर - परिधावी

मूल्य रू. ५०/-



पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
"राष्ट्रपति-सम्मानित"

प्रधान-सम्पादक
**प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय**
कुलपति

सम्पादक :
**प्रो. प्रेमकुमार शर्मा**
आचार्य, ज्योतिष-विभाग
प्रमुख, वेदवेदाङ्गसंकाय

**प्रो. बिहारीलाल शर्मा**
आचार्य, ज्योतिष-विभाग



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
"राष्ट्रपति-सम्मानित"

## सम्पादक मण्डल

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा 'आचार्य एवं ज्योतिषविभागाध्यक्ष'
2. प्रो. नीलम ठगेला 'आचार्या, ज्योतिष-विभाग'
3. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा 'आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
4. प्रो. परमानन्द भारद्वाज 'आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
5. डॉ. सुशील कुमार 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
6. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
7. डॉ. रश्मि चतुर्वेदी 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'


# श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016

# श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत-विद्यापीठ, नई दिल्ली-१६

## संक्षिप्त-परिचय

भारत की राजधानी दिल्ली में एक अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत-संस्थान के अभाव की पूर्ति के लिए स्वर्गीय ''प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी'' की प्रेरणा से अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन ने विजयदशमी विक्रम-संवत् २०२० को संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। उस समय इस विद्यापीठ का नाम अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया और भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी ने इसके शासन निकाय की अध्यक्षता स्वीकार की। स्वर्गीय श्री शास्त्री जी की प्रेरणा एवं उनकी संस्कृत तथा भारतीय संस्कृति में गहन रुचि से विद्यापीठ की समस्त प्रवृत्तियों को बड़ा बल मिला और अपनी स्थापना के दो-तीन वर्षों में ही इस विद्यापीठ ने देश के संस्कृत-शिक्षण-संस्थानों में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया।

उनके निधन के उपरान्त विद्यापीठ की सेवाओं और इस संस्था के साथ शास्त्री जी के ऐतिहासिक सम्बन्धों को ध्यान में रखते हुए दिनांक २ अक्टूबर १९६६ ई० को भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने भारत सरकार द्वारा इसे अधिग्रहण करने और इसका नाम श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ रखने की घोषणा की। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने स्वयं विद्यापीठ के सभापति पद को स्वीकार किया। उनके सभापतित्व तथा तत्कालीन दिल्ली के उपराज्यपाल डॉ० आदित्य नाथ झा के कार्यवाहक सभापतित्व में इस विद्यापीठ ने प्रगति का एक महत्त्वपूर्ण दौर पूरा किया।

प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की घोषणा के अनुसार भारत सरकार ने शिक्षा मन्त्रालय में स्वायत्तसंस्था के रूप में १ अप्रैल १९६७ को विद्यापीठ का अधिग्रहण कर इसके संचालन के लिए एक सभा नियुक्त की। दिनांक २१ दिसम्बर १९७० ई० से इस विद्यापीठ का प्रबन्ध 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान' के अन्तर्गत दिया गया तब से इस विद्यापीठ का नाम 'श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' रखा गया।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग की अधिसूचना सं. F.२/४५ U.३ दिनांक १६ नवम्बर १९८७ द्वारा इस विद्यापीठ को ''मानित-विश्वविद्यालय'' का स्तर प्रदान कर दिया गया है।

इसके संचालन के लिए श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नाम से एक स्वायत्त समिति का पंजीकरण कर इसकी व्यवस्था उक्त समिति को स्थानान्तरित की गई है। मानित-विश्वविद्यालय के रूप में इसका उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति म. म. रामास्वामी वेंकटरामन् द्वारा २३ फरवरी १९९१ को किया गया। विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति **पद्मश्री श्रद्धेय डॉ. मण्डन मिश्र जी** ने जिस लग्न से इस कल्पवृक्ष का आरोपण किया, वर्तमान में इसके कुलाधिपति **सम्माननीय मनस्वी डॉ. हरिगौतम** जी एवं माननीय कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी के कुशल नेतृत्व में यह पल्लवित, पुष्पित एवं फलीभूत हो रहा है।

वर्तमान में यह विद्यापीठ शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री, आचार्य, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि एवं विद्या-वाचस्पति उपाधियों के लिए अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य की व्यवस्था कर रहा है।

विद्यापीठ ने अब तक ४८८ पी-एच०डी० तथा १०६ उच्चकोटि के प्रकाशन राष्ट्र को समर्पित किए हैं। वर्तमान में ४६५ विद्यार्थी विभिन्न विभागों में शोध के लिए पंजीकृत हैं, जिनमें ३७ छात्र ज्योतिष शास्त्र के विविध विषयों पर शोधकार्य कर रहे हैं। जुलाई २०१३ से ज्योतिष विभाग द्वारा षाण्मासिक **'भैषज्य-ज्योतिषमञ्जूषा'** शोध-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यापीठ के प्राध्यापकों एवं शोधकर्ताओं के शोधात्मक आलेख त्रैमासिक शोध पत्रिका **''शोधप्रभा''** में भी प्रकाशित किये जाते हैं ।

## प्रस्तावना

भारतीय ज्योतिष-शास्त्र की एक प्रमुख विशेषता है, कि यह प्रत्यक्ष शास्त्र है। सौरमण्डलीय ग्रहों की गति, स्थिति, उदय, अस्त, मार्गत्व, वक्रत्व, ग्रहण एवं चन्द्रकलाओं की ह्रास-वृद्धि आदि कुछ ऐसी घटनायें हैं, जो हजारों-हजारों वर्षों से इसकी प्रत्यक्षता की गवाही दे रही हैं। ज्योतिष-शास्त्र में प्रत्यक्षता का अर्थ होता है - **''गणितागत परिणाम का ज्यों का त्यों दिखलाई देना।''** उदाहरणार्थ जिस समय गणित से पूर्णिमा आए और उस समय चन्द्रमा का परिपूर्ण बिम्ब दिखलाई दे अथवा जिस समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण गणित से निकाला जाए और उसी समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण पड़े अथवा गणित से ग्रहों के उदयास्त का जो समय बतलाया जाए, उसी समय ग्रहों का उदयास्त हो, इस प्रकार के गणितागत परिणामों का यथावत् घटित होना प्रत्यक्षता कही जाती है।

**'प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्'** की उद्घोषणा करने वाले वसिष्ठ एवं पाराशर प्रभृति महर्षियों ने इस प्रकार के सत्यों एवं सिद्धांतों को दो प्रकारों से ज्ञात किया था। १-अन्तर्दृष्टि ( Intuition ) एवं, २-पर्यवेक्षण ( Observation )। अन्तर्दृष्टि या दिव्यदृष्टि एक ऐसी वैयक्तिक क्षमता है, जिसके द्वारा विचार-तरंगों में आन्दोलित तथ्यों को यथावत् आत्मसात् किया जा सकता है। तथ्य एवं सत्य दोनों को जानने की यह एक सयुक्तिक विधा है। क्योंकि यह विचारणीय पदार्थ के विहित गुण-दोषों का ही विवेचन नहीं करती, वरन् यह सर्वथा उदासीन या तटस्थ रहकर उसके सम्पूर्ण स्वरूप का यथावत् अवलोकन भी करती है। इसलिए अन्तर्दृष्टि अभिज्ञान ( Intuitive Cognition ) में सदैव एक मौलिक प्रकार की निश्चिन्तता एवं विश्वसनीयता पाई जाती है।

हमारे महर्षियों ने इसके साथ-साथ पर्यवेक्षण का सतत उपयोग किया था। वे अकेली-अकेली एवं सामूहिक घटनाओं को बार-बार घटित होने वाली ग्रहों की गतिविधियों के प्रकाश में ध्यानपूर्वक देखते थे और ग्रहों की गतिविधियों की आवृत्ति के साथ-साथ उनकी जनसमुदाय पर पड़ने वाली शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाओं का अवलोकन करते थे। इस प्रकार सैंकड़ों वर्षों के पर्यवेक्षण ने क्रान्तिद्रष्टा ऋषियों को समाहित कर दिया, कि राशिचक्र की राशिविशेष में ग्रहविशेष की विशिष्ट गतिविधि का तत्काल जन्म लेने वाले एवं जीवित मानवों पर एक सविशेष प्रकार का प्रभाव पड़ता है।

इस प्रकार की अन्तर्दृष्टि एवं पर्यवेक्षण की विधियों में ग्रह-नक्षत्रों की समस्त गतिविधियों एवं उनके मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का एकत्र संकलित स्वरूप भारतीय ज्योतिषशास्त्र है। यदि संक्षेप में कहा जाए तो यह शास्त्र उन सत्यों एवं सिद्धांतों का ज्ञानकोष है - जिनके द्वारा ग्रह-नक्षत्रों की समस्त गतिविधियों एवं उनके समस्त परिणामों को जाना जा सकता है। भारतीय ज्योतिष-शास्त्र के मनीषियों की यह सर्वसम्मत मान्यता है, कि जीवन में घटित होने वाली समस्त घटनायें ग्रह-नक्षत्रों की गतिविधियों के साथ सापेक्षता रखती हैं।

ग्रहों की गति एवं स्थिति को काल कहते हैं। चूँकि यह शास्त्र ग्रहों की गतिविधि अर्थात् काल तथा जीवन में घटित होने वाली घटना अर्थात् उसका परिणाम इन दोनों के बारे में सांगोपांग विवेचन करता है, अतः यह कालविज्ञान कहलाता है। काल के विविध मानों में तिथि, नक्षत्र, योग, करण एवं वार - ये पाँच अंग प्रधान होते हैं, जिन्हें पञ्चाङ्ग कहते हैं। इनकी जानकारी के बिना न तो श्रौत एवं स्मार्त्त कर्मों का विधान किया जा सकता है और न ही नित्य, नैमित्तिक एवं प्रायश्चित्त कर्मों का अनुष्ठान किया जा सकता है। सभी प्रकार के व्रत, पर्व एवं उत्सवों की जानकारी हमें पञ्चाङ्ग से ही मिलती है। अतः समस्त धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों के यथासमय सम्पादन में पञ्चाङ्ग हमारी सर्वाधिक सहायता करता है।

पञ्चाङ्ग में तिथ्यादि के मानों को अप्रत्यक्ष या अदृश्य कहकर उनकी स्थूल गणना, मकरन्द एवं ग्रहलाघव आदि की सारिणियों से करने के आग्रह और प्रमाण के लिए सूर्य-सिद्धांत का उल्लेख किया जाता है, जबकि सूर्य सिद्धांतकार दृक्तुल्यता के समर्थक हैं, यथा -

**तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।**
**प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥**

इसके साथ-साथ सिद्धान्त ग्रन्थों के प्रणेता प्रायः सभी आचार्यों ने दृक्तुल्य ग्रहों के द्वारा तिथ्यादि आनयन को व्रत-पर्व, एवं उत्सवों के लिए उपयोगी माना है,

यथा - यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम् ॥ - वशिष्ठ

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या॥-भास्कराचार्य

तेभ्यः स्याद् ग्रहणादिदृक्समियं प्रोक्ता मया सा तिथिः।
ग्राह्या मंगलधर्मनिर्णयविधावेषा यतो दृक्समा॥ -तिथिचिन्तामणि

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रवर्तित शास्त्रचूड़ामणि योजना में राष्ट्रपति-सम्मानित ज्योतिष यन्त्रालय जयपुर के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. म.म. पं० कल्याणदत्त शर्मा जी की सेवायें इस विद्यापीठ को प्राप्त हुईं । श्री शर्मा जी वेधशाला एवं भारतीय गणित के प्रमुख विद्वान् थे। उनके अहर्निश चिन्तन एवं प्रयत्न से विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग का श्रीगणेश हुआ।

श्री शर्मा जी को भी इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक कर्मठ एवं शास्त्रीय परम्परा में निष्णात प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी जी का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। परिणाम स्वरूप इन दोनों विद्वानों ने सन् १९८२ ई. के ग्रीष्मावकाश में अथक परिश्रम से वि. संवत् २०४० के पञ्चाङ्ग-गणित का कार्य सम्पन्न करके इसे सम्पादन के लिए तत्कालीन ज्योतिष- विभागाध्यक्ष प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी जी को सौंपा। प्रो. चतुर्वेदी जी ने शीघ्र ही इसका सम्पादन करके विद्यापीठ पञ्चाङ्ग के प्रकाशनार्थ पञ्चाङ्ग गोष्ठी का प्रस्ताव विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति एवं तत्कालीन प्राचार्य श्रद्धेय पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र जी को प्रस्तुत किया।

दिनांक ५ अक्टूबर १९८२ को विद्यापीठ में सम्पन्न पञ्चाङ्गगोष्ठी के अनुसार इस पञ्चाङ्ग का निर्माण ग्रीन्विच से पूर्वी रेखांश ७७°-१२', उत्तरी अक्षांश २८°-३८' अर्थात् भारत की राजधानी दिल्ली को आधार मानकर चित्रापक्षीय एवं निरयण पद्धति से किया गया है। इस पञ्चाङ्ग में दैनिक स्पष्टग्रह, दैनिक लग्नसारिणी, जन्म-पत्री एवं वर्षफल के निर्माण की सुगम सारिणियाँ, उत्तरी भारत के प्रमुख नगरों की लग्न सारिणियाँ, व्रत-पर्व एवं उत्सवों की वर्गीकृत सूची, मांगलिक मुहूर्तों की तालिका, राहुकाल, लोकभविष्य एवं मेलापक जैसे लोकोपयोगी विषयों का समावेश किया गया है, जो एक प्रमुख पञ्चाङ्ग के लिए आवश्यक होते हैं।

वि. संवत् २०७६ के विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग के व्रत-पर्व एवं उत्सवों का धर्मशास्त्रीय नियमों के आधार पर निर्णय करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन दिनाङ्क १०, ११, एवं १२ सितम्बर २०१८ को विद्यापीठ में किया गया, जिसमें प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी, प्रो. रामचन्द्र झा, प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, प्रो. सदानन्द शुक्ल, प्रो. चन्द्रमा पाण्डेय, प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी, प्रो. वासुदेव शर्मा प्रभृति बाह्य विद्वानों के अतिरिक्त विद्यापीठ के वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु भूषण पण्डा एवं प्रो. यशवीर सिंह ने भाग लिया। इसका सम्पादन प्रो. प्रेम कुमार शर्मा एवं प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने ज्योतिष विभागाधयक्ष प्रो. विनोद कुमार शर्मा एवं अन्य विभागीय विद्वानों प्रो. नीलम ठगेला, प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा, प्रो. परमानन्द भारद्वाज, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. राजेश शर्मा एवं डॉ. प्रभाकर पुरोहित के सहयोग से सम्पन्न किया। पञ्चाङ्ग के प्रकाशनार्थ वित्ताधिकारी एवं प्रभारी कुल सचिव श्रीमती अलका राय, उपकुलसचिव लेखा श्री अजय कुमार टण्डन का प्राशासनिक कार्यों में अद्वितीय सहयोग रहा है। मैं इन सभी महानुभावों को धन्यवाद देता हूँ। विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग का यह सैन्तीसवाँ अंक विज्ञजनों के हाथों में समर्पित करते हुए मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। आशा है आपका आशीर्वाद एवं परामर्श हमारे इस प्रयास को और अधिक उपयोगी बनाने में सहायक होगा।

माघ शुक्ल पञ्चमी, रविवार
दिनाङ्क १० जनवरी २०१९ ई०

M.Katyayana

**प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय**
कुलपति
प्रधान-सम्पादक

## ◈ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ◈ ◈ विषय-सूची ◈ ◈ विक्रम संवत् २०७५ ◈

**श्रीमङ्गलमूर्त्तये नमः**

**श्रीवाग्देवतायै नमः**

**सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च**

सोमसूर्यानिलाकल्पामकल्पामिन्दुशेखराम्।
पञ्चबिन्दुं हरेः शक्तिं पञ्चकृत्यकरीं नुमः॥
पञ्चदेवात्मको भूत्वा पञ्चशक्तिसमन्वितः।
पञ्चसृष्टिमधिष्ठाय प्रपञ्चरहितोऽवतु ॥
प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद् ध्वजारोपणम्
स्नानं मङ्गलमाचरेद्द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ।
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवाऽलङ्कारवस्त्रादिभिः
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च शृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्॥
पारिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः॥
मरीचिहिङ्गुलवणजीरकेण च संयुतम्।
अजमोदायुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये॥

**संवत्सरादिफलश्रवणमाहात्म्यम्-**

**राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलं,**
**धान्येशाद् विमला स्थिरा च सुरसावाणी भवेन्मेघपात्।**
**धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्,**
**सस्येशाद् विमलामतिः शुभकरी राजा बलिः श्रूयताम्॥**

अथ कल्पादितो गतवर्षाणि १९७२९४९१२० सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२० कृतयुगप्रमाणं १७२८००० अस्मिन् युगे श्रीविष्णुमत्स्यकच्छपवराहनृसिंहाऽवताराः। त्रेतायुगप्रमाणं १२९६००० युगेऽस्मिन् श्रीवामनपरशुराम-रामचन्द्राऽवताराः। द्वापरयुगप्रमाणं ८६४००० अस्मिन् युगे कृष्णाबलरामावतारौ। कलियुगप्रमाणं ४३२००० तन्मध्येऽहिंसाव्रती श्री बुद्धाऽवतारोऽभवत्। साम्प्रतं गतकलिवर्षाणि ५१२० भोग्यवर्षाणि ४२६८८० । कलियुगस्य ८२२ वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारः स्यात्।

कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमप्रहरे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ० पुण्यं २०। वैशाखशुक्लतृतीयायां चन्द्रे रोहिणीनक्षत्रे द्वितीयप्रहरे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ५ पुण्यं १५। माघकृष्णामावस्यायां शुक्रे तृतीयप्रहरे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयान्योगे द्वापरोत्पत्तिः। तत्र पापं १० पुण्यं १०। भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां रवौ कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे निशीथे कलियुगोत्पत्तिः। तत्र पापं १५ पुण्यं ५।

श्रीरामरावणयुद्धतो गता वत्सराः ८८०१६१ । श्रीकृष्णावतारतो गताब्दाः ५२५५ । महाभारतयुद्धतो गताब्दाः ५१२० । श्रीमहावीर ( जैन ) निर्वाणसम्वत् २५४४ - २५४५ । श्रीबुद्धसम्वत् २६४२ -२६४३ । श्रीमन्नृपतिवीर-विक्रमादित्यराज्यात् गताब्दाः २०७५ । श्रीशालिवाहनराज्यात् गताब्दाः १९४० , श्रीलक्ष्मणसम्वत् ९१०-९११ । अंग्रेजीसम्वत् २०१९ - २०२० ई. सन्, फसली सन् १४२६ - १४२७ । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये 'परिधावी' नामसम्वत्सरः। तत्र मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ०/२३/१९/४०/४८ भोग्यमासादिः ११/०६/५०/१९/१२ सङ्कल्पादौ वर्षान्तं यावत् 'परिधावी' नाम सम्वत्सरः प्रयोक्तव्यः। अग्निदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम 'ज्येष्ठ' इति। मेघनाम द्रोणः। रोहिणीनिवासः तटे। समयनिवासः रजकगृहे। भारतीयगणराज्य-सम्वत् ७२ - ७३ ।

## आकाशस्थ ग्रहमन्त्रिपरिषद्

**( विभागाधिकारियों के नाम तथा उनके शुभाशुभ फल )**

### 'परिधावी' सम्वत्सर का फल-

**सुभिक्षं क्षेममारोग्यं धनधान्यसमाकुलम्।**
**इष्टमित्रोपकारी च परिधावी वरानने॥**

परिधावी सम्वत्सर में सुभिक्ष, कुशलता, आरोग्यता तथा पृथ्वी धन-धान्य से पूर्ण रहती है तथा लोगों में इष्ट-मित्रों के उपकार की भावना होती है।

**अभिभूतं जगत्सर्वं क्लेशैश्च विविधैरपि। :।**
**समीरणाऽग्निदाहश्च परिधाविनि वत्सरे॥**

परिधावी नामक सम्वत्सर में सभी विविध दुःखों से दुःखी रहते हैं और वाय-जनित उत्पात एवं अग्निभय होता है।

**भूपाहवो महारोगो मध्यस्यार्घवृष्टयः।**
**दुःखिनो जन्तवः सर्वे वत्सरे परिधाविनि॥**

परिधावी नामक सम्वत्सर में राजाओं में परस्पर युद्ध होता है, महारोग फैलता है, अन्न का भाव साधारण रहता है, वृष्टि सामान्य होती है और सभी प्राणी दुःखी रहते हैं।

**परिधाविनि मध्यदेशनाशो नृपहानिर्जलमल्पमग्निकोपः।**

परिधावी नामक सम्वत्सर में मध्यदेश का नाश, नृपहानि, कम वर्षा, अग्निकोप आदि अशुभ फलों की प्राप्ति होती है।

**अनर्घ्याभयरोगेभ्यो भीतिरीतिनिरन्तरम्।**
**परिधावीवत्सरे तु नृणां वृष्टिस्तु मध्यमा॥**

परिधावी सम्वत्सर में अन्न के भाव में वृद्धि होती है। रोग, टिड्डी आदि से उपद्रवों का भय होता है तथा वर्षा सामान्य होती है।

### राजा शनि का फल-

**मन्दस्य राज्ये कृत तत् सकृत् जलम्, प्रभूतरोगैः परिपीडिता जनाः।**
**युद्धं नृपाणां बहुतस्कराद्भयम्, भ्रमन्ति लोकाः क्षुधया प्रपीडिताः॥**

व

**शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीडिता जनाः।**
**युद्धं नृपाणां बहुतस्कराद्भयं भवन्ति लोकाः क्षुधया प्रपीडिताः॥**

शनि राजा हो तो उत्तम वर्षा, विविध रोग, राजाओं में परस्पर युद्ध, तस्करों का भय और क्षुधा से पीड़ित मनुष्यों का पृथ्वी पर विचरण आदि फल होता है।

**अब्देश्वरश्च भूपो वा सस्येशो वार्कनन्दनः ।**
**आतंकश्चौरवह्नयम्बुधान्यभूपभयप्रदः॥**

वर्ष का राजा यदि शनि हो तो उस वर्ष में आतंक, चौर, अग्नि, जल, धान्यहानि तथा राजभय होता है।

**सर्पोपद्रवतो नरः क्षतमना नश्यन्त्यो जन्तवो राष्ट्रोपद्रववाच्यता निगदिता विप्रेषु साधुष्वपि।**

**पीड्यन्ते च समीरणाद् बहुजनाः प्रासादहर्म्यादयो निःशब्दा वसुधा निहन्ति च जलं न स्युः शनौ शालयः॥**

शनि राजा हो तो मनुष्य सर्पों के उपद्रवों से भयभीत, जन्तुओं का विनाश, विप्र एवं साधु समाज में राजकीय अशान्ति, वायुविकार से मनुष्य एवं उत्तम गृह आदि की हानि, शब्दरहित पृथ्वी, अवृष्टि और धान्यादि का विनाश होता है।

## मन्त्री सूर्य का फल–

**नृपभयं गदतोऽपि हि तस्करात्प्रचुरधान्यधनानिमहीतले।**
**रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतः॥**

यदि मन्त्री सूर्य हो तो जनता को राजा, रोग तथा चोरों से भय,पृथ्वी पर प्रचुर अन्न का उत्पादन, रसपदार्थ सस्ते होते हैं।

**आदित्ये बहुवित्तनाशपरो लोकज्वरव्यापितः,**
**मेघानां जलहानिरेव महती शस्यस्य नाशो द्रुतम्।**
**भूपालाः वसुधाभिपालनपरिव्यग्राः सदा निर्जिताः,**
**सर्पश्वापदवेष्टिता च जनता लोकाः विनाशाकुलाः॥**

सूर्य मन्त्री हो तो धनहानि, मनुष्य ज्वरभयाक्रान्त, अवर्षण, धान्यादि का विनाश, निर्जित नृपवर्ग पृथ्वी पालन में व्यग्र, सर्पादि हिंसक प्राणियों से पीड़ित जनसमाज और अनेक दुर्घटनाओं से सभी प्राणी व्याकुल रहते हैं।

**सूर्ये मन्त्रिगते देवि पीडा भवति दारुणा।**
**प्रचुरं धनधान्यानि विप्रपीडा महद्भयम्॥**
**रसो महर्घतां याति शिरोवर्तिस्तथैव च ।**
**देवार्चनमकुर्वन्ति अल्पशस्या च मेदिनी॥**

सूर्य के मन्त्री होने पर उस वर्ष अत्यधिक पीड़ा, धन और धान्य की प्रचुर मात्रा में उपलब्धि, बुद्धिजनों (विद्वानों) को दुःख और भय आदि अशुभ फल मिलता है।

## सस्येश मंगल का फल–

**प्रथमधान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि।**
**ननु भवेद्बहुरोगघनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत्॥**
**शस्याधिपे गते भौमे गोकुलं नश्यते प्रिये।**
**गजवाजि तथा चोष्ट्रा गर्दभाद्या विनश्यति॥**

यदि सस्येश मंगल हो तो हाथी, घोड़े, गदहे, ऊँट, और गौओं को बहुत रोग, वर्षा की कमी, सौख्य का अभाव तथा भूसी वाले अन्नों की कमी रह सकती है।

## धान्येश चन्द्र का फल–

**चन्द्रे धान्याधिपे जाते तोयपूर्णा वसुन्धरा।**
**वर्द्धन्ते सर्वशस्यानि राजते विविधोत्सवैः॥**

यदि चन्द्र धान्येश हो तो पृथ्वी जल से पूर्ण, सभी फसलों की वृद्धि, संसार में विविध उत्सव मनाए जाते हैं।

**चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते।**
**गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तदा बहु॥**

चन्द्रमा धान्यधिप हो तो प्रजा में वृद्धि होती है। गेहूँ, सरसों गोदुग्ध एवं गोदुग्धजन्य उत्पादन में विशेष वृद्धि होती है।

## दुर्गेश शनि का फल–

**रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्चलिता जनाः।**
**विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्धु कश्चन ॥**

यदि दुर्गेश शनि हो तो सर्वत्र अराजकता से जनता पलायन करे। जनता में परस्पर वैर-भाव दिखाई दे। प्राकृतिक प्रकोपों आदि के कारण फसलों से कृषक लोग उचित लाभ प्राप्त ना कर सकेंगे।

## मेघेश शनि का फल–

**रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरलवृष्टिवती वसुधा तदा।**
**मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविधरोगयुता जनता तदा॥**

यदि शनि मेघेश हो तो पृथ्वी पर कम वर्षा होती है, राजाओं के मन में सन्ताप तथा जनता विविध रोगों से पीड़ित रहती है।

**शनौ मेघाधिपे तोयं क्षयं याति सहस्रधा।**
**देशास्तु प्रलयं यान्ति सर्वशस्य महर्घता॥**

शनि के मेघेश होने पर अनावृष्टि, सभी प्रकार के अन्न महँगे तथा देश में प्रलय की स्थिति बनती है।

**मन्दे मन्दजला मेघा दुर्भिक्षैर्व्याकुला मही।**
**वायुना प्रेरिताः मेघाः छिन्ना भिन्ना भवन्ति वै॥**

मेघेश शनि हो तो मन्दवृष्टि, दुर्भिक्ष तथा वायु से प्रेरित मेघ आकाश में छिन्न भिन्न होते हैं।

## रसेश गुरु का फल–

**यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदे कमलवन्ति सरांसि तृणानि च।**
**जनपदा द्विजपूजनतत्परा बहुगजवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः॥**

यदि गुरु रसेश हो तो जनता को सौख्य, तालाबों में कमल सुशोभित, तृण (घास) की उत्पत्ति अधिक तथा लोग जनपदों में ब्राह्मणों का पूजन (सत्कार) करते हैं। राजा लोग हाथी, घोड़े रथ तथा ऊँटों आदि से सुसम्पन्न रहते हैं।

## नीरसेश मंगल का फल–

**नीरसेशो यदा भौमः प्रवालं रक्तवाससम्।**
**रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने-दिने॥**

यदि नीरसेश यदि मंगल हो तो माणिक्य,मूँगा, पुखराज, हीरे आदि रत्न, लाल-वस्त्र ,गर्मवस्त्र, लालचन्दन, सोना, पीतल,ताम्बा, लाख व अन्य लाल रंग के सभी पदार्थ व धातुऐं दिन-प्रतिदिन महँगी होती हैं।

## फलेश शनि का फल–

**यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनितपुष्पगणास्तरवः सदा।**
**द्विजभयं नरतस्करजं तदा जनपदा जनराशिसमाकुला॥**

यदि शनि फलेश हो तो फल-पुष्पों तथा वृक्षों के लिए लड़ाई-झगड़े, मनुष्यों तथा चोरों से द्विजजाति को कष्ट तथा जनपदों में जनसमूह व्याकुल रहेगा।

## धनेश मंगल का फल–

**असित मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरस्तुषधान्यहृत्।**
**सकलदेशगताश्चलिता नरा नरपतिर्जनशोकविधायकः॥**

यदि धनेश मंगल हो तो काले पदार्थों के मूल्य में वृद्धि, शरद्- रितु में सूखा तथा भूसी वाले अन्नों का विनाश, सभी देशों के लोग अशान्त तथा शासक वर्ग जनता को कष्ट देने वाला होता हैं।

## ज्येष्ठ नामक वर्ष का फल–

**ज्येष्ठे जातिकुलधनश्रेणीश्रेष्ठा नृपाः सधर्मज्ञाः।**
**न च वर्षति वै देवो भवेत्शस्यविनाशनम्॥**

ज्येष्ठ वर्ष में धर्म का आचरण करने वाले पीड़ित रहते हैं। वर्षा न होने के कारण फसलें नष्ट हो जाती है।

**ज्येष्ठे जातिकुलधनश्रेणीश्रेष्ठा नृपाः सधर्मज्ञाः।**
**पीड्यन्ते धान्यानि च हित्वा कङ्गुं शमी जातिम्॥**

ज्येष्ठ नामक वर्ष में अच्छे कुल में उत्पन्न, अति धनी, किसी श्रेणी विशेष में श्रेष्ठ, राजा लोग, धर्म के ज्ञाता तथा शमी और कंगनी के अतिरिक्त सभी धान्य पीड़ित होते हैं।

**वृक्षगुल्मलतावीनां क्षेमं शस्यविनाशनम्।**
**ज्येष्ठाब्दे धर्मतत्त्वज्ञाः सन्नृपाः पीडिताः परैः॥**

ज्येष्ठ नामक वर्ष में वृक्ष, गुल्म और लताओं की वृद्धि, तथा धान्य का नाश होता है साथ, ही राजाओं सहित धर्म के विचारक शत्रुओं से पीड़ित होते हैं।

**वृक्षगुल्मलताशस्यक्षेमवर्धविनाशनः।**
**क्रूराज्ञावीप्तिजननो ज्यैष्ठो ज्येष्ठनृपान्तकृत्॥**

वृक्ष, गुल्म, लता, अन्न, सुख, आदि की वृद्धि तभी क्रूर बुद्धि वाले श्रेष्ठ राजाओं और धर्म विचारकों का ज्येष्ठ मास में नाश होता है।

## रोहिणी वास -

विक्रम सम्वत् 2076 में मेष संक्रान्ति का प्रवेश उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में होने से रोहिणी का वास तट में रहेगा।

## रोहिणी वास फल-

यदि तट में रोहिणी का वास हो तो खण्ड वृष्टि होती है

**-सुवृष्टिस्तटभे सति।**

रोहिणी वास तट पर हो तो उपयोगी एवं अनुकूल वर्षा होती है फलस्वरूप नानाविध फसलों, अनाजों, धान्यों, पौधों, वनस्पतियों जड़ी-बुटियों आदि का उत्पादन अच्छा होता है। प्रजा अन्न-धन एवं अन्य सुख-संसाधनों व प्रसाधनों की प्राप्ति कर सुखी रहती है।

**यदिविधिधिष्ण्यपतति तटस्थम्।**
**शुभजलवृष्टिः धनकणवृद्धिः॥**

तट पर रोहिणी वास होने से शुभ वर्षा और अन्न-धन की वृद्धि होती है।

**-तटे वृष्टिः सुशोभना।**

## सम्वत् ( समय ) का वास-

विक्रम-सम्वत् 2076 में रोहिणीवास तट में होने से सम्वत् का वास धोबी (रजक) के घर में होता है।

## सम्वत् वास का फल -

**-रजके वृष्टिरुत्तमा ।**

यदि समय वास धोबी के घर में हो तो बावड़ियों (बावली) कुआँ, तालाब, नदी-नाल, दरिया, बन आदि जल से लबालब भरे रहते हैं।

**वापीकूपतडागानि नदीनदवनानि च।**
**जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि॥**

## सम्वत् का वाहन-

चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा को जो वार होता है, वही उस सम्वत् का राजा होता है। इस प्रकार सम्वत् 2076 का राजा शनि होगा। सम्वत् का राजा शनि होने से सम्वत् 2076 का वाहन भैंसा मतान्तर से घोड़ा होता है।

## सम्वत् वाहन का फल-

विक्रम सम्वत् 2076 का वाहन भैंसा होने से वर्ष भर असमान वर्षा होती है अर्थात् कहीं वर्षा की कमी से सूखा, अकाल-जन्य स्थितियाँ, कहीं उपयोगी एवं अनुकूल वर्षा से सुभिक्ष तथा कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़, भूस्खलन, फसलों की हानि एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं एवं प्राकृतिक प्रकोपों से जन-धन-सम्पदा आदि की हानि होती है। काले रंग की वस्तुओं की जनता में लोक-प्रियता बढ़ने से महँगाई होती है। लोगों के प्रवृति तामसिक होती है तथा राजनेताओं मे परस्पर राजनैतिक मतभेद, षड्यन्त्र, विद्रोह एवं उपद्रव आदि युद्ध जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं। सत्ता-परिवर्तन एवं राजसत्ता प्राप्ति के लिए अनेक राजनैतिक गठजोड़ होंगे। भूकम्पादि उत्पात, महाभय की स्थिति, राजाओं मे विग्रह तथा वर्षा की कमी होती है।

**अश्वारूढो वत्सरश्च भूमिकम्पो महाभयम् ।**
**राजानो विग्रहं यान्ति वृष्टिनाशो महर्घता ॥**

कुछ स्थलों पर वर्षा की असमानता एवं असामयिकता के कारण दुर्भिक्ष-जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं । भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़, उल्कापात, विद्युतपात आदि प्राकृतिक आपदाओं का भय बना रहेगा तथा बाजारों में महँगाई का रूख रहेगा, राजाओं में परस्पर घोर विग्रह तथा युद्ध-जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं।

**राजानो विग्रहं यान्ति वृष्टिनाशो महर्घता ।**
**भूमिकम्पो भयं घोरं महिषारूढे तु वत्सरे ॥**

## द्वादश नागों में वज्रदंष्ट्र नाग का फल-

सुबुध्नादि द्वादशनागों में इस वर्ष वज्रदंष्ट्र नामक नाग है। वज्रदंष्ट्र नामक नाग होने से सम्वत् भर उपयोगी एवं अनुकूल वर्षा की कमी बनी रहती है। यथा-

**-वज्रदंष्ट्रे त्वनावृष्टिः।**

वर्षा की कमी से सभी प्रकार की फसलों के उत्पादन में कमी एवं हानि होने से दुर्भिक्ष-जन्य स्थिति बनी रहती है अर्थात् सभी अनाज, धान्य, फसलों आदि के उत्पादन में कमी होने से मूल्यों में अत्यधिक वृद्धि होती है।

**यत्र सम्वत्सरे नागो वज्रदंष्ट्राभिधानकः ।**
**तदाम्बुवर्षणं नैव सर्व-शस्य-विनाशनम् ॥**

## चतुर्मेघ विचार एवं फल-

सम्वत् 2076 में आवर्तकादि चतुर्मेघों में से 'द्रोण' नामक मेघ है। द्रोण नामक मेघ होने पर सर्वत्र पर्याप्त वर्षा होती है।

**-द्रोणो वर्षति सर्वदा ।**

द्रोण नामक मेघ होने पर शासक वर्ग समृद्ध एवं सम्पति सम्पन्न होता है। सम्पूर्ण विश्व और देश में धन-धान्य की समृद्धि होती है तथा सभी स्थानों पर पर्याप्त वर्षा होती है अतः अनके स्थलों पर बाढ़-जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होने की भी नितान्त सम्भावना बनी रहती है। द्रोण मेघ में लोगों में परस्पर वैमनस्य बना रहता है।

**द्रोणो द्रोहकरो लोके जलदा भूरितो यदा ।**
**हीना वृद्धिं सुसंयान्ति शस्यं भवति दुर्लभम् ॥**

मेघ उत्तम वर्षा करते हैं, हीन व्यक्तियों की उन्नति तथा शस्य का अभाव होता है।

**-द्रोणो बहुवारिदः।**

## नवमेघ विचार एवं फल–

नव सम्वत् 2076 में आवर्तकादि नवमेघों में से पुष्कर नामक मेघ है। पुष्कर नामक मेघ हो तो वृक्षों पर कंद, मूल, फल–फूलों आदि का उत्पादन कम होता है ।

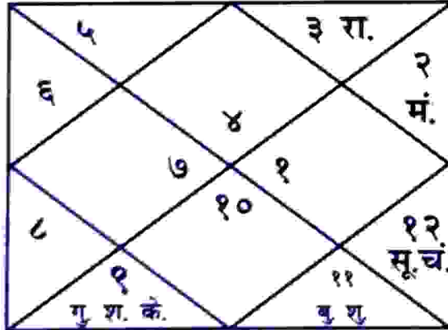
**–पुष्करे मध्यमं तोयम्।**

पुष्कर नामक मेघ होने पर वर्षा का कमी होने से अनाज, धान्य, फसलों आदि का उत्पादन कम होता है परिणामस्वरूप इनके मूल्यों में वृद्धि तथा पापकर्मों में भी वृद्धि होती है। प्रजा नाना प्रकार के गम्भीर रोगों से ग्रस्त रहती है। कहीं बाढ़ तथा कहीं अकाल जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं तथा कहीं वर्षा की कमी रहती है।

**नैव कंदफलमूलविवृद्धिर्जायते विविधपातकवृद्धिः ।**
**रोगतोजनकृशत्वमनल्पं पुष्करे जलधरे जलमल्पम् ॥**

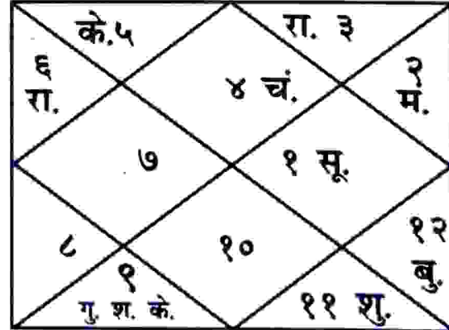
**विक्रम शुभ सम्वत् 2076 की वर्ष प्रवेशकालीन एवं जगत्-लग्न कुण्डलियाँ–**

**नववर्षप्रवेश–कुण्डली**




**०५ अप्रैल, सन् २०१९ ई०, १४ घं. २१ मि. ( भा.मा.स. )**

**जगल्लग्न–कुण्डली**




**१४ अप्रैल, सन् २०१९ ई०, १४ घं. ०८ मि.( भा.मा.स. )**

गत विरोधकृत् नामक विक्रम संवत् 2075 की समाप्ति के अनन्तर 'परिधावी' नामक विक्रम संवत् 2076 का प्रवेश 05 अप्रैल, 2019 ई. शुक्रवार तदनुसार चैत्र मास, 23 प्रविष्टे को अपराह्नकाल में 14 घं. 21 मि. पर रेवती नक्षत्र, ऐन्द्र नामक योग, मीनस्थ चन्द्र के समय कर्क लग्न में होगा किन्तु वासन्तिक नवरात्रों का शुभारम्भ अग्रिम दिन 6 अप्रैल, 2019 ई. को प्रातः सूर्योदय काल से होगा । इस वर्ष नवरात्रे 6 अप्रैल, 2019 ई. से 14 अप्रैल, 2019 ई. तक रहेंगे किन्तु शास्त्रानुसार श्रीरामनवमी का पर्व 13 अप्रैल, 2019 ई. को मनाया जाएगा।

नवरात्र के प्रथम दिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन, सम्वत्सर पूजन एवं श्री गणेश, विष्णु, शिव और देवी दुर्गा पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है। इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम नवीन सम्वत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान् ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर, उन्हें विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर, नानाविधपक्वान्नों, फलों और मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम, संवत् का वास, राजा और मन्त्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रोल्लिखित है। जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को सम्वत्सर का पवित्र फल सुनता है वह धनाढ्य और बहुत अन्न वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीड़ाएँ (व्याधियाँ) दूर हो जाती हैं। शाके को सुनने से मनुष्य को पुण्य प्राप्त होता है, सम्वत्सर से सम्पत्तिवान् होता है, संवत् के राजा का फल सुनने से राजकुल में विजय होती है, मन्त्री का फल बुद्धि देता है, धनाधिप से धान्य, रसाधिप से रस तथा सस्येश से समस्त सुख मिलते हैं। अतः सिद्धिदायक सम्वत्सर के फल को अवश्य सुनना चाहिए।

नवविक्रम संवत् 2076 में मुख्य दस पदाधिकारों में से अतिविशिष्ट सर्वोच्च राजा तथा दुर्गेश, मेघेश और फलेश सहित मुख्य चार पदों के नेतृत्व का अधिकार शनि ग्रह को प्राप्त है। मंत्री पद के नेतृत्व का अधिकार सूर्य ग्रह को, सस्येश, नीरसेश और धनेश तीन अति महत्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार भौम ग्रह को, धान्येश पद के नेतृत्व का अधिकार चन्द्र ग्रह को तथा रसेश पद के नेतृत्व का अधिकार गुरु ग्रह को प्राप्त है। इस प्रकार परिधावी नामक नव सम्वत्सर 2076 विक्रम में कुल दस महत्त्वपूर्ण अतिविशिष्ट पदों में से सर्वोच्च राजा और मन्त्री के दो महत्त्वपूर्ण मुख्य पद क्रमशः परस्पर विरूद्धधर्माश्रयी प्रबल शत्रु शनि और सूर्य ग्रहों को प्राप्त हैं। इसके अतिरिक्त शेष आठ पदों में से दुर्गेश, मेघेश और फलेश तीन महत्त्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार शनि ग्रह को, सस्येश, नीरसेश और धनेश सहित तीन महत्त्वपूर्ण पदों का अधिकार भौम ग्रह को, धान्येश पद का नेतृत्व चन्द्र ग्रह को तथा रसेश पद के नेतृत्व का उत्तरदायित्व गुरु ग्रह को प्राप्त है। इस प्रकार नव वि. सम्वत् 2076 में दस पदाधिकारों में से बुध और शुक्र दोनों शुभ ग्रहों को किसी भी पद के नेतृत्व का अधिकार प्राप्त नहीं है।

उपरोक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि विक्रम संवत् 2076 में ग्रहों की कौंसिल (ग्रहपरिषद्) के दस पदाधिकारों में से 08 पदाधिकार उग्र ( क्रूर) ग्रहों को तथा केवल 02 अधिकार सौम्य ग्रहों को प्राप्त हुए हैं। सबसे सर्वश्रेष्ठ महत्त्वपूर्ण मुख्य राजा पद के नेतृत्व के अधिकार सहित दुर्गेश, मेघेश और फलेश सहित महत्त्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार तमोगुणी शनि ग्रह को प्राप्त है तथा सस्येश, नीरसेश और धनेश जैसे महत्त्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार पराक्रमी (क्रूर) ग्रह मंगल को प्राप्त है। मन्त्री का महत्त्वपूर्ण पद तेजस्वी क्रूर ग्रह सूर्य को प्राप्त है। आगामी नव वि. सवंत् 2076 की ग्रह-परिषद् में क्रूर ग्रहों का बाहुल्य होने से आगामी वर्ष विश्व पटल पर विशेषकर भारत, पाकिस्तान व अन्य एशियाई देशों का राजनीतिक एवं समाजिक वातावरण विक्षुब्ध, अनिश्चित, तनावपूर्ण एवं अशान्त रहेगा। विश्व के अनेक देशों में परस्पर आर्थिक, भौगोलिक, राजनीतिक, व्यावसायिक नीतियों, अनुबन्धों एवं प्रतिबन्धों के कारण तनाव, टकराव व प्रतिद्वन्दिता का वातावरण बना रहेगा। विभिन्न देशों में विद्रोह, आर्थिक एवं मुद्रा संकट तथा तेल- पैट्रोल आदि द्रव्यों के मूल्यों में विशेष उथल-पुथल होगी। राजा एवं मन्त्री दोनों सर्वश्रेष्ठ प्रधान पद परस्पर विरोधी ग्रहों शनि और सूर्य को प्राप्त होने तथा वर्षा(मेघेश) सेना (दुर्गेश) तथा फलों (फलेश) के अधिकार शनि ग्रह के पास होने से राजनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में अस्थिरता का वातावरण बना रहेगा। समाज में अत्यधिक क्रोध एवं आवेश के कारण हिंसक, धार्मिक एवं साम्प्रदायिक घटनाएँ अधिक घटित होंगी। विपक्षी पार्टियों द्वारा सत्ताशीन पार्टी पर दबाव बनाने हेतु महागठबन्धन बनाने का एक प्रयास किया जाएगा परिणामस्वरूप सत्तारूढ़ गठबन्धन को बहुमत प्राप्त करना एक मुश्किल एवं चुनौतिपूर्ण कार्य होगा। राजा शनि एवं मंत्री सूर्य होने से कुछ सत्तारूढ़ पार्टी के अति-स्वार्थी एवं लोभी लोग अपनी एवं विपक्षी पार्टियों के समान गुणधर्मी लोगों को साथ में जोड़कर सत्तारूढ़ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में भी परिवर्तन करने का प्रयास कर सकते हैं। अधिकांश नेताओं एवं सरकारी तन्त्र के लोगों का नैतिक और अनैतिक तरीके से अधिकाधिक धन-संग्रह करने की होड़ में नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों का निरन्तर ह्रास होगा। सरकारी खर्चों में

अत्यधिक वृद्धि होगी। दिशाहीन आर्थिक प्रगति होने से समाज का एक विशेष वर्ग ही लाभान्वित होगा तथा सामान्य वर्ग के लोग तथाकथित विकास कार्यों के सुअवसरों से लाभान्वित नहीं हो सकेंगे। फसलों, धातुओं और कोष का स्वामी उग्र ग्रह मंगल होने से आर्थिक क्षेत्रों में अस्थिरता बनी रहेगी। अधिक गरीब एवं अधिक अमीर लोग समस्त योजनाओं से लाभान्वित होकर उन्नति पथ पर अग्रसारित होंगे किन्तु मध्यमवर्ग के लोग सरकार की योजनाओं से भयग्रस्त, निराश होकर त्रस्त एवं पस्त होंगे। राजनेताओं का मनमाना आचरण प्रजा के अधिकांश दु:खों का कारण बनेगा। सोना, चाँदी, पीतल आदि धातुओं के मूल्यों में वृद्धि होगी। मेघेश शनि होने से विषम एवं अनुपयोगी वर्षा हाने से कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आदि का प्रकोप एवं कहीं अल्प वर्षा के कारण विविध धान्यों, अनाजों, वनस्पतियों, फलों, फूलों आदि कृषिजन्य फसलों के उत्पादन में कमी होती है। प्राकृतिक प्रकोपों, आपदाओं, आतंकवादी आदि घटनाओं के कारण किसी विशेष स्थल से लोग दूसरी जगह पलायन करने के लिए विवश हो जाएंगे। सेना का पद भी शनि ग्रह के पास होने से शनि से प्रभावित देशों, प्रदेशों, क्षेत्रों में आन्तरिक धार्मिक एवं साम्प्रदायिक दंगे, झगडे, युद्ध, तोड़-फोड़ व टकरावजन्य विकट परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी। धान्य का स्वामी चन्द्र होने से गेहूँ, चना, चावल, ईख, कपास आदि अन्नों एवं फसलों की उत्पति पर्याप्त होगी तथा जनसंख्या में विशेष वृद्धि होगी। रसेश गुरु होने से समाज में धार्मिक उत्सवों के प्रचार-प्रसार अधिक मात्रा में होंगे। मन्त्री पद सूर्य के पास होने से केन्द्र व राज्य सरकारों में केन्द्रीय कर-आवन्टन मामलों में मतभेद रहेंगे। सरकार की कठोर नीतियों, गतिविधियों के कारण प्रजा में भय एवं असन्तोष का वातावरण बना रहेगा। परिधावी नामक सम्वत्सर के प्रभावस्वरूप विभिन्न देशों के मध्य युद्ध-जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगी। भारत देश में विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के मध्य परस्पर आरोप-प्रत्यारोप का विषाक्त अशान्त वातावरण बना रहेगा।

वि. सम्वत् 2076 में वर्ष प्रवेश कर्क लग्न में होने से पूर्वी देशों, राज्यों, क्षेत्रों एवं प्रान्तों में सुख-समृद्धि दायक वातावरण बना रहेगा किन्तु उत्तरी दिशा के देशों, प्रदेशों, क्षेत्रों, प्रान्तों एवं नगरों में अशान्ति, दु:ख एवं युद्ध-विग्रह जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगी तथा प्राकृतिक आपदाओं से व्यापक जन-धन की हानि सम्भावित है। पश्चिम देशों, राज्यों, क्षेत्रों एवं प्रान्तों आदि में दुर्भिक्ष (अकाल) से फसलों की हानि तथा लोगों में क्लिष्ट एवं असाध्य रोगों की उत्पत्ति का भय निरन्तर बना रहेगा। यथा-

**कर्के सुखं तु पूर्वस्याम् उत्तरस्यां तु विग्रहः।**
**स्याच्चासनबलं यावद् दुर्भिक्षं पश्चिमे दिशि॥**

वि. सम्वत् 2076 में जगत् लग्न का उदय भी वर्ष प्रवेश लग्न की भान्ति कर्क (चर) लग्न में ही हुआ है। लग्नेश चन्द्र की लग्न में स्वराशिगत स्थिति है।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के सप्तम भाव में मकर राशि उदित है, जो भारत देश की राशि भी है। इस राशि के स्वामी शनि की कुण्डली के षष्ठ भाव में धनुराशि गत षष्ठेश गुरु वा पापी केतु के साथ स्थिति तथा उस पर राहु एवं प्रबल शत्रु मंगल की दृष्टि के साथ 06 मई , 2019 ई. तक मंगल-शनि के मध्य षडाष्टक तथा 21 जून, 2019 ई. तक समसप्तक सम्बन्ध योग रहेगा। ग्रहस्थिति, दृष्टि, युति एवं अन्य योगानुसार यह संकेत मिल रहा है कि भारत देश विश्व के राजनीतिक

ध्रुव पटल पर केन्द्र के रूप में मुख्य भूमिका निभाएगा। अमरीका, भारत, इन्डोनेशिया, ईरान आदि विकसित एवं विकासशील देशों के मध्य कुछ नए राजनीतिक समीकरण बनेंगे। मंगल वृष राशि में स्थित होकर षष्ठ भावस्थ शनि के साथ षडाष्टक सम्बन्ध बना रहा है परिणामस्वरूप पाकिस्तान, ईरान, ईराक, तुर्क, अफगानिस्तान, कतर, सीरिया, यमन आदि मुस्लिम बाहुल्य देश विश्व राजनीतिक का ध्रुवीकरण बने रहेंगे। जगत् लग्न कुण्डली में अमरीका की प्रभाव राशि मिथुन में उच्च राहु की स्थिति तथा षष्ठस्थ पापी केतु और शनि तथा षष्ठेश गुरु की पूर्ण दृष्टि है। 07 मई से 21 जून, 2019 ई. तक इस मिथुन राशि पर मंगल और राहु की युति होने से अमरीका की स्वार्थपूर्ण कूटनीतियों एवं ईरान, ईराक, तुर्क, यमन आदि मुस्लिम बाहुल्य देशों पर प्रतिबन्धों के कारण विश्व राजनीति में शीतयुद्ध जैसी परिस्थितियाँ बनी रहेंगी। अमरीका की तानाशाही द्वारा लिए गए कुछ एकपक्षीय निर्णयों के विरूद्ध यूरोप तथा अनेक एशियाई देश नए समझौते के अन्तर्गत अमरीका के प्रभाव-क्षेत्र से मुक्त होने का समवेत प्रयास करेंगे। योजना और विकास के नवम भाव में अमरीका की राशि का स्वामी बुध के नीचस्थ होने से कुछ पश्चिमी एशियाई देश अमरीका की स्वार्थी कूटनीतियों एवं भेद-भावपूर्ण नीतियों के विरूद्ध प्रखर रूप में विरोध एवं प्रत्याकार करेंगे। जगत् लग्न कुण्डली में प्रवेश के आस-पास ही भारत में राजनीतिक उथल-पुथल एवं परिवर्तन से विश्व तथा सम्पूर्ण राजनैतिक-वैश्विीकरण के समक्ष एक आश्चर्यजनक परिदृश्य समुपस्थित होगा। जगत् लग्न का प्रवेश शूल नामक योग में होने से विश्व में कोई बड़ा अमंगल होने का भय भी बना रहेगा।

## शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल

गोचर में जब शनि जिस जातक की जन्मराशि से बारहवीं राशि में प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को साढ़ेसाती प्रारम्भ होती है। शनि मध्यमगति से एक राशि में ढाई वर्ष रहता है। वास्तव में जब शनि जातक की राशि पर या उसकी राशि से अग्रिम या पृष्ठस्थ राशियों पर गोचरीय भ्रमण करता है तब जातक पर शनि का शुभ और अशुभ प्रभाव भारी मात्रा में पड़ता है। शनि मध्यममान से एक राशि में अढ़ाई वर्ष रहता है। इस प्रकार जातक की राशि और उसकी राशि से पृष्ठीय तथा अग्रिम निकटस्थ राशियों में शनि स्थिति का प्रभाव अधिकतम साढ़े सात वर्ष तक रहता है। शनि का साढ़ेसात वर्ष तक प्रभाव होने के कारण ही इसे शनि की साढ़ेसाती कहते हैं। संस्कृत में इसे बृहत्-कल्याणी, मराठी में बड़ी पनोति कहते हैं। जन्मराशि से गोचरीय भ्रमण में बारहवां शनि शिर पर, जन्मराशि का शनि हृदय या छाती पर तथा दूसरा शनि पांवों पर आया हुआ कहा जाता है। इन राशियों का शनि अत्यन्त दुष्ट एवं नीच लोगों से नाना प्रकार का कष्ट-पीड़ा एवं क्लेशदायक, पुत्र और पशुओं को पीड़ादायक, वाहनादि की हानि, रोग, मृत्यु, विदेशगमन, धन समृद्धि का विनाश, पति-पत्नी के परस्पर सुख का अभाव, राजभय, बन्धन और अन्यसुखों का अभाव करने वाला होता है।

**द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः ।**
**सार्धानि सप्तवर्षाणि तदा दुःखैः युतो भवेत् ॥**

शनि ग्रह जब जिस जातक की जन्मराशि से चौथी या आठवीं राशि में गोचरीय भ्रमण से प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को शनि की क्रमशः चतुर्थस्थ एवं अष्टमस्थ ढैय्या प्रारम्भ होती है। इस प्रकार की शनि स्थिति का अशुभ

प्रभाव भी जातक पर भारी मात्रा में पड़ता है। संस्कृत में इसे लघुकल्याणी तथा गुजराती व मराठी में छोटी पनोति कहते हैं। राशि से चौथी एवं आठवीं राशि में गोचरीयभ्रमण करने वाला शनि व्याधि, रोग, कष्ट, दुःख, पीड़ा, परेशानी, मृत्यु, अग्नि और शस्त्रभय, प्रदेशगमन, क्लेश एवं चिन्ता तथा भाई-बन्धुओं के साथ विरोध उत्पन्न करने वाला होता है।

**लघुकल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशे चतुर्थाष्टमे,**
**व्याधिं बन्धुविरोधं विदेशगमनं, क्लेशं च चिन्ताधिकम् ॥**

शास्त्रों में तथा लोकव्यवहार में शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल बहुत ही दुःखदायक एवं अनिष्टकारी माना गया है परन्तु यह सत्य नहीं है। शनि जातक की जन्मकुण्डली में अपनी विशेष स्थिति, दृष्टि, युति एवं अन्य ग्रहों से सम्बन्ध के आधार पर ही अच्छा और बुरा फल देता है।

जातक की जन्मकुण्डली में शनि और चन्द्रमा यदि पायुक्त, पापदृष्ट या पापकर्त्री योग में न हों तथा शनि अपनी मित्रराशि, स्वराशि मूलत्रिकोण राशि या उच्चराशि का होकर प्रशस्त ३, ६, ११ भावों में स्थित हो तथा उसकी महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यन्तर्दशा, गोचर एवं अन्य शुभ योगकारक ग्रहों के आधर पर श्रेष्ठ समय चल रहा हो तो साढ़ेसाती एवं ढैय्या का अशुभ एवं अनिष्टकारी प्रभाव या तो होता ही नहीं है या बिल्कुल न्यूनतम होता है। शनि केन्द्रेश, त्रिकोणेश आदि के आधार पर शुभ या राजयोग कारक होकर शुभ भावों में स्थित हो तथा उसका अन्य उच्चादि राशियों में स्थित राजयोग कारक शुभ एवं मित्र ग्रहों से शुभ सम्बन्ध हो तथा गोचर में भी शुभप्रभाव युक्त हो तो साढ़ेसाती या ढैय्या जातक को विपुल धन-धान्य, राजसी सुख एवं मान-सम्मान, ख्याति, पद-प्रतिष्ठा, वैभव सब कुछ प्रदान करने वाली होती है।

26 अक्तूबर, सन् 2017 ई. धनुराशि में संचरणशील शनि देव आगामी नव वि. सम्वत् 2076 के आरम्भ (06 अप्रैल, 2019 ई.) से 23 जनवरी सन् 2020 ई. तक धनु राशि में तदनन्तर मकर राशि में संचार करेंगे। नव वि. सम्वत् 2076 के आरम्भ (06 अप्रैल, 2019 ई. ) से 30 अप्रैल, 2019 ई. तक मार्गी तदनन्तर 30 अप्रैल, 2019 ई. से 18 सितम्बर, 2019 ई. तक वक्री तदनन्तर मार्गी गति से संचरण करते हुए 24 जनवरी, 2020 ई. को अपनी स्वराशि मकर में प्रवेश कर विचरण करेंगे। फलस्वरूप वि. सम्वत् 2076 के आरम्भ से 24 जनवरी, 2020 ई. तक वृश्चिक, धनु,और मकर राशि वाले जातकों पर शनि की साढ़ेसाती का शुभाशुभ प्रभाव तथा वृष और कन्या राशि वाले जातकों पर शनि की ढैय्या का शुभाशुभ प्रभाव रहेगा। 24 जनवरी, सन् 2020 ई. से सम्वत् 2076 विक्रम के अन्त तक शनि की साढ़ेसाती का धनु, मकर और कुम्भ राशि वाले जातकों पर शुभाशुभ प्रभाव तथा मिथुन और तुला राशि वाले जातकों पर शनि की ढैय्या का शुभाशुभ प्रभाव रहेगा।

परन्तु शनि साढ़ेसाती एवं ढैय्या के शुभाशुभ प्रभाव की मात्रा जातक की जन्मकुण्डली में शनि की स्थिति पर निर्भर होती है। यदि जन्मकुण्डली में शनि नीच राशि, शत्रुराशि, अस्त, वक्री, पापाक्रान्त, पाप ग्रहों से युत या दृष्ट हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का बुरा प्रभाव जातक पर अधिकतम होगा, इसके विपरीत यदि जन्मकुण्डली में शनि अपनी उच्च राशि, मूलत्रिकोण राशि, स्वराशि, मित्रराशि, मार्गी, शुभाक्रान्त, शुभग्रहों से युत या दृष्ट आदि शुभ स्थिति में हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का अशुभ प्रभाव जातक पर नहीं पड़ेगा

या न्यूनतम ही पड़ेगा किन्तु यदि शनि योगकारक आदि होकर षोडशवर्ग, अष्टकवर्ग एवं षड्बल आदि के आधार पर बली सिद्ध हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या में जातक को अप्रत्याशित सफलता और सम्पन्नता आदि अनेक शुभफलों की प्राप्ति होती है। जिन जातकों की जन्मकुण्डली में शनि पाप स्थिति या सम्बन्ध में होता है उन्हें शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या में मानसिक व्यथा, रोग-पीड़ा, दुःख-कष्ट, गृह-क्लेश, चोर-भय, अग्निभय, जलभय, राजभय, राजदण्ड, पदच्युति एवं अवनति आदि अशुभफलों की प्राप्ति होती है।

शनि के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शास्त्रों में प्रतिपादित उपायों को विधिपूर्वक सम्पन्न करने या करवाने से निश्चित रुप से लाभ होता है।

(१) शनिवासरी अमावस्या को सायंकाल में सूर्यास्त के बाद शनि पूजन, मन्त्र जाप एवं स्तोत्र पाठ करना चाहिए।

(२) प्रत्येक शनिवार को सायंकाल में शनि के बीजमन्त्रों, पौराणिक मन्त्रों या वैदिक मन्त्रों का संकल्पपूर्वक जाप करना चाहिए।

(३) शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करना या सुनना चाहिए।

(४) शनिवार सायंकाल को पीपल वृक्ष के पास या शनि मन्दिर में तेल का दीपक जलाना चाहिए।

(५) प्रतिदिन या शनिवार को प्रातःकाल में भगवान शिव का पूजन करके, पीपल वृक्ष के समीप शनि स्तोत्र का पाठ करके कच्ची लस्सी में काले तिल डालकर वृक्षमूल में लस्सी चढ़ानी चाहिए।

(६) शनिवार का व्रत रखना चाहिए।

(७) काले घोड़े की नाल या नाव के तल में लगी हुई कील से निर्मित अँगूठी या शनियन्त्र या नीलम रत्न जड़ित मुद्रिका को विधिपूर्वक शुभ मुहूर्त में निर्माण करवाकर शुभमुहूर्त में शनिवार को विधियुक्त पूजा करके धारण करना चाहिए।

(८) शनिवार को बन्दरों को गुड़ और चना खिलाना चाहिए।

(९) शनिवार को पक्षियों को सप्तधान्य डालना श्रेयस्कर है।

(१०) शनिवार को सप्तधान्यादि का या काले पदार्थों, काले वस्त्रों आदि का दान करना चाहिए।

(११) शनि साढ़ेसाती, ढैय्या एवं शनि पाया के अधिकतम अशुभ फल की शान्ति के लिए बीज मन्त्रों, वैदिक मन्त्रों या महामृत्युञ्जय आदि मन्त्रों का पर्याप्त संख्या में जाप एवं हवन करना चाहिए।

(१२) छायापात्र दान, तुलादान, भूदान, स्वर्णदान आदि का दान करना चाहिए।

(१३) तेल में मुख देखकर उस तेल में उड़द की दाल के नानाविध मीठे और नमकीन पक्वान्न बनाकर गरीबों, मजदूरों, कुष्ठरोगियों आदि को खिलाने चाहिए, इसके अतिरिक्त काले कुत्ते, भैंसे या साँड आदि को खिलाना भी

श्रेयस्कर रहेग। उपरोक्त उपायों को किसी विशेष शुभ-मुहूर्त में शनिवार से प्रारम्भ करके प्रतिदिन या प्रत्येक शनिवार को करना चाहिए। विशेष उपायों को शनैश्चरी अमावस्या को करना या करवाना चाहिए। किसी भी उपाय को करने से निश्चित रूप से शनि-जनित अरिष्टों की शान्ति होती है।

### आय व्यय चक्र द्वारा शुभाशुभ फल -

संवत् में लाभ-हानि का ज्ञान करने हेतु आय-व्यय चक्र -

**आय-व्यय चक्र ( विंशोत्तरी मतानुसार )**

**( सम्वतसर 2076 का राजा-शनि )**

| राशि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आय | ०८ | ०२ | ०८ | ०२ | ०५ | ०८ | ०२ | ०८ | ०५ | १४ | १४ | ०५ |
| व्यय | ०५ | १४ | ११ | ०८ | ०५ | ११ | १४ | ०५ | ११ | ११ | ११ | ११ |

आगामी सम्वत्सर में जातक से सम्बन्धित शुभाशुभ फल ज्ञात करने हेतु आय-व्यय बोधक चक्र में जातक की राशि के लाभ-हानि अंकों के योग में से एक घटाकर शेष को ८ से भाग दें। भाग देने पर यदि शेष, १, २, ६, ७ बचे तो अभीष्ट सम्वत् में जातक को उत्तम लाभ होगा। शेष ३, ४, ५ या ८ हो तो लाभ से अधिक व्यय होने से परेशानियाँ बढ़ती हैं। अर्थात् शेष ०१ में लाभ, ०२ में सौख्य, ०३ में क्लेश, ०४ में रोग, ०५ में मिथ्या अपवाद, ०६ में सम्मान, ०७ में विजय, ०८ या ० में हानि समझनी चाहिए।

यथोक्तम् -

**लाभव्ययौ समौ कृत्वा एकहीनं तु कारयेत्।**
**अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमाविशेत्॥**
**लाभं सौख्यं तथा क्लेशं रोगं लोकापवावनम्।**
**सम्मानं विजयं हानिं कथितं पूर्वसूरिभिः॥**

## राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों द्वारा लाभ-व्यय ज्ञान -

संवत् में जिस जातक से सम्बन्धित लाभ-व्यय ज्ञान अपेक्षित हो सर्वप्रथम उस जातक की राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों में अभीष्ट वर्ष के राजा के ध्रुवाङ्कों को जोड़ देते हैं। योगफल को 3 से गुणाकर, गुणनफल में 5 जोड़कर 15 से भाग देने पर जो शेष बचे वह लाभ होता है। लब्धि को 3 से गुणा करने पर गुणनफल में 5जोड़ने तथा योगफल में 15 से भाग देने पर जो शेष रहे वह खर्च जानना चाहिए। सम्वत् 2076 में मेषादि द्वादश राशियों के जातकों हेतु लाभ-हानि की मात्रा का समानपातीय ज्ञान ध्रुवाङ्क चक्र द्वारा स्पष्ट है।

लाभ-हानि चक्र (ध्रुवाङ्कों के आधार पर)

| राशि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | १४ | ०८ | ११ | ०५ | ०८ | ११ | ०८ | १४ | ०२ | ०५ | ०५ | ०२ |
| हानि | १४ | ०८ | ०५ | ०५ | १४ | ०५ | ०८ | १४ | ०८ | ०२ | ०२ | ०८ |

**इतीवं वत्सरफलं वत्सरावि - तिथौ शुभम् ।**
**यः श्रृणोति नरो भक्त्या स सुखी वत्सरं भवेत्॥**

**प्रो. विनोद कुमार शर्मा**
आचार्य एवं अध्यक्ष
ज्योतिष-विभाग

# वि० संवत् २०७६ सन् २०१९-२०२० ई० में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

**मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।**

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। संपूर्ण वर्ष शुभाशुभ फल प्राप्ति के उतार चढ़ाव बने रहेंगे। वर्षारम्भ में भाग्येश गुरु की अष्टम स्थान से राशीश मंगल पर पूर्ण दृष्टि होने के कारण धनप्राप्ति व पारिवारिक सुख में न्यूनता रहेगी। संचित-धन अनावश्यक कार्यों पर व्यय होगा, तथापि धनागम व कुटुम्ब में मांगलिक कृत्यों में कोई कमी नहीं होगी। कर्मेश-लाभेश शनि के भाग्य स्थान में स्थित होने से कार्यव्यापार एवं लाभ-मार्ग प्रशस्त रहेंगे, किन्तु फल प्राप्ति में विलम्ब रहेगा। २२ जून के पश्चात भूमि-भवन-वाहनादि का सुख प्राप्त होगा। व्यवसाय में लाभ, पराक्रम व उत्साह में वृद्धि रहेगी। व्यापारी वर्ग के लिए यह समय कार्यालय व भवन निर्माण हेतु अनुकूल रहेगा। प्रशासनिक व राजकीय कार्यों में रत व्यक्तियों के लिए यह समय यश व पराक्रमदायक रहेगा। विद्यार्थियों के लिए सितम्बर के पश्चात रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में विस्तार की योजनाएँ कार्यान्वित होगी वर्षान्त में अनावश्यक व्यय व यात्राएँ सम्भव हैं। अनिष्टशान्ति एवं शुभफलप्राप्ति हेतु विष्णु-उपासना, कदली वृक्ष पूजन एवं सत्यनारायणकथा श्रेयस्कर रहेगी।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में राशीश मंगल भाग्येश गुरु से पूर्ण रूप से दृष्ट रहेगा, किन्तु अष्टम में स्थिति होने के कारण धनागम के क्षेत्र किञ्चित संकुचित रहेंगे। कार्यव्यवसाय संबंधी योजनाएँ कार्यान्वित होने में विलम्ब होगा। छोटे भाई से मतभेद व अकारण वैमनस्य होने से मानसिक संताप रहेगा। उच्चस्थ सूर्य के प्रभाव से राजकीय व प्रशासनिक क्षेत्रों से सहयोग प्राप्त होगा, लाभमार्ग व कार्यक्षेत्र प्रशस्त होगा मन में संतुष्टि रहेगी, मासान्त में भूमि-भवन-वाहन का लाभ होगा। ८,९,१७,१८,२६,२७ अप्रैल एवं ५,६,७,१४,१५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग, होगा, पैतृक सम्पति से लाभ, मित्रवर्ग से संतुष्टि व सौहार्द रहेगा। नवीन गृह, कार्यालय निर्माण के सुअवसर प्राप्त होंगे। व्यापार में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे, नवीन रोजगार की योजनाएँ कार्यान्वित होगी। मासान्त में मातृ पक्ष से वैचारिक मतभेद मन को संतप्त करेंगे। मिथ्यारोपों से हृदय ग्लानियुक्त रहेगा। संयम व धैर्य ही अपेक्षित होगा। शिरशूल, ज्वर संक्रमण व अस्थायी त्रिदोषों से स्वास्थ्य रक्षा आवश्यक होगी। २३, २४ मई २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० जून एवं ८, ९, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में राशीश अपनी नीच राशि कर्क में स्थित रहेगा, फलस्वरूप गृह निर्माण, वाहन-भूमि एवं मातृपक्ष से असंतुष्टि व मानसिक कष्ट रहेगा। पूर्वनियोजित कार्य लम्बित होने से मन खिन्न रहेगा, समाज में मानसम्मान, मित्रबन्धुओं से सम्बन्ध प्रभावित होंगे। मासान्त में पुत्र के सहयोग से परिस्थितियाँ अनुकूल होंगी। शत्रुपक्ष

परास्त होगा। शिरशूल, कोष्ठवद्धता व संक्रमणजन्य अस्थायी रोगो से स्वास्थ्यरक्षा अपेक्षित होगी। १७,१६,२७,२८ जुलाई ४,५,१३,१४,२३,२४, ३१ अगस्त एवं ६,१०,११, १२ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में लम्बित धनप्राप्ति, ऊर्जा व आत्मविश्वास में वृद्धि रहेगी। संतान पक्ष से व प्रतियोगिता से विजय प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र व व्यापार में उन्नति, नवीन रोजगारों के आरम्भ व द्रव्य निवेश से संतुष्टि रहेगी। पति/पत्नी पक्ष से सहयोग व स्नेह रहेगा। कारोबार संबधी पास दूर की यात्राएँ फलदायक रहेंगी। रक्तचाप व शिरशूल से स्वास्थ्यरक्षा आवश्यक होगी। २०,२८,२६ सितम्बर एवं ६, ७, ८, १६, १७, १८, २५, २६ अक्टूबर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य-व्यापार व रोजगार संबंधी नवीन योजनाएँ कार्यान्वित होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता व द्रव्य निवेश के सुअवसर प्राप्त होंगे। पति/पत्नी से सौहार्द रहेगा। मासान्त में किञ्चित कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक धन संबंधी झगड़े-विवादो से मानसिक तनाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन प्रतियोतिगता व संकुचित लाभ से मन खिन्न रहेगा। १३, १४, २२, २३, ३० नवम्बर १०, ११, १६, २०, २७, २८, २६ दिसम्बर एवं ६, ७, ८ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। मासारम्भ में आय के साधनो में विलम्ब व अवरोध रह सकता है, यदा-कदा बाधाएँ, समस्याएँ उत्पन्न होगी। लाभकारी योजनाएँ लम्बित रहेगी। उत्तरार्ध में आकस्मिक भाग्योदय व लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में सफलता व उन्नति से मनोबल उच्च रहेगा। परिवार के सहयोग से घर में शान्ति व संतुष्टि का वातावरण बनेगा। पति/पत्नी से सौहार्द रहेगा। १५, १६ २५, २६ जनवरी ३, ४, ११, १२, १३, २०, २१, २२ फरवरी एवं १, २, ३, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## वृष (TAURUS) इ, उ, ए, ओ, व, वि, वू, वे, वो।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ से ५ नवम्बर तक एकादशेश-अष्टमेश गुरु की पूर्ण दृष्टि सप्तम स्थान से राशि पर रहेगी, फलस्वरूप कार्यक्षेत्र में असफलता, व्यापार में संघर्ष, कार्यसिद्धि मे बाधाएँ उपस्थित होगी। रोजगार के लिए किए गए प्रयासों में आंशिक सफलता मिलेगी। पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। संबंधों में शिथिलता दाम्पत्य सूख का ह्रास करेगी। व्यापार में विघ्नता व धन हानि से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। १५ मई से १५ जून तक चतुर्थेश सूर्य के राशि पर स्थित होने से भवन, वाहन, भूमि का सुख प्राप्त होगा। देश-विदेश की यात्राओं के अवसर बनेंगे। २३ जनवरी २०२० तक शनि के अष्टम स्थान पर रहने के कारण भाग्योदय न्यून रहेगा। कठिन परिश्रम व वृथा भ्रमण से मन संतप्त रहेगा। वर्षान्त में स्थिति किञ्चित अनुकूल होगी। कार्यक्षेत्र व दाम्पत्य जीवन में स्थिरता आएगी। रोजगार की नवीन योजनाएँ फलीभूत होंगी। संयम-विवेक धारण करना ही उचित होगा। विष्णुस्त्रोत का पाठ व माँ भगवती की आराधना कष्टनिवृति हेतु श्रेयस्कर रहेगी।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। अष्टमेश गुरु की सप्तम स्थान से राशि पर पूर्ण दृष्टि होने के फलस्वरूप कार्यक्षेत्र में असफलता, व्यापार में

कठोर परिश्रम व संघर्ष कार्य सिद्धि में बाधाएँ रहेगी। अनावश्यक वाद-विवाद, मानहानि से मन खिन्न रहेगा। पति/पत्नी से अकारण मतभेद, दाम्पत्य सुख में न्यूनता मान-सम्मान की हानि, अपयश से तनाव रहेगा मनोनुकूल फल न मिलने से अस्थिरता रहेगी। धैर्य व संयम अपेत्तित रहेगा। १०, ११, १२, १६, २०, २८, २६, ३० अप्रैल एवं ८, ६, १६, १७, २५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगी। मासारम्भ में कार्य क्षेत्र में कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा, व्ययाधिक्य एवं न्यून लाभांश से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा, वृथा भ्रमण व कठोर परिश्रम से स्वास्थ्य भी प्रभावित होगा, ज्वर, उच्च रक्तचाप, कण्ठ व नासिका के रोगों से प्रतिरक्षा आवश्यक होगी। मासान्त में परिस्थितियाँ परिवर्तित होगी, शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से दृढ़ होंगे, कार्यक्षेत्र में धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। २६, २७ मई ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ जून एवं १, २, १०, ११, १२ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए सामान्य शुभफलदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा, मित्रगणों की सहायता से भूमि-भवन-वाहन का सुख प्राप्त होगा, माता के पक्ष से पैतृक संपत्ति व लाभांश प्राप्त होगा। कुटुम्ब-परिवार में सुख शान्ति रहेगी भौतिक संसाधनों में वृद्धि व घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा, आमोद-प्रमोद व मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान पक्ष से संतुष्टि, उच्चशिक्षा हेतु विदेश-गमन का संयोग बनेगा, संतान व भ्रांतृ पक्ष के सहयोग से कार्यक्षेत्र में सफलता व स्थिरता प्राप्त होगी। २०, २१, २६, ३० जुलाई ६, ७, १५, १६, १७, २५, २६ अगस्त एवं २, ३, १२, १३, २१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए सामान्य फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में सफलता, धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे, नवीन रोजगार की योजनाएँ क्रियान्वित होगी, किन्तु शत्रुपक्ष से कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा, आय-व्यय का संतुलन बनाए रखने के लिए कठोर परिश्रम अपेक्षित रहेगा। स्वास्थ्य किञ्चित शिथिल रहेगा। कण्ठ-नेत्र-कर्ण-नासिका संबंधी रोगों से स्वास्थ्यरक्षा आवश्यक होगी। २२, २३, ३० सितम्बर ६, १०, १६, २७, २८ अक्टूबर एवं ५, ६, ७ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्ष पूर्ण रहेगा। मासारम्भ में पति/पत्नि में वैमनस्य बढ़ेगा, दाम्पत्यसुख की हानि, परिवार में कलह व अशान्ति का वातावरण रहेगा, शत्रुपक्ष से तनाव बढ़ेगा, कार्यसिद्धि से बाधाएँ रहेगी। अनावश्यक वाद-विवाद व वृथा भ्रमण से मन्न खिन्न रहेगा। व्यापार संबंधी मामले कोर्ट कचहरी तक ना ले जाना ही श्रेयस्कर होगा। अनार्जित धन प्राप्ति के अवसर प्राप्त होंगे किन्तु संयम-विवेक धारण करना ही लाभकारी रहेगा। १५, १६, २४, २५ नवम्बर ३, ४, १२,१३, २१, २२, ३०, ३१ दिसम्बर एवं ६, १० जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २८ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय पूर्वापेक्षा आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र के विस्तार मे भाग्य साथ देगा। देश-विदेश की यात्राएँ कार्य सिद्धि में शुभफलदायक रहेगी। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। तीर्थाटन व शोभा यात्राओं में सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा। व्यवसाय में उत्तरोत्तर उन्नति से संतुष्टि

रहेगी। माता-पिता से सहयोग रहेगा। समुदाय में अग्रणी रहने का सौभाग्य प्राप्त होगा, मान-सम्मान में वृद्धि होगी। १७, १८, १९, २६, २८ जनवरी ५, ६, ७, १३, १४, १५, २३, २४ फरवरी एवं ३, ४, ५ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## मिथुन (GEMINI) क, कि, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में सप्तमेश-कर्मेश गुरु की स्थिति राशि से छठे स्थान में रहेगी फलस्वरूप पति/पत्नी में मतभेद, साँमजस्य व सौहार्द की कमी रहेगी मनमुटाव, संबंधों में शिथिलता, मानसिक तनाव व अवसाद से ग्रस्त रहेंगे। कार्यक्षेत्र, व्यापार में मनोनुकूल फलप्राप्ति में बाधाएँ आएँगी। धनागम के मार्ग अवरूद्ध होंगे, नवीन रोजगार की योजनाएँ लम्बित रहेगी। ५ नवम्बर से परिस्थितियाँ परिवर्तित होंगी। पूर्वापेक्षा समय उत्तम रहेगा। धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे व कार्यक्षेत्र, व्यापार में स्थिरता आएगी। सम्पूर्ण वर्ष अष्टमेश-नवमेश शनि के सप्तम स्थान में रहने के कारण मिश्रित फल प्राप्ति होगी। भाग्योदय में बाधाएँ आएगी किन्तु तीर्थ यात्राओं, शोभा यात्राओं में सहभगिता के सुअवसर प्राप्त होगें। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता हेतु देश-विदेश की यात्राएँ होंगी, धनसंग्रह भी मनोनुकूल होगा। यदा-कदा कन्धों में पीड़ा, भोजननली में कष्ट, वक्षस्थल संबंधी रोग (श्वसन, क्षय रोगादि) से शरीररक्षा आवश्यक होगी। अरिष्ट परिहार हेतु गणेश अर्चना व शिवोपासना श्रेयस्कर रहेगी।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। भाग्येश-अष्टमेश शनि की पूर्ण दृष्टि राशि पर रहेगी, अतः उन्नति हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा, भाग्य का साथ न्यून रहेगा। कार्य-व्यवसाय में सफलता हेतु समीप-दूर की यात्राएँ होगी, मनोनुकूल फलप्राप्ति में विघ्न बाधाएँ आएँगी, लाभ मार्ग अवरूद्ध होने से मन व्यथित रहेगा। आय-व्यय का संतुलन नियन्त्रित नहीं रहेगा। आयात-निर्यात के कार्य से किञ्चित संतोष प्राप्त होगा। ३, ४, ५, १३, १४, २१, २२ अप्रैल एवं १, २, १८ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। नासिका-कण्ठ-कर्ण रोगों से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगी, कफ-पित्त-वायु दोषों से कष्ट रहेगा। उत्तरार्ध में परिवार-कुटुम्ब व मित्रगणों से सुख रहेगा, धनप्राप्ति के मार्ग प्रशस्त होंगे, धनसंचय से संतुष्टि रहेगी, आत्मविश्वास व मनोबल में वृद्धि रहेगी। अनेक लम्बित कार्य भ्रातृपक्ष के सहयोग से पूर्ण होंगे, कार्यसिद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। १९, २०, २८, २९ मई ६, ७, १५, १६, २४, २५, २६ जून एवं ३, ४, ५, १२, १३, २२ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन संबंधी लाभ प्राप्त होंगे, भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा। नवीन रोजगार की योजनाएँ कार्यान्वित होगी, लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे, पराक्रम में उत्तरोत्तर वृद्धि व कार्यक्षेत्र में सफलता से मनोबल उच्च रहेगा। पूँजी निवेश के सुअवसर प्राप्त होंगे। परिवार कुटुम्ब में मांगलिक कार्यों से संतोष व आनन्द रहेगा। भूमि क्रय-विक्रय में सावधानी आवश्यक होगी। वृथा भ्रमण व अनावश्यक यात्राओं पर नियन्त्रण आवश्यक होगा। २३, ३१ जुलाई ८, ९, १८, १९, २७, २८ अगस्त एवं ४, ५, ६, १४ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में राशीश बुध

के राशि से पंचम स्थान में होने से संतान पक्ष से सौख्य रहेगा। संतान की शिक्षा व कार्य-व्यवसाय में उन्नति व वृद्धि से संतोष रहेगा, कुटुम्ब परिवार में हर्षोल्लास का, वातावरण रहेगा। मनोरंजन व आमोद-प्रमोद के अवसर प्राप्त होंगे। उत्तरार्ध में स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। उदर-विचार कफ-पित्त-वायु विकारों से स्वास्थ्य नरम रहेगा, संक्रमणादि रोगों से शरीररक्षा अपेक्षित रहेगी। १५, १६, २४, २५ सितम्बर २, ३, ११, १२, १३, २१, २२, २६, ३० अक्टूबर एवं ८, ६, १० नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा पूर्वार्ध में स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। ज्वर, उदर विकार, अपच, कफ-पित्त-वायु विकारों से कष्ट रहेगा। कार्य-व्यवसाय व रोजगार संबंधी कार्य लम्बित रहेंगे, लाभ व धन मार्ग अवरूद्ध होने से मानसिक कष्ट रहेगा। उतरार्ध में स्थिति संभलेगी, साझेदारी में नवीन रोजगारों के अनुबन्ध होंगे किन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि मन्द ही रहेगी। शत्रुपक्ष से कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा। संघर्ष व परिश्रम से मन संतप्त रहेगा। १७, १८, २६, २७ नवम्बर एवं ५, ६, ७ १४, १५, १६, २३, २४ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० तक )**

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में समीप-दूर की यात्राएँ लाभप्रद रहेगी, आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय फलदायक रहेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में स्थिरता व उन्नति संतोषप्रद रहेगी। मान-सम्मान व यश की प्राप्ति होगी, रोजगार की नवीन योजनाएँ लम्बित होगी। धनागम के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। राज्य पक्ष के सहयोग से कार्यक्षेत्र में नए-नए अनुबन्ध लाभदायक रहेंगे। ११,१२,१३,१६,२०,२१,२६,३०,३१ जनवरी ७,८,६,१५,१६,१७,२५,२६,२७ फरवरी एवं ६,७ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## कर्क (CANCER) हि, हू, हे, हो, डा, डि, डू, डे, डो।

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में भाग्येश गुरु राशि से पञ्चम स्थान में रहेगा अतः भाग्य स्थान अपने स्वामि गुरु से विशेष रुप से दृष्ट होगा, राशि पर गुरु की शुभ नवम दृष्टि रहेगी। सूर्य दशम स्थान में अपनी उच्चावस्था में रहेगा अतः कार्य व्यवसाय में उन्नति, राजकीय कार्यो मे लाभ मान-सम्मान में वृद्धि व धनागम के मार्ग प्रशस्त रहेंगे, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा माता-पिता से सुख व पैतृक संपत्ति का लाभ होगा, भूमि-भवन-वाहन क्रय-विक्रय से उत्तम लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। उत्तरार्ध में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा, सन्धिवात, निमोनिया क्षयरोग, जलोदर आदि स्वास्थ्य समस्याओं से प्रतिरक्षा आवश्यक होगी। पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद व सौहार्द में कमी रहेगी, वर्षान्त तक आर्थिक समाजिक स्थिति में निरन्तर सुधार रहेगा। अन्तिम परिणाम अनुकूल व सुखद रहेगा। अभीष्ट सिद्धि व अनिष्ट परिहार हेतु शनि का दान व हनुमान की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य व्यवसाय मे, उन्नति, नवीन रोजगार के प्रारम्भ से मन प्रसन्न रहेगा। पूर्वनियोजित कार्य फलीभूत होंगे, समाज में मान-सम्मान, राजकीय पक्ष से लाभ, इच्छापूर्ति व मनोवाञ्छित कार्य सिद्धि से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। संतान व पति/पत्नी के पक्ष से सहयोग मध्यम रहेगा। ६, ७, १५, १६, २३, २४, २५ अप्रैल ३, ४, १२ एवं १३ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगी।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा, संक्रमण, ज्वर व वात-विकार से कष्ट रहेगा।

व्ययाधिक्य व आकस्मिक यात्राओं से मन खिन्न रहेगा। मातृपक्ष से असहायोग रहेगा, पति/पत्नी एवं संतान से असहयोग रहेगा, उत्तरार्ध मे स्थिति सँभलेगी। २१, ३० मई १, ८, ६, १७, १८, २७, २८ जून एवं ६, ७, १४, १५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर ई. २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में किसी से अनावश्यक वाद-विवाद झगड़े का कारण बन सकता है अतः वाणी पर संयम आवश्यक है। मासान्त में समय उत्तम रहेगा, धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे, कार्य-व्यवसाय में उत्तम लाभ प्राप्ति व कुटुम्ब-परिवार में सुख-प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। २४, २५, २६ जुलाई २, ३, १०, ११, १२, २०, २१, २२, २६, ३० अगस्त एवं ७, ८ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा, मासारम्भ में मातृपक्ष से सहयोग रहेगा, भूमि-भवन-वाहन प्राप्ति से मन, प्रसन्न रहेगा, छोटे भाईयों के सहयोग से नवीन कारोबार की योजनाएँ लाभप्रद रहेंगी, जीवन में भौतिक सुख संसाधनों का सौख्य रहेगा। १७, १८, २६, २७ सितम्बर ४, ५, १४, १५, २३, २४, ३१ अक्टूबर एवं १, २, १०, ११, १२ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा, वायुविकारो से उदर पीड़ा, शिरशूल से कष्ट रहेगा। कार्यक्षेत्र में शत्रुभय व कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा मानसिक तनाव व धन की चिन्ता रहेगी। अनेक प्रयासों के पश्चात धनागम व लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। मासान्त मे परिस्थितियाँ परिवर्तित होंगी। १६, २०, २१, २८, २६ नवम्बर ८, ६, १७, १८, २५, २६ दिसम्बर एवं ४, ५, जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र में उत्तमलाभ प्राप्ति होगी, नवीन रोजगारों की योजनाएँ कार्यान्वित होंगी। साझेदारों से नवीन अनुबन्ध लाभफलदायक सिद्ध होंगे। पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेगा। देश-विदेश की यात्राओं का सुअवसर प्राप्त होगा। अनावश्यक वाद-विवाद से दूरी बनाना ही श्रेयस्कर रहेगा। १३, १४, १५, १६, २०, २१ जनवरी १, २, ६, १०, ११, १५, १६, २८ फरवरी एवं १, ८, ६, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## सिंह (LEO) म, मि, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशीश सूर्य, राशि से भाग्य स्थान में उच्चावस्था में रहेगा अतः भाग्योदय उत्तम रहेगा, पैतृक संपत्ति, भूमि, भवन, वाहन का उत्तम सुख प्राप्त होगा, नवीन गृह निर्माण का सुअवसर प्राप्त होगा। प्रशासन व राज्य के उच्चाधिकारियों के सहयोग से कार्यक्षेत्र व व्यापार में उत्तरोत्तर सफलता प्राप्त होगी। सरकारी अनुबन्धों से धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे व धनसंग्रह से मन प्रसन्न रहेगा। षष्ठेश सप्तमेश शनि के पंचम स्थान में होने से संतान पक्ष से वैचारिक मतभेद, वैमनस्य रहेगा। पिता-पुत्र में विरोध संघर्ष व वाद-विवाद से परिवार में कलह का वातावरण बनेगा। उत्तरार्ध में परिस्थियाँ परिवर्तित होंगी। भौतिक, आर्थिक व मानसिक रूप सुदृढ़ होंगे। सामाजिक व धार्मिक कृत्यों में सहभागिता बढ़ेगी यश मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अक्टूबर व जनवरी मास मे उदर-पीड़ा, पित्तदोष, रक्तचाप, हृदयशूल, माइग्रेन, त्वचा व अस्थिरोगों से

शरीररक्षा आवश्यक होगी। अरिष्ट परिहार हेतु आदित्य स्त्रोत का पाठ, सूर्यजलार्पण श्रेयस्कर रहेगा।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। राशीश अपनी उच्च राशि में भाग्य स्थान पर स्थित होगा अतः भाग्य प्रशस्त रहेगा। अनेक लम्बित कार्यों की सिद्धिप्राप्त होगी, मनोकामनाएँ संपूर्ण होगी। देश-विदेश की लाभप्रद यात्राओं का सुअवसर प्राप्त होगा, शारीरिक, आर्थिक व मानसिक सौख्य रहेगा। सफलता से मनोबल उच्च रहेगा, राज्याधिकारियों के संपर्क से कार्य व्यवसाय से संबंधित नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगी। तीर्थाटन शोभा-यात्राओ में सहभागिता रहेगी। ८, ९, १७, १८, २६, २७ अप्रैल एवं ५, ६, ७, १४, १५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। उच्चपदस्थ राज्याधिकारियों से संपर्क के सहयोग से नवीन रोजगार की योजनाएँ बनेगी। पैतृक भूमि-भवन-वाहन संबंधी झगड़ों का निपटारा हो कर लाभांश प्राप्त होगा, समुदाय में अग्रणी रहेंगे, मान-सम्मान, यश प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे, पूँजी-निवेश के मार्ग उन्नतिदायक रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, घर परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। २३, २४ मई २, ३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० जून एवं ८, ९, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य व्यवसाय से उत्तम लाभ व धन प्राप्ति होगी, रोजगार की नवीन योजनाएँ देश-विदेश में क्रियान्वित होगी व धनागम में वृद्धि करेगी। उत्तरार्ध में शरीर किञ्चित अस्वस्थ रहेगा, ज्वर, रक्तचाप, संक्रमण, शिरशूल नेत्रपीड़ा से कष्ट रहेगा। आय-व्यय के संतुलन को प्रभावित करेगा किन्तु बाद में वित्त व्यवस्था को संतुलित करने में सफल रहेंगे। १७,१९,२७,२८ जुलाई ४,५,१३,१४, २३,२४,३१ अगस्त एवं ९,१०,११,१२ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में विस्तार व सफलता से आर्थिक स्थिति पुष्ट होगी, पूँजी निवेश के नए-नए क्षेत्रों में धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे, राज्यपदस्थ अधिकारियों के संपर्क से कार्य व्यवसाय व लाभ के मार्ग उत्तरोत्तर प्रशस्त होंगे, शारीरिक मानसिक व आर्थिक सौख्य से संतुलित रहेगी, भ्रातृपक्ष के सहयोग से भविष्य की योजनाएँ क्रियान्वित होगी, घर में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। २०, २८, २९ सितम्बर एवं ६, ७, ८, १६, १७, १८, २५, २६ अक्टूबर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीर्ष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। अष्टमेश गुरु से युति होने के कारण भूमि-भवन-वाहन संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होंगी। पैतृक संपत्ति के क्रय-विक्रय में धोखाधड़ी का भय रहेगा, सर्तकता आवश्यक होगी। अनावश्यक वाद-बिवाद व झगड़े से दूर रहना ही श्रेयस्कर होगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा, प्रतियोगियों एवं शत्रुपक्ष से मतभेद हानिप्रद हो सकते है, संयम आवश्यक होगा। मासान्त में किञ्चित राहत मिलेगी। १३, १४, २२, २३, ३० नवम्बर १०, ११, १९, २०, २७, २८, २९ दिसम्बर एवं ६, ७, ८ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ अप्रैल २०२० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पिता-पुत्र से मतभेद व असहयोग रहेगा, संतान पक्ष से असंतुष्टि, पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद से मन खिन्न रहेगा। मासान्त में कार्यक्षेत्र में नवीन अनुबन्ध लाभप्रद सिद्ध होंगे, व्यवसाय मे लाभ हेतु कठिन परिश्रम व भ्रमण करना पड़ेगा, मासान्त में लाभ मार्ग शनै-शनै प्रशस्त होंगे, आत्मबल में वृद्धि होगी एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त होंगे। पति/पत्नी से सहयोग रहेगा। १५, १६ २५, २६ जनवरी ३, ४, ११, १२, १३, २०, २१, २२ फरवरी एवं १, २, ३, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## कन्या (VIRGO) टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशीश बुध अपनी नीच राशि मीन पर होगा अतः पति/पत्नी में वैचारिक मतभेद सामंजस्य व सौहार्द की कमी रहेगी, परिवार में अनावश्यक कलह व असंतुष्टि का वातावरण रहेगा। पैतृक संपत्ति, भूमि-भवन-वाहनादि संबंधित झगड़े, परिवार में अशान्ति का वातारवण रहेगा। कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव, रोजगार की नवीन योजनाएँ लम्बित होंगी, शत्रुपक्ष के षड्यन्त्रों का सामना करना पड़ेगा, आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा, भ्रातृपक्ष से सहयोग न मिलने से वित्तीय समस्याएँ उत्पन्न होगी। ५ नवम्बर के पश्चात स्थिति शनै-शनै अनुकूल होगी। पंञ्चमेश-षष्ठेश शनि संपूर्ण वर्ष राशि से चतुर्थ स्थान मे रहेगा, फलस्वरूप संतान पक्ष से सौख्य, नौकरी या कार्यक्षेत्र में स्थानांतरण एवं ग्रह परिवर्तन का योग बनेगा। उच्च शिक्षा प्राप्ति के अवरोध दूर हो कर मनोवांछित फल प्राप्त होगा, स्वास्थ्य किञ्चित प्रभावित रहेगा। उदरपीड़ा, वृक्करोग, पित्त-वायु कफ विकारजन्य रोगों से कष्ट रहेगा, ज्वर, संक्रमणादि रोगो से शरीररक्षा आवश्यक होगी। अरिष्ट परिहार हेतु गणेशोपासना व शिवार्चना श्रेयस्कर रहेगा।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र व रोजगार संबंधी नवीन योजनाएँ के अनुबन्ध होंगे, जिसके कारण देश-विदेश की यात्राओं का सुयोग बनेगा। आयात-निर्यात व वैदेशिक वस्तुओं के व्यापार से उत्तम लाभप्राप्ति होगी। आय के विभिन्न साधनों से धनागम होगा। पराक्रम मे वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा, यदा-कदा, छोटी-मोटी हानि के भी योग बनेंगे किन्तु उनको व्यवस्थित करने मे सफल रहेंगे। धनसंचय से मनोबल उच्च रहेगा। १०, ११, १२, १६, २०, २८, २६, ३० अप्रैल एवं ८, ६, १६, १७, २५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में वर्षो से लम्बित कार्य योजनाएँ फलीभूत होगी, आकस्मिक देश विदेश की यात्राएँ लाभकारी रहेंगी, व्यय किञ्चित अधिक होगा किन्तु धन का सदुपयोग होने से संतुष्टि रहेगी। उत्तरार्ध में कार्यक्षेत्र के सफलता, मान-सम्मान में वृद्धि उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। समुदाय मे अग्रणी रहेंगे, माता-पिता से सौख्य रहेगा। २६, २७ मई ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ जून एवं १, २, १०, ११, १२ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यापार में सफलता हेतु समीप दूर की यात्राएँ आवश्यक होगी। आय-व्यय का संतुलन अव्यवस्थित होने से मानसिक व्यथा व आर्थिक असुरक्षा से कष्ट रहेगा।

मनोकूल फल प्राप्ति हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा, उत्तरार्ध में धनागम से किञ्चित संतोष होगा, धीरे-धीरे स्थिति अनुकूल बनेंगी व कार्य-व्यापार में वृद्धि व लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। उदर पीड़ा कोष्ठबद्धता व ज्वर से शरीर रक्षा अपेक्षित होगी। २०, २१, २६, ३० जुलाई ६, ७, १५, १६, १७, २५, २६ अगस्त एवं २, ३, १२, १३, २१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में उन्नति हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा, मनोनूकूल फल प्राप्ति में अवरोध उत्पन्न होंगे। नवीन रोजगार की योजनाएँ पूर्वार्ध में लम्बित होगी किन्तु उत्तरार्ध मे फलीभूत हो जाएगी। धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे, भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य के पक्ष से ज्वर संक्रमण से शरीर रक्षा अपेक्षित रहेगी। २२, २३, ३० सितम्बर ६, १०, १६, २७, २८ अक्टूबर एवं ५, ६, ७ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीर्ष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा, परिवार-कुटुम्ब में मांगलिक कार्यों से प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातृपक्ष से धन-संपत्ति प्राप्ति के सुयोग बनेंगे। भूमि क्रय-विक्रय के लाभ मार्ग किञ्चित विलम्ब से प्रशस्त होंगे। उत्तरार्ध कार्यक्षेत्र में सफलता से मनोबल उच्च रहेगा, पराक्रम में उत्तरोतर वृद्धि से लाभमार्गों व धनागम में वृद्धि होगी। वृथा भ्रमण व अनावश्यक यात्राओं पर नियन्त्रण रखना आवश्यक होगा। १५, १६, २४, २५ नवम्बर ३, ४, १२,१३, २१, २२, ३०, ३१ दिसम्बर एवं ६, १० जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में स्वास्थ्य शिथिल रहेगा, त्रिदोषात्मक विकारों से उदर पीड़ा, अपज, कोष्ठबद्धता व संक्रमण से शरीर व मन दोनों कष्ट में रहेंगे। कार्य व्यवसाय व व्यापार संबंधी कार्य लम्बित होंगे धनागम व लाभ मार्ग अवरूद्ध होने से चिन्ता रहेगी, उत्तरार्ध में परिस्थिति परिवर्तित होगी। साझेदारी व नवीन रोजगार की योजनाएँ क्रियान्वित होगी, शत्रुपक्ष से कठिन प्रतियोगिता में सफल रहेंगे। संघर्ष व परिश्रम से कार्य सिद्धि संभव हो पाएगी। १७, १८, १६, २६, २८ जनवरी ५, ६, ७, १३, १४, १५, २३, २४ फरवरी एवं ३, ४, ५ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## तुला (LIBRA) रा, री, रू, रे, रो, ता, ति, तू, ते।

यह वर्ष आपके लिए सामान्य रूप से शुभ फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में तृतीयेश-षष्ठेश गुरु के संपूर्ण वर्ष राशि से धन स्थान में होने के फलस्वरूप, पराक्रम, साहस व आत्मबल उच्च रहेगा। कार्यक्षेत्र एवं व्यवसाय में अर्थलाभ व उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। वित्तीय क्षेत्रों में निवेश के अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे। धनागम के नए-नए स्त्रोत बनेंगे। संतान पक्ष से हर्ष व संतुष्टि रहेगी। शिक्षा हेतु व्याधिक्य होगा किन्तु उपलब्धियों से मन प्रसन्न रहेगा। चतुर्थेश-पञ्चमेश शनि के तृतीय सीान में होने से भ्रातृ पक्ष से सौहार्द रहेगा, पैतृक संपत्ति के विवादों का अंत होकर अंश प्राप्त होगा। भौतिक सुख व साधनों की वृद्धि होगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य-पक्ष से किञ्चित कष्ट रहेगा। पित्त-कफ-वायुविकार, अमलाधिक्य, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उदर रोग, त्वचा रोगों से प्रतिरक्षा अपेक्षित होगी। अरिष्ट शान्ति हेतु शिवोपासना व माँ भगवती की आराधना श्रेयस्कर रहेगी।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मार्च २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में राशीश शुक्र के अपनी उच्चावस्था में छठे स्थान में स्थित होने के फलस्वरूप स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ रहेगी। कष्ठ-नेत्र-नासिका-कर्ण संबंधी संक्रमणजन्य रोगों से ग्रस्त रहेंगे। ऋतु परिवर्तन से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगी, शत्रुपक्ष से षड्यन्त्रों का सामना करना पड़ेगा, पति/पत्नि से वैचारिक मतभेद व दाम्पत्य सुख से न्यूनता रहेगी। कार्य-व्यवसाय संबंधी कठिनाईयाँ के कारण समीप-दूर की यात्राएँ बनेगी। ३, ४, ५, १३, १४, २१, २२ अप्रैल एवं १, २, १८ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जून २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। मासारम्भ-राशीश शुक्र के राशि से अष्टम स्थान में होने से कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में कठिन परिश्रम व कठोर प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा, परिश्रम करने पर भी आंशिक सफलता मिलेगी, धनागम के मार्ग अवरूद्ध होने से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। मासान्त में स्थिति संभलेगी, दान-धर्म में आस्था बढ़ेगी भाग्योदय होने से कार्य व्यवसाय में उत्तरोत्तर सफलता प्राप्त होगी। १६, २०, २८, २६ मई ६, ७, १५, १६, २४, २५, २६ जून एवं ३, ४, ५, १२, १३, २२ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम शुभ फलदायक रहेगा, कार्यक्षेत्र में आशातीत सफलता व उत्तरोत्तर वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा, उच्चाधिकारियों से सम्पर्क वशात् व्यापार में लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, समाज व समुदाय में अग्रणी रहेंगे। मान-सम्मान व यश प्राप्ति होगी, भूमि-भवन क्रय-विक्रय में उत्तम लाभ प्राप्ति होगी। घरपरिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा व मनोबल उच्च रहेगा। २३, ३१ जुलाई ८, ६, १८, १६, २७,२८ अगस्त एवं ४,५,६,१४ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र में सफलता रहेगी, धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे देश-विदेश की यात्राएँ मनोवाञ्छित फल प्रदान करेगी, किन्तु व्ययाधिक्य से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। व्यय पर नियन्त्रण हेतु किए गए प्रयास विफल होंगे। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा आलस्य की अधिकता रक्तचाप मधुमेह, अम्लाधिक्य के कारण स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। १५, १६, २४, २५ सितम्बर २, ३, ११, १२, १३, २१, २२, २६, ३० अक्टूबर एवं ८, ६, १० नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीर्ष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए पूर्वापेक्षा उत्तम फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता, व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि से मन भविष्य के प्रति आश्वस्त रहेगा। भौतिक सुख संसाधनों में वृद्धि, धनागम के नवीन मार्ग प्रशस्त होंगे।, धन संचय से आत्मसंबल रहेगा। भ्रातृपक्ष के सहयोग से देश-प्रदेश की यात्राएँ लाभप्रद रहेगी। परिवार के साथ पर्यटन व मनोरंजन का सुख प्राप्त होगा। मन में सुख व संतुष्टि रहेगी। १७, १८, २६, २७ नवम्बर एवं ५, ६, ७ १४, १५, १६, २३, २४ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ अप्रैल २०२० तक )**

यह समय आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन का सौख्य प्राप्त होगा, कार्यक्षेत्र व व्यापार में लाभ व नवीन कार्यालय का निर्माण

होगा। मातृपक्ष से सहयोग, पैतृक संपति में लाभांश मिलेगा, उच्च शिक्षा प्राप्ति के सुअवसर बनेंगे। संतान पक्ष से शिक्षा के क्षेत्र में संतुष्टि रहेगी। उत्तरार्ध में आमोद-प्रमोद व मनोरंजन से परिवार कुटुम्ब मे हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। ११,१२,१३,१६,२०,२१,२६,३०,३१ जनवरी ७,८,६,१५,१६,१७,२५,२६,२७ फरवरी एवं ६,७ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## वृश्चिक (SCORPIO) तो, न, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ से २३ जनवरी २०२० तक धनु राशि पर शनि की स्थिति वृश्चिक राशि पर साढ़ेसाती की अन्तिम ढ़ैय्या का प्रभाव डालेगी । शनि के प्रकोप से धनाभाव, ऋण संबंधी समस्याएँ, मानसिक तनाव, पारिवारिक अशान्ति का सामना करना पड़ेगा। धनागम के मार्ग अवरूद्ध होने से ऋणानिवृति की चिन्ता रहेगी। किन्तु धनेश-पञ्चमेश गुरु के राशि पर रहने के कारण परिस्थितियाँ नियन्त्रण में रहेंगी। पुत्र के सहयोग से संबल मिलेगा। वर्षान्त में ५ नवम्बर तक स्थिति परिवर्तित होगी। धनापव्यय के दबाव के कारण हुए आर्थिक असंतुलन को नियन्त्रित करने से सफल रहेंगे। कुटुम्ब परिवार से संबन्ध मधुर होंगे। भ्रातृ-पक्ष व बन्धु-बान्धवों से सहयोग रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय के सुअवसर प्राप्त होंगे। भूमि-भवन-वाहन का सुख प्राप्त होगा। भवन-निर्माण हेतु ऋण लेना पड़ सकता है, किन्तु कार्यक्षेत्र व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि व सफलता से मन संतुष्ट रहेगा। अनिष्ट परिहार हेतु हनुमदुपासना व शनि अर्चना श्रेयस्कर रहेगी।

**चैत्र शुक्ल -वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। शनि की अन्तिम ढ़ैय्या के प्रभाव में होने के कारण यह समय आर्थिक-मानसिक व शारीरिक कष्टों से जूझने का रहेगा। व्यवसायिक कार्यों में धनागम की स्थिति उतार-चढ़ाव के कारण अस्थिर रहेगी। एक ऋण निवृति हेतु दूसरा ऋण लेना पड़ सकता है पति/पत्नी से मतभेद व असहयोग रहेगा। अपव्यय व वृथा भ्रमण के कारण बनते कार्यों में व्यवधान से मन संतप्त रहेगा। धैर्य रखना ही श्रयेस्कर रहेगा। ६, ७, १५, १६, २३, २४, २५ अप्रैल ३, ४, १२ एवं १३ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगी।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र में उपलब्धियों हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा। नवीन रोजगार सम्बन्धी योजनाएँ कार्यान्वित होगी। एकादश स्थान से राशीश की राशि पर पूर्ण दृष्टि होने से कार्य-व्यवसाय संबंधी मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी, पितृपक्ष व भ्रातृपक्ष के सहयोग से उन्नति के सुअवसर प्राप्त होंगे। समीप-दूर की यात्राएँ सुखकारी रहेगी। यदा-कदा कार्य लम्बित होंगे, किन्तु अन्ततोगत्वा कार्यसिद्धि प्राप्त होगी। २९, ३० मई १, ८, ६, १७, १८, २७, २८ जून एवं ६, ७, १४, १५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में कार्यक्षेत्र में सफलता, मनोवान्छित फल प्राप्त होंगे। संतान पक्ष से सहयोग व संतुष्टि रहेगी। भौतिक साधनों का सुख, माता-पिता से सहयोग रहेगा। पूंजी निवेश के अनेक विकल्प से सहयोग रहेगा व अच्छा लाभांश प्राप्त होगा। परिवार के साथ पर्यटन व मनोरंजन के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। २४, २५, २६ जुलाई २, ३, १०, ११, १२, २०, २१, २२, २६, ३० अगस्त एवं ७, ८ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

### आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र में उत्तरोत्तर सफलता की प्राप्ति होगी। नवीन योजनाएँ कार्यान्वित होगी, व्यस्तता बढ़ेगी, समुदाय में अग्रणी रहेंगे, शत्रुपक्ष भयभीत रहेगा, भविष्य के प्रति आवश्वस्त रहेंगे। उत्तरार्ध मे व्ययाधिक्य रहेगा, समीप दूर की यात्राओं का अवसर मिलेगा। स्थिति पूर्वापेक्षा किञ्चित संभलेगी। १७,१८,२६, २७ सितम्बर ४, ५, १४, १५, २३, २४, ३१ अक्टूबर एवं १, २, १०, ११, १२ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

### मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में व्ययाधिक्य से चिन्ता रहेगी, कठिन परिश्रम व योजना से आय-व्यय का संतुलन व्यवस्थित हो पाएगा, अनायास यात्राएँ किञ्चित विलम्ब से फलदायक होंगी। पारिवारिक व दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। भ्रातृपक्ष से सहयोग से धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि व उर्जावान रहेंगे। उत्तरार्ध मे समय किञ्चित अनुकूल रहेगा। १६, २०, २१, २८, २६ नवम्बर ८, ६, १७, १८, २५, २६ दिसम्बर एवं ४, ५, जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

### माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी २४ मार्च २०२० ई० तक )

यह समय आपके लिए पूर्वापेक्षा किञ्चित अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र, व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि, समीप-दूर क लाभप्रद यात्राओं से मन प्रसन्न रहेगा परिवार में सुख व शान्ति रहेगी। नवीन गृह-निर्माण की योजनाएँ कार्यान्वित होंगी। भौतिक सुखों में वृद्धि व मान-सम्मान यश प्राप्ति मिलेगी, मित्रगणों का सहयोग कार्य-सिद्धि में सहायक रहेगा। १३, १४, १५, १६, २०, २१ जनवरी १, २, ६, १०, ११, १५, १६, २८ फरवरी एवं १, ८, ६, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## धनु (SAGITTARIUS) ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा इस वर्ष राशीश गुरु वृश्चिक राशि में २३ अप्रैल, २०१६ से १० सितम्बर तक रहेंगे। ५ नवम्बर, २०१६ को धनु राशि में प्रवेश करेंगे अतः वर्षारम्भ में राशि से द्वादश स्थान में होने के कारण दूर-समीप की यात्राओं का अवसर प्राप्त होगा, भूमि-भवन निर्माण के कारण व्ययाधिक्य रहेगा, वृथा भ्रमण व संघर्ष से मन खिन्न रहेगा। मित्रगण, बन्धु-बान्धवों से वैचारिक मतभेद मानसिक कष्टदायक रहेंगें। वर्ष के उत्तरार्ध में राशिश गुरु स्वराशि धनु पर संचार करेंगे, कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी, लम्बित कार्य पूर्णता को प्राप्त होंगे। विघ्न बाधाओं के रहते हुए भी धनागम व आय प्राप्ति के स्त्रोत बने रहेंगे। धर्म व शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ने के सुअवसर प्राप्त होंगे, शोभा यात्राओं, तीर्थाटनों, दान पुण्य के कार्यों में अभिरुचि बढ़ेगी, देश-विदेश की लाभप्रद यात्राएँ, धनागम के स्त्रोतों में वृद्धि करेगीं। कष्टनिवारण हेतु बृहस्पति का दान, विष्णुस्त्रोत का पाठ करना श्रेयस्कर रहेगा।

### चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १९ मई २०१९ ई० तक )

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में भूमि-वाहन-भवन संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होंगी, आकस्मिक व्यय, मानसिक कष्ट का कारण बनेंगें। कार्य व्यवसाय मन्द गति से चलेगा, भूमि भवन विक्रय के बार-बार अवसर बनेंगे। लेकिन मनोवाञ्छित मूल्य प्राप्त नहीं हो पाएगा अतः कार्य लम्बित होंगे। उदर-विकार, कफ वृद्धि पीलिया, टायफायड आदि रोगों से शरीर रक्षा अपेक्षित होगी। ८, ६, १७, १८, २६, २७ अप्रैल एवं ५, ६, ७, १४, १५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। मासारम्भ में परिवार, कुटुम्ब से गृह क्लेश से मन संतप्त रहेगा। पति/पत्नी से वैमनस्य, दाम्पत्य सुख का ह्रास होगा। कार्य व्यवसाय में कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा, उन्नति के लिए प्राप्त होगी। स्वास्थ्य पक्ष से भी अनुकूल नहीं रहेगा, उदर विकार, संक्रमण, ज्वर से कष्ट रहेगा। २३, २४ मई २, ३, १०, ११, १६, २०, २१, २६, ३० जून एवं ८, ९, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में समय संघर्षपूर्ण रहेगा, कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ सकता है, कठोर परिश्रम अपेक्षित रहेगा। पति/पत्नी से संबंध कटु रहेंगे। समीप-दूर की यात्राएँ व्यय कारक रहेंगी। मासान्त में शत्रुपक्ष से वाद-विवाद व झगड़े की संभावना रहेगी अतः वाणी पर संयम रखना आवश्यक होगा १७, १६, २७, २८ जुलाई ४, ५, १३, १४, २३, २४, ३१ अगस्त एवं ९, १०, ११, १२ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा, भाग्य किञ्चित मन्दफलदायक रहेगा, आयात-निर्यात संबंधी कार्य व्यवसाय से किञ्चित लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। पति/पत्नी से संबन्ध सुधरेंगे, लम्बित कार्यों की सिद्धि आनन्ददायक रहेगी। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में किए गए प्रयासो से उत्तरोत्तर सफलता मिलेगी। आय-व्यय की व्यवस्था में संतुलन की कमी से वित्तीय क्षेत्र में असफलता का सामना करना पड़ सकता है। २०,२८,२६ सितम्बर एवं ६, ७,८,१६,१७,१८,२५,२६ अक्टूबर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए पूर्वापेक्षा उत्तम फलदायक रहेगा। लम्बे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। वृथा भ्रमण व व्यय पर भी नियन्त्रण लगेगा। शत्रु परास्त होंगे, कार्य सिद्धि से मन प्रसन्न होगा, यश, मान-सम्मान व समुदाय में अग्रणी रहेंगे, बन्धु-वान्धवो का सहयोग रहेगा, शारीरिक, मानसिक, भौतिक रूप से सुदृढ़ होंगे, मन में शान्ति रहेगी। १३, १४, २२, २३, ३० नवम्बर १०, ११, १६, २०, २७, २८, २६ दिसम्बर एवं ६, ७, ८ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा, बन्धु मित्रों के सहयोग से कार्य व्यवसाय मे कोई बड़ा सौदा या अनुबन्ध होने से व्यापार में उन्नति व धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। नवीन भवन वाहन का सुख प्राप्त होगा। रोजगार परक नवीन योजनाएँ फलीभूत होंगी। संतान पक्ष से संतोष रहेगा। १५, १६ २५, २६ जनवरी ३, ४, ११, १२, १३, २०, २१, २२ फरवरी एवं १, २, ३, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## मकर (CAPRICORN) भो, ज, जी, खि, खू, खे, खो, गा, गी।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ से २३ जनवरी, २०२० तक शनि धनु राशि में रहेगा, तदुपरान्त मकर राशि में प्रवेश करेगा अतः वर्षारम्भ में राशि से द्वादश स्थान में रहने के कारण समय किञ्चित कष्टकारक व संघर्ष पूर्ण रहेगा, धनेश-लग्नेश, दन्तरोग, उदर-विकार सन्धिवातादि रोगों से सामना होगा अनावश्यक व्यय मन को संतप्त करेगा पारिवारिक क्लेश, वृथा भ्रमण, वैचारिक मतभेद से कुटुम्ब में संदेह का वातावरण रहेगा। धनागम में विघ्नता, आय-व्यय का संतुलन अव्यवस्थित

रहेगा किन्तु वर्ष के उत्तरार्ध में राशीश अपनी राशि मकर में प्रवेश करगा अतः स्थिति में परिवर्तन होगा, आय-व्यय की व्यवस्था संतुलित होगी, अपव्यय पर अंकुश लगेगा, लाभकारी यात्राएँ धनागम में सहायक होंगी। स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा, सूर्य से युति के कारण पिता-पुत्र में मनमुटाव रहेगा। कष्टनिवारण हेतु आदित्य स्त्रोत का पाठव शनि का तुलादान श्रेयस्कर रहेगा।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। मासारम्भ में राशीश शनि के राशि से द्वादश स्थान में रहने के कारण शारीरिक कष्ट रहेगा। उपचार पर व्यायाधिक्य से मन खिन्न रहेगा। बनते कार्यों में व्यवधान व कार्य व्यवसाय की मन्द गति चिन्ता, तनाव का कारण बनेगी। ऋण लेने से किञ्चित वित्त व्यवस्था संतुलित होगी। मासान्त में पराक्रम में वृद्धि व समीप दूर की यात्राओं से लाभांश में वृद्धि होगी। १०, ११, १२, १६, २०, २८, २६, ३० अप्रैल एवं ८, ६, १६, १७, २५ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा वक्री राशीश शनि की राशि से द्वादश स्थान में स्थित होने से पारिवारिक संमस्याएँ मानसिक चिन्ताएँ, शरीरिक कष्ट से मन खिन्न रहेगा, वायु विकार, सन्धिवात गठिया आदि रोगों से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगी। वृथा भ्रमण, अनावश्यक व्यय से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। पिता-पुत्र में मतभेद, बन्धुवान्धवों से असहयोग रहेगा। २६, २७ मई ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ जून एवं १, २, १०, ११, १२ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। उदर-विकार, संक्रमण, ज्वर, दमादि रोगो से कष्ट रहेगा, पारिवारिक समस्याएँ बढ़ेगी पति/पत्नी में असहयोग व सामञ्जस्य की कमी से घर का वातावरण कलहपूर्ण रहेगा संतान पक्ष की चिन्ता, पिता से अनबन रहेगी। आय-व्यय का संतुलन अव्यवस्थित रहेगा। कार्यक्षेत्र व्यापार के क्षेत्र में निणर्य लेने में कठिनाई आएगी। २०, २१, २६, ३० जुलाई ६, ७, १५, १६, १७, २५, २६ अगस्त एवं २, ३, १२, १३, २१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय लिए मध्यम फलदायक रहेगा मासारम्भ में भाग्य साथ नहीं दे पाएगा। कारोबार की चिन्ता और आकस्मिक हानि का भय रहेगा, नवीन रोजगार में पूँजी, निवेश से दूर रहना ही श्रेयस्कर रहेगा। धर्म कर्म, शोभा यात्राओं, कृत्यों से विमुखता रहेगी, स्वास्थ्य भी शिथिल रहेगा। वायु-विकार, नेत्र पीड़ा, उदर विकार , सन्धिवात, अमलाधिक्य से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगा। २२, २३, ३० सितम्बर ६, १०, १६, २७, २८ अक्टूबर एवं ५, ६, ७ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में वायुविकार, संधिवात, विषमज्वर, दन्तरोगों से स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। कार्यक्षेत्र व्यवसाय में वित्तीय समस्याएँ, ऋण निवृति की चिन्ता, पूँजी निवेश का शय रहेगा, आय-व्यय का संतुलन अव्यवस्थित रहेगा। धनागम के मार्ग अवरूद्ध रहने से व्यापार की गति प्रभावित होगी, मासान्त में किञ्चित संतोष रहेगा। १५, १६, २४, २५ नवम्बर ३, ४, १२,१३, २१, २२, ३०, ३१ दिसम्बर एवं ६, १० जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए पूर्वापेक्षा उत्तम रहेगा। २३ जनवरी को राशीश शनि अपनी राशि प्रवेश करेगा अतः स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, कार्य व्यवसाय में वृद्धि व स्थिरता आएगी, ऋणावितृति से आत्मसंतोष प्राप्त होगा, तनाव से मुक्ति मिलेगी, समुदाय में यश मान-सम्मान में वृद्धि होगी आत्मविश्वास में वृद्धि, घर परिवार मे सौख्य व संतोष का वातावरण रहेगा। १७, १८, १९, २६, २८ जनवरी ५, ६, ७, १३, १४, १५, २३, २४ फरवरी एवं ३, ४, ५ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## कुम्भ (AQUARIUS) गू, गे, गो, स, सि, सू, से, सो, द।

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशीश शनि से एकादश स्थान में रहेगा व जनवरी मास तक राशि पर विशेष तृतीय दृष्टि रहेगी अतः स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, वर्षो से लम्बित व्यवसाय योजनाएँ फलीभूत होंगी, उन्नति के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे, समदाय में अग्रणी रहेंगे, मान-सम्मा व यश में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-सुविधाएँ प्राप्त होगी परिवार कुटुम्ब में सुख-शान्ति का वातावरण रहेगा, २३ जनवरी, २०२० को राशीश शनि अपनी दूसरी राशि मकर में प्रविष्ट होगा व सूर्य से युति करेगा। फलस्वरूप पति/पत्नी से असहयोग, वैचारिक मतभेद रहेगा। आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा। दाम्पत्य-सुख में हानि, वृथा भ्रमण से मन खिन्न रहेगा। वर्षान्त में समीप-दूर की यात्राएँ लाभप्रभ रहेगीं। आर्थिक संतुलन नियन्त्रण में रहेगा। कष्ट निवारण हेतु शनि का दान श्रेयस्कर रहेगा।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ०६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह सयम आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। लम्बित कार्यों की सिद्धि, कार्यक्षेत्र में मनोनूकुल लाभ व व्यापार में उन्नति रहेगी, राशि पर राशीश शनि की विशेष तृतीय दृष्टि आत्मसम्मान में वृद्धि व यशकारक रहेगी, धार्मिक कृत्यों व अध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। विदेश यात्राओं व प्रवास के सुअवसर प्राप्त होंगें, व्यय की अधिकता रहेगी किन्तु धन का सदुपयोग होने से संतुष्टि रहेगी। संतान पक्ष से सहयोग किञ्चित कम रहेगा। ३, ४, ५, १३, १४, २१, २२ अप्रैल एवं १, २, १८ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा, कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में आलस्य के कारण लाभ मार्ग किञ्चित संकुचित रहेंगे तथापि आय-व्यय का संतुलन व्यवस्थित रहेगा। मातृपक्ष से जमीन जायदाद संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होंगी, किन्तु पुत्रपक्ष से सहयोग होने से समाधान भी निकल जाएगा, वृथा भ्रमण व वाद-विवाद से दूरी बनाना ही श्रेयस्कर रहेगा। १९, २०, २८, २९ मई ६, ७, १५, १६, २४, २५, २६ जून एवं ३, ४, ५, १२, १३, २२ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। सेवारत लोगों के लिए यह समय प्रोन्नति एवं स्थानान्तरण का रहेगा, धनागम में वृद्धि किन्तु दाम्पत्य सुख की हानि रहेगी, कार्यक्षेत्र व व्यापार में नवीन रोजगार की योजनाएँ क्रियान्वित होंगी, नए अनुबन्ध लाभमार्गो की वृद्धि में सहायक होंगे। मासान्त में राजकीय पक्ष से किञ्चित कठिनाईयाँ, तनाव का कारण बनेगी संयम व सर्तकता अपेक्षित रहेगी। २३, ३१ जुलाई ८, ९, १८, १९, २७, २८ अगस्त एवं ४, ५, ६, १४ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में वृथा भ्रमण, अपव्यय से मन खिन्न रहेगा। पितृपक्ष से सहयोग व मार्गदर्शन से स्थिति सँभलेगी, आयात-निर्यात के क्षेत्र में पूँजी निवेश लाभकारी रहेगा, विदेश यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। धर्म-कर्म में आस्था रहेगी। आध्यात्म में रूचि होने से मन में संतोष व सौख्य रहेगा। १५, १६, २४, २५ सितम्बर २, ३, ११, १२, १३, २१, २२, २६, ३० अक्टूबर एवं ८, ६, १० नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए शुभफलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र-व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि से मनोबल उच्च रहेगा, लाभ के विभिन्न मार्गों से धनागम मन को प्रसन्न करेगा। समुदाय में मान-सम्मान यश रहेगा। परोपकार में सहभागिता रहेगा। राजकीय कर्यों में उच्च पदस्थ अधिकारियों से संपर्कवशात् लाभ प्राप्ति के अनेक अनुबन्ध होंगे। शारीरिक-मानसिक व भौतिक सुख रहेगा। १७, १८, २६, २७ नवम्बर एवं ५, ६, ७ १४, १५, १६, २३, २४ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य-क्षेत्र में अवरोध व मन्द गति से मन खिन्न रहेगा, लाभ मार्ग किञ्चित संकुचित रहेगें किन्तु उत्तरार्ध में परिस्थितियाँ परिवर्तित होंगी, कडी प्रतियोगिता होते हुए भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। वायु-विकार सन्धिवात, हृदयशूल से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगी, परिवार कुटुम्ब से सहयोग रहेगा। ११, १२, १३, १६, २०, २१, २६, ३०, ३१ जनवरी ७, ८, ६, १५, १६, १७, २५, २६, २७ फरवरी एवं ६, ७ मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

## मीन (PISCES) दी, दु, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची ।

यह वर्ष आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशीश गुरु वृश्चिक राशि में २३ अप्रैल से १० सितम्बर तक वक्री रहेगें। ५ नवम्बर, २०१६ को अपनी दूसरी राशि धनु में प्रवेश करेंगे। राशि से नवम स्थान में राशीश गुरु के होने से धर्म में आस्था रहेंगी, शिक्षा व दान-धर्म में रूचि बढ़ेगी, छात्र वर्ग के लिए यह समय देश-विदेश में शिक्षा संबंधी यात्राओं का रहेगा, उच्च संस्थानों में प्रवेश व रोजगार के सुअवसर प्राप्त होंगे। नवम्बर से राशीश गुरु राशि से दशम स्थान पर स्वग्रही रहेंगे। यह समय बुद्धि, पराक्रम, उधम से कार्यक्षेत्र व व्यापार में उन्नति कारक रहेगा, मित्रों सगे संबंधियों के सहयोग से व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। धनागम के विभिन्न स्त्रोत सक्रिय होंगे प्रतिष्ठा से मन में सुख-शान्ति रहेगी। भूमि भवन, वाहन का सुख प्राप्त होगा। विष्णु स्त्रोत का पाठ श्रेयस्कर रहेगा।

**चैत्र शुक्ल-वैशाख ( ०६ अप्रैल से १८ मई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए उत्त्म फलदायक रहेगा। कार्य-व्यवसाय में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होंगी बड़े भाई से सहयोग रहेगा, आयात-निर्यात के क्षेत्र में पूँजी निवेश के सुअवसर प्राप्त होंगे, लाभ मार्गों में वृद्धि, भौतिक साधनों का सौख्य रहेगा, आकस्मिक धन लाभ से पराक्रम वृद्धि व मनोबल उच्च रहेगा। परिवार-कुटुम्ब में सौहार्द पति/पत्नी का सहयोग रहेगा। ६, ७, १५, १६, २३, २४, २५ अप्रैल ३, ४, १२ एवं १३ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगी।

**ज्येष्ठ-आषाढ़ ( १९ मई से १६ जुलाई २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में वर्षो से लम्बित मनोकामना पूर्ण होगी, कार्य सिद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। दूर पास की

यात्राओं से व्यस्तता बढ़ेगी। व्यय किञ्चित अधिक होगा किन्तु धन का सदुपयोग होने से धैर्य व संतोष रहेगा। पुत्र की उच्च शिक्षा व उन्नति के अवसरों से मनोबल उच्च रहेगा। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। २१, ३० मई १, ८, ९, १७, १८, २७, २८ जून एवं ६, ७, १४, १५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**श्रावण-भाद्रपद ( १७ जुलाई से १४ सितम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन संबंधी कार्यों में रूचि रहेगी किन्तु कार्य सिद्धि हेतु कठिन परिश्रम व अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। बार-बार व्यवधानों से लाभ मार्ग अवरूध होंगे। प्रगति की गति मन्द रहेगी। मासान्त में कार्य-क्षेत्र, व्यवसाय में व्यस्तता बढ़ेगी, साथ ही लाभ अनुकूल परिणाम मिलेंगें। समाज में मान सम्मान में वृद्धि होगी, समुदाय में अग्रणी रहने का अवसर प्राप्त होगा। २४, २५, २६ जुलाई २, ३, १०, ११, १२, २०, २१, २२, २६, ३० अगस्त एवं ७, ८ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**आश्विन-कार्तिक ( १५ सितम्बर से १२ नवम्बर २०१९ ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र व व्यापार में यदा-कदा समस्या उत्पन्न होंगी, किन्तु सूझ-बूझ व धैर्य से समाधान भी हो जाएगी। दूर-पास की आकस्मिक यात्राएँ व्ययकारी होगी किन्तु मासान्त में आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार होगा, सुखद व अनुकूल परिणामों से मन में संतोष व संतुष्टि रहेगी, पिता-पुत्र से किञ्चित मन मुटाव रहेगा। १७, १८, २६, २७ सितम्बर ४, ५, १४, १५, २३, २४, ३१ अक्टूबर एवं १, २, १०, ११, १२ नवम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**मार्गशीष-पौष ( १३ नवम्बर २०१९ ई० से १० जनवरी २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए संतोषजनक रहेगा। कार्य व्यवसाय में स्थिरता आने से मन प्रसन्न रहेगा, व्यवसायिक क्षेत्रों से धनागम में वृद्धि रहेगी, धनसंचय व लाभ मार्गो में वृद्धि से मनोबल उच्च रहेगा। पुत्र की उच्च शिक्षा व रोजगार में सफलता रहेगी, कार्यक्षेत्र में उन्नति की नवीन योजनाएँ फलभूत होंगी व आशातीत सफलता प्राप्त होगी। समाज, बन्धु वान्धवो में यश, मान-सम्मान प्राप्त होगा। १६, २०, २१, २८, २६ नवम्बर ८, ६, १७, १८, २५, २६ दिसम्बर एवं ४, ५, जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

**माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण ( ११ जनवरी से २४ मार्च २०२० ई० तक )**

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में व्ययाधिक्य रहेगा। आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा, आकस्मिक खर्च मन को व्यथित करेंगे, पति/पत्नी से मनमुटाव रहेगा। मासान्त में स्थिति सँभलेगी, कार्यक्षेत्र में उन्नति हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा, कड़ी प्रतियोगिता के पश्चात भी कार्यक्षेत्र से उत्तम धनलाभ व संचय होगा, परिवार में सौख्य रहेगा। १३, १४, १५, १६, २०, २१ जनवरी १, २, ६, १०, ११, १५, १६, २८ फरवरी एवं १, ८, ६, १० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो० नीलम ठगेला
ज्योतिष-विभाग

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## चैत्र शुक्ल पक्ष ( दि. ०६ अप्रैल से १९ अप्रैल २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा | **६ अप्रैल** | शनि | वासन्तिक नवरात्र प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि, भारतीय नववर्षारम्भ, रामायण नवाह्न प्रारम्भ, कल्पादि, गौतम जयंती, चन्द्रदर्शन |
| द्वितीया | **७ अप्रैल** | रवि | सिन्धारा, झूलेलाल जयंती |
| तृतीया | **८ अप्रैल** | सोम | मत्स्य जयंती अपराह्न काल, गणगौरी तृतीया, मन्वादि |
| चतुर्थी | **९ अप्रैल** | मंगल | विनायक चतुर्थी |
| पंचमी | **१० अप्रैल** | बुध | रोहिणी व्रत |
| षष्ठी | **११ अप्रैल** | गुरु | यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी |
| सप्तमी | **१२ अप्रैल** | शुक्र | महानिशा पूजा |
| अष्टमी/ नवमी | **१३ अप्रैल** | शनि | दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहू फोर्ट जम्मू, रामनवमी व्रत स्मा., श्री रामजयन्ती मध्याह्नकाल, श्री ताराजयन्ती, औली जैन प्रारम्भ |
| नवमी/दशमी | **१४ अप्रैल** | रवि | नवरात्र पारणा, रामायण नवाह्न समा. नवरात्र समा., रामनवमी व्रत वैष्णव, मेष संक्रान्ति १४:०६, वैसाखी, अम्बेडकर जयन्ती, सं. पुण्यकाल १०:०६ से १८:१० तक |
| दशमी/एकादशी | **१५ अप्रैल** | सोम | कामदा एकादशी व्रत (स्मा.), हिमाचल दिवस |
| द्वादशी | **१६ अप्रैल** | मंगल | कामदा एकादशी व्रत (वै.) |

## चैत्र शुक्ल पक्ष ( दि. ०६ अप्रैल से १९ अप्रैल २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| त्रयोदशी | **१७ अप्रैल** | बुध | महावीर जयन्ती (जैन), प्रदोष व्रत, अनङ्गत्रयोदशी |
| चर्तुदशी | **१८ अप्रैल** | गुरु | पूर्णिमाव्रत |
| पूर्णिमा | **१९ अप्रैल** | शुक्र | गुड फ्राईडे, हनुमज्जयंती (दाक्षिणात्य), औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, वैशाख स्नान प्रा. |

## वैशाख, कृष्ण पक्ष ( दि. २० अप्रैल से ०४ मई २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | **२१ अप्रैल** | रवि | ईस्टर सण्डे |
| तृतीया/चतुर्थी | **२२ अप्रैल** | सोम | चतुर्थी व्रत, **चन्द्रोदय २१:५४** |
| षष्ठी | **२५ अप्रैल** | गुरु | कोकिला षष्ठी |
| सप्तमी/अष्टमी | **२६ अप्रैल** | शुक्र | शर्करासप्तमी, कालाष्टमी |
| अष्टमी | **२७ अप्रैल** | शनि | शीतलाष्टमी |
| एकादशी | **३० अप्रैल** | मंगल | वरुथिनी एकादशी व्रत (स.), वल्लभाचार्य जयंती |
| द्वादशी | **०१ मई** | बुध | श्रमिक दिवस |
| त्रायोदशी | **०२ मई** | गुरु | प्रदोष व्रत |
| चतुर्दशी | **०३ मई** | शुक्र | मासशिवरात्रि |
| अमावस्या | **०४ मई** | शनि | शनैश्चरी अमावस्या |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## वैशाख शुक्ल पक्ष ( दि. ०५ मई से १८ मई २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | **६ मई** | सोम | चन्द्रदर्शन |
| तृतीया | **७ मई** | मंगल | अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती प्रदोषकाल, शिवाजी जयन्ती,मातंगी जयन्ती, त्रेता युगादि, बद्री केदार यात्रा, रोहिणी व्रत, रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती |
| चतुर्थी | **८ मई** | बुध | विनायक चतुथी |
| पंचमी | **९ मई** | गुरु | आद्यगुरु शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयन्ती, रामानुज जयन्ती। |
| सप्तमी | **११ मई** | शनि | गङ्गोत्पत्ति, गङ्गा सप्तमी |
| अष्टमी | **१२ मई** | रवि | दुर्गाष्टमी (मध्याह्न व्यापिनी) श्रीबगलामुखीजयन्ती |
| नवमी | **१३ मई** | सोम | सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस |
| एकादशी | **१५ मई** | बुध | मोहिनी एकादशी व्रत (स.), वृष संक्रान्ति ११:०१ बजे, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से ११:०१ बजे तक। |
| द्वादशी | **१६ मई** | गुरु | प्रदोष व्रत |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **१७ मई** | शुक्र | नृसिंह जयंती प्रदोषकाल, श्री छिन्नमस्ता जयन्ती |
| पूर्णिमा | **१८ मई** | शनि | बुद्धपूर्णिमा,बुद्धजयन्ती उदयकाल, सत्यव्रत, वैशाख स्नान समाप्त, पूर्णिमा व्रत, कूर्म जयंती मध्याह्नकाल, नारद जयन्ती |

## ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष ( दि. १९ मई से ३ जून २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| चतुर्थी | **२२ मई** | बुध | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २२:२८ |
| सप्तमी/अष्टमी | **२६ मई** | रवि | भानु सप्तमी, कालाष्टमी |
| एकादशी | **३० मई** | गुरु | अपरा एकादशी व्रत (स.) |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **३१ मई** | शुक्र | प्रदोष व्रत, विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस। |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **१ जून** | रवि | मासशिवरात्रि |
| अमावस्या | **३ जून** | सोम | वटसावित्रीव्रत, भावुका अमावस्या, रोहिणी व्रत, सोमवती अमावस्या |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष ( दि. ४ जून से १७ जून २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/द्वितीया | **४ जून** | मंगल | चन्द्रदर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा. |
| द्वितीया/तृतीया | **५ जून** | बुध | ईद उल फितर, विश्व पर्यावरण दिवस, रम्भा तृतीया |
| तृतीया/चतुर्थी | **६ जून** | गुरु | महाराणा प्रताप जयंती, विनायक चतुर्थी |
| षष्ठी | **८ जून** | शनि | अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा |
| अष्टमी | **१० जून** | सोम | दुर्गाष्टमी, मेला क्षीरभवानी (काश्मीर), श्री धूमावती जयन्ती। |
| दशमी | **१२ जून** | बुध | गंगा दशहरा, गायत्री जयन्ती, रामेश्वर प्रतिष्ठा, गङ्गावतार। |
| एकादशी | **१३ जून** | गुरु | निर्जला एकादशी व्रत (स.) |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **१४ जून** | शुक्र | प्रदोष व्रत |
| त्रयोदशी | **१५ जून** | शनि | मिथुन संक्रान्ति १७:३८, सं. पुण्यकाल १७:३८ से सूर्यास्त तक |
| चतुर्दशी | **१६ जून** | रवि | पूर्णिमा व्रत |
| पूर्णिमा | **१७ जून** | सोम | वटसावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वटपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, सत्यव्रत, मन्वादि (वैवस्वत) |

## आषाढ़ कृष्ण पक्ष ( दि. १८ जून से २ जुलाई २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/द्वितीया | **१८ जून** | मंगल | अशून्य शयन व्रत |
| तृतीया/चतुर्थी | **२० जून** | गुरु | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:५४ |
| चतुर्थी | **२१ जून** | शुक्र | सबसे बड़ा दिन, अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस, दक्षिणायन प्रा. |
| सप्तमी | **२४ जून** | सोम | भानुसप्तमी |
| अष्टमी | **२५ जून** | मंगल | कालाष्टमी |
| एकादशी | **२९ जून** | शनि | योगिनी एकादशीव्रत (स.) |
| त्रयोदशी | **३० जून** | रवि | प्रदोष व्रत |
| चतुर्दशी | **१ जुलाई** | सोम | मासशिवरात्रि, रोहिणी व्रत |
| अमावस्या | **२ जुलाई** | मंगल | भौमवती अमावस्या |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१६-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## आषाढ़ शुक्ल पक्ष ( दि. ३ जुलाई से १६ जुलाई २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा | ३ जुलाई | बुध | गुप्तनवरात्रारम्भ |
| द्वितीया | ४ जुलाई | गुरु | जगन्नाथ रथयात्रा, मनोरथ द्वितीया, चन्द्रदर्शन |
| चतुर्थी | ६ जुलाई | शनि | विनायक चतुर्थी |
| पंचमी/षष्ठी | ७ जुलाई | रवि | कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी |
| षष्ठी/सप्तमी | ८ जुलाई | सोम | शीलता सप्तमी |
| अष्टमी | ६ जुलाई | मंगल | दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक आरम्भ |
| नवमी | १० जुलाई | बुध | भड्डली नवमी, गुप्तनवरात्र समाप्त, मेला शरीफ भवानी (काश्मीर) |
| एकादशी | १२ जुलाई | शुक्र | देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ |
| द्वादशी | १३ जुलाई | शनि | वासुदेव द्वादशी |
| त्रयोदशी | १४ जुलाई | रवि | प्रदोष व्रत |
| पूर्णिमा | १६ जुलाई | मंगल | पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा, गुरुपूर्णिमा, अष्टाह्निक पर्व समाप्त, सत्यव्रत, सन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, व्यासपूर्णिमा, जयापार्वतीव्रत, कोकिला व्रत, **चन्द्रग्रहण** कर्क संक्रान्ति २८:३३ बजे |

## श्रावण कृष्ण पक्ष ( दि. १७ जुलाई से १ अगस्त २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा | १७ जुलाई | बुध | हिण्डोले प्रा. (ब्रजमण्डल), सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक। |
| द्वितीया | १८ जुलाई | शुक्र | अशून्य शयन व्रत। |
| तृतीया/चतुर्थी | २० जुलाई | शनि | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २१:४५ |
| पंचमी | २२ जुलाई | सोम | नाग पंचमी (बंगाल, बिहार), श्रावण प्रथम सोमवार व्रत। |
| षष्ठी | २३ जुलाई | मंगल | मंगलागौरी व्रत |
| सप्तमी | २४ जुलाई | बुध | भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी |
| एकादशी/द्वादशी | २८ जुलाई | रवि | कामिका एकादशी व्रत, (स.) रोहिणी व्रत |
| द्वादशी/त्रयोदशी | २६ जुलाई | सोम | श्रावण सोमवार व्रत, सोम प्रदोष व्रत |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | ३० जुलाई | मंगल | मासशिवरात्रि, मंगला गौरी व्रत |
| चतुर्दशी/ अमावस्या | ३१ जुलाई | बुध | अमावस्या श्राद्धादि |
| अमावस्या/प्रतिप्रदा | १ अगस्त | गुरु | हरियाली अमावस्या, स्नानदानादि अमा. |

शुक्रास्त १४:१३५ २३.०७.२०१६

## श्रावण शुक्ल पक्ष ( दि. २ अगस्त से १५ अगस्त २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | २ अगस्त | शुक्र | चन्द्रदर्शन, सिन्धारा |
| तृतीया | ३ अगस्त | शनि | हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरी व्रत |
| चतुर्थी | ४ अगस्त | रवि | विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपतिव्रत |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## श्रावण शुक्ल पक्ष ( दि. ०२ अगस्त से १५ अगस्त २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| पंचमी | **५ अगस्त** | सोम | नागपञ्चमी, ऋग्यजुहिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म, श्रावण सोमवार व्रत, कल्कि जयन्ती सायंकाल। |
| षष्ठी | **६ अगस्त** | मंगल | वर्णषष्ठी, मंगलागौरी व्रत। |
| सप्तमी | **७ अगस्त** | बुध | तुलसीदास जयंती, शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी |
| अष्टमी | **८ अगस्त** | गुरु | दुर्गाष्टमी, मेला श्रीनयनादेवी, मेला ज्वाला जी, मेला चिन्तपूर्णी। |
| एकादशी | **११ अगस्त** | रवि | पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **१२ अगस्त** | सोम | सोम प्रदोष व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, ईद उज जुहा (बकरीद) |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **१३ अगस्त** | मंगल | मंगला गौरी व्रत। |
| चतुर्दशी/पूर्णीमा | **१४ अगस्त** | बुध | पूर्णिमा व्रत |
| पूर्णिमा | **१५ अगस्त** | गुरु | रक्षाबन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार, अमरनाथदर्शन, हिण्डोले समाप्त (व्रजमण्डल), संस्कृत दिवस, स्वतंत्रता दिवस। |

## भाद्रपद कृष्ण पक्ष ( दि. १६ अगस्त से ३० अगस्त २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | **१७ अगस्त** | शनि | अशून्य शयन व्रत, सिंह संक्रान्ति १३:०२ बजे, संक्रान्ति पुण्यकाल ६:३८ से १३:०२ तक |
| तृतीय | **१८ अगस्त** | रवि | कज्जली तृतीया |
| चतुर्थी | **१९ अगस्त** | सोम | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:२१, बहुला चतुर्थी |
| षष्ठी | **२१ अगस्त** | बुध | बलराम जयंती, हल षष्ठी, चन्दन षष्ठी, चम्पा षष्ठी |

## भाद्रपद कृष्ण पक्ष ( दि. १६ अगस्त से ३० अगस्त २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| सप्तमी/ अष्टमी | **२३ अगस्त** | शुक्र | श्रीकृष्णजयन्ती निशीथकाल, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी, भानु सप्तमी, श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी व्रत (स्मा.), श्रीमहाकालीजयन्ती निशीथकाल |
| अष्टमी | **२४ अगस्त** | शनि | श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वै.), रोहिणी व्रत |
| नवमी | **२५ अगस्त** | रवि | गोगानवमी, गोकुलोत्सव |
| एकादशी | **२६ अगस्त** | सोम | अजा एकादशी व्रत (स्मा.) |
| द्वादशी | **२७ अगस्त** | मंगल | अजा एकादशी व्रत (वै.) |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **२८ अगस्त** | बुध | प्रदोष व्रत, पर्युष्ण पर्वारम्भ (जैन), मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी |
| आमावस्या | **३० अगस्त** | शुक्र | कुशोत्पाटिनी अमावस्या, अमावस्या |

## भाद्रपद शुक्ल पक्ष ( दि. ३१ अगस्त से १४ सितम्बर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/द्वितीया | **३१ अगस्त** | शनि | चन्द्रदर्शन |
| तृतीया | **१ सितम्बर** | रवि | सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, अर्घ्यदान, वाराह जयन्ती अपराह्नकाल |
| चतुर्थी | **२ सितम्बर** | सोम | गणेश चतुर्थी व्रत, विनायक चतुर्थी (महाराष्ट्र), चन्द्रदर्शन निषेध,कलंकचतुर्थी, पत्थरचौथ, जैन संवत्सरी चतुर्थी पक्ष, चन्द्रास्त २१:०३ बजे |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१६-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## भाद्रपद शुक्ल पक्ष ( दि. ३१ अगस्त से १४ सितम्बर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| पंचमी | **३ सितम्बर** | मंगल | ऋषिपञ्चमी, जैनसंवत्सरी पंचमी पक्ष |
| षष्ठी | **४ सितम्बर** | बुध | सूर्यषष्ठी, बलदेवछठ, लोलार्कषष्ठी, ललिताषष्ठी, स्कन्द षष्ठी, मेला देवछठ (व्रजमण्डल), स्वामीकार्तिकेय दर्शन। |
| सप्तमी | **५ सितम्बर** | गुरु | शिक्षक दिवस |
| अष्टमी | **६ सितम्बर** | शुक्र | राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ |
| नवमी | **७ सितम्बर** | शनि | श्रीचन्दनवमी, अदुःख नवमी, मेला श्रीरामदेवजी (राज.) |
| एकादशी | **९ सितम्बर** | सोम | पार्श्व परिवर्तिनी एकादशी व्रत (स.) |
| द्वादशी | **१० सितम्बर** | मंगल | वामन जयन्ती मध्यह्नकाल, कल्किद्वादशी, वामनद्वादशी, श्री भुवनेश्वरी जयन्ती, गुरु रामदास जयन्ती, मोहर्रम |
| त्रयोदशी | **११ सितम्बर** | बुध | ओणम, प्रदोष व्रत |
| चतुर्दशी | **१२ सितम्बर** | गुरु | अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन |
| चतुर्दशी/पूर्णिमा | **१३ सितम्बर** | शुक्र | पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा का श्राद्ध, विश्वकर्मा पूजा, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ। |
| पूर्णिमा/प्रतिपदा | **१४ सितम्बर** | शनि | सत्यव्रत, प्रतिपदा श्राद्ध |

शुक्र उदय २८:२०
०६.०९.२०१९

## आश्विन कृष्ण पक्ष ( दि.१५ सितम्बर से २८ सितम्बर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/द्वितीया | **१५ सितम्बर** | रवि | अशून्य शयन व्रत |
| द्वितीया/तृतीया | **१६ सितम्बर** | सोम | द्वितीया का श्राद्ध |
| तृतीया/चतुर्थी | **१७ सितम्बर** | मंगल | तृतीया का श्राद्ध, कन्या संक्रान्ति १३:०२, सं. पुण्यकाल १३:०२ से सूर्यास्त तक, चतुर्थी व्रत, चतुर्थी चन्द्रोदय २०:२६ |
| चतुर्थी/पंचमी | **१८ सितम्बर** | बुध | चतुर्थी का श्राद्ध, भरणी श्राद्ध |
| पंचमी/षष्ठी | **१९ सितम्बर** | गुरु | पञ्चमी का श्राद्ध |
| षष्ठी | **२० सितम्बर** | शुक्र | षष्ठी का श्राद्ध |
| सप्तमी | **२१ सितम्बर** | शनि | सप्तमी का श्राद्ध, रोहिणी व्रत, कालाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत समाप्त |
| अष्टमी | **२२ सितम्बर** | रवि | अष्टमी का श्राद्ध, जीवित्पुत्रिकाव्रत, जीमूत- वाहनव्रत। |
| नवमी | **२३ सितम्बर** | सोम | नवमी का श्राद्ध, सध्वा नवमी, मातृ नवमी, अन्वष्टका श्राद्ध, विषवत दिन, शरद् संपात्, दक्षिण गोल प्रा.। |
| दशमी | **२४ सितम्बर** | मंगल | दशमी का श्राद्ध |
| एकादशी/द्वादशी | **२५ सितम्बर** | बुध | इन्दिरा एकादशी व्रत (स.), एकादशी का श्राद्ध, द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **२६ सितम्बर** | गुरु | त्रयोदशी का श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मघा श्राद्ध। |
| चतुर्दशी | **२७ सितम्बर** | शुक्र | मासशिवरात्रि, चतुर्दशी का श्राद्ध, विषशस्त्रादि से हतों का श्राद्ध। |
| अमावस्या | **२८ सितम्बर** | शनि | श्राद्धादि अमावस्या, सर्वपितृ अमावस्या, सर्वपितृ विसर्जन, पितृपक्ष समाप्त, गजच्छाया शनैश्चरी अमावस्या |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१६-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## आश्विन शुक्ल पक्ष ( दि. २९ सितम्बर से १३ अक्टूबर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/ द्वितीया | **२६ सितम्बर** | रवि | मातामह श्राद्ध, शारदीय नवरात्र आरम्भ, घटस्थापन महाराज अग्रसेन जयंती |
| द्वितीया | ३० सितम्बर | सोम | चन्द्रदर्शन |
| चतुर्थी | **२ अक्टूबर** | बुध | विनायक चतुर्थी, गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती। |
| पंचमी | **३ अक्टूबर** | गुरु | ललिता पंचमी, उपाङ्गललिताव्रत |
| षष्ठी | **४ अक्टूबर** | शुक्र | बिल्वाभिमन्त्रण। |
| सप्तमी | **५ अक्टूबर** | शनि | सरस्वती आवाहन, महानिशीथ पूजन, सन्धिपूजा |
| अष्टमी | **६ अक्टूबर** | रवि | सरस्वतीपूजन, दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, औलीजैन प्रा., महानवमी रात्रि पूजन। |
| नवमी | **७ अक्टूबर** | सोम | शूलिनी पूजा, सरस्वती बलिदान, नवमी व्रत, नवरात्र समाप्त। |
| दशमी | **८ अक्टूबर** | मंगल | सरस्वती विसर्जन, अपराजिता पूजा विजयादशमी, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा,सीमोल्लंघन। |
| एकादशी | **६ अक्टूबर** | बुध | पापांकुशा एकादशी व्रत (स.), मेला भरत मिलाप, मध्वाचार्य जयंती। |
| द्वादशी | **१० अक्टूबर** | गुरु | पद्मनाभ द्वादशी |
| त्रयोदशी | **११ अक्टूबर** | शुक्र | प्रदोषव्रत |
| पूर्णिमा | **१३ अक्टूबर** | रवि | पूर्णिमाव्रत, कोजागरी पूर्णिमा, शरत् पूर्णिमा, रास महोत्सव, सत्यव्रत, वाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जयन्ती, औली जैन समाप्त, कार्तिकस्नान प्रा. |

## कार्तिक कृ. पक्ष ( दि. १४ अक्टूबर से २८ अक्टूबर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| तृतीया/चतुर्थी | **१७ अक्टूबर** | गुरु | करवाचौथ, करकचतुर्थी, चन्द्रोदय २०:१६, तुला संक्रान्ति २५:०३ |
| चतुर्थी | **१८ अक्टूबर** | शुक्र | सं. पुण्यकाल सूर्योदय से १०:२७ तक, रोहिणी व्रत। |
| षष्ठी | **२० अक्टूबर** | रवि | स्कन्द षष्ठी |
| सप्तमी/अष्टमी | **२१ अक्टूबर** | सोम | अहोई अष्टमी, कालाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरुणोदय में |
| एकादशी | **२४ अक्टूबर** | गुरु | रमा एकादशीव्रत (स.) |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **२५ अक्टूबर** | शुक्र | गोवत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जयन्ती, यमदीप दान। |
| त्रयोदशी/ चतुर्दशी | **२६ अक्टूबर** | शनि | मासशिवरात्रि, यमदीप दान, नरक चतुर्दशी, रूपचौदस, हनुमज्जयन्ती। |
| चतुर्दशी/ अमावस्या | **२७ अक्टूबर** | रवि | अमावस्या श्राद्धादि, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, केदारगौरी व्रत, कमलाजयन्ती प्रदोषकाल, महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस, श्री महाकाली पूजा। |
| अमावस्या/ प्रतिपदा | **२८ अक्टूबर** | सोम | गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा, सोमवती अमावस्या। |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## कार्तिक शुक्ल पक्ष ( दि. २९ अक्टूबर से १२ नवम्बर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | **२९ अक्टूबर** | मंगल | चन्द्र दर्शन, भातृद्वितीया, यमद्वितीया, चित्रगुप्त पूजन, यमुना स्नान (मथुरा) |
| चतुर्थी | **३१ अक्टूबर** | गुरु | विनायक चतुर्थी, सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती। |
| पंचमी | **१ नवम्बर** | शुक्र | लाभ पंचमी, ज्ञान पंचमी, पाण्डव पंचमी |
| षष्ठी | **२ नवम्बर** | शनि | छठपूजा, सूर्यषष्ठी, प्रतिहार षष्ठी, सायंकालीन अर्घ्यदान |
| सप्तमी | **३ नवम्बर** | रवि | प्रातःकालीन अर्घ्यदान, षष्ठी व्रत पारणा। |
| अष्टमी | **४ नवम्बर** | सोम | अष्टाह्निकपर्व प्रा., गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी, मेला गोचारण (मथुरा), औलीजैन प्रा. |
| नवमी | **५ नवम्बर** | मंगल | अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी, सत्य युगादि, मथुरा परिक्रमा। |
| दशमी | **७ नवम्बर** | गुरु | मेला कंस (मथुरा) |
| एकादशी/द्वादशी | **८ नवम्बर** | शुक्र | प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशीव्रत (स.), तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रारम्भ, गृहस्थियों का चातुर्मास्य समाप्त |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **९ नवम्बर** | शनि | शनि प्रदोषव्रत |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **१० नवम्बर** | रवि | वैकुण्ठ चतुर्दशी, मिलाद उन नवी (ईद मिलाद), हजरत मुहम्मद जयंती |

## कार्तिक शुक्ल पक्ष ( दि. २९ अक्टूबर से १२ नवम्बर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| चतुर्दशी | **११ नवम्बर** | सोम | मणिकर्णिका स्नान, विश्वनाथ स्थापना दिवस। |
| पूर्णिमा | **१२ नवम्बर** | मंगल | देव दीपावली, पुष्कर स्नान, सत्यव्रत, गुरुनानक जयन्ती, भीष्म पंचक समाप्त, मेला गढ़ गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहरक्षेत्र, औली जैन समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त, मन्वादि। |

## मार्गशीर्ष कृ. पक्ष ( दि. १३ नवम्बर से २६ नवम्बर २०१९ तक )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | **१४ नवम्बर** | गुरु | बाल दिवस, रोहिणी व्रत |
| तृतीया/चतुर्थी | **१५ नवम्बर** | शुक्र | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय १९:४७, अङ्गारक चतुर्थी |
| चतुर्थी | **१६ नवम्बर** | शनि | वृश्चिक संक्रान्ति २४:५१ बजे। |
| पंचमी | **१७ नवम्बर** | रवि | वृश्चिक सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक |
| सप्तमी/अष्टमी | **१९ नवम्बर** | मंगल | कालभैरव जयंती, कालाष्टमी |
| दशमी/एकादशी | **२२ नवम्बर** | शुक्र | उत्पन्ना एकादशी व्रत (स्मा.) |
| एकादशी/द्वादशी | **२३ नवम्बर** | शनि | उत्पन्ना एकादशी व्रत (वै.) |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **२४ नवम्बर** | रवि | प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि |
| अमावस्या | **२६ नवम्बर** | मंगल | भौमवती अमावस्या |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष ( दि. २७ नवम्बर से १२ दिसम्बर २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/द्वितीया | **२८ नवम्बर** | बुध | चन्द्रदर्शन |
| चतुर्थी | **३० नवम्बर** | शनि | विनायक चतुर्थी |
| पंचमी | **१ दिसम्बर** | रवि | विवाह पञ्चमी, सीताराम विवाह, विहार पंचमी, नागपूजा (दाक्षिणात्य), स्वामी हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती |
| षष्ठी | **२ दिसम्बर** | सोम | स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी |
| अष्टमी | **४ दिसम्बर** | बुध | दुर्गाष्टमी |
| एकादशी/द्वादशी | **८ दिसम्बर** | रवि | मोक्षदा एकादशीव्रत (स.), गीताजयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), मत्स्य द्वादशी |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **९ दिसम्बर** | सोम | सोम प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **१० दिसम्बर** | मंगल | पिशाच मोचन श्राद्ध |
| चतुर्दशी | **११ दिसम्बर** | बुध | रोहिणी व्रत, पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयन्ती। |
| पूर्णिमा | **१२ दिसम्बर** | गुरु | श्री त्रिपुरभैरवी जयन्ती, सत्यव्रत |

## पौष कृष्ण पक्ष ( दि. १३ दिसम्बर से २६ दिसम्बर २०१९ ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा | १३ दिसम्बर | शुक्र | गुरू अस्त २५:१५, १३.१२.१९ |
| तृतीया/चतुर्थी | **१५ दिसम्बर** | रवि | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २०:३५ |
| पंचमी | **१६ दिसम्बर** | सोम | धनु संक्रान्ति १५:२८, सं. पुण्यकाल १५:२८ से सूर्यास्त तक |
| अष्टमी | **१८ दिसम्बर** | बुध | कालाष्टमी |
| एकादशी | **२२ दिसम्बर** | रवि | सफला एकादशी व्रत (स.), वर्ष का सबसे छोटा दिन |
| द्वादशी | **२३ दिसम्बर** | सोम | रूपद्वादशी, सोम प्रदोष व्रत |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **२४ दिसम्बर** | मंगल | मास शिवरात्रि |
| चतुर्दशी/अमावस्या | **२५ दिसम्बर** | बुध | क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती, मदनमोहन मालवीय जयन्ती, अमावस्या श्राद्धादि |
| अमावस्या | **२६ दिसम्बर** | गुरु | अमावस्या स्नान दानादि |

## पौष शुक्ल पक्ष ( दि. २७ दिसम्बर २०१९ से १० जनवरी २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा/ द्वितीया | **२७ दिसम्बर** | शुक्र | चन्द्रदर्शन |
| चतुर्थी | **३० दिसम्बर** | सोम | विनायक चतुर्थी |
| षष्ठी | **०१ जनवरी** | बुध | आङ्गल नववर्षारम्भ |
| सप्तमी | **०२ जनवरी** | गुरु | भानु सप्तमी |
| अष्टमी | **०३ जनवरी** | शुक्र | दुर्गाष्टमी। |
| एकादशी | **०६ जनवरी** | सोम | पुत्रदा एकादशी व्रत (स्मा.+वैष्णव), गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती। |
| द्वादशी | **०७ जनवरी** | मंगल | पुत्रदा एकादशी व्रत (नि.)। |
| त्रयोदशी | **०८ जनवरी** | बुध | प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत |
| पूर्णिमा | **१० जनवरी** | शुक्र | पूर्णिमा व्रत,सत्यव्रत, माघ स्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती। |

गुरू उदय २२:२४ १०.०१.२०

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## माघ कृष्ण पक्ष ( दि. ११ जनवरी से २४ जनवरी २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| तृतीया | १२ जनवरी | रवि | स्वामी विवेकानन्द जयन्ती |
| चतुर्थी | १३ जनवरी | सोम | संकष्ट चतुर्थी व्रत (संकट चौथ), चन्द्रोदय २०:३४, गणेशोत्पत्ति |
| चतुर्थी/पंचमी | १४ जनवरी | मंगल | लोहड़ी, मकर संक्रान्ति २६:०८ |
| पंचमी/षष्ठी | १५ जनवरी | बुध | स्वामी रामानन्दाचार्य जयन्ती, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक |
| सप्तमी | १७ जनवरी | शुक्र | कालाष्टमी |
| एकादशी | २० जनवरी | सोम | षट्तिला एकादशीव्रत (स्मा.+वैष्णव) |
| द्वादशी | २१ जनवरी | मंगल | षट्तिला एकादशी व्रत (नि.) |
| त्रयोदशी | २२ जनवरी | बुध | मेरु त्रयोदशी, प्रदोष व्रत। |
| चतुर्दशी | २३ जनवरी | गुरु | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती, मासशिवरात्रि |
| अमावस्या | २४ जनवरी | शुक्र | मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान। |

## माघ शुक्ल पक्ष ( दि. २५ जनवरी से ९ फरवरी २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा | २५ जनवरी | शनि | गुप्त नवरात्र प्रारम्भ (शिशिर), हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्यत्व दिवस |
| द्वितीया | २६ जनवरी | रवि | चन्द्रदर्शन, गणतन्त्र दिवस |
| तृतीया/चतुर्थी | २८ जनवरी | मंगल | विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी |
| पंचमी | ३० जनवरी | गुरु | वसंत पञ्चमी, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन |
| षष्ठी | ३१ जनवरी | शुक्र | स्कन्द षष्ठी |
| सप्तमी | ०१ फरवरी | शनि | रथ सप्तमी, भानु सप्तमी, अचला सप्तमी |
| अष्टमी | ०२ फरवरी | रवि | भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि |
| नवमी | ०३ फरवरी | सोम | गुप्त नवरात्र (शिशिर) समाप्त । |
| एकादशी | ०५ फरवरी | बुध | जया एकादशी व्रत (स.)। |
| द्वादशी | ०६ फरवरी | गुरु | भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी। |
| त्रयोदशी | ०७ फरवरी | शुक्र | मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रारम्भ, प्रदोष व्रत। |
| चतुर्दशी/पूर्णिमा | ०८ फरवरी | शनि | पूर्णिमा व्रत। |
| पूर्णिमा | ०९ फरवरी | रवि | माघी पूर्णिमा, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयंती, मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, श्री ललिता जयन्ती। |

## फाल्गुन कृष्ण पक्ष ( दि. १० फरवरी से २३ फरवरी २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| चतुर्थी | १२ फरवरी | बुध | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २१:३७ |
| पंचमी | १३ फरवरी | गुरु | कुम्भ संक्रान्ति १५:०३, सं. पुण्यकाल प्रातः ८:३६ से १५:०३ बजे तक। |
| सप्तमी/अष्टमी | १५ फरवरी | शनि | कालाष्टमी |
| अष्टमी | १६ फरवरी | रवि | हलाष्टमी, जानकी अष्टमी |
| दशमी | १८ फरवरी | मंगल | महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२० व्रत, पर्व एवं उत्सव

## फाल्गुन कृष्ण पक्ष ( दि. १० फरवरी से २३ फरवरी २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| एकादशी | **१९ फरवरी** | बुध | विजया एकादशी व्रत (स.) |
| द्वादशी | **२० फरवरी** | गुरु | प्रदोष व्रत |
| त्रयोदशी | **२१ फरवरी** | शुक्र | महाशिवरात्रि व्रत |
| चतुर्दशी | **२२ फरवरी** | शनि | महाशिवरात्रि व्रत पारणा |
| अमावस्या | **२३ फरवरी** | रवि | युगादि अमावस्या |

## फाल्गुन शुक्ल पक्ष ( दि. २४ फरवरी से ९ मार्च २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| द्वितीया | **२५ फरवरी** | मंगल | चन्द्रदर्शन, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, फुलैरादोज |
| चतुर्थी | **२७ फरवरी** | गुरु | विनायक चतुर्थी |
| अष्टमी | **०३ मार्च** | मंगल | दुर्गाष्टमी, होलाष्टक प्रा., औलीजैन प्रा., अष्टाह्निक पर्व आरम्भ, रोहिणी व्रत। |
| एकादशी | **०६ मार्च** | शुक्र | आमलकी एकादशी व्रत (स.), रङ्गभरी एकादशी |
| द्वादशी | **०७ मार्च** | शनि | गोविन्द द्वादशी, शनि प्रदोष व्रत |
| चतुर्दशी | **०८ मार्च** | रवि | हजरत अली जन्म दिवस |
| पूर्णिमा | **०९ मार्च** | सोम | अष्टाह्निक पर्व समाप्त, होलाष्टक समाप्त, औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, मन्वादि, होलिका दहन। |

## चैत्र कृष्ण पक्ष ( दि. १० मार्च से २४ मार्च २०२० ई. )

| तिथि | दिनाङ्क | वार | व्रत, पर्व एवं उत्सव |
|---|---|---|---|
| प्रतिपदा | **१० मार्च** | मंगल | होली, धूलेण्डी, धूलिवन्दन, चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, आम्रकलिका प्राशन, वसन्तोत्सव। |
| तृतीया | **१२ मार्च** | गुरु | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २१:३१ |
| पंचमी | **१३ मार्च** | शुक्र | रंग पञ्चमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रारम्भ |
| षष्ठी | **१४ मार्च** | शनि | एकनाथ षष्ठी, मीन संक्रान्ति ११:५४, सं पुण्यकाल ११:५४ से १८:१८ बजे तक। |
| सप्तमी | **१५ मार्च** | रवि | मेला नवचण्डी (मेरठ) समाप्त। |
| अष्टमी | **१६ मार्च** | सोम | कालाष्टमी, शीतलाष्टमी, बासोड़ा |
| एकादशी | **१९ मार्च** | गुरु | पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.+ वैष्णव) |
| द्वादशी | **२० मार्च** | शुक्र | पारसी नव वर्ष दिवस, पापमोचिनी एकादशी व्रत (नि.)। |
| द्वादशी/त्रयोदशी | **२१ मार्च** | शनि | शनि प्रदोष व्रत। |
| त्रयोदशी/चतुर्दशी | **२२ मार्च** | रवि | मास शिवरात्रि, वारुणी योग (१०:०८ तक) |
| अमावस्या | **२४ मार्च** | मंगल | अमावस्या स्नान-दान-श्राद्धादि, भौमवती अमावस्या मेला पेहवा (पृथुदक), विक्रम-संवत् २०७६ समाप्त। |

# विक्रम संवत् २०७६ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

## ॥ विनायक चतुर्थी व्रत ॥

| मास | पक्ष | तिथि | दिनांक | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| चैत्र | शुक्ल | चतुर्थी | ०९ मार्च | २०१९ ई. |
| वैशाख | " | " | ०८ मई | " |
| ज्येष्ठ | " | " | ०६ जून | " |
| आषाढ़ | " | " | ०६ जुलाई | " |
| श्रावण | " | " | ०४ अगस्त | " |
| भाद्रपद | " | " | ०२ सितम्बर | " |
| आश्विन | " | " | ०२ अक्टूबर | " |
| कार्तिक | " | " | ३१ अक्टूबर | " |
| मार्गशीर्ष | " | " | ३० नवम्बर | " |
| पौष | " | " | ३० दिसम्बर | " |
| माघ | " | " | २८ जनवरी | २०२० ई. |
| फाल्गुन | " | " | २७ मार्च | " |

## ॥ संकष्ट चतुर्थी व्रत ॥

| मास | पक्ष | तिथि | दिनांक | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| वैशाख | कृष्ण | चतुर्थी | २२ अप्रैल | २०१९ई. |
| ज्येष्ठ | " | " | २२ मई | " |
| आषाढ़ | " | " | २० जून | " |
| श्रावण | " | " | २० जुलाई | " |
| भाद्रपद | " | " | १९ अगस्त | " |
| आश्विन | " | " | १७ सितम्बर | " |
| कार्तिक | " | " | १७ अक्टूबर | " |
| मार्गशीर्ष | " | " | १५ नवम्बर | " |
| पौष | " | " | १५ दिसम्बर | " |
| माघ | " | " | १३ जनवरी | २०२०ई. |
| फाल्गुन | " | " | १२ फरवरी | " |
| चैत्र | " | " | १२ मार्च | " |

## ॥ दुर्गाष्टमी व्रत ॥

| मास | पक्ष | तिथि | दिनांक | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| चैत्र | शुक्ल | अष्टमी | १३ अप्रैल | २०१९ ई. |
| वैशाख | " | " | १२ मई | " |
| ज्येष्ठ | " | " | १० जून | " |
| आषाढ़ | " | " | ०९ जुलाई | " |
| श्रावण | " | " | ०८ अगस्त | " |
| भाद्रपद | " | " | ०६ सितम्बर | " |
| आश्विन | " | " | ०६ अक्टूबर | " |
| कार्तिक | " | " | ०४ नवम्बर | " |
| मार्गशीर्ष | " | " | ०४ दिसम्बर | " |
| पौष | " | " | ०३ जनवरी | २०२० ई. |
| माघ | " | " | ०२ फरवरी | " |
| फाल्गुन | " | " | ०३ मार्च | " |

## ॥ कालाष्टमी व्रत ॥

| मास | पक्ष | तिथि | दिनांक | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| वैशाख | कृष्ण | अष्टमी | २६ अप्रैल | २०१९ ई. |
| ज्येष्ठ | " | " | २६ मई | " |
| आषाढ़ | " | " | २५ जून | " |
| श्रावण | " | " | २४ जुलाई | " |
| भाद्रपद | " | " | २३ अगस्त | " |
| आश्विन | " | " | २१ सितम्बर | " |
| कार्तिक | " | " | २१ अक्टूबर | " |
| मार्गशीर्ष | " | " | १९ नवम्बर | " |
| पौष | " | " | १८ दिसम्बर | " |
| माघ | " | " | १७ जनवरी | २०२०ई. |
| फाल्गुन | कृष्ण | अष्टमी | १५ फरवरी | २०२०ई. |
| चैत्र | " | " | १६ मार्च | " |

## ॥ एकादशी व्रत ॥

| मास | पक्ष | एकादशी | दिनांक | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| चैत्र | शु. | कामदा(स्मा.) | १५ अप्रैल | २०१९ई. |
| चैत्र | शु. | कामदा(वै.) | १६ अप्रैल | " |
| वैशाख | कृ. | वरुथिनी | ३० अप्रैल | " |
| वैशाख | शु. | मोहिनी | १५ मई | " |
| ज्येष्ठ | कृ. | अपरा | ३० मई | " |
| ज्येष्ठ | शु. | निर्जला | १३ जून | " |
| आषाढ़ | कृ. | योगिनी | २९ जून | " |
| आषाढ़ | शु. | देवशयनी | १२ जुलाई | " |
| श्रावण | कृ. | कामिका | २८ जुलाई | " |
| श्रावण | शु. | पुत्रदा | ११ अगस्त | " |
| भाद्रपद | कृ. | अजा(स्मा.) | २६ अगस्त | " |
| भाद्रपद | कृ. | अजा(वै.) | २७ अगस्त | " |
| भाद्रपद | शु. | पार्श्वपरिवर्तिनी | ९ सितम्बर | " |
| आश्विन | कृ. | इन्दिरा | २५ सितम्बर | " |
| आश्विन | शु. | पापांकुशा | ०९ अक्टूबर | " |
| कार्तिक | कृ. | रमा | २४ अक्टूबर | " |
| कार्तिक | शु. | देवोत्थान | ०८ नवम्बर | " |
| मार्गशीर्ष | कृ. | उत्पन्ना(स्मा.) | २२ नवम्बर | " |
| मार्गशीर्ष | कृ. | उत्पन्ना(वै.) | २३ नवम्बर | " |
| मार्गशीर्ष | शु. | मोक्षदा | ०८ दिसम्बर | " |
| पौष | कृ. | सफला | २२ दिसम्बर | २०१९ई. |
| पौष | शु. | पुत्रदा(स्मा.वै.) | ०६ जनवरी | २०२०ई. |
| माघ | कृ. | षट्तिला(स्मा.वै.) | २० जनवरी | " |
| माघ | शु. | जया | ०५ फरवरी | " |
| फाल्गुन | कृ. | विजया | १९ फरवरी | " |
| फाल्गुन | शु. | आमलकी | ०६ मार्च | " |
| चैत्र | कृ. | प.मो.(स्मा.वै.) | १९ मार्च | " |

## ॥ प्रदोष व्रत ॥

| मास | पक्ष | दिनांक | | वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| चैत्र | शु. | १७ | अप्रैल | २०१९ ई. |
| वैशाख | कृ. | ०२ | मई | " |
| वैशाख | शु. | १६ | मई | " |
| ज्येष्ठ | कृ. | ३१ | मई | " |
| ज्येष्ठ | शु. | १४ | जून | " |
| आषाढ़ | कृ. | ३० | जून | " |
| आषाढ़ | शु. | १४ | जुलाई | " |
| श्रावण | कृ. | २९ | जुलाई | " |
| श्रावण | शु. | १२ | अगस्त | " |
| भाद्रपद | कृ. | २८ | अगस्त | " |
| भाद्रपद | शु. | ११ | सितम्बर | " |
| आश्विन | कृ. | २६ | सितम्बर | " |
| आश्विन | शु. | ११ | अक्टूबर | " |
| कार्तिक | कृ. | २५ | अक्टूबर | " |
| कार्तिक | शु. | ०९ | नवम्बर | " |

# विक्रम संवत् २०७५ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

## ॥ प्रदोष व्रत ॥

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मार्गशीर्ष | कृ. | २४ | नवम्बर | २०१९ई. |
| मार्गशीर्ष | शु. | ०६ | दिसम्बर | ” |
| पौष | कृ. | २३ | दिसम्बर | ” |
| पौष | शु. | ०८ | जनवरी | २०२०ई. |
| माघ | कृ. | २२ | जनवरी | ” |
| माघ | शु. | ०७ | फरवरी | ” |
| फाल्गुन | कृ. | २० | फरवरी | ” |
| फाल्गुन | शु. | ०७ | मार्च | ” |
| चैत्र | कृ. | २१ | मार्च | ” |

## ॥ मास शिवरात्रि ॥

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| वैशाख | कृ. | ०३ | मई | २०१९ ई. |
| ज्येष्ठ | ” | ०१ | जून | ” |
| आषाढ़ | ” | ०१ | जुलाई | ” |
| श्रावण | ” | ३० | जुलाई | ” |
| भाद्रपद | ” | २८ | अगस्त | ” |
| आश्विन | ” | २७ | सितम्बर | ” |
| कार्तिक | ” | २६ | अक्टूबर | ” |
| मार्गशीर्ष | ” | २४ | नवम्बर | ” |
| पौष | ” | २४ | दिसम्बर | ” |
| माघ | ” | २३ | जनवरी | २०२० ई. |
| फाल्गुन | ” | २१ | फरवरी | ” |
| चैत्र | ” | २२ | मार्च | ” |

## ॥ अमावस्या श्राद्धादि ॥

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| वैशाख | कृ. | ०४ | मई | २०१९ ई. |
| ज्येष्ठ | ” | ०३ | जून | ” |
| आषाढ़ | ” | ०२ | जुलाई | ” |
| श्रावण | ” | ३१ | जुलाई | ” |
| भाद्रपद | ” | ३० | अगस्त | ” |
| आश्विन | ” | २८ | सितम्बर | ” |
| कार्तिक | ” | २७ | अक्टूबर | ” |
| मार्गशीर्ष | ” | २६ | नवम्बर | ” |
| पौष | ” | २५ | दिसम्बर | ” |
| माघ | ” | २४ | जनवरी | २०२० ई. |
| फाल्गुन | ” | २३ | फरवरी | ” |
| चैत्र | ” | २४ | मार्च | ” |

## सत्यनारायण व्रत

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चैत्र | शु. | १९ | अप्रैल | २०१९ ई. |
| वैशाख | ” | १८ | मई | ” |
| ज्येष्ठ | ” | १७ | जून | ” |
| आषाढ़ | ” | १६ | जुलाई | ” |
| श्रावण | ” | १५ | अगस्त | ” |
| भाद्रपद | ” | १४ | सितम्बर | ” |
| आश्विन | ” | १३ | अक्टूबर | ” |
| कार्तिक | ” | १२ | नवम्बर | ” |
| मार्गशीर्ष | ” | १२ | दिसम्बर | ” |
| पौष | ” | १० | जनवरी | २०२० ई. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| माघ | शु. | ०९ | फरवरी | २०२०ई. |
| फाल्गुन | ” | ०९ | मार्च | ” |

## ॥ पूर्णिमा व्रत ॥

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चैत्र | शु. | १८ | अप्रैल | २०१९ ई. |
| वैशाख | ” | १८ | मई | ” |
| ज्येष्ठ | ” | १६ | जून | ” |
| आषाढ़ | ” | १६ | जुलाई | ” |
| श्रावण | ” | १४ | अगस्त | ” |
| भाद्रपद | ” | १३ | सितम्बर | ” |
| आश्विन | ” | १३ | अक्टूबर | ” |
| कार्तिक | ” | १४ | नवम्बर | ” |
| मार्गशीर्ष | ” | ११ | दिसम्बर | ” |
| पौष | ” | १० | जनवरी | २०२०ई. |
| माघ | ” | ०८ | फरवरी | ” |
| फाल्गुन | ” | ०९ | मार्च | ” |

## ॥ संक्रान्तियों का पुण्यकाल ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| मेष | १४ अप्रैल | २०१९ | १०:०६ से १८:१० बजे तक |
| वृष | १५ मई | ” | सूर्योदय से ११:०१ बजे तक |
| मिथुन | १५ जून | ” | १७:३८ से सूर्यास्त तक |
| कर्क | १७ जुलाई | ” | सूर्योदय से मध्याह्न तक |
| सिंह | १७ अगस्त | ” | ०६:३८ से १३:०२ तक |
| कन्या | १७ सितम्बर | ” | १३:०२ से सूर्यास्त तक |
| तुला | १८ अक्टूबर | ” | सूर्योदय से १०:२७ तक |
| वृश्चिक | १७ नवम्बर | ” | सूर्योदय से मध्याह्न तक |
| धनु | १६ दिसम्बर | ” | १५:२८ बजे से सूर्यास्त तक |
| मकर | १५ जनवरी | २०२० | सूर्योदय से मध्याह्न तक |
| कुम्भ | १३ फरवरी | ” | प्रातः ८:३६ से १५:०३ बजे तक |
| मीन | १४ मार्च | ” | ११:५४ से १८:१८ बजे तक |

## ॥ दशावतार जयन्तियाँ ॥

| | | |
|---|---|---|
| श्री मत्स्य जय. | चै. शु. ०३ | ०८ अप्रैल २०१९ ई. |
| श्री रामनवमी | चै. शु. ०९ | १३ अप्रैल ” |
| श्री कूर्म जय. | वै. शु. १५ | १८ मई ” |
| श्री परशुराम जय. | वै. शु. ०३ | ०७ मई ” |
| श्री नृसिंह जय. | वै. शु. १४ | १७ मई ” |
| श्री वाराह जय. | भा. शु. ३ | १ सित ” |
| श्री कल्कि जय. | श्रा. शु. ०६ | ०५ अगस्त ” |
| श्री कृष्ण जय. | भाद्र. कृ. ०८ | २३ अगस्त ” |
| श्री वामन जय. | भाद्र. शु. १२ | १० सितम्बर ” |
| श्री बुद्ध जय. | वैशा. शु. १५ | १२ मई ” |

## ॥ दशमहाविद्याओं की जयन्तियाँ ॥

| | | |
|---|---|---|
| श्री तारा | चैत्र शु. ९ | १३ अप्रैल २०१९ ई. |
| श्री मातंगी | वै. शु. ३ | ०७ मई ” |
| श्री बगलामुखी | वै. शु. ८ | १२ मई ” |
| श्री छिन्नमस्तका | वै. शु. १४ | १७ मई ” |
| श्री धूमावती | ज्ये. शु. ८ | १० जून ” |
| श्री काली | भाद्र. कृ. ८ | २३ अगस्त ” |
| श्री भुवनेश्वरी | भाद्र. शु. १२ | १० सितम्बर ” |
| श्री कमला | का. कृ. ३० | २७ अक्टुबर ” |
| श्री त्रिपुरभैरवी | मार्ग. शु. १५ | १२ दिसम्बर ” |
| श्री ललिता | माघ शु. १५ | ०९ फरवरी २०२० ई. |

# ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार ( भा.स्टैं.टा. ) विक्रम संवत् २०७६

## ॥ निरयण सूर्य संक्रमण ( राशिचार ) ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| १४.०४.२०१६ | रवि | मेष | १४:०६ |
| १५.०५.२०१६ | बुध | वृष | ११:०१ |
| १५.०६.२०१६ | शनि | मिथुन | १७:३८ |
| १६.०७.२०१६ | मंगल | कर्क | २८:३३ |
| १७.०८.२०१६ | शनि | सिंह | १३:०२ |
| १७.०९.२०१६ | मंगल | कन्या | १३:०२ |
| १७.१०.२०१६ | गुरु | तुला | २५:०३ |
| १६.११.२०१६ | शनि | वृश्चिक | २४:५१ |
| १६.१२.२०१६ | सोम | धनु | २५:२८ |
| १४.०१.२०२० | मंगल | मकर | २६:०८ |
| १३.०२.२०२० | गुरु | कुम्भ | १५:०३ |
| १४.०३.२०२० | शनि | मीन | ११:५४ |

## ॥ मंगल राशिचार ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| ०७.०५.२०१६ | मंगल | मिथुन | ०६:५३ |
| २२.०६.२०१६ | शनि | कर्क | २३:२२ |
| ०८.०८.२०१६ | गुरु | सिंह | २८:४७ |
| २५.०९.२०१६ | बुध | कन्या | ०६:३३ |
| १०.११.२०१६ | रवि | तुला | १४:२४ |
| २५.१२.२०१६ | बुध | वृश्चिक | २१:२६ |
| ०७.०२.२०२० | शुक्र | धनु | २७:५२ |
| २२.०३.२०२० | रवि | मकर | १४:४० |

## ॥ बुध राशिचार ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| ११.०४.२०१६ | गुरु | मीन | २८:२४ |
| ०३.०५.२०१६ | शुक्र | मेष | १७:०३ |
| १८.०५.२०१६ | शनि | वृष | २३:३५ |
| ०१.०६.२०१६ | शनि | मिथुन | २४:१७ |
| २०.०६.२०१६ | गुरु | कर्क | २६:२७ |
| ३०.०७.२०१६ | मंगल | मिथुन | १२:०१ |
| ०३.०८.२०१६ | शनि | कर्क | ०६:०० |
| २६.०८.२०१६ | सोम | सिंह | १४:०७ |
| १०.०९.२०१६ | मंगल | कन्या | २८:५६ |
| २६.०९.२०१६ | रवि | तुला | १२:५५ |
| २३.१०.२०१६ | बुध | वृश्चिक | २३:१२ |
| ०७.११.२०१६ | गुरु | तुला | १५:५६ |
| ०५.१२.२०१६ | गुरु | वृश्चिक | १०:३४ |
| २५.१२.२०१६ | बुध | धनु | १५:४५ |
| १३.०१.२०२० | सोम | मकर | ११:३५ |
| ३०.०१.२०२० | गुरु | कुम्भ | २६:५३ |

## ॥ गुरु राशिचार ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| २२.०४.२०१६ | सोम | वृश्चिक | २५:११ |
| ०४.११.२०१६ | सोम | धनु | २६:१७ |

## ॥ शुक्र राशिचार ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| १५.०४.२०१६ | सोम | मीन | २५:०४ |
| १०.०५.२०१६ | शुक्र | मेष | १६:०६ |
| ०४.०६.२०१६ | मंगल | वृष | ११:२० |
| २८.०६.२०१६ | शुक्र | मिथुन | २५:३३ |

## ॥ शुक्र राशिचार ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| २३.०७.२०१६ | मंगल | कर्क | १२:४६ |
| १६.०८.२०१६ | शुक्र | सिंह | २०:३६ |
| ०६.०९.२०१६ | सोम | कन्या | २५:४१ |
| ०३.१०.२०१६ | गुरु | तुला | २६:१४ |
| २८.१०.२०१६ | सोम | वृश्चिक | ०८:३२ |
| २१.११.२०१६ | गुरु | धनु | १२:२३ |
| १५.१२.२०१६ | रवि | मकर | १७:५८ |
| ०८.०१.२०२० | बुध | कुम्भ | २८:२३ |
| ०२.०२.२०२० | रवि | मीन | २६:१८ |
| २८.०२.२०२० | शुक्र | मेष | २५:३३ |

नोट : शनि वर्षभर धनु राशि में एवं राहु वर्षभर मिथुन राशि में संचार करेगा।

## ॥ सायन सूर्य संक्रमण ( राशिचार ) ॥

| दिनाङ्क | वार | राशि | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| २०.०४.२०१६ | शनि | वृष | १४:२५ |
| २१.०५.२०१६ | मंगल | मिथुन | १३:२६ |
| २१.०६.२०१६ | शुक्र | कर्क | २१:२४ |
| २३.०७.२०१६ | मंगल | सिंह | ०८:२० |
| २३.०८.२०१६ | शुक्र | कन्या | १५:३२ |
| २३.०९.२०१६ | सोम | तुला | १३:२० |
| २३.१०.२०१६ | बुध | वृश्चिक | २२:५० |
| २२.११.२०१६ | शुक्र | धनु | २०:२६ |
| २२.१२.२०१६ | रवि | मकर | ०६:४६ |
| २०.०१.२०२० | सोम | कुम्भ | २०:२५ |
| १६.०२.२०२० | बुध | मीन | १०:२७ |
| २०.०३.२०२० | शुक्र | मेष | ०६:१६ |

## ॥ सूर्य नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| १४.०४.२०१६ | रवि | अश्विनी | १४:०६ |
| २८.०४.२०१६ | रवि | भरणी | ०६:०३ |
| ११.०५.२०१६ | शनि | कृत्तिका | २४:०८ |
| २५.०५.२०१६ | शनि | रोहिणी | २०:२६ |
| ०८.०६.२०१६ | शनि | मृगशिरा | १८:१३ |
| २२.०६.२०१६ | शनि | आर्द्रा | १७:१८ |
| ०६.०७.२०१६ | शनि | पुनर्वसु | १६:४६ |
| २०.०७.२०१६ | शनि | पुष्य | १६:२६ |
| ०३.०८.२०१६ | शनि | आश्लेषा | १५:१८ |
| १७.०८.२०१६ | शनि | मघा | १३:०२ |
| ३१.०८.२०१६ | शनि | पू.फा. | ०६:०० |
| १३.०९.२०१६ | शुक्र | उ.फा. | २६:५४ |
| २७.०९.२०१६ | शुक्र | हस्त | १८:२६ |
| ११.१०.२०१६ | शुक्र | चित्रा | ०७:२५ |
| २४.१०.२०१६ | गुरु | स्वाति | १८:०० |
| ०६.११.२०१६ | बुध | विशा. | २४:०४ |
| २०.११.२०१६ | बुध | अनुराधा | ०८:११ |
| ०३.१२.२०१६ | मंगल | ज्येष्ठा | १२:२४ |
| १६.१२.२०१६ | सोम | मूल | १५:२८ |
| २६.१२.२०१६ | रवि | पू.षा. | १७:३६ |
| ११.०१.२०२० | शनि | उ.षा. | १६:३५ |
| २४.०१.२०२० | शुक्र | श्रवण | २१:५१ |
| ०६.०२.२०२० | गुरु | धनि. | २४:५७ |
| १६.०२.२०२० | बुध | शत. | २६:३० |
| ०४.०३.२०२० | बुध | पू.भा. | ११:४२ |
| १७.०३.२०२० | मंगल | उ.भा. | २०:१३ |

# ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार ( भा.स्टैं.टा. ) विक्रम संवत् २०७६

## ॥ मंगल नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| ०६.०४.२०१६ | शनि | रोहिणी | १५:२० |
| २६.०४.२०१६ | शुक्र | मृग. | २५:०२ |
| १७.०५.२०१६ | शुक्र | आर्द्रा | १३:५६ |
| ०७.०६.२०१६ | शुक्र | पुन. | ०७:३६ |
| २७.०६.२०१६ | गुरु | पुष्य | २८:५८ |
| १८.०७.२०१६ | गुरु | आश्ले. | २८:३० |
| ०८.०८.२०१६ | गुरु | मघा | २८:४७ |
| २६.०८.२०१६ | गुरु | पू.फा. | २८:२१ |
| १६.०६.२०१६ | गुरु | उ.फा. | २५:४२ |
| १०.१०.२०१६ | गुरु | हस्त | १६:३८ |
| ३१.१०.२०१६ | गुरु | चित्रा | ०६:१६ |
| २०.११.२०१६ | बुध | स्वाति | १८:१३ |
| १०.१२.२०१६ | मंगल | विशा. | २२:०० |
| ३०.१२.२०१६ | सोम | अनु. | २०:४० |
| १६.०१.२०२० | रवि | ज्ये. | १४:३२ |
| ०७.०२.२०२० | शुक्र | मूल | २७:५२ |
| २७.०२.२०२० | गुरु | पू.षा. | १३:१० |
| १७.०३.२०२० | मंगल | उ.षा. | १६.२६ |

## ॥ बुध नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| १५.०४.२०१६ | सोम | उ.भा. | ०७:३१ |
| २५.०४.२०१६ | गुरु | रेवती | १०:३५ |
| ०३.०५.२०१६ | शुक्र | अश्विनी | १७:०३ |
| १०.०५.२०१६ | शुक्र | भरणी | २२:०६ |
| १७.०५.२०१६ | शुक्र | कृत्तिका | १०:१८ |
| २३.०५.२०१६ | गुरु | रोहिणी | १३:२६ |
| २६.०५.२०१६ | बुध | मृग. | १७:५२ |

## ॥ बुध नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| ०५.०६.२०१६ | बुध | आर्द्रा | ११:४८ |
| १३.०६.२०१६ | गुरु | पुनर्वसु | ११:२३ |
| २४.०६.२०१६ | सोम | पुष्य | ०७:२८ |
| २३.०७.२०१६ | मंगल | पुन. | ०६:२६ |
| ०६.०८.२०१६ | शुक्र | पुष्य | १२:१५ |
| १६.०८.२०१६ | सोम | आश्ले. | ११:४२ |
| २६.०८.२०१६ | सोम | मघा | १४:०७ |
| ०२.०६.२०१६ | सोम | पू.फा. | ०८:०६ |
| ०६.०६.२०१६ | सोम | उ.फा. | ०८:५५ |
| १६.०६.२०१६ | सोम | हस्त | २२:३२ |
| २४.०६.२०१६ | मंगल | चित्रा | २७:४५ |
| ०३.१०.२०१६ | गुरु | स्वाति | २७:११ |
| १३.१०.२०१६ | रवि | विशाखा | २६:५० |
| ३०.१०.२०१६ | बुध | अनु. | ०६:११ |
| ०२.११.२०१६ | शनि | विशाखा | १०:४५ |
| १५.११.२०१६ | शुक्र | स्वाति | २०:४६ |
| २६.११.२०१६ | मंगल | विशाखा | १६:२२ |
| ०७.१२.२०१६ | शनि | अनु. | २०:२६ |
| १६.१२.२०१६ | सोम | ज्ये. | २२:२१ |
| २५.१२.२०१६ | बुध | मूल | १५:४५ |
| ०२.०१.२०२० | गुरु | पू.षा. | २८:१६ |
| ११.०१.२०२० | शनि | उ.षा. | १०:५६ |
| १६.०१.२०२० | रवि | श्रव. | १०:४१ |
| २६.०१.२०२० | रवि | धनि. | २६:०४ |
| ०३.०२.२०२० | सोम | शत. | २६:२६ |
| ०३.०३.२०२० | मंगल | धनि. | १३:०० |

## ॥ बुध नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| १७.०३.२०२० | मंगल | शत. | २१:२८ |

## ॥ गुरु नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| २२.०४.२०१६ | सोम | ज्येष्ठा | २५:११ |
| ०४.११.२०१६ | सोम | मूल | २६:१७ |
| ०४.०१.२०२० | शनि | पू.षा. | १६:२१ |
| ०७.०३.२०२० | शनि | उ.षा. | ३०:११ |

## ॥ शुक्र नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| ०७.०४.२०१६ | रवि | पू.भा. | १८:२७ |
| १८.०४.२०१६ | गुरु | उ.भा. | १६:१२ |
| २६.०४.२०१६ | सोम | रेवती | १६:२३ |
| १०.०५.२०१६ | शुक्र | अश्विन | १६:०६ |
| २१.०५.२०१६ | मंगल | भरणी | १८:३३ |
| ०१.०६.२०१६ | शनि | कृति. | १७:३८ |
| १२.०६.२०१६ | बुध | रोहि. | १६:२० |
| २३.०६.२०१६ | रवि | मृग. | १४:३८ |
| ०४.०७.२०१६ | गुरु | आर्द्रा | १२:१६ |
| १५.०७.२०१६ | सोम | पुन. | ०६:२५ |
| २६.०७.२०१६ | शुक्र | पुष्य | ०५:५१ |
| ०५.०८.२०१६ | सोम | आश्ले. | २५:३३ |
| १६.०८.२०१६ | शुक्र | मघा | २०:३६ |
| २७.०८.२०१६ | मंगल | पू.फा. | १५:११ |
| ०७.०६.२०१६ | शनि | उ.फा. | ०६:१३ |

## शुक्र नक्षत्रचार

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| १७.०६.२०१६ | मंगल | हस्त | २७:०० |
| २८.०६.२०१६ | शनि | चित्रा | २०:३२ |
| ०६.१०.२०१६ | बुध | स्वाति | १३:५७ |
| २०.१०.२०१६ | रवि | विशाखा | ०७:२५ |
| ३०.१०.२०१६ | बुध | अनु. | २४:५४ |
| १०.११.२०१६ | रवि | ज्ये. | १८:३१ |
| २१.११.२०१६ | गुरु | मूल | १२:२३ |
| ०१.१२.२०१६ | रवि | पू.षा. | ३०:३० |
| १२.१२.२०१६ | गुरु | उ.षा. | २५:११ |
| २३.१२.२०१६ | सोम | श्रवण | २०:४२ |
| ०३.०१.२०२० | शुक्र | धनि. | १७:२३ |
| १४.०१.२०२० | मंगल | शत. | १५:५७ |
| २५.०१.२०२० | शनि | पू.भा. | १७:०७ |
| ०५.०२.२०२० | बुध | उ.भा. | २१:५५ |
| १७.०२.२०२० | सोम | रेवती | ०८:०३ |
| २८.०२.२०२० | शुक्र | अश्वि. | २५:३३ |
| १२.०३.२०२० | गुरु | भरणी | ०६:१८ |

## ॥ शनि नक्षत्रचार ॥

| दिनाङ्क | वार | नक्षत्र | प्रा. समय |
|---|---|---|---|
| २६.१२.२०१६ | गुरु | उ.षा. | २६:२१ |

डॉ. सुशील कुमार
सह.आचार्य ( ज्योतिष, विभाग )

# ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त ( भा.स्टैं.टा. ) विक्रम संवत् २०७६

## ॥ ग्रहों का वक्रत्व-मार्गत्व ॥

| दिनाङ्क | ग्रह | प्रारम्भ समय | गति |
|---|---|---|---|
| ०७.०७.२०१६ | बुध | २८:४४ | वक्री |
| ०१.०८.२०१६ | बुध | ०६:२७ | मार्गी |
| ३१.१०.२०१६ | बुध | २१:११ | वक्री |
| २०.११.२०१६ | बुध | २४:४१ | मार्गी |
| १६.०२.२०२० | बुध | ३०:२३ | वक्री |
| १०.०३.२०२० | बुध | ०६:१८ | मार्गी |
| १०.०४.२०१६ | गुरु | २२:३० | वक्री |
| ११.०८.२०१६ | गुरु | १६:०७ | मार्गी |
| ३०.०४.२०१६ | शनि | ०६:२३ | वक्री |
| १८.०६.२०१६ | शनि | १४:१६ | मार्गी |

## ॥ ग्रहों का उदयास्त ॥

| दिनाङ्क | ग्रह | स्थिति | समय |
|---|---|---|---|
| ११.०७.२०१६ | मंगल | अस्त | ११:५७ |
| १३.१०.२०१६ | मंगल | उदय | २८:१६ |
| ०६.०५.२०१६ | बुध | अस्त | २६:४८ |
| २६.०५.२०१६ | बुध | उदय | २८:२७ |
| १०.०७.२०१६ | बुध | अस्त | १३:३८ |
| ३०.०७.२०१६ | बुध | उदय | ०६:२६ |
| २५.०८.२०१६ | बुध | अस्त | ०६:२२ |
| २२.०६.२०१६ | बुध | उदय | १८:१३ |
| ०३.११.२०१६ | बुध | अस्त | २३:१६ |
| १६.११.२०१६ | बुध | उदय | २३:१२ |
| २२.१२.२०१६ | बुध | अस्त | १२:३१ |
| २५.०१.२०२० | बुध | उदय | २६:३१ |
| २०.०२.२०२० | बुध | अस्त | ११:३६ |
| ०३.०३.२०२० | बुध | उदय | १३:४७ |
| १३.१२.२०१६ | गुरु | अस्त | २५:१५ |
| १०.०१.२०२० | गुरु | उदय | २२:२४ |
| २३.०७.२०१६ | शुक्र | अस्त | १४:३५ |
| ०६.०६.२०१६ | शुक्र | उदय | २८:२० |
| ३०.१२.२०१६ | शनि | अस्त | २४:१६ |
| २६.०१.२०२० | शनि | उदय | २६:५२ |

डॉ. सुशील कुमार
सह.आचार्य ( ज्योतिष विभाग )

# सर्वार्थसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९-२०

| दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ घ. मि | समाप्ति घ. मि |
|---|---|---|---|---|
| अप्रैल | ०७ | रवि | ०६:०५ | ०८:४४ |
| | ०९ | मंगल | ०६:०३ | १०:१९ |
| | १० | बुध | ०६:०१ | ३०:०० |
| | १२ | शुक्र | ०६:५४ | २६:५८ |
| | १४ | रवि | ०५:५७ | ०७:४० |
| | १७ | बुध | २३:३५ | २६:५२ |
| | २० | शनि | ०५:५० | १७:५८ |
| | २२ | सोम | ०५:४८ | १६:४५ |
| | २६ | शुक्र | २३:१४ | २६:४३ |
| | २७ | शनि | ०५:४३ | २६:१२ |
| मई | ०२ | गुरू | १३:०२ | २६:३७ |
| | ०३ | शुक्र | ०५:३७ | २६:३६ |
| | ०७ | सोम | १६:३६ | २६:३३ |
| | ०८ | बुध | ०५:३३ | १५:५६ |
| | ०९ | गुरू | १५:१७ | २६:३१ |
| | १० | शुक्र | ०५:३१ | १४:२१ |
| | १५ | बुध | ०७:१७ | २६:२७ |
| | २४ | शुक्र | ०७:३० | २६:२२ |
| | २८ | मंगल | १८:५८ | २६:२६ |
| | ३० | गुरू | ०५:२० | २६:२० |
| | ३१ | शुक्र | ०५:२० | २४:१२ |
| जून | ०३ | सोम | ०५:१९ | २६:१९ |
| | ०६ | गुरू | ०५:१९ | २६:१८ |
| | १२ | बुध | ०५:१८ | ११:५१ |
| | २१ | शुक्र | ०५:१९ | १८:१४ |
| | २५ | मंगल | ०५:२० | १६:२० |
| | २७ | गुरू | ०५:२१ | २६:२१ |

| दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ | समाप्ति घ. मि |
|---|---|---|---|---|
| | २८ | शुक्र | ०५:२१ | ०६:११ |
| जुलाई | ०१ | सोम | ०५:२२ | २६:२२ |
| | ०४ | गुरू | ०५:२३ | २६:३० |
| | ०७ | रवि | २०:१३ | २६:२५ |
| | १२ | शुक्र | १५:५७ | २६:२८ |
| | १४ | रवि | १७:२६ | २६:२६ |
| | २३ | मंगल | ०५:३३ | १३:१४ |
| | २५ | गुरू | ०५:३५ | १७:३६ |
| | २७ | शनि | १६:३० | २६:३७ |
| | २९ | सोम | ०५:३७ | १८:२२ |
| अगस्त | ०१ | गुरू | ०५:३६ | १२:११ |
| | ०४ | रवि | ०५:४१ | २६:४२ |
| | ०८ | गुरू | २१:२७ | २६:४४ |
| | ०९ | शुक्र | ०५:४४ | २१:५८ |
| | ११ | रवि | ०५:४५ | २४:४५ |
| | १८ | रवि | ०५:५५ | २६:५० |
| | २० | मंगल | २२:२८ | २६:५२ |
| | २४ | शनि | ०५:५४ | २८:१७ |
| सितम्बर | ०१ | रवि | ०५:५८ | २६:५६ |
| | ०४ | बुध | २८:०७ | ३०:०१ |
| | ०५ | गुरू | ०६:०१ | २८:०६ |
| | ०८ | रवि | ०६:०३ | ०६:२६ |
| | १५ | रवि | ०६:०७ | २५:४४ |
| | १७ | मंगल | ०६:०८ | ३०:०८ |
| | २१ | शनि | ०६:१० | ११:२२ |
| | २९ | रवि | ०६:१५ | १६:०६ |
| अक्टूबर | ०२ | बुध | १२:५२ | ३०:१७ |

| दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ घ. मि | समाप्ति घ. मि |
|---|---|---|---|---|
| | ०३ | गुरू | ०६:१७ | १२:१० |
| | ०६ | रवि | १५:०३ | ३०:२० |
| | ०७ | सोम | १७:२५ | ३०:२१ |
| | १३ | रवि | ०६:२४ | ०७:५३ |
| | १५ | मंगल | ०६:२५ | १२:३० |
| | १६ | बुध | १४:२१ | ३०:२७ |
| | २१ | सोम | १७:३२ | ३०:३० |
| | २२ | मंगल | १६:३८ | ३०:३१ |
| | ३० | बुध | ०६:३७ | २१:५६ |
| नवम्बर | ०३ | रवि | ०६:४० | २४:५५ |
| | ०४ | सोम | ०६:४१ | २७:२३ |
| | १० | रवि | १७:१८ | ३०:४७ |
| | १२ | मंगल | २०:५१ | ३०:४८ |
| | १३ | बुध | ०६:४८ | ३०:४९ |
| | १७ | रवि | २२:५६ | ३०:५३ |
| | १८ | सोम | ०६:५३ | २२:२१ |
| | १९ | मंगल | ०६:५३ | २१:२२ |
| | २७ | बुध | ०७:०० | ०८:१२ |
| दिसम्बर | ०१ | रवि | ०७:०४ | ०९:४० |
| | ०२ | सोम | ०७:०४ | ११:४३ |
| | ०६ | शुक्र | २२:५७ | ३१:०८ |
| | ०८ | रवि | ०७:०९ | २७:३० |
| | १० | मंगल | ०७:११ | २६:५७ |
| | ११ | बुध | ०७:११ | ३१:१२ |
| | १३ | शुक्र | २६:५० | ३१:१३ |
| | १५ | रवि | ०७:१४ | २८:०० |
| | २१ | शनि | १६:४६ | ३१:१८ |

| दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ घ. मि | समाप्ति घ. मि |
|---|---|---|---|---|
| | २३ | सोम | १७:३६ | ३१:१९ |
| | २८ | शनि | १८:४३ | ३१:२१ |
| २०२० | | | | |
| जनवरी | ०२ | गुरू | ३१:२० | ३१:२२ |
| | ०३ | शुक्र | ०७:२२ | ३१:२२ |
| | ०५ | रवि | ०७:२३ | १२:२७ |
| | ०७ | मंगल | ०७:२३ | १५:२५ |
| | ०८ | बुध | ०७:२३ | ३१:२३ |
| | १० | शुक्र | १४:४८ | ३१:२३ |
| | १२ | रवि | ०७:२३ | ११:४६ |
| | १५ | बुध | २८:०७ | ३१:२२ |
| | १८ | शनि | ०७:२२ | २४:१५ |
| | २० | सोम | ०७:२१ | २३:३० |
| | २४ | शुक्र | २६:४६ | ३१:२० |
| | २५ | शनि | ०७:२० | २८:३५ |
| | ३० | गुरू | १५:१२ | २१:१७ |
| | ३१ | शुक्र | ०७:१७ | ३१:१६ |
| फरवरी | ०३ | सोम | २४:५२ | ३१:१४ |
| | ०५ | बुध | ०७:१३ | २५:१८ |
| | ०६ | गुरू | २५:२१ | ३१:१२ |
| | ०७ | शुक्र | ०७:१२ | २४:०१ |
| | १२ | बुध | ११:४६ | ३१:०७ |
| | २१ | शुक्र | ०६:१३ | ३०:५८ |
| | २२ | शनि | ०६:५८ | ११:१६ |
| | २५ | मंगल | १६:१० | ३०:५४ |
| | २७ | गुरू | ११:५३ | ३०:५२ |
| | २८ | शुक्र | ०६:५२ | २८:०३ |
| मार्च | ०२ | सोम | ०८:५५ | ३०:४७ |

## सर्वार्थसिद्धियोग संवत् २०७६

| दिनाङ्क २०२० ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्ति घं. मि |
|---|---|---|---|
| ०४ | बुध | ०६:४६ | ११:२३ |
| ०५ | गुरू | ११:२६ | ३०:४४ |
| ०६ | शुक्र | ०६:४४ | १०:३८ |
| मार्च ११ | बुध | ०६:३८ | १६:०० |
| २० | शुक्र | ०६:२७ | १७:०५ |
| २४ | मंगल | ०६:२२ | २८:१६ |

## रविपुष्ययोग विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्ति घं. मि |
|---|---|---|---|
| अप्रैल १४ | रवि | ०५:५७ | ०७:४० |
| नवम्बर १७ | रवि | २२:५६ | ३०:५३ |
| दिसम्बर १५ | रवि | ०७:१४ | २८:०० |
| २०२० ई. | | | |
| जनवरी १२ | रवि | ०७:२३ | ११:४६ |

## गुरुपुष्य योग संवत् २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्त घं. मि |
|---|---|---|---|
| जून ०६ | गुरू | २०:२८ | २६:१८ |
| जुलाई ०४ | गुरू | ०५:२३ | २६:३० |
| अगस्त ०१ | गुरू | ०५:३६ | १२:११ |

## त्रिपुष्करयोग विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्ति घं. मि |
|---|---|---|---|
| अप्रैल २० | शनि | १७:५८ | २६:४६ |
| २१ | रवि | ०५:४६ | १२:३३ |
| ३० | मंगल | २४:१८ | २६:३६ |
| मई ०५ | रवि | २७:५६ | २६:३४ |
| जून २३ | रवि | २४:०७ | २६:२० |
| २६ | शनि | ०६:५७ | २६:२२ |
| ३० | रवि | ०५:२२ | ०६:११ |
| अगस्त १७ | शनि | १३:५५ | २२:४६ |
| २७ | मंगल | ०५:५५ | २५:१३ |
| ३१ | शनि | १४:०७ | २६:५८ |
| सितम्बर ०१ | रवि | ०५:५८ | ०८:२७ |
| १० | मंगल | ०६:०४ | ११:०६ |
| अक्टूबर २० | रवि | १७:५२ | ३०:३० |
| २६ | मंगल | ०६:३६ | २३:११ |
| नवम्बर ०२ | शनि | २५:३१ | ३०:४० |
| ०३ | रवि | ०६:४० | २४:५५ |
| दिसम्बर १४ | शनि | ०७:१३ | ०८:४७ |
| २२ | रवि | १८:३८ | ३१:१६ |
| २८ | शनि | ०७:२१ | ११:१० |
| २०२० ई. | | | |
| जनवरी ०७ | मंगल | ०७:२३ | १५:२३ |
| फरवरी १५ | शनि | ०७:०५ | १६:२६ |
| २५ | मंगल | ०६:५५ | १६:१० |
| मार्च ०१ | रवि | ११:१६ | ३०:४८ |
| १० | मंगल | १६:२४ | २२:०१ |

## द्विपुष्कर योग संवत् २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्ति घं. मि |
|---|---|---|---|
| मई २५ | शनि | १०:१५ | २६:२२ |
| २६ | रवि | ०५:२२ | ०८:४६ |
| जून ०४ | मंगल | १३:५८ | २३:०८ |
| जुलाई २८ | रवि | १६:१८ | २६:३७ |
| अगस्त ०६ | मंगल | १३:३० | २२:२३ |
| सितम्बर २१ | शनि | ११:२२ | २०:२१ |
| २६ | रवि | २०:१४ | ३०:१६ |
| नवम्बर २३ | शनि | १४:४४ | २७:४३ |
| दिसम्बर ०३ | मंगल | ०७:०५ | १४:१६ |
| २०२० ई. | | | |
| जनवरी २५ | शनि | २८:३५ | ३१:१६ |
| २६ | रवि | ०७:१६ | ३०:१६ |
| मार्च २१ | शनि | ०६:२५ | ०७:५६ |

## अमृतसिद्धियोग संवत् २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्त घं. मि |
|---|---|---|---|
| मई ०३ | शुक्र | ०५:३७ | १४:४० |
| जून ०३ | सोम | २४:०५ | २६:१६ |
| ०६ | गुरू | २०:२८ | २६:१८ |
| जुलाई ०१ | सोम | ०६:२५ | २६:२२ |

## अमृतसिद्धियोग संवत् २०७५

| दिनाङ्क २०१९ ई. | वार | प्रारम्भ घं. मि | समाप्ति घं. मि |
|---|---|---|---|
| ०४ | गुरू | ०५:२३ | २६:३० |
| २७ | शनि | १६:३० | २६:३७ |
| २६ | सोम | ०५:३७ | १८:२२ |
| अगस्त ०१ | गुरू | ०५:३६ | १२:११ |
| ०४ | रवि | २५:४४ | २६:४२ |
| २० | मंगल | २२:२८ | २६:५२ |
| २४ | शनि | ०५:५४ | २८:१६ |
| सितम्बर ०१ | रवि | ११:१० | २६:५६ |
| ०४ | बुध | २८:०७ | ३०:०१ |
| १७ | मंगल | ०६:०८ | ३०:०८ |
| २१ | शनि | ०६:१० | ११:२२ |
| २६ | रवि | ०६:१५ | १६:०६ |
| अक्टूबर १५ | मंगल | ०६:२५ | १२:३० |
| ३० | बुध | ०६:३७ | २१:५६ |
| नवम्बर २७ | बुध | ०७:०० | ०८:१२ |
| दिसम्बर ०६ | शुक्र | २२:५७ | ३१:०८ |
| २०२० ई. | | | |
| जनवरी ०३ | शुक्र | ०७:२२ | ३१:२२ |
| ३१ | शुक्र | ०७:१७ | १८:१० |

# सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७६, ईश्वीय सन २०१९-२०

| दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अप्रैल ०७ | रवि | १६:०१ | ३०:०४ | ०३ | सोम | १५:३२ | २६:१६ | २४ | बुध | ०५:३४ | १८:०५ | १७ | मंगल | ०६:०८ | १६:३३ |
| १३ | शनि | ११:४२ | २६:५७ | ०५ | बुध | ०५:१६ | १२:०३ | ३० | मंगल | ०५:३८ | १४:४६ | १६ | गुरू | ०६:०६ | १६:२७ |
| १५ | सोम | ०७:०८ | २८:२३ | ०६ | रवि | २५:३६ | १६:१८ | अगस्त ०१ | गुरू | ०५:३६ | ०८:४२ | २० | शुक्र | ०६:१० | २०:११ |
| १६ | मंगल | २५:२६ | २६:५३ | १५ | शनि | १४:३३ | १६:१८ | ०३ | शनि | २२:०६ | २६:४१ | २२ | रवि | ०६:११ | १६:५० |
| १८ | गुरू | १६:२३ | २६:५१ | १७ | सोम | १४:०० | २६:१६ | ०५ | सोम | १५:५५ | २६:४२ | २५ | बुध | १४:०६ | ३०:१३ |
| १६ | शुक्र | १६:४२ | २६:५० | १६ | बुध | ०५:१६ | १५:३४ | ०७ | बुध | ०५:४३ | ११:४१ | अक्टूबर०१ | मंगल | ०६:१३ | १३:५५ |
| २१ | रवि | १२:३३ | २६:४८ | २५ | मंगल | ०५:२० | २८:१४ | १३ | मंगल | ०५:४७ | १३:४६ | ०३ | गुरू | ०६:१७ | १०:१२ |
| २७ | शनि | १७:०१ | २६:४२ | २७ | गुरू | ०५:४४ | २६:२१ | १५ | गुरू | ०५:४८ | १७:५६ | ०४ | शुक्र | ०६:१८ | ०६:३५ |
| २६ | सोम | २२:०४ | २६:४० | २८ | शुक्र | ०६:३६ | २६:२१ | १६ | शुक्र | ०५:४६ | २०:२२ | ०६ | रवि | ०६:१६ | १०:५४ |
| मई ०१ | बुध | ०५:३६ | २६:०५ | ३० | रवि | ०६:११ | २८:५६ | १८ | रवि | ०५:५० | २५:१४ | ०६ | बुध | १७:१६ | ३०:२२ |
| ०७ | मंगल | ०५:३३ | २६:१७ | जुलाई ०३ | बुध | २२:०५ | २६:२३ | २४ | शनि | ०८:३२ | २६:५४ | १२ | शनि | ०६:२३ | २४:३७ |
| ०६ | गुरू | ०५:३२ | २३:२७ | ०६ | शनि | ०५:२४ | १३:१० | २६ | सोम | ०७:०३ | २६:१० | १४ | सोम | ०६:२५ | २८:२१ |
| १० | शुक्र | ०५:३१ | २१:४२ | ०८ | सोम | ०५:२५ | ०७:४२ | २७ | मंगल | २६:३६ | २६:५६ | १५ | मंगल | २६:४५ | ३०:२६ |
| १२ | रवि | ०५:३० | १७:३७ | ०६ | मंगल | ०५:२६ | २७:३१ | २६ | गुरू | १६:५६ | २६:५७ | २६ | शनि | १५:४६ | ३०:३४ |
| १५ | बुध | १०:३६ | २६:२७ | ११ | गुरू | ०५:२७ | २५:०२ | ३० | शुक्र | १६:०७ | २६:५८ | २६ | मंगल | २७:४८ | ३०:३७ |
| २१ | मंगल | ०५:२४ | २५:४१ | १२ | शुक्र | ०५:२७ | २४:३१ | सितम्बर०१ | रवि | ०८:२७ | २८:५६ | ३१ | गुरू | २५:०१ | ३०:३८ |
| २३ | गुरू | ०५:२३ | २८:१६ | १४ | रवि | ०५:२८ | २४:५५ | ०४ | बुध | २१:४५ | ३०:०१ | नवम्बर०१ | शुक्र | २४:५१ | ३०:३६ |
| २४ | शुक्र | ०५:२२ | २६:२२ | १७ | बुध | २८:५२ | २६:३० | ०७ | शनि | ०६:०२ | २१:२२ | ०३ | रवि | २६:५६ | ३०:४१ |
| २६ | रवि | ०८:४६ | २६:१६ | २० | शनि | ०६:१४ | २६:३२ | ०६ | सोम | ०६:०३ | २४:३१ | ०७ | गुरु | ०६:४३ | ०६:५५ |
| जून ०१ | शनि | १७:१७ | २६:१६ | २२ | सोम | १४:०४ | २६:३३ | १० | मंगल | २६:४३ | ३०:०४ | ०८ | शुक्र | ०६:४४ | १२:२४ |

# सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७६, ईश्वीय सन २०१९-२०

| दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. |
|---|---|---|---|
| १० | रवि | ०६:४६ | १६:३३ |
| १३ | बुध | १६:४२ | ३०:४६ |
| १६ | शनि | ०६:५१ | १६:१५ |
| १८ | सोम | ०६:५३ | १७:१० |
| १६ | मंगल | १५:३६ | ३०:५४ |
| २१ | गुरू | ११:२६ | ३०:५६ |
| २२ | शुक्र | ०६:०१ | ३०:२४ |
| २४ | रवि | ०६:५८ | २५:०६ |
| २७ | बुध | १८:५६ | ३१:०१ |
| ३० | शनि | ०७:०३ | १८:०५ |
| दिसम्बर०२ | सोम | ०७:०४ | २०:५६ |
| ०३ | मंगल | २३:१४ | ३१:०६ |
| ०५ | गुरू | २८:१५ | ३१:०८ |
| ०६ | शुक्र | ३०:३४ | ३१:०८ |
| १० | मंगल | ०७:११ | १०:४४ |
| १२ | गुरू | ०७:१२ | १०:४२ |
| १३ | शुक्र | ०७:१३ | ०६:५७ |
| १५ | रवि | ०७:१४ | ०७:१८ |
| १३ | सोम | २७:४० | ३१:१५ |
| १८ | बुध | ०७:१६ | २३:३१ |
| २४ | मंगल | ०७:१६ | १२:१६ |

| दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. |
|---|---|---|---|
| २६ | गुरू | ०७:२० | १०:४३ |
| २७ | शुक्र | ०७:२० | १०:३६ |
| २६ | रवि | ०७:२१ | १२:१६ |
| २०२० ई. | | | |
| जनवरी०१ | बुध | १८:२८ | ३१:२२ |
| ०४ | शनि | ०७:२२ | २५:३३ |
| ०६ | सोम | ०७:२३ | २८:०२ |
| ०७ | मंगल | २८:१५ | ३१:२३ |
| ०६ | गुरू | २६:३५ | ३१:२३ |
| १० | शुक्र | २४:५१ | ३१:२३ |
| १२ | रवि | २०:१२ | ३१:२३ |
| १८ | शनि | ०७:२२ | २८:०१ |
| २० | सोम | ०७:२१ | २६:०६ |
| २१ | मंगल | २५:४५ | ३१:२१ |
| २३ | गुरू | २६:१८ | ३१:२० |
| २४ | शुक्र | २७:१२ | ३१:२० |
| २६ | रवि | ३०:१६ | ३१:१६ |
| २८ | मंगल | ०७:१८ | ०८:२२ |
| ३० | गुरू | ०७:१७ | १३:२० |
| ३१ | शुक्र | ०७:१७ | १५:५२ |

| दिनाङ्क २०२० ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. |
|---|---|---|---|
| फरवरी ०२ | रवि | ०७:१५ | २०:०४ |
| ०५ | बुध | २१:३१ | ३१:१३ |
| ०८ | शनि | ०७:११ | १६:०२ |
| १० | सोम | ०७:०६ | ०६:४५ |
| ११ | मंगल | ०७:०६ | २६:५३ |
| १३ | गुरू | ०७:०७ | २०:४७ |
| १४ | शुक्र | ०७:०६ | १८:२१ |
| १६ | रवि | ०७:०४ | १५:१४ |
| १६ | बुध | १५:०२ | ३१:०० |
| २२ | शनि | ०६:५८ | १६:०३ |
| २४ | सोम | ०६:५६ | २३:१५ |
| २५ | मंगल | २५:४० | ३०:५४ |
| २७ | गुरू | ३०:४५ | ३०:५२ |
| मार्च ०३ | मंगल | ०६:४७ | १३:५० |
| ०५ | गुरू | ०६:४५ | १३:१६ |
| ०६ | शुक्र | ०६:४४ | ११:४७ |
| ०७ | शनि | ३०:३१ | ३०:४१ |
| ०६ | सोम | २३:१८ | ३०:३६ |
| ११ | बुध | ०६:३८ | १५:३४ |
| १५ | रवि | ०६:२४ | १०:०८ |
| १५ | रवि | २७:२० | ३०:३२ |

# अमृत योग विक्रम संवत् - २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अप्रैल ०६ | शनि | ०६:०६ | १५:२३ | जून ०२ | रवि | १६:४० | २६:१६ | १७ | बुध | ०५:३० | २८:५२ | सितम्बर ०२ | सोम | २५:५४ | ३०:०० |
| १० | बुध | १५:३६ | ३०:०० | ०३ | सोम | ०५:१६ | १५:३२ | २१ | रवि | ११:४० | २६:३३ | ०४ | बुध | ०६:०० | २१:४५ |
| १४ | रवि | ०६:३६ | २६:५६ | ०४ | मंगल | १३:५८ | २६:१६ | २२ | सोम | ०५:३३ | १४:०४ | ०५ | गुरू | २०:५० | ३०:०१ |
| १५ | सोम | ०५:५६ | ०७:०८ | ०६ | गुरू | ०५:१६ | ०६:५५ | २३ | मंगल | १६:१६ | २६:३४ | ०६ | शुक्र | २०:४३ | ३०:०२ |
| १६ | मंगल | ०५:५४ | २५:२६ | ०७ | शुक्र | ०५:१८ | ०७:३८ | २५ | गुरू | ०५:३५ | १६:२६ | ०८ | रवि | ०६:०३ | २२:४१ |
| २० | शनि | ०५:५० | १४:२१ | ०८ | शनि | ०५:०८ | २६:५५ | २६ | शुक्र | ०५:३५ | १६:५६ | १० | मंगल | ०६:०४ | २६:४३ |
| २४ | बुध | ११:३२ | २६:४५ | १२ | बुध | १८:२७ | २६:१८ | २७ | शनि | १६:४६ | २६:३७ | १३ | शुक्र | ०६:०५ | ०७:३५ |
| २८ | रवि | १६:३४ | २६:४१ | १६ | रवि | १४:०२ | २६:१८ | अगस्त ०४ | रवि | १८:४६ | २६:४२ | १४ | शनि | १०:०३ | ३०:०७ |
| ३० | मंगल | २४:१८ | २६:३६ | १७ | सोम | ०५:१८ | १४:०० | ०५ | सोम | ०५:४२ | १५:५५ | २३ | सोम | १८:३७ | ३०:१२ |
| मई ०२ | गुरू | ०५:३८ | २७:२१ | १८ | मंगल | १४:३१ | २६:१६ | ०६ | मंगल | १३:३० | २६:४३ | २५ | बुध | ०६:१३ | १४:०६ |
| ०३ | शुक्र | ०५:३७ | २८:०४ | २० | गुरू | ०५:१६ | १७:०८ | ०८ | गुरू | ०५:४४ | १०:३१ | २६ | गुरू | ११:०३ | ३०:१४ |
| ०४ | शनि | २८:१५ | २६:३५ | २१ | शुक्र | ०५:१६ | १६:०६ | ०६ | शुक्र | ०५:४४ | १०:०० | २७ | शुक्र | ०७:३२ | २७:४६ |
| १३ | सोम | १५:२१ | २६:२८ | २२ | शनि | ०५:२१ | ०६:४६ | १० | शनि | १०:०६ | २६:४५ | २८ | शनि | २३:५६ | ३०:१५ |
| १५ | बुध | ०५:२७ | १०:३६ | जूलाई ०१ | सोम | २७:०६ | २६:२२ | १६ | सोम | २७:३० | २६:५१ | अक्टूबर ०७ | सोम | १२:३८ | ३०:२१ |
| १६ | गुरू | ०८:१५ | २६:२६ | ०३ | बुध | ०५:२३ | २२:०५ | २१ | बुध | ०५:५२ | २६:५२ | ०६ | बुध | ०६:२१ | १७:१६ |
| १७ | शुक्र | ०६:०५ | २८:११ | ०४ | गुरू | १६:१० | २६:२४ | २५ | रवि | ०८:११ | २६:५५ | १० | गुरू | १६:५२ | ३०:२३ |
| १८ | शनि | २६:४१ | २६:२५ | ०५ | शुक्र | १६:०६ | २६:२४ | २६ | सोम | ०५:५५ | ०७:०३ | ११ | शुक्र | २२:२० | ३०:२३ |
| २५ | शनि | ०५:२२ | ०६:२५ | ०७ | रवि | ०५:२५ | १०:१६ | २७ | मंगल | ०५:५५ | २६:३६ | १३ | रवि | ०६:२४ | २६:३८ |
| २६ | बुध | १५:२१ | २६:२० | १५ | सोम | २५:४८ | २६:२६ | ३१ | शनि | ०५:५८ | १२:१४ | १५ | मंगल | ०६:२५ | २६:४५ |

# अमृत योग विक्रम संवत् - २०७५

| दिनाङ्क २०१८ ई. | | वार | प्रारम्भ घं./मि. | समाप्ति घं./मि. | दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ घं./मि. | समाप्ति घं./मि. | दिनाङ्क २०२० ई. | | वार | प्रारम्भ घं./मि. | समाप्ति घं./मि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १७ | गुरू | ०६:२७ | ०६:४८ | | ०७ | शनि | ०७:०८ | ३१:०९ | फरवरी | ०३ | सोम | २१:२० | ३१:१४ |
| | १८ | शुक्र | ०६:२८ | ०७:२९ | | १५ | रवि | २९:३४ | ३१:१५ | | ०५ | बुध | ०७:१३ | २९:३१ |
| | १९ | शनि | ०७:४४ | ३०:२९ | | १६ | सोम | ०७:१५ | २७:४० | | ०६ | गुरू | २०:२४ | ३१:१२ |
| | २३ | बुध | २५:०९ | ३०:३२ | | १७ | मंगल | २५:३७ | ३१:१७ | | ०७ | शुक्र | १८:३२ | ३१:११ |
| | २७ | रवि | १२:२३ | ३०:३५ | | १९ | गुरू | ०७:१७ | २९:२३ | | ०९ | रवि | ०७:१० | १३:०३ |
| | २८ | सोम | ०६:३५ | ०९:०८ | | २० | शुक्र | ०७:१७ | १९:१७ | | १७ | सोम | १४:३६ | ३१:०२ |
| | २९ | मंगल | ०६:३६ | २७:४८ | | २१ | शनि | १७:१५ | ३१:१८ | | १९ | बुध | ०७:०१ | १५:०२ |
| नवम्बर | ०२ | शनि | ०६:३९ | २५:३१ | | ३० | सोम | १३:५५ | ३१:२२ | | २० | गुरू | १६:०० | ३०:५९ |
| | ११ | सोम | १८:०२ | ३०:४७ | २०२० | ई. | | | | | २१ | शुक्र | १७:२१ | ३०:५८ |
| | १३ | बुध | ०६:४८ | १९:४२ | जनवरी | ०१ | बुध | ०७:२२ | १८:२८ | | २३ | रवि | ०६:५७ | २१:०२ |
| | १४ | गुरू | १९:५५ | ३०:५० | | ०२ | गुरू | २९:०० | ३१:२२ | | २५ | मंगल | ०६:५५ | २५:४० |
| | १५ | शुक्र | १९:४६ | ३०:५१ | | ०३ | शुक्र | २३:२७ | ३१:२२ | | २९ | शनि | ०९:१० | ३०:५० |
| | १७ | रवि | ०६:५२ | १८:२३ | | ०५ | रवि | ०७:२३ | २७:०७ | मार्च | ०८ | रवि | २७:०४ | ३०:४० |
| | १९ | मंगल | ०६:५३ | १५:३६ | | ०७ | मंगल | ०७:२३ | २८:१५ | | ०९ | सोम | ०६:४० | २३:१८ |
| | २५ | सोम | २२:४० | ३०:५६ | | ११ | शनि | ०७:२३ | २२:४१ | | १० | मंगल | १९:२४ | ३०:३८ |
| | २७ | बुध | ०७:०० | १८:५६ | | १५ | बुध | १२:१० | ३१:२२ | | १२ | गुरु | ०६:३७ | ११:५९ |
| | २८ | गुरू | १७:५६ | ३१:०२ | | १७ | शुक्र | २९:३४ | ३१:२२ | | १३ | शुक्र | ०६:३५ | ०८:५१ |
| | २९ | शुक्र | १७:४० | ३१:०३ | | १९ | रवि | ०७:२२ | २६:५१ | | १४ | शनि | ०६:३४ | २८:२९ |
| दिसम्बर | ०१ | रवि | ०७:०४ | १९:१३ | | २१ | मंगल | ०७:२१ | २५:४५ | | १८ | बुध | २८:२९ | ३०:२८ |
| | ०३ | मंगल | ०७:०५ | २३:१४ | | २५ | शनि | ०७:२० | २८:३१ | | २३ | सोम | १२:३१ | ३०:२२ |

# रवियोग विक्रम संवत् - २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. | दिनाङ्क २०१९ ई० | वार | प्रारम्भ घं./मिं. | समाप्ति घं./मिं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अप्रैल ०८ | सोम | ०६:४३ | ३०:०६ | २६ | रवि | ०५:३० | १३:१४ | १४ | रवि | १७:२६ | २६:३७ | ०८ | रवि | ०६:०६ | ३०:०७ |
| ०६ | मंगल | ०६:०६ | १०:१६ | जून ०५ | बुध | २१:४५ | २६:२७ | १५ | सोम | ०५:३७ | १८:५१ | ०६ | सोम | ०६:०७ | ०८:३६ |
| १३ | शनि | ०८:५८ | ३०:०० | ०६ | गुरू | ०५:२७ | २०:२६ | २३ | मंगल | १३:१४ | २६:४१ | ११ | बुध | १३:५६ | ३०:०८ |
| १४ | रवि | ०६:०१ | ३०:०० | ०७ | शुक्र | १८:५६ | २६:२७ | २४ | बुध | ०५:४१ | १५:४२ | १२ | गुरू | ०६:०८ | १३:५८ |
| १५ | सोम | ०६:०० | २८:०१ | ०८ | शनि | ०५:२७ | १६:२२ | अगस्त ०३ | शनि | ०६:४४ | १५:१७ | २० | शुक्र | १०:२० | ३०:१३ |
| १७ | बुध | २३:३५ | २६:५७ | ०८ | शनि | १८:१२ | २६:२७ | ०३ | शनि | २८:०५ | २६:४६ | २१ | शनि | ०६:१३ | ११:२२ |
| १८ | गुरू | ०५:५७ | २१:२५ | ०६ | रवि | ०५:२७ | १५:४६ | ०४ | रवि | ०५:४६ | २५:४४ | अक्टूबर०१ | मंगल | १४:२१ | ३०:१८ |
| २४ | बुध | १८:३५ | २६:५० | ११ | मंगल | १३:०१ | २६:२७ | ०५ | सोम | २३:४७ | २६:५१ | ०२ | बुध | ०६:१८ | १२:५२ |
| २५ | गुरू | ०५:५० | २०:३७ | १२ | बुध | ०५:२७ | २६:२७ | ०६ | मंगल | ०५:५१ | २२:२३ | ०३ | गुरू | १२:१० | ३०:१६ |
| मई ०७ | मंगल | १६:२७ | २६:३६ | १३ | गुरू | ०५:२७ | १०:५५ | ०८ | गुरू | २१:२८ | २६:५० | ०४ | शुक्र | ०६:१६ | १२:१६ |
| ०८ | बुध | ०५:३६ | १५:५६ | १५ | शनि | ०६:५६ | २६:२७ | ०६ | शुक्र | ०५:५० | २६:५१ | ०६ | रवि | १५:०४ | ३०:२१ |
| ०६ | गुरू | १५:१७ | २६:३८ | १६ | रवि | ०५:२७ | १०:०७ | १० | शनि | ५०:५१ | २३:०६ | ०७ | सोम | ०६:२७ | ३०:२१ |
| १० | शुक्र | ०५:३८ | १४:२१ | २३ | रवि | २४:०८ | २६:२६ | १२ | सोम | २६:५१ | २६:५३ | ०८ | मंगल | ०६:२१ | २०:१२ |
| १३ | सोम | १०:२७ | २६:३५ | २४ | सोम | ०५:२६ | २७:०२ | १३ | मंगल | ०५:५३ | २६:१६ | १० | गुरू | २६:१४ | ३०:२३ |
| १४ | मंगल | ०५:३५ | २६:३५ | जुलाई ०४ | गुरू | २६:३० | २६:३२ | २१ | बुध | २४:४७ | २६:५८ | ११ | शुक्र | ०६:२३ | ०७:२५ |
| १५ | बुध | ०५:३५ | ०७:१६ | ०५ | शुक्र | ०५:३२ | २४:१८ | २२ | गुरू | ०५:५८ | २६:५८ | १२ | शनि | ०६:२४ | ३०:२४ |
| १७ | गुरू | २८:१६ | २६:३३ | ०७ | रवि | २०:१३ | २६:३४ | सितम्बर०२ | सोम | ०८:३३ | ३०:०४ | १३ | रवि | ०६:२४ | ०७:५३ |
| १८ | शुक्र | ०५:३३ | २७:०७ | ०८ | सोम | ०५:३४ | १८:३४ | ०३ | मंगल | ०६:०४ | ०६:२४ | १६ | शनि | १७:४० | ३०:२८ |
| २४ | शुक्र | ०७:३१ | २६:३० | १० | बुध | १६:२२ | २६:३५ | ०३ | मंगल | २८:५३ | २८:०७ | २० | रवि | ०६:२८ | १७:५२ |
| २५ | शनि | ०५:३० | १०:१५ | ११ | गुरू | ०५:३५ | २६:३५ | ०६ | शुक्र | २८:५७ | ३०:०६ | ३० | बुध | २१:५६ | ३०:३६ |
| २५ | शनि | २०:२५ | २६:३० | १२ | शुक्र | ०५:३५ | १५:५७ | ०७ | शनि | ०६:०६ | ३०:०६ | ३१ | गुरू | ०६:३६ | २१:३१ |

# रवियोग विक्रम संवत् - २०७६

| दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ घं./मि. | समाप्ति घं./मि. |
|---|---|---|---|---|
| नवम्बर | ०१ | शुक्र | ०६:४० | ३०:३७ |
| | ०२ | शनि | ०६:३७ | २३:०१ |
| | ०४ | सोम | २७:२३ | ३०:४० |
| | ०५ | मंगल | ०६:४० | २६:०३ |
| | ०६ | बुध | ०६:४० | ३०:४१ |
| | ०७ | गुरु | ०६:४१ | ३०:४२ |
| | ०८ | शुक्र | ०६:४२ | १२:१२ |
| | १० | रवि | १०:१६ | ३०:४४ |
| | ११ | सोम | ०६:४४ | १६:१७ |
| | १७ | रवि | २२:५६ | ३०:५१ |
| | १८ | सोम | ०६:५१ | २२:२१ |
| | २६ | शुक्र | ०७:३३ | ३१:०० |
| | ३० | शनि | ०७:०० | ०८:१५ |
| दिसम्बर | ०१ | रवि | ०६:४० | ३१:०१ |
| | ०२ | सोम | ०७:०६ | २३:०४ |
| | ०३ | मंगल | १२:२२ | १४:१७ |
| | ०५ | गुरू | २०:०७ | ३१:०४ |
| | ०६ | शुक्र | ०७:०४ | ३१:०५ |
| | ०७ | शनि | ०७:०५ | २५:२७ |
| | ०९ | सोम | ०५:०० | ३१:०७ |

| दिनाङ्क २०१९ ई. | | वार | प्रारम्भ घं./मि. | समाप्ति घं./मि. |
|---|---|---|---|---|
| | १० | मंगल | ०७:०७ | २१:५८ |
| | १७ | मंगल | २५:२६ | ३१:१२ |
| | १८ | बुध | ०७:१२ | २४:०० |
| | २८ | शनि | १८:४३ | ३१:१७ |
| | २९ | रवि | ०७:१७ | १७:३५ |
| | २९ | रवि | २०:३० | ३१:१७ |
| | ३० | सोम | ०६:१७ | २२:४७ |
| | ३१ | मंगल | २५:२८ | ३१:१८ |
| २०२० ई. | | | | |
| जनवरी | ०१ | बुध | ०७:१८ | २८:२३ |
| | ०४ | शनि | १०:०५ | ३१:१९ |
| | ०५ | रवि | ०७:१९ | ३१:१९ |
| | ०६ | सोम | ०७:१९ | १४:१५ |
| | ०८ | बुध | १५:५१ | ३१:१९ |
| | ०९ | गुरू | ०७:१९ | १५:३८ |
| | १५ | बुध | २८:०७ | ३१:१९ |
| | १६ | गुरू | ०७:१९ | २६:३० |
| | २८ | मंगल | ०६:२३ | ३१:१५ |
| | २९ | बुध | ०७:१५ | १२:१३ |
| | ३० | गुरू | १५:१२ | ३१:१४ |
| | ३१ | शुक्र | ०७:१४ | १८:१० |

| दिनाङ्क २०२० ई. | | वार | प्रारम्भ घं./मि. | समाप्ति घं./मि. |
|---|---|---|---|---|
| फरवरी | ०२ | रवि | २३:११ | ३१:१३ |
| | ०३ | सोम | ०७:१३ | ३१:१२ |
| | ०४ | मंगल | ०७:१२ | २५:४६ |
| | ०७ | शुक्र | २४:०१ | ३१:०६ |
| | ०८ | शनि | ०७:०६ | २२:०५ |
| | १४ | शुक्र | ०७:२७ | ३०:०१ |
| | २६ | बुध | २२:०८ | ३०:५३ |
| | २७ | गुरू | ०६:५३ | २५:०८ |
| | २८ | शुक्र | २८:०३ | ३०:५२ |
| | २९ | शनि | ०६:५२ | ३:४२ |
| २०२० ई. | | | | |
| मार्च | ०३ | मंगल | १०:३१ | ३०:४८ |
| | ०४ | बुध | ०६:४८ | ३०:४७ |
| | ०५ | गुरू | ०६:४७ | ३०:४६ |
| | ०६ | शुक्र | ०६:४६ | १०:३८ |
| | ०८ | रवि | ०६:५२ | २८:१० |
| | १४ | शनि | १२:२० | ३०:३५ |
| | १५ | रवि | ०६:३५ | ११:२३ |

डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी
सह-आचार्य, ज्योतिष-विभाग

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९–२० दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (मा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

| अप्रैल २०१९ | | | | मई २०१९ | | | | जून २०१९ | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति |
| १ | सोम | ०७:४५ | ०९:१८ | १ | बुध | १२:१८ | १३:५७ | १ | शनि | ०८:५१ | १०:३५ |
| २ | मंगल | १५:३२ | १७:०५ | २ | गुरु | १३:५७ | १५:३७ | २ | रवि | १७:३० | १९:१४ |
| ३ | बुध | १२:२४ | १३:५८ | ३ | शुक्र | १०:३८ | १२:१८ | ३ | सोम | ०७:०७ | ०८:५१ |
| ४ | गुरु | १३:५८ | १५:३२ | ४ | शनि | ०८:५८ | १०:३८ | ४ | मंगल | १५:४७ | १७:३१ |
| ५ | शुक्र | १०:५० | १२:२४ | ५ | रवि | १७:१८ | १८:५८ | ५ | बुध | १२:१९ | १४:०३ |
| ६ | शनि | ०९:१५ | १०:४६ | ६ | सोम | ०७:१७ | ०८:५७ | ६ | गुरु | १४:०४ | १५:४८ |
| ७ | रवि | १७:०७ | १८:४२ | ७ | मंगल | १५:३८ | १७:१९ | ७ | शुक्र | १०:३५ | १२:२० |
| ८ | सोम | ०७:३८ | ०९:१३ | ८ | बुध | १२:१७ | १३:५८ | ८ | शनि | ०८:५१ | १०:३५ |
| ९ | मंगल | १५:३३ | १७:०८ | ९ | गुरु | १३:५८ | १५:३९ | ९ | रवि | १७:३३ | १९:१७ |
| १० | बुध | १२:२२ | १३:५८ | १० | शुक्र | १०:३६ | १२:१७ | १० | सोम | ०७:०७ | ०८:५१ |
| ११ | गुरु | १३:५८ | १५:३३ | ११ | शनि | ०८:५५ | १०:३६ | ११ | मंगल | १५:४९ | १७:३४ |
| १२ | शुक्र | १०:४६ | १२:२२ | १२ | रवि | १७:२१ | १९:०२ | १२ | बुध | १२:२० | १४:०५ |
| १३ | शनि | ०९:१० | १०:४६ | १३ | सोम | ०७:१३ | ०८:५४ | १३ | गुरु | १४:०५ | १५:५० |
| १४ | रवि | १७:०९ | १८:४६ | १४ | मंगल | १५:४० | १७:२२ | १४ | शुक्र | १०:३६ | १२:२१ |
| १५ | सोम | ०७:३२ | ०९:०९ | १५ | बुध | १२:१७ | १३:५९ | १५ | शनि | ०८:५२ | १०:३६ |
| १६ | मंगल | १५:३४ | १७:१० | १६ | गुरु | १३:५९ | १५:४१ | १६ | रवि | १७:३५ | १९:२० |
| १७ | बुध | १२:२१ | १३:५७ | १७ | शुक्र | १०:३५ | १२:१७ | १७ | सोम | ०७:०७ | ०८:५२ |
| १८ | गुरु | १३:५७ | १५:३४ | १८ | शनि | ०८:५३ | १०:३५ | १८ | मंगल | १५:५१ | १७:३६ |
| १९ | शुक्र | १०:४३ | १२:२० | १९ | रवि | १७:२४ | १९:०६ | १९ | बुध | १२:२२ | १४:०७ |
| २० | शनि | ०९:०५ | १०:४३ | २० | सोम | ०७:१० | ०८:५२ | २० | गुरु | १४:०७ | १५:५२ |
| २१ | रवि | १७:१२ | १८:५० | २१ | मंगल | १५:४२ | १७:२५ | २१ | शुक्र | १०:३८ | १२:२२ |
| २२ | सोम | ०७:२६ | ०९:०४ | २२ | बुध | १२:१७ | १४:०० | २२ | शनि | ०८:५३ | १०:३८ |
| २३ | मंगल | १५:३५ | १७:१३ | २३ | गुरु | १४:०० | १५:४३ | २३ | रवि | १७:३७ | १९:२२ |
| २४ | बुध | १२:१९ | १३:५७ | २४ | शुक्र | १०:३५ | १२:१८ | २४ | सोम | ०७:०९ | ०८:५३ |
| २५ | गुरु | १३:५७ | १५:३५ | २५ | शनि | ०८:५२ | १०:३५ | २५ | मंगल | १५:५३ | १७:३७ |
| २६ | शुक्र | १०:४० | १२:१९ | २६ | रवि | १७:२७ | १९:१० | २६ | बुध | १२:२३ | १४:०८ |
| २७ | शनि | ०९:०१ | १०:४० | २७ | सोम | ०७:०८ | ०८:५१ | २७ | गुरु | १४:०८ | १५:५३ |
| २८ | रवि | १७:१५ | १८:५४ | २८ | मंगल | १५:४५ | १७:२८ | २८ | शुक्र | १०:३९ | १२:२४ |
| २९ | सोम | ०७:२१ | ०९:०० | २९ | बुध | १२:१८ | १४:०२ | २९ | शनि | ०८:५५ | १०:३९ |
| ३० | मंगल | १५:३७ | १७:१६ | ३० | गुरु | १४:०२ | १५:४५ | ३० | रवि | १७:३८ | १९:२२ |
| | | | | ३१ | शुक्र | १०:३५ | १२:१८ | | | | |

# विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१९–२० दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (मा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

| जुलाई २०१९ | | | | अगस्त २०१९ | | | | सितम्बर २०१९ | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति |
| १ | सोम | ०७:११ | ०८:५५ | १ | गुरु | १४:०८ | १५:४९ | १ | रवि | १७:०७ | १८:४३ |
| २ | मंगल | १५:५३ | १७:३८ | २ | शुक्र | १०:४६ | १२:२७ | २ | सोम | ०७:३४ | ०९:१० |
| ३ | बुध | १२:२५ | १४:०९ | ३ | शनि | ०९:०५ | १०:४६ | ३ | मंगल | १५:३० | १७:०५ |
| ४ | गुरु | १४:०९ | १५:५४ | ४ | रवि | १७:२९ | १९:१० | ४ | बुध | १२:२० | १३:५४ |
| ५ | शुक्र | १०:४१ | १२:२५ | ५ | सोम | ०७:२५ | ०९:०५ | ५ | गुरु | १३:५४ | १५:२९ |
| ६ | शनि | ०८:५७ | १०:४१ | ६ | मंगल | १५:४७ | १७:२८ | ६ | शुक्र | १०:४४ | १२:१९ |
| ७ | रवि | १७:३८ | १९:२२ | ७ | बुध | १२:२६ | १४:०६ | ७ | शनि | ०९:१० | १०:४४ |
| ८ | सोम | ०७:१३ | ०८:५७ | ८ | गुरु | १४:०६ | १५:४६ | ८ | रवि | १७:०० | १८:३४ |
| ९ | मंगल | १५:५४ | १७:३८ | ९ | शुक्र | १०:४६ | १२:२६ | ९ | सोम | ०७:३६ | ०९:१० |
| १० | बुध | १२:२६ | १४:१० | १० | शनि | ०९:०६ | १०:४६ | १० | मंगल | १५:२५ | १६:५८ |
| ११ | गुरु | १४:१० | १५:५४ | ११ | रवि | १७:२४ | १९:०४ | ११ | बुध | १२:१७ | १३:५१ |
| १२ | शुक्र | १०:४२ | १२:२६ | १२ | सोम | ०७:२७ | ०९:०७ | १२ | गुरु | १३:५० | १५:२३ |
| १३ | शनि | ०८:५९ | १०:४३ | १३ | मंगल | १५:४४ | १७:२३ | १३ | शुक्र | १०:४३ | १२:१६ |
| १४ | रवि | १७:३७ | १९:२१ | १४ | बुध | १२:२५ | १४:०४ | १४ | शनि | ०९:१० | १०:४३ |
| १५ | सोम | ०७:१६ | ०८:५९ | १५ | गुरु | १४:०४ | १५:४३ | १५ | रवि | १६:५४ | १८:२६ |
| १६ | मंगल | १५:५३ | १७:३७ | १६ | शुक्र | १०:४६ | १२:२५ | १६ | सोम | ०७:३८ | ०९:११ |
| १७ | बुध | १२:२७ | १४:१० | १७ | शनि | ०९:०८ | १०:४६ | १७ | मंगल | १५:१९ | १६:५२ |
| १८ | गुरु | १४:१० | १५:५३ | १८ | रवि | १७:१९ | १८:५७ | १८ | बुध | १२:१५ | १३:४७ |
| १९ | शुक्र | १०:४४ | १२:२७ | १९ | सोम | ०७:३० | ०९:०८ | १९ | गुरु | १३:४६ | १५:१८ |
| २० | शनि | ०९:०१ | १०:४४ | २० | मंगल | १५:४० | १७:१८ | २० | शुक्र | १०:४२ | १२:१४ |
| २१ | रवि | १७:३५ | १९:१८ | २१ | बुध | १२:२४ | १४:०१ | २१ | शनि | ०९:११ | १०:४२ |
| २२ | सोम | ०७:१९ | ०९:०२ | २२ | गुरु | १४:०१ | १५:३८ | २२ | रवि | १६:४७ | १८:१८ |
| २३ | मंगल | १५:५२ | १७:३५ | २३ | शुक्र | १०:४६ | १२:२३ | २३ | सोम | ०७:४० | ०९:११ |
| २४ | बुध | १२:२७ | १४:०९ | २४ | शनि | ०९:०९ | १०:४६ | २४ | मंगल | १५:१४ | १६:४५ |
| २५ | गुरु | १४:०९ | १५:५१ | २५ | रवि | १७:१३ | १८:५० | २५ | बुध | १२:१२ | १३:४३ |
| २६ | शुक्र | १०:४५ | १२:२७ | २६ | सोम | ०७:३२ | ०९:०९ | २६ | गुरु | १३:४२ | १५:१२ |
| २७ | शनि | ०९:०३ | १०:४५ | २७ | मंगल | १५:३५ | १७:१२ | २७ | शुक्र | १०:४२ | १२:१२ |
| २८ | रवि | १७:३२ | १९:१४ | २८ | बुध | १२:२२ | १३:५८ | २८ | शनि | ०९:१२ | १०:४१ |
| २९ | सोम | ०७:२२ | ०९:०३ | २९ | गुरु | १३:५८ | १५:३४ | २९ | रवि | १६:४० | १८:०९ |
| ३० | मंगल | १५:५० | १७:३१ | ३० | शुक्र | १०:४५ | १२:२१ | ३० | सोम | ०७:४२ | ०९:१२ |
| ३१ | बुध | १२:२७ | १४:०८ | ३१ | शनि | ०९:०९ | १०:४५ | | | | |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९–२० दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

| अक्टूबर २०१९ | | | | नवम्बर २०१९ | | | | दिसम्बर २०१९ | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति |
| १ | मंगल | १५:०६ | १६:३८ | १ | शुक्र | १०:४१ | १२:०४ | १ | रवि | १६:०५ | १७:२३ |
| २ | बुध | १२:१० | १३:३९ | २ | शनि | ०९:१८ | १०:४१ | २ | सोम | ०८:१४ | ०९:३३ |
| ३ | गुरु | १३:३८ | १५:०७ | ३ | रवि | १६:१२ | १७:३५ | ३ | मंगल | १४:४७ | १६:०५ |
| ४ | शुक्र | १०:४१ | १२:०९ | ४ | सोम | ०७:५७ | ०९:१९ | ४ | बुध | १२:१० | १३:२९ |
| ५ | शनि | ०९:१२ | १०:४१ | ५ | मंगल | १४:४९ | १६:११ | ५ | गुरु | १३:२९ | १४:४७ |
| ६ | रवि | १६:३३ | १८:०१ | ६ | बुध | १२:०४ | १३:२६ | ६ | शुक्र | १०:५३ | १२:११ |
| ७ | सोम | ०७:४५ | ०९:१३ | ७ | गुरु | १३:२६ | १४:४८ | ७ | शनि | ०९:३६ | १०:५४ |
| ८ | मंगल | १५:०४ | १६:३१ | ८ | शुक्र | १०:४२ | १२:०४ | ८ | रवि | १६:०६ | १७:२४ |
| ९ | बुध | १२:०८ | १३:३५ | ९ | शनि | ०९:२१ | १०:४३ | ९ | सोम | ०८:१९ | ०९:३७ |
| १० | गुरु | १३:३५ | १५:०२ | १० | रवि | १६:०९ | १७:३० | १० | मंगल | १४:४८ | १६:०६ |
| ११ | शुक्र | १०:४० | १२:०७ | ११ | सोम | ०८:०१ | ०९:२२ | ११ | बुध | १२:१३ | १३:३१ |
| १२ | शनि | ०९:१३ | १०:४० | १२ | मंगल | १४:४७ | १६:०८ | १२ | गुरु | १३:३१ | १४:४९ |
| १३ | रवि | १६:२७ | १७:५४ | १३ | बुध | १२:०५ | १३:२६ | १३ | शुक्र | १०:५७ | १२:१४ |
| १४ | सोम | ०७:४७ | ०९:१४ | १४ | गुरु | १३:२६ | १४:४६ | १४ | शनि | ०९:४० | १०:५७ |
| १५ | मंगल | १४:५९ | १६:२५ | १५ | शुक्र | १०:४४ | १२:०५ | १५ | रवि | १६:०८ | १७:२५ |
| १६ | बुध | १२:०६ | १३:३२ | १६ | शनि | ०९:२४ | १०:४५ | १६ | सोम | ०८:२३ | ०९:४१ |
| १७ | गुरु | १३:३२ | १४:५८ | १७ | रवि | १६:०६ | १७:२७ | १७ | मंगल | १४:५१ | १६:०८ |
| १८ | शुक्र | १०:४० | १२:०६ | १८ | सोम | ०८:०५ | ०९:२५ | १८ | बुध | १२:१७ | १३:३४ |
| १९ | शनि | ०९:१५ | १०:४० | १९ | मंगल | १४:४६ | १६:०६ | १९ | गुरु | १३:३५ | १४:५२ |
| २० | रवि | १६:२१ | १७:४६ | २० | बुध | १२:०६ | १३:२६ | २० | शुक्र | ११:०० | १२:१८ |
| २१ | सोम | ०७:५० | ०९:१५ | २१ | गुरु | १३:२६ | १४:४६ | २१ | शनि | ०९:४३ | ११:०१ |
| २२ | मंगल | १४:५५ | १६:२० | २२ | शुक्र | १०:४७ | १२:०६ | २२ | रवि | १६:११ | १७:२८ |
| २३ | बुध | १२:०५ | १३:३० | २३ | शनि | ०९:२८ | १०:४७ | २३ | सोम | ०८:२७ | ०९:४४ |
| २४ | गुरु | १३:३० | १४:५४ | २४ | रवि | १६:०५ | १७:२४ | २४ | मंगल | १४:५४ | १६:१२ |
| २५ | शुक्र | १०:४० | १२:०५ | २५ | सोम | ०८:१० | ०९:२९ | २५ | बुध | १२:२० | १३:३७ |
| २६ | शनि | ०९:१६ | १०:४० | २६ | मंगल | १४:४६ | १६:०५ | २६ | गुरु | १३:३८ | १४:५५ |
| २७ | रवि | १६:१७ | १७:४१ | २७ | बुध | १२:०८ | १३:२७ | २७ | शुक्र | ११:०४ | १२:२१ |
| २८ | सोम | ०७:५३ | ०९:१७ | २८ | गुरु | १३:२७ | १४:४६ | २८ | शनि | ०९:४७ | ११:०४ |
| २९ | मंगल | १४:५२ | १६:१५ | २९ | शुक्र | १०:५० | १२:०८ | २९ | रवि | १६:१४ | १७:३२ |
| ३० | बुध | १२:०४ | १३:२८ | ३० | शनि | ०९:३२ | १०:५० | ३० | सोम | ०८:३० | ०९:४८ |
| ३१ | गुरु | १३:२८ | १४:५१ | | | | | ३१ | मंगल | १४:५८ | १६:१६ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, ईश्वीय सन् २०१९–२० दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

| जनवरी २०२० | | | | फरवरी २०२० | | | | मार्च २०२० | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति | दिनाङ्क | वार | प्रारम्भ | समाप्ति |
| १ | बुध | १२:२४ | १३:४१ | १ | शनि | ०९:५२ | ११:१३ | १ | रवि | १६:५३ | १८:२० |
| २ | गुरु | १३:४२ | १४:५६ | २ | रवि | १६:३८ | १७:५९ | २ | सोम | ०८:१३ | ०९:३९ |
| ३ | शुक्र | ११:०७ | १२:२५ | ३ | सोम | ०८:३० | ०९:५२ | ३ | मंगल | १५:२७ | १६:५४ |
| ४ | शनि | ०९:५० | ११:०७ | ४ | मंगल | १५:१८ | १६:३९ | ४ | बुध | १२:३३ | १४:०० |
| ५ | रवि | १६:१९ | १७:३७ | ५ | बुध | १२:३५ | १३:५६ | ५ | गुरु | १४:०० | १५:२७ |
| ६ | सोम | ०८:३२ | ०९:५० | ६ | गुरु | १३:५७ | १५:१९ | ६ | शुक्र | ११:०५ | १२:३२ |
| ७ | मंगल | १५:०२ | १६:२० | ७ | शुक्र | ११:१३ | १२:३५ | ७ | शनि | ०९:३६ | ११:०४ |
| ८ | बुध | १२:२७ | १३:४५ | ८ | शनि | ०९:५० | ११:१३ | ८ | रवि | १६:५६ | १८:२४ |
| ९ | गुरु | १३:४५ | १५:०३ | ९ | रवि | १६:४२ | १८:०५ | ९ | सोम | ०८:०७ | ०९:३५ |
| १० | शुक्र | ११:०९ | १२:२८ | १० | सोम | ०८:२७ | ०९:५० | १० | मंगल | १५:२८ | १६:५७ |
| ११ | शनि | ०९:५२ | ११:१० | ११ | मंगल | १५:२१ | १६:४४ | ११ | बुध | १२:३१ | १४:०० |
| १२ | रवि | १६:२४ | १७:४२ | १२ | बुध | १२:३५ | १३:५८ | १२ | गुरु | १४:०० | १५:२९ |
| १३ | सोम | ०८:३३ | ०९:५२ | १३ | गुरु | १३:५८ | १५:२१ | १३ | शुक्र | ११:०१ | १२:३१ |
| १४ | मंगल | १५:०६ | १६:२५ | १४ | शुक्र | ११:१२ | १२:३५ | १४ | शनि | ०९:३१ | ११:०१ |
| १५ | बुध | १२:३० | १३:४८ | १५ | शनि | ०९:४८ | ११:११ | १५ | रवि | १६:५९ | १८:२८ |
| १६ | गुरु | १३:४९ | १५:०८ | १६ | रवि | १६:४६ | १८:१० | १६ | सोम | ०८:०० | ०९:३० |
| १७ | शुक्र | ११:११ | १२:३० | १७ | सोम | ०८:२३ | ०९:४७ | १७ | मंगल | १५:३० | १७:०० |
| १८ | शनि | ०९:५३ | ११:१२ | १८ | मंगल | १५:२३ | १६:४७ | १८ | बुध | १२:२९ | १३:५९ |
| १९ | रवि | १६:२८ | १७:४८ | १९ | बुध | १२:३५ | १३:५९ | १९ | गुरु | १३:५९ | १५:३० |
| २० | सोम | ०८:३४ | ०९:५३ | २० | गुरु | १३:५९ | १५:२४ | २० | शुक्र | १०:५७ | १२:२८ |
| २१ | मंगल | १५:१० | १६:३० | २१ | शुक्र | ११:१० | १२:३५ | २१ | शनि | ०९:२६ | १०:५७ |
| २२ | बुध | १२:३२ | १३:५१ | २२ | शनि | ०९:४५ | ११:१० | २२ | रवि | १७:०२ | १८:३३ |
| २३ | गुरु | १३:५२ | १५:१२ | २३ | रवि | १६:५० | १८:१५ | २३ | सोम | ०७:५३ | ०९:२४ |
| २४ | शुक्र | ११:१३ | १२:३२ | २४ | सोम | ०८:१८ | ०९:४४ | २४ | मंगल | १५:३१ | १७:०२ |
| २५ | शनि | ०९:५३ | ११:१३ | २५ | मंगल | १५:२५ | १६:५१ | २५ | बुध | १२:२७ | १३:५९ |
| २६ | रवि | १६:३३ | १७:५३ | २६ | बुध | १२:३४ | १४:०० | २६ | गुरु | १३:५९ | १५:३१ |
| २७ | सोम | ०८:३२ | ०९:५३ | २७ | गुरु | १४:०० | १५:२६ | २७ | शुक्र | १०:५४ | १२:२६ |
| २८ | मंगल | १५:१४ | १६:३५ | २८ | शुक्र | ११:०७ | १२:३४ | २८ | शनि | ०९:२१ | १०:५३ |
| २९ | बुध | १२:३४ | १३:५४ | २९ | शनि | ०९:४१ | ११:०७ | २९ | रवि | १७:०४ | १८:३७ |
| ३० | गुरु | १३:५५ | १५:१५ | | | | | ३० | सोम | ०७:४६ | ०९:१९ |
| ३१ | शुक्र | ११:१३ | १२:३४ | | | | | ३१ | मंगल | १५:३२ | १७:०५ |

## ✱ क्रान्ति सारिणी ✱

| दिनांक | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | २३ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २० | २० | २० | २० | २० | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | १८ | १८ | १८ | १८ | १७ | १७ |
| + | २ | ५७ | ५१ | ४५ | ३९ | ३२ | २४ | १७ | ९ | ०० | ५१ | ४१ | ३१ | २१ | १० | ५९ | ४८ | ३६ | २४ | ११ | ५८ | ४४ | ३० | १६ | २ | ४७ | ३२ | १६ | ०० | ४४ | २७ |
| फरवरी | १७ | १६ | १६ | १६ | १६ | १५ | १५ | १५ | १४ | १४ | १४ | १३ | १३ | १३ | १२ | १२ | १२ | ११ | ११ | ११ | १० | १० | ९ | ९ | ९ | ८ | ८ | ८ | ७ | × | × |
| + | ११ | ५३ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २३ | ५ | ४६ | २६ | ७ | ४७ | २७ | ७ | ४६ | २६ | ५ | ४४ | २२ | १ | ३९ | १८ | ५६ | ३४ | ११ | ४९ | २७ | ४ | ५२ | × | × |
| मार्च | ७ | ७ | ६ | ६ | ६ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ३ | ३ | ३ | २ | २ | १ | १ | १ | ० | + ० | -० | ० | ० | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ४ |
| + | ४१ | १८ | ५५ | ३२ | ९ | ४६ | २३ | ० | ३६ | १३ | ४९ | २६ | २ | ३८ | १५ | ५१ | २७ | ४ | ४१ | १६ | ८ | ३१ | ५५ | १९ | ४२ | ६ | २९ | ५३ | १६ | ४० | ३ |
| अप्रैल | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | × |
|  | २६ | ४९ | १२ | ३५ | ५८ | २१ | ४४ | ६ | २८ | ५१ | १३ | ३५ | ५७ | १९ | ४० | २ | २३ | ४४ | ५ | २५ | ४६ | ६ | २६ | ४६ | ६ | २६ | ४५ | ४ | २३ | ४१ | × |
| मई | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ |
| – | ० | १८ | ३६ | ५३ | ११ | २८ | ४४ | १ | १७ | ३३ | ४९ | ४ | १९ | ३४ | ४८ | २ | १६ | २९ | ४३ | ५५ | ८ | २० | ३२ | ४३ | ५४ | ५ | १५ | २५ | ३५ | ४१ | ५३ |
| जू न | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २ ३ | × |
| – | १ | १ | १७ | २४ | ३१ | ३८ | ४४ | ४९ | ५५ | ० | ४ | ८ | १२ | १५ | १८ | २० | २२ | २४ | २५ | २६ | २७ | २७ | २६ | २५ | २४ | २२ | २० | १८ | १५ | ११ | × |
| जुलाई | २३ | २३ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २० | २० | २० | २० | २० | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | १८ | १८ | १८ |
| – | ८ | ४ | ५९ | ५४ | ४९ | ४३ | ३७ | ३१ | २४ | १६ | ९ | १ | ५२ | ४३ | ३४ | २५ | १५ | ५ | ५४ | ४३ | ३२ | २० | ८ | ५६ | ४३ | ३० | १७ | ३ | ४९ | ३५ | २० |
| अगस्त | १८ | १७ | १७ | १७ | १७ | १६ | १६ | १६ | १५ | १५ | १५ | १५ | १४ | १४ | १४ | १३ | १३ | १३ | १२ | १२ | १२ | ११ | ११ | ११ | १० | १० | १० | ९ | ९ | ९ | ८ |
| – | ५ | ५० | ३५ | १९ | ३ | ४७ | ३० | १३ | ५६ | ३९ | २१ | ३ | ४५ | २७ | ८ | ४० | ३१ | ११ | ५२ | ३२ | १३ | ५३ | ३२ | १२ | ५१ | ३१ | १० | ४९ | २७ | ६ | ४५ |
| सितम्बर | ८ | ८ | ७ | ७ | ६ | ६ | ६ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ३ | ३ | ३ | २ | २ | १ | १ | १ | ० | -० | +० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | × |
| – | २३ | १ | ३९ | १७ | ५५ | ३३ | १० | ४८ | २५ | ८ | ४० | १७ | ५४ | ३१ | ८ | ४५ | २२ | ५९ | ३५ | १२ | ४९ | २५ | २ | २१ | ४५ | ८ | ३१ | ५५ | १८ | ४१ | × |
| अक्टूबर | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १४ |
| + | ५ | २८ | ५१ | १४ | ३८ | १ | २४ | ४७ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४० | ३ | २५ | ४७ | ९ | ३१ | ५३ | १४ | ३६ | ५७ | १८ | ३९ | ०० | २१ | ४१ | २ | २२ | ४१ | १ |
| नवम्बर | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | × |
| + | २० | ४० | ५९ | १७ | ३६ | ५४ | १२ | २९ | ४७ | ४ | २१ | ३७ | ५३ | ९ | २५ | ४० | ५५ | १० | २४ | ३८ | ५१ | ४ | १७ | ३० | ४२ | ५३ | ५ | १५ | २६ | ३६ | × |
| दिसम्बर | २१ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ |
| + | ४६ | ५५ | ४ | १२ | २० | २८ | ३५ | ४१ | ४८ | ५३ | ५९ | ४ | ८ | १२ | १५ | १८ | २१ | २३ | २५ | २६ | २६ | २७ | २६ | २६ | २४ | २३ | २१ | १८ | १५ | ११ | ७ |

नोट : रवि क्रान्ति २१ मार्च से २२ सितम्बर तक उत्तरा ( – ) तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक दक्षिणा ( + ) होती है। क्रान्ति अंश और कला में हैं।

Not Correction



# * चर सारिणी *

| क्रान्त्यंश → | २ | | ४ | | ६ | | ८ | | १० | | १२ | | १४ | | १६ | | १८ | | २० | | २२ | | २४ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अक्षांश ↓ | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. | मि. | से. |
| २ | ० | १७ | ० | ३४ | ० | ५० | १ | ०७ | १ | २४ | १ | ४२ | २ | ०० | २ | १८ | २ | ३६ | २ | ५४ | ३ | १४ | ३ | ३४ |
| ४ | ० | ३४ | १ | ०७ | १ | ४२ | २ | १५ | २ | ५० | ३ | २४ | ४ | ०० | ४ | ३६ | ५ | १२ | ५ | ५० | ६ | २९ | ७ | ०८ |
| ६ | ० | ५० | १ | ४२ | २ | ३२ | ३ | २३ | ४ | १५ | ५ | ०७ | ६ | ०० | ६ | ५४ | ७ | ५० | ८ | ४६ | ९ | ४४ | १० | ४४ |
| ८ | १ | ०७ | २ | १५ | ३ | २३ | ४ | ३२ | ५ | ४१ | ६ | ५१ | ८ | ०२ | ९ | १४ | १० | २८ | ११ | ४४ | १३ | ०१ | १४ | २१ |
| ९ | १ | १६ | २ | ३२ | ३ | ४९ | ५ | ०६ | ६ | २४ | ७ | ४३ | ९ | ०१ | १० | २५ | ११ | ४८ | १३ | १३ | १४ | ५१ | १६ | १० |
| १० | १ | २४ | २ | ४९ | ४ | १४ | ५ | ४१ | ७ | ०८ | ८ | ३६ | १० | ०५ | ११ | ३६ | १३ | ०८ | १४ | ४३ | १६ | २० | १८ | ०१ |
| ११ | १ | ३३ | ३ | ०७ | ४ | ४१ | ६ | १६ | ७ | ५१ | ९ | २८ | ११ | ०६ | १२ | ४७ | १४ | २९ | १६ | १३ | १८ | ०० | १९ | ५२ |
| १२ | १ | ४२ | ३ | २४ | ५ | ०७ | ६ | ५१ | ८ | ३६ | १० | २१ | १२ | ०९ | १४ | ०० | १५ | ५० | १७ | ४५ | १९ | ४२ | २१ | ४३ |
| १३ | १ | ५० | ३ | ४२ | ५ | ३४ | ७ | २६ | ९ | २० | ११ | १५ | १३ | १२ | १५ | ११ | १७ | १२ | १९ | १७ | २१ | २५ | २३ | ३६ |
| १४ | २ | ०० | ४ | ०० | ६ | ०० | ८ | ०२ | १० | ०५ | १२ | ०९ | १४ | १५ | १६ | २४ | १८ | ३५ | २० | ५० | २३ | ०८ | २५ | ३० |
| १५ | २ | ०९ | ४ | १८ | ६ | २७ | ८ | ३८ | १० | ५० | १३ | ०४ | १५ | १९ | १७ | ३८ | १९ | ५९ | २२ | २३ | २४ | ५२ | २७ | २४ |
| १६ | २ | १८ | ४ | ३६ | ६ | ५४ | ९ | १४ | ११ | ३६ | १३ | ५९ | १६ | २४ | १८ | ५२ | २१ | २३ | २३ | ५८ | २६ | ३७ | २९ | २० |
| १७ | २ | २६ | ४ | ५४ | ७ | २२ | ९ | ५१ | १२ | २२ | १४ | ५४ | १७ | २९ | २० | ०७ | २२ | ४८ | २५ | ३३ | २८ | २३ | ३१ | १८ |
| १८ | २ | ३६ | ५ | १२ | ७ | ५० | १० | २८ | १३ | ०८ | १५ | ५० | १८ | ३५ | २१ | २३ | २४ | १४ | २७ | १० | ३० | १० | ३३ | १६ |
| १९ | २ | ४५ | ५ | ३१ | ८ | १८ | ११ | ०६ | १३ | ५५ | १६ | ४७ | १९ | ४२ | २२ | ४० | २५ | ४२ | २८ | ४८ | ३१ | ५९ | ३५ | १६ |
| २० | २ | ५४ | ५ | ५० | ८ | ४६ | ११ | ४३ | १४ | ४३ | १७ | ४५ | २० | ५० | २३ | ५८ | २७ | १० | ३० | २७ | ३३ | ४१ | ३७ | १८ |
| २१ | ३ | ०४ | ६ | ०९ | ९ | १५ | १२ | २२ | १५ | ३१ | १८ | ४३ | २१ | ५८ | २५ | १७ | २८ | ४० | ३२ | ०७ | ३५ | ४१ | ३९ | ४२ |
| २२ | ३ | १४ | ६ | २८ | ९ | ४४ | १३ | ०१ | १६ | २० | १९ | ४२ | २३ | ०८ | २६ | ३६ | ३० | १० | ३३ | ४१ | ३७ | ३५ | ४१ | २७ |
| २३ | ३ | २४ | ६ | ४८ | १० | १४ | १३ | ४१ | १७ | १० | २० | ४२ | २४ | १८ | २७ | ५७ | ३१ | ४३ | ३५ | ३३ | ३९ | ३० | ४३ | ३४ |
| २४ | ३ | ३४ | ७ | ०८ | १० | ४४ | १४ | २१ | १८ | ०१ | २१ | ४३ | २५ | ३० | २९ | २० | ३३ | १६ | ३७ | १८ | ४१ | २७ | ४५ | ४४ |
| २५ | ३ | ४४ | ७ | २८ | ११ | १४ | १५ | ०२ | १८ | ५२ | २२ | ४५ | २६ | ४२ | ३० | ४४ | ३४ | ५२ | ३९ | ०५ | ४३ | २६ | ४७ | ५६ |
| २६ | ३ | ५४ | ७ | ४९ | ११ | ४५ | १५ | ४३ | १९ | ४४ | २३ | ४८ | २७ | ५६ | ३२ | ०९ | ३६ | २८ | ४० | ५४ | ४५ | २८ | ५० | १० |
| २७ | ४ | ०४ | ८ | १० | १२ | १७ | १६ | २६ | २० | ३६ | २४ | ५२ | २९ | १२ | ३३ | ३६ | ३८ | ०७ | ४२ | ४५ | ४७ | ३१ | ५२ | २७ |
| २८ | ४ | १५ | ८ | ३१ | १२ | ४९ | १७ | ०९ | २१ | ३१ | २५ | ५७ | ३० | २८ | ३५ | ०५ | ३९ | ४८ | ४४ | ३८ | ४९ | ३७ | ५४ | ४७ |
| २९ | ४ | २६ | ८ | ५३ | १३ | २२ | १७ | ५२ | २२ | २६ | २७ | ०४ | ३१ | ४७ | ३६ | ३५ | ४१ | ३० | ४६ | ३३ | ५१ | ४५ | ५७ | ०९ |
| ३० | ४ | ३७ | ९ | १५ | १३ | ५५ | १८ | ३७ | २३ | २२ | २८ | १२ | ३३ | ०६ | ३८ | ०७ | ४३ | १५ | ४८ | ३१ | ५३ | ५७ | ५९ | ३५ |
| ३१ | ४ | ४९ | ९ | ३८ | १४ | २९ | १९ | २३ | २४ | २० | २९ | २१ | ३४ | २८ | ३९ | ४१ | ४५ | ०२ | ५० | ३२ | ५६ | १२ | ६२ | ०४ |
| ३३ | ५ | १२ | १० | २५ | १५ | ३९ | २० | ५७ | २६ | १८ | ३१ | ४४ | ३७ | १६ | ४२ | ५६ | ४८ | ४४ | ५४ | ४१ | ६० | ५१ | ६७ | ०३ |
| ३५ | ५ | ३६ | ११ | १४ | १६ | ५३ | २२ | ३७ | २८ | २२ | ३४ | १४ | ४० | १३ | ४६ | २० | ५२ | ३६ | ५९ | ०४ | ६५ | ४४ | ७२ | ४० |
| ४० | ६ | ४३ | १३ | २७ | २० | १४ | २७ | ०५ | ३४ | ०२ | ४१ | ०६ | ४८ | १८ | ५५ | ४१ | ६३ | १७ | ७१ | ०८ | ७९ | १६ | ८७ | ४५ |
| ४५ | ८ | ०१ | १६ | ०२ | २४ | ०८ | ३२ | १८ | ४० | ३७ | ४९ | ०५ | ४७ | ४५ | ६६ | ३१ | ७५ | ५० | ८५ | २२ | ९५ | ११ | १०५ | ४५ |
| ५० | ९ | ३२ | १९ | ०७ | २८ | ४६ | ३८ | ३४ | ४८ | ३१ | ५८ | ४२ | ६९ | ०१ | ७९ | ५६ | ९१ | ०८ | १०२ | ५० | ११५ | ०८ | १२८ | ११ |
| ५५ | ११ | २६ | २२ | ५६ | ३४ | ३२ | ४६ | १९ | ५८ | २० | ७० | ४१ | ८३ | २६ | ९६ | ४२ | ११० | ३५ | १२५ | १७ | १४० | ५८ | १५७ | ५६ |
| १३ ४' | १ | ४४ | ३ | ५४ | ५ | ५१ | ७ | ५० | ९ | ५० | ११ | ५१ | १३ | ५४ | १६ | ०० | १८ | ०८ | २० | १९ | २२ | ३३ | २४ | ५२ |
| १८ ५५' | २ | ४५ | ५ | ३० | ८ | १५ | ११ | ०३ | १३ | ५१ | १६ | ४३ | १९ | ३६ | २२ | ३३ | २५ | ३४ | २८ | ४० | ३१ | ५० | ३५ | ०६ |
| २२ ३४' | ३ | २० | ५ | ४० | १० | ०१ | १३ | २४ | १६ | ४८ | २० | १६ | २३ | ४७ | २७ | २३ | ३१ | ०२ | ३४ | ४८ | ३८ | ४० | ४२ | ३९ |
| २८ ३८' | ४ | २२ | ८ | ४५ | १३ | १० | १७ | ३६ | २२ | ०६ | २६ | ४१ | ३१ | १८ | ३६ | ०२ | ४० | ३१ | ४५ | ५१ | ५० | ५८ | ५६ | १६ |

# ✱ वेलान्तर सारिणी ✱

| दिनांक | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | ०३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ |
| − | ३२ | ०० | २८ | ४५ | २२ | ४५ | ९ | ३४ | ० | २४ | ४८ | ११ | ३५ | ५७ | १९ | ३९ | ०० | १९ | ३८ | ५६ | १४ | ३० | ४७ | ०२ | १७ | ३० | ४३ | ५८ | ६ | १६ | २६ |
| फरवरी | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १२ | १२ | १२ | × | × |
| − | ३० | ४० | ५० | ५६ | १ | ५ | ९ | १२ | १४ | १५ | १६ | १५ | १५ | १३ | ११ | ८ | ४ | ० | ५५ | ४९ | ४२ | ३४ | २७ | १९ | १० | ०० | ५१ | ४० | ३४ | × | × |
| मार्च | १२ | १२ | १२ | ११ | ११ | ११ | ११ | १० | १० | १० | १० | ९ | ९ | ९ | ९ | ८ | ८ | ८ | ७ | ७ | ७ | ७ | ६ | ६ | ६ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ |
| − | २९ | १७ | ५ | ५२ | ३९ | २५ | ११ | ५६ | ४१ | २५ | १० | ५४ | ३८ | २१ | ५ | ४८ | ३१ | १३ | ५६ | ३८ | २१ | ०३ | ४५ | २७ | ९ | ५१ | ३३ | १४ | ५६ | ३८ | २० |
| अप्रैल | ४ | ३ | ३ | ३ | २ | २ | २ | २ | १ | १ | १ | ० | ० | −० | +० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | × |
| − | २ | ४२ | २६ | ८ | ५१ | ३४ | १७ | ० | ४३ | २६ | १० | ५४ | ३८ | २४ | ९ | १४ | २० | ३३ | ४७ | ० | १३ | २४ | ३६ | ४७ | ५८ | ८ | १८ | २७ | ३६ | ४४ | × |
| मई | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | २ | २ | २ | २ | २ |
| + | ५२ | ५९ | ६ | १२ | १८ | २२ | २७ | ३१ | ३५ | ३८ | ४० | ४२ | ४३ | ४३ | ४३ | ४२ | ४१ | ३९ | ३७ | ३३ | ३० | २६ | २२ | १६ | ११ | ४ | ५८ | ५१ | ४४ | ३५ | २७ |
| जून | २ | २ | २ | १ | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | +० | −० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | × |
| + | १९ | १० | ० | ५० | ४० | २९ | १९ | ७ | ५६ | ४४ | ३२ | २० | ८ | १३ | १७ | ३० | ४३ | ५६ | ९ | २२ | ३६ | ४९ | २ | १५ | २८ | ४० | ५३ | ६ | १८ | ३० | × |
| जुलाई | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| − | ४२ | ५३ | ४ | १५ | २६ | ३६ | ४६ | ५६ | ५ | १३ | २२ | ३० | ३७ | ४४ | ५१ | ५७ | २ | ७ | १२ | १६ | २० | २३ | २५ | २६ | २८ | २८ | २८ | २७ | २७ | २५ | २२ |
| अगस्त | ६ | ६ | ६ | ६ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ३ | ३ | ३ | ३ | २ | २ | २ | २ | १ | १ | १ | १ | ० | ० |
| − | १८ | १४ | १० | ४ | ५९ | ५२ | ४६ | ३९ | ३१ | २२ | १३ | ३ | ५३ | ४२ | ३१ | १९ | ७ | ५४ | ४१ | २७ | १३ | ५८ | ४३ | १७ | १२ | ५५ | ३८ | २० | ३ | ४५ | २७ |
| सितम्बर | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ९ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | × |
| + | ०८ | १९ | ३१ | ५१ | १० | ३० | ५१ | ११ | ३२ | ५३ | १४ | ३५ | ५६ | १७ | ३८ | ० | २१ | ४२ | ३ | २४ | ४६ | ०७ | २८ | ४९ | ९ | ३० | ५१ | ११ | ३१ | ५१ | × |
| अक्टूबर | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ |
| + | ११ | ३० | ४९ | ७ | २६ | ४४ | २ | १९ | ३६ | ५२ | ८ | २३ | ३८ | ५२ | ६ | १९ | ३२ | ४३ | ५५ | ०० | १६ | २५ | ३४ | ४२ | ५० | ५६ | ३ | ८ | १३ | १७ | २० |
| नवम्बर | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १४ | १४ | १४ | १४ | १३ | १३ | १३ | १३ | १२ | १२ | १२ | ११ | ११ | × |
| + | २२ | २४ | २५ | २४ | २४ | २२ | १९ | १६ | १२ | ६ | ०० | ५३ | ४६ | २८ | २८ | १७ | ६ | ५४ | ४१ | २७ | १३ | ५७ | ४२ | २५ | ८ | ४९ | ३० | १० | ५० | २९ | × |
| दिसम्बर | ११ | १० | १० | ९ | ९ | ९ | ८ | ८ | ७ | ७ | ६ | ६ | ६ | ५ | ५ | ४ | ४ | ३ | ३ | २ | २ | १ | १ | ० | +० | −० | ० | १ | १ | २ | २ |
| + | ८ | ४५ | २२ | ५८ | ३४ | ९ | ४४ | १९ | ५१ | २४ | ५७ | २९ | १ | ३२ | ० | ३४ | ५ | ३६ | ३ | ३७ | ७ | ३७ | ७ | ३९ | ७ | २९ | ५२ | २२ | ५१ | २० | ४९ |

नोट : २६ दिसम्बर से १४ अप्रैल तक तथा १५ जून से ३१ अगस्त तक वेलान्तर ऋण ( − ) १५ अप्रैल से १४ जून तक तथा १ दिसम्बर तक वेलान्तर धन ( + ) होता है। वेलान्तर मिनट एवं सेकेण्ड में हैं।

# * स्पष्टान्तर सारिणी *

| मास | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी (-) | २४<br>२४ | २४<br>५६ | २५<br>१९ | २५<br>४६ | २६<br>१३ | २६<br>३९ | २७<br>०५ | २७<br>३० | २७<br>५६ | २८<br>२० | २८<br>४४ | २९<br>०८ | २९<br>३१ | २९<br>५३ | ३०<br>१५ | ३०<br>२६ | ३०<br>५७ | ३१<br>१७ | ३१<br>३६ | ३१<br>५५ | ३२<br>१२ | ३२<br>३० | ३२<br>४६ | ३३<br>०२ | ३३<br>१७ | ३३<br>३१ | ३३<br>४५ | ३३<br>५७ | ३४<br>०९ | ३४<br>२० | ३४<br>३१ |
| फरवरी (-) | ३४<br>४० | ३४<br>४९ | ३५<br>५७ | ३५<br>०४ | ३५<br>१० | ३५<br>१५ | ३५<br>२० | ३५<br>२४ | ३५<br>२७ | ३५<br>२९ | ३५<br>३० | ३५<br>३१ | ३५<br>३० | ३५<br>२९ | ३५<br>२८ | ३५<br>२५ | ३५<br>२२ | ३५<br>१७ | ३५<br>१३ | ३५<br>०७ | ३५<br>०१ | ३४<br>५४ | ३४<br>४६ | ३४<br>३७ | ३४<br>२६ | ३४<br>१९ | ३४<br>०८ | ३३<br>५७ | ३३<br>५० | | |
| मार्च (-) | ३३<br>४६ | ३३<br>३४ | ३३<br>२१ | ३३<br>०८ | ३२<br>५४ | ३२<br>४० | ३२<br>२६ | ३२<br>११ | ३१<br>५५ | ३१<br>३९ | ३१<br>२३ | ३१<br>०६ | ३०<br>४९ | ३०<br>३२ | ३०<br>१५ | २९<br>५७ | २९<br>३९ | २९<br>२० | २९<br>०२ | २८<br>४४ | २८<br>२५ | २८<br>०६ | २७<br>४७ | २७<br>२८ | २७<br>०९ | २६<br>५० | २६<br>३१ | २६<br>१२ | २६<br>५३ | २५<br>३४ | ३५<br>१६ |
| अप्रैल (-) | २४<br>५७ | २४<br>३८ | २४<br>२० | २४<br>०२ | २३<br>४४ | २३<br>२७ | २३<br>०९ | २२<br>५२ | २२<br>३५ | २२<br>१९ | २१<br>५८ | २१<br>४३ | २१<br>२७ | २१<br>१२ | २०<br>५८ | २०<br>४३ | २०<br>३० | २०<br>१६ | २०<br>०३ | १९<br>५१ | १९<br>३९ | १९<br>२७ | १९<br>१७ | १९<br>०६ | १८<br>५६ | १८<br>४७ | १८<br>३८ | १८<br>२९ | १८<br>२२ | १८<br>१४ | |
| मई (-) | १८<br>०८ | १८<br>०२ | १७<br>५६ | १७<br>५१ | १७<br>४७ | १७<br>४३ | १७<br>३९ | १७<br>३७ | १७<br>३५ | १७<br>३३ | १७<br>३२ | १७<br>३१ | १७<br>३१ | १७<br>३२ | १७<br>३३ | १७<br>३५ | १७<br>३७ | १७<br>४० | १७<br>४३ | १७<br>४७ | १७<br>५१ | १७<br>५६ | १८<br>०१ | १८<br>०७ | १८<br>१३ | १८<br>१९ | १८<br>२६ | १८<br>३३ | १८<br>४१ | १८<br>४९ | १८<br>५८ |
| जून (-) | १९<br>०७ | १९<br>१६ | १९<br>२६ | १९<br>३५ | १९<br>४६ | १९<br>५६ | २०<br>०७ | २०<br>१७ | २०<br>२९ | २०<br>४० | २०<br>५१ | २१<br>०३ | २१<br>१५ | २१<br>२७ | २१<br>३९ | २१<br>५१ | २२<br>०३ | २२<br>१५ | २२<br>२८ | २२<br>४० | २२<br>५२ | २३<br>०४ | २३<br>१६ | २३<br>२९ | २३<br>४१ | २३<br>५२ | २४<br>०४ | २४<br>१६ | २४<br>२७ | २४<br>३८ | |
| जुलाई (-) | २४<br>५० | २५<br>०० | २५<br>११ | २५<br>२१ | २५<br>३१ | २५<br>४१ | २५<br>५१ | २६<br>०० | २६<br>०८ | २६<br>१७ | २६<br>२५ | २६<br>३३ | २६<br>४० | २६<br>४७ | २६<br>५३ | २६<br>५९ | २७<br>०४ | २७<br>०९ | २७<br>१४ | २७<br>१८ | २७<br>२१ | २७<br>२४ | २७<br>२७ | २७<br>२९ | २७<br>३० | २७<br>३१ | २७<br>३१ | २७<br>३१ | २७<br>३० | २७<br>२९ | २७<br>२७ |
| अगस्त (-) | २७<br>२४ | २७<br>२१ | २७<br>१७ | २७<br>१३ | २७<br>०८ | २७<br>०२ | २६<br>५६ | २५<br>४९ | २६<br>४२ | २६<br>३४ | २६<br>२५ | २६<br>१६ | २६<br>०६ | २५<br>५६ | २५<br>४५ | २५<br>३४ | २५<br>२२ | २५<br>०९ | २४<br>५६ | २४<br>४२ | २४<br>२८ | २४<br>१४ | २३<br>५८ | २३<br>४३ | २३<br>२७ | २३<br>१० | २२<br>५३ | २२<br>३६ | २२<br>१८ | २१<br>५९ | २१<br>४१ |
| सितम्बर (-) | २१<br>२२ | २१<br>०२ | २०<br>४३ | २०<br>२३ | २०<br>०२ | १९<br>४२ | १९<br>२१ | १९<br>०० | १८<br>३८ | १८<br>१७ | १७<br>५५ | १७<br>३३ | १७<br>११ | १६<br>४९ | १६<br>२७ | १६<br>०५ | १५<br>४३ | १५<br>२० | १४<br>५८ | १४<br>३६ | १४<br>१४ | १३<br>५१ | १३<br>२९ | १३<br>०८ | १२<br>४६ | १२<br>२४ | १२<br>०३ | ११<br>४२ | ११<br>२१ | ११<br>०० | |
| अक्टूबर (-) | १०<br>४० | १०<br>२० | १०<br>०० | ०९<br>४१ | ०९<br>२२ | ०९<br>०४ | ०८<br>४६ | ०८<br>२८ | ०८<br>११ | ०७<br>५४ | ०७<br>३८ | ०७<br>२३ | ०७<br>०८ | ०६<br>५४ | ०६<br>४० | ०६<br>२७ | ०६<br>१४ | ०६<br>०२ | ०५<br>५१ | ०५<br>४१ | ०५<br>३१ | ०५<br>२२ | ०५<br>१३ | ०५<br>०६ | ०४<br>५९ | ०४<br>५३ | ०४<br>४८ | ०४<br>४३ | ०४<br>४० | ०४<br>३७ | ०४<br>३५ |
| नवम्बर (-) | ०४<br>३३ | ०४<br>३३ | ०४<br>३४ | ०४<br>३५ | ०४<br>३७ | ०४<br>४० | ०४<br>४४ | ०४<br>४८ | ०४<br>५४ | ०५<br>०० | ०५<br>०८ | ०५<br>१६ | ०५<br>२५ | ०५<br>३४ | ०५<br>४५ | ०५<br>५६ | ०६<br>०८ | ०६<br>२१ | ०६<br>३५ | ०६<br>५० | ०७<br>०५ | ०७<br>२१ | ०७<br>३८ | ०७<br>५५ | ०८<br>१४ | ०८<br>३२ | ०८<br>५२ | ०९<br>१२ | ०९<br>३३ | ०९<br>३५ | |
| दिसम्बर (-) | १०<br>१७ | १०<br>४० | ११<br>०३ | ११<br>२७ | ११<br>५१ | १२<br>१६ | १२<br>४१ | १३<br>०७ | १३<br>३३ | १३<br>५९ | १४<br>२६ | १४<br>५३ | १५<br>२१ | १५<br>४९ | १६<br>१७ | १६<br>४५ | १७<br>१४ | १७<br>४२ | १८<br>११ | १८<br>४० | १९<br>०९ | १९<br>३८ | २०<br>०७ | २०<br>३६ | २१<br>०५ | २१<br>३४ | २२<br>०३ | २२<br>३१ | २३<br>०० | २३<br>२८ | २३<br>५६ |

स्पष्टान्तर संस्कार का प्रयोग स्थानीय ( लोकल ) समय को मानक ( स्टैण्डर्ड ) में, तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए किया जाता है। यदि स्पष्टान्तर ऋणात्मक ( - ) हो तो धन ( + ) और धनात्मक ( + ) हो तो ऋण ( - ) अर्थात् विपरीत संस्कार स्थानीय समय में करने से स्थानीय समय मानक समय में बदल जाता है। तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए ऋण हो तो ऋण एवं धन हो तो धन यथावत् संस्कार किया जाता है। दिल्ली का स्पष्टान्तर सभी महीनों में ऋणात्मक ( - ) है।

# ग्रहण-विवरण विक्रम संवत् २०७६

## विक्रम-संवत् २०७६ (०६अप्रैल २०१९ ई० से २४ मार्च २०२० तक)

वर्षभर सम्पूर्ण विश्व में निम्नलिखित तीन ग्रहण घटित होंगे।

१. खग्रास सूर्यग्रहण (२/३ जुलाई, २०१९ ई.)
२. खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (१६/१७ जुलाई, २०१९ ई.)
३. कंकण सूर्यग्रहण (२६ दिसम्बर, २०१९ ई.)

आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा १६/१७ जुलाई २०१९ ई.को खण्डग्रास चन्द्रग्रहण तथा पौष कृष्ण अमावस २६ दिसम्बर २०१९ ई.को कंकण सूर्यग्रहण ही भारत में दृष्टिगोचर होगा। इसके अतरिक्त ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा अतः इसका प्रभाव भारत देश पर नहीं पड़ेगा

## भारत में अदृश्य खण्डग्रास सूर्यग्रहण (२/३ जुलाई, २०१९ ई.मंगल/बुधवार)-

यह ग्रहण आषाढ़ अमावस्या मंगलवार तदनुसार २ जुलाई, २०१९ ई. के दिन घटित होगा। इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार रात्रि २२ बजकर २४ मिनट से प्रारम्भ होकर २७ बजकर २२ मिनट तक रहेगा। यह ग्रहण भूमध्य गोल पर दिखाई देगा। यह खग्रास सूर्यग्रहण उत्तरी अमरीका के सुदुरवर्ती दक्षिणी भूभागों पर तथा दक्षिणी अमरीका महाद्वीप के देशों (ब्राजिल, कोलम्बिया पेरु, चिली, अर्जन्टीना आदि) एवं प्रशान्त महासागर में घटित होता हुआ दिखाई देगा भारत में यह ग्रहण दृष्टिगोचर नहीं होगा। इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार इस प्रकार है-

ग्रहण का स्पर्शकाल - २२ बजकर २४ मिनट पर प्रारम्भ
ग्रहण का मध्यकाल - २४ बजकर ५३ मिनट पर मध्यकाल
ग्रहण का मोक्षकाल - २७ बजकर २२ मिनट पर मोक्षकाल

## भारत में दृश्य खण्डग्रास चन्दग्रहण (१६/१७ जुलाई, २०१९ ई.) -

यह खण्ड ग्रास चन्द्रग्रहण आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, मंगलवार तदनुसार १६-१७ जुलाई २०१९ ई० की मध्यरात्रि में प्रायः भारत के सभी प्रान्तो में खण्डग्रास के रूप दिखाई देगा । इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक (IST) समयानुसार निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए-

ग्रहण का स्पर्शकाल - २५ बजकर ३० मिनट
ग्रहण का मध्यकाल - २७ बजकर ०० मिनट
ग्रहण का मोक्षकाल - २८ बजकर ३१ मिनट

यह ग्रहण भारत के सभी प्रान्तो में दृष्टिगोचर होगा। भारत के अतिरिक्त यह ग्रहण यूरोप (नार्वे, स्वीडन, फिनलैण्ड के उत्तरी क्षेत्रों को छोड़कर)। तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (जापान) को छोड़कर सम्पूर्ण एशिया दक्षिणी अमरीका के अधिकतर क्षेत्रों में दिखाई देगा। यहाँ इस ग्रहण के सभी घटनाक्रम स्पर्शकाल से मोक्षकाल पर्यन्त दिखाई देंगें। पूर्वी आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड के कुछ पूर्वी क्षेत्रों,दक्षिणी कोरिया,उत्तरी कोरिया, उत्तर पूर्वी चीन तथा रूस के कुछ क्षेत्रों में इस ग्रहण का आरम्भ चन्द्रास्त के समय दिखाई देगा। जबकि दक्षिणी अमेरीका का (अर्जण्टीना, चिल्ली, पश्चिमी ब्राजिल, पेरू तथा बोल्वीया) में चन्द्रोदय के समय ही इस ग्रहण की समाप्ति का दृश्य देखा जा सकेगा

### ग्रहण का सूतक काल-

इस ग्रहण का सूतक १६ जुलाई २०१९ सायं ०४ बजकर ३० मिनट पर प्रारम्भ हो जाएगा । ग्रहण के सूतक और ग्रहण काल में स्नान, दान, तर्पण, जप, तप धार्मिक ग्रन्थों का पाठ हवन आदि शुभ कार्मो को करना कल्याण प्रद होगा।

### ग्रहण का राशि फल

यह ग्रहण उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में घटित हो रहा है उत्तराषाढ़ा के प्रथम चरण में प्रारम्भ तथा द्वितीय चरण में समाप्ति है। अतः धनु एवं मकर राशि में उत्पन्न जातकों के लिए यह विशेष रूप से कष्टप्रद रहेगा ऐसे लोगों के लिए ग्रहण काल में महामृत्युञ्जय मंत्र जाप, दान,औषधि स्नानादि उपाय करना शुभ रहेगा। चन्द्र, राहु तथा राशि स्वामी का भी मन्त्र जाप, दानादि करने से विशेष लाभ प्रद रहेगा । निम्नलिखित कोष्ठकों में मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के लिए इस ग्रहण का फल दर्शाया गया है।

| राशि | फल |
|---|---|
| मेष | रोग का भय, शारीरिक कष्ट, एवं चिन्ता |
| वृष | संतति चिन्ता एवं कष्ट, मान हानि |
| मिथुन | सुख का लाभ, शत्रु पर विजय, धनागम |
| कर्क | स्त्री/पति कष्ट, मानसिक कष्ट, उद्योग में अवरोध |
| सिंह | संघर्ष, गुप्त चिन्ता, रोग पीड़ा |
| कन्या | मान नाश, खर्च अधिक, व्यावसाय में बाधा |
| तुला | कार्य सिद्धि, धन का लाभ,सुख प्राप्ति। |
| वृश्चिक | धन लाभ, शुभ कार्यों में खर्च, मान -सिक सुख प्राप्ति। |
| धनु | धन हानि, चोट, धन व्यय, व्यर्थ यात्रा, शारीरिक कष्ट |
| मकर | शारीरिक पीड़ा, चोट, मानसिक चिन्ता |
| कुम्भ | धन हानि, व्यर्थ खर्च, व्यावसायिक धन का नाश |
| मीन | धन की वृद्धि, धन लाभ परिवारिक खुसी |

**ग्रहण का जन-जीवन पर प्रभाव -**

यह ग्रहण उत्तरायण के अन्तिम चरण में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव ब्राह्मण एवं क्षत्रिय के लिए कष्ट प्रद रहेगा अर्थात् शिक्षा से आजीविका चलाने वाले तथा अस्त्र शास्त्र से जीवन यापन करने वालों के लिए विशेष रूप से चिन्तनीय है।

**"उत्तरायणसन्दृष्टो ब्रह्मक्षत्रविनाशनः" (गर्गः)**

यह ग्रहण धनु एवं मकर राशि में घटित हो रहा है अतः धनु राशिस्थ ग्रहण का प्रभाव मन्त्री, प्रधान मनुष्य, घोड़ा, विदेह देश (मिथिला) में निवास करने वाले मनुष्य, बाहुयुद्ध करने वाले मनुष्य, पंजाब देश में निवास करने वाले मनुष्य, वैद्य, व्यापारी, कठोर अस्त्र को चलाने वालों के लिए कष्ट प्रद रहेगा तथा मकर राशिस्थ ग्रहण है, जिसका प्रभाव मछली, मन्त्रियों का कुल, नीच काम करने वाले मनुष्य, मन्त्र और औषध को जानने वाले, वृद्ध, शस्त्र से आजीविका चलाने वालों को भी पीड़ा दायक रहेगा।

**"धन्विन्यमात्यवरवाजिविदेहमल्लान्।**
**पाञ्चालवैद्यवणिजो विषमायुधज्ञान्"**
**"हन्यान्मृगे तु झषमन्त्रिकुलानि नीचान्।**
**मन्त्रौषधीषु कुशलान् स्थविरायुधीयान्"**
**(बृ.सं.रा.चा.अ.श्लो-४१)**

यह चन्द्रग्रहण आषाढ़ शुक्ल पूर्णमासी को दृष्टिगोचर हो रहा है। अतः इसका प्रभाव वापी, कूप, तालाब के तट में रहने वाले लोग, फल-मूल खाकर समय-यापन करने वाले,गान्धर, काश्मीर, पुलिन्द तथा चीन आदि देश में वसने वाले लोगों के लिए कष्टप्रद रहेगा। नदी के प्रवाह को प्रभावित करेगा और मण्डलवृष्टि अर्थात् कहीं कहीं वर्षा होगी।

**"आषाढ़पर्वण्युदपानवप्रनदीप्रवाहान् फलमूलवार्तान् ।**
**गान्धारकाश्मीरपुलिन्दचीनान् हतान् वदेन्मण्डलवर्षमस्मिन्।।"**
**(बृ.सं.रा.चा.अ.श्लो - ७७)**

## भारत में दृश्य सूर्यग्रहण (२६ दिसम्बर २०१९ ई.)

यह कंकण सूर्यग्रहण पौष अमावस बृहस्पतिवार, तदनुसार २६ दिसम्बर २०१९ ई. को प्रातः काल ०८ बजे से १३ बजकर ३७ मिनट तक भारत में सर्वत्र दिखाई देगा। इस ग्रहण की कंकण आकृति भारत के केरल, तमिलनाडू तथा कर्नाटक के दक्षिण-भागों में ही दिखाई देगी। शेष भारत के सभी प्रान्तों में खण्डग्रास के रूप में ही दिखाई देगा। इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार निम्नलिखित है-

| | |
|---|---|
| ग्रहण का स्पर्शकाल | ०८:०० बजे है |
| ग्रहण का मध्यकाल | १० बजकर ४७ मिनट पर |
| ग्रहण का मोक्षकाल | १३ बजकर ३७ मिनट पर |

ग्रहण का सूतक काल

इस ग्रहण का सूतक २५ दिसम्बर २०१९ ई. की रात्रि में भारतीय मानक समयनुसार ०८:०० बजे प्रारम्भ हो जाएगा।

ग्रहण के सम्पूर्ण सूतककाल ज्योतिर्निबिघ्न ग्रन्थानुसार जब ग्रहण प्रारम्भ हो, तो स्नान-जप, ग्रहण के मध्य काल में होम तथा देव स्तुति और मोक्षासन्न होने पर दान, पूर्णरूपेण मोक्ष होने पर स्नान आदि का विधान है।

**स्पर्शे स्नानं जपं कुर्यान्मध्ये होमं सुरार्चनम् ।**
**मुच्यमाने सदा दानं विमुक्तौ स्नानमाचरेत।। (ज्यो. नि.)**

पुराण के अनुसार राहु–केतु नाम के राक्षस जब सूर्य चन्द्रमा को ग्रस लेते हैं तब ग्रहण होता है। ज्योतिषशास्त्र एवं अर्वाचीन के मातानुसार विमण्डलवृत्त एवं क्रान्तिवृत आपस में दो स्थानों पर सम्पात करते हैं। एक का नाम राहु, दूसरे का नाम केतु है जब इसके समीप सूर्य या चन्द्र विम्ब आता है तब ग्रहण की स्थिति होती है। सूर्य एवं चन्द्रमा से निकलने वाली सकरात्मक किरणें समस्त जीवों के लिए ऊर्जा प्रदान करती हैं परन्तु ग्रहण होने पर इन्हीं किरणों में विकृति आ जाती है ऐसी स्थिति ग्रहण काल में इन से आने वाली नकारात्मक प्रभाव से बचने हेतु जप, दान, स्नान, आदि का विधान शास्त्रों में वर्णित है। सूर्य तथा चन्द्र को देवता मानते हुए इनकी शक्ति को बढ़ाने हेतु इनकी स्तुति की जाती है। इसीलिए सूर्य ग्रहण के समय , वेदों में उद्धृत सूर्य स्तुति, आदित्य हृदय स्तोत्र, सूर्यसिद्धान्त आदि का पाठ करना स्वोत्कर्ष हेतु श्रेयस्कर होता है।

## ग्रहण का राशि फल

यह सूर्यग्रहण मूल नक्षत्र तथा धनु राशि स्थित घटित होगा। अतः धनु राशि में उत्पन्न जातकों के लिए कष्टप्रद रहेगा। अतः सूर्यग्रहण में सूर्य और केतु का जप तथा दान, और चन्द्र ग्रहण में चन्द्र तथा राहु का जप दान करना श्रेयस्कर रहेगा मेषादि बारह राशियों पर इस ग्रहण का प्रभाव इस प्रकार है–

| राशि | फल |
|---|---|
| मेष | मानसिक चिन्ता, सन्तान सम्बन्धित परेशानी तथा कष्ट |
| वृष | शत्रुओ से परेशानी तथा भय, अधिक श्रम लाभ साधारण। |
| मिथुन | स्त्री/पति को शारीरिक पीड़ा, पारिवारिक कलह तथा कष्ट। |
| कर्क | गुप्त चिन्ता, रोग का भय, व्यर्थ यात्रा। |
| सिंह | विलम्ब से कार्य सिद्धि, खर्च की बाहुल्यता। |
| कन्या | मन वाञ्छित फल की प्राप्ति तथा कार्य सिद्धि। |
| तुला | संचित धन का लाभ, मानसिक सुख। |
| वृश्चिक | अपव्यय, संचयित धन की हानि, व्यापार में लगाए धन मन्द स्थिति में । |
| धनु | आकस्मिक दुर्घटना, चोट का भय, मानसिक अशान्ति। |
| मकर | धन हानि ऋण के रूप में, रोग में खर्चा। |
| कुम्भ | सर्वाङ्गीण विकास, अनेक प्रकार से लाभ तथा सुख की प्राप्ति, |
| मीन | रोग से परेशानी, मान-हानि शारीरिक कष्ट, शत्रु से भय। |

## ग्रहण का जन जीवन पर प्रभाव

यह ग्रहण दक्षिणायन में घटित हो रहा है अतएव इसका प्रभाव वैश्य अर्थात् व्यापार से आजीविका चलाने वाले लोगों तथा छोटे कुल में उत्पन्न लोगों के लिए कष्ट प्रद रहेगा

**"दक्षिणायनगो राहुर्वैश्यशूद्रविनाशनः" (गर्ग)**

यह ग्रहण धनु राशि में घटित हो रहा है। इसलिए इसका प्रभाव, सचिव, मन्त्री, नगर या ग्राम के प्रधान मनुष्य, मिथिला में निवास करने वाले लोग, मल युद्ध करने वाले लोग, पंजाब में निवास करने वाले लोग, डॉक्टर, वैद्य, व्यापारी वर्ग, कठोर अस्त्र को चलाने वाले लोग, इन सबों के लिए यह ग्रहण प्रतिकूल फलसूचक रहेगा। यह कंकण सूर्यग्रहण पौष अमावस को दृष्टिगोचर हो रहा है। अतः इसका प्रभाव ब्राह्मण वर्ण तथा वर्ग के लोग, क्षत्रिय वर्ण या वर्ग के लागों के लिए यह ग्रहण फल प्रतिकूल फलित होगी। सैन्धव, कुकुर और विदेह देशवासियों के लिए भी कष्टप्रद रहेगा। संसार में थोड़ी वृष्टि होगी; दुर्भिक्ष की स्थिति रहेगी तथा लोगों में भय व्याप्त रहेगा)

**" पौषे द्विजक्षत्रजनोपरोधः ससैन्धवाख्याः कुकुरा विदेहाः**
**ध्वंसं व्रजन्त्यत्र च मन्दवृष्टिं भयं च विद्यादसुभिक्षयुक्तम"**
**(बृ.सं.रा.अ.श्लो.७१)।।**

**डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी**
**सह–आचार्य, ज्योतिष–विभाग**

# संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय विक्रम संवत् २०७६

## श्रीरामनवमी (१३ अप्रैल, २०१९ ई. शनिवार)

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल मध्याह्नव्यापिनी चैत्र शुक्ल नवमी तिथि एवं पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था। अतः उसी दिन श्रीरामनवमी का व्रत किया जाता है। यथा-

**चैत्रशुक्लनवमी रामनवमी । चैत्रशुक्लनवम्यां पुनर्वसुयुतायां मध्याह्ने श्रीरामजन्म श्रवणात् ।।**

पहले दिन नवमी तिथि मध्याह्नव्यापिनी हो तो उसी दिन व्रत करना चाहिए। तथा दूसरे दिन सूर्योदयकाल में नवमी तिथि न मिले अथवा तीन मुहूर्त्त से न्यून होने पर अष्टमी से युक्त नवमी तिथि में ही व्रत करना चाहिए।

इस वर्ष दिनांक १४ अप्रैल को नवमी तिथि ६ घं.-३६ मि. तक व्याप्त रहेगी। इसके पश्चात दशमी तिथि आरम्भ हो जाएगी। अतः नवमी तिथि मध्याह्न का स्पर्श नहीं कर पाएगी, इस कारण इस दिन रामनवमी का पर्व नही मनाया जाएगा। दिनांक १३ अप्रैल को नवमी तिथि ११ घं.-४२ मि. के बाद प्रारम्भ होगी अतः मध्याह्नकाल में व्याप्त होगी इस कारण रामनवमी का व्रत एवं पर्व दिनांक १३ अप्रैल शनिवार को मनाना शास्त्रोचित होगा।

## वट सावित्री व्रत (३ जून, २०१९ ई. सोमवार) -

वट सावित्री व्रत उत्तर भारत में ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को किया जाता है। और दक्षिण भारत में यह व्रत ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को किया जाता है। इन दोनों परम्पराओं में यह पूर्व (चतुर्दशी) विद्धा अमावस्या या पूर्णिमा के दिन ही किया जाता है। यथा-

**भूतविद्धा न कर्तव्या दर्शः पूर्णा कदाचन।**
**वर्जयित्वा मुनिश्रेष्ठ सावित्रीव्रतमुत्तमम्।।** (ब्रह्मवैवर्त्त पुराण)

**अतः इस वर्ष यह व्रत उत्तर भारत में दिनांक ३ जून २०१९ ई. को करना प्रशस्त होगा। क्योंकि इस दिन अमावस्या चतुर्दशी विद्धा है।**

## रम्भा तृतीया व्रत (५ जून, २०१९ ई. बुधवार)

रम्भा तृतीया का व्रत ज्येष्ठ शुक्ल पूर्व विद्धा तृतीया तिथि में करना प्रशस्त माना गया है। यथा-

**ज्येष्ठशुक्लतृतीयायां रम्भाव्रतम्।। सा पूर्वविद्धा ग्राह्या ।।**

इस वर्ष दिनांक ५ जून बुधवार को तृतीया तिथि द्वितीयाविद्धा है। अतः इस दिन रम्भातृतीया का व्रत करना शास्त्रसम्मत होगा।

## गंगादशहरा (१२ जून, २०१९ ई. बुधवार)

ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को पृथ्वी पर गंगा अवतरण हुआ था, इसकी दशहरा संज्ञा है। इसमें दस योग कहे गए हैं (१) ज्येष्ठ मास, (२) शुक्लपक्ष, (३) दशमीतिथि, (४) बुधवार, (५) हस्तनक्षत्र, (६) व्यतीपात योग, (७) गरकरण, (८) आनन्दयोग, (९) कन्या का चन्द्रमा, (१०) वृष का सूर्य इन दस योगों से परिपूर्ण दशहरा अत्यन्त शुभफलदायक होता है। यथा -

**ज्येष्ठशुक्लदशम्यां गंगावतारः।। इयं दशहरासंज्ञिका।। अत्र दस योगा उक्ताः।। ज्येष्ठे मासि १ सितेपक्षे २ दशम्यां ३ बुध ४ हस्तयोः।। व्यतीपाते ६ गरा ७ नन्दे ८ कन्याचन्द्रे ९ वृषे रवौ १० इति।। बुधवारहस्तयोगे आनन्दाख्यो योगः।।** (धर्मसिन्धुः)

इस योग में गंगास्नान करने से सब प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। यथा - दशयोगे नरः स्नात्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।।

इस वर्ष दिनांक १२ जून बुधवार को ऐसा ही सुयोग बन रहा है जो कि अत्यन्त पुण्यदायी है। अतः इस दिन गंगा दशहरा मनाना प्रशस्त होगा।

**कुमार षष्ठी (७ जुलाई, २०१९ ई. रविवार)**

कुमार षष्ठी का व्रत पंचमी विद्धा षष्ठी के दिन किया जाता है। यथा-

**षष्ठी स्कन्दव्रते पूर्वविद्धा ।। (धर्मसिन्धुः)**

इस वर्ष दिनांक ७ जुलाई रविवार को षष्ठी तिथि पंचमीविद्धा है। अतः इस दिन यह व्रत करना शास्त्रसम्मत होगा।

**श्री कृष्ण जन्माष्टमी – २३ अगस्त, २०१९ ई. शुक्रवार (स्मार्त)**
**– २४ अगस्त, २०१९ ई. शनिवार (वैष्णव)**

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास में कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि, वृषराशि एवं रोहिणी नक्षत्र स्थित चन्द्रमा में अर्धरात्रि के समय हुआ था। यथा-

**मासि भाद्रपदेऽष्टम्यां कृष्णपक्षेऽर्द्धरात्रिके।**
**वृषराशिस्थिते चन्द्रे नक्षत्रे रोहिणीयुते ।।**

अष्टमी तिथि यदि दो दिन व्याप्त हो तो प्रतिवर्ष यह पर्व स्मार्त्त एवं वैष्णव सम्प्रदाय के अनुयायी अपने-अपने नियमों के अनुसार मनाते हैं। इस वर्ष दिनांक २३ अगस्त, २०१९ ई. को ८घं.-०९ मि. पर प्रारम्भ हो रही है तथा इस समय चन्द्रमा वृष राशि में है अतः इस योग के प्रभाव से स्मार्त सम्प्रदाय के अनुययियों के लिए जन्माष्टमी का पर्व मनाना प्रशस्त होगा।

वैष्णव सम्प्रदाय के अनुयायी औदयिक अष्टमी तिथि में जन्माष्टमी का पर्व मनाते हैं। इस वर्ष दिनांक २४ अगस्त, २०१९ ई. को सूर्योदयकाल में अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र, वृषराशिस्थ चन्द्रमा भी हैं अतः वैष्णवों के लिए इस दिन जन्माष्टमी पर्व मनाना उचित होगा।

**एकादशी/द्वादशी के पितृपक्षश्राद्ध – (२५ सितम्बर, २०१९ ई. बुधवार)**

धर्मशास्त्रानुसार पितृपक्ष में अपराह्नव्यापिनी तिथि में मृत व्यक्ति का पार्वण श्राद्ध करने का विधान है। इस वर्ष दिनांक २५ सितम्बर को एकादशी का श्राद्ध होगा। क्योंकि इसदिन अपराह्नकाल में एकादशी तिथि व्याप्त है। दिनांक २५ सितम्बर, २०१९ ई. को ही द्वादशी का श्राद्ध होगा क्योंकि द्वादशी तिथि इस दिन अपराह्नव्यापिनी है।

**विजयदशमी – (८ अक्टूबर, २०१९ ई. मंगलवार)**

विजयदशमी का पर्व अपराह्नव्यापिनी दशमी तिथि तथा श्रवण नक्षत्र में मनाने का विधान है। इस वर्ष दिनांक ८ अक्टूबर, २०१९ ई. को अपराह्न में दशमी तिथि व्याप्त है। एवं श्रवण नक्षत्र भी उपलब्ध है तथा दशमी तिथि औदयिक भी है। अतः इस दिन विजयदशमी का पर्व मनाना शास्त्रोचित होगा।

**धनतेरस – (२५ अक्टूबर, २०१९ ई. शुक्रवार)**

कार्तिक कृष्ण प्रदोषव्यापिनी त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है। इस दिन सोना, चाँदी एवं पीतल खरीदना शुभ होता है।

इस वर्ष कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि दिनांक २५ अक्टूबर, २०१९ को प्रदोषव्यापिनी है। अतः इस दिन यह पर्व मनाना शास्त्र सम्मत होगा।

**वैकुण्ठ चतुर्दशी – (१० नवम्बर, २०१९ ई. रविवार)**

कार्तिक शुक्ल अरूणोदयव्यापिनी चतुर्दशी को वैकुण्ठ चतुर्दशी मनाने का विधान है। इसे मनाने की दो परम्पराएं हैं।

प्रथम परम्परानुसार इस दिन भक्तगण उपवास रखकर रात्रि में जागरण करके विष्णुपूजा करते हैं। ये लोग निशीथव्यापिनी चतुर्दशी में यह पर्व मनाते हैं। यदि दोनों दिन चतुर्दशी निशीथव्यापिनी हो तो प्रदोष एवं निशीथ दोनों कालों में

चतुर्दशी में यह पर्व मनाते हैं। यदि दोनों दिन चतुर्दशी निशीथव्यापिनी हो तो प्रदोष एवं निशीथ दोनों कालों में चतुर्दशी जिस दिन व्याप्त हो उसी दिन विष्णुभक्त वैकुण्ठ चतुर्दशी मनाते हैं। यथा–

केचित्तु विष्णुपूजायामियं निशीथव्यापिनी ग्राह्या, दिनद्वये तदव्याप्तौ

निशीथप्रदोषोमयव्यापिनी ग्राह्येत्याहुः।। (धर्मसिन्धुः)

द्वितीय परम्परानुसार प्रथम दिन व्रत करके अरूणोदयव्यापिनी चतुर्दशी में शिवपूजन करके प्रातःकाल पारणा करने का विधान है। इस परम्परा के अनुयायी अरूणोदयव्यापिनी चतुर्दशी जिस अहोरात्र में हो उस दिन उपवास करते हैं और उसी दिन वैकुण्ठ चतुर्दशी मनाते हैं। यदि चतुर्दशी दोनों दिन अरूणोदयव्यापिनी हो तो पहले दिन उपवास और दूसरे दिन अरूणोदय में पूजन करना चाहिए। यदि चतुर्दशी दोनों दिन अरुणोदय का स्पर्श न करे तो चतुर्दशी तिथि वाले दिन अहोरात्र में अरुणोदय के समय पूजन करना चाहिए और पूजन से पहले इसी अहोरात्र में उपवास करना चाहिए। यथा–

पूर्वेद्युरूपवासं कृत्वा अरूणोदयव्यापिन्यां चतुर्दश्यां शिवं सम्पूज्य,
प्रातः पारणं कार्यम्। तथा च चतुर्दशीयुक्तारूणोदयवति अहोरात्रे
उपवासः फलितः उभयत्रारुणोदयव्याप्तौ परत्रारूणोदये पूजा, पूर्वत्र
उपवासः। उभयत्राव्याप्तौ चतुर्दशीयुक्ताहोरात्रे एव अरूणोदये
पूजा पूर्वत्रोपवासश्च। (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष दिनांक १० नवम्बर २०१६ को चतुर्दशी प्रदोष एवं निशीथ व्यापिनी है अतः विष्णु पूजा एवं व्रत इसी दिन होगा। शिवभक्त भी इसी दिन अरुणोदयव्यापिनी चतुर्दशी के दिन व्रत कर अरुणोदय में शिवपूजा करके ११ नवम्बर, २०१६ ई. को प्रातः पारणा करना शास्त्र सम्मत होगा।

## संकष्ट चतुर्थी व्रत– (१३ जनवरी, २०२० ई. सोमवार)

संकष्ट चतुर्थी का व्रत चन्द्रोदयव्यापिनी माघ कृष्ण चतुर्थी वाले दिन मनाने का विधान है। तृतीयायुता चतुर्थी शास्त्रानुसार प्रशस्त मानी गई है। यथा–

चतुर्थी गणनाथस्य मातृविद्धा प्रशस्यते।।

इस निर्णयानुसार इस वर्ष दिनांक १३ जनवरी, २०२० ई. को तृतीया चतुर्थी विद्धा है तथा चतुर्थी चन्द्रोदयव्यापिनी भी हैं। अतः इस दिन संकष्टचतुर्थी का व्रत करना श्रेष्ठ होगा।

## वसन्त पंचमी– (३० जनवरी, २०२० ई. गुरुवार)

माघ शुक्ल पंचमी को वसन्तपंचमी कहते है। इस दिन विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना विशेष रूप से की जाती है तथा वसन्तोत्सव का आरम्भ भी इसी दिन होता है। यथा–

माघशुक्लपंचमी वसन्त पंचमी तस्या वसन्तोत्सवारम्भः।। (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष ३० जनवरी,२०२० ई. को पंचमी तिथि पूर्वाह्नव्यापिनी है तथा औदयिक भी है। अतः इस दिन वसन्तपंचमी का पर्व मनाना शास्त्र सम्मत होगा।

## महाशिवरात्रि व्रत– (२१ फरवरी, २०२० ई. शुक्रवार)

महाशिवरात्रि का व्रत निशीथव्यापिनी फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को करने का विधान है। इस वर्ष यह तिथि दिनांक २१ फरवरी, २०२० को निशीथव्यापिनी है, अतः इस दिन व्रत करना प्रशस्त होगा।

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
(ज्योतिष–विभाग)

# विक्रम संवत् २०७६ के माङ्गलिक मुहूर्त्तों के लिए काल शुद्धि

## कालशुद्धि

सामान्यतया गुरु एवं शुक्र के अस्तकाल, श्राद्धपक्ष, भीष्मपञ्चक, होलिकाष्टक, पौषमास व चैत्रमास में विवाहादि संस्कारों एवं अन्य माङ्गलिक कार्य के लिए वर्जित काल माना गया है। उपनयन संस्कार चैत्रमास में भी किया जाता है तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किया जा सकता है। इस वर्ष वि.सं. २०७६ के माङ्गलिक मुहूर्तों के सन्दर्भ में कालशुद्धि का विवरण निम्न है।

### १. गुरु अस्त

वि.सं. २०७६ में पौष कृष्ण पक्ष १ शुक्रवार दिनाङ्क १३ दिसम्बर, २०१९ से पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा दिनाङ्क १० जनवरी, २०२० तक गुर्वस्त रहेगा। गुर्वस्त से ३ दिन पूर्व में वृद्धावस्था तथा उदय के ३ दिन बाद बाल्यावस्था का समय माङ्गलिक कार्यों में वर्जित है।

### २. शुक्र अस्त

इस वर्ष श्रावण कृष्ण पक्ष ६ मंगलवार दिनाङ्क २३.जुलाई २०१९ से भाद्रपद शुक्ल ११ सोमवार दिनाङ्क ९ सितम्बर २०१९ तक शुक्रास्त रहेगा। उदय अस्त से ३ दिन की वृद्धा व बाल्यावस्था का समय शुभकार्यों में वर्जित है।

### ३. श्राद्ध पक्ष

वि.सं. २०७६ में श्राद्धपक्ष का समय दिनांक १३ सितम्बर, २०१९ से २८ सितम्बर, २०१९ तक रहेगा। इस कालावधि में माङ्गलिक कार्य वर्जित हैं।

### ४. भीष्मपञ्चक

इस वर्ष कार्तिक शुक्ल ११ शुक्रवार से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार तदनुसार ८ नवम्बर, २०१९ से १२ नवम्बर, २०१९ तक भीष्मपञ्चक रहेंगे जो माङ्गलिक कार्यों में त्याज्य हैं।

### ५. पौष सौर-मास

वि.सं. २०७६ में १६ दिसम्बर, २०१९ से १४ जनवरी, २०२० तक ( पौष कृष्ण पक्ष ५ सोमवार से माघ कृष्ण पक्ष ४ मंगलवार तक ) सौर पौष मास का समय विवाहादि संस्कारों में वर्जित है।

### ६. होलिकाष्टक

इस वर्ष दिनांक ३ मार्च, २०२० से ९ मार्च, २०२० तक ( फाल्गुन शुक्लाष्टमी से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक ) होलिकाष्टक के कारण शुभकार्य वर्जित रहेंगे।

### ७. चैत्र सौर-मास

वि.सं. २०७६ वर्षारम्भ ६ अप्रैल, २०१९ से १४ अप्रैल, २०१९ तक ( चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा शनिवार से चैत्र शुक्ल नवमी रविवार तक ) तथा दिनांक १४ मार्च, २०२० से २४ मार्च, २०२० तक चैत्र कृष्ण ६ शनिवार से वर्षान्त तक चैत्रमास का समय माङ्गलिक मुहूर्तों के लिए त्याज्य रहेगा।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्रराशि | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **१४ अप्रैल २०१९ से १६ मई २०१९ तक वैशाख सौर मास** | | | | | | | | | |
| १७.०४.२०१९ | चैत्र शुक्ल १३ | बुध | उ.फा. | मेष | वृश्चिक | कन्या | ० । । । ० । । । । । | ८ | दि. ल. ४, शु. दान, ५ |
| १७.०४.२०१९ | चैत्र शुक्ल १३ | बुध | हस्त | मेष | वृश्चिक | कन्या | । । । ० ० । ० । । । | ७ | ल. १० |
| १८.०४.२०१९ | चैत्र शुक्ल १४ | गुरु | हस्त | मेष | वृश्चिक | कन्या | । । । ० ० । ० । । । | ७ | दि. ल. ४, गु. दान, ५ |
| १९.०४.२०१९ | चैत्र शुक्ल १५ | शुक्र | चित्रा* | मेष | वृश्चिक | तुला | । ० । । । । । ० । । | ८ | दि. ल. ४, शु. दान, ५ |
| १९.०५.२०१९ | चैत्र शुक्ल १५ | शुक्र | स्वाति | मेष | वृश्चिक | तुला | ० । । ० ० । ० ० । । | ५ | ल. १०, ११ |
| २०.०४.२०१९ | वैशाख कृष्ण ०१ | शनि | स्वाति | मेष | वृश्चिक | तुला | ० । । ० ० । ० ० । । | ५ | दि. ल. ४, गु., दान, ५ |
| २२.०४.२०१९ | वैशाख कृष्ण ०३ | सोम | अनुराधा | मेष | वृश्चिक | तुला | । ० । । । । ० । । । | ८ | दि. ल. ४, गु. दान, ५ (भद्रा ११/२५ तक) |
| २६.०४.२०१९ | वैशाख कृष्ण ०७ | शुक्र | श्रवण* | मेष | वृश्चिक | मकर | ० ० । । । । ० ० । । | ६ | ल. ११, १२ |
| २७.०४.२०१९ | वैशाख कृष्ण ०८ | शनि | श्रवण* | मेष | वृश्चिक | म./कु. | ० ० । । । । ० ० । । | ६ | दि. ल. ५ चं. दान |
| २८.०४.२०१९ | वैशाख कृष्ण ०९ | रवि | धनिष्ठा* | मेष | वृश्चिक | कुम्भ | । । । । । ० ० ० । । | ७ | दि. ल. ५ चं. दान, ११, १२ |
| ०१.०५.२०१९ | वैशाख कृष्ण १२ | बुध | उ.भा. | मेष | वृश्चिक | मीन | । ० । । । । । ० । । | ८ | दि. ल. ४ (१०/५२ से) १० श. दान, ११ |
| ०२.०५.२०१९ | वैशाख कृष्ण १३ | गुरु | उ.भा. | मेष | वृश्चिक | मीन | । ० । । । ० । ० । । | ७ | दि. ल. ४ |
| ०२.०५.२०१९ | वैशाख कृष्ण १३ | गुरु | रेवती | मेष | वृश्चिक | मीन | ० । ० । । ० ० । । । | ६ | ल. १० श. दान, ११ |
| ०६.०५.२०१९ | वैशाख शुक्ल ०२ | सोम | रोहिणी | मेष | वृश्चिक | वृष | । । । । । । ० । । । | ९ | ल. १० श. दान, ११ |
| ०७.०५.२०१९ | वैशाख शुक्ल ०३ | सोम | रोहिणी | मेष | वृश्चिक | वृष | । । । । । ० ० । । । | ८ | दि. ल. ४ |
| १२.०५.२०१९ | वैशाख शुक्ल ०८ | रवि | मघा | मेष | वृश्चिक | सिंह | । । । । । । । ० । । | ९ | दि. ल. ४ (११/५५ से) ५ च. दान, गोधूलि |

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु | | | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्रराशि | | | |
| **१६ मई २०१९ से १५ जून २०१९ तक ज्येष्ठ सौर मास** | | | | | | | | | |
| १७.०५.२०१९ | वैशाख शु.१३/१४ | शुक्र | स्वाति | वृष | वृश्चिक | तुला | । ० । । ० ० ० । । । | ६ | दि. ल. ५, १० श. दान, ११ |
| १९.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ०१ | रवि | अनुराधा | वृष | वृश्चिक | तुला | । । । । ० । ० । । । | ८ | दि.ल.४,५,६,म.दान,७श.दान,११(२६/७)तक |
| २३.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ०५ | गुरु | उ.षा. | वृष | वृश्चिक | ध/मकर | । । । । ० ० ० ० । । | ६ | दि. ल., मं. दान, १२ |
| २४.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ०६ | शुक्र | श्रवण* | वृष | वृश्चिक | मकर | । । । । । ० ० । । । | ८ | दि. ल. ६ म. दान, १२ |
| २५.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ०७ | शनि | धनिष्ठा* | वृष | वृश्चिक | कुम्भ | ० । । । । । । ० । । | ८ | ल. १० श. दान (००/०८ से मृत्युबाण) |
| २८.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ०९ | भौम | उ.भा. | वृष | वृश्चिक | मीन | । । । । । । । ० । । | ९ | ल. १० श. दान, ११ |
| २९.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण १० | बुध | रेवती | वृष | वृश्चिक | मीन | ० । । । । ० ० ० । । | ६ | ल. १० श दान, ११ |
| ३०.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ११ | गुरु | रेवती | वृष | वृश्चिक | मीन | ० । । । । । ० ० । । | ७ | दि. ल. ४ |
| ३०.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण ११ | गुरु | अश्विनी* | वृष | वृश्चिक | मेष | । । । । । । । ० । । | ९ | ल. ११ |
| ३१.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृष्ण १२ | शुक्र | अश्विनी* | वृष | वृश्चिक | मेष | । । । । । ० । ० । । | ८ | दि. ल. ४, ५ |
| ०८.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल ०६ | शनि | मघा | वृष | वृश्चिक | सिंह | । ० । । । । । । । । | ९ | ल. १२ |
| ०९.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल ०७ | रवि | मघा | वृष | वृश्चिक | सिंह | । ० । । । ० । । । । | ८ | दि. ल. ४, ५ चं. दान |
| १०.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल ०८ | सोम | उ.फा. | वृष | वृश्चिक | सिं/क. | । । । । । । । ० । । | ९ | दि. ल. ७, १२ चं. दान |
| ११.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल ०९ | मंगल | उ.फा. | वृष | वृश्चिक | कन्या | । । । । । ० । ० । । | ८ | दि. ल. ४, ५ |
| ११.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल ०९ | मंगल | हस्त | वृष | वृश्चिक | कन्या | । ० । । । ० ० । । । | ७ | ल. १० |
| १२.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल १० | बुध | हस्त | वृष | वृश्चिक | कन्या | । ० । । । । ० । । । | ८ | दि. ल. ४, ५ (११/५१ तक) |
| १२.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल १० | बुध | चित्रा* | वृष | वृश्चिक | क./तु | । । । । । । । ० । । | ९ | ल. १० |

**नोट:-** लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा** कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु | | | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्रराशि | | | |
| **१६ जून २०१९ से १६ जुलाई २०१९ तक आषाढ़ सौर मास** | | | | | | | | | |
| १६.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शुक्ल १४ | रवि | अनुराधा | मिथुन | वृश्चिक | वृश्चिक | । । । । । । । । । । | १० | दि. ल., १० |
| २०.०६.२०१९ | आषाढ़ कृष्ण ०३ | गुरु | श्रावण* | मिथुन | वृश्चिक | मकर | । । । । । ० । ० । । | ८ | ल. १२, १ |
| २१.०६.२०१९ | आषाढ़ कृष्ण ०४ | शुक्र | श्रावण* | मिथुन | वृश्चिक | मकर | । । । । । । । ० । । | ९ | दि. ल. ५ चं. दान, ६ मं. दान |
| २१.०६.२०१९ | आषाढ़ कृष्ण ०४ | शुक्र | धनिष्ठा* | मिथुन | वृश्चिक | मकर | ० ० । । । । । ० । । | ७ | ल. १२, १ |
| २२.०६.२०१९ | आषाढ़ कृष्ण ०५ | शनि | धनिष्ठा* | मिथुन | वृश्चिक | म/कु. | ० ० । । । ० । ० । । | ६ | दि. ल. ७ |
| २५.०६.२०१९ | आषाढ़ कृष्ण ०८ | मंगल | उ.भा. | मिथुन | वृश्चिक | मीन | । । । । । । । ० । ० | ८ | दि. ल. ४ मं. दान, ५ चं. दान, ११,१ |
| २७.०६.२०१९ | आषाढ़ कृष्ण १० | गुरु | अश्विनी* | मिथुन | वृश्चिक | मेष | ० । । । । ० । ० । । | ७ | दि. ल. ५ |
| ०६.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल ०४ | शनि | मघा | मिथुन | वृश्चिक | सिंह | ० । । । । ० । । । । | ८ | दि. ल. ७ मं. दान, ८ शु.दान |
| ०७.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल ०५ | रवि | उ.फा. | मिथुन | वृश्चिक | सिं/क. | । । । । । । । । । । | १० | ल. १. गु. शु.दान |
| ०८.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल ६/७ | सोम | उ.फा. | मिथुन | वृश्चिक | कन्या | । । । । । ० । । । । | ९ | दि. ल. ५, ८ शु.दान |
| ०९.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल ८ | भौम | चित्रा | मिथुन | वृश्चिक | कन्या | । । । । । । । ० । ० | ८ | दि. ल. ८, गु. दान |
| १०.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल ९ | बुध | चित्रा | मिथुन | वृश्चिक | तुला | । । । । । । । ० । । | ९ | दि. ल. ५, ६ |
| १०.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल ९ | बुध | स्वाति | मिथुन | वृश्चिक | तुला | । । । । । ० ० । । । | ८ | ल. गोधूलि, ११ |
| ११.०७.२०१९ | आषाढ़ शुक्ल १० | गुरु | स्वाति | मिथुन | वृश्चिक | तुला | । । । । । ० ० । । । | ८ | दि. ल. ५, ६ |

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा** कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु | | | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्रराशि | | | |
| **१५ सितम्बर २०१९ से १७ अक्तूबर २०१९ तक आश्विन सौर मास (केवल हि.प्र. जम्मू .व का. एवं पंजाब)** | | | | | | | | | |
| २९.०९.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०१ | रवि | हस्त | कन्या | वृश्चिक | कन्या | । । ०। । ०० । । । | ७ | दि. ल. ८, १० श. दान |
| २९.०९.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०१ | रवि | चित्रा | कन्या | वृश्चिक | क/तु | ० । ०। । । । । । । | ८ | ल. ४, ५ |
| ३०.०९.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०२ | सोम | चित्रा | कन्या | वृश्चिक | तुला | ० । ०। । । । । । । | ८ | दि. ल. ८, १० श. दान |
| ३०.०९.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०२ | सोम | स्वाति | कन्या | वृश्चिक | तुला | । ०। । । ०० । । । | ७ | ल. ४, ५ |
| ०१.१०.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०३ | मंगल | स्वाति | कन्या | वृश्चिक | तुला | । ०। । । ०० । । । | ७ | दि. ल. ८ |
| ०२.१०.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०४ | बुध | अनुराधा | कन्या | वृश्चिक | वृश्चिक | । । । । । । ० ० । । | ८ | दि. ल. १०, ४, ५ |
| ०३.१०.२०१९ | आश्विन शुक्ल ०५ | गुरु | अनुराधा | कन्या | वृश्चिक | वृश्चिक | । । । । । ० ० ० । । | ७ | दि. ल. ८ च. दान |
| ०४.१०.२०१९ | अश्विन शुक्ल ०७ | शुक्र | मूल | कन्या | वृश्चिक | धनु | । । । । । । ० ० । । | ८ | दि. ल. ११ मं. दान, ५ च. दान, ५ |
| ०८.१०.२०१९ | आश्विन शुक्ल १० | मंगल | श्रवण* | कन्या | वृश्चिक | मकर | । । । । । ० ० ० । । | ७ | दि. ल. ८, ६ श. के. दान |
| ०८.१०.२०१९ | आश्विन शुक्ल १० | मंगल | धनिष्ठा* | कन्या | वृश्चिक | मकर | ० । । । । । । । । । | ९ | ल. ५ च. दान (भद्रा २८/०३ से) |
| १४.१०.२०१९ | कार्तिक कृष्ण ०२ | सोम | अश्विनी* | कन्या | वृश्चिक | मेष | । ०। । । ०। ० । । | ७ | दि. ल. ११, मं. दान |
| १५.१०.२०१९ | कार्तिक कृष्ण ०२ | मंगल | अश्विनी* | कन्या | वृश्चिक | मेष | । ०। । । । । ० । । | ८ | दि. ल. ८ च. दान |

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा** कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु | | | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्रराशि | | | |
| **१६ अक्टूबर २०१९ से १६ नवम्बर २०१९ तक कार्तिक सौर मास (केवल हि.प्र. जम्मू .व का. एवं पंजाब)** | | | | | | | | | |
| १८.१०.२०१९ | कार्तिक कृष्ण ०४ | शुक्र | रोहिणी | तुला | वृश्चिक | वृष | । ० । । । । ० ० । । | ७ | दि. ल. १० |
| १८.१०.२०१९ | कार्तिक कृष्ण ०४ | शुक्र | मृगशीर्ष | तुला | वृश्चिक | वृष | । । । । ० । । ० । । | ८ | ल. ४, ५ |
| २४.१०.२०१९ | कार्तिक कृष्ण ११ | गुरु | मघा | तुला | वृश्चिक | सिंह | ० । । । । ० ० ० । । | ६ | दि. ल. ७, ८ |
| **१६ नवम्बर २०१९ से १५ दिसम्बर २०१९ तक मार्गशीर्ष सौर मास** | | | | | | | | | |
| १९.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. ०७ | मंगल | मघा | वृश्चिक | धनु | सिंह | । । । । । ० ० ० । । | ७ | ल. ४, ५ चं. दान |
| २०.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. ०८ | बुध | मघा | वृश्चिक | धनु | सिंह | । । । । । । ० ० । । | ८ | दि. ल. ८, गोधूलि |
| २२.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. १० | शुक्र | उ.फा. | वृश्चिक | धनु | कन्या | । । । । । । । । । । | १० | दि. ल. १० श. दान |
| २२.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. १० | शुक्र | हस्त | वृश्चिक | धनु | कन्या | । । । । । । ० ० । । | ८ | ल. ४, गु. शु. दान, ५ |
| २३.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. १२ | शनि | हस्त | वृश्चिक | धनु | कन्या | । । । । । ० ० ० । ० | ६ | दि. ल. ८, १०, श. दान |
| २३.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. १२ | शनि | चित्रा* | वृश्चिक | धनु | क/तु | ० । । । । ० । ० । ० | ६ | ल. गोधूलि, ४ गु. शु. दान, ५ |
| २४.११.२०१९ | मार्गशीर्ष कृ. १३ | रवि | चित्रा* | वृश्चिक | धनु | तुला | ० । । । । । । ० । । | ८ | दि. ल. ८ |
| २८.११.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ०२ | गुरु | मूल | वृश्चिक | धनु | धनु | । । ० । । ० । । । । | ८ | दि. ल. ११, ५, ६ |
| २९.११.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ०३ | शुक्र | मूल | वृश्चिक | धनु | धनु | । । ० । । । । । । । | ९ | दि. ल. ८ (७/३३ तक) |
| ०१.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ०५ | रवि | श्रवण* | वृश्चिक | धनु | मकर | । । । । । । ० । । । | ९ | दि. ल. ११, १२ मं. दान, ५ चं. दान, ६ |
| ०२.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ०६ | सोम | श्रवण* | वृश्चिक | धनु | मकर | । । । । । ० ० । । । | ८ | दि. ल. ८ सू. दान |
| ०२.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ०६ | सोम | धनिष्ठा* | वृश्चिक | धनु | म/कु | । । । । । । । ० । । | ९ | दि. ल. ११, १२ मं. दान, ५ चं. दान, ६ |

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य ( ० ) तथा दोषरहित को रेखा ( । ) द्वारा सूचित किया गया है।

*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्राशि | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **१६ नवम्बर २०१९ से १५ दिसम्बर २०१९ तक मार्गशीर्ष सौर मास** | | | | | | | | | |
| ०३.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ०७ | मंगल | धनिष्ठा* | वृश्चिक | धनु | कुम्भ | । । । । । । । ० । । | ६ | दि. ल. १० श. दान |
| ०६.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. १० | शुक्र | उ.भा. | वृश्चिक | धनु | मीन | । । । । । ० । । । । | ६ | ल. गोधूलि, ४ |
| ०७.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. ११ | शनि | रेवती | वृश्चिक | धनु | मीन | ० ० । । । ० ० ० । । | ५ | दि. ल. १० श. दान, ११, गोधूलि |
| ०८.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु. १२ | रवि | अश्विनी* | वृश्चिक | धनु | मेष | । । । । । । । । । । | १० | दि. ल. ११, १२ मं. दान, ५ |
| **१४ जनवरी २०२० से १२ फरवरी २०२० तक माघ सौर मास** | | | | | | | | | |
| १५.०१.२०२० | माघ कृष्ण ५ | बुध | उ.फा. | मकर | धनु | सि./क | । । । । । । । ० । । | ६ | ल. गोधूलि, ७, ८ मं. दान |
| १७.०१.२०२० | माघ कृष्ण ७ | शुक्र | चित्रा* | मकर | धनु | क/तु | । । । । । ० । ० । । | ८ | ल. गोधूलि |
| १७.०१.२०२० | माघ कृष्ण ८ | शुक्र | स्वाति | मकर | धनु | तुला | ० । । । । ० । ० । । | ७ | ल. ८ मं. दान |
| १८.०१.२०२० | माघ कृष्ण ०९ | शनि | स्वाति | मकर | धनु | तुला | ० । । । । । । ० । । | ८ | दि. ल. ११, गोधूलि, ६ शु. दान |
| २०.०१.२०२० | माघ कृष्ण ११ | सोम | अनुराधा | मकर | धनु | वृश्चिक | । ० । । । । ० । । । | ८ | दि. ल. ११ म. दान, १२ गोधूलि |
| २१.०१.२०२० | माघ कृष्ण १२ | मंगल | मूल | मकर | धनु | धनु | । । । । । । ० । । ० | ८ | ल. ७, ८ मं. दान |
| २२.०१.२०२० | माघ कृष्ण १३ | बुध | मूल | मकर | धनु | धनु | । । । । । । ० । । । | ६ | दि. ल. ११, मं. दान, १२ |
| २६.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०२ | रवि | धनिष्ठा* | मकर | धनु | म/कु. | । ० । । । । । । । । | ६ | दि. ल. १२, ७, ८ मं. दान |
| २९.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०४ | बुध | उ.भा. | मकर | धनु | मीन | । । । । । ० ० ० । । | ७ | ल. गोधूलि, ८ मं. दान |
| ३०.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०५ | गुरु | उ.भा. | मकर | धनु | मीन | । । । । । । ० ० । । | ८ | दि. ल. ११ मं. दान, श |

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य ( ० ) तथा दोषरहित को रेखा ( । ) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

# विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु | | | लत्तादि दस दोषों का विवरण | रेखा योग | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सूर्यराशि | गुरुराशि | चन्द्रराशि | | | |
| **१४ जनवरी २०२० से १२ फरवरी २०२० तक माघ सौर मास** | | | | | | | | | |
| ३०.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०५ | गुरु | रेवती | मकर | धनु | मीन | । । । । । । । । । । | १० | गोधूलि, ८ मं. दान |
| ३१.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०६ | शुक्र | रेवती | मकर | धनु | मीन | । । । । । ० । । । । | ६ | दि. ल. ११ श. मं. दान |
| ३१.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०६ | शुक्र | अश्विनी* | मकर | धनु | मेष | ० ० । । । ० ० ० । । | ५ | ल. गोधूलि |
| ०१.०२.२०२० | माघ शुक्ल ०७ | शनि | अश्विनी* | मकर | धनु | मेष | ० ० । । । ० ० ० । । | ५ | दि. ल. ११, २२ मं. दान, १२ |
| ०४.०२.२०२० | माघ शुक्ल १० | मंगल | रोहिणी | मकर | धनु | वृष | । । । । । ० । ० ० । | ७ | दि. ल. १२ |
| ०६.०२.२०२० | माघ शुक्ल १५ | रवि | मघा | मकर | धनु | सिंह | । । । । ० ० । । । । | ८ | ल. ७ शु. दान, ८ |
| १०.०२.२०२० | फाल्गुन कृष्ण ०१ | सोम | मघा | मकर | धनु | सिंह | । । । । ० ० । । । । | ८ | दि. ल. १२ चं. दान, १ |
| **१३ फरवरी २०२० से १३ मार्च २०२० तक फाल्गुन सौर मास** | | | | | | | | | |
| १६.०२.२०२० | फाल्गुन कृष्ण ०८ | रवि | अनुराधा | कुम्भ | धनु | वृश्चिक | । । । । । । । ० । । | ६ | दि. ल. १२ मं. दान, गोधूलि, ८ च. दान |
| २५.०२.२०२० | फाल्गुन शुक्ल ०२ | मंगल | उ.भा. | कुम्भ | धनु | मीन | । ० । । । । ० । । । | ८ | ल. ८ |
| २६.०२.२०२० | फाल्गुन शुक्ल ०३ | बुध | उ.भा. | कुम्भ | धनु | मीन | । ० । । । । ० । । । | ८ | दि. ल. ११, श. दान, १, २, मं. दान |
| २६.०२.२०२० | फाल्गुन शुक्ल ०३ | बुध | रेवती | कुम्भ | धनु | मीन | । । ० । । ० । । । । | ८ | ल. ८ |
| २७.०२.२०२० | फाल्गुन शुक्ल ०४ | गुरु | रेवती | कुम्भ | धनु | मीन | । । ० । । । ० । । ० | ७ | दि. ल. ११ श. दान, १, २, मं. के. दान |
| २८.०२.२०२० | फाल्गुन शुक्ल ०५ | शुक्र | अश्विनी* | कुम्भ | धनु | मेष | ० । । । । । ० ० । । | ७ | दि. ल. ११ श. दान, १२, गोधूलि |
| ०२.०३.२०२० | फाल्गुन शुक्ल ०७ | सोम | रोहिणी | कुम्भ | धनु | वृष | । ० । । । । । ० । । | ८ | दि. ल. १ |

नोट:- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य ( ० ) तथा दोषरहित को रेखा ( । ) द्वारा सूचित किया गया है।

*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

## द्विरागमन मुहूर्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| १६.०४.२०१६ | चैत्र शुक्ल १५ | शुक्र | चित्रा | ल. ६ |
| २२.०४.२०१६ | वैशाख कृष्ण ०३ | सोम | अनुराधा | ल. २, मं. दान |
| २४.०४.२०१६ | वैशाख कृष्ण ०५ | बुध | मूल | ल. ३ रा. दान, ६ |
| २६.०४.२०१८ | वैशाख कृष्ण ०७ | शुक्र | उत्तराषाढ़ा | ल. २, मं. दान, ६ |
| ०१.०५.२०१६ | वैशाख कृष्ण १२ | बुध | उ. भाद्र | ल. ६ |
| ०६.०५.२०१६ | वैशाख शुक्ल ०२ | सोम | रोहिणी | ल. ६ (१६/३० बाद) |
| १०.०५.२०१६ | वैशाख शुक्ल ०६ | शुक्र | पुनर्वसु | ल. २, ६, ७ |
| १८.११.२०१६ | मार्गशीर्ष कृ. ०६ | सोम | पुष्य | ल. १२ मं. दान |
| २२.११.२०१६ | मार्गशीर्ष कृ. ११ | शुक्र | उ.फा. | ल. १२, मं. दान |
| २८.११.२०१६ | मार्गशीर्ष शु. ०२ | गुरु | मूल | ल. १२, मं. दान, ७ |
| ०२.१२.२०१६ | मार्गशीर्ष शु. ०६ | सोम | धनिष्ठा | ल. १२, मं. दान, ६,७ |
| ०४.१२.२०१६ | मार्गशीर्ष शु. ०८ | बुध | शतभिषा | ल. १२, मं. दान |
| ०६.१२.२०१६ | मार्गशीर्ष शु. १० | शुक्र | उ.भाद्रपद | ल. १२, मं. दान २,६ |
| १२.१२.२०१६ | मार्गशीर्ष कृ. १५ | गुरु | मृगशिरा | ल. १२, मं. दान २ |
| १४.०२.२०२० | फाल्गुन कृ. ०६ | शुक्र | स्वाति | ल. २ |
| २०.०२.२०२० | फाल्गुन कृ. १२ | गुरु | उत्तराषाढ़ा | ल. १२, ६ |
| २४.०२.२०२० | फाल्गुन शु. ०१ | सोम | शतभिषा | ल. १२, २ |
| २६.०२.२०२० | फाल्गुन शु. ०३ | बुध | उ.भाद्रपद | ल. १२, २ मं. के. दान |
| २८.०२.२०२० | फाल्गुन शु. ०५ | शुक्र | अश्विनी | ल. १२, २ मं. के. दान |
| ०२.०३.२०२० | फाल्गुन शु. ०७ | सोम | रोहिणी | ल. २ मं. के. दान |

## सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| १७.०४.२०१६ | चैत्र शुक्ल १३ | बुध | उ.फा. | ल. ३ |
| १६.०४.२०१६ | चैत्र शुक्ल १५ | शुक्र | चित्रा | ल. ३ |
| १६.०५.२०१६ | वैशाख शुक्ल १३ | गुरु | चित्रा | ल. ५ |
| २३.०५.२०१६ | ज्येष्ठ कृष्ण ०५ | गुरु | उ.षा. | ल. ५ चं. दान |
| ०६.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शुक्ल ०३ | गुरु | पुनर्वसु | ल. ५ |
| ०७.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शुक्ल ०५ | शुक्र | पुष्य | ल. ५ चं. दान |
| १२.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शुक्ल १० | बुध | हस्त/चि. | ल. ५ |
| ०४.०७.२०१६ | आषाढ़ शु. ०२ | गुरु | पुष्य | ल. ३, ५ |
| १५.०१.२०२० | माघ कृष्ण ०५ | बुध | उ.फा. | ल. ११, १२ मं. दान |
| ३०.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०५ | गुरु | उ.भा. | ल. ११, १२ |
| ०५.०२.२०२० | माघ शुक्ल ११ | बुध | मृग. | ल. ११ |
| ०७.०२.२०२० | माघ शुक्ल १३ | शुक्र | पुनर्वसु | ल. ११, १२ |
| १०.०२.२०२० | फा. कृष्ण ०२ | सोम | मघा | ल. ११, १२ |
| २६.०२.२०२० | फा. शुक्ल ०३ | बुध | उ.भा. | ल. ११, १२ |
| २८.०२.२०२० | फा. शुक्ल ०५ | शुक्र | अश्विनी | ल. ११, १२ |
| ०२.०३.२०२० | फा. शुक्ल ०७ | सोम | रोहिणी | ल. अभिजित् |

## उपनयन मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| ०७.०४.२०१९ | चैत्र शु. ०२ | रवि | अश्विनी | ल.१, ८/४४ तक |
| १०.०४.२०१९ | चैत्र शु. ०५ | बुध | रोहिणी | ल. २ |
| २४.०४.२०१९ | वैशाख कृ. ०५ | बुध | मूल | ल. ४ च. दान |
| ०६.०५.२०१९ | वैशाख शु. ०५ | गुरु | आर्द्रा | ल. अभिजित् |
| १५.०५.२०१९ | वैशाख शु. १२ | गुरु | चित्रा | ल. ४ |
| २३.०५.२०१९ | ज्येष्ठ कृ. ०५ | गुरु | उ.षा. | ल. अभिजित् |
| ०५.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शु. ०२ | गुरु | आर्द्रा | ल.४ च.दान, अभिजित् |
| ०६.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शु. ०३ | गुरु | पुन. | ल. अभिजित् |
| १४.०६.२०१९ | ज्येष्ठ शु. १२ | शुक्र | स्वाति | ल. ४, बु. दान |
| १९.०६.२०१९ | आषाढ़ कृ. ०२ | बुध | पू.षा. | ल. ६ |
| ०५.०७.२०१९ | आषाढ़ शु. ०३ | शुक्र | आश्ले. | ल. ६ |
| ०७.०७.२०१९ | आषाढ़ शु. ०५ | रवि | पू.फा. | ल. ३, ६, |
| ११.०७.२०१९ | आषाढ़ शु. १० | गुरु | स्वाति | ल. ३, ६, |
| १५.०१.२०२० | माघ कृ. ०५ | बुध | उ.फा. | ल. १२ |
| २६.०१.२०२० | माघ शु. ०२ | रवि | धनिष्ठा | ल. १२, शु. दान |
| २७.०१.२०२० | माघ शु. ०३ | सोम | शतभिषा | ल. अभिजित् |
| ३०.०१.२०२० | माघ शु. ०५ | गुरु | उ.भा. | ल. १२ शु. दान |
| ०५.०२.२०२० | माघ शु. ११ | बुध | मृग. | ल. १२ (६/४७ तक) |

## उपनयन मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| ०६.०२.२०२० | माघ शु. १२ | गुरु | आर्द्रा | ल. १२ बु. दान |
| २६.०२.२०२० | फाल्गुन शु. ०३ | बुध | उ.भा. | ल. १२, बु. दान |
| २८.०२.२०२० | फाल्गुन शु. ०५ | गुरु | अश्विनी | ल. १२ बु. दान |

## मुण्डन (चौल) मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| २२.०४.२०१९ | वैशाख शु. ०३ | सोम | अनु. | ल. ३ |
| २९.०४.२०१९ | वैशाख कृ. १० | सोम | शत. | ल. १ गु. दान |
| २७.०६.२०१९ | आषाढ़ कृ. १० | गुरु | रेवती | ल. ५, ५ |
| २८.०६.२०१९ | आ.कृ. १०/११ | शुक्र | अश्विनी | ल. ५, ५ |
| ०४.०७.२०१९ | आषाढ शु. ०२ | गुरु | पुष्य | ल. ४, ५ |
| ०८.०७.२०१९ | आषाढ शु. ०७ | सोम | उ.भा. | ल. ३, ५, ६ |
| ११.०७.२०१९ | आषाढ शु. १० | गुरु | स्वाति. | ल. ३, ५, ६ |
| १७.०१.२०२० | माघ कृ. ०७ | शुक्र | चित्रा | ल. १०, १२ |
| २०.०१.२०२० | माघ कृ. ११ | सोम | अनुराधा | ल. १०, ११, १२ |
| २७.०१.२०२० | माघ शु. ०३ | सोम | शत. | ल. १०, ११, १२ |
| ०५.०२.२०२० | माघ शु. ११ | बुध | मृग. | ल. ११ |
| २८.०२.२०२० | फाल्गुन शु. ०५ | शुक्र | अश्विनी | ल. ११, १२ |
| ११.०३.२०२० | चैत्र कृ. ०२ | बुध | हस्त | ल. १२ |

## पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| १७.०४.२०१६ | चैत्र शु. १३ | बुध | उ.फा. | ल.५ बु. शु.दान, चक्रशुद्धि |
| २०.०४.२०१६ | वैशाख कृ.०१ | शनि | स्वाति | ल. ३, च.शुद्धि, अभाव |
| २२.०४.२०१६ | वैशाख कृ.०३ | सोम | अनुराधा | ल. अभि. च.शुद्धि, अभाव |
| २६.०४.२०१६ | वैशाख कृ.०७ | शुक्र | उ.षा. | ल.५ बु.शु.दान च.शुद्धि,अ. |
| २६.०४.२०१६ | वैशाख कृ.१० | सोम | शत. | ल. ३, चक्रशुद्धि |
| ०१.०५.२०१६ | वैशाख कृ.१२ | बुध | उ.भा. | ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि |
| ०२.०५.२०१६ | वैशाख कृ.१३ | गुरु | उ.भा. | ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि |
| ११.०५.२०१६ | वैशाख शु.०७ | शनि | पुष्य | ल. ३, चक्रशुद्धि |
| १६.०५.२०१६ | वैशाख शु.१२ | गुरु | चित्रा | ल. ३, च.दान, चक्रशुद्धि |
| २३.०५.२०१६ | ज्येष्ठ कृ. ०५ | गुरु | उ.षा. | ल. ३,५, चक्रशुद्धि अभाव |
| २७.०५.२०१६ | ज्येष्ठ कृ. ०८ | सोम | शत. | ल. ३,५, गु.दान, चक्रशुद्धि |
| ३०.०५.२०१६ | ज्येष्ठ कृ. ११ | गुरु | रेवती | ल. ३, चक्रशुद्धि |
| ०७.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. ०५ | शुक्र | पुष्य | ल. ५ गु.दान, च.शु, अभाव |
| १०.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. ०८ | सोम | उ.फा. | ल. ६, चक्रशुद्धि |
| १२.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. १० | बुध | चित्रा | ल. अभिजित् चक्रशुद्धि |
| १३.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. ११ | गुरु | स्वाति | ल. ६ चक्रशुद्धि |
| १४.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. १२ | शुक्र | स्वाति | ल. ३ चक्रशुद्धि |
| १७.०७.२०१६ | श्रावण कृ.०१ | बुध | उ.षा. | ल. ५, गु.दान, च.शु.अभाव |

## पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| १६.०७.२०१६ | श्रावण कृ. २/३ | शुक्र | धनिष्ठा | ल.५.च.गु.दान,च.शु.अभाव |
| २२.०७.२०१६ | श्रावण कृ. ०५ | सोम | उ.भा | ल. अभि.,चक्रशुद्धि अभाव |
| २४.०७.२०१६ | श्रावण कृ. ०७ | बुध | रेवती | ल.५ गु.दान,च.शु.अभाव |
| २६.०७.२०१६ | श्रावण कृ. १२ | सोम | मृग. | ल. ५ गु. दान, चक्रशुद्धि |
| ०७.०८.२०१६ | श्रावण शु. ०७ | बुध | स्वाति | ल. ५ गु. दान, चक्रशुद्धि |
| १८.१०.२०१६ | कार्तिक कृ.०५ | शुक्र | रोहिणी | ल.६, च.शु. अभाव |
| १६.१०.२०१६ | कार्तिक कृ.०५ | शनि | मृग. | ल. ६, चक्रशुद्धि, अभाव |
| २५.१०.२०१६ | कार्तिक कृ.१२ | शुक्र | उ.फा. | ल. ६, चक्रशुद्धि |
| ३०.१०.२०१६ | कार्तिक शु.०३ | बुध | अनुराधा | ल. ८, रा.दान,च.शुद्धि अ. |
| ०६.११.२०१६ | कार्तिक शु.१० | बुध | शतभिषा | ल. ६, चक्रशुद्धि |
| ०८.११.२०१६ | कार्तिक शु.११ | शुक्र | उ.फा. | ल. ८, अभिजित च.शुद्धि |
| ०६.११.२०१६ | कार्तिक शु. १२ | शनि | उ.भा./रे. | ल ८ रा. दान, च.शुद्धि |
| १४.११.२०१६ | मार्गशीर्ष कृ.०२ | गुरु | रोहिणी | ल. ६, च.शु. अभाव |
| १८.११.२०१६ | मार्गशीर्ष कृ.०६ | सोम | पुष्य | ल.११, चक्रशुद्धि अभाव |
| २२.११.२०१६ | मार्ग कृ.१०/११ | शुक्र | उ.फा. | ल.११, च.दान, च.शुद्धि |
| २७.११.२०१६ | मार्गशीर्ष शु.०१ | बुध | अनु. | ल. ८, रा. दान, च.शु. अ. |
| ०२.१२.२०१६ | मार्गशीर्ष शु.०६ | सोम | धनिष्ठा | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ०४.१२.२०१६ | मार्गशीर्ष शु.०८ | बुध | शत. | ल.११ (१२/१८ से) च.शु. |

## पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| ०६.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु.१० | शुक्र | उ.भा. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ०७.१२.२०१९ | मार्गशीर्ष शु.११ | शनि | रेवती | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| १५.०१.२०२० | माघ कृ. ०५ | बुध | उ.फा. | ल. ११, चक्रशुद्धि अभाव |
| १७.०१.२०२० | माघ कृ. ७/८ | शुक्र | चित्रा | ल. ११,च.दान,च.शु.अभाव |
| २०.०१.२०२० | माघ कृ. ११ | सोम | अनु. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| २७.०१.२०२० | माघ शु. ०३ | सोम | शत. | ल. ११, चक्रशुद्धि अभाव |
| ३०.०१.२०२० | माघ शु. ०५ | गुरु | उ.भा. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ३१.०१.२०२० | माघ शु. ०६ | शुक्र | रेवती | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ०५.०२.२०२० | माघ शु. ११ | बुध | मृग. | ल. ११ (६/४७) च.शुद्धि |
| १४.०२.२०२० | फाल्गुन कृ.०६ | शुक्र | चित्रा | ल. ११, च.शुद्धि अभाव |
| १४.०२.२०२० | फाल्गुन कृ.०६ | शुक्र | स्वाति | ल. ११, च.शुद्धि अभाव |
| २०.०२.२०२० | फाल्गुन कृ.१२ | गुरु | उ. षा. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| २१.०२.२०२० | फाल्गुन कृ.१२ | शुक्र | उ.षा. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| २४.०२.२०२० | फाल्गुन शु.०१ | सोम | शत. | ल. ११, च.शुद्धि अभाव |
| २६.०२.२०२० | फाल्गुन शु.०३ | बुध | उ.भा. | ल. ११, च.शुद्धि अभाव |
| ०६.०३.२०२० | फाल्गुन शु.१२ | शुक्र | पुष्य | ल. ५, चक्रशुद्धि |
| ०७.०३.२०२० | फा.शु.१२/१३ | शनि | पुष्य | ल. ११, चक्रशुद्धि |

## गृहारम्भ मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| १७.०४.२०१९ | चैत्र शु. १३ | बुध | उ.फा. | ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि |
| १९.०४.२०१९ | चैत्र शु. १५ | शुक्र | चित्रा | ल.५, बु.शु. दान चक्रशुद्धि |
| २२.०४.२०१९ | वैशाख कृ. ०३ | सोम | अनु. | ल.५, बु.शु. दान,च.शु. अभाव |
| २६.०४.२०१९ | वैशाख कृ. ०७ | शुक्र | उ.षा. | ल.५, बु. शु. दान, चक्रशुद्धि |
| ०२.०५.१०१९ | वैशाख कृ. १३ | गुरु | उ.भा. | ल. अभि.,च.शुद्धि,अभाव |
| २२.११.२०१९ | मार्ग कृ. १० | शुक्र | उ.फा. | ल.११,च.दान,च.शु. अभाव |
| ०६.१२.२०१९ | मार्ग शु. १० | शुक्र | उ.भा. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ०७.१२.२०१९ | मार्ग शु. ११ | शनि | रेवती | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| १५.०१.२०२० | माघ कृष्ण ०५ | बुध | उ.फा. | ल. ५, चक्रशुद्धि अभाव |
| १७.०१.२०२० | माघ कृष्ण ०७ | शुक्र | चित्रा | ल. ५, चक्रशुद्धि अभाव |
| २०.०१.२०२० | माघ कृष्ण १० | सोम | अनु | ल. ५, चक्रशुद्धि अभाव |
| २७.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०३ | सोम | शत. | ल. ५, चक्रशुद्धि अभाव |
| ३०.०१.२०२० | माघ शुक्ल ०५ | गुरु | उ.भा. | ल. अभि., चक्रशुद्धि अभाव |
| २६.०२.२०२० | फाल्गुन शु.०३ | बुध | उ.भा. | ल. अभि., चक्रशुद्धि अभाव |

## गृहारम्भ मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| ०२.०३.२०२० | फाल्गुन शु.०७ | सोम | रोहिणी | ल. अभि., चक्रशुद्धि |
| ११.०३.२०२० | चैत्र कृष्ण ०२ | बुध | हस्त | ल. ५, चक्रशुद्धि |
| १२.०३.२०२० | चैत्र कृष्ण ०३ | गुरु | चित्रा | ल. ५, चक्रशुद्धि |

## नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| १७.०४.२०१६ | चैत्र शु. १३ | बुध | उ.फा. | ल.५, बु.शु. दान च.शुद्धि |
| २२.०४.२०१६ | वैशाख कृ. ०३ | सोम | अनु. | ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि |
| २६.०४.२०१६ | वैशाख कृ. ०७ | शुक्र | उ.षा. | ल.५ बु.शु. दान,च.शु.अभा. |
| ०१.०५.२०१६ | वैशाख कृ. १२ | बुध | उ.भा. | ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि |
| ०२.०५.२०१६ | वैशाख कृ. १२ | गुरु | उ.भा. | ल. अभिजित, चक्रशुद्धि |
| १६.०५.२०१६ | वैशाख कृ. १२ | गुरु | चित्रा | ल.३ च.दान., चक्रशुद्धि |
| २३.०५.२०१६ | ज्येष्ठ कृ. ०५ | गुरु | उ.षा. | ल. ३,५, चक्रशुद्धि, अभाव |

## नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७६

| दिनाङ्क | मास-पक्ष-तिथि | वार | नक्षत्र | लग्न एवं पूजादि विवरण |
|---|---|---|---|---|
| ३०.०५.२०१६ | ज्येष्ठ कृ. ११ | गुरु | रेवती | ल. ३, चक्रशुद्धि |
| १०.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. ०८ | सोम | उ.फा. | ल. ६, चक्रशुद्धि |
| १२.०६.२०१६ | ज्येष्ठ शु. १० | बुध | चित्रा | ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि |
| १५.०१.२०२० | माघ कृ. ०५ | बुध | उ.फा. | ल. ११, चक्रशुद्धि, अभाव |
| १७.०१.२०२० | माघ कृ. ७/८ | शुक्र | चित्रा | ल.११,चं.दान,च.शु.,अभाव |
| २०.०१.२०२० | माघ कृ. ११ | सोम | अनु. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ३०.०१.२०२० | माघ शु. ०५ | गुरु | उ.भा./रे. | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ३१.०१.२०२० | माघ शु. ०६ | शुक्र | रेवती | ल. ११, चक्रशुद्धि |
| ०५.०२.२०२० | माघ शु. ११ | बुध | मृग. | ल.११ (६/७) चक्रशुद्धि |
| १४.०२.२०२० | फाल्गुन कृ. ०६ | शुक्र | चित्रा | ल.११, चक्रशुद्धि, अभाव |
| २०.०२.२०२० | फाल्गुन कृ. १२ | गुरु | उ.षा. | ल.११, चक्रशुद्धि |
| २१.०२.२०२० | फाल्गुन कृ. १३ | शुक्र | उ.षा. | ल.११, चक्रशुद्धि |

**माङ्गलिक मुहूर्त्तों के निर्णेता - प्रो. परमानन्द भारद्वाज, आचार्य ज्योतिष-विभाग**

# ✸ गण्ड-मूलादि-जन्म विचार ✸

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती - ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता है। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्व दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को २७ दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

## मूलनिवास-चक्र

| मास के अनुसार | वैशा. ज्ये. मार्ग. फा. | चै.श्रा.का.पौ. | आषा.आश्वि.भाद्र.माघ |
|---|---|---|---|
| लग्न के अनुसार | २, ५, ८, ११ | ३, ६, ९, १२ | १, ४, ७, १० |
| मूल निवास स्थान | पाताल | भूमि | स्वर्ग |
| फल | शुभ | कुलनाश | शुभ |

## मूल-आश्लेषा चरण-फल

| मूल चरण-फल | | आश्लेषा चरण-फल | | समय-फल | |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | पितृनाश | १ | शांति से शुभ | दिन में | पिता को भय |
| २ | मातृनाश | २ | धन नाश | सन्ध्या में | स्वशरीर भय |
| ३ | धननाश | ३ | मातृनाश | रात्रि में | माता को भय |
| ४ | शान्ति से शुभ | ४ | पितृनाश | | |

## मूलजन्म में वृक्ष विभाग

| विभाग | मूल | स्तम्भ | त्वचा | शाखा | पत्र | पुष्प | फल | शिखा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घटी | ७ | ८ | १० | ११ | १२ | ५ | ४ | ३ |
| फल | मूल नाश | वंशनाश | मातृक्लेश | मातुलकष्ट | राज्य लाभ | मन्त्री | प्रचुर लक्ष्मी | अल्पायु |

## मूल-पुरुष-चक्र

| विभाग | शिर | मुख | स्कन्ध | बाहु | हाथ | हृदय | नाभि | गुप्तांग | जानु | पैर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घटी | ५ | ७ | ४ | ८ | ३ | ९ | २ | १० | ६ | ६ |
| फल | राजा | पितृनाश | बली | बली | दानी | मन्त्री | ज्ञानी | कामी | बुद्धि-मान | बुद्धि-मान |

## मूल-कन्या-चक्र

| विभाग | शिर | मुख | कण्ठ | हृदय | भुजा | हाथ | गुप्तांग | जंघा | जानु | पैर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घटी | ४ | ६ | ५ | ५ | १० | ८ | ४ | ४ | ४ | १० |
| फल | पशु-नाश | धननाश | धन-लाभ | कुटिलता | धन लाभ | धर्म-नाश | कामिनी | ज्ये.मातुल-नाश | भ्रातृ-नाश | विधवा |

## आश्लेषा नक्षत्रोत्पन्न पुत्र/कन्या-अङ्गविभाग

| विभाग | शिर | मुख | नेत्र | ग्रीवा | स्कन्ध | हाथ | हृदय | नाभि | गुह्य | पैर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घटी | ५ | ७ | २ | ३ | ४ | ८ | ११ | ६ | ९ | ५ |
| फल | पुत्र प्राप्ति | पितृनाश | मातृ-नाश | स्त्री-लम्पट | गुरु भक्ति | बली | आत्म-घाती | भ्रम | तपस्वी हानि | धन |

## आश्लेषा-वृक्ष-चक्र

| विभाग | फल | पुष्प | पत्ता | शाखा | त्वचा | लता | स्कन्ध |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घटी | १० | ५ | ९ | ७ | १३ | १२ | ४ |
| फल | धन | धन | राजभय | हानि | भ्रातृहानि | पितृहानि | अल्पायु |

**अभुक्त मूल-विचार-**

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की ४ घटी मतान्तर से १ घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की ४ घटी मतान्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को ८ वर्ष तक मतान्तर से ६ मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त में बालक का मुख देखना चाहिए ।

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, चैत्र शुक्ल पक्ष ( दि. ६ अप्रैल से १९ अप्रैल २०१९ ई० ), उत्तरायण, उत्तर-गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २९२२, अयनांश २४:०७':१७"

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१ | ०६ | १ | श. | २३ | ०२ | १५ | २३ | रे. | ०३ | ०० | ०७ | २२ | वै. | ३६ | ०० | ब. | २३ | ०२ | ६:१० | ६:३७ | चैत्र १६ | चैत्र २४ | र. २६ | अप्रै ६ | मेष ७:२२ | वासन्तिक नवरात्र प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा,(A) |
| ३१ | १३ | २ | र. | २४ | ४२ | १६ | ०१ | अ. | ०६ | ३० | ०८ | ४४ | वि. | ३७ | २७ | कौ. | २४ | ४२ | ६:०८ | ६:३८ | १७ | २५ | सा. १ | ७ | मेष | सिन्धारा, झूलेलाल जयंती गण्डमूल समा. ८:४४ बजे, (B) |
| ३१ | १८ | ३ | सो. | २५ | २२ | १६ | १६ | भ. | ०६ | ०० | ०६ | ४३ | प्री. | ३५ | ०७ | ग. | २५ | २२ | ६:०७ | ६:३८ | १८ | २६ | २ | ८ | वृष १५:५४ | मत्स्य जयं. अपराह्न काल, गणगौरी तृतीया, मन्वादि, भद्रा २८:१४ से प्रा. |
| ३१ | २२ | ४ | मं. | २५ | ०२ | १६ | ०७ | कृ. | १० | ३२ | १० | १६ | आ. | ३२ | ०२ | वि. | २५ | ०२ | ६:०६ | ६:३६ | १९ | २७ | ३ | ९ | वृष | विनायक चतुर्थी, भद्रा १६:०७ बजे तक। |
| ३१ | २६ | ५ | बु. | २३ | ४७ | १५ | ३६ | रो. | ११ | १० | १० | ३३ | सौ. | २८ | १५ | बा. | २३ | ४७ | ६:०५ | ६:४० | २० | २८ | ४ | १० | मिथुन २२:३२ | रोहिणी व्रत, गुरु वक्री २२:३० बजे। |
| ३१ | ३० | ६ | गु. | २१ | ३५ | १४ | ४२ | मृ. | १० | ५२ | १० | २५ | शो. | २३ | ४० | तै. | २१ | ३५ | ६:०४ | ६:४० | २१ | २९ | ५ | ११ | मिथुन | यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी, बुध मीन में २८:२४ बजे। |
| ३१ | ३४ | ७ | शु. | १८ | २२ | १३ | २४ | आ. | ०६ | ३७ | ०६ | ५४ | अति. | १८ | १७ | व. | १८ | २२ | ६:०३ | ६:४१ | २२ | ३० | ६ | १२ | कर्क २७:१४ | महानिशा पूजा, भद्रा १३:२४ बजे से २४:३६ बजे तक। |
| ३१ | ३८ | ८ | श. | १४ | १० | ११ | ४२ | पुन. | ०७ | २० | ०८ | ५८ | सु. | १२ | ०७ | ब. | १४ | १० | ६:०२ | ६:४१ | २३ | ३१ | ७ | १३ | कर्क | दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहू फोर्ट जम्मू,(C) |
| ३१ | ४२ | ९ | र. | ०८ | ५७ | ०९ | ३६ | पु. | ०४ | ०७ | ०७ | ४० | धृ. शू. | ०५ ५७ | ३० २५ | कौ. | ०८ | ५७ | ६:०१ | ६:४२ | २४ | वै. १ | ८ | १४ | कर्क | नवरात्र पारणा, रामायण नवाह्न समा. नवरात्र समा.,(D) |
| ३१ | ४६ | १० ११ | सो. | ०४ ५५ | ५० ५७ | ०७ २८ | ०८ २३ | आश्ले. मघा. | ०० ५५ | ०२ ०२ | ०६ २८ | ०१ ०१ | गं. | ४६ | ०५ | ग. | ०४ | ५० | ६:०० | ६:४२ | २५ | २ | ९ | १५ | सिंह ५:५६ | कामदा एकादशी व्रत (स्मा.), हिमाचल दिवस, (E) |
| ३१ | ५० | १२ | मं. | ४८ | ३७ | २५ | २६ | पू.फा. | ४६ | ३७ | २५ | ५० | वृ. | ४० | २० | ब. | २२ | २२ | ५:५९ | ६:४३ | २६ | ३ | १० | १६ | सिंह | कामदा एकादशी व्रत (वै.) |
| ३१ | ५४ | १३ | बु. | ४१ | ०५ | २२ | २४ | उ.फा. | ४४ | ०२ | २३ | ३५ | ध्रु. | ३१ | २२ | कौ. | १४ | ५२ | ५:५८ | ६:४४ | २७ | ४ | ११ | १७ | कन्या ७:१७ | महावीर जयन्ती (जैन), प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी। |
| ३१ | ५८ | १४ | गु. | ३३ | ४२ | १९ | २६ | ह. | ३८ | ४० | २१ | २५ | व्या. | २२ | २७ | ग. | ०७ | २२ | ५:५७ | ६:४४ | २८ | ५ | १२ | १८ | कन्या | पूर्णिमाव्रत, भद्रा १६:२६ बजे से प्रा., शुक्र उ.भा. १६:१२ बजे। |
| ३२ | ०२ | १५ | शु. | २६ | ५५ | १६ | ४२ | चि. | ३३ | ५२ | १९ | २६ | ह. | १४ | ०० | वि. | ०० | १५ | ५:५६ | ६:४५ | २९ | ६ | १३ | १९ | तुला ८:२५ | गुड फ्राइडे, हनुमज्जयंती (दाक्षिणात्य), औली जैन समा.,(F) |

(A) युगादि, भारतीय नववर्षारम्भ, रामायण नवाह्न प्रारम्भ, कल्पादि, गौतम जयंती, चन्द्रदर्शन, पञ्चक समा. ७:२२ बजे, मंगल रोहिणी में १७:२० बजे। (B) शुक्र पू.भा. मे १८:२७ बजे, मुस्लिम सावान प्रा। (C) रामनवमी व्रत स्मार्त, श्रीराम जयं. श्री ताराजयन्ती, औली जैन प्रारम्भ।(D) राम नवमी व्रत वैष्णव, सूर्य अश्विनी में मेष संक्रान्ति, १४:०६ बजे, वैशाखी, अम्बेडकर जयन्ती, सं. पुण्यकाल १०:०६ से १८:१० तक, गण्डमूल प्रा. ७:४० बजे से। (E) भद्रा १७:४७ बजे से २८:२३ बजे तक, गण्डमूल समा. २८:०१ बजे, बुध उ.भा. में ०७:३१ बजे, शुक्र मीन में २५:०४ बजे। (F) सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, वैशाख स्नान प्रा., भद्रा ०६:०२ बजे तक।

**१३ अप्रैल २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ११ | ०३ | ०१ | ११ | ०८ | १० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २८ | ०१ | १४ | ०१ | ०० | २६ | २६ | २८ | २८ |
| क. | ४२ | ५१ | १८ | ०६ | १३ | ३८ | ०६ | ०२ | ०२ |
| वि. | २० | ५० | ४६ | २७ | १२ | ३६ | ४० | ३२ | ३२ |
| गति | ५९ / ४६ | ८४५ / ०६ | ३६ / २७ | ६४ / ०० | ०० व. / २१ | ७२ / ३१ | ०१ / ३६ | ०३ / ११ | ०३ / ११ |
| नक्षत्र चरण | रेव. ४ च. | पुन. ४ च. | रोहि. २ च. | पू.भा. ४ च. | मूल १ च. | पू.भा. २ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. ३ च. | उ.षा. १ च. |

चैत्र शु. ८, शनिवार

(कुण्डली: २ मं. | सू.बु. १२ | शु. ११ | रा.३ | १ | चं.४ | १० | ५ | ७ | गु. श. के. ९ | ६ | ८)

विक्रम-संवत् २०७६ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तदनुसार ६ अप्रैल, २०१९ ई. शनिवार से 'परिधावी' नामक नव-संवत्सर का प्रारम्भ हो रहा है, अतः संवत्सर की समाप्ति तक नित्य-नैमित्तिक कर्मानुष्ठान आदि के संकल्प में इसका प्रयोग किया जायेगा। इस वर्ष का राजा शनि एवं मन्त्री सूर्य है राजा शनि के साथ गुरु-केतु की युति राहु से समसप्तक एवं मंगल से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण देश की पश्चिमोत्तर सीमा पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। रूस एवं चीन का युरोप एवं अमेरिका से अन्तर्द्वन्द्व बढ़ेगा। विश्व के कई स्थानों पर कहीं अतिवृष्टि से बाढ़ की स्थिति पैदा होगी, तो कहीं अनावृष्टि ओलावृष्टि तूफान आँधी आदि से जन-धन एवं फसलों के नष्ट होने से अकाल की स्थिति होगी।

**१९ अप्रैल २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

(कुण्डली: २ मं. | शु.बु. १२ | ११ | रा.३ | सू. १ | ४ | १० | ५ | ७ | गु. श. के. ९ | ६ चं. | ८)

चैत्र शु. १५, शुक्रवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०० | ०५ | ०१ | ११ | ०८ | ११ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०४ | २८ | १८ | ०८ | ०० | ०३ | २६ | २७ | २७ |
| क. | ३४ | ४८ | १५ | ०६ | ०७ | ५४ | १७ | ४३ | ४३ |
| वि. | ३६ | ४७ | ०३ | ४८ | १२ | ०१ | ५२ | २७ | २७ |
| गति | ५८ / ३५ | ८६३ / ३३ | ३६ / १८ | ७७ / ५७ | ०१ व. / २८ | ७२ / ३६ | ०१ / ०१ | ०३ / ११ | ०३ / ११ |
| नक्षत्र चरण | अश्वि. २ च. | चित्रा २ च. | रोहि. ३ च. | उ.भा. २ च. | मूल. १ च. | उ.भा. १ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. ३ च. | उ.षा. १ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, वैशाख कृष्ण पक्ष ( दि. २० अप्रैल से ४ मई २०१९ ई० ), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २१३६, अयनांश २४°:०७':११"**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२ | ०६ | १ | श. | २१ | ०५ | १४ | २१ | स्वा. | ३० | ०७ | १७ | ५८ | व. सिं. | ०६ ५६ | १३ २७ | कौ. | २१ | ०५ | ५:५५ | ६:४५ | चैत्र ३० | ७ | सा. १४ | अप्रैल २० | तुला | सायन सूर्य वृष में १४:२५ बजे, ग्रीष्म ऋतु प्रा.। |
| ३२ | १० | २ | र. | १६ | १२ | १२ | ३३ | वि. | २७ | ४७ | १७ | ०१ | व्य. | ५४ | ०० | ग. | १६ | १२ | ५:५४ | ६:४६ | १ | ८ | १५ | २१ | वृश्चिक ११:११ | ईस्टर सण्डे, भद्रा २३:५३ से प्रा., रा. वैशाख प्रा.। |
| ३२ | १४ | ३ | सो. | १३ | ५० | ११ | २५ | अनु. | २७ | १० | १६ | ४५ | वरि. | ५० | ०५ | वि. | १३ | ५० | ५:५३ | ६:४६ | २ | ९ | १६ | २२ | वृश्चिक | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:५४ , भद्रा ११:२५ बजे तक(A) |
| ३२ | १८ | ४ | मं. | १३ | ०० | ११ | ०४ | ज्ये. | २८ | ३० | १७ | १६ | परि. | ४७ | ४५ | बा. | १३ | ०० | ५:५२ | ६:४७ | ३ | १० | १७ | २३ | धनु १७:१६ | |
| ३२ | २२ | ५ | बु. | १४ | १२ | ११ | ३२ | मू. | ३४ | २० | १८ | ३५ | शि. | ४७ | ०० | तै. | १४ | १२ | ५:५१ | ६:४८ | ४ | ११ | १८ | २४ | धनु | गण्डमूल समा. १८:३५ बजे। |
| ३२ | २६ | ६ | गु. | १७ | २२ | १२ | ४७ | पू.षा. | ३६ | ५७ | २० | ३७ | सि. | ४७ | ३७ | व. | १७ | २२ | ५:५० | ६:४८ | ५ | १२ | १९ | २५ | मकर २७:१३ | कोकिला षष्ठी,भद्रा १२:४७ बजे से २५:३९ बजे तक, (B) |
| ३२ | २९ | ७ | शु. | २२ | ०७ | १४ | ४० | उ.षा. | ४३ | ३२ | २३ | १४ | सा. | ४९ | २० | ब. | २२ | ०७ | ५:४९ | ६:४९ | ६ | १३ | २० | २६ | मकर | शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी, मंगल मृग. में २५:०२ बजे। |
| ३२ | ३३ | ८ | श. | २८ | ०२ | १७ | ०१ | श्र. | ५१ | ०० | २६ | १२ | शुभ | ५१ | ४५ | कौ. | २८ | ०२ | ५:४८ | ६:४९ | ७ | १४ | २१ | २७ | मकर | शीतलाष्टमी। |
| ३२ | ३७ | ९ | र. | ३४ | २७ | १९ | ३४ | ध. | ५८ | ४५ | २९ | १७ | शु. | ५४ | २० | तै. | ०१ | १५ | ५:४७ | ६:५० | ८ | १५ | २२ | २८ | कुम्भ १५:४५ | पञ्चक १५:४४ बजे प्रा., सूर्य भरणी में ०६:०३ बजे। |
| ३२ | ४१ | १० | सो. | ४० | ४५ | २२ | ०४ | शत. | ६० | ०० | - | - | ब्र. | ५६ | ४२ | व. | ०८ | ०७ | ५:४६ | ६:५१ | ९ | १६ | २३ | २९ | कुम्भ | भद्रा ८:५१ बजे से २२:०४ बजे तक, (C) |
| ३२ | ४४ | ११ | मं. | ४६ | २२ | २४ | १८ | शत. | ०६ | १२ | ०८ | १४ | ऐं. | ५८ | ३० | ब. | १३ | ४२ | ५:४५ | ६:५१ | १० | १७ | २४ | ३० | मीन २८:१५ | वरुथिनी एकादशी व्रत (स.), वल्लभाचार्य जयंती, (D) |
| ३२ | ४८ | १२ | बु. | ५० | ५२ | २६ | ०५ | पू.भा. | १२ | ५० | १० | ५२ | वै. | ५६ | २५ | कौ. | १८ | ४७ | ५:४४ | ६:५२ | ११ | १८ | २५ | मई १ | मीन | श्रमिक दिवस। |
| ३२ | ५१ | १३ | गु. | ५४ | ०२ | २७ | २१ | उ.भा. | १८ | १५ | १३ | ०२ | वि. | ५६ | १५ | ग. | २२ | ३७ | ५:४४ | ६:५२ | १२ | १९ | २६ | २ | मीन | प्रदोष व्रत,भद्रा २७:२१ बजे से प्रा., (E) |
| ३२ | ५५ | १४ | शु. | ५५ | ५२ | २८ | ०४ | रे. | २२ | २२ | १४ | ४० | प्री. | ५८ | ०५ | वि. | २५ | १० | ५:४३ | ६:५३ | १३ | २० | २७ | ३ | मेष १४:४० | मासशिवरात्रि, भद्रा १५:४७ बजे तक, (F) |
| ३२ | ५८ | ३० | श. | ५६ | २२ | २८ | १५ | अश्वि. | २५ | १२ | १५ | ४७ | आ. | ५५ | ५२ | चतु. | २६ | १७ | ५:४२ | ६:५४ | १४ | २१ | २८ | ४ | मेष | शनैश्चरी अमावस्या, गण्डमूल समा. १५:४७ बजे। |

(A) गण्डमूल प्रा.१६:४५ बजे, वक्रीगुरु ज्येष्ठा वृश्चिक राशि में २५:११ बजे। (B) बुध रेवती में १०:३५ बजे। (C) शुक्र रेवती में१९:२३ बजे। (D) शनि वक्री ०६:२३ बजे। (E) गण्डमूल प्रा. १३:०२ बजे।(F) पञ्चक समा. १४:४० बजे, बुध अश्विनी मेषराशि में १७:०३ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०० | ०९ | ०१ | ११ | ०७ | ११ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १२ | १३ | २३ | १९ | २९ | १३ | २६ | २७ | २७ |
| क. | २२ | ३४ | २८ | २६ | ४८ | ३५ | २३ | १८ | १८ |
| वि. | ३५ | ५१ | ४९ | ०२ | ५४ | २० | २१ | ०१ | ०१ |
| गति | ५८ २३ | ७१० ३४ | ३९ ०८ | ६३ २७ | ०२ व. ५५ | ७२ ४४ | ०० १५ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | अश्वि. ४ च. | श्रव. २ च. | मृग. १ च. | रेव. १ च. | ज्ये. ४ च. | उ.भा. ४ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. ३ च. | उ.षा. १ च. |

**२७ अप्रैल २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

२ मं.
बु.शु. १२
११
रा.३
सू. १
४
१० चं.
५
७
श. ९ के.
६
८ गु.

**वैशाख कृ. ८, शनिवार**

इस मास में पाँच शनिवार हैं और वृष की संक्रान्ति बुधवार को है, अतः चोरी, डकैती, वैमनस्य तथा महामारी से प्रजा में अशान्ति का वातावरण रहेगा। आँधी-तूफान से फसलों विशेषकर फलों को नुकसान होने की सम्भावना है। गुड़, घी, जौ, चना के भाव मन्दे रहेंगे। रोजमर्रा की वस्तुओं में मँहगाई की मार से आम जनता त्रस्त रहेगी। शेयर बाजार में तेजी का रुख रहेगा।

**४ मई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

रा.३
सू.बु.चं. १
१२ शु.
४
मं. २
११
५
६
८ गु.
१०
७
९ श. के.

**वैशाख कृ. ३०, शनिवार**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०० | ०० | ०१ | ०० | ०७ | ११ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १९ | ०८ | २८ | ०० | २९ | २२ | २६ | २६ | २६ |
| क. | १० | २० | ०२ | ५८ | २३ | ०४ | २३ | ५५ | ५५ |
| वि. | ३८ | ५७ | २१ | ३३ | ३७ | ४२ | ०० | ४६ | ४६ |
| गति | ५८ ११ | ७७३ ५४ | ३९ ०० | १०६ १४ | ०४ व. ०७ | ७२ ४८ | ०० व. २१ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | भर. २ च. | अश्वि. ३ च. | मृग. २ च. | अश्वि. १ च. | ज्ये. ४ च. | रेव. २ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. ३ च. | उ.षा. १ च. |

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, वैशाख शुक्ल पक्ष ( दि. ५ मई से १८ मई २०१९ ई० ), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २९५१, अयनांश २४:०७':२०"

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३ | ०२ | १ | र. | ५५ | ४५ | २७ | ५६ | भ. | २६ | ४७ | १६ | २४ | सौ. | ५२ | ४७ | किं. | २६ | १२ | ५:४१ | ६:५४ | वै. १५ | वै. २२ | सा २६ | मई ५ | वृष २२:३० | |
| ३३ | ०५ | २ | सो. | ५४ | ०२ | २७ | १८ | कृ. | २७ | १७ | १६ | ३० | शो. | ४८ | ५० | बा. | २५ | ०० | ५:४१ | ६:५५ | १६ | २३ | ३० | ६ | वृष | बुध अस्त २६:४८ बजे, चन्द्रदर्शन। |
| ३३ | ०६ | ३ | मं. | ५१ | ३२ | २६ | १७ | रो. | २६ | ०७ | १६ | २७ | अति. | ४४ | १५ | तै. | २२ | ५५ | ५:४० | ६:५५ | १७ | २४ | र. १ | ७ | मिथुन २८:१५ | अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती, प्रदोषकाल, (A) |
| ३३ | १२ | ४ | बु. | ४८ | २० | २४ | ५६ | मृग. | २५ | ५० | १५ | ५६ | सु. | ३६ | ०५ | व. | २० | ०२ | ५:३९ | ६:५६ | १८ | २५ | २ | ८ | मिथुन | विनायक चतुर्थी, भद्रा १३:४० बजे से २४:५६ बजे तक। |
| ३३ | १५ | ५ | गु. | ४४ | ३२ | २३ | २७ | आ. | २४ | ०७ | १५ | १७ | धृ. | ३३ | २५ | ब. | १६ | ३२ | ५:३८ | ६:५७ | १९ | २६ | ३ | ९ | मिथुन | आद्यगुरु शंकराचार्य जयं., सूरदास जयं., रामानुज जयं.। |
| ३३ | १९ | ६ | शु. | ४० | १० | २१ | ४२ | पुन. | २१ | ४७ | १४ | २१ | शू. | २७ | १५ | कौ. | १२ | २५ | ५:३८ | ६:५७ | २० | २७ | ४ | १० | कर्क ८:३६ | बुध भरणी में २२:०६ बजे, शुक्र अश्विनी में, (B) |
| ३३ | २२ | ७ | श. | ३५ | २० | १९ | ४५ | पु. | १९ | ०० | १३ | १३ | गं. | २० | ४५ | ग. | ०७ | ४७ | ५:३७ | ६:५८ | २१ | २८ | ५ | ११ | कर्क | गङ्गोत्पत्ति, गङ्गा सप्तमी, भद्रा १९:४५ बजे प्रा.,(C) |
| ३३ | २५ | ८ | र. | ३० | ०२ | १७ | ३७ | आश्ले. | १५ | ४७ | ११ | ५५ | वृ. | १३ | ५२ | वि | ०२ | ४५ | ५:३६ | ६:५९ | २२ | २९ | ६ | १२ | सिंह ११:५५ | दुर्गाष्टमी (मध्याह्न व्यापिनी), भद्रा ०६:४२ बजे तक (D) |
| ३३ | २८ | ९ | सो. | २४ | २२ | १५ | २१ | म. | १२ | ०७ | १० | २७ | ध्रु. व्या. | ०६ ५६ | ४१ १२ | कौ. | २४ | २२ | ५:३६ | ६:५९ | २३ | ३० | ७ | १३ | सिंह | सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस, (E) |
| ३३ | ३१ | १० | मं. | १८ | ३० | १२ | ५९ | पू.फा. | ०८ | १५ | ०८ | ५३ | ह. | ५१ | ४२ | ग. | १८ | ३० | ५:३५ | ७:०० | २४ | ३१ | ८ | १४ | कन्या १४:२९ | भद्रा २३:४७ बजे प्रा.। |
| ३३ | ३४ | ११ | बु. | १२ | ३२ | १० | ३६ | उ.फा. | ०४ | १२ | ०७ | १६ | व. | ४४ | १० | वि. | १२ | ३२ | ५:३५ | ७:०० | २५ | ज्ये. १ | ९ | १५ | कन्या | मोहिनी एकादशी व्रत (स.), वृष संक्रान्ति ११:०१ बजे,(F) |
| ३३ | ३७ | १२ | गु. | ०६ | ४२ | ०८ | १५ | ह. चि. | ०६ ५६ | ३० ४५ | ०५ २८ | ४२ १६ | सि. | ३६ | ५५ | बा. | ०६ | ४२ | ५:३४ | ७:०१ | २६ | २ | १० | १६ | तुला १६:५७ | प्रदोष व्रत। |
| ३३ | ४० | १३ १४ | शु. | ०१ ५६ | ३० ३५ | ०६ २८ | ०५ ११ | स्वा. | ५२ | ३५ | २७ | ०७ | व्य. | ३० | ०७ | तै. | ०१ | २० | ५:३३ | ७:०२ | २७ | ३ | ११ | १७ | तुला | नृसिंह जयंती प्रदोषकाल, छिन्नमस्ता जयन्ती, (G) |
| ३३ | ४३ | १५ | श. | ५२ | ५० | २६ | ४१ | वि. | ५२ | ०२ | २६ | २२ | वरि. | २४ | ०२ | वि. | २४ | ३५ | ५:३३ | ७:०२ | २८ | ४ | १२ | १८ | वृश्चिक २०:३० | बुधपूर्णिमा, बुद्ध जयं. उदयकाल, सत्यव्रत, (H) |

(A) शिवाजी जयन्ती, मातंगी जयन्ती, त्रेता युगादि, बद्री केदार यात्रा, रोहिणी व्रत, रवीन्द्रनाथ टैगोर जयं.। मंगल मिथुन में ६:५३ बजे, मु. रमजान प्रा.। (B) मेष राशि में १९:०६ बजे। (C) गण्डमूल प्रा. १३:१३ बजे, सूर्य कृतिका में २४:०८ बजे। (D) बगलामुखी जयं. (E) गण्डमूल समा. १०:२७ बजे। (F) सं. पुण्यकाल सूर्योदय से ११:०१ बजे तक, भद्रा १०:३६ बजे तक। (G) भद्रा २८:११ बजे प्रा., मंगल आर्द्रा में १३:५९ बजे, बुध कृतिका में १०:१८ बजे। (H) वैशाख स्नान समाप्त, पूर्णिमा व्रत, कूर्म जयंती मध्याह्नकाल, नारद जयन्ती, भद्रा १५:२३ बजे तक, बुध वृष में २३:३५ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०० | ०३ | ०२ | ०० | ०७ | ०० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २६ | २६ | ०३ | १५ | २८ | ०१ | २६ | २६ | २६ |
| क. | ५५ | ४६ | १३ | ५९ | ४५ | ४७ | १६ | ३० | ३० |
| वि. | १६ | ५८ | ४९ | ४३ | ०० | १९ | ४६ | १९ | १९ |
| गति | ५७ ५६ | ८५० ४७ | ३८ ५१ | १२० ४५ | ०५ व. २१ | ७२ ५१ | ०१ व. ०७ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | कृत्ति. १ च. | आश्ले. ४ च. | मृग. ३ च. | भर. १ च. | ज्ये. ४ च. | अश्वि. १ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

**१२ मई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

मं.रा. ३ | सू.बु.शु. १ | चं. ४ | २ | १२ | ५ | ११ | ६ | ८ गु. | १० | ७ | ९ श.के.

**वैशाख शु. ८, रविवार**

इस मास में सूर्य का मंगल एवं शुक्र से द्विर्द्वादश तथा मंगल का गुरु से षडष्टक शनि-केतु से समसप्तक सम्बन्ध होने के कारण उग्रवाद एवं अग्निकाण्ड से अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि होगी। कश्मीर, पाकिस्तान एवं चीन की सीमाओं पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। समय पर वृष्टि न होने के कारण कृषक-वर्ग चिन्तित रहेगा।

**१८ मई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

मं.रा. ३ | बु.शु. १ | ४ | सू. २ | १२ | ५ | ११ | ६ | ८ गु. | १० | ७ चं. | ९ श.के.

**वैशाख शु. १५, शनिवार**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०१ | ०६ | ०२ | ०० | ०७ | ०० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०२ | २१ | ०७ | २८ | २८ | ०९ | २६ | २६ | २६ |
| क. | ४२ | ५५ | ०६ | २७ | १० | ०४ | ०८ | ११ | ११ |
| वि. | २८ | ४२ | ३५ | ४७ | ०९ | ३० | ०९ | १५ | १५ |
| गति | ५७ ४६ | ८२३ २४ | ३८ ४३ | १२६ २२ | ०६ व. ०७ | ७२ ५४ | ०१ व. ४० | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | कृत्ति २ च. | विशा. १ च. | आर्द्रा १ च. | कृत्ति. १ च. | ज्ये. ४ च. | अश्वि. ३ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष ( दि. १९ मई से ३ जून २०१९ ई० ), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २९६५, अयनांश २४:०७':२२"

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३ | ४५ | १ | र. | ५० | २५ | २५ | ४३ | अनु. | ५१ | २५ | २६ | ०७ | परि. | १८ | ५२ | बा. | २१ | २७ | ५:३३ | ७:०३ | वै. २६ | ज्ये. ५ | र. १३ | म. १९ | वृश्चिक | गण्डमूल प्रा. २६:०७ बजे। |
| ३३ | ४८ | २ | सो. | ४६ | ३२ | २५ | २१ | ज्ये. | ५२ | २२ | २६ | २६ | शि. | १४ | ५२ | तै. | १६ | ४७ | ५:३२ | ७:०३ | ३० | ६ | १४ | २० | धनु २६:२६ | |
| ३३ | ५१ | ३ | मं. | ५० | २२ | २५ | ४१ | मू. | ५४ | ५७ | २७ | ३१ | सि. | १२ | ०७ | व. | १६ | ४५ | ५:३२ | ७:०४ | ३१ | ७ | १५ | २१ | धनु | भद्रा १३:२४ बजे से २५:४१ बजे तक, गण्डमूल समा. (A) |
| ३३ | ५३ | ४ | बु. | ५२ | ५५ | २६ | ४१ | पू.षा. | ५६ | १५ | २६ | १३ | सा. | १० | ४७ | ब. | २१ | २७ | ५:३१ | ७:०५ | ज्ये. १ | ८ | १६ | २२ | धनु | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २२:२८, रा. ज्येष्ठ प्रा.। |
| ३३ | ५६ | ५ | गु. | ५७ | ०० | २८ | १६ | उ.षा. | ६० | ०० | - | - | शुभ | १० | ४२ | कौ. | २४ | ४५ | ५:३१ | ७:०५ | २ | ९ | १७ | २३ | मकर ११:४४ | बुध रोहिणी में १३:२६ बजे। |
| ३३ | ५८ | ६ | शु. | ६० | ०० | - | - | उ.षा. | ०५ | ०० | ०७ | ३० | शु. | ११ | ५० | ग. | २६ | ३२ | ५:३० | ७:०६ | ३ | १० | १८ | २४ | मकर | |
| ३४ | ०० | ६ | श. | ०२ | १७ | ०६ | २५ | श्र. | ११ | ५२ | १० | १५ | ब्र. | १३ | ४५ | व. | ०२ | १७ | ५:३० | ७:०६ | ४ | ११ | १९ | २५ | कुम्भ २३:४३ | भद्रा ०६:२५ बजे से १९:३६ बजे तक, पञ्चक प्रा. (B) |
| ३४ | ०३ | ७ | र. | ०८ | १७ | ०८ | ४६ | धनि. | १६ | १७ | १३ | १३ | ऐं. | १६ | १० | ब. | ०८ | १७ | ५:३० | ७:०७ | ५ | १२ | २० | २६ | कुम्भ | भानु सप्तमी, कालाष्टमी। |
| ३४ | ०५ | ८ | सो. | १४ | २७ | ११ | १६ | शत. | २६ | ५० | १६ | १३ | वै. | १८ | ३७ | कौ. | १४ | २७ | ५:२९ | ७:०७ | ६ | १३ | २१ | २७ | कुम्भ | |
| ३४ | ०७ | ९ | मं. | २० | ०५ | १३ | ३१ | पू.भा. | ३३ | ४२ | १८ | ५८ | वि. | २० | ४० | ग. | २० | ०५ | ५:२९ | ७:०८ | ७ | १४ | २२ | २८ | मीन १२:१९ | भद्रा २६:३० बजे से प्रा.। |
| ३४ | ०९ | १० | बु. | २४ | ४० | १५ | २१ | उ.भा. | ३९ | ३२ | २१ | १८ | प्री. | २१ | ५५ | वि. | २४ | ४० | ५:२९ | ७:०९ | ८ | १५ | २३ | २९ | मीन | भद्रा १५:२१ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २१:१८ बजे, (C) |
| ३४ | ११ | ११ | गु. | २७ | ५५ | १६ | ३८ | रे. | ४३ | ५७ | २३ | ०३ | आ. | २२ | ०७ | बा. | २७ | ५५ | ५:२८ | ७:०९ | ९ | १६ | २४ | ३० | मेष २०:०३ | अपरा एकादशी व्रत (स.), पञ्चक समा. २३:०३ बजे। |
| ३४ | १३ | १२ | शु. | २९ | ३२ | १७ | १७ | अश्वि. | ४६ | ५० | २४ | १२ | सौ. | २१ | ०५ | तै. | २९ | ३२ | ५:२८ | ७:१० | १० | १७ | २५ | ३१ | मेष | प्रदोष व्रत, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस, (D) |
| ३४ | १५ | १३ | श. | २९ | ३२ | १७ | १७ | भ. | ४८ | ०५ | २४ | ४२ | शो. | १८ | ४७ | व. | २९ | ३२ | ५:२८ | ७:१० | ११ | १८ | २६ | जू. १ | मेष | मासशिवरात्रि, भद्रा १७:१७ बजे से २९:०३ बजे तक, (F) |
| ३४ | १७ | १४ | र. | २८ | ०० | १६ | ४० | कृ. | ४७ | ५५ | २४ | ३८ | अति. | १५ | १५ | श. | २८ | ०० | ५:२८ | ७:११ | १२ | १९ | २७ | २ | वृष ६:४४ | |
| ३४ | १८ | ३० | सो. | २५ | १० | १५ | ३२ | रो. | ४६ | ३२ | २४ | ०५ | सु. | १० | ३७ | ना. | १५ | ३२ | ५:२८ | ७:११ | १३ | २० | २८ | ३ | वृष | वट सावित्री व्रत, भावुका अमावस्या, रोहिणी व्रत, (G) |

(A) २७:३१ बजे, शुक्र भरणी में १८:३३ बजे, सायन सूर्य मिथुन में १३:२६ बजे। (B) २३:४३ बजे, सूर्य रोहिणी में २०:२६बजे। (C) बुध मृगशिरा में १७:५२ बजे, बुधोदय २८:२७ बजे। (D) गण्डमूल समा. २४:१२ बजे। (E) शुक्र कृतिका में १७:३८ बजे, बुध मिथुन में २४:१७ बजे। (F) शुक्र कृतिका में १७:३८ बजे, बुध मिथुन में २४:१७ बजे। (G) सोमवती अमावस्या।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०१ | १० | ०२ | ०१ | ०७ | ०० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ११ | १५ | १२ | १८ | २७ | २० | २५ | २५ | २५ |
| क. | २१ | १० | ५४ | ०४ | १० | ०० | ४६ | ४२ | ४२ |
| वि. | ४० | १३ | २८ | २८ | १६ | ५५ | १६ | ३८ | ३८ |
| गति | ५७ ३६ | ७९४ १७ | २८ ३४ | १२८ ३१ | १४ व. ०८ | ७३ ०० | ०२ व. ३६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | रोहि. १ च. | शत. ३ च. | आर्द्रा. २ च. | रोहि. ३ च. | ज्ये. ४ च. | भर. ३ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

**२७ मई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

मं.रा. ३
शु. १
सू.बु. २
४
१२
५
११ चं.
६
८ गु.
१०
७
९ श.के.

ज्येष्ठ कृ. ८, सोमवार

इस मास में पाँच रविवार एवं पाँच सोमवार हैं और मिथुन संक्रान्ति शनिवार को है, अतः प्रजा में रोग, भय, अशान्ति व्याप्त रहेगी। खण्डवृष्टि होने से कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। अन्न एवं सुवर्ण आदि धातुओं के भाव तेज रहेंगे। आम जनता मँहगाई की मार से लाचार सी नजर आयेगी। सरकार द्वारा मँहगाई पर अंकुश लगाने के लिए अनेक उपाय किये जाने पर भी तत्काल उसका लाभ जनता को नहीं मिल पायेगा।

**३ जून २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

सू.चं. २
४
मं.बु.रा. ३
१ शु.
५
१२
६
९ श.के.
११
७
८ गु.
१०

ज्येष्ठ कृ. ३०, सोमवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०१ | ०१ | ०२ | ०२ | ०७ | ०० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १८ | १३ | १७ | ०२ | २६ | २८ | २५ | २५ | २५ |
| क. | ०४ | १६ | २४ | २७ | १९ | ३२ | ३० | २० | २० |
| वि. | ३४ | ४७ | १३ | ४६ | ०६ | ०४ | ०० | २३ | २३ |
| गति | ५७ २९ | ८२२ ५२ | ३८ २९ | ११४ ५६ | ०७ व. २८ | ७३ ०४ | ०२ व. ५६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | रोहि. ३ च. | रोहि. १ च. | आर्द्रा. ४ च. | मृग. ३ च. | ज्ये. ३ च. | कृत्ति. १ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष ( दि. ४ जून से १७ जून २०१९ ई० ), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २९८१, अयनांश २४:०७:२५"

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४ | २० | १ | मं. | २१ | १७ | १३ | ५८ | मृग. | ४४ | १२ | २३ | ०८ | धृति शू. | ०५ ५८ | ०५ ४७ | ब. | २१ | १७ | ५:२७ | ७:१२ | ज्ये. १४ | ज्ये. २१ | रे. २८ | जून ४ | मिथुन ११:३६ | चन्द्रदर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा., (A) |
| ३४ | २१ | २ | बु. | १६ | ३० | १२ | ०३ | आ. | ३८ | ३७ | २१ | ५४ | गं. | ५१ | ५७ | कौ. | १६ | ३० | ५:२७ | ७:१२ | १५ | २२ | स. १ | ५ | मिथुन | ईद उल फितर, विश्व पर्यावरण दिवस, (B) |
| ३४ | २३ | ३ | गु. | ११ | १० | ०६ | ५५ | पुन. | ३७ | ३२ | २० | २८ | वृ. | ४४ | ४५ | ग. | ११ | १० | ५:२७ | ७:१३ | १६ | २३ | २ | ६ | कर्क १४:५० | महाराणा प्रताप जयंती, विनायक चतुर्थी, (C) |
| ३४ | २४ | ४ ५ | शु. | ०५ ५६ | ३७ ३५ | ०७ २६ | ३८ १७ | पु. | ३३ | ४२ | १८ | ५६ | ध्रु. | ३७ | २२ | वि. | ०५ | ३७ | ५:२७ | ७:१३ | १७ | २४ | ३ | ७ | कर्क | भद्रा ०७:३८ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १८:५६ बजे (D) |
| ३४ | २५ | ६ | श. | ५३ | ४० | २६ | ५५ | आश्ले. | २६ | ४७ | १७ | २२ | व्या. | २६ | ५५ | कौ. | २६ | ३७ | ५:२७ | ७:१३ | १८ | २५ | ४ | ८ | सिंह १७:२२ | अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा, सूर्य मृग. में १८:१३ बजे। |
| ३४ | २७ | ७ | र. | ४७ | ५२ | २४ | ३६ | म. | २५ | ५५ | १५ | ४६ | ह. | २२ | ३० | ग. | २० | ४५ | ५:२७ | ७:१४ | १६ | २६ | ५ | ६ | सिंह | भद्रा २४:३६ बजे प्रा., गण्डमूल समा. १५:४६ बजे। |
| ३४ | २८ | ८ | सो. | ४२ | २२ | २२ | २४ | पू.फा. | २२ | १५ | १४ | २१ | व. | १५ | १५ | वि. | १५ | ०५ | ५:२७ | ७:१४ | २० | २७ | ६ | १० | कन्या २०:०० | दुर्गाष्टमी, मेला क्षीरभवानी (काश्मीर), धूमावती जयं.(E) |
| ३४ | २६ | ९ | मं. | ३७ | १२ | २० | २० | उ.फा. | १८ | ५२ | १३ | ०० | सि. | ०८ | १७ | बा. | ०६ | ४२ | ५:२७ | ७:१५ | २१ | २८ | ७ | ११ | कन्या | |
| ३४ | ३० | १० | बु. | ३२ | ३० | १८ | २७ | ह. | १६ | ०० | ११ | ५१ | व्य. वरि. | ०१ ५५ | ३७ २५ | तै. | ०४ | ४७ | ५:२७ | ७:१५ | २२ | २६ | ८ | १२ | तुला २३:२१ | गंगा दशहरा, गायत्री जयन्ती, रामेश्वर प्रतिष्ठा, (F) |
| ३४ | ३० | ११ | गु. | २८ | २५ | १६ | ४६ | चि. | १३ | ४० | १० | ५५ | परि. | ४६ | ४७ | व. | ०० | २२ | ५:२७ | ७:१५ | २३ | ३० | ६ | १३ | तुला | निर्जला एकादशी व्रत (स.), भद्रा ०५:३६ बजे से, (G) |
| ३४ | ३१ | १२ | शु. | २५ | ०७ | १५ | ३० | स्वा. | १२ | ०२ | १० | १६ | शि. | ४४ | ४७ | बा. | २५ | ०७ | ५:२७ | ७:१६ | २४ | ३१ | १० | १४ | वृश्चिक २८:०१ | प्रदोष व्रत। |
| ३४ | ३२ | १३ | श. | २२ | ४५ | १४ | ३३ | वि. | ११ | २० | ०६ | ५६ | सि. | ४० | ३७ | तै. | २२ | ४५ | ५:२७ | ७:१६ | २५ | आ. १ | ११ | १५ | वृश्चिक | मिथुन संक्रान्ति १७:३८, सं. पुण्यकाल १७:३८ (H) |
| ३४ | ३२ | १४ | र. | २१ | २७ | १४ | ०२ | अनु. | ११ | ४० | १० | ०७ | सा. | ३७ | २० | व. | २१ | २७ | ५:२७ | ७:१६ | २६ | २ | १२ | १६ | वृश्चिक | पूर्णिमा व्रत, भद्रा १४:०२ बजे से २५:५८ बजे तक, (I) |
| ३४ | ३३ | १५ | सो. | २१ | २२ | १४ | ०० | ज्ये. | १३ | १० | १० | ४३ | शुभ | ३५ | ०५ | ब. | २१ | २२ | ५:२७ | ७:१७ | २७ | ३ | १३ | १७ | धनु १०:४३ | वटसावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वटपूर्णिमा, (J) |

(A) शुक्र वृष में ११:२० बजे। (B) रम्भा तृतीया, बुध आर्द्रा में ११:४८ बजे, मु. सव्वाल प्रा.। (C) भद्रा २०:४७ बजे प्रा.। (D) मंगल पुनर्वसु में ०७:३६ बजे। (E) भद्रा ११:२६ बजे तक। (F) गङ्गावतार, शुक्र रोहिणी में १६:२० बजे। (G) १६:४६ बजे तक, बुध पुनर्वसु में ११:२३ बजे। (H) से सूर्यास्त तक। (I) गण्डमूल प्रा १०:०७ बजे। (J) कबीरदास जयन्ती, सत्यव्रत, मन्वादि (वैवस्वत)।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०१ | ०४ | ०२ | ०२ | ०७ | ०१ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २४ | २२ | २१ | १४ | २५ | ०७ | २५ | २४ | २४ |
| क. | ४६ | ०० | ५३ | ५६ | २५ | ०३ | ०७ | ५८ | ५८ |
| वि. | ३८ | ०६ | १६ | १० | ५७ | ३६ | १३ | ०७ | ०७ |
| गति | ५७ २२ | ८४८ ५८ | ३८ २३ | ६६ ५० | ०७ व. ३६ | ७३ ०७ | ०३ व. २७ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | मृग. १ च. | पू.फा. ३ च. | पुन. १ च. | आर्द्रा ३ च. | ज्ये. ३ च. | कृत्ति ४ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

**१० जून २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

४ — सू. शु. २ — १
चं. ५ — बु. मं. रा. ३ — १२
६ — श. के. ९ — ११
७ — ८ गु. — १०

ज्येष्ठ शु. ८, सोमवार

इस मास में सूर्य का गुरु से समसप्तक सम्बन्ध, मंगल-राहु और शुक्र से द्विर्द्वादश योग एवं शनि-केतु से षडष्टक योग है तथा बुधोदय होने के कारण आँधी-तूफान, ओलावृष्टि, भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि होगी। आतङ्कवाद, उग्रवाद, अग्निकाण्ड एवं बम-विस्फोट से विभीषिका का वातावरण रहेगा। पक्ष एवं विपक्ष में मुद्दों के आधार पर तीखी नोक झोंक होगी।

**१७ जून २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

४ — रा. २ शु. — १
५ — सू. बु. मं. ३ — १२
६ — श. के. ९ — ११
७ — ८ गु. चं. — १०

ज्येष्ठ शु. १५, सोमवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०२ | ०७ | ०२ | ०२ | ०७ | ०१ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०१ | २७ | २६ | ३५ | २४ | १५ | २४ | २४ | २४ |
| क. | २७ | ४२ | २१ | १६ | ३२ | ३५ | ४१ | ३५ | ३५ |
| वि. | ५१ | ३२ | ४२ | २६ | ३४ | ३६ | २६ | ५२ | ५२ |
| गति | ५७ १६ | ७६७ २३ | ३८ १७ | ७७ २२ | ०७ व. ३४ | ७३ १२ | ०३ व. ५० | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | मृग. ३ च. | ज्ये. ४ च. | पुन. २ च. | पुन. २ च. | ज्ये ३ च. | रोहि. २ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

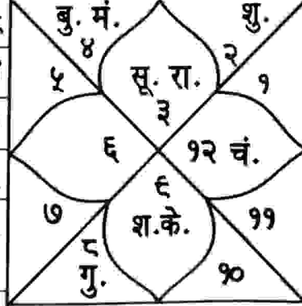
**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, आषाढ़ कृ. पक्ष ( दि. १८ जून से २ जुलाई २०१९ ई० ), उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु/वर्षा ऋतु, के. अहर्गण २१९५, अयनांश २४:०७:२८**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४ | ३३ | **१** | **मं.** | २२ | ४० | १४ | ३१ | **मू.** | १३ | २७ | ११ | ५० | **शु.** | ३३ | ५२ | **कौ.** | २२ | ४० | ५:२७ | ७:१७ | ज्ये. २८ | आ. ४ | स. १४ | **जून १८** | धनु | अशून्य शयन व्रत, गण्डमूल समा. ११:५० बजे। |
| ३४ | ३३ | **२** | **बु.** | २५ | १५ | १५ | ३४ | **पू.षा.** | २० | ०२ | १३ | २६ | **ब्र.** | ३३ | ४० | **ग.** | २५ | १५ | ५:२८ | ७:१७ | २६ | ५ | १५ | **१९** | मकर १६:५६ | भद्रा २८:१८ बजे प्रा.। |
| ३४ | ३४ | **३** | **गु.** | २६ | १० | १७ | ०८ | **उ.षा.** | २५ | २७ | १५ | ३६ | **ऐं.** | ३४ | ३२ | **वि.** | २६ | १० | ५:२८ | ७:१७ | ३० | ६ | १६ | **२०** | मकर | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:५४ बजे, (A) |
| ३४ | ३४ | **४** | **शु.** | ३४ | १२ | १६ | ०६ | **श्र.** | ३१ | ५५ | १८ | १४ | **वै.** | ३६ | १२ | **ब.** | ०१ | ३७ | ५:२८ | ७:१८ | ३१ | ७ | १७ | **२१** | मकर | सबसे बड़ा दिन, अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस, (B) |
| ३४ | ३४ | **५** | **श.** | ३६ | ५७ | २१ | २७ | **धनि.** | ३६ | ०७ | २१ | ०७ | **वि.** | ३८ | २५ | **कौ.** | ०७ | ०० | ५:२८ | ७:१८ | आ. १ | ८ | १८ | **२२** | कुम्भ ७:३६ | पञ्चक प्रा. ०७:३६ बजे, सूर्य आर्द्रा में १७:१८ बजे,(C) |
| ३४ | ३४ | **६** | **र.** | ४६ | ०२ | २३ | ५३ | **शत.** | ४६ | ३७ | २४ | ०७ | **प्री.** | ४० | ५५ | **ग.** | १३ | १० | ५:२८ | ७:१८ | २ | ९ | १९ | **२३** | कुम्भ | भद्रा २३:५३ बजे प्रा., शुक्र मृगशिरा में १४:३८ बजे। |
| ३४ | ३३ | **७** | **सो.** | ५१ | ५० | २६ | १३ | **पू.भा.** | ५३ | ५२ | २७ | ०२ | **आयु.** | ४३ | १० | **वि** | १८ | ५७ | ५:२९ | ७:१८ | ३ | १० | २० | **२४** | मीन २०:१९ | भानुसप्तमी, भद्रा १३:०५ बजे तक, बुध पुष्य में ०७:२८ बजे। |
| ३४ | ३३ | **८** | **मं.** | ५६ | ५२ | २८ | १४ | **उ.भा.** | ६० | ०० | – | – | **सौ.** | ४४ | ५७ | **बा.** | २४ | २७ | ५:२९ | ७:१८ | ४ | ११ | २१ | **२५** | मीन | कालाष्टमी। |
| ३४ | ३३ | **९** | **बु.** | ६० | ०० | – | – | **उ.भा.** | ०० | २० | ०५ | ३७ | **शो.** | ४५ | ५० | **तै.** | २८ | ५५ | ५:२९ | ७:१८ | ५ | १२ | २२ | **२६** | मीन | गण्डमूल प्रा. ०५:३७ बजे। |
| ३४ | ३२ | **९** | **गु.** | ०० | ३७ | ०५ | ४४ | **रे.** | ०५ | ३५ | ०७ | ४३ | **अति.** | ४५ | ३० | **ग.** | ०० | ३७ | ५:२९ | ७:१९ | ६ | १३ | २३ | **२७** | मेष ७:४३ | भद्रा १८:१५ बजे प्रा., पञ्चक समा. ०७:४३ बजे, (D) |
| ३४ | ३२ | **१०** | **शु.** | ०२ | ४५ | ०६ | ३६ | **अश्वि.** | ०९ | १२ | ०६ | ११ | **सु.** | ४३ | ४५ | **वि.** | ०२ | ४५ | ५:३० | ७:१९ | ७ | १४ | २४ | **२८** | मेष | भद्रा ०६:३७ बजे तक, गण्डमूल समा. ०९:११ बजे,(E) |
| ३४ | ३१ | **११** | **श.** | ०३ | १० | ०६ | ४६ | **भ.** | ११ | ०७ | ०९ | ५७ | **धृ.** | ४० | ३५ | **बा.** | ०३ | १० | ५:३० | ७:१९ | ८ | १५ | २५ | **२९** | वृष १६:०२ | योगिनी एकादशीव्रत (स.) |
| ३४ | ३० | **१२/१३** | **र.** | ०१/५८ | ४२/३५ | ०६/२८ | ११/५६ | **कृ.** | ११ | १७ | १० | ०१ | **शू.** | ३६ | ०२ | **तै.** | ०१ | ४२ | ५:३० | ७:१९ | ९ | १६ | २६ | **३०** | वृष | प्रदोष व्रत, भद्रा २८:५६ बजे प्रा.। |
| ३४ | २९ | **१४** | **सो.** | ५३ | ५७ | २७ | ०६ | **रो.** | ०९ | ४५ | ०९ | २५ | **गं.** | ३० | १० | **वि.** | २६ | २५ | ५:३१ | ७:१९ | १० | १७ | २७ | **जु १** | मिथुन २०:५३ | मास शिवरात्रि, रोहिणी व्रत, भद्रा १६:०५ बजे तक। |
| ३४ | २९ | **३०** | **मं.** | ४८ | ०७ | २४ | ४६ | **मृग.** | ०६ | ४७ | ०८ | १४ | **वृ.** | २३ | १५ | **चतु.** | २१ | १० | ५:३१ | ७:१९ | ११ | १८ | २८ | **२** | मिथुन | भौमवती अमावस्या। |

(A) भद्रा १७:०९ बजे तक, बुध कर्क में २६:२७ बजे। (B) सायन सूर्य कर्क में २१:२४ बजे, वर्षा ऋतु प्रा., दक्षिणायन प्रा.। (C) मंगल कर्क में २३:२२ बजे, रा. आषाढ़ प्रा.। (D) मंगल पुष्य में २८:५८ बजे। (E) शुक्र मिथुन में २५:३३ बजे।

**२५ जून २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

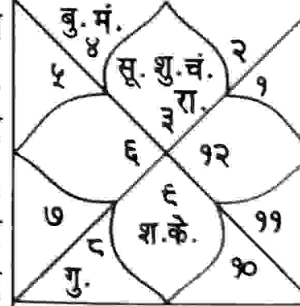
| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०२ | ११ | ०३ | ०३ | ०७ | ०१ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०९ | ०५ | ०१ | ०४ | २३ | २५ | २४ | २४ | २४ |
| क. | ०५ | ०२ | २७ | १३ | २३ | २१ | ०६ | १० | १० |
| वि. | ४८ | २१ | ४४ | ०७ | ३६ | ३६ | १३ | २६ | २६ |
| गति | ५७ / १४ | ७३२ / ४८ | ३८ / १३ | ५२ / ०६ | ०७ व. / १० | ७३ / ०८ | ०४ व. / १० | ०३ / ११ | ०३ / ११ |
| नक्षत्र चरण | आर्द्रा १ च. | पू.भा. १ च. | पुन. ४ च. | पुष्य. १ च. | ज्ये. ३ च. | मृग. १ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |




आषाढ़ कृ. ८, मंगलवार

इस मास में पाँच मंगलवार हैं और कर्क की संक्रान्ति भी मंगलवार को है, अतः प्रजा में परस्पर द्वेष, कलह, रक्तविकार एवं अशान्ति का वातावरण रहेगा। गेहूँ, चना, जौ, चावल आदि अन्नों तथा खाण्ड, गुड़, घी एवं रस वाले पदार्थों के भाव तेज रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी का दौर रहेगा।

**२ जुलाई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**




आषाढ़ कृ. ३०, मंगलवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०२ | ०२ | ०३ | ०३ | ०७ | ०२ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १५ | ०५ | ०५ | ०८ | २२ | ०३ | २३ | २३ | २३ |
| क. | ४६ | ३६ | ५५ | ५६ | ४५ | ५५ | ३६ | ४८ | ४८ |
| वि. | २३ | ५० | ०६ | ०८ | ४१ | ०६ | १५ | १० | १० |
| गति | ५७ / १४ | ८५७ / ४३ | ३८ / १० | २४ / ४८ | ०६ व. / ३४ | ८३ / २६ | ०४ व. / २१ | ०३ / ११ | ०३ / ११ |
| नक्षत्र चरण | आर्द्रा. ३ च. | मृग. ४ च. | पुष्य. १ च. | पुष्य. २ च. | ज्ये. २ च. | मृग. ४ च. | पू.षा. ४ च. | पुन. २ च. | पू.षा. ४ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, आषाढ़ शुक्ल पक्ष ( दि. ३ जुलाई से १६ जुलाई २०१९ ई० ), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३०१०, अयनांश २४°:०७':३०"**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४ | २८ | १ | बु. | ४१ | २५ | २२ | ०५ | आ./पुन. | ०२/५७ | ४२/५० | ०६/२८ | ३६/३६ | ध्रु. | १५ | २७ | किं. | १४ | ५२ | ५:३१ | ७:१६ | आ. १२ | आ. १६ | स. २६ | जुलाई ३ | कर्क २३:०६ | गुप्तनवरात्रारम्भ। |
| ३४ | २६ | २ | गु. | ३४ | ०५ | १६ | १० | पु. | ५२ | २५ | २६ | ३० | व्या./ह. | ०७/५८ | ००/१५ | बा. | ०७ | ४७ | ५:३२ | ७:१६ | १३ | २० | ३० | ४ | कर्क | जगन्नाथ रथयात्रा, मनोरथ द्वितीया, चन्द्रदर्शन, (A) |
| ३४ | २५ | ३ | शु. | २६ | ३२ | १६ | ०६ | आश्ले. | ४६ | ५५ | २४ | १८ | व. | ४६ | २५ | तै. | ०० | २० | ५:३२ | ७:१६ | १४ | २१ | जि. १ | ५ | सिंह २४:१८ | भद्रा २६:३६ बजे प्रा., मुस्लिम जिल्काद प्रा., |
| ३४ | २४ | ४ | श. | १६ | ०२ | १३ | १० | म. | ४१ | ३२ | २२ | १० | सि. | ४० | ४२ | वि. | १६ | ०२ | ५:३३ | ७:१६ | १५ | २२ | २ | ६ | सिंह | विनायक चतुर्थी, भद्रा १३:१० बजे तक, (B) |
| ३४ | २३ | ५ | र. | ११ | ५५ | १० | १६ | पू.फा. | ३६ | ४० | २० | १३ | व्य. | ३२ | २५ | बा. | ११ | ५५ | ५:३३ | ७:१८ | १६ | २३ | ३ | ७ | कन्या २५:४७ | कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी, बुध वक्री २८:४४ बजे। |
| ३४ | २१ | ६/७ | सो. | ०५/५६ | २०/३७ | ०७/२६ | ४३/२४ | उ.फा. | ३२ | २७ | १८ | ३३ | वरि. | २४ | ४० | तै. | ०५ | २० | ५:३४ | ७:१८ | १७ | २४ | ४ | ८ | कन्या | शीलता सप्तमी, भद्रा २६:२५ बजे प्रा.। |
| ३४ | २० | ८ | मं. | ५४ | ५२ | २७ | ३१ | ह. | २६ | १२ | १७ | १५ | परि. | १७ | ४० | वि. | २७ | ०७ | ५:३४ | ७:१८ | १८ | २५ | ५ | ९ | तुला २८:४५ | दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक प्रा., भद्रा १६:२५ बजे तक। |
| ३४ | १८ | ९ | बु. | ५१ | १२ | २६ | ०३ | चित्रा | २७ | ०० | १६ | २२ | शि. | ११ | ३० | बा. | २० | २२ | ५:३४ | ७:१८ | १९ | २६ | ६ | १० | तुला | भड्डली नवमी, गुप्तनवरात्र समा., (C) |
| ३४ | १७ | १० | गु. | ४८ | ३७ | २५ | ०२ | स्वा. | २५ | ५० | १५ | ५५ | सि. | ०६ | १२ | तै. | १९ | ४५ | ५:३५ | ७:१८ | २० | २७ | ७ | ११ | तुला | मंगल अस्त ११:५७ बजे। |
| ३४ | १५ | ११ | शु. | ४७ | २० | २४ | ३१ | वि. | २५ | ५५ | १५ | ५७ | सा./शुभ | ०१/५८ | ५२/३० | व. | १५ | २० | ५:३५ | ७:१८ | २१ | २८ | ८ | १२ | वृश्चिक ६:५४ | देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ, (D) |
| ३४ | १३ | १२ | श. | ४७ | १२ | २४ | २९ | अनु. | २७ | ०७ | १६ | २७ | शु | ५६ | ०५ | ब. | १७ | ०५ | ५:३६ | ७:१७ | २२ | २९ | ९ | १३ | वृश्चिक | वासुदेव द्वादशी, गण्डमूल प्रा. १६:२७ बजे। |
| ३४ | ११ | १३ | र. | ४८ | १७ | २४ | ५५ | ज्ये. | २९ | ३५ | १७ | २६ | ब्र. | ५४ | ३७ | कौ. | १७ | ३५ | ५:३६ | ७:१७ | २३ | ३० | १० | १४ | धनु १७:२६ | प्रदोष व्रत। |
| ३४ | ०९ | १४ | सो. | ५० | २७ | २५ | ४८ | मू. | ३३ | ०५ | १८ | ५१ | ऐं. | ५४ | ०२ | ग. | १९ | १२ | ५:३७ | ७:१७ | २४ | ३१ | ११ | १५ | धनु | भद्रा २५:४८ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. १८:५१ बजे, (E) |
| ३४ | ०७ | १५ | मं. | ५३ | ४७ | २७ | ०८ | पू.षा. | ३७ | ४५ | २० | ४३ | वै. | ५४ | १७ | वि. | २२ | ०० | ५:३७ | ७:१६ | २५ | श्रा. १ | १२ | १६ | मकर २७:१५ | पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा, गुरुपूर्णिमा, (F) |

(A) गण्डमूल प्रा.२६:३० बजे, शुक्र आर्द्रा में १२:१९ बजे। (B) गण्डमूल समा. २२:१० बजे, सूर्य पुनर्वसु में १६:४९ बजे। (C) मेला शरीफ भवानी (का.) वक्री बुधास्त १३:३८ बजे। (D) भद्रा १२:४३ बजे से २४:३१ बजे तक। (E) शुक्र पुनर्वसु में ०९:२५ बजे। (F) अष्टाह्निक पर्व समा., सत्यव्रत, संन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, व्यासपूर्णिमा, जयापार्वती व्रत, कोकिला व्रत, भद्रा १४:२५ बजे तक, कर्क संक्रान्ति २८:३३ बजे, **चन्द्रग्रहण** भारत में दृश्य।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०२ | ०५ | ०३ | ०३ | ०७ | ०२ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २२ | १७ | १० | १० | २२ | १२ | २३ | २३ | २३ |
| क. | २६ | ०० | २२ | १७ | ०२ | २९ | ०८ | २५ | २५ |
| वि. | ५४ | ५६ | ०९ | ४० | ५५ | २९ | २५ | ५५ | ५५ |
| गति | ५७/१२ | ८३७/५२ | ३८/०७ | ०२/४२ | ०५ व. ४५ | ८३/३२ | ०४ व. २५ | ०३/११ | ०३/११ |
| नक्षत्र चरण | पुन. १ च. | हस्त. ३ च. | पुष्य. ३ च. | पुष्य. ३ च. | ज्ये. २ च. | आर्द्रा. २ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. २ च. | पू.षा. २ च. |

**९ जुलाई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

५ — सू.शु.रा. ३ — २ — चं.६ — बु.मं. ४ — ७ — १ — ८ गु. — १० — १२ — ९ — श.के. — ११

आषाढ़ शु. ८, मंगलवार

इस मास में सूर्य-राहू का शनि-केतु के साथ समसप्तक सम्बन्ध, मंगल-बुध से द्विर्द्वादश योग तथा गुरु से षडष्टक योग होने के कारण आतङ्कियों एवं नक्सलियों से मुठभेड़ में सेना को सफलता मिलेगी। कई नक्सलियों के समर्पण करने की सम्भावना है।

**१६ जुलाई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

५ — सू.शु.रा. ३ — २ — ६ — बु.मं. ४ — ७ — १ — गु. ८ — १० — १२ — ९ — श.के.चं. — ११

आषाढ़ शु. १५, मंगलवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०२ | ०८ | ०३ | ०३ | ०७ | ०२ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २९ | १९ | १४ | ०७ | २१ | २१ | २२ | २३ | २३ |
| क. | ०७ | २० | ४८ | ५४ | २६ | ०४ | ३७ | ०३ | ०३ |
| वि. | १८ | १४ | ५२ | ५४ | ३९ | ३१ | ३२ | ३९ | ३९ |
| गति | ५७/१३ | ७३७/४० | ३८/०४ | ३२ व. ११ | ०४ व. ४५ | ७३/३९ | ०४ व. २३ | ०३/११ | ०३/११ |
| नक्षत्र चरण | पुन. ३ च. | पू.षा. २ च. | पुष्य. ४ च. | पुष्य २ च. | ज्ये. २ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, श्रावण कृ. पक्ष ( दि. १७ जुलाई से ०१ अगस्त २०१९ ई० ), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३०२४ अयनांश २४°:०७':३३"

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४ | ०५ | १ | बु. | ५८ | ०५ | २८ | ५२ | उ.षा. | ४३ | २० | २२ | ५८ | वि. | ५२ | ४७ | बा. | २५ | ४७ | ५:३८ | ७:१६ | आ. २६ | श्रा. २ | जि. १३ | जु. १७ | मकर | हिण्डोले प्र. (व्रज म.), कर्क सं. पुं.का. सूर्योदय से मध्याह्न तक |
| ३४ | ०३ | २ | गु. | ६० | ०० | – | – | श्र. | ४६ | ५० | २५ | ३४ | प्री. | ५७ | ०० | तै. | ३० | ३२ | ५:३८ | ७:१६ | २७ | ३ | १४ | १८ | मकर | अशून्य शयन व्रत, मंगल आश्लेषा में २८:३० बजे। |
| ३४ | ०० | २ | शु. | ०३ | १० | ०६ | ५५ | धनि. | ५६ | ५५ | २८ | २५ | आयु. | ५६ | १० | ग. | ०३ | १० | ५:३६ | ७:१५ | २८ | ४ | १५ | १९ | कुम्भ १४:५८ | भद्रा २०:०३ बजे प्रा., पञ्चक प्रा. १४:५८ बजे। |
| ३३ | ५८ | ३ | श. | ०८ | ५५ | ०९ | १४ | शत. | ६० | ०० | – | – | सौ. | ६० | ०० | वि. | ०८ | ५५ | ५:४० | ७:१५ | २९ | ५ | १६ | २० | कुम्भ | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २१:४५, (A) शुक्रास्त १४:३५ बजे २३ जुलाई, २०१९ |
| ३३ | ५६ | ४ | र. | १५ | ०० | ११ | ४० | शत. | ०४ | २२ | ०७ | २५ | सौ. | ०१ | ३५ | बा. | १५ | ०० | ५:४० | ७:१४ | ३० | ६ | १७ | २१ | मीन २७:४० | |
| ३३ | ५३ | ५ | सो. | २० | ५७ | १४ | ०४ | पू.भा. | ११ | ४७ | १० | २४ | शो. | ०४ | ०० | तै. | २० | ५७ | ५:४१ | ७:१४ | ३१ | ७ | १८ | २२ | मीन | नाग पंचमी (बंगाल, बिहार), श्रावण प्रथम सोम व्रत। |
| ३३ | ५१ | ६ | मं. | २६ | २७ | १६ | १६ | उ.भा. | १८ | ५२ | १३ | १४ | अति. | ०६ | १० | व. | २६ | २७ | ५:४१ | ७:१४ | श्रा. १ | ८ | १९ | २३ | मीन | मंगलागौरी व्रत, भद्रा १६:१६ बजे से २९:१४ बजे तक, (B) |
| ३३ | ४८ | ७ | बु. | ३० | ५७ | १८ | ०५ | रे. | २५ | ०० | १५ | ४२ | सु. | ०७ | ४० | ब. | ३० | ५७ | ५:४२ | ७:१३ | २ | ९ | २० | २४ | मेष १५:४२ | भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी, (C) |
| ३३ | ४५ | ८ | गु. | ३४ | ०७ | १९ | २१ | अश्वि. | २९ | ५२ | १७ | ३९ | धृ. | ०८ | १५ | बा. | ०२ | ४५ | ५:४२ | ७:१३ | ३ | १० | २१ | २५ | मेष | गण्डमूल समा. १७:३९ बजे। |
| ३३ | ४३ | ९ | शु. | ३५ | ३२ | १९ | ५६ | भ. | ३३ | ०२ | १८ | ५६ | शू. | ०७ | ३२ | तै. | ०५ | ०२ | ५:४३ | ७:१२ | ४ | ११ | २२ | २६ | वृष २५:०६ | शुक्र पुष्य में ०५:५१ बजे। |
| ३३ | ४० | १० | श. | ३५ | ०७ | १९ | ४६ | कृ. | ३४ | २७ | १९ | ३० | गं. | ०५ | ३० | व. | ०५ | ३५ | ५:४३ | ७:१२ | ५ | १२ | २३ | २७ | वृष | भद्रा ०७:५७ बजे से १९:४६ बजे तक। |
| ३३ | ३७ | ११ | र. | ३२ | ४५ | १८ | ५० | रो. | ३३ | ५५ | १९ | १८ | वृ. ध्रु. | ०१ ५६ | ५० ४० | ब. | ०४ | १० | ५:४४ | ७:११ | ६ | १३ | २४ | २८ | वृष | कामिका एकादशी व्रत (स.), रोहिणी व्रत |
| ३३ | ३४ | १२ | सो. | २८ | ३० | १७ | ०६ | मृग. | ३१ | ३२ | १८ | २२ | व्या. | ५० | ०२ | कौ. | ०० | ५० | ५:४५ | ७:११ | ७ | १४ | २५ | २९ | मिथुन ६:५५ | श्रावण सोम व्रत, सोम प्रदोष व्रत। |
| ३३ | ३१ | १३ | मं. | २२ | ४० | १४ | ४९ | आ. | २७ | ३५ | १६ | ४७ | ह. | ४१ | ४७ | व. | २२ | ४० | ५:४५ | ७:१० | ८ | १५ | २६ | ३० | मिथुन | मासशिवरात्रि, मंगला गौरी व्रत, भद्रा १४:४९ बजे, (D) |
| ३३ | २८ | १४ | बु. | १५ | ३० | ११ | ५८ | पुन. | २२ | १७ | १४ | ४१ | व. | ३० | ४७ | श. | १५ | ३० | ५:४६ | ७:०९ | ९ | १६ | २७ | ३१ | कर्क ९:१५ | अमावस्या श्राद्धादि। |
| ३३ | २५ | ३० | गु. | ०७ | २० | ०८ | ४२ | पु. | १८ | ३२ | १२ | ११ | सि. | २३ | ४५ | ना. | ०७ | २० | ५:४६ | ७:०९ | १० | १७ | २८ | अ १ | कर्क | हरियाली अमावस्या, गण्डमूल प्रा. १२:११ बजे, (E) |

(A) भद्रा ९:१४ बजे तक, सूर्य पुष्य में १६:२६ बजे, शुक्रवार्धक्य दोष १४:३५ बजे (B) गण्डमूल प्रा. १३:१४ बजे, वक्री बुध पुनर्वसु में ०६:२९ बजे, शुक्र कर्क में १२:४९ बजे, सायन सूर्य सिंह में ०८:२० बजे, रा. श्रावण प्रा.। (C) पञ्चक समा. १५:४२ बजे। (D) से २५:२७ बजे तक, वक्री बुध मिथुन में १२:०१ बजे, वक्री बुधोदय ०६:२६ बजे। (E) बुध मार्गी ०९:२७ बजे, स्नान दानादि अमा.।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०३ | ०० | ०३ | ०३ | ०७ | ०३ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०७ | ०७ | २० | ०२ | २० | ०२ | २१ | २२ | २२ |
| क. | ४२ | ३२ | ३१ | ०५ | ५१ | ०८ | ५८ | ३५ | ३५ |
| वि. | ३१ | ३५ | ३० | ४० | ०७ | ०० | ५६ | ०२ | ०२ |
| गति | ५७ १८ | ७४९ ३५ | ३८ ०४ | ३६ व. ०१ | ०३ व. १७ | ७३ ४९ | ०४ व. ११ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पुष्य. २ च. | अश्वि. ३ च. | आश्ले. २ च. | पुन. ४ च. | ज्ये. २ च. | पुन. ४ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

**२५ जुलाई २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

५ | सू. बु. शु. मं. ४ | रा. ३ | २ | १ चं. | ६ | ७ | १० | १२ | ११ | ८ गु. | ९ श. के.

श्रावण कृ. ८, गुरुवार

इस मास में पाँच बुधवार तथा पाँच गुरुवार होने के कारण कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि के कारण कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। चाँदी एवं रूई में घटाबढ़ी के बाद तेजी रहेगी। वनस्पति, घी, गुड़, शक्कर, चीनी, तेल एवं रसादि युक्त पदार्थों में तेजी रहेगी। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

**१ अगस्त २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

५ | सू. शु. चं. मं. ४ | बु. रा. ३ | २ | १ | ६ | ७ | १० | १२ | ११ | गु. ८ | ९ श. के.

श्रावण कृ. ३०, गुरुवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०३ | ०३ | ०३ | ०२ | ०७ | ०३ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १४ | १३ | २४ | २९ | २० | १० | २१ | २२ | २२ |
| क. | २३ | ०५ | ५८ | ४९ | ३३ | ४५ | ३० | १२ | १२ |
| वि. | ५९ | २९ | ०० | २० | ०२ | १० | ४१ | ४७ | ४७ |
| गति | ५७ २५ | ६०० १७ | ३८ ०५ | ०२ व. १८ | ०२ व. ०३ | ७३ ५८ | ०३ व. ५५ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पुष्य. ४ च. | पुष्य. ३ च. | आश्ले. ३ च. | पुन. ३ च. | ज्ये २ च. | पुष्य. ३ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, श्रावण शुक्ल पक्ष ( दि. २ अगस्त से १५ अगस्त २०१९ ई० ), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३०४०, अयनांश २४:०७:३५**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | गु. | ५८ | ३० | २६ | ११ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ३३ | २२ | २ | शु. | ४९ | ३२ | २५ | ३६ | आश्ले. | ०९ | १५ | ०९ | २६ | व्य. | १३ | ४२ | बा. | २४ | ०२ | ५:४७ | ७:०८ | श्रा. ११ | श्रा. १८ | जि. २६ | अ. २ | सिंह ६:२६ | चन्द्रदर्शन, सिन्धारा |
| ३३ | १९ | ३ | श. | ४० | ४७ | २२ | ०६ | म. पू.फा. | ०२ ५५ | ३२ ४५ | ०६ २८ | ४४ ०५ | वरि. परि. | ०३ ५३ | ३७ ५० | तै. | १५ | ०७ | ५:४७ | ७:०७ | १२ | १९ | जि. १ | ३ | सिंह | हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरी व्रत, (A) |
| ३३ | १६ | ४ | र. | ३२ | ३२ | १८ | ४६ | उ.फा. | ४९ | ५० | २५ | ४४ | शि. | ४४ | ३२ | व. | ०६ | ३२ | ५:४८ | ७:०६ | १३ | २० | २ | ४ | कन्या ६:२८ | विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपतिव्रत, (B) |
| ३३ | १२ | ५ | सो. | २५ | १५ | १५ | ५५ | ह. | ४४ | ५५ | २३ | ४७ | सि. | ३६ | ०७ | बा. | २५ | १५ | ५:४९ | ७:०६ | १४ | २१ | ३ | ५ | कन्या | नागपञ्चमी, ऋग्यजुहिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म, (C) |
| ३३ | ०९ | ६ | मं. | १९ | १२ | १३ | ३० | चि. | ४१ | २५ | २२ | २३ | सा. | २८ | ४७ | तै. | १९ | १२ | ५:४९ | ७:०५ | १५ | २२ | ४ | ६ | तुला ११:०१ | वर्णषष्ठी, मंगलागौरी व्रत। |
| ३३ | ०६ | ७ | बु. | १४ | १२ | ११ | ४१ | स्वा. | ३६ | २२ | २१ | ३५ | शुभ | २२ | ३७ | व. | १४ | १२ | ५:५० | ७:०४ | १६ | २३ | ५ | ७ | तुला | तुलसीदास जयंती, शीतला सप्तमी, भानुसप्तमी।,(D) |
| ३३ | ०२ | ८ | गु. | ११ | ४२ | १० | ३१ | वि. | ३९ | ०२ | २१ | २७ | शु. | १७ | ५० | ब. | ११ | ४२ | ५:५० | ७:०३ | १७ | २४ | ६ | ८ | वृश्चिक १५:२६ | दुर्गाष्टमी, मेला श्रीनयनादेवी, मेला ज्वाला जी, (E) |
| ३२ | ५९ | ९ | शु. | १० | २२ | १० | ०० | अनु. | ४० | १७ | २१ | ५८ | ब्र. | १३ | ५७ | कौ. | १० | २२ | ५:५१ | ७:०३ | १८ | २५ | ७ | ९ | वृश्चिक | गण्डमूल प्रा. २१:५८ बजे, बुध पुष्य में १२:१५ बजे। |
| ३२ | ५६ | १० | श. | १० | ४५ | १० | ०९ | ज्ये. | ४३ | ०५ | २३ | ०५ | ऐं. | ११ | ४७ | ग. | १० | ४५ | ५:५१ | ७:०२ | १९ | २६ | ८ | १० | धनु २३:०५ | भद्रा २२:२६ बजे प्रा.। |
| ३२ | ५२ | ११ | र. | १२ | ३० | १० | ५२ | मू. | ४६ | ४७ | २४ | ४५ | वै. | ११ | ०७ | वि. | १२ | ३० | ५:५२ | ७:०१ | २० | २७ | ९ | ११ | धनु | पुत्रदा (पवित्र) एकादशी व्रत, भद्रा १०:५२ बजे तक,(F) |
| ३२ | ४९ | १२ | सो. | १५ | ३५ | १२ | ०७ | पू.षा. | ५२ | २५ | २६ | ५१ | वि. | ११ | ०५ | बा. | १२ | ३५ | ५:५३ | ७:०० | २१ | २८ | १० | १२ | धनु | सोम प्रदोष व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, ईद उज जुहा (बकरीद)। |
| ३२ | ४५ | १३ | मं. | १९ | १७ | १३ | ४६ | उ.षा. | ५८ | ३५ | २९ | १९ | प्री. | ११ | ५२ | तै. | १९ | १७ | ५:५३ | ६:५९ | २२ | २९ | ११ | १३ | मकर ६:२६ | मंगला गौरी व्रत। |
| ३२ | ४१ | १४ | बु. | २४ | ४० | १५ | ४६ | श्र. | ६० | ०० | – | – | आयु. | १३ | १७ | व. | २४ | ४० | ५:५४ | ६:५८ | २३ | ३० | १२ | १४ | मकर | पूर्णिमा व्रत, भद्रा १५:४५ बजे से २८:५१ बजे तक। |
| ३२ | ३८ | १५ | गु. | ३० | १२ | १७ | ५९ | श्र. | ०५ | २० | ०८ | ०२ | सौ. | १५ | १२ | ब. | ३० | १२ | ५:५४ | ६:५७ | २४ | ३१ | १३ | १५ | कुम्भ २१:२८ | रक्षाबन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, (G) |

(A) गण्डमूल समा.०६:४४ बजे, सूर्य आश्ले. में १५:१८ बजे, बुध कर्क में ६:०० बजे, मु. जिल्हेज प्रा.। (B) भद्रा ०८:२५ बजे से १८:४६ बजे तक। (C) श्रावण सोम व्रत। शुक्र आश्लेषा में २५:३३ बजे, कल्कि जयं. सायंकाल। (D) भद्रा ११:४१ बजे से २३:०१ बजे तक। (E) मेला चिन्तपूर्णी, मंगल मघा सिंह राशि में २८:४७ बजे। (F) गण्डमूल समा. २४:४५ बजे, गुरु मार्गी १९:०७ बजे। (G) हयग्रीवावतार, अमरनाथदर्शन, हिण्डोले समाप्त (व्रजमण्डल), संस्कृत दिवस, स्वतंत्रता दिवस। पञ्चक प्रा. २१:२७ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०३ | ०६ | ०३ | ०३ | ०७ | ०३ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २१ | २४ | २९ | ०२ | २० | १९ | २१ | २१ | २१ |
| क. | ०६ | ५९ | २४ | २० | २३ | २३ | ०४ | ५० | ५० |
| वि. | ०९ | ३६ | ३४ | ११ | ५२ | १२ | ४६ | ३२ | ३२ |
| गति | ५७ ३० | ७९६ २५ | ३८ ०५ | ४७ मा. २५ | ०० व. ४५ | ७४ ०४ | ०३ व. ३२ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | आश्ले. २ च. | विशा. २ च. | आश्ले. ४ च. | पुन. ४ च. | ज्ये. २ च. | आश्ले. १ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

**८ अगस्त २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

५ | रा. ३ | ६ | सू.बु.शु. ४ मं. | २ | चं. ७ | १ | ८ गु. | १० | १२ | ९ श.के. | ११

श्रावण शु. ८, गुरुवार

इस मास में कर्क राशि में चतुर्ग्रही योग उनका शनि-केतु से षडष्टक एवं राहु से द्विर्द्वादश सम्बन्ध तथा गुरु से त्रिकोण सम्बन्ध हो रहा है। कर्क राशि में ही बुधोदय भी होगा। अतः चीन, हिमाचल, उत्तराखण्ड में तूफान, ओलावृष्टि, भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, कोंङ्कण में बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि होगी। मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, उत्तरप्रदेश आदि नक्सलप्रभावित क्षेत्रों में सेना की कार्यवाही से नक्सलवादियों के समर्पण करने की सम्भावना है।

**१५ अगस्त २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

६ | सू.बु.शु. ४ | मं. ५ | ७ | ३ रा. | गु. ८ | २ | श.के. ९ | ११ | १ | १० चं. | १२

श्रावण शु. १५, गुरुवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०३ | ०९ | ०४ | ०३ | ०७ | ०३ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २७ | २२ | ०३ | ०९ | २० | २८ | २० | २१ | २१ |
| क. | ४८ | ३२ | ५१ | ५९ | २३ | ०१ | ४१ | २८ | २८ |
| वि. | ५७ | ५४ | १० | ०५ | ४८ | ५६ | ४९ | १६ | १६ |
| गति | ५७ ३७ | ७१४ १५ | ३८ ०६ | ८७ ४९ | ०० मा. ४४ | ७४ १० | ०३ व. ०४ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | आश्ले. ४ च. | श्रव. ४ च. | मघा. २ च. | पुष्य. २ च. | ज्ये. २ च. | आश्ले. ४ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

# वि. सं. २०७६, शाके १९४१, भाद्रपद कृ. पक्ष ( दि. १६ अगस्त से ३० अगस्त २०१९ ई० ), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा/शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३०५४, अयनांश २४:०७:१९

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२ | ३४ | १ | शु. | ३६ | ०७ | २० | २२ | धनि. | १२ | ३२ | १० | ५६ | शो. | १७ | २५ | बा. | ०३ | ०७ | ५:५५ | ६:५७ | श्रा. २५ | श्रा. ३२ | जि. १४ | अग. १६ | कुम्भ | शुक्र मघा सिंह राशि में २०:३६ बजे। |
| ३२ | ३० | २ | श. | ४२ | १५ | २२ | ४६ | शत. | २० | ०० | १३ | ५५ | अति. | १६ | ५० | तै. | ०६ | १० | ५:५५ | ६:५६ | २६ | भा. १ | १५ | १७ | कुम्भ | अशून्य शयन व्रत, सूर्य मघा सिंह संक्रान्ति (A) |
| ३२ | २७ | ३ | र. | ४८ | १५ | २५ | १४ | पू.भा. | २७ | २७ | १६ | ५५ | सु. | २२ | १२ | व. | १५ | १५ | ५:५६ | ६:५५ | २७ | २ | १६ | १८ | मीन १०:१० | कज्जली तृतीया, भद्रा १२:०२ बजे से २५:१४ बजे तक। |
| ३२ | २३ | ४ | सो. | ५३ | ५५ | २७ | ३० | उ.भा. | ३४ | ४० | १६ | ४८ | धृ. | २४ | २७ | ब. | २१ | ०७ | ५:५६ | ६:५४ | २८ | ३ | १७ | १९ | मीन | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१:२१, बहुला चतुर्थी, (B) |
| ३२ | १९ | ५ | मं. | ५८ | ५२ | २९ | ३० | रे. | ४१ | १७ | २२ | २८ | शू. | २६ | १५ | कौ. | २६ | ३० | ५:५७ | ६:५३ | २९ | ४ | १८ | २० | मेष २२:२८ | पञ्चक समा. २२:२८ बजे। |
| ३२ | १५ | ६ | बु. | ६० | ०० | - | - | अश्वि. | ४७ | ०५ | २४ | ४७ | गं. | २७ | २७ | ग. | ३१ | ०२ | ५:५७ | ६:५२ | ३० | ५ | १९ | २१ | मेष | बलराम जयंती,हल षष्ठी,चन्दन षष्ठी,चम्पा षष्ठी,(C) |
| ३२ | ११ | ६ | गु. | ०२ | ५० | ०७ | ०६ | भ. | ५१ | ३५ | २६ | ३६ | वृ. | २७ | ४० | व. | ०२ | ५० | ५:५८ | ६:५१ | ३१ | ६ | २० | २२ | मेष | भद्रा ०७:०६ बजे से १६:४२ बजे तक। |
| ३२ | ०८ | ७ | शु. | ०५ | २७ | ०८ | ०६ | कृ. | ५४ | ३२ | २७ | ४७ | ध्रु. | २६ | ४७ | ब. | ०५ | २७ | ५:५८ | ६:५० | भा. १ | ७ | २१ | २३ | वृष ८:५७ | शीतला सप्तमी, कालाष्टमी, भानु सप्तमी श्रीकृष्णजयं.,(D) |
| ३२ | ०४ | ८ | श. | ०६ | २२ | ०८ | ३२ | रो. | ५५ | ४२ | २८ | १६ | व्या. | २४ | ३० | कौ. | ०६ | २२ | ५:५९ | ६:४९ | २ | ८ | २२ | २४ | वृष | श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वै.), रोहिणी व्रत। |
| ३२ | ०० | ९ | र. | ०५ | २७ | ०८ | ११ | मृ. | ५४ | ५७ | २७ | ५९ | ह. | २० | ४२ | ग. | ०५ | २७ | ६:०० | ६:४८ | ३ | ९ | २३ | २५ | मिथुन १६:१३ | गोगानवमी, गोकुलोत्सव, भद्रा १६:४२ बजे से प्रा., (E) |
| ३१ | ५६ | १०/११ | सो. | ०३/५७ | ३७/५५ | ०७/२९ | ०३/१० | आ. | ५२ | २० | २६ | ५६ | व. | १५ | २५ | वि. | ०२ | ३७ | ६:०० | ६:४७ | ४ | १० | २४ | २६ | मिथुन | अजा एकादशी व्रत (स्मा.), भद्रा ०७:०३ बजे तक, (F) |
| ३१ | ५२ | १२ | मं. | ५१ | २७ | २६ | ३६ | पुन. | ४८ | ०० | २५ | १३ | सि. | ०८ | ३२ | कौ. | २४ | ५२ | ६:०१ | ६:४५ | ५ | ११ | २५ | २७ | कर्क १९:४२ | अजा एकादशी व्रत (वै.), शुक्र पू.फा. में १५:११ बजे। |
| ३१ | ४८ | १३ | बु. | ४३ | ४० | २३ | २९ | पु. | ४२ | १५ | २२ | ५५ | व्य. वरि. | ००/५१ | २२/०५ | ग. | १७ | ४२ | ६:०१ | ६:४४ | ६ | १२ | २६ | २८ | कर्क | प्रदोष व्रत, पर्युष्ण पर्वारम्भ (जैन), मासशिवरात्रि, (G) |
| ३१ | ४४ | १४ | गु. | ३४ | ४५ | १९ | ५६ | आश्ले. | ३५ | २२ | २० | ११ | परि. | ४० | ५२ | वि. | ०९ | १७ | ६:०२ | ६:४३ | ७ | १३ | २७ | २९ | सिंह २०:११ | भद्रा ०९:४५ बजे तक, मंगल पू.फा. में २८:२१ बजे। |
| ३१ | ४० | ३० | शु. | २५ | १२ | १६ | ०७ | म. | २७ | ५२ | १७ | ११ | शि. | ३० | १५ | चतु. | ०० | ०२ | ६:०२ | ६:४२ | ८ | १४ | २८ | ३० | सिंह | कुशोत्पाटिनी अमा., अमा. श्राद्धादि, (H) |

(A) १३:०२ बजे, संक्रान्ति पुण्यकाल ६:३८ से १३:०२ तक। (B) गण्डमूल प्रा.१९:४८ बजे, बुध आश्लेषा में ११:४२ बजे। (C) गण्डमूल समा. २४:४७ बजे। (D) श्रीमहाकाली जयं., श्रीकृष्ण- जन्माष्टमी व्रत (स्मा.), सायन सूर्य कन्या मे १५:३२ बजे, शरद् ऋतु प्रा., रा. भाद्रपद प्रा.। (E) बुधास्त ०९:२२ बजे। (F) बुध मघा सिंह में १४:०७ बजे। (G) डाकिनी चतुर्दशी, भद्रा २३:२८ बजे प्रा., गण्डमूल प्रा. २२:५५ बजे। (H) गण्डमूल समा. १७:११ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०४ | ०१ | ०४ | ०३ | ०७ | ०४ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०६ | ११ | ०६ | २५ | २० | ०६ | २० | २० | २० |
| क. | २८ | २५ | ३४ | २८ | ३६ | ०६ | १७ | ५६ | ५६ |
| वि. | १९ | ५३ | १६ | १७ | ५८ | ५६ | २८ | ३६ | ३६ |
| गति | ५७/५१ | ७८६/५२ | ३८/०६ | ११६/२५ | ०२/२३ | ७४/१८ | ०२ व./२४ | ०३/११ | ०३/११ |
| नक्षत्र चरण | मघा २ च. | रोहि. १ च. | मघा ३ च. | आश्ले. ३ च. | ज्ये. २ च. | मघा ३ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

**२४ अगस्त २०१९ ई., प्रातः ६:२७**



भाद्रपद कृ. ८, शनिवार

इस मास में पाँच शुक्रवार तथा पाँच शनिवार हैं और सिंह की संक्रान्ति भी शनिवार को है, अतः आँधी-तूफान ओलावृष्टि से मूँग, उड़द, चना, चावल आदि की फसलों का नुकसान होने से कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। शेयर बाजार में तेजी का रुख रहेगा।

**३० अगस्त २०१९ ई., प्रातः ६:२७**



भाद्रपद कृ. ३०, शुक्रवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०४ | ०४ | ०४ | ०४ | ०७ | ०४ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १२ | ०६ | १३ | ०७ | २० | १६ | २० | २० | २० |
| क. | १५ | ३० | २३ | १७ | ५३ | ३६ | ०४ | ४० | ४० |
| वि. | ४९ | २१ | २१ | २२ | ५३ | ०२ | ५४ | ३५ | ३५ |
| गति | ५८/०१ | ६१६/४२ | ३८/१३ | ११८/३६ | ०३/२६ | ७४/२४ | ०१ व./५२ | ०३/११ | ०३/११ |
| नक्षत्र चरण | मघा ४ च. | मघा २ च. | पू.फा. १ च. | मघा ३ च. | ज्ये. २ च. | पू.फा. १ च. | पू.षा. ३ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, भाद्रपद शुक्ल पक्ष ( दि. ३१ अगस्त से १४ सितम्बर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३०६१, अयनांश २४:०७:३८**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१ | ३६ | **१** | **श.** | १५ | २७ | १२ | १४ | **पू.फा.** | २० | १० | १४ | ०७ | **सि.** | १६ | २५ | **ब.** | १५ | २७ | ६:०३ | ६:४१ | मा. ६ | मा. १५ | लि. २६ | अ. ३१ | कन्या १६:२२ | सूर्य पू.फा. में ०६:०० बजे, चन्द्रदर्शन। |
| ३१ | ३२ | **३** | **र.** | ०६ ५७ | ०० १२ | ०८ २८ | २७ ५६ | **उ.फा.** | १२ | ४७ | ११ | १० | **सा. शुभ** | ०८ ५८ | ५३ ५७ | **कौ.** | ०६ | ०० | ६:०३ | ६:४० | १० | १६ | मो. १ | १ सि. | कन्या | सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, (A) |
| ३१ | २८ | **४** | **सो.** | ४६ | ३५ | २५ | ५४ | **ह.** | ०६ | १२ | ०८ | ३३ | **शु.** | ४६ | ५७ | **व.** | २३ | १२ | ६:०४ | ६:३६ | ११ | १७ | २ | **२** | तुला १६:२४ | गणेश चतुर्थी व्रत, विनायक चतुर्थी (महाराष्ट्र),(B) |
| ३१ | २४ | **५** | **मं.** | ४३ | ३० | २३ | २८ | **चि. स्वा.** | ०० ५७ | ५० ०२ | ०६ २८ | २४ ५३ | **ब्र.** | ४२ | १५ | **ब.** | १६ | २० | ६:०४ | ६:३८ | १२ | १८ | ३ | **३** | तुला | ऋषिपञ्चमी, जैनसंवत्सरी पंचमी पक्ष। |
| ३१ | २० | **६** | **बु.** | ३६ | १० | २१ | ४५ | **वि.** | ५५ | ०५ | २८ | ०७ | **ऐं.** | ३६ | ०० | **कौ.** | ११ | ०२ | ६:०५ | ६:३७ | १३ | १६ | ४ | **४** | वृश्चिक २२:१४ | सूर्यषष्ठी, बलदेवछठ, लोलार्कषष्ठी, ललिताषष्ठी, (C) |
| ३१ | १६ | **७** | **गु.** | ३६ | ५२ | २० | ५० | **अनु.** | ५५ | १० | २८ | ०६ | **वै.** | ३१ | २२ | **ग.** | ०७ | ४५ | ६:०५ | ६:३५ | १४ | २० | ५ | **५** | वृश्चिक | शिक्षक दिवस, भद्रा २०:५० बजे प्रा., (D) |
| ३१ | ११ | **८** | **शु.** | ३६ | ३५ | २० | ४३ | **ज्ये.** | ५७ | १० | २८ | ५७ | **वि.** | २८ | २० | **वि.** | ०६ | २७ | ६:०५ | ६:३४ | १५ | २१ | ६ | **६** | धनु २८:५७ | राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी,महालक्ष्मी व्रतारम्भ,(E) |
| ३१ | ०७ | **९** | **श.** | ३८ | १० | २१ | २२ | **मू.** | ६० | ०० | - | - | **प्री.** | २६ | ४७ | **बा.** | ०७ | ०७ | ६:०६ | ६:३३ | १६ | २२ | ७ | **७** | धनु | श्रीचन्द नवमी, अदुःख नवमी, मेला श्रीरामदेवजी (राज.),(F) |
| ३१ | ०३ | **१०** | **र.** | ४१ | २७ | २२ | ४१ | **मू.** | ०० | ५७ | ०६ | २६ | **आयु.** | २६ | ३५ | **तै.** | ०६ | ३७ | ६:०६ | ६:३२ | १७ | २३ | ८ | **८** | धनु | गण्डमूल समा. ०६:२६ बजे। (शुक्रोदय २८:२० बजे ६ सित., २०१९) |
| ३० | ५९ | **११** | **सो.** | ४६ | ०० | २४ | ३१ | **पू.षा.** | ०६ | १२ | ०८ | ३६ | **सौ.** | २७ | २५ | **व.** | १३ | ३५ | ६:०७ | ६:३१ | १८ | २४ | ९ | **९** | मकर १५:१२ | पार्श्व परिवर्तिनी एकादशी व्रत (स.),(G) |
| ३० | ५५ | **१२** | **मं.** | ५१ | ३० | २६ | ४३ | **उ.षा.** | १२ | ३५ | ११ | ०६ | **शो.** | २६ | ०५ | **ब.** | १८ | ४० | ६:०७ | ६:३० | १९ | २५ | १० | **१०** | मकर | वामन जयं. मध्याह्नकाल,कल्किद्वादशी, वामनद्वादशी, (H) |
| ३० | ५१ | **१३** | **बु.** | ५७ | ३० | २६ | ०७ | **श्र.** | १६ | ४० | १३ | ५६ | **अति.** | ३१ | १२ | **कौ.** | २४ | २५ | ६:०८ | ६:२८ | २० | २६ | ११ | **११** | कुम्भ २७:२८ | ओणम, प्रदोष व्रत, पञ्चक प्रा. २७:२८ बजे। |
| ३० | ४६ | **१४** | **गु.** | ६० | ०० | - | - | **ध.** | २७ | ०५ | १६ | ५८ | **सु.** | ३३ | ३० | **ग.** | ३० | ३२ | ६:०८ | ६:२७ | २१ | २७ | १२ | **१२** | कुम्भ | अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, **शुक्र बाल्यत्व समा. २८:२० बजे।** |
| ३० | ४२ | **१४** | **शु.** | ०३ | ३५ | ०७ | ३५ | **शत.** | ३४ | ३२ | १६ | ५८ | **धृ.** | ३५ | ५२ | **व.** | ०३ | ३५ | ६:०६ | ६:२६ | २२ | २८ | १३ | **१३** | कुम्भ | पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा का श्राद्ध, विश्वकर्मा पूजा, (I) |
| ३० | ३८ | **१५** | **श.** | ०६ | ४५ | १० | ०३ | **पू.भा.** | ४१ | ५५ | २२ | ५५ | **शू.** | ३८ | ०७ | **ब.** | ०६ | ४५ | ६:०६ | ६:२५ | २३ | २६ | १४ | **१४** | मीन १६:१२ | सत्यव्रत, प्रतिपदा श्राद्ध। |

(A) अर्घ्यदान वाराह जयं. अपराह्नकाल, मु. मोहर्रम प्रा.। (B) चन्द्रदर्शन निषेध, कलंकचतुर्थी, पत्थरचौथ, जैन संवत्सरी चतुर्थी पक्ष, **चन्द्रास्त २१:०३ बजे**, भद्रा १५:२१ बजे से २५:५४ बजे तक, बुध पू.फा. में ०८:०६ बजे। (C) स्कन्द षष्ठी, मेला देवछठ (व्रजमण्डल) स्वामीकार्तिकेय दर्शन।(D) गण्डमूल प्रा. २८:०६ बजे। (E) भद्रा. ०८:४० बजे तक। (F) शुक्र उ.फा. में ०६:१३ बजे। (G) भद्रा ११:३३ बजे से २४:३१ बजे तक, बुध उ.फा. में ८:५५ बजे, शुक्र कन्या में २५:४१ बजे। (H) भुवनेश्वरी जयन्ती, गुरु रामदास जयन्ती, मोहर्रम, बुध कन्या में २८:५६ बजे। (I) प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ, श्रवा ०७:३५ बजे से २०:४६ बजे तक, सूर्य उ.फा. में २६:५४ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०४ | ०७ | ०४ | ०४ | ०७ | ०४ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १६ | १७ | १७ | २० | २१ | २५ | १६ | २० | २० |
| क. | ०२ | ५५ | ५० | ५३ | २१ | १६ | ५४ | १८ | १८ |
| वि. | २६ | २२ | ५६ | २० | ३५ | ५८ | १८ | १६ | १६ |
| गति | ५८ ११ | ७७२ ०२ | ३८ १६ | ११२ ५३ | ०४ ३८ | ७४ २७ | ०१ व. १४ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पू.फा. २ च. | ज्ये. १ च. | पू.फा. २ च. | पू.फा. ३ च. | ज्ये. २ च. | पू.फा. ४ च. | पू.षा. २ च. | पुन. १ च. | पू.षा. ३ च. |

**६ सितम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

६ | सू.शु.बु. ४ | ५ मं. | ३ रा. | ७ | ८ गु.चं. | २ | ११ | श.के. ९ | १० | १२ | १

भाद्रपद शु. ८, शुक्रवार

इस मास में सिंह राशि में पंचग्रही योग उनका गुरु से केन्द्रीय योग तथा गुरु का शनि-केतु से द्विर्द्वादश योग एवं राहु से षडष्टक योग होने के कारण देश के कई भागों में आन्दोलन प्रदर्शन अग्निकाण्ड आदि से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है। कश्मीर में आतङ्कियों एवं घुसपेठियों के साथ सैनिक संघर्ष बढ़ेगा। यान दुर्घटनाओं में भी जन-धन हानि होने की सम्भावना है रूस, चीन का अमेरिका के साथ अन्तर्द्वन्द्व बढ़ने की सम्भावना है।

**१४ सितम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

७ | बु.शु. | सू. मं. ५ | ४ | गु. ८ | ६ | श.के. ९ | ३ रा. | १० | १२ | २ | ११ चं. | १

भाद्रपद शु. १५, शनिवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०४ | १० | ०४ | ०५ | ०७ | ०५ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २६ | २५ | २२ | ०५ | २२ | ०५ | १६ | १६ | १६ |
| क. | ४८ | १० | ५७ | २५ | ०३ | १२ | ४७ | ५२ | ५२ |
| वि. | ३८ | ४१ | २१ | ०१ | ११ | ४३ | ५० | ५३ | ५३ |
| गति | ५८ २७ | ७१३ २७ | ३८ २० | १०३ ५४ | ०५ ५५ | ७४ ३० | ०० व. २८ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पू.फा. १ च. | पू.भा. २ च. | पू.फा. ३ च. | उ.फा.३ च. | ज्ये. २ च. | उ.फा. ३ च. | पू.षा. २ च. | आर्द्रा. ४ च. | पू.षा. २ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, आश्विन कृ. पक्ष ( दि. १५ सितम्बर से २८ सितम्बर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३०८४, अयनांश २४:०७:४०**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३० | ३४ | **१** | र. | १५ | ३५ | १२ | २४ | उ.भा. | ४८ | ५५ | २५ | ४४ | गं. | ४० | ०७ | कौ. | १५ | ३५ | ६:१० | ६:२३ | भा. २४ | भा. ३० | भौ. १५ | सि. १५ | मीन | अशून्य शयन व्रत, गण्डमूल प्रा. २५:४४ बजे। |
| ३० | ३० | **२** | सो. | २१ | ०२ | १४ | ३५ | रे. | ५५ | ३० | २८ | २२ | वृ. | ४१ | ४७ | ग. | २१ | ०२ | ६:१० | ६:२२ | २५ | ३१ | १६ | **१६** | मेष २८:२२ | द्वितीया का श्राद्ध, भद्रा २७:३६ बजे प्रा., (A) |
| ३० | २५ | **३** | मं. | २५ | ५५ | १६ | ३३ | अश्वि. | ६० | ०० | - | - | ध्रु. | ४२ | ५२ | वि. | २५ | ५५ | ६:११ | ६:२१ | २६ | आ. १ | १७ | **१७** | मेष | तृतीया का श्राद्ध, कन्या संक्रान्ति १३:०२, (B) |
| ३० | २१ | **४** | बु. | ३० | ०२ | १८ | १२ | अश्वि. | ०१ | २२ | ०६ | ४४ | व्या. | ४३ | २५ | बा. | ३० | ०२ | ६:११ | ६:२० | २७ | २ | १८ | **१८** | मेष | चतुर्थी का श्राद्ध, भरणी श्राद्ध, गण्डमूल समा. ०६:४४ बजे, (C) |
| ३० | १७ | **५** | गु. | ३३ | ०७ | १६ | २७ | भ. | ०६ | २२ | ०८ | ४५ | ह. | ४३ | ०५ | कौ. | ०१ | ४० | ६:१२ | ६:१९ | २८ | ३ | १९ | **१९** | वृष १५:०१ | पञ्चमी का श्राद्ध, मंगल उ.फा. में २५:४२ बजे |
| ३० | १३ | **६** | शु. | ३४ | ५७ | २० | ११ | कृ. | १० | १७ | १० | १९ | व. | ४१ | ४७ | ग. | ०४ | १२ | ६:१२ | ६:१७ | २९ | ४ | २० | **२०** | वृष | षष्ठी का श्राद्ध , भद्रा २०:११ बजे प्रा.। |
| ३० | ०८ | **७** | श. | ३५ | २० | २० | २१ | रो. | १२ | ५२ | ११ | २२ | सि. | ३९ | १७ | वि. | ०५ | २० | ६:१३ | ६:१६ | ३० | ५ | २१ | **२१** | मिथुन २३:३६ | सप्तमी का श्राद्ध, रोहिणी व्रत, कालाष्टमी, (D) |
| ३० | ०४ | **८** | र. | ३४ | ०२ | १९ | ५० | मृग. | १३ | ५२ | ११ | ४६ | व्य. | ३५ | ३० | बा. | ०४ | ५५ | ६:१३ | ६:१५ | ३१ | ६ | २२ | **२२** | मिथुन | अष्टमी का श्राद्ध, जीवित्पुत्रिकाव्रत, जीमूतवाहनव्रत, (E) |
| ३० | ०० | **९** | सो. | ३० | ५७ | १८ | ३७ | आ. | १३ | ०७ | ११ | २६ | वरि. | ३० | १५ | तै. | ०२ | ४२ | ६:१४ | ६:१४ | आ. १ | ७ | २३ | **२३** | कर्क २८:४६ | नवमी का श्राद्ध, सधवा नवमी, मातृ नवमी, (F) |
| २९ | ५६ | **१०** | मं. | २६ | १० | १६ | ४२ | पुन. | १० | ४२ | १० | ३१ | परि. | २३ | ३७ | वि. | २६ | १० | ६:१४ | ६:१३ | २ | ८ | २४ | **२४** | कर्क | दशमी का श्राद्ध, भद्रा १६:४३ बजे तक, बुध चित्रा में (G) |
| २९ | ५१ | **११** | बु. | १९ | ४५ | १४ | ०६ | पु. | ०६ | ३५ | ०८ | ५३ | शि. | १५ | ४० | बा. | १९ | ४५ | ६:१५ | ६:११ | ३ | ९ | २५ | **२५** | कर्क | इन्दिरा एकादशी व्रत (स.), एकादशी का श्राद्ध, (H) |
| २९ | ४७ | **१२** | गु. | १२ | ०० | ११ | ०३ | आश्ले. म. | ०१ ५४ | ०२ २५ | ०६ २८ | ४० ०१ | सिं. सा. | ०६ ५६ | ३५ ३५ | तै. | १२ | ०० | ६:१५ | ६:१० | ४ | १० | २६ | **२६** | सिंह ६:४० | त्रयोदशी का श्राद्ध, मघा श्राद्ध, प्रदोष व्रत, गण्डमूल समा. २८:०१ बजे। |
| २९ | ४३ | **१३ १४** | शु. | ०३ ५३ | १० ४५ | ०७ २७ | ३२ ४६ | पू.फा. | ४७ | ०० | २५ | ०४ | शुभ | ४६ | ०० | व. | ०३ | १० | ६:१६ | ६:०९ | ५ | ११ | २७ | **२७** | सिंह | मासशिवरात्रि, चतुर्दशी का श्राद्ध, विषशस्त्रहतानां श्राद्ध,(I) |
| २९ | ३९ | **३०** | श. | ४४ | १० | २३ | ५६ | उ.फा. | ३९ | ०० | २२ | ०२ | शु. | ३५ | १५ | चतु. | १८ | ५७ | ६:१६ | ६:०८ | ६ | १२ | २८ | **२८** | कन्या ६:१६ | श्राद्धादि अमा., सर्वपितृ अमा., सर्वपितृ विसर्जन, (J) |

(A) पञ्चक समा. २८:२२ बजे, बुध हस्त में २२:३२ बजे। (B) सं. पुण्यकाल १३:०२ से सूर्यास्त तक, चतुर्थी व्रत, चतुर्थी चन्द्रोदय २०:२६, भद्रा १६:३३ बजे तक, शुक्र हस्त में २७:०० बजे। (C) शनि मार्गी १४:१६ बजे। (D) महालक्ष्मी व्रत समा., भद्रा ०८:२१ बजे तक। (E) बुधोदय १८:१३ बजे। (F) अन्वष्टका श्राद्ध, भद्रा २६:४५ बजे प्रा. सायन सूर्य तुला में १३:२० बजे, विषुवद् दिन, शरद् सम्पात, दक्षिण गो. प्रा., रा. आश्विन प्रा.। (G) २७:४५ बजे। (H) द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध, गण्डमूल प्रा. ०८:५३ बजे, मंगल कन्या में ०६:३३ बजे। (I) भद्रा ०७:३२ बजे से १७:४० बजे तक, सूर्य हस्त में १८:२६ बजे। (J) पितृपक्ष समा., गजच्छाया, शुक्र चित्रा में २०:३२ बजे, शनैश्चरी अमावस्या।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०५ | ०२ | ०४ | ०५ | ०७ | ०५ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०४ | ०३ | २८ | १८ | २२ | १५ | १९ | १९ | १९ |
| क. | ३६ | ४३ | ०४ | ४६ | ५४ | ०८ | ४७ | २७ | २७ |
| वि. | ४८ | ५२ | २७ | ३२ | ४१ | ५२ | ३५ | २७ | २७ |
| गति | ५८ ४१ | ८०४ १२ | ३८ २७ | ६५ ३७ | ०७ ०५ | ४७ ३३ | ०० मा. ३५ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | उ.फा. ३ च. | मृग. ४ च. | उ.फा. १ च. | हस्त. ३ च. | ज्ये. २ च. | हस्त. २ च. | पू.षा. २ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

**२२ सितम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

७ सू. शु. बु. ६ | ५ मं. | ४ | ३ चं. रा. | २ | १ | १२ | ११ | १० | ९ श. के. | ८ गु.

आश्विन कृ. ८, रविवार

इस मास में पाँच रविवार हैं और कन्या संक्रान्ति मंगलवार को है, अतः प्रजा में रोग, भय, अशान्ति व्याप्त रहेगी। वर्षा की कमी से कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। सुवर्ण, पीतल, ताम्बा, लोहा आदि धातुओं तथा रूई सूत, बिनौला, अलसी, मूँग, उड़द, मसूर, मक्की, गेहूँ, नमक, हल्दी, धनिया, जीरा आदि पदार्थों के भावों में तेजी एवं नारियल, जायफल में मन्दी रहेगी।

**२८ सितम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

७ सू. बु. शु. मं. चं. ६ | ५ | ४ | ३ रा. | २ | १ | १२ | ११ | १० | ९ श. के. | ८ गु.

आश्विन कृ. ३०, शनिवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०५ | ०५ | ०५ | ०५ | ०७ | ०५ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १० | ०० | ०१ | २८ | २३ | २२ | १९ | १९ | १९ |
| क. | २९ | ०५ | ५५ | ०५ | ३९ | ३६ | ५१ | ०८ | ०८ |
| वि. | २८ | ०९ | २३ | ५८ | २२ | १५ | ३१ | २२ | २२ |
| गति | ५८ ५४ | ९१५ ०७ | ३८ २२ | ८९ ५७ | ०७ ५६ | ७४ ३५ | ०१ ०० | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | हस्त. १ च. | उ.फा. २ च. | उ.फा. २ च. | चित्रा. २ च. | ज्ये. ३ च. | हस्त. ४ च. | पू.षा. २ च. | आर्द्रा. ४ च. | पू.षा. २ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, आश्विन शुक्ल पक्ष ( दि. २९ सितम्बर से १३ अक्टूबर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३०९८, अयनांश २४:०७:४१**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २९ | ३४ | १ | र. | ३४ | ५२ | २० | १४ | ह. | ३२ | ०२ | १६ | ०६ | ब्र. | २२ | ३७ | किं | ०६ | २५ | ६:१७ | ६:०६ | आ. ७ | आ. १३ | मी. २६ | सि. २६ | तुला २६:४५ | मातामह श्राद्ध, शारदीय नवरात्र आरम्भ, (A) |
| २९ | ३० | २ | सो. | २६ | २० | १६ | ४६ | चि. | २५ | ३० | १६ | २६ | ऐं. | १४ | ३७ | बा. | ०० | २७ | ६:१७ | ६:०५ | ८ | १४ | ३० | ३० | तुला | चन्द्रदर्शन। |
| २९ | २६ | ३ | मं. | १९ | ०२ | १३ | ५५ | स्वा. | २० | ०७ | १४ | २१ | वै. वि. | ०५ ५७ | ३० ४२ | ग. | १९ | ०२ | ६:१८ | ६:०४ | ९ | १५ | स. १ | अ. १ | तुला | भद्रा २४:४२ बजे से प्रा., मु. सफ्फर प्रा.। |
| २९ | २२ | ४ | बु. | १३ | २५ | ११ | ४० | वि. | १६ | २५ | १२ | ५२ | प्री. | ५१ | २७ | वि. | १३ | २५ | ६:१८ | ६:०३ | १० | १६ | २ | २ | वृश्चिक ७:१० | विनायक चतुर्थी, गाँधी जयन्ती, (B) |
| २९ | १७ | ५ | गु. | ०६ | ४२ | १० | १२ | अनु. | १४ | ३७ | १२ | १० | आयु. | ४६ | ४७ | बा. | ०६ | ४२ | ६:१९ | ६:०२ | ११ | १७ | ३ | ३ | वृश्चिक | ललिता पंचमी, उपाङ्गललिताव्रत, गण्डमूल प्रा., (C) |
| २९ | १३ | ६ | शु. | ०८ | १० | ०९ | ३५ | ज्ये. | १५ | ०० | १२ | १९ | सौ. | ४३ | ५५ | तै. | ०८ | १० | ६:१९ | ६:०१ | १२ | १८ | ४ | ४ | धनु १२:१९ | बिल्वाभिमन्त्रण। |
| २९ | ०९ | ७ | श. | ०८ | ४७ | ०९ | ५१ | मू. | १७ | २५ | १३ | १८ | शो. | ४२ | ३७ | व. | ०८ | ४७ | ६:२० | ५:५९ | १३ | १९ | ५ | ५ | धनु | सरस्वती आवाहन, महानिशीथ पूजन, सन्धिपूजा, (D) |
| २९ | ०५ | ८ | र. | ११ | २५ | १० | ५४ | पू.षा. | २१ | ४७ | १५ | ०३ | अति. | ४२ | ४७ | ब. | ११ | २५ | ६:२० | ५:५८ | १४ | २० | ६ | ६ | मकर २१:३६ | सरस्वतीपूजन, दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, औलीजैन प्रा., (E) |
| २९ | ०० | ९ | सो. | १५ | ४२ | १२ | ३८ | उ.षा. | २७ | ४० | १७ | २५ | सु. | ४४ | ०० | कौ. | १५ | ४२ | ६:२१ | ५:५७ | १५ | २१ | ७ | ७ | मकर | शूलिनी पूजा, सरस्वती बलिदान, नवमी व्रत, नवरात्र समा.। |
| २८ | ५६ | १० | मं. | २१ | १२ | १४ | ५० | श्र. | ३४ | ३७ | २० | १२ | धृ. | ४६ | ०० | ग. | २१ | १२ | ६:२१ | ५:५६ | १६ | २२ | ८ | ८ | मकर | सरस्वती विसर्जन, अपराजिता पूजा, विजयादशमी, (F) |
| २८ | ५२ | ११ | बु. | २७ | २२ | १७ | १९ | धनि. | ४२ | ०५ | २३ | १२ | शू. | ४८ | १७ | वि. | २७ | २२ | ६:२२ | ५:५५ | १७ | २३ | ९ | ९ | कुम्भ ६:४१ | पापांकुशा एकादशी व्रत (स.), मेला भरत मिलाप, (G) |
| २८ | ५० | १२ | गु. | ३३ | ४५ | १९ | ५२ | शत. | ४९ | ४० | २६ | १४ | गं. | ५० | ४० | ब. | ०० | ३२ | ६:२२ | ५:५४ | १८ | २४ | १० | १० | कुम्भ | पद्मनाभ द्वादशी, मंगल हस्त में १९:३८ बजे। |
| २८ | ४५ | १३ | शु. | ३९ | ५२ | २२ | २० | पू.भा. | ५६ | ५५ | २९ | ०६ | वृ. | ५२ | ४५ | कौ. | ०६ | ५० | ६:२३ | ५:५३ | १९ | २५ | ११ | ११ | मीन २२:२६ | प्रदोषव्रत, सूर्य चित्रा में ०७:२५ बजे। |
| २८ | ३९ | १४ | श. | ४५ | ३२ | २४ | ३७ | उ.भा. | ६० | ०० | – | – | ध्रु. | ५४ | ३० | ग. | १२ | ४५ | ६:२४ | ५:५१ | २० | २६ | १२ | १२ | मीन | भद्रा २४:३७ बजे प्रा.। |
| २८ | ३५ | १५ | र. | ५० | ३५ | २६ | ३८ | उ.भा. | ०३ | ४२ | ०७ | ५३ | व्या. | ५५ | ४५ | वि. | १८ | ०७ | ६:२४ | ५:५० | २१ | २७ | १३ | १३ | मीन | पूर्णिमाव्रत, कोजागरी पूर्णिमा, शरत् पूर्णिमा, (H) |

(A) घटस्थापन, महाराज अग्रसेन जयंती, बुध तुला में १२:५५ बजे। (B) श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, भद्रा ११:४० बजे तक। (C) १२:१० बजे, बुध स्वाती में २७:११ बजे, शुक्र तुला में २९:१४ बजे। (D) भद्रा ०९:५० बजे से २२:१७ बजे तक, गण्डमूल समा. १३:१८ बजे। (E) महानवमी रात्रिपूजन। (F) विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, सीमोल्लंघन, भद्रा २८:०३ बजे प्रा.। (G) मध्वाचार्य जयंती, भद्रा १७:१९ बजे तक, पंचक प्रा.०९:४१ बजे, शुक्र स्वाती में १३:५७ बजे। (H) रास महोत्सव, सत्यव्रत, वाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जयन्ती, औली जैन समाप्त, कार्तिकस्नान प्रा., भद्रा १३:३९ बजे तक, गण्डमूल प्रा. ०७:५३ बजे, बुध विशाखा में २९:५० बजे, मंगल उदय २८:१९ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०५ | ०८ | ०५ | ०६ | ०७ | ०६ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १८ | २२ | ०७ | ०९ | २४ | ०२ | २० | १८ | १८ |
| क. | २१ | १५ | ०४ | ३८ | ४६ | ३२ | ०२ | ४२ | ४२ |
| वि. | ३४ | ०४ | ०४ | ५६ | २७ | ५७ | १८ | ५६ | ५६ |
| गति | ५९ ०८ | ७३४ ०३ | ३८ ३९ | ८२ ०७ | ०८ ५७ | ७४ ३५ | ०१ ४७ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | हस्त. ३ च. | पू.षा. ३ च. | उ.फा. ४ च. | स्वा. १ च. | ज्ये. ३ च. | चित्रा ३ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

**६ अक्टूबर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

शु. बु. ७ | सू. मं. ६ | ५ | ४ | ८ गु. | श. चं. ९ के. | ३ रा. | १२ | २ | १० | ११ | १

आश्विन शु. ८, रविवार

इस मास में कन्या राशि में पञ्चग्रही योग और उनका शनि-केतु एवं राहु से केन्द्रीय योग तथा बुधोदय भी हो रहा है। अतः चीन रूस एवं उसके समीपवर्ती देशों में तूफान, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात आदि प्रदेशों में ऋतुओं के बदलाव से अकाल जैसी स्थिति पैदा होने की सम्भावना है।

**१३ अक्टूबर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

बु. शु. ७ | सू. मं. ६ | ५ | ४ | गु. ८ | श.के. ९ | ३ रा. | १२ चं. | २ | १० | ११ | १

आश्विन शु. १५, रविवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०५ | ११ | ०५ | ०६ | ०७ | ०६ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २५ | १५ | ११ | १८ | २५ | ११ | २० | १८ | १८ |
| क. | १९ | ५७ | ३४ | ४८ | ५१ | १५ | १९ | २० | २० |
| वि. | १४ | ०८ | ५४ | ४५ | ३२ | ०० | ४९ | ४१ | ४१ |
| गति | ५९ २२ | ७२४ ५३ | २८ ४९ | ७३ ०७ | ०६ ४५ | ७४ ३४ | ०२ २७ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | चित्रा. १ च. | उ.भा. ४ च. | हस्त. १ च. | स्वा. ४ च. | ज्ये. ३ च. | स्वा. २ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, कार्तिक कृ. पक्ष ( दि. १४ अक्टूबर से २८ अक्टूबर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३११३, अयनांश २४:०७:४२**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २८ | ३१ | १ | सो. | ५४ | ४५ | २८ | २१ | रे. | ०६ | ४७ | १० | २० | ह. | ५६ | २२ | बा. | २२ | ४७ | ६:२५ | ५:४६ | आ. २२ | आ. २८ | स. १४ | [illegible] १४ | मेष १०:२० | पंचक समा. १०:२० बजे। |
| २८ | २७ | २ | मं. | ५८ | २० | २६ | ४५ | अश्वि. | १५ | १२ | १२ | ३० | व. | ५६ | २५ | तै. | २६ | ४० | ६:२५ | ५:४८ | २३ | २६ | १५ | १५ | मेष | गण्डमूल समा. १२:३० बजे। |
| २८ | २३ | ३ | बु. | ६० | ०० | – | – | भ. | १६ | ४७ | १४ | २१ | सि. | ५५ | ४७ | व. | २६ | ४२ | ६:२६ | ५:४७ | २४ | ३० | १६ | १६ | वृष २०:४६ | भद्रा १८:१६ बजे प्रा.। |
| २८ | १६ | ३ | गु. | ०० | ५२ | ०६ | ४८ | कृ. | २३ | ३० | १५ | ५१ | व्य. | ५४ | २५ | वि. | ०० | ५२ | ६:२७ | ५:४६ | २५ | का. १ | १७ | १७ | वृष | करवाचौथ, करकचतुर्थी, चन्द्रोदय २०:१६, (A) |
| २८ | १४ | ४ | शु. | ०२ | ३५ | ०७ | २६ | रो. | २६ | २० | १६ | ५६ | वरि. | ५२ | १७ | बा. | ०२ | ३५ | ६:२७ | ५:४५ | २६ | २ | १८ | १८ | मिथुन २६:२३ | सं. पुण्यकाल सूर्योदय से १०:२७ तक, रोहिणी व्रत। |
| २८ | १० | ५ | श. | ०३ | १० | ०७ | ४४ | मृग. | २८ | ०० | १७ | ४० | परि. | ४६ | १० | तै. | ०३ | १० | ६:२८ | ५:४४ | २७ | ३ | १९ | १९ | मिथुन | |
| २८ | ०६ | ६ | र. | ०२ | ३५ | ०७ | ३० | आ. | २८ | ३० | १७ | ५२ | शि. | ४५ | ०५ | व. | ०२ | ३५ | ६:२८ | ५:४३ | २८ | ४ | २० | २० | मिथुन | स्कन्द षष्ठी, भद्रा ०७:३० बजे से १६:११ बजे तक, (B) |
| २८ | ०२ | ७/८ | सो. | ००/५७ | ३७/२० | ०६/२९ | ४४/२५ | पुन. | २९ | ३७ | १७ | ३२ | सि. | ३९ | ५२ | ब. | ०० | ३७ | ६:२९ | ५:४२ | २९ | ५ | २१ | २१ | कर्क ११:४० | अहोई अष्टमी, कालाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान रात्रि (C) |
| २७ | ५८ | ९ | मं. | ५२ | ३७ | २७ | ३३ | पु. | २५ | २० | १६ | ३८ | सा. | ३३ | ३२ | तै | २५ | ०७ | ६:३० | ५:४१ | ३० | ६ | २२ | २२ | कर्क | गण्डमूल प्रा. १६:३८ बजे। |
| २७ | ५४ | १० | बु. | ४६ | ३७ | २५ | ०९ | आश्ले. | २१ | ४७ | १५ | १३ | शुभ | २६ | ०७ | व. | १९ | ४७ | ६:३० | ५:४० | का. १ | ७ | २३ | २३ | सिंह १५:१३ | भद्रा १४:२४ बजे से २५:०९ बजे तक, बुध वृश्चिक में,(D) |
| २७ | ५० | ११ | गु. | ३९ | ३० | २२ | १९ | म. | १६ | ५७ | १३ | १८ | शु. | १७ | ४२ | ब. | १३ | ०७ | ६:३१ | ५:३९ | २ | ८ | २४ | २४ | सिंह | रमा एकादशीव्रत (स.), गण्डमूल समा. १३:१८ बजे, (E) |
| २७ | ४६ | १२ | शु. | ३१ | ३० | १९ | ०८ | पू.फा. | ११ | १० | ११ | ०० | ब्र./ऐ. | ०८/५८ | ३०/४७ | कौ. | ०५ | ३२ | ६:३२ | ५:३८ | ३ | ९ | २५ | २५ | कन्या १६:२३ | गोवत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जय.,(F) |
| २७ | ४२ | १३ | श. | २३ | ०५ | १५ | ४६ | उ.फा./ह. | ०४/५८ | ४७/०२ | ०८/२९ | ३७/४९ | वै. | ४८ | ५२ | व. | २३ | ०५ | ६:३२ | ५:३७ | ४ | १० | २६ | २६ | कन्या | मासशिवरात्रि, यमदीप दान, नरक चतुर्दशी, रूपचौदस, (G) |
| २७ | ३८ | १४ | र. | १४ | ३५ | १२ | २३ | चि. | ५१ | ४७ | २७ | १६ | वि. | ३९ | ०२ | श. | १४ | ३५ | ६:३३ | ५:३७ | ५ | ११ | २७ | २७ | तुला १६:३१ | अमावस्या श्राद्धादि, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, (H) |
| २७ | ३४ | ३० | सो. | ०६ | २५ | ०९ | ०८ | स्वा. | ४६ | ०५ | २५ | ०० | प्री. | २९ | ४० | ना. | ०६ | २५ | ६:३४ | ५:३६ | ६ | १२ | २८ | २८ | तुला | गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा, सोमवती अमा.,(I) |

(A) भद्रा ०६:४८ बजे तक, तुला संक्रान्ति २५:०३ बजे। (B) शुक्र विशाखा में ०७:२५ बजे। (C) समाप्ति पर अरुणोदय में। (D) २३:१२ बजे, सायन सूर्य वृश्चिक में २२:५० बजे, हेमन्त ऋतु प्रा., रा. कार्तिक प्रा.। (E) सूर्य स्वाती में १८:०० बजे। (F) यमदीप दान। (G) हनुमज्जयन्ती, भद्रा १५:४६ बजे से २६:०५ बजे तक। (H) केदारगौरी व्रत, कमलाजयन्ती प्रदोषकाल, महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस, महाकाली पूजा। (I) शुक्र वृश्चिक में ०८:३२ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०६ | ०२ | ०५ | ०६ | ०७ | ०६ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०३ | २७ | १६ | २७ | २७ | २१ | २० | १७ | १७ |
| क. | १२ | ०३ | ४५ | ३९ | १२ | ११ | ३८ | ५५ | ५५ |
| वि. | ०९ | ०३ | २७ | ०४ | २८ | ३३ | ५१ | १५ | १५ |
| गति | ५९ ४० | ८२१ ४८ | ३८ ५४ | ५५ ०९ | १० ३५ | ७४ ३४ | ०३ १० | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | चित्रा. ३ च. | पुन. ३ च. | हस्त. ३ च. | विशा. ३ च. | ज्ये. ४ च. | विशा. १ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

**२१ अक्टूबर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

७ सू.बु.शु.
८ गु.
९ श. के.
१०
११
१२
१
२
३ चं. रा.
४
५
६ मं.

कार्तिक कृ. ७/८, सोमवार

इस मास में पाँच सोमवार तथा पाँच मंगलवार हैं और तुला संक्रान्ति गुरुवार को है, अतः वर्षा समयानुकूल उत्तम होगी। प्रजा में परस्पर द्वेष, कलह एवं अशान्ति का वातावरण रहेगा। गेहूँ, जौ, चना, सम, ज्वार, बाजार, उड़द, मूँग, मोठ, चावल चाँदी के भाव मन्दे तथा, सरसों, अलसी, तिल, तैल, नारियल, सोना, ताम्बा, रेशमी एवं ऊनी वस्त्र तेज रहेंगे। शेयर बाजार में मंदी का रुख रहेगा।

**२८ अक्टूबर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

७ शु.सू.चं.
८ बु.गु.
९ श. के.
१०
११
१२
१
२
३ रा.
४
५
६ मं.

कार्तिक कृ. ३०, सोमवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०६ | ०६ | ०५ | ०७ | ०७ | ०६ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १० | ०८ | २१ | ०२ | २८ | २९ | २१ | १७ | १७ |
| क. | १० | ३७ | १८ | ४१ | २८ | ५३ | ०२ | ३२ | ३२ |
| वि. | ३४ | ४६ | ११ | ०७ | २९ | ३३ | ४९ | ५९ | ५९ |
| गति | ५९ ५५ | ८८० २६ | ३९ ०२ | २२ ५२ | ११ १३ | ७४ ३४ | ०३ ४६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | स्वा. २ च. | स्वा. १ च. | हस्त. ४ च. | विशा. ४ च. | ज्ये. ४ च. | विशा. ३ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, कार्तिक शुक्ल पक्ष ( दि. २९ अक्टूबर से १२ नवम्बर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३१२८, अयनांश २४:०७:४४

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | सो. | ५६ | ०७ | ३० | १३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| २७ | ३० | २ | मं. | ५३ | ०२ | २७ | ४८ | वि. | ४१ | ३० | २३ | ११ | आयु. | २१ | ०७ | बा. | २५ | ५२ | ६:३५ | ५:३५ | का. ७ | का. १३ | स. २६ | अक्टू. २९ | वृश्चिक १७:३५ | चन्द्र दर्शन, भातृद्वितीया, यमद्वितीया, चित्रगुप्तपूजन, (A) |
| २७ | २७ | ३ | बु. | ४८ | ३५ | २६ | ०१ | अनु. | ३८ | ०० | २१ | ५६ | सौ. | १३ | ४५ | तै. | २० | ३५ | ६:३५ | ५:३४ | ८ | १४ | २७ | ३० | वृश्चिक | गण्डमूल प्रा. २१:५६ बजे, शुक्र अनुराधा में २४:५४ बजे,(B) |
| २७ | २३ | ४ | गु. | ४६ | ०२ | २५ | ०१ | ज्ये. | ३७ | १७ | २१ | ३१ | शो. | ०७ | ४५ | व. | १७ | ०२ | ६:३६ | ५:३३ | ९ | १५ | २ | ३१ | धनु २१:३१ | विनायक चतुर्थी, सरदार वल्लभ भाई पटेल जयं (C) |
| २७ | १९ | ५ | शु. | ४५ | ३५ | २४ | ५१ | मू. | ३८ | ०७ | २१ | ५२ | अति. | ०३ | १७ | ब. | १५ | ३२ | ६:३७ | ५:३२ | १० | १६ | ३ | नव. १ | धनु | लाभ पंचमी, ज्ञान पंचमी, पाण्डव पंचमी, (D) |
| २७ | १५ | ६ | श. | ४७ | १५ | २५ | ३१ | पू.षा. | ४१ | ०० | २३ | ०१ | सु./धृ. | ००/५६ | ३५/२५ | कौ. | १६ | १० | ६:३७ | ५:३२ | ११ | १७ | ४ | २ | मकर २६:२६ | छठ पूजा, सूर्यषष्ठी, प्रतिहारषष्ठी, सायंकालीन (E) |
| २७ | ११ | ७ | र. | ५० | ४५ | २६ | ५६ | उ.षा. | ४५ | ४२ | २४ | ५५ | शू. | ५६ | ३५ | ग. | १८ | ४५ | ६:३८ | ५:३१ | १२ | १८ | ५ | ३ | मकर | प्रातःकालीन अर्घ्यदान एवं षष्ठी व्रत पारणा, (F) |
| २७ | ०८ | ८ | सो. | ५५ | ४५ | २८ | ५७ | श्र. | ५१ | ५० | २७ | २३ | गं. | ६० | ०० | वि. | २३ | ०५ | ६:३९ | ५:३० | १३ | १९ | ६ | ४ | मकर | अष्टाह्निकपर्व प्रा., गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी, औलीजैन प्रा.,(G) |
| २७ | ०४ | ९ | मं. | ६० | ०० | – | – | ध. | ५८ | ५५ | ३० | १४ | गं. | ०० | ५० | बा. | २८ | ३७ | ६:४० | ५:२९ | १४ | २० | ७ | ५ | कुम्भ १६:४७ | अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी, सत्य युगादि, (H) |
| २७ | ०० | ९ | बु. | ०१ | ४२ | ०७ | २१ | शत. | ६० | ०० | – | – | वृ. | ०२ | ४७ | कौ. | ०१ | ४२ | ६:४० | ५:२९ | १५ | २१ | ८ | ६ | कुम्भ | सूर्य विशाखा में २६:०४ बजे। |
| २६ | ५७ | १० | गु. | ०८ | ०५ | ०९ | ५५ | शत. | ०६ | २५ | ०९ | १५ | ध्रु. | ०५ | ०० | ग. | ०८ | ०५ | ६:४१ | ५:२८ | १६ | २२ | ९ | ७ | मीन २६:२६ | मेला कंस (मथुरा), भद्रा २३:११ बजे प्रा., (I) |
| २६ | ५३ | ११ | शु. | १४ | १५ | १२ | २४ | पू.भा. | १३ | ४५ | १२ | १२ | व्या. | ०७ | ०७ | वि. | १४ | १५ | ६:४२ | ५:२८ | १७ | २३ | १० | ८ | मीन | प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशीव्रत (स), तुलसी विवाह,(J) |
| २६ | ५० | १२ | श. | १९ | ५० | १४ | ३९ | उ.भा. | २० | ३० | १४ | ५५ | ह. | ०८ | ४७ | बा. | १९ | ५० | ६:४३ | ५:२७ | १८ | २४ | ११ | ९ | मीन | शनि प्रदोषव्रत, गण्डमूल प्रा. १४:५५ बजे। |
| २६ | ४६ | १३ | र. | २४ | ३२ | १६ | ३३ | रे. | २६ | २५ | १७ | १८ | व | ०९ | ५० | तै. | २४ | ३२ | ६:४४ | ५:२६ | १९ | २५ | १२ | १० | मेष १७:१८ | वैकुण्ठ चतुर्दशी, मिलाद उन नवी (ईद मिलाद), (K) |
| २६ | ४३ | १४ | सो. | २८ | १५ | १८ | ०२ | अश्वि. | ३१ | २२ | १९ | १७ | सि. | १० | १० | व. | २८ | १५ | ६:४४ | ५:२६ | २० | २६ | १३ | ११ | मेष | मणिकर्णिका स्नान, विश्वनाथ स्थापना दिवस, (L) |
| २६ | ४० | १५ | मं. | ३० | ४७ | १९ | ०४ | भ. | ३५ | १५ | २० | ५१ | व्य. | ०९ | ३५ | ब. | ३० | ४७ | ६:४५ | ५:२५ | २१ | २७ | १४ | १२ | वृष २७:११ | देव दीपावली, पुष्कर स्नान, सत्यव्रत, गुरुनानक जय., (M) |

(A) यमुना स्नान (मथुरा), बुध अनुराधा में ३०:११ बजे। (B) मुस्लिम रविलावल प्रा.। (C) भद्रा १३:२५ बजे से २५:०१ बजे तक, मंगल चित्रा में ०६:१९ बजे, बुध वक्री २१:११ बजे। (D) गण्डमूल समा. २१:५२ बजे। (E) अर्घ्यदान, वक्री बुध विशाखा में १०:४५ बजे। (F) भद्रा २६:५६ बजे प्रा., वक्री बुधास्त २३:१९ बजे। (G) मेला गोचारण (मथुरा), भद्रा १५:५३ बजे तक, गुरु मूल धनु राशि में, २६:१७ बजे। (H) मथुरा परिक्रमा, पंचक प्रा. १६:४७ बजे। (I) वक्री बुध तुला में १५:५६ बजे। (J) कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रारम्भ, चातुर्मास्य समाप्त गृहस्थियों का, भद्रा १२:२५ बजे तक। (K) हजरत मुहम्मद जयंती, पंचक समा. १७:१८ बजे, शुक्र ज्येष्ठा में १८:३१ बजे, मंगल तुला में १४:२४ बजे। (L) भद्रा १८:०२ बजे से ३०:३६ बजे तक, गण्डमूल समा. १९:१७ बजे। (M) भीष्म पंचक समाप्त, मेला गढ़ गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहरक्षेत्र, औली जैन समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त, मन्वादि।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०६ | ०९ | ०५ | ०७ | ०७ | ०७ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १७ | १२ | २५ | ०२ | २९ | ०८ | २१ | १७ | १७ |
| क. | १० | ४८ | ५१ | ३९ | ४८ | ३५ | ३० | १० | १० |
| वि. | ३४ | ४२ | ४७ | ३४ | ४७ | २७ | ५१ | ४४ | ४४ |
| गति | ६०/०७ | ७२३/०३ | ३९/१० | २६/व./०५ | ११/४७ | ४७/३३ | ०४/२० | ०३/११ | ०३/११ |
| नक्षत्र चरण | स्वा. ४ च. | श्रव. १ च. | चि. १ च. | विशा. ४ च. | ज्ये. ४ च. | अनु. २ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

**४ नवम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

बु. शु. गु. ८
मं. ६
श. के. ९
सू. ७
५
चं. १०
४
१
११
३ रा.
१२
२

कार्तिक शु. ८, सोमवार

इस मास के प्रारम्भ में सूर्य बुध-शुक्र की युति उनका गुरु एवं मंगल से द्विर्द्वादश सम्बन्ध तथा गुरु का शनि-केतु से द्विर्द्वादश एवं राहु से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण कश्मीर की सीमा पर आतङ्कवादियों की घुसपैठ बढ़ेगी। भारतीय सेना को धुसपैठ रोकने के लिए संघर्ष का सामना करना पड़ेगा।

**१२ नवम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

शु. ८
गु. श. के. ९
सू. बु. मं. ७
६
५
१०
४
१ चं.
११
३ रा.
१२
२

कार्तिक शु. १५, मंगलवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०६ | ०० | ०६ | ०६ | ०८ | ०७ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २५ | १९ | ०१ | २४ | ०१ | १८ | २२ | १६ | १६ |
| क. | १२ | ०७ | ०५ | १६ | २५ | ३१ | ०७ | ४५ | ४५ |
| वि. | १२ | ४७ | ३४ | १२ | ०६ | ३३ | ३० | १८ | १८ |
| गति | ६०/१९ | ७५६/०० | ३९/१८ | ७६/व./५६ | १२/२१ | ७४/२८ | ०४/५४ | ०३/११ | ०३/११ |
| नक्षत्र चरण | विशा. २ च. | भर. २ च. | चित्रा. ३ च. | विशा. २ च. | मूल. १ च. | ज्ये. १ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ४ च. | पू.षा. २ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, मार्गशीर्ष कृ. पक्ष ( दि. १३ नवम्बर से २६ नवम्बर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३१४३, अयनांश २४:०७:४६**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २६ | ३६ | **१** | **बु.** | ३२ | २० | १६ | ४२ | **कृ.** | ३८ | ०५ | २२ | ०० | **वरि.** | ०८ | १२ | **बा.** | ०१ | ४० | ६:४६ | ५:२५ | का. २२ | का. २८ | र. १५ | **नव. १३** | वृष | |
| २६ | ३३ | **२** | **गु.** | ३२ | ५० | १६ | ५५ | **रो.** | ४० | ०० | २२ | ४७ | **परि.** | ०६ | ०५ | **तै.** | ०३ | ०५ | ६:४७ | ५:२४ | २३ | २९ | १६ | **१४** | वृष | बाल दिवस, रोहिणी व्रत। |
| २६ | ३० | **३** | **शु.** | ३२ | २५ | १६ | ४६ | **मृग.** | ४१ | ०० | २३ | १२ | **शि./सि.** | ०३/५९ | १०/३५ | **व.** | ०२ | ४२ | ६:४८ | ५:२४ | २४ | ३० | १७ | **१५** | मिथुन ११:०२ | चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय १६:४७, अङ्गारक चतुर्थी, (A) |
| २६ | २७ | **४** | **श.** | ३१ | ०५ | १६ | १५ | **आ.** | ४१ | ०७ | २३ | १६ | **सा.** | ५५ | १५ | **ब.** | ०१ | ५० | ६:४६ | ५:२३ | २५ | मार्ग. १ | १८ | **१६** | मिथुन | वृश्चिक संक्रान्ति २४:५१ बजे, वक्री बुधोदय २३:१२ बजे। |
| २६ | २४ | **५** | **र.** | २८ | ५२ | १८ | २३ | **पुन.** | ४० | २२ | २२ | ५६ | **शुभ.** | ५० | १२ | **कौ.** | ०० | ०५ | ६:५० | ५:२३ | २६ | २ | १६ | **१७** | कर्क १७:०५ | सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक। |
| २६ | २१ | **६** | **सो.** | २५ | ४७ | १७ | १० | **पु.** | ३८ | ४५ | २२ | २१ | **शु.** | ४४ | ३० | **व.** | २५ | ४७ | ६:५१ | ५:२२ | २७ | ३ | २० | **१८** | कर्क | भद्रा १७:१० बजे से २८:२५ बजे तक, गण्डमूल (B) |
| २६ | १८ | **७** | **मं.** | २१ | ५० | १५ | ३६ | **आश्ले.** | ३६ | १५ | २१ | २२ | **ब्र.** | ३८ | ०५ | **ब.** | २१ | ५० | ६:५२ | ५:२२ | २८ | ४ | २१ | **१९** | सिंह २१:२२ | कालभैरव जयंती, कालाष्टमी। |
| २६ | १५ | **८** | **बु.** | १७ | ०२ | १३ | ४१ | **म.** | ३३ | ०० | २० | ०४ | **ऐं.** | ३१ | ०२ | **कौ.** | १७ | ०२ | ६:५२ | ५:२२ | २९ | ५ | २२ | **२०** | सिंह | गण्डमूल समा. २०:०४ बजे,सूर्य अनुराधा में (C) |
| २६ | १२ | **९** | **गु.** | ११ | ३० | ११ | २९ | **पू.फा.** | २९ | ०० | १८ | २९ | **वै.** | २३ | २२ | **ग.** | ११ | ३० | ६:५३ | ५:२१ | ३० | ६ | २३ | **२१** | कन्या २४:०३ | भद्रा २२:१७ बजे प्रा., शुक्र मूल धनुराशि में १२:२३ बजे। |
| २६ | ०९ | **१०/११** | **शु.** | ०५/५८ | ३०/४७ | ०६/३० | ०१/२४ | **उ.फा.** | २४ | ३० | १६ | ४१ | **वि.** | १५ | १७ | **वि.** | ०५ | २० | ६:५३ | ५:२१ | मार्ग. १ | ७ | २४ | **२२** | कन्या | उत्पन्ना एकादशी व्रत (स्मा.), भद्रा ०६:०२ बजे तक, (D) |
| २६ | ०६ | **१२** | **श.** | ५२ | ०२ | २७ | ४३ | **ह.** | १९ | ३५ | १४ | ४४ | **प्री./आ.** | ०६/५८ | ५०/२० | **कौ.** | २५ | २५ | ६:५४ | ५:२१ | २ | ८ | २५ | **२३** | तुला २५:४५ | उत्पन्ना एकादशी व्रत (वै.) |
| २६ | ०४ | **१३** | **र.** | ४५ | २७ | २५ | ०६ | **चि.** | १४ | ४० | १२ | ४७ | **सौ.** | ४९ | ५७ | **ग.** | १८ | ४० | ६:५५ | ५:२१ | ३ | ९ | २६ | **२४** | तुला | प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, भद्रा २५:०६ बजे प्रा.। |
| २६ | ०१ | **१४** | **सो.** | ३९ | २० | २२ | ४० | **स्वा.** | १० | ०२ | १० | ५७ | **शो.** | ४२ | ०० | **वि.** | १२ | १७ | ६:५६ | ५:२० | ४ | १० | २७ | **२५** | वृश्चिक २७:४४ | भद्रा ११:५१ बजे तक। |
| २५ | ५६ | **३०** | **मं.** | ३४ | ०५ | २० | ३५ | **वि.** | ०६ | ०२ | ०६ | २२ | **अति.** | ३४ | ४५ | **चतु.** | ०६ | ३५ | ६:५७ | ५:२० | ५ | ११ | २८ | **२६** | वृश्चिक | भौमवती अमावस्या, बुध विशाखा में १६:२२ बजे। |

(A) भद्रा ०७:५३ बजे से १६:४६ बजे तक, वक्री बुध स्वाती में २०:४६ बजे। (B) प्रा. २२:२१ बजे। (C) ०८:११ बजे, मंगल स्वाती में १८:१३ बजे, बुध मार्गी २४:४१ बजे। (D) सायन सूर्य धनु में २०:२६ बजे, रा. मार्गशीर्ष प्रा.।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०७ | ०४ | ०६ | ०६ | ०८ | ०७ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०३ | ०५ | ०६ | १७ | ०३ | २८ | २२ | १६ | १६ |
| क. | १५ | १८ | २० | ३० | ०५ | २७ | ४८ | १९ | १९ |
| वि. | ३७ | ३८ | ३८ | ३८ | ३३ | ११ | ३४ | ५१ | ५१ |
| गति | ६० ३४ | ८५० ३७ | ३६ २६ | १४ व. २० | १२ ४६ | ७४ २६ | ०५ २५ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | विशा. ४ च. | मघा. २ च. | चित्रा ४ च. | स्वा. ४ च. | मूल. १ च. | ज्ये. ४ च. | पू.षा. ३ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**२० नवम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

गु. श. के. ९ — सू. शु. ८ — बु. मं. ७ — ६ चं. — ५ — ४ — ३ रा. — २ — १ — १२ — ११ — १०

**मार्गशीर्ष कृ. ८, बुधवार**

इस मास में पाँच बुधवार एवं पाँच गुरुवार हैं और वृश्चिक संक्रान्ति शनिवार को है, अतः वर्षा कहीं कम तो कहीं अधिक होगी। सोना, पत्थर, कोयला, लकड़ी, लौंग इलायची के भाव मन्दे रहेंगे। लोहा, जस्ता, पीतल, मक्की, ज्वार बाजरा के भाव तेज रहेंगे। चाँदी, रूई, सूत के भाव में घटाबढ़ी के बाद मन्दे रहेंगे। तिल, तेल, अलसी, सरसों के भाव सम रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

**२६ नवम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

शु. गु. श. के. ९ — १० — सू. चं. ८ — बु. मं. ७ — ६ — ५ — ४ — ३ रा. — २ — १ — १२ — ११

**मार्गशीर्ष कृ. ३०, मंगलवार**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०७ | ०७ | ०६ | ०६ | ०८ | ०८ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०९ | ०१ | १० | १९ | ०४ | ०५ | २३ | १६ | १६ |
| क. | १९ | ३६ | १७ | ४० | २३ | ५३ | २१ | ०० | ०० |
| वि. | २६ | २४ | ५२ | ०८ | १३ | ४१ | ५९ | ४७ | ४७ |
| गति | ६० ४४ | ८४२ ५३ | ३६ ३६ | ४९ मा. ५४ | १३ ०६ | ७४ २४ | ०५ ४७ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | अनु. २ च. | विशा. ४ च. | स्वा. २ च. | स्वा. ४ च. | मूल. २ च. | मूल. २ च. | पू.षा. ४ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष ( दि. २७ नवम्बर से १२ दिसम्बर २०१९ ई० ), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३१५७, अयनांश २४:०७:४८**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २५ | ५६ | १ | बु. | ३० | ०५ | १८ | ५६ | अनु. | ०३ | ०७ | ०८ | १२ | सु. | २८ | २७ | किं. | ०१ | ५५ | ६:५७ | ५:२० | मार्ग. ६ | मार्ग. १२ | र. २६ | नव. २७ | वृश्चिक | गण्डमूल प्रा. ०८:१२ बजे। |
| २५ | ५४ | २ | गु. | २७ | ३२ | १७ | ५६ | ज्ये. | ०१ | ३० | ०७ | ३४ | धृ. | २३ | २० | कौ. | २७ | ३२ | ६:५८ | ५:२० | ७ | १३ | ३० | २८ | धनु ७:३४ | चन्द्रदर्शन |
| २५ | ५२ | ३ | शु. | २६ | ४२ | १७ | ४० | मू. | ०१ | २५ | ०७ | ३३ | शू. | १६ | ३२ | ग. | २६ | ४२ | ६:५६ | ५:२० | ८ | १४ | र. १ | २९ | धनु | भद्रा २६:४७ बजे प्रा., गण्डमूल समा. ७:३३ बजे।(A) |
| २५ | ५० | ४ | श. | २७ | ४२ | १८ | ०५ | पू.षा. | ०३ | ०७ | ०८ | १५ | गं. | १७ | १० | वि. | २७ | ४२ | ७:०० | ५:२० | ९ | १५ | २ | ३० | मकर १४:३३ | विनायक चतुर्थी, भद्रा १८:०५ बजे तक। |
| २५ | ४७ | ५ | र. | ३० | ३२ | १९ | १३ | उ.षा. | ०६ | ४० | ०९ | ४० | वृ. | १६ | १५ | बा. | ३० | ३२ | ७:०० | ५:२० | १० | १६ | ३ | दि. १ | मकर | विवाह पञ्चमी, सीताराम विवाह, विहार पंचमी, (B) |
| २५ | ४५ | ६ | सो. | ३४ | ५५ | २० | ५९ | श्र. | ११ | ४५ | ११ | ४३ | ध्रु. | १६ | ३० | कौ. | ०२ | ३२ | ७:०१ | ५:२० | ११ | १७ | ४ | २ | कुम्भ २४:५६ | स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी, पंचक प्रा. २४:५६ बजे। |
| २५ | ४४ | ७ | मं. | ४० | ३० | २३ | १४ | ध. | १८ | ०५ | १४ | १६ | व्या. | १७ | ४५ | ग. | ०७ | ३५ | ७:०२ | ५:२० | १२ | १८ | ५ | ३ | कुम्भ | भद्रा २३:१४ बजे प्रा., सूर्य ज्येष्ठा में १२:२४ बजे। |
| २५ | ४२ | ८ | बु. | ४६ | ४२ | २५ | ४४ | शत. | २५ | १५ | १७ | ०९ | ह. | १६ | ३५ | वि. | १३ | ३२ | ७:०३ | ५:२० | १३ | १९ | ६ | ४ | कुम्भ | दुर्गाष्टमी, भद्रा १२:१८ बजे तक। |
| २५ | ४० | ९ | गु. | ५२ | ५७ | २८ | १५ | पू.भा. | ३२ | ३७ | २० | ०७ | व. | २१ | ४० | बा. | १९ | ५२ | ७:०४ | ५:२० | १४ | २० | ७ | ५ | मीन १३:२३ | बुध वृश्चिक में १०:३४ बजे। |
| २५ | ३८ | १० | शु. | ५८ | ४५ | ३० | ३४ | उ.भा. | ३९ | ४२ | २२ | ५७ | सि. | २३ | ३५ | तै. | २५ | ५७ | ७:०४ | ५:२० | १५ | २१ | ८ | ६ | मीन | गण्डमूल प्रा. २२:५७ बजे। |
| २५ | ३७ | ११ | श. | ६० | ०० | – | – | रे. | ४५ | ५५ | २५ | २७ | व्य. | २४ | ५५ | व | ३१ | १५ | ७:०५ | ५:२० | १६ | २२ | ९ | ७ | मेष २५:२७ | भद्रा १९:३५ बजे प्रा.,पंचक समा.२५:२७ बजे, (C) |
| २५ | ३५ | ११ | र. | ०३ | २७ | ०८ | २९ | अश्वि. | ५१ | ०० | २७ | ३० | वरि. | २५ | २२ | वि. | ०३ | २७ | ७:०६ | ५:२० | १७ | २३ | १० | ८ | मेष | मोक्षदा एकादशीव्रत (स.), गीताजयन्ती, (D) |
| २५ | ३४ | १२ | सो. | ०७ | ०० | ०९ | ५४ | भ. | ५४ | ४५ | २९ | ०० | परि. | २४ | ५२ | बा. | ०७ | ०० | ७:०६ | ५:२० | १८ | २४ | ११ | ९ | मेष | सोम प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी। |
| २५ | ३३ | १३ | मं. | ०९ | ०२ | १० | ४४ | कृ. | ५७ | ०५ | २९ | ५७ | शि. | २३ | १२ | तै. | ०९ | ०२ | ७:०७ | ५:२० | १९ | २५ | १२ | १० | वृष ११:१६ | पिशाच मोचन श्राद्ध, मंगल विशाखा में २२:०० बजे,(E) |
| २५ | ३२ | १४ | बु. | ०९ | ३७ | १० | ५९ | रो. | ५८ | ०५ | ३० | २२ | सि. | २० | ३० | व. | ०९ | ३७ | ७:०८ | ५:२१ | २० | २६ | १३ | ११ | वृष | रोहिणी व्रत, पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयन्ती, (F) |
| २५ | ३० | १५ | गु. | ०८ | ५५ | १० | ४२ | मृग. | ५७ | ५५ | ३० | १८ | सा. | १६ | ४५ | ब. | ०८ | ५५ | ७:०८ | ५:२१ | २१ | २७ | १४ | १२ | मिथुन १८:२३ | त्रिपुरभैरवी जयन्ती, सत्यव्रत, शुक्र उ.षा. में २५:११ बजे। |

(A) मु. रविलाखर प्रा.। (B) नागपूजा (दाक्षिणात्य), स्वामी हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती, शुक्र पू.षा. में ३०:३० बजे। (C) बुध अनुराधा में २०:२९ बजे। (D) मौनी एकादशी (जैन), मत्स्य द्वादशी, भद्रा ०८:३० बजे तक, गण्डमूल समा. २७:३० बजे। (E) **गुरु वार्धक्य प्रा.२५:१५ बजे।** (F) भद्रा १०:५९ बजे से २२:५५ बजे तक।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०७ | १० | ०६ | ०६ | ०८ | ०८ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १७ | १४ | १५ | २८ | ०६ | १५ | २४ | १५ | १५ |
| क. | २५ | ४२ | ३५ | २६ | ०९ | ४८ | ०९ | ३५ | ३५ |
| वि. | ४७ | १४ | १७ | २० | १५ | २८ | ३८ | २१ | २१ |
| गति | ६० ५२ | ७१२ १४ | ३६ ४६ | ७६ ४७ | १३ २५ | ७४ १७ | ०६ १० | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | ज्ये. १ च. | शत. ३ च. | स्वा. ३ च. | विशा. ३ च. | मूल. २ च. | पू.षा. १ च. | पू.षा. ४ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

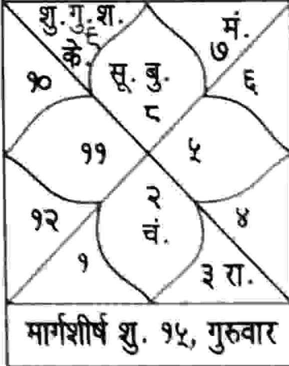
**४ दिसम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

गु.के.शु.
श.
९
बु. मं.
७
सू.
८
१०
६
चं.११
५
२
१२
४
१
३ रा.

**मार्गशीर्ष शु. ८, बुधवार**

इस मास में धनु राशि में चतुर्ग्रही योग उनका सूर्य से द्विर्द्वादश योग तथा राहु से समसप्तक योग एवं बुधोदय के कारण चीन और अमेरिका के कूटनैतिक सम्बन्धों में दरार पड़ने की सम्भावना है। भारत के सीमाप्रान्तों में भी सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। आतङ्कवादियों एवं नक्सलवादियों से भी सैनिक मुठभेढ़ होने की सम्भावना है। चीन के समीपवर्ती स्थानों में भूकम्प एवं बर्फिले तूफान आदि प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन हानि होने की सम्भावना है।

**१२ दिसम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**




**मार्गशीर्ष शु. १५, गुरुवार**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०७ | ०१ | ०६ | ०७ | ०८ | ०८ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २५ | २३ | २० | ०९ | ०७ | २५ | २५ | १५ | १५ |
| क. | ३३ | २२ | ५३ | ४२ | ५७ | ४२ | ०० | ०९ | ०९ |
| वि. | ०६ | ५३ | ५७ | ३८ | २५ | १० | १४ | ५४ | ५४ |
| गति | ६० ५८ | ८०२ ०६ | ३६ ५६ | ८८ ३६ | १३ ३८ | ७४ ०७ | ०६ ३१ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | ज्ये. ३ च. | मृग. १ च. | विशा. १ च. | अनु. २ च. | मूल ३ च. | पू.षा. ४ च. | पू.षा. ४ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, पौष कृष्ण पक्ष ( दि. १३ दिसम्बर से २६ दिसम्बर २०१९ ई० ), दक्षिणायन/उत्तरायण, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३१७३, अयनांश २४:०७:५१**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २५ | २६ | १ | शु. | ०६ | ३० | ०६ | ५७ | आ. | ५६ | ४२ | २६ | ५० | शुभ | १२ | ०५ | कौ. | ०६ | ३० | ७:०६ | ५:२१ | मार्ग. २२ | मार्ग. २८ | र. १५ | दि. १३ | मिथुन | गुरु अस्त २५:१५ बजे। |
| २५ | २६ | २ | श. | ०४ | ०२ | ०८ | ४७ | पुन. | ५४ | ४५ | २६ | ०३ | शु. | ०६ | ३७ | ग. | ०४ | ०२ | ७:१० | ५:२१ | २३ | २९ | १६ | १४ | कर्क २३:१६ | भद्रा २०:०५ बजे प्रा.। |
| २५ | २८ | ३/४ | र. | ००/५६ | २०/०० | ०७/२९ | १६/३४ | पु. | ५२ | ०५ | २८ | ०० | ब्र./ऐं. | ००/५४ | ३५/०२ | वि. | ०० | २० | ७:१० | ५:२२ | २४ | ३० | १७ | १५ | कर्क | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २०:३५ बजे, (A) |
| २५ | २७ | ५ | सो. | ५१ | १२ | २७ | ४० | आश्ले. | ४६ | ०० | २६ | ४७ | वै. | ४७ | ०५ | कौ. | २३ | ३७ | ७:११ | ५:२२ | २५ | पौ. १ | १८ | १६ | सिंह २६:४७ | सूर्य मूल में, धनु सं. १५:२८, सं. पुण्यकाल १५:२८ से (B) |
| २५ | २७ | ६ | मं. | ४६ | ०२ | २५ | ३७ | म. | ४५ | ३५ | २५ | २६ | वि. | ३६ | ५२ | ग. | १८ | ३७ | ७:१२ | ५:२२ | २६ | २ | १९ | १७ | सिंह | भद्रा २५:३७ बजे प्रा.,गण्डमूल समा. २५:२६ बजे। |
| २५ | २६ | ७ | बु. | ४० | ४७ | २३ | ३१ | पू.फा. | ४२ | ०० | २४ | ०० | प्री. | ३२ | ४० | वि. | १३ | २५ | ७:१२ | ५:२३ | २७ | ३ | २० | १८ | कन्या २६:३६ | कालाष्टमी, भद्रा १२:३५ बजे तक। |
| २५ | २६ | ८ | गु. | ३५ | २५ | २१ | २३ | उ.फा. | ३८ | २२ | २२ | ३४ | आयु. | २५ | ०७ | बा. | ०८ | ०५ | ७:१३ | ५:२३ | २८ | ४ | २१ | १९ | कन्या | |
| २५ | २६ | ९ | शु. | ३० | १० | १९ | १७ | ह. | ३४ | ५० | २१ | ०९ | सौ. | १७ | ४५ | तै. | ०२ | ४५ | ७:१३ | ५:२४ | २९ | ५ | २२ | २० | कन्या | भद्रा ३०:१५ बजे प्रा.। |
| २५ | २५ | १० | श. | २५ | ०२ | १७ | १५ | चि. | ३१ | २७ | १६ | ४९ | शो. | १० | ३० | वि. | २५ | ०२ | ७:१४ | ५:२४ | ३० | ६ | २३ | २१ | तुला ८:२८ | भद्रा १७:१५ बजे तक। |
| २५ | २५ | ११ | र. | २० | २० | १५ | २२ | स्वा. | २८ | ३० | १८ | ३८ | अति./सु. | ०३/५६ | ३२/५५ | बा. | २० | २० | ७:१४ | ५:२५ | १ | ७ | २४ | २२ | तुला | सफला एकादशी व्रत (स.), वर्ष का सबसे छोटा दिन, (C) |
| २५ | २५ | १२ | सो. | १६ | ०७ | १३ | ४२ | वि. | २६ | ०० | १७ | ३६ | धृ. | ५० | ४७ | तै. | १६ | ०७ | ७:१५ | ५:२५ | २ | ८ | २५ | २३ | वृश्चिक ११:५२ | रूपद्वादशी, सोम प्रदोष व्रत, शुक्र श्रवण में २०:४२ बजे। |
| २५ | २६ | १३ | मं. | १२ | ४० | १२ | १९ | अनु. | २४ | २० | १६ | ५९ | शू. | ४५ | २२ | व. | १२ | ४० | ७:१५ | ५:२६ | ३ | ९ | २६ | २४ | वृश्चिक | मास शिवरात्रि, भद्रा १२:१९ बजे प्रा.,२३:४५ बजे तक,(D) |
| २५ | २६ | १४ | बु. | १० | ०२ | ११ | १७ | ज्ये. | २३ | ३२ | १६ | ४१ | गं. | ४० | ४५ | शकु. | १० | ०२ | ७:१६ | ५:२६ | ४ | १० | २७ | २५ | धनु १६:४१ | क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती, (E) |
| २५ | २६ | ३० | गु. | ०८ | ३७ | १० | ४३ | मू. | २३ | ५५ | १६ | ५० | वृ. | ३७ | ०२ | ना. | ०८ | ३७ | ७:१६ | ५:२७ | ५ | ११ | २८ | २६ | धनु | अमावस्या,स्नान दानादि गण्डमूल समा. १६:५० बजे, (F) |

**गुरु अस्त २५:१५ १४ दिसम्बर २०१९**

(A) भद्रा ०७:१८ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २८:०० बजे, शुक्र मकर में १७:५८ बजे। (B) सूर्यास्त तक, बुध ज्येष्ठा में २२:२१ बजे। (C) सायन सूर्य मकर में ०९:४६ बजे, शिशिर ऋतु प्रा., उत्तरायण प्रा., बुधास्त १२:३१ बजे, रा. पौष प्रा.। (D) गण्डमूल प्रा. १६:५६ बजे। (E) मदनमोहन मालवीय जयन्ती, अमावस्या श्राद्धादि, बुध मूल धनु राशि में १५:४५ बजे, मंगल वृश्चिक में २१:२९ बजे। (F) शनि उ.षा. में २६:२१ बजे, कङ्कण सूर्य ग्रहण।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०८ | ०५ | ०६ | ०७ | ०८ | ०९ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०२ | ०० | २५ | २० | ०९ | ०४ | २५ | १४ | १४ |
| क. | ४० | २८ | ३३ | १२ | ३३ | २० | ४६ | ४७ | ४७ |
| वि. | १५ | ३५ | ५६ | २३ | १८ | ३० | ३१ | ३६ | ३६ |
| गति | ६१ ०५ | ८५१ ०७ | ४० ०६ | ६१ १९ | १३ ४६ | ७३ ५७ | ०६ ४४ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | मूल. १ च. | उ.फा. २ च. | विशा. २ च. | ज्ये. २ च. | मूल. ३ च. | उ.षा. ३ च. | पू.षा. ४ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**१९ दिसम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

सू. गु. श. के. ९ | मं. ७ | चं. ६ | शु. १० | बु. ८ | ११ | ५ | २ | १२ | ४ | १ | ३ रा.

**पौष कृ. ८, गुरुवार**

इस मास में पाँच शुक्रवार हैं और धनु की संक्रान्ति सोमवार को है, अतः चाँदी, सूत, गेहूँ, चावल के भाव मन्दे और तिल, तेल, सरसों, लाल मिर्च, लोहा एवं लोहे से निर्मित वस्तुओं के भाव तेज रहेंगे। उड़द, मूँग, मोठ, ज्वार, मक्की, बाजरा के भाव सम रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद मन्दी का रुख रहेगा।

**२६ दिसम्बर २०१९ ई., प्रातः ६:२७**

सू. बु. गु. श. चं. के. ९ | ७ | शु. १० | मं. ८ | ६ | ११ | ५ | २ | १२ | ४ | १ | ३ रा.

**पौष कृ. ३०, गुरुवार**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०८ | ०८ | ०७ | ०८ | ०८ | ०९ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०९ | ०७ | ०० | ०० | ११ | १२ | २६ | १४ | १४ |
| क. | ४८ | ३८ | १५ | ५६ | ०९ | ५७ | ३४ | २५ | २५ |
| वि. | ०६ | ०६ | ०३ | ४९ | ५३ | ३६ | १६ | २४ | २४ |
| गति | ६१ ०९ | ७८५ ४८ | ४० १४ | ६३ ०२ | १३ ५० | ७६ ४६ | ०६ ५५ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | मूल. ३ च. | मूल. ३ च. | विशा. ४ च. | मूल. १ च. | मूल. ४ च. | श्रव. १ च. | पू.षा. ४ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, पौष शुक्ल पक्ष ( दि. २७ दिसम्बर २०१९ से १० जनवरी २०२० ई० ), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३१८७, अयनांश २४:०७':५४''**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २५ | २७ | १ | शु. | ०८ | २७ | १० | ३६ | पू.षा. | २५ | ३५ | १७ | ३० | ध्रु. | ३४ | २५ | ब. | ०८ | २७ | ७:१६ | ५:२७ | पौ. ६ | पौ. १२ | र. २६ | दि. २७ | मकर २३:४५ | चन्द्रदर्शन |
| २५ | २७ | २ | श. | ०६ | ४२ | ११ | १० | उ.षा. | २८ | ३५ | १८ | ४३ | व्या. | ३२ | ५२ | कौ. | ०६ | ४२ | ७:१७ | ५:२८ | ७ | १३ | ज. १ | २८ | मकर | मु. जमादिलावल प्रा.। |
| २५ | २८ | ३ | र. | १२ | २७ | १२ | १६ | श्र. | ३३ | ०० | २० | २६ | ह. | ३२ | २७ | ग. | १२ | २७ | ७:१७ | ५:२८ | ८ | १४ | २ | २९ | मकर | भद्रा २५:०१ बजे प्रा., सूर्य पू.षा. में १७:३६ बजे। |
| २५ | २९ | ४ | सो. | १६ | ३५ | १३ | ५५ | धनि. | ३८ | ४२ | २२ | ४६ | व. | ३३ | ०२ | वि. | १६ | ३५ | ७:१७ | ५:२९ | ९ | १५ | ३ | ३० | कुम्भ ९:३४ | विनायक चतुर्थी, भद्रा १३:५५ बजे तक, (A) |
| २५ | ३० | ५ | मं. | २१ | ५० | १६ | ०२ | शत. | ४५ | २२ | २५ | २७ | सि. | ३४ | ५५ | बा. | २१ | ५० | ७:१८ | ५:३० | १० | १६ | ४ | ३१ | कुम्भ | |
| २५ | ३१ | ६ | बु. | २७ | ५५ | १८ | २८ | पू.भा. | ५२ | ४२ | २८ | २३ | व्य. | ३६ | १० | तै. | २७ | ५५ | ७:१८ | ५:३० | ११ | १७ | ५ | जन. १ | मीन २१:३८ | आङ्ग्ल नववर्षारम्भ। |
| २५ | ३२ | ७ | गु. | ३४ | १५ | २१ | ०० | उ.भा. | ६० | ०० | – | – | वरि. | ३८ | २५ | ग. | ०१ | ०५ | ७:१८ | ५:३१ | १२ | १८ | ६ | २ | मीन | भानु सप्तमी, भद्रा २१:०० बजे प्रा., बुध पू.षा. में २८:१६ बजे। |
| २५ | ३३ | ८ | शु. | ४० | २२ | २३ | २७ | उ.भा. | ०० | ०५ | ०७ | २० | परि. | ४० | १५ | वि. | ०७ | २२ | ७:१८ | ५:३२ | १३ | १९ | ७ | ३ | मीन | दुर्गाष्टमी, भद्रा १०:१५ बजे तक, गण्डमूल प्रा.(B) |
| २५ | ३४ | ९ | श. | ४५ | ३५ | २५ | ३३ | रे. | ०६ | ५५ | १० | ०५ | शि. | ४१ | २५ | बा. | १३ | ०५ | ७:१९ | ५:३२ | १४ | २० | ८ | ४ | मेष १०:०५ | पंचक समा. १०:०५ बजे, गुरु पू.षा. में १६:२१ बजे। |
| २५ | ३६ | १० | र. | ४९ | ३० | २७ | ०७ | अ. | १२ | ५० | १२ | २७ | सि. | ४१ | ४२ | तै. | १७ | ४२ | ७:१९ | ५:३३ | १५ | २१ | ९ | ५ | मेष | गण्डमूल समा. १२:२७ बजे। |
| २५ | ३७ | ११ | सो. | ५१ | ४७ | २८ | ०२ | भ. | १७ | २० | १४ | १५ | सा. | ४० | ४५ | व. | २० | ५२ | ७:१९ | ५:३४ | १६ | २२ | १० | ६ | वृष २०:३६ | पुत्रदा एकादशी व्रत (स्मार्त+वैष्णव), (C) |
| २५ | ३९ | १२ | मं. | ५२ | २० | २८ | १५ | कृ. | २० | १२ | १५ | २४ | शुभ | ३५ | ५७ | ब. | २२ | १७ | ७:१९ | ५:३५ | १७ | २३ | ११ | ७ | वृष | पुत्रदा एकादशी व्रत (निम्बार्क) |
| २५ | ४० | १३ | बु. | ५१ | ०२ | २७ | ४४ | रो | २१ | २० | १५ | ५१ | शु. | ३४ | ४७ | कौ. | २१ | ५५ | ७:१९ | ५:३५ | १८ | २४ | १२ | ८ | मिथुन २७:४९ | प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत, शुक्र कुम्भ में २८:२३ बजे। |
| २५ | ४२ | १४ | गु. | ४८ | १० | २६ | ३५ | मृग. | २० | ४७ | १५ | ३८ | ब्र. | २८ | ०७ | ग. | १९ | ४७ | ७:१९ | ५:३६ | १९ | २५ | १३ | ९ | मिथुन | भद्रा २६:३५ बजे प्रा.। |
| २५ | ४४ | १५ | शु. | ४३ | ५० | २४ | ५१ | आ. | १८ | ४२ | १४ | ४८ | ऐं. | २३ | ३७ | वि. | १६ | १० | ७:१९ | ५:३७ | २० | २६ | १४ | १० | मिथुन | पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, (D) |

**गुरु उदय २२:२४ बजे १० जनवरी, २०२०**

(A) पंचक प्रा. ०९:३४ बजे, मंगल अनुराधा में २०:४० बजे, शनि अस्त २४:१६ बजे। (B) ७:२० बजे, शुक्र धनिष्ठा में १७:२३ बजे। (C) भद्रा १५:४० बजे से २८:०२ बजे तक, गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती। (D) माघ स्नान प्रा., शाकम्भरी जयं., भद्रा १३:४७ बजे तक, गुरु उदय २२:२४ बजे।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०८ | ११ | ०७ | ०८ | ०८ | ०९ | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | १७ | १६ | ०५ | १३ | १३ | २२ | २७ | १३ | १३ |
| क. | ५७ | १३ | ३७ | २८ | ०० | ४६ | ३० | ५९ | ५९ |
| वि. | २५ | ५४ | ३० | २८ | ३० | ३४ | ०८ | ५७ | ५७ |
| गति | ६१ ०९ | ७१६ ४७ | ४० २३ | ६५ १८ | १३ ४८ | ७३ २५ | ०७ ०३ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पू.षा. २ च. | उ.भा. ४ च. | अनु. १ च. | पू.षा. १ च. | मूल. ४ च. | श्रव. ४ च. | उ.षा. १ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**३ जनवरी २०२०ई., प्रातः ६:२७**

१० शु.
सू.बु. गु.श.के. ९
८ मं.
११
७
चं. १२
६
३ रा.
१
५
२
४

**पौष शु. ८, शुक्रवार**

इस मास में धनु राशि में षड्ग्रही योग उनका शुक्र एवं मंगल से द्विर्द्वादश योग एवं राहु से समसप्तक योग होने के कारण चीन-रूस के अमेरिका के साथ राजनयिक सम्बन्धों में दरार पड़ने के कारण युद्धोन्याद की स्थिति पैदा हो सकती है। किसी मुस्लिम राष्ट्र में भी तख्ता पलट की सम्भावना हो सकती है। भारत के सीमा प्रान्तों में भी सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। सत्तापक्ष और विपक्ष में भी मुद्दों के आधार पर तीखी झड़प होने की सम्भावना है।

**१० जनवरी २०२०ई., प्रातः ६:२७**

शु. १०
सू.बु. गु.श.के. ९
८ मं.
११
७
१२
६
३ चं.रा.
१
५
२
४

**पौष शु. १५, शुक्रवार**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०८ | ०२ | ०७ | ०८ | ०८ | १० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | २५ | १५ | १० | २४ | १४ | ०१ | २८ | १३ | १३ |
| क. | ०५ | ०९ | २० | ४३ | ३६ | १९ | १९ | ३७ | ३७ |
| वि. | २५ | २४ | ३९ | २२ | ५५ | २४ | ४० | ४२ | ४२ |
| गति | ६१ ०७ | ८४० २९ | ४० ३२ | ६८ ०८ | १३ ४३ | ७३ ०३ | ०७ ०६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पू.षा. ४ च. | आर्द्रा. ३ च. | अनु. ३ च. | पू.षा. ४ च. | पू.षा. १ च. | धनि. ३ च. | उ.षा. १ च. | आर्द्रा ३ च. | पू.षा. १ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, माघ कृष्ण पक्ष ( दि. ११ जनवरी से २४ जनवरी २०२० ई० ), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३२०२, अयनांश २४:०७:५७**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय मे ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २५ | ४६ | १ | श. | ३८ | २५ | २२ | ४१ | पुन. | १५ | २७ | १३ | ३० | वै. | १६ | २७ | बा. | ११ | १५ | ७:१६ | ५:३८ | पौ. २१ | पौ. २७ | ज. १५ | जनु. ११ | कर्क ७:५२ | सूर्य उ.षा. में १६:३५ बजे, बुध उ.षा में १०:५६ बजे। |
| २५ | ४८ | २ | र. | ३२ | १२ | २० | १२ | पु. | ११ | १५ | ११ | ४६ | वि. | ०८ | ३५ | तै. | ०५ | २५ | ७:१६ | ५:३६ | २२ | १७ | १६ | १२ | कर्क | स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, भद्रा ३०:५३ बजे प्रा., (A) |
| २५ | ५० | ३ | सो. | २५ | ३२ | १७ | ३२ | आश्ले. | ०६ | ३० | ०६ | ५५ | प्री. आयु | ०१ ५१ | १३ ३७ | वि. | २५ | ३२ | ७:१६ | ५:३६ | २३ | १८ | १७ | १३ | सिंह ६:५५ | संकष्ट चतुर्थी व्रत (संकट चौथ), चन्द्रोदय २०:३४, (B) |
| २५ | ५२ | ४ | मं. | १८ | ४५ | १४ | ४६ | म. पू.फा. | ०१ ५६ | ३० ३५ | ०७ २६ | ५५ ५७ | सौ. | ४३ | ०२ | बा. | १८ | ४५ | ७:१६ | ५:४० | २४ | माघ १ | १८ | १४ | सिंह | लोहड़ी, गण्डमूल समा. ७:५५ बजे, शुक्र शतभिषा में (C) |
| २५ | ५४ | ५ | बु. | १२ | ०७ | १२ | १० | उ.फा. | ५२ | ०० | २८ | ०७ | शो. | ३४ | ४२ | तै. | १२ | ०७ | ७:१६ | ५:४१ | २५ | २ | १६ | १५ | कन्या ११:२८ | स्वामी रामानन्दाचार्य जयन्ती, (D) |
| २५ | ५७ | ६ | गु. | ०५ | ५७ | ०६ | ४२ | ह. | ४७ | ५७ | २६ | ३० | अति. | २६ | ४७ | व | ०५ | ५७ | ७:१६ | ५:४२ | २६ | ३ | २० | १६ | कन्या | भद्रा ०६:४१ बजे से २०:३३ बजे तक। |
| २५ | ५६ | ७ ८ | शु. | ०० ५५ | २३ ३७ | ०७ २६ | ३६ ३४ | चि. | ४४ | ४२ | २५ | १२ | सु. | १६ | ०० | ब. | ०० | २२ | ७:१६ | ५:४३ | २७ | ४ | २१ | १७ | तुला १३:४६ | कालाष्टमी। |
| २६ | ०२ | ९ | श. | ५१ | ४५ | २८ | ०१ | स्वा. | ४२ | २० | २४ | १५ | धृ. | १२ | ४५ | तै. | २३ | ३२ | ७:१६ | ५:४४ | २८ | ५ | २२ | १८ | तुला | |
| २६ | ०४ | १० | र. | ४८ | ५२ | २६ | ५१ | वि. | ४० | ५७ | २३ | ४१ | शू. | ०६ | ५० | व. | २० | १२ | ७:१८ | ५:४४ | २९ | ६ | २३ | १९ | वृश्चिक १७:४७ | भद्रा १५:२३ बजे से २६:५१ बजे तक, सूर्य (E) |
| २६ | ०७ | ११ | सो. | ४७ | ०० | २६ | ०६ | अनु. | ४० | ३० | २३ | ३० | गं. वृ. | ०१ ५७ | ३७ १७ | ब. | १७ | ५० | ७:१८ | ५:४५ | ३० | ७ | २४ | २० | वृश्चिक | षट्तिला एकादशीव्रत (स्मा.+वैष्णव), गण्डमूल प्रा.(F) |
| २६ | १० | १२ | मं. | ४६ | ०७ | २५ | ४५ | ज्ये. | ४१ | ०२ | २३ | ४३ | ध्रु. | ५३ | ४२ | कौ. | १३ | ५७ | ७:१८ | ५:४६ | माघ १ | ८ | २५ | २१ | धनु २३:४३ | रा. माघ प्रा., षट्तिला एकादशी व्रत (निम्बार्क) |
| २६ | १३ | १३ | बु. | ४६ | १७ | २५ | ४६ | मू. | ४२ | ३५ | २४ | २० | व्या. | ५० | ५५ | ग. | १६ | ०५ | ७:१८ | ५:४७ | २ | ९ | २६ | २२ | धनु | मेरु त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, भद्रा २५:४६ बजे प्रा., (G) |
| २६ | १५ | १४ | गु. | ४७ | ३२ | २६ | १६ | पू.षा. | ४५ | ०७ | २५ | २० | ह. | ४८ | ५७ | वि. | १६ | ४७ | ७:१७ | ५:४८ | ३ | १० | २७ | २३ | धनु | नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती, मासशिवरात्रि, (H) |
| २६ | १८ | ३० | शु. | ४६ | ४७ | २७ | १२ | उ.षा. | ४८ | ४२ | २६ | ४६ | व. | ४७ | ४७ | चतु. | १८ | ३२ | ७:१७ | ५:४६ | ४ | ११ | २८ | २४ | मकर ७:३६ | मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान, सूर्य श्रवण में २१:५१ बजे। |

(A) गण्डमूल प्रा. ११:४६ बजे। (B) गणेशोत्पत्ति, भद्रा १७:३२ बजे तक, बुध मकर में ११:३५ बजे, **गुरु बाल्यत्व समा. २२:२४ बजे।** (C) १५:५७ बजे, मकर संक्रान्ति २६:०८ बजे। (D) सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक। (E) ज्येष्ठा में १४:३२ बजे, बुध श्रवण में १०:४१ बजे। (F) २३:३० बजे, सायन सूर्य कुम्भ में २०:२५ बजे। (G) गण्डमूल समा. २४:२० बजे। (H) भद्रा १४:०० बजे तक।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०८ | ०५ | ०७ | ०८ | ०८ | १० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०२ | २५ | १५ | ०६ | १६ | ०६ | २६ | १३ | १३ |
| क. | १३ | ३६ | ०४ | १६ | १२ | ४६ | ०६ | १५ | १५ |
| वि. | १३ | ४६ | ५२ | ०७ | ३३ | २० | २४ | २७ | २७ |
| गति | ६१ ०६ | ८४३ १६ | ४१ ४२ | १०१ १४ | १३ ३५ | ७२ ३५ | ०७ ०६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | उ.षा. २ च. | चित्रा. १ च. | अनु. ४ च. | उ.षा. ३ च. | पू.षा १ च. | शत. १ च. | उ.षा. १ च. | आर्द्रा. २ च. | मूल. ४ च. |

**१७ जनवरी २०२० ई., प्रातः ६:२७**



माघ कृ. ७/८, शुक्रवार

इस मास में पाँच शनिवार और पाँच रविवार हैं और मकर संक्रान्ति मंगलवार को है, अतः प्रजा में रोग, चोरी, डकैती, आतङ्कवादी घटनाओं से भय और अशान्ति का वातावरण रहेगा। वर्षा की कमी से कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। मँहगाई की मार से आम जनता त्रस्त रहेगी। शेयर बाजार में तेजी का रुख रहेगा।

**२४ जनवरी २०२० ई., प्रातः ६:२७**



माघ कृ. ३०, शुक्रवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०६ | ०८ | ०७ | ०६ | ०८ | १० | ०८ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०६ | २६ | १६ | १८ | १७ | १८ | २६ | १२ | १२ |
| क. | २० | २१ | ५० | १५ | ४६ | १५ | ५८ | ५३ | ५३ |
| वि. | ४६ | ४८ | ०६ | ४२ | ५८ | ५५ | ५६ | ११ | ११ |
| गति | ६१ ०३ | ७५३ १३ | ४० ५० | १०३ २६ | १३ २१ | ७२ ०४ | ०७ ०२ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | उ.षा. ४ च. | उ.षा. १ च. | ज्ये. १ च. | श्रव. ३ च. | पू.षा. २ च. | शत. ४ च. | उ.षा. १ च. | आर्द्रा. २ च. | मूल. ४ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, माघ शुक्ल. पक्ष ( दि. २५ जनवरी से ९ फरवरी २०२० ई० ), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, के. अहर्गण ३२१६, अयनांश २४:०७:५९**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २६ | २१ | १ | श. | ५३ | ०५ | २८ | ३१ | श्र. | ५३ | १५ | २८ | ३५ | सि. | ४७ | २२ | किं. | २१ | १७ | ७:१७ | ५:५० | माघ. ५ | माघ. १२ | ज. २९ | जन. २५ | मकर | गुप्त नवरात्र प्रारम्भ (शिशिर), हि प्र. पूर्ण राज्यत्व दिवस, (A) |
| २६ | २४ | २ | र. | ५७ | ३० | ३० | १६ | ध. | ५८ | ५० | ३० | ४८ | व्य. | ४७ | ५० | बा. | २५ | १२ | ७:१६ | ५:५० | ६ | १३ | ३० | २६ | कुम्भ १७:३९ | चन्द्रदर्शन, गणतन्त्र दिवस, पंचक प्रा.१७:३९ बजे, (B) |
| २६ | २८ | ३ | सो. | ६० | ०० | - | - | शत. | ६० | ०० | - | - | वरि. | ४८ | ५७ | तै. | २९ | ५७ | ७:१६ | ५:५१ | ७ | १४ | ज. १ | २७ | कुम्भ | मु. जमादिलाखर प्रा.। |
| २६ | ३१ | ३ | मं. | ०२ | ४५ | ०८ | २२ | शत. | ०५ | १७ | ०६ | २३ | परि. | ५० | ३७ | ग. | ०२ | ४५ | ७:१६ | ५:५२ | ८ | १५ | २ | २८ | मीन २९:२९ | विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी, भद्रा २१:३२ बजे प्रा.। |
| २६ | ३४ | ४ | बु. | ०८ | ४७ | १० | ४६ | पू.भा. | १२ | २५ | १२ | १३ | शि. | ५२ | ४५ | वि. | ०८ | ४७ | ७:१५ | ५:५३ | ९ | १६ | ३ | २९ | मीन | भद्रा १०:४६ बजे तक, शनि उदय २९:५२ बजे। |
| २६ | ३७ | ५ | गु. | १५ | १२ | १३ | २० | उ.भा. | १९ | ५२ | १५ | १२ | सि. | ५४ | ५५ | बा. | १५ | १२ | ७:१५ | ५:५४ | १० | १७ | ४ | ३० | मीन | वसंत पञ्चमी, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन, (C) |
| २६ | ४१ | ६ | शु. | २१ | ३५ | १५ | ५२ | रे. | २७ | २० | १८ | १० | सा. | ५६ | ५० | तै. | २१ | ३५ | ७:१४ | ५:५५ | ११ | १८ | ५ | ३१ | मेष १८:१० | स्कन्द षष्ठी, पंचक समा. १८:१० बजे। |
| २६ | ४४ | ७ | श. | २७ | २२ | १८ | ११ | अ. | ३४ | ०७ | २० | ५३ | शुभ. | ५८ | ०७ | व. | २७ | २२ | ७:१४ | ५:५६ | १२ | १९ | ६ | फर. १ | मेष | रथ सप्तमी, भानु सप्तमी, अचला सप्तमी, (D) |
| २६ | ४८ | ८ | र. | ३२ | ०७ | २० | ०४ | भ. | ३९ | ५५ | २३ | ११ | शु. | ५८ | २७ | वि. | ०० | ०२ | ७:१३ | ५:५६ | १३ | २० | ७ | २ | वृष २९:४० | भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि, भद्रा ०७:१४ बजे तक, (E) |
| २६ | ५१ | ९ | सो. | ३५ | १७ | २१ | २० | कृ. | ४४ | ०७ | २४ | ५२ | ब्र. | ५७ | ३० | बा. | ०३ | ५५ | ७:१३ | ५:५७ | १४ | २१ | ८ | ३ | वृष | गुप्त नवरात्र (शिशिर) समा., बुध शतभिषा में २९:२६ बजे। |
| २६ | ५५ | १० | मं. | ३६ | ३५ | २१ | ५० | रो. | ४६ | ३२ | २५ | ४९ | ऐं. | ५५ | ०२ | तै. | ०६ | १५ | ७:१२ | ५:५८ | १५ | २२ | ९ | ४ | वृष | |
| २६ | ५८ | ११ | बु. | ३५ | ५० | २१ | ३१ | मृ. | ४६ | ५७ | २५ | ५८ | वै. | ५१ | ०० | व. | ०६ | ३० | ७:११ | ५:५९ | १६ | २३ | १० | ५ | मिथुन १४:०० | जया एकादशी व्रत (स.), भद्रा ०९:४७ बजे से (F) |
| २७ | ०२ | १२ | गु. | ३३ | ०२ | २० | २४ | आ. | ४५ | २५ | २५ | २१ | वि. | ४५ | २० | ब. | ०४ | ४० | ७:११ | ६:०० | १७ | २४ | ११ | ६ | मिथुन | भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, सूर्य धनिष्ठा में २४:५७ बजे। |
| २७ | ०६ | १३ | शु. | २८ | २५ | १८ | ३२ | पुन. | ४२ | ०७ | २४ | ०१ | प्री. | ३८ | १७ | कौ. | ०० | ५७ | ७:१० | ६:०० | १८ | २५ | १२ | ७ | कर्क १८:२४ | मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रारम्भ, प्रदोष व्रत, (G) |
| २७ | ०९ | १४ | श. | २२ | १२ | १६ | ०२ | पु. | ३७ | २० | २२ | ०५ | आयु. | ३० | ०२ | व. | २२ | १२ | ७:०९ | ६:०१ | १९ | २६ | १३ | ८ | कर्क | पूर्णिमा व्रत, भद्रा १६:०२ बजे से २६:३६ बजे तक, (H) |
| २७ | १३ | १५ | र. | १४ | ४७ | १३ | ०३ | आश्ले. | ३१ | २५ | १९ | ४३ | सौ. | २० | ४७ | ब. | १४ | ४७ | ७:०९ | ६:०२ | २० | २७ | १४ | ९ | सिंह १९:४३ | माघी पूर्णिमा, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयंती, (I) |

(A) शुक्र पू.भा. में १७:०७ बजे, बुधोदय २९:३१ बजे। (B) बुध धनिष्ठा में २९:०४ बजे। (C) गण्डमूल प्रा.१५:१२ बजे, बुध कुम्भ में २९:५३ बजे। (D) भद्रा १८:११ बजे प्रा., गण्डमूल समा. २०:५३ बजे। (E) शुक्र मीन में २९:१८ बजे। (F) २१:३१ बजे तक, शुक्र उ.भा.२१:५५ बजे। (G) मंगल मूल धनु राशि में २७:५२ बजे। (H) गण्डमूल प्रा. २२:०५ बजे। (I) मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, ललिता जयन्ती।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०९ | ०० | ०७ | १० | ०८ | १० | ०९ | ०२ | ०८ |
| अं. | १८ | १८ | २५ | ०३ | १९ | २९ | ०१ | १२ | १२ |
| क. | २९ | ०९ | ५८ | ३३ | ४५ | ०१ | ०१ | २४ | २४ |
| वि. | ४२ | ०३ | १५ | २१ | ४२ | ०८ | ४८ | ३४ | ३४ |
| गति | ६० ५३ | ७३५ ०८ | ४० ५९ | ९६ ३९ | १२ ५७ | ०७ ११ | ०६ ५३ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | श्रव. ३ च. | भर. २ च. | ज्ये. ३ च. | धनि. ४ च. | पू.षा. २ च. | पू.भा. ३ च. | उ.षा. २ च. | आर्द्रा २ च. | मूल ४ च. |

**२ फरवरी २०२० ई., प्रातः ६:२७**

बु. शु. ११ | गु. के. ९ | मं. ८ | १२ | सू. श. १० | चं. १ | ७ | २ | ४ | ६ | ३ रा. | ५

माघ शु. ८, रविवार

इस मास के प्रथम पक्ष में धनु राशि में गुरु-शनि-केतु की युति उनका सूर्य- बुध और मंगल से द्विर्द्वादश योग एवं राहु से समसप्तक योग तथा द्वितीय पक्ष में सूर्य-शनि की युति उनका मंगल-गुरु-केतु और बुध से द्विर्द्वादश योग तथा राहु से षडष्टक होने तथा बुधोदय होने के कारण रूस, चीन, यूरोप, जापान एवं अमेरिका के किसी भाग में बर्फिले तूफान, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से अत्यधिक मात्रा में जन-धन हानि होने की सम्भावना है।

भारत में भी आतङ्कवादी घटनायें घटने की सम्भावना है।

**९ फरवरी २०२० ई., प्रातः ६:२७**

बु. ११ | मं. गु. के. ९ | शु. १२ | सू. श. १० | ८ | १ | ७ | २ | ४ चं. | ६ | ३ रा. | ५

माघ शु. १५, रविवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ०९ | ०३ | ०८ | १० | ०८ | ११ | ०९ | ०२ | ०८ |
| अं. | २५ | २१ | ०० | १३ | २१ | ०७ | ०१ | १२ | १२ |
| क. | ३५ | ४७ | ४५ | ३९ | १५ | १६ | ४९ | ०२ | ०२ |
| वि. | २७ | ४९ | ३२ | ०५ | २१ | ५२ | २७ | १९ | १९ |
| गति | ६० ४४ | ८९३ ०२ | ४१ ०७ | ६७ १९ | १२ ३५ | ७० १८ | ०६ ४२ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | धनि. १ च. | आश्ले. २ च. | मूल. १ च. | शत. ३ च. | पू.षा. ३ च. | उ.भा. २ च. | उ.षा. २ च. | आर्द्रा २ च. | मूल. ४ च. |

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, फाल्गुन कृष्ण पक्ष ( दि. १० फरवरी से २३ फरवरी २०२० ई० ), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३२३२, अयनांश २४°:०७':०१"**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २७ | १७ | १/२ | सो. | ०६/५७ | ३२/५५ | ०६/३० | ४५/१८ | म. | २४ | ५५ | १७ | ०६ | शो. | १० | ५७ | कौ. | ०६ | ३२ | ७:०८ | ६:०३ | माघ २१ | माघ २८ | ज. १५ | कृ. १० | सिंह | गण्डमूल समा. १७:०६ बजे। |
| २७ | २१ | ३ | मं. | ४६ | २५ | २६ | ५३ | पू.फा. | १८ | १० | १४ | २३ | अति./सु. | ००/५० | ५५/५२ | व. | २३ | ४० | ७:०७ | ६:०४ | २२ | २९ | १६ | ११ | कन्या १६:४३ | भद्रा १६:३५ बजे से २६:५३ बजे तक। |
| २७ | २४ | ४ | बु. | ४१ | २२ | २३ | ४० | उ.फा. | ११ | ३७ | ११ | ४६ | धृ. | ४१ | १२ | ब. | १५ | १७ | ७:०७ | ६:०४ | २३ | ३० | १७ | १२ | कन्या | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २१:३७। |
| २७ | २८ | ५ | गु. | ३४ | १२ | २० | ४७ | ह. | ०५ | ४७ | ०६ | २५ | शू. | ३२ | २० | कौ. | ०७ | ४० | ७:०६ | ६:०५ | २४ | फा. १ | १८ | १३ | तुला २०:२३ | कुम्भ संक्रान्ति १५:०३, सं. पुण्यकाल प्रातः ८:३६ से (A) |
| २७ | ३२ | ६ | शु. | २८ | १० | १८ | २१ | चि./स्वा. | ००/५७ | ५५/२० | ०७/३० | २७/०१ | गं. | २४ | २२ | ग. | ०१ | ०२ | ७:०५ | ६:०६ | २५ | २ | १९ | १४ | तुला | भद्रा १८:२१ बजे से २६:२१ बजे तक। |
| २७ | ३६ | ७ | श. | २३ | ३२ | १६ | २६ | वि. | ५५ | १२ | २६ | ०६ | वृ. | १७ | ३२ | ब. | २३ | ३२ | ७:०४ | ६:०७ | २६ | ३ | २० | १५ | वृश्चिक २३:१८ | कालाष्टमी। |
| २७ | ४० | ८ | र. | २० | २७ | १५ | १४ | अनु. | ५४ | ३५ | २८ | ५३ | ध्रु. | ११ | ५२ | कौ. | २० | २७ | ७:०३ | ६:०८ | २७ | ४ | २१ | १६ | वृश्चिक | हलाष्टमी, जानकी अष्टमी, गण्डमूल प्रा. २८:५३ बजे,(B) |
| २७ | ४४ | ९ | सो. | १८ | ५५ | १४ | ३६ | ज्ये. | ५५ | ३० | २९ | १४ | व्या. | ०७ | २७ | ग. | १८ | ५५ | ७:०२ | ६:०८ | २८ | ५ | २२ | १७ | धनु २९:१४ | भद्रा २६:३० बजे प्रा., शुक्र रेवती में ०८:०३ बजे। |
| २७ | ४८ | १० | मं. | १८ | ४७ | १४ | ३३ | मू. | ५७ | ४० | ३० | ०६ | ह. | ०४ | १० | वि. | १८ | ४७ | ७:०२ | ६:०९ | २९ | ६ | २३ | १८ | धनु | महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती, भद्रा १४:३३ बजे तक, (C) |
| २७ | ५२ | ११ | बु. | २० | ०२ | १५ | ०२ | पू.षा. | ६० | ०० | – | – | व. | ०२ | ०० | बा. | २० | ०२ | ७:०१ | ६:१० | ३० | ७ | २४ | १९ | धनु | विजया एकादशी व्रत (स.), सूर्य शतभिषा में २६:३० बजे, (D) |
| २७ | ५६ | १२ | गु. | २२ | ३० | १६ | ०० | पू.षा. | ०१ | १० | ०७ | २८ | सि. | ०० | ४७ | तै. | २२ | ३० | ७:०० | ६:११ | फा. १ | ८ | २५ | २० | मकर १३:५२ | प्रदोष व्रत, वक्री बुधास्त ११:३६ बजे, रा. फाल्गुन प्रा.। |
| २८ | ०० | १३ | शु. | २५ | ५५ | १७ | २१ | उ.षा. | ०५ | ३५ | ०९ | १३ | व्य. | ०० | २२ | व. | २५ | ५५ | ६:५९ | ६:११ | २ | ९ | २६ | २१ | मकर | महाशिवरात्रि व्रत, भद्रा १७:२१ बजे से ३०:१० बजे तक। |
| २८ | ०५ | १४ | श. | ३० | १२ | १९ | ०३ | श्र. | १० | ५२ | ११ | १९ | वरि. | ०० | ३७ | श. | ३० | १२ | ६:५८ | ६:१२ | ३ | १० | २७ | २२ | कुम्भ २४:२९ | महाशिवरात्रि व्रत पारणा, पञ्चक प्रा. २४:२९ बजे। |
| २८ | ०९ | ३० | र. | ३५ | १२ | २१ | ०२ | धनि. | १६ | ५५ | १३ | ४३ | परि. | ०१ | २७ | चतु. | ०२ | ३७ | ६:५७ | ६:१३ | ४ | ११ | २८ | २३ | कुम्भ | युगादि, अमावस्या। |

(A) १५:०३ बजे तक। (B) बुध वक्री ३०:२३ बजे। (C) गण्डमूल समा. ३०:०६ बजे। (D) सायन सूर्य मीन में १०:२७ बजे, वसन्त ऋतु प्रा.।

**१६ फरवरी २०२०ई., प्रातः ६:२७**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | १० | ०७ | ०८ | १० | ०८ | ११ | ०६ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०२ | ०४ | ०५ | १८ | २२ | १५ | ०२ | ११ | ११ |
| क. | ४० | ०४ | ३३ | ४० | ४२ | २६ | ३५ | ४० | ४० |
| वि. | ०६ | २५ | ४६ | ०६ | ०६ | ०५ | ३८ | ०४ | ०४ |
| गति | ६० ३६ | ८०७ २६ | ४१ १५ | ०५ १२ | १२ ०८ | ६१ १८ | ०६ २७ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | धनि. ३ च. | अनु. १ च. | मूल. २ च. | शत. ४ च. | पू.षा. ३ च. | उ.भा. ४ च. | उ.षा. २ च. | आर्द्रा २ च. | मूल. ४ च. |

कुण्डली: लग्न १० (श.); ११ सू. बु.; १२ शु.; १ ; २ ; ३ रा.; ४ ; ५ ; ६ ; ७ ; ८ चं.; ९ मं. गु. के.

फाल्गुन कृ. ८, रविवार

इस मास में पाँच सोमवार हैं और कुम्भ की संक्रान्ति गुरुवार को है, अतः वर्षा समयानुकूल होने से अन्न की पैदावार अच्छी होगी। मक्का, ज्वार, चावल, बाजरा, मूँग, मोठ, लोबिया, सरसों, तिल, तैल, अलसी, बिनौला, रूई, सूत, सोना, चाँदी, ताम्बा, पीतल, जस्ता आदि के भाव मन्दे तथा चना, गेहूँ, जौ, ऊन, रेशम के भाव तेज रहेंगे। नमक, मिर्च-मसाले एवं चन्दन, इत्र आदि सुगन्धित पदार्थों के भाव सम रहेंगे। शेयर बाजार में मन्दी का रुख रहेगा।

**२३ फरवरी २०२०ई., प्रातः ६:२७**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | १० | १० | ०८ | १० | ०८ | ११ | ०६ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०६ | ०३ | १० | १५ | २४ | २३ | ०३ | ११ | ११ |
| क. | ४३ | ०० | २२ | ५० | ०५ | २७ | १६ | १७ | १७ |
| वि. | ५२ | ४१ | ५३ | २५ | ३५ | ४६ | ५८ | ४८ | ४८ |
| गति | ६० २६ | ७२२ ५५ | ४१ २२ | ५० ३३ | ११ ३७ | ६८ ०८ | ०६ ०६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | शत. १ च. | धनि. ३ च. | मूल. ४ च. | शत. ३ च. | पू.षा. ४ च. | रेव. ३ च. | उ.षा. २ च. | आर्द्रा २ च. | मूल. ४ च. |

कुण्डली: लग्न १० (श.); ११ सू. बु. चं.; १२ शु.; १ ; २ ; ३ रा.; ४ ; ५ ; ६ ; ७ ; ८ ; ९ मं. गु. के.

फाल्गुन कृ. ३०, रविवार

**वि. सं. २०७६, शाके १९४१, फाल्गुन शुक्ल पक्ष ( दि. २४ फरवरी से ९ मार्च २०२० ई० ), उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३२४६, अयनांश २४ :०७':०३"**

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २८ | १३ | **१** | **सो.** | ४० | ४७ | २३ | १५ | **शत.** | २३ | ३२ | १४ | २१ | **शि.** | ०२ | ४७ | **किं.** | ०७ | ५७ | ६:५६ | ६:१३ | फा. ५ | फा. १२ | ज. २९ | **फा. २४** | कुम्भ | |
| २८ | १७ | **२** | **मं.** | ४६ | ५२ | २५ | ४० | **पू.भा.** | ३० | ३७ | १९ | १० | **सि.** | ०४ | ३२ | **बा.** | १३ | ४७ | ६:५५ | ६:१४ | ६ | १३ | ३० | **२५** | मीन १२:२७ | चन्द्रदर्शन, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, फुलैरा दोज। |
| २८ | २१ | **३** | **बु.** | ५३ | १५ | २८ | १२ | **उ.भा.** | ३८ | ०५ | २२ | ०८ | **सा.** | ०६ | ३७ | **तै.** | २० | ०२ | ६:५४ | ६:१५ | ७ | १४ | र. १ | **२६** | मीन | गण्डमूल प्रा. २२:०८ बजे, मु. रज्जब प्रा.। |
| २८ | २५ | **४** | **गु.** | ५९ | ४० | ३० | ४५ | **रे.** | ४५ | ३७ | २५ | ०८ | **शुभ.** | ०८ | ५२ | **व.** | २६ | ३० | ६:५३ | ६:१६ | ८ | १५ | २ | **२७** | मेष २५:०८ | विनायक चतुर्थी, भद्रा १७:२६ बजे से ३०:४५ बजे तक (A) |
| २८ | ३० | **५** | **शु.** | ६० | ०० | – | – | **अश्वि.** | ५२ | ५७ | २८ | ०३ | **शु.** | ११ | ०७ | **ब.** | ३२ | ४७ | ६:५२ | ६:१६ | ९ | १६ | ३ | **२८** | मेष | गण्डमूल समा. २८:०३ बजे, शुक्र अश्विनी में, (B) |
| २८ | ३० | **५** | **श.** | ०५ | ४५ | ०९ | १० | **भर.** | ५६ | ३५ | ३० | ४२ | **ब्र.** | १३ | ०० | **बा.** | ०५ | ४५ | ६:५२ | ६:१६ | १० | १७ | ४ | **२९** | मेष | |
| २८ | ३४ | **६** | **र.** | ११ | ०२ | ११ | १६ | **कृ.** | ६० | ०० | – | – | **ऐं.** | १४ | २० | **तै.** | ११ | ०२ | ६:५१ | ६:१७ | ११ | १८ | ५ | **मा. १** | वृष १३:१८ | |
| २८ | ३८ | **७** | **सो.** | १५ | ०७ | १२ | ५३ | **कृ.** | ०५ | १२ | ०८ | ५५ | **वै.** | १४ | ४५ | **व.** | १५ | ०७ | ६:५० | ६:१८ | १२ | १९ | ६ | **२** | वृष | भद्रा १२:५३ बजे से २५:२७ बजे तक। |
| २८ | ४२ | **८** | **मं.** | १७ | ३२ | १३ | ५० | **रो.** | ०६ | १५ | १० | ३१ | **वि.** | १३ | ५२ | **ब.** | १७ | ३२ | ६:४९ | ६:१८ | १३ | २० | ७ | **३** | मिथुन २३:०३ | दुर्गाष्टमी, होलाष्टक प्रा., औलीजैन प्रा., (C) |
| २८ | ४७ | **९** | **बु.** | १८ | ०० | १४ | ०० | **मृ.** | ११ | २७ | ११ | २३ | **प्री.** | ११ | ३२ | **कौ.** | १८ | ०० | ६:४८ | ६:१९ | १४ | २१ | ८ | **४** | मिथुन | सूर्य पू.भा. में ११:४२ बजे। |
| २८ | ५१ | **१०** | **गु.** | १६ | २० | १३ | १९ | **आ.** | ११ | ३० | ११ | २६ | **आयु.** | ०७ | ३२ | **ग.** | १६ | २० | ६:४७ | ६:१९ | १५ | २२ | ९ | **५** | कर्क २८:५५ | भद्रा २४:३९ बजे प्रा.। |
| २८ | ५५ | **११** | **शु.** | १२ | ३२ | ११ | २७ | **पुन.** | ०९ | ४० | १० | ३८ | **सौ. शो.** | ०१/५४ | ५०/३२ | **वि.** | १२ | ३२ | ६:४६ | ६:२० | १६ | २३ | १० | **६** | कर्क | आमलकी एकादशी व्रत (स.), रङ्गभरी एकादशी, (D) |
| २८ | ५९ | **१२/१३** | **श.** | ०६/५९ | ५०/२५ | ०९/३० | ३९/३२ | **पु.** | ०५ | ५० | ०६ | ०५ | **अति.** | ४५ | ५२ | **बा.** | ०६ | ५० | ६:४५ | ६:२० | १७ | २४ | ११ | **७** | कर्क | गोविन्द द्वादशी, शनि प्रदोष व्रत, गण्डमूल प्रा. (E) |
| २९ | ०४ | **१४** | **र.** | ५० | ५२ | २७ | ०४ | **आश्ले. म.** | ००/५३ | ३२/३७ | ०६/२८ | ५२/१० | **सु.** | ३६ | १० | **ग.** | २५ | २० | ६:४३ | ६:२१ | १८ | २५ | १२ | **८** | सिंह ०६:५२ | हजरत अली जन्म दिवस, भद्रा २७:०४ बजे प्रा.,(F) |
| २९ | ०८ | **१५** | **सो.** | ४१ | ३० | २३ | १८ | **पू.फा.** | ४६ | ०७ | २५ | ०९ | **धृ.** | २५ | ३७ | **वि.** | १६ | १५ | ६:४२ | ६:२२ | १९ | २६ | १३ | **९** | कन्या ३०:२२ | अष्टाह्निक पर्व समाप्त, होलाष्टक समाप्त, (G) |

(A) पंचक समा. २५:०८ बजे, मंगल पू.षा. में १३:१० बजे। (B) मेष राशि में २५:३३ बजे। (C) अष्टाह्निक पर्व आरम्भ, रोहिणी व्रत, वक्री बुध धनिष्ठा में १३:०० बजे, वक्री बुधोदय १३:४७ बजे। (D) भद्रा ११:४७ बजे तक। (E) ६:०५ बजे, गुरु उ.षा. में ३०:११ बजे। (F) गण्डमूल समा. २८:१० बजे। (G) औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, मन्वादि, होलिका दहन, भद्रा १३:१३ बजे तक।

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | १० | ०१ | ०८ | १० | ०८ | ०० | ०९ | ०२ | ०८ |
| अं. | १८ | २१ | १६ | ०६ | २५ | ०३ | ०४ | १० | १० |
| क. | ४६ | ११ | ३५ | ५२ | ४७ | ३३ | १३ | ४९ | ४९ |
| वि. | ४१ | १५ | ३५ | ३६ | ०० | ४७ | ३७ | ११ | ११ |
| गति | ६० ०९ | १६७ ४९ | ४१ २८ | ४९ ५३ | १० ४९ | ६६ १४ | ०५ ४२ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | शत. ४ च. | रोहि. ४ च. | पू.षा. १ च. | शत. १ च. | पू.षा. ४ च. | अश्वि. २ च. | उ.षा. ३ च. | आर्द्रा २ च. | मूल. ४ च. |

**३ मार्च २०२०ई., प्रातः ६:२७**

१२, श. १०, मं. गु. के. ९, शु. १, सू. बु. ११, चं. २, ८, ३ रा., ५, ७, ४, ६

फाल्गुन शु. ८, मंगलवार

इस मास में शनि का सूर्य-बुध एवं मंगल-गुरु-केतु के साथ द्विर्द्वादश योग तथा राहु से षडष्टक योग होने तथा मासान्त में बुधोदय होने के कारण सेना को आतङ्कवादियों एवं नक्सलवादियों से जबरदस्त मुठभेढ़ में अत्यधिक मात्रा में आधुनिक शस्त्र एवं विस्फोटक बरामद करने में सफलता प्राप्त होगी। विश्व के कई स्थानों पर आतङ्कवाद एवं प्राकृतिक आपदा से जन-धन की हानि होगी।

**६ मार्च २०२०ई., प्रातः ६:२७**

१२, श. १०, मं. गु. के. ९, शु. १, सू. बु. ११, २, ८, ३ रा., ५ चं., ७, ४, ६

फाल्गुन शु. १५, सोमवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | १० | ०४ | ०८ | १० | ०८ | ०० | ०९ | ०२ | ०८ |
| अं. | २४ | १४ | २० | ०४ | २६ | १० | ०४ | १० | १० |
| क. | ४७ | ४६ | ४४ | ०८ | ५० | ०७ | ४६ | ३० | ३० |
| वि. | ०२ | ५२ | ३६ | ३७ | २६ | १९ | ५७ | ०७ | ०७ |
| गति | ५९ ५७ | ९१६ २२ | ४१ ३३ | १० व. २८ | १० १३ | ६४ ३९ | ०५ २० | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पू.भा. २ च. | पू.फा. १ च. | पू.षा. ३ च. | धनि. ४ च. | उ.षा. १ च. | आश्वि. ४ च. | उ.षा. ३ च. | आर्द्रा २ च. | मूल. ४ च. |

## वि. सं. २०७६, शाके १९४१, चैत्र कृष्ण पक्ष ( दि. १० मार्च से २४ मार्च २०२० ई० ), उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३२६१, अयनांश २४:०७:०४

| दि. | मा. | ति. | वा. | घ. | प. | घं. | मि. | नक्ष. | घ. | प. | घं. | मि. | यो. | घ. | प. | कर. | घ. | प. | सूर्योदय | सूर्यास्त | रा. | प्र. | मु. | अं. | चन्द्रचार | विवरण ( भारतीय स्टैं. समय में ) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २६ | १२ | १ | मं. | ३१ | ४७ | १६ | २४ | उ.फा. | ३८ | २० | २२ | ०१ | शू. | १४ | ४२ | बा. | ०६ | ४० | ६:४१ | ६:२२ | फा. २० | फा. २७ | र. १४ | मा. १० | कन्या | होली, धूलैण्डी, धूलिवन्दन, चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, (A) |
| २६ | १७ | २ | बु. | २२ | १५ | १५ | ३४ | ह. | ३० | ५० | १६ | ०० | गं. वृ. | ०३ ५३ | ४५ १२ | ग. | २२ | १५ | ६:४० | ६:२३ | २१ | २८ | १५ | ११ | तुला २६:३५ | भद्रा २५:४४ बजे प्रा., शुक्र भरणी में ३०:१८ बजे। |
| २६ | २१ | ३ | गु. | १३ | २० | ११ | ५६ | चि. | २४ | ०० | १६ | १५ | ध्रु. | ४३ | ३० | वि. | १३ | २० | ६:३६ | ६:२४ | २२ | २६ | १६ | १२ | तुला | चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २१:३१, भद्रा ११:५६ बजे तक। |
| २६ | २५ | ४ ५ | शु. | ०५ ५६ | ३२ ०७ | ०८ ३० | ५१ ०७ | स्वा. | १८ | २२ | १३ | ५६ | व्या. | ३४ | ५० | बा. | ०५ | ३२ | ६:३८ | ६:२४ | २३ | ३० | १७ | १३ | तुला | रंग पञ्चमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रारम्भ। |
| २६ | ३० | ६ | श. | ५४ | ३२ | २८ | २६ | वि. | १४ | १७ | १२ | २० | ह. | २२ | ३० | ग. | २६ | ३७ | ६:३७ | ६:२५ | २४ | चैत्र १ | १८ | १४ | वृश्चिक ०६:४१ | एकनाथ षष्ठी, मीन संक्रान्ति ११:५४, (B) |
| २६ | ३४ | ७ | र. | ५१ | ५२ | २७ | २० | अनु. | १२ | ०० | ११ | २३ | व. | २१ | ४२ | वि. | २३ | ०० | ६:३५ | ६:२५ | २५ | २ | १६ | १५ | वृश्चिक | मेला नवचण्डी (मेरठ) समाप्त, भद्रा १५:४७ बजे तक,(C) |
| २६ | ३८ | ८ | सो. | ५१ | ०५ | २७ | ०० | ज्ये. | ११ | ३५ | ११ | १२ | सि. | १७ | २२ | बा. | २१ | १५ | ६:३४ | ६:२६ | २६ | ३ | २० | १६ | धनु ११:१२ | कालाष्टमी, शीतलाष्टमी, बासोड़ा। |
| २६ | ४३ | ९ | मं. | ५२ | ०२ | २७ | २४ | मू. | १३ | ०२ | ११ | ४६ | व्य. | १४ | ३२ | तै. | २१ | २५ | ६:३३ | ६:२६ | २७ | ४ | २१ | १७ | धनु | गण्डमूल समा. ११:४६ बजे, सूर्य उ.भा. में २०:१३ बजे,(D) |
| २६ | ४७ | १० | बु. | ५४ | ४५ | २८ | २६ | पू.षा. | १६ | १२ | १३ | ०१ | वरि. | १३ | ०५ | व. | २३ | १७ | ६:३२ | ६:२७ | २८ | ५ | २२ | १८ | मकर १६:२५ | भद्रा १५:५१ बजे से २८:२७ बजे तक। |
| २६ | ५१ | ११ | गु. | ५८ | ४२ | ३० | ०० | उ.षा. | २० | ४५ | १४ | ४६ | परि. | १२ | ४७ | ब. | २६ | ३७ | ६:३१ | ६:२८ | २९ | ६ | २३ | १९ | मकर | पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.+वैष्णव)। |
| २६ | ५६ | १२ | शु. | ६० | ०० | – | – | श्र. | २६ | २७ | १७ | ०५ | शि. | १३ | २५ | कौ. | ३१ | ०५ | ६:३० | ६:२८ | ३० | ७ | २४ | २० | कुम्भ ३०:२० | पाप मोचिनी एकादशी व्रत (निम्बार्क), (E) |
| ३० | ०१ | १२ | श. | ०३ | ४० | ०७ | ५६ | धनि. | ३२ | ५७ | १६ | ३६ | सि. | १४ | ४२ | तै. | ०३ | ४० | ६:२८ | ६:२९ | चैत्र १ | ८ | २५ | २१ | कुम्भ | शनि प्रदोष व्रत, रा. चैत्र प्रा.। |
| ३० | ०५ | १३ | र. | ०६ | १२ | १० | ०८ | शत. | ३६ | ५७ | २२ | २६ | सा. | १६ | २७ | व. | ०६ | १२ | ६:२७ | ६:२९ | २ | ९ | २६ | २२ | कुम्भ | मास शिवरात्रि, वारुणी योग (१०:०८ तक), (F) |
| ३० | १० | १४ | सो. | १५ | १२ | १२ | ३१ | पू.भा. | ४७ | १७ | २५ | २१ | शुभ. | १८ | ३० | श. | १५ | १२ | ६:२६ | ६:३० | ३ | १० | २७ | २३ | मीन १८:३७ | |
| ३० | १४ | ३० | मं. | २१ | २२ | १४ | ५८ | उ.भा. | ५४ | ४५ | २८ | १६ | शु. | २० | ४२ | ना. | २१ | २२ | ६:२५ | ६:३० | ४ | ११ | २८ | २४ | मीन | अमावस्या स्नान-दान-श्राद्धादि, मेला पेहवा (पृथुदक),(G) |

(A) आम्रकलिका प्राशन, वसन्तोत्सव, बुध मार्गी ०६:१८ बजे। (B) सं.पुण्यकाल ११:५४ से १८:१८ बजे तक।, भद्रा २८:२५ बजे प्रा.। (C) गण्डमूल प्रा. ११:२३ बजे। (D) मंगल उ.षा. में १६:२६ बजे, बुध शतभिषा में २१:२८ बजे। (E) पारसी नव वर्ष दिवस, पंचक प्रा. ३०:२० बजे, सायन सूर्य मेष में ६:१६ बजे, सूर्य उत्तर गोल में। (F) भद्रा १०:०८ बजे से २३:१६ बजे तक, मंगल मकर में १४:४० बजे। (G) विक्रम-संवत् २०७६ समाप्त।, गण्डमूल प्रा. २८:१६ बजे।

**१६ मार्च २०२० ई., प्रातः ६:२७**

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ११ | ०७ | ०८ | १० | ०८ | ०० | ०९ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०४ | २७ | २५ | ०५ | २७ | १७ | ०५ | १० | १० |
| क. | ४६ | २२ | ३५ | ४२ | ५६ | ३३ | २३ | ०७ | ०७ |
| वि. | ०० | २२ | ४५ | ५१ | ४४ | ३१ | ०२ | ५१ | ५१ |
| गति | ५९ ४४ | ७५६ २६ | ४१ ३८ | ३३ मा. ४६ | ०९ २७ | ६२ २८ | ०४ ५४ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | पूभा. ४ च. | ज्ये. ४ च. | पू.षा. ४ च. | धनि. ४ च. | उ.षा. १ च. | भर. २ च. | उ.षा. ३ च. | आर्द्रा २ च. | मूल. ४ च. |

सू. १२, श. १०, मं. गु. के. ९, बु. ११, शु. १, २, ८ चं., ३ रा., ४, ५, ६, ७

चैत्र कृ. ८, सोमवार

इस पक्ष के प्रारम्भ में मंगल-गुरु-केतु का शनि से द्विर्द्वादश योग एवं राहु से समसप्तक योग तथा पक्षान्त में मंगल-शनि की युति उनका गुरु-केतु एवं बुध से द्विर्द्वादश योग तथा राहु से षडष्टक योग होने के कारण विश्व के कई स्थानों पर आतङ्कवादी घटनायें घटने की सम्भावना है आतङ्कवाद से आन्तकित देश एकजुट होकर आतङ्कवाद के विरुद्ध लड़ने के लिए आगे आयेंगे। विश्वरंगमञ्च पर भारत के आतङ्कवाद के विरुद्ध लड़ने के लिए किये गये प्रयास की सराहना होगी।

**२४ मार्च २०२० ई., प्रातः ६:२७**

शु. १, बु. ११, मं. १० श., २, सू. चं. १२, ३ रा., ९ गु. के., ४, ८, ६, ५, ७

चैत्र कृ. ३०, मंगलवार

| ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | के. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ११ | ११ | ०९ | १० | ०८ | ०० | ०९ | ०२ | ०८ |
| अं. | ०९ | ०५ | ०१ | ११ | २६ | २५ | ०६ | ०९ | ०९ |
| क. | ४३ | ५१ | ०६ | ५७ | १२ | ४३ | ०० | ४२ | ४२ |
| वि. | ०३ | २५ | ०७ | ४२ | ०० | ०२ | १२ | २५ | २५ |
| गति | ५९ ३० | ७११ ५६ | ४१ ४१ | ६१ ०४ | ०८ २८ | ५६ २४ | ०४ १६ | ०३ ११ | ०३ ११ |
| नक्षत्र चरण | उ.भा. २ च. | उ.भा. १ च. | उ.षा. २ च. | शत. २ च. | उ.षा. १ च. | भर. ४ च. | उ.षा. ३ च. | आर्द्रा १ च. | मूल. ३ च. |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | सोम | ११ १६ ५३ ४३ | ०९ २९ ०३ ५७ | ०१ ०६ २३ ४५ | १० २२ ३१ १५ | ०८ ०० ०४ ५७ | १० १२ ०९ ३६ | ०८ २५ ४३ ०१ | ०२ २८ ४० ४१ | ०८ २८ ४० ४१ |
| २ | मंगल | ११ १७ ५२ ५८ | १० १० ५३ १६ | ०१ ०७ ०३ २७ | १० २२ ५२ १४ | ०८ ०० ०६ ४० | १० १३ २१ ५५ | ०८ २५ ४५ ४४ | ०२ २८ ३७ ३० | ०८ २८ ३७ ३० |
| ३ | बुध | ११ १८ ५२ १० | १० २२ ४८ ३२ | ०१ ०७ ४३ ०७ | १० २३ १७ ५५ | ०८ ०० ०८ १२ | १० १४ ३४ १५ | ०८ २५ ४८ २३ | ०२ २८ ३४ २० | ०८ २८ ३४ २० |
| ४ | गुरु | ११ १९ ५१ २० | ११ ०४ ५२ २० | ०१ ०८ २२ ४७ | १० २३ ४८ ०६ | ०८ ०० ०९ ३३ | १० १५ ४६ ३६ | ०८ २५ ५० ५६ | ०२ २८ ३१ ०९ | ०८ २८ ३१ ०९ |
| ५ | शुक्र | ११ २० ५० २९ | ११ १७ ०६ १६ | ०१ ०९ ०२ २५ | १० २४ २२ ३२ | ०८ ०० १० ४२ | १० १६ ५८ ५९ | ०८ २५ ५३ २३ | ०२ २८ २७ ५८ | ०८ २८ २७ ५८ |
| ६ | शनि | ११ २१ ४९ ३५ | ११ २९ ३१ १३ | ०१ ०९ ४२ ०२ | १० २५ ०० ५९ | ०८ ०० ११ ४१ | १० १८ ११ २३ | ०८ २५ ५५ ४५ | ०२ २८ २४ ४७ | ०८ २८ २४ ४७ |
| ७ | रवि | ११ २२ ४८ ४० | ०० १२ ०७ २४ | ०१ १० २१ ३८ | १० २५ ४३ १५ | ०८ ०० १२ २८ | १० १९ २३ ४८ | ०८ २५ ५८ ०२ | ०२ २८ २१ ३६ | ०८ २८ २१ ३६ |
| ८ | सोम | ११ २३ ४७ ४२ | ०० २४ ५४ ५० | ०१ ११ ०१ १३ | १० २६ २९ ०८ | ०८ ०० १३ ०३ | १० २० ३६ १४ | ०८ २६ ०० १२ | ०२ २८ १८ २६ | ०८ २८ १८ २६ |
| ९ | मंगल | ११ २४ ४६ ४२ | ०१ ०७ ५३ ३० | ०१ ११ ४० ४६ | १० २७ १८ २५ | ०८ ०० १३ २८ | १० २१ ४८ ४१ | ०८ २६ ०२ १७ | ०२ २८ १५ १५ | ०८ २८ १५ १५ |
| १० | बुध | ११ २५ ४५ ४० | ०१ २१ ०३ ४० | ०१ १२ २० १८ | १० २८ १० ५७ | ०८ ०० १३ ४१ | १० २३ ०१ ०९ | ०८ २६ ०४ १६ | ०२ २८ १२ ०४ | ०८ २८ १२ ०४ |
| ११ | गुरु | ११ २६ ४४ ३६ | ०२ ०४ २६ ०४ | ०१ १२ ५९ ४९ | १० २९ ०६ ३४ | ०८ ०० १३ ४२ | १० २४ १३ ३८ | ०८ २६ ०६ १० | ०२ २८ ०८ ५३ | ०८ २८ ०८ ५३ |
| १२ | शुक्र | ११ २७ ४३ २९ | ०२ १८ ०१ ४५ | ०१ १३ ३९ १८ | ११ ०० ०५ ०७ | ०८ ०० १३ ३३ | १० २५ २६ ०८ | ०८ २६ ०७ ५८ | ०२ २८ ०५ ४३ | ०८ २८ ०५ ४३ |
| १३ | शनि | ११ २८ ४२ २० | ०३ ०१ ५१ ५० | ०१ १४ १८ ४६ | ११ ०१ ०६ २७ | ०८ ०० १३ १२ | १० २६ ३८ ३९ | ०८ २६ ०९ ४० | ०२ २८ ०२ ३२ | ०८ २८ ०२ ३२ |
| १४ | रवि | ११ २९ ४१ ०९ | ०३ १५ ५६ ५९ | ०१ १४ ५८ १३ | ११ ०२ १० २७ | ०८ ०० १२ ४० | १० २७ ५१ १० | ०८ २६ ११ १६ | ०२ २७ ५९ २१ | ०८ २७ ५९ २१ |
| १५ | सोम | ०० ०० ३९ ५५ | ०४ ०० १६ ४६ | ०१ १५ ३७ ३८ | ११ ०३ १७ ०० | ०८ ०० ११ ५६ | १० २९ ०३ ४३ | ०८ २६ १२ ४७ | ०२ २७ ५६ १० | ०८ २७ ५६ १० |
| १६ | मंगल | ०० ०१ ३८ ३९ | ०४ १४ ४९ ०२ | ०१ १६ १७ ०१ | ११ ०४ २६ ०० | ०८ ०० ११ ०२ | ११ ०० १६ १६ | ०८ २६ १४ १२ | ०२ २७ ५३ ०० | ०८ २७ ५३ ०० |
| १७ | बुध | ०० ०२ ३७ २१ | ०४ २९ २९ ३२ | ०१ १६ ५६ २३ | ११ ०५ ३७ २१ | ०८ ०० ०९ ५६ | ११ ०१ २८ ५० | ०८ २६ १५ ३१ | ०२ २७ ४९ ४९ | ०८ २७ ४९ ४९ |
| १८ | गुरु | ०० ०३ ३६ ०१ | ०५ १४ ११ ५८ | ०१ १७ ३५ ४४ | ११ ०६ ५० ५९ | ०८ ०० ०८ ४० | ११ ०२ ४१ २५ | ०८ २६ १६ ४४ | ०२ २७ ४६ ३८ | ०८ २७ ४६ ३८ |
| १९ | शुक्र | ०० ०४ ३४ ३९ | ०५ २८ ४८ ४७ | ०१ १८ १५ ०३ | ११ ०८ ०६ ४८ | ०८ ०० ०७ १२ | ११ ०३ ५४ ०१ | ०८ २६ १७ ५२ | ०२ २७ ४३ २७ | ०८ २७ ४३ २७ |
| २० | शनि | ०० ०५ ३३ १४ | ०६ १३ १२ २० | ०१ १८ ५४ २१ | ११ ०९ २४ ४५ | ०८ ०० ०५ ३३ | ११ ०५ ०६ ३७ | ०८ २६ १८ ५३ | ०२ २७ ४० १६ | ०८ २७ ४० १६ |
| २१ | रवि | ०० ०६ ३१ ४८ | ०६ २७ १६ ०८ | ०१ १९ ३३ ३८ | ११ १० ४४ ४७ | ०८ ०० ०३ ४३ | ११ ०६ १९ १५ | ०८ २६ १९ ४९ | ०२ २७ ३७ ०६ | ०८ २७ ३७ ०६ |
| २२ | सोम | ०० ०७ ३० २० | ०७ १० ५५ ५८ | ०१ २० १२ ५३ | ११ १२ ०६ ५० | ०८ ०० ०१ ४२ | ११ ०७ ३१ ५४ | ०८ २६ २० ३९ | ०२ २७ ३३ ५५ | ०८ २७ ३३ ५५ |
| २३ | मंगल | ०० ०८ २८ ५१ | ०७ २४ १० ११ | ०१ २० ५२ ०६ | ११ १३ ३० ५१ | ०७ २९ ५९ ३० | ११ ०८ ४४ ३३ | ०८ २६ २१ २३ | ०२ २७ ३० ४४ | ०८ २७ ३० ४४ |
| २४ | बुध | ०० ०९ २७ १९ | ०८ ०६ ५९ ३९ | ०१ २१ ३१ १९ | ११ १४ ५६ ४९ | ०७ २९ ५७ ०७ | ११ ०९ ५७ १४ | ०८ २६ २२ ०२ | ०२ २७ २७ ३३ | ०८ २७ २७ ३३ |
| २५ | गुरु | ०० १० २५ ४६ | ०८ १९ २७ १५ | ०१ २२ १० ३० | ११ १६ २४ ४१ | ०७ २९ ५४ ३४ | ११ ११ ०९ ५५ | ०८ २६ २२ ३४ | ०२ २७ २४ २३ | ०८ २७ २४ २३ |
| २६ | शुक्र | ०० ११ २४ १२ | ०९ ०१ ३७ १७ | ०१ २२ ४९ ४१ | ११ १७ ५४ २६ | ०७ २९ ५१ ४९ | ११ १२ २२ ३७ | ०८ २६ २३ ०१ | ०२ २७ २१ १२ | ०८ २७ २१ १२ |
| २७ | शनि | ०० १२ २२ ३५ | ०९ १३ ३४ ५१ | ०१ २३ २८ ४९ | ११ १९ २६ ०२ | ०७ २९ ४८ ५४ | ११ १३ ३५ २० | ०८ २६ २३ २१ | ०२ २७ १८ ०१ | ०८ २७ १८ ०१ |
| २८ | रवि | ०० १३ २० ५८ | ०९ २५ २५ २५ | ०१ २४ ०७ ५७ | ११ २० ५९ २९ | ०७ २९ ४५ ४९ | ११ १४ ४८ ०४ | ०८ २६ २३ ३६ | ०२ २७ १४ ५० | ०८ २७ १४ ५० |
| २९ | सोम | ०० १४ १९ १८ | १० ०७ १४ २० | ०१ २४ ४७ ०४ | ११ २२ ३४ ४६ | ०७ २९ ४२ ३२ | ११ १६ ०० ४९ | ०८ २६ २३ ४५ | ०२ २७ ११ ४० | ०८ २७ ११ ४० |
| ३० | मंगल | ०० १५ १७ ३७ | १० १९ ०६ ३४ | ०१ २५ २६ १० | ११ २४ ११ ५३ | ०७ २९ ३९ ०६ | ११ १७ १३ ३४ | ०८ २६ २३ ४८ | ०२ २७ ०८ २९ | ०८ २७ ०८ २९ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मई २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | बुध | ०० १६ १५ ५५ | ११ ०१ ०६ २८ | ०१ २६ ०५ १४ | ११ २५ ५० ४९ | ०७ २९ ३५ २९ | ११ १८ २६ २० | ०८ २६ २३ ४५ | ०२ २७ ०५ १८ | ०८ २७ ०५ १८ |
| २ | गुरु | ०० १७ १४ ११ | ११ १३ १७ २६ | ०१ २६ ४४ १७ | ११ २७ ३१ ३४ | ०७ २९ ३१ ४२ | ११ १९ ३९ ०७ | ०८ २६ २३ ३६ | ०२ २७ ०२ ०७ | ०८ २७ ०२ ०७ |
| ३ | शुक्र | ०० १८ १२ २५ | ११ २५ ४१ ५१ | ०१ २७ २३ २० | ११ २९ १४ ०९ | ०७ २९ २७ ४४ | ११ २० ५१ ५४ | ०८ २६ २३ २१ | ०२ २६ ५८ ५६ | ०८ २६ ५८ ५६ |
| ४ | शनि | ०० १९ १० ३८ | ०० ०८ २० ५७ | ०१ २८ ०२ २१ | ०० ०० ५८ ३३ | ०७ २९ २३ ३७ | ११ २२ ०४ ४२ | ०८ २६ २३ ०० | ०२ २६ ५५ ४६ | ०८ २६ ५५ ४६ |
| ५ | रवि | ०० २० ०८ ४९ | ०० २१ १४ ५१ | ०१ २८ ४१ २१ | ०० ०२ ४४ ४७ | ०७ २९ १९ २० | ११ २३ १७ ३० | ०८ २६ २२ ३४ | ०२ २६ ५२ ३५ | ०८ २६ ५२ ३५ |
| ६ | सोम | ०० २१ ०६ ५८ | ०१ ०४ २२ ४३ | ०१ २९ २० २० | ०० ०४ ३२ ५१ | ०७ २९ १४ ५३ | ११ २४ ३० १९ | ०८ २६ २२ ०१ | ०२ २६ ४९ २४ | ०८ २६ ४९ २४ |
| ७ | मंगल | ०० २२ ०५ ०६ | ०१ १७ ४३ १२ | ०१ २९ ५९ १८ | ०० ०६ २२ ४५ | ०७ २९ १० १७ | ११ २५ ४३ ०८ | ०८ २६ २१ २३ | ०२ २६ ४६ १३ | ०८ २६ ४६ १३ |
| ८ | बुध | ०० २३ ०३ ११ | ०२ ०१ १४ ४० | ०२ ०० ३८ १४ | ०० ०८ १४ ३० | ०७ २९ ०५ ३२ | ११ २६ ५५ ५७ | ०८ २६ २० ३९ | ०२ २६ ४३ ०३ | ०८ २६ ४३ ०३ |
| ९ | गुरु | ०० २४ ०१ १५ | ०२ १४ ५५ ४३ | ०२ ०१ १७ १० | ०० १० ०८ ०५ | ०७ २९ ०० ३७ | ११ २८ ०८ ४७ | ०८ २६ १९ ४९ | ०२ २६ ३९ ५२ | ०८ २६ ३९ ५२ |
| १० | शुक्र | ०० २४ ५९ १७ | ०२ २८ ४५ १४ | ०२ ०१ ५६ ०४ | ०० १२ ०३ ३० | ०७ २८ ५५ ३३ | ११ २९ २१ ३७ | ०८ २६ १८ ५४ | ०२ २६ ३६ ४१ | ०८ २६ ३६ ४१ |
| ११ | शनि | ०० २५ ५७ १७ | ०३ १२ ४२ ३१ | ०२ ०२ ३४ ५७ | ०० १४ ०० ४३ | ०७ २८ ५० २१ | ०० ०० ३४ २८ | ०८ २६ १७ ५३ | ०२ २६ ३३ ३० | ०८ २६ ३३ ३० |
| १२ | रवि | ०० २६ ५५ १६ | ०३ २६ ४६ ५८ | ०२ ०३ १३ ४९ | ०० १५ ५९ ४३ | ०७ २८ ४५ ०० | ०० ०१ ४७ १९ | ०८ २६ १६ ४६ | ०२ २६ ३० १९ | ०८ २६ ३० १९ |
| १३ | सोम | ०० २७ ५३ १२ | ०४ १० ५७ ४५ | ०२ ०३ ५२ ४० | ०० १८ ०० २८ | ०७ २८ ३९ ३१ | ०० ०३ ०० १० | ०८ २६ १५ ३४ | ०२ २६ २७ ०९ | ०८ २६ २७ ०९ |
| १४ | मंगल | ०० २८ ५१ ०७ | ०४ २५ १३ १५ | ०२ ०४ ३१ २९ | ०० २० ०२ ५४ | ०७ २८ ३३ ५४ | ०० ०४ १३ ०१ | ०८ २६ १४ १६ | ०२ २६ २३ ५८ | ०८ २६ २३ ५८ |
| १५ | बुध | ०० २९ ४८ ५९ | ०५ ०९ ३० ५४ | ०२ ०५ १० १८ | ०० २२ ०६ ५७ | ०७ २८ २८ ०९ | ०० ०५ २५ ५३ | ०८ २६ १२ ५२ | ०२ २६ २० ४७ | ०८ २६ २० ४७ |
| १६ | गुरु | ०१ ०० ४६ ५० | ०५ २३ ४६ ५८ | ०२ ०५ ४९ ०४ | ०० २४ १२ ३२ | ०७ २८ २२ १७ | ०० ०६ ३८ ४५ | ०८ २६ ११ २३ | ०२ २६ १७ ३६ | ०८ २६ १७ ३६ |
| १७ | शुक्र | ०१ ०१ ४४ ४० | ०६ ०७ ५६ ५१ | ०२ ०६ २७ ५० | ०० २६ १९ ३१ | ०७ २८ १६ १६ | ०० ०७ ५१ ३७ | ०८ २६ ०९ ४९ | ०२ २६ १४ २६ | ०८ २६ १४ २६ |
| १८ | शनि | ०१ ०२ ४२ २८ | ०६ २१ ५५ ४२ | ०२ ०७ ०६ ३५ | ०० २८ २७ ४७ | ०७ २८ १० ०९ | ०० ०९ ०४ ३० | ०८ २६ ०८ ०९ | ०२ २६ ११ १५ | ०८ २६ ११ १५ |
| १९ | रवि | ०१ ०३ ४० १४ | ०७ ०५ ३९ ०६ | ०२ ०७ ४५ १८ | ०१ ०० ३७ ०९ | ०७ २८ ०३ ५५ | ०० १० १७ २४ | ०८ २६ ०६ २४ | ०२ २६ ०८ ०४ | ०८ २६ ०८ ०४ |
| २० | सोम | ०१ ०४ ३७ ५९ | ०७ १९ ०३ ४९ | ०२ ०८ २४ ०० | ०१ ०२ ४७ २५ | ०७ २७ ५७ ३४ | ०० ११ ३० १८ | ०८ २६ ०४ ३३ | ०२ २६ ०४ ५३ | ०८ २६ ०४ ५३ |
| २१ | मंगल | ०१ ०५ ३५ ४२ | ०८ ०२ ०८ १२ | ०२ ०९ ०२ ४१ | ०१ ०४ ५८ २३ | ०७ २७ ५१ ०६ | ०० १२ ४३ १३ | ०८ २६ ०२ ३८ | ०२ २६ ०१ ४३ | ०८ २६ ०१ ४३ |
| २२ | बुध | ०१ ०६ ३३ २५ | ०८ १४ ५२ २१ | ०२ ०९ ४१ २२ | ०१ ०७ ०९ ४९ | ०७ २७ ४४ ३२ | ०० १३ ५६ ०८ | ०८ २६ ०० ३७ | ०२ २५ ५८ ३२ | ०८ २५ ५८ ३२ |
| २३ | गुरु | ०१ ०७ ३१ ०६ | ०८ २७ १८ ०० | ०२ १० २० ०१ | ०१ ०९ २१ २७ | ०७ २७ ३७ ५२ | ०० १५ ०९ ०४ | ०८ २५ ५८ ३१ | ०२ २५ ५५ २१ | ०८ २५ ५५ २१ |
| २४ | शुक्र | ०१ ०८ २८ ४६ | ०९ ०९ २८ १४ | ०२ १० ५८ ३९ | ०१ ११ ३३ ०० | ०७ २७ ३१ ०६ | ०० १६ २२ ०१ | ०८ २५ ५६ २० | ०२ २५ ५२ १० | ०८ २५ ५२ १० |
| २५ | शनि | ०१ ०९ २६ २५ | ०९ २१ २७ ०८ | ०२ ११ ३७ १६ | ०१ १३ ४४ १२ | ०७ २७ २४ १५ | ०० १७ ३४ ५८ | ०८ २५ ५४ ०३ | ०२ २५ ४८ ५९ | ०८ २५ ४८ ५९ |
| २६ | रवि | ०१ १० २४ ०३ | १० ०३ १९ २७ | ०२ १२ १५ ५२ | ०१ १५ ५४ ४७ | ०७ २७ १७ १८ | ०० १८ ४७ ५७ | ०८ २५ ५१ ४२ | ०२ २५ ४५ ४९ | ०८ २५ ४५ ४९ |
| २७ | सोम | ०१ ११ २१ ४० | १० १५ १० १३ | ०२ १२ ५४ २८ | ०१ १८ ०४ २८ | ०७ २७ १० १६ | ०० २० ०० ५५ | ०८ २५ ४९ १६ | ०२ २५ ४२ ३८ | ०८ २५ ४२ ३८ |
| २८ | मंगल | ०१ १२ १९ १६ | १० २७ ०४ ३० | ०२ १३ ३३ ०२ | ०१ २० १२ ५९ | ०७ २७ ०३ १० | ०० २१ १३ ५५ | ०८ २५ ४६ ४५ | ०२ २५ ३९ २७ | ०८ २५ ३९ २७ |
| २९ | बुध | ०१ १३ १६ ५१ | ११ ०९ ०७ ०५ | ०२ १४ ११ ३६ | ०१ २२ २० ०७ | ०७ २६ ५५ ५९ | ०० २२ २६ ५५ | ०८ २५ ४४ ०९ | ०२ २५ ३६ १६ | ०८ २५ ३६ १६ |
| ३० | गुरु | ०१ १४ १४ २६ | ११ २१ २२ १२ | ०२ १४ ५० ०९ | ०१ २४ २५ ३७ | ०७ २६ ४८ ४४ | ०० २३ ३९ ५५ | ०८ २५ ४१ २९ | ०२ २५ ३३ ०६ | ०८ २५ ३३ ०६ |
| ३१ | शुक्र | ०१ १५ ११ ५९ | ०० ०३ ५३ १३ | ०२ १५ २८ ४१ | ०१ २६ २९ १८ | ०७ २६ ४१ २५ | ०० २४ ५२ ५७ | ०८ २५ ३८ ४३ | ०२ २५ २९ ५५ | ०८ २५ २९ ५५ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जून २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | शनि | ०१ १६ ०६ ३२ | ०० १६ ४२ १६ | ०२ १६ ०७ १३ | ०१ २८ ३० ५६ | ०७ २६ ३४ ०३ | ०० २६ ०५ ५८ | ०८ २५ ३५ ५३ | ०२ २५ २६ ४४ | ०८ २५ २६ ४४ |
| २ | रवि | ०१ १७ ०७ ०३ | ०० २९ ५० २२ | ०२ १६ ४५ ४३ | ०२ ०० ३० ३२ | ०७ २६ २६ ३७ | ०० २७ १९ ०१ | ०८ २५ ३२ ५६ | ०२ २५ २३ ३३ | ०८ २५ २३ ३३ |
| ३ | सोम | ०१ १८ ०४ ३४ | ०१ १३ १६ ४७ | ०२ १७ २४ १३ | ०२ ०२ २७ ४६ | ०७ २६ १९ ०६ | ०० २८ ३२ ०४ | ०८ २५ ३० ०० | ०२ २५ २० २३ | ०८ २५ २० २३ |
| ४ | मंगल | ०१ १९ ०२ ०३ | ०१ २६ ५६ ३६ | ०२ १८ ०२ ४२ | ०२ ०४ २२ ४५ | ०७ २६ ११ ३८ | ०० २९ ४५ ०८ | ०८ २५ २६ ५७ | ०२ २५ १७ १२ | ०८ २५ १७ १२ |
| ५ | बुध | ०१ १९ ५९ ३२ | ०२ १० ५६ ०२ | ०२ १८ ४१ १० | ०२ ०६ १५ १४ | ०७ २६ ०४ ०५ | ०१ ०० ५८ १२ | ०८ २५ २३ ५० | ०२ २५ १४ ०१ | ०८ २५ १४ ०१ |
| ६ | गुरु | ०१ २० ५७ ०० | ०२ २५ ०२ २५ | ०२ १९ १९ ३८ | ०२ ०८ ०५ १३ | ०७ २५ ५६ ३० | ०१ ०२ ११ १६ | ०८ २५ २० ३८ | ०२ २५ १० ५० | ०८ २५ १० ५० |
| ७ | शुक्र | ०१ २१ ५४ २६ | ०३ ०९ १५ ०६ | ०२ १९ ५८ ०४ | ०२ ०९ ५२ ३८ | ०७ २५ ४८ ५३ | ०१ ०३ २४ २१ | ०८ २५ १७ २३ | ०२ २५ ०७ ३९ | ०८ २५ ०७ ३९ |
| ८ | शनि | ०१ २२ ५१ ५१ | ०३ २३ ३० ५२ | ०२ २० ३६ ३० | ०२ ११ ३७ २७ | ०७ २५ ४१ १५ | ०१ ०४ ३७ २७ | ०८ २५ १४ ०३ | ०२ २५ ०४ २६ | ०८ २५ ०४ २६ |
| ९ | रवि | ०१ २३ ४९ १५ | ०४ ०७ ४६ ४० | ०२ २१ १४ ५५ | ०२ १३ १९ ३८ | ०७ २५ ३३ ३६ | ०१ ०५ ५० ३३ | ०८ २५ १० ४० | ०२ २५ ०१ १८ | ०८ २५ ०१ १८ |
| १० | सोम | ०१ २४ ४६ ३८ | ०४ २२ ०० ०६ | ०२ २१ ५३ १९ | ०२ १४ ५९ १० | ०७ २५ २५ ५७ | ०१ ०७ ०३ ३९ | ०८ २५ ०७ १३ | ०२ २४ ५८ ०७ | ०८ २४ ५८ ०७ |
| ११ | मंगल | ०१ २५ ४४ ०० | ०५ ०६ ०९ ०४ | ०२ २२ ३१ ४२ | ०२ १६ ३६ ०० | ०७ २५ १८ १८ | ०१ ०८ १६ ४६ | ०८ २५ ०३ ४३ | ०२ २४ ५४ ५६ | ०८ २४ ५४ ५६ |
| १२ | बुध | ०१ २६ ४१ २१ | ०५ २० ११ ३८ | ०२ २३ १० ०४ | ०२ १८ १० ०९ | ०७ २५ १० ३८ | ०१ ०९ २९ ५३ | ०८ २५ ०० ०८ | ०२ २४ ५१ ४६ | ०८ २४ ५१ ४६ |
| १३ | गुरु | ०१ २७ ३८ ४१ | ०६ ०४ ०५ ५४ | ०२ २३ ४८ २५ | ०२ १९ ४१ ३४ | ०७ २५ ०२ ५९ | ०१ १० ४३ ०१ | ०८ २४ ५६ ३१ | ०२ २४ ४८ ३५ | ०८ २४ ४८ ३५ |
| १४ | शुक्र | ०१ २८ ३६ ०० | ०६ १७ ४९ ५२ | ०२ २४ २६ ४५ | ०२ २१ १० १४ | ०७ २४ ५५ २१ | ०१ ११ ५६ १० | ०८ २४ ५२ ५० | ०२ २४ ४५ २४ | ०८ २४ ४५ २४ |
| १५ | शनि | ०१ २९ ३३ १८ | ०७ ०१ २१ ४० | ०२ २५ ०५ ०५ | ०२ २२ ३६ ०८ | ०७ २४ ४७ ४४ | ०१ १३ ०९ १९ | ०८ २४ ४९ ०६ | ०२ २४ ४२ १३ | ०८ २४ ४२ १३ |
| १६ | रवि | ०२ ०० ३० ३५ | ०७ १४ ३९ ३७ | ०२ २५ ४३ २४ | ०२ २३ ५९ १३ | ०७ २४ ४० ०८ | ०१ १४ २२ २९ | ०८ २४ ४५ १९ | ०२ २४ ३९ ०२ | ०८ २४ ३९ ०२ |
| १७ | सोम | ०२ ०१ २७ ५१ | ०७ २७ ४२ ३२ | ०२ २६ २१ ४२ | ०२ २५ १९ २९ | ०७ २४ ३२ ३४ | ०१ १५ ३५ ३९ | ०८ २४ ४१ २९ | ०२ २४ ३५ ५२ | ०८ २४ ३५ ५२ |
| १८ | मंगल | ०२ ०२ २५ ०७ | ०८ १० २९ ५५ | ०२ २६ ५९ ५९ | ०२ २६ ३६ ५१ | ०७ २४ २५ ०२ | ०१ १६ ४८ ५१ | ०८ २४ ३७ ३६ | ०२ २४ ३२ ४१ | ०८ २४ ३२ ४१ |
| १९ | बुध | ०२ ०३ २२ २३ | ०८ २३ ०२ ०६ | ०२ २७ ३८ १६ | ०२ २७ ५१ १८ | ०७ २४ १७ ३२ | ०१ १८ ०२ ०३ | ०८ २४ ३३ ४० | ०२ २४ २९ ३० | ०८ २४ २९ ३० |
| २० | गुरु | ०२ ०४ १९ ३८ | ०९ ०५ २० १९ | ०२ २८ १६ ३२ | ०२ २९ ०२ ४७ | ०७ २४ १० ०४ | ०१ १९ १५ १९ | ०८ २४ २९ ४१ | ०२ २४ २६ १९ | ०८ २४ २६ १९ |
| २१ | शुक्र | ०२ ०५ १६ ५२ | ०९ १७ २६ ४२ | ०२ २८ ५४ ४७ | ०३ ०० ११ १३ | ०७ २४ ०२ ४० | ०१ २० २८ ३० | ०८ २४ २५ ४० | ०२ २४ २३ ०९ | ०८ २४ २३ ०९ |
| २२ | शनि | ०२ ०६ १४ ०६ | ०९ २९ २४ १२ | ०२ २९ ३३ ०२ | ०३ ०१ १६ ३३ | ०७ २३ ५५ १८ | ०१ २१ ४१ ४५ | ०८ २४ २१ ३७ | ०२ २४ १९ ५८ | ०८ २४ १९ ५८ |
| २३ | रवि | ०२ ०७ ११ २० | १० ११ १६ २८ | ०३ ०० ११ १७ | ०३ ०२ १८ ४२ | ०७ २३ ४८ ०० | ०१ २२ ५५ ०१ | ०८ २४ १७ ३१ | ०२ २४ १६ ४७ | ०८ २४ १६ ४७ |
| २४ | सोम | ०२ ०८ ०८ ३४ | १० २३ ०७ ४१ | ०३ ०० ४९ ३० | ०३ ०३ १७ ३५ | ०७ २३ ४० ४६ | ०१ २४ ०८ १८ | ०८ २४ १३ २३ | ०२ २४ १३ ३६ | ०८ २४ १३ ३६ |
| २५ | मंगल | ०२ ०९ ०५ ४८ | ११ ०५ ०२ २१ | ०३ ०१ २७ ४४ | ०३ ०४ १३ ०७ | ०७ २३ ३३ ३६ | ०१ २५ २१ ३६ | ०८ २४ ०९ १३ | ०२ २४ १० २६ | ०८ २४ १० २६ |
| २६ | बुध | ०२ १० ०३ ०२ | ११ १७ ०५ ०९ | ०३ ०२ ०५ ५७ | ०३ ०५ ०५ १३ | ०७ २३ २६ ३० | ०१ २६ ३४ ५४ | ०८ २४ ०५ ०१ | ०२ २४ ०७ १५ | ०८ २४ ०७ १५ |
| २७ | गुरु | ०२ ११ ०० १५ | ११ २९ २० ३७ | ०३ ०२ ४४ ०९ | ०३ ०५ ५३ ४५ | ०७ २३ १९ २६ | ०१ २७ ४८ १४ | ०८ २४ ०० ४७ | ०२ २४ ०४ ०४ | ०८ २४ ०४ ०४ |
| २८ | शुक्र | ०२ ११ ५७ २९ | ०० ११ ५२ ५३ | ०३ ०३ २२ २१ | ०३ ०६ ३८ ३७ | ०७ २३ १२ ३२ | ०१ २९ ०१ ३५ | ०८ २३ ५६ ३२ | ०२ २४ ०० ५३ | ०८ २४ ०० ५३ |
| २९ | शनि | ०२ १२ ५४ ४२ | ०० २४ ४५ १८ | ०३ ०४ ०० ३३ | ०३ ०७ १९ ४३ | ०७ २३ ०५ ४१ | ०२ ०० १४ ५७ | ०८ २३ ५२ १४ | ०२ २३ ५७ ४२ | ०८ २३ ५७ ४२ |
| ३० | रवि | ०२ १३ ५१ ५६ | ०१ ०८ ०० ०१ | ०३ ०४ ३८ ४४ | ०३ ०७ ५६ ५५ | ०७ २२ ५८ ५५ | ०२ ०१ २८ २० | ०८ २३ ४७ ५६ | ०२ २३ ५४ ३२ | ०८ २३ ५४ ३२ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जुलाई २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | सोम | ०२ १४ ४६ ०६ | ०१ २१ ३७ ३६ | ०३ ०५ १६ ५५ | ०३ ०८ ३० ०६ | ०७ २२ ५२ १५ | ०२ ०२ ४१ ४४ | ०८ २३ ४३ ३६ | ०२ २३ ५१ २१ | ०८ २३ ५१ २१ |
| २ | मंगल | ०२ १५ ४६ २३ | ०२ ०५ ३६ ५० | ०३ ०५ ५५ ०६ | ०३ ०८ ५९ ०८ | ०७ २२ ४५ ४१ | ०२ ०३ ५५ ०६ | ०८ २३ ३९ १५ | ०२ २३ ४८ १० | ०८ २३ ४८ १० |
| ३ | बुध | ०२ १६ ४३ ३७ | ०२ १९ ५४ ३३ | ०३ ०६ ३३ १६ | ०३ ०९ २३ ५६ | ०७ २२ ३९ १४ | ०२ ०५ ०८ ३५ | ०८ २३ ३४ ५२ | ०२ २३ ४४ ५९ | ०८ २३ ४४ ५९ |
| ४ | गुरु | ०२ १७ ४० ५० | ०३ ०४ २५ ५६ | ०३ ०७ ११ २६ | ०३ ०९ ४४ २० | ०७ २२ ३२ ५३ | ०२ ०६ २२ ०२ | ०८ २३ ३० २९ | ०२ २३ ४१ ४९ | ०८ २३ ४१ ४९ |
| ५ | शुक्र | ०२ १८ ३८ ०३ | ०३ १९ ०५ ०२ | ०३ ०७ ४९ ३५ | ०३ १० ०० १६ | ०७ २२ २६ ३६ | ०२ ०७ ३५ ३० | ०८ २३ २६ ०५ | ०२ २३ ३८ ३८ | ०८ २३ ३८ ३८ |
| ६ | शनि | ०२ १९ ३५ १६ | ०४ ०३ ४५ ३१ | ०३ ०८ २७ ४४ | ०३ १० ११ ३८ | ०७ २२ २० ३२ | ०२ ०८ ४८ ५८ | ०८ २३ २१ ४१ | ०२ २३ ३५ २७ | ०८ २३ ३५ २७ |
| ७ | रवि | ०२ २० ३२ २९ | ०४ १८ २१ २५ | ०३ ०९ ०५ ५३ | ०३ १० १८ २१ | ०७ २२ १४ ३२ | ०२ १० ०२ २७ | ०८ २३ १७ १६ | ०२ २३ ३२ १६ | ०८ २३ ३२ १६ |
| ८ | सोम | ०२ २१ २९ ४२ | ०५ ०२ ४७ ४५ | ०३ ०९ ४४ ०१ | ०३ १० २० २२ | ०७ २२ ०८ ४० | ०२ ११ १५ ५८ | ०८ २३ १२ ५० | ०२ २३ २९ ०६ | ०८ २३ २९ ०६ |
| ९ | मंगल | ०२ २२ २६ ५४ | ०५ १७ ०० ५६ | ०३ १० २२ ०९ | ०३ १० १७ ४० | ०७ २२ ०२ ५५ | ०२ १२ २९ २९ | ०८ २३ ०८ २५ | ०२ २३ २५ ५५ | ०८ २३ २५ ५५ |
| १० | बुध | ०२ २३ २४ ०६ | ०६ ०० ५८ ४८ | ०३ ११ ०० १६ | ०३ १० १० १७ | ०७ २१ ५७ १९ | ०२ १३ ४३ ०१ | ०८ २३ ०३ ५९ | ०२ २३ २२ ४४ | ०८ २३ २२ ४४ |
| ११ | गुरु | ०२ २४ २१ १८ | ०६ १४ ४० २३ | ०३ ११ ३८ २३ | ०३ ०९ ५८ १६ | ०७ २१ ५१ ५१ | ०२ १४ ५६ ३३ | ०८ २२ ५९ ३४ | ०२ २३ १९ ३३ | ०८ २३ १९ ३३ |
| १२ | शुक्र | ०२ २५ १८ ३० | ०६ २८ ०५ ४२ | ०३ १२ १६ २९ | ०३ ०९ ४१ ४३ | ०७ २१ ४६ ३१ | ०२ १६ १० ०७ | ०८ २२ ५५ ०९ | ०२ २३ १६ २२ | ०८ २३ १६ २२ |
| १३ | शनि | ०२ २६ १५ ४२ | ०७ ११ १५ १९ | ०३ १२ ५४ ३५ | ०३ ०९ २० ५१ | ०७ २१ ४१ २० | ०२ १७ २३ ४२ | ०८ २२ ५० ४४ | ०२ २३ १३ १२ | ०८ २३ १३ १२ |
| १४ | रवि | ०२ २७ १२ ५४ | ०७ २४ १० १२ | ०३ १३ ३२ ४१ | ०३ ०८ ५५ ५२ | ०७ २१ ३६ १७ | ०२ १८ ३७ १७ | ०८ २२ ४६ १९ | ०२ २३ १० ०१ | ०८ २३ १० ०१ |
| १५ | सोम | ०२ २८ १० ०६ | ०८ ०६ ५१ २६ | ०३ १४ १० ४६ | ०३ ०८ २७ ०५ | ०७ २१ ३१ २४ | ०२ १९ ५० ५४ | ०८ २२ ४१ ५५ | ०२ २३ ०६ ५० | ०८ २३ ०६ ५० |
| १६ | मंगल | ०२ २९ ०७ १८ | ०८ १९ २० १४ | ०३ १४ ४८ ५२ | ०३ ०७ ५४ ५४ | ०७ २१ २६ ३९ | ०२ २१ ०४ ३१ | ०८ २२ ३७ ३२ | ०२ २३ ०३ ३९ | ०८ २३ ०३ ३९ |
| १७ | बुध | ०३ ०० ०४ ३१ | ०९ ०१ ३७ ५४ | ०३ १५ २६ ५६ | ०३ ०७ १९ ४६ | ०७ २१ २२ ०४ | ०२ २२ १८ १० | ०८ २२ ३३ १० | ०२ २३ ०० २९ | ०८ २३ ०० २९ |
| १८ | गुरु | ०३ ०१ ०१ ४४ | ०९ १३ ४५ ५५ | ०३ १६ ०५ ०१ | ०३ ०६ ४२ १२ | ०७ २१ १७ ३८ | ०२ २३ ३१ ४९ | ०८ २२ २८ ४८ | ०२ २२ ५७ १८ | ०८ २२ ५७ १८ |
| १९ | शुक्र | ०३ ०१ ५८ ५७ | ०९ २५ ४६ ०३ | ०३ १६ ४३ ०५ | ०३ ०६ ०२ ४७ | ०७ २१ १३ २१ | ०२ २४ ४५ ३० | ०८ २२ २४ २८ | ०२ २२ ५४ ०७ | ०८ २२ ५४ ०७ |
| २० | शनि | ०३ ०२ ५६ ११ | १० ०७ ४० २३ | ०३ १७ २१ १० | ०३ ०५ २२ ०९ | ०७ २१ ०९ १४ | ०२ २५ ५९ १२ | ०८ २२ २० ०९ | ०२ २२ ५० ५६ | ०८ २२ ५० ५६ |
| २१ | रवि | ०३ ०३ ५३ २५ | १० १९ ३१ ३३ | ०३ १७ ५९ १४ | ०३ ०४ ४१ ०१ | ०७ २१ ०५ १७ | ०२ २७ १२ ५५ | ०८ २२ १५ ५१ | ०२ २२ ४७ ४५ | ०८ २२ ४७ ४५ |
| २२ | सोम | ०३ ०४ ५० ४१ | ११ ०१ २२ ३६ | ०३ १८ ३७ १८ | ०३ ०४ ०० ०४ | ०७ २१ ०१ २९ | ०२ २८ २६ ४० | ०८ २२ ११ ३५ | ०२ २२ ४४ ३५ | ०८ २२ ४४ ३५ |
| २३ | मंगल | ०३ ०५ ४७ ५७ | ११ १३ १७ ०६ | ०३ १९ १५ २२ | ०३ ०३ २० ०३ | ०७ २० ५७ ५२ | ०२ २९ ४० २५ | ०८ २२ ०७ २० | ०२ २२ ४१ २४ | ०८ २२ ४१ २४ |
| २४ | बुध | ०३ ०६ ४५ १३ | ११ २५ १९ ०० | ०३ १९ ५३ २६ | ०३ ०२ ४१ ४१ | ०७ २० ५४ २४ | ०३ ०० ५४ १२ | ०८ २२ ०३ ०७ | ०२ २२ ३८ १३ | ०८ २२ ३८ १३ |
| २५ | गुरु | ०३ ०७ ४२ ३१ | ०० ०७ ३२ ३५ | ०३ २० ३१ ३० | ०३ ०२ ०५ ४० | ०७ २० ५१ ०७ | ०३ ०२ ०८ ०० | ०८ २१ ५८ ५६ | ०२ २२ ३५ ०२ | ०८ २२ ३५ ०२ |
| २६ | शुक्र | ०३ ०८ ३९ ४९ | ०० २० ०२ १० | ०३ २१ ०९ ३४ | ०३ ०१ ३२ ४१ | ०७ २० ४८ ०० | ०३ ०३ २१ ४९ | ०८ २१ ५४ ४७ | ०२ २२ ३१ ५२ | ०८ २२ ३१ ५२ |
| २७ | शनि | ०३ ०९ ३७ ०९ | ०१ ०२ ५१ ५० | ०३ २१ ४७ ३८ | ०३ ०१ ०३ २२ | ०७ २० ४५ ०४ | ०३ ०४ ३५ ४० | ०८ २१ ५० ४० | ०२ २२ २८ ४१ | ०८ २२ २८ ४१ |
| २८ | रवि | ०३ १० ३४ २९ | ०१ १६ ०५ ०० | ०३ २२ २५ ४२ | ०३ ०० ३८ १७ | ०७ २० ४२ १८ | ०३ ०५ ४९ ३२ | ०८ २१ ४६ ३५ | ०२ २२ २५ ३० | ०८ २२ २५ ३० |
| २९ | सोम | ०३ ११ ३१ ५० | ०१ २९ ४३ ५० | ०३ २३ ०३ ४७ | ०३ ०० १७ ५५ | ०७ २० ३९ ४३ | ०३ ०७ ०३ २५ | ०८ २१ ४२ ३३ | ०२ २२ २२ १९ | ०८ २२ २२ १९ |
| ३० | मंगल | ०३ १२ २९ १२ | ०२ १३ ४८ ३८ | ०३ २३ ४१ ५१ | ०३ ०० ०२ ४४ | ०७ २० ३७ १८ | ०३ ०८ १७ १९ | ०८ २१ ३८ ३३ | ०२ २२ १९ ०९ | ०८ २२ १९ ०९ |
| ३१ | बुध | ०३ १३ २६ ३५ | ०२ २८ १७ २५ | ०३ २४ १९ ५६ | ०२ २९ ५३ ०६ | ०७ २० ३५ ०५ | ०३ ०९ ३१ १४ | ०८ २१ ३४ ३६ | ०२ २२ १५ ५८ | ०८ २२ १५ ५८ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अगस्त २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | गुरु | ०३ १४ २३ ५६ | ०३ १३ ०५ २६ | ०३ २४ ५८ ०० | ०२ २९ ४६ २० | ०७ २० ३३ ०२ | ०३ १० ४५ १० | ०८ २१ ३० ४१ | ०२ २२ १२ ४७ | ०८ २२ १२ ४७ |
| २ | शुक्र | ०३ १५ २१ २४ | ०३ २८ ०५ ४६ | ०३ २५ ३६ ०५ | ०२ २९ ५१ ३८ | ०७ २० ३१ १० | ०३ ११ ५९ ०८ | ०८ २१ २६ ४६ | ०२ २२ ०९ ३६ | ०८ २२ ०९ ३६ |
| ३ | शनि | ०३ १६ १८ ५० | ०४ १३ ०६ ३५ | ०३ २६ १४ १० | ०३ ०० ०० १३ | ०७ २० २९ २९ | ०३ १३ १३ ०६ | ०८ २१ २३ ०१ | ०२ २२ ०६ २५ | ०८ २२ ०६ २५ |
| ४ | रवि | ०३ १७ १६ १६ | ०४ २८ ०७ ५३ | ०३ २६ ५२ १४ | ०३ ०० १५ १३ | ०७ २० २८ ०० | ०३ १४ २७ ०६ | ०८ २१ १९ १५ | ०२ २२ ०३ १५ | ०८ २२ ०३ १५ |
| ५ | सोम | ०३ १८ १३ ४३ | ०५ १२ ५२ ४० | ०३ २७ ३० १९ | ०३ ०० ३६ ४१ | ०७ २० २६ ४१ | ०३ १५ ४१ ०६ | ०८ २१ १५ ३३ | ०२ २२ ०० ०४ | ०८ २२ ०० ०४ |
| ६ | मंगल | ०३ १९ ११ ११ | ०५ २७ १८ ०२ | ०३ २८ ०८ २४ | ०३ ०१ ०४ ४१ | ०७ २० २५ ३४ | ०३ १६ ५५ ०७ | ०८ २१ ११ ५३ | ०२ २१ ५६ ५३ | ०८ २१ ५६ ५३ |
| ७ | बुध | ०३ २० ०८ ४० | ०६ ११ २० ३८ | ०३ २८ ४६ २९ | ०३ ०१ ३९ ११ | ०७ २० २४ ३७ | ०३ १८ ०९ ०९ | ०८ २१ ०८ १८ | ०२ २१ ५३ ४२ | ०८ २१ ५३ ४२ |
| ८ | गुरु | ०३ २१ ०६ ०९ | ०६ २४ ५९ ३६ | ०३ २९ २४ ३४ | ०३ ०२ २० ११ | ०७ २० २३ ५२ | ०३ १९ २३ १२ | ०८ २१ ०४ ४६ | ०२ २१ ५० ३२ | ०८ २१ ५० ३२ |
| ९ | शुक्र | ०३ २२ ०३ ३९ | ०७ ०८ १६ ०१ | ०४ ०० ०२ ३९ | ०३ ०३ ०७ ३६ | ०७ २० २३ १८ | ०३ २० ३७ १६ | ०८ २१ ०१ १७ | ०२ २१ ४७ २१ | ०८ २१ ४७ २१ |
| १० | शनि | ०३ २३ ०१ ०९ | ०७ २१ १२ ११ | ०४ ०० ४० ४३ | ०३ ०४ ०१ १९ | ०७ २० २२ ५५ | ०३ २१ ५१ २० | ०८ २० ५७ ५३ | ०२ २१ ४४ १० | ०८ २१ ४४ १० |
| ११ | रवि | ०३ २३ ५८ ४१ | ०८ ०३ ५१ ०५ | ०४ ०१ १८ ४८ | ०३ ०५ ०१ १४ | ०७ २० २२ ४४ | ०३ २३ ०५ २६ | ०८ २० ५४ ३२ | ०२ २१ ४० ५९ | ०८ २१ ४० ५९ |
| १२ | सोम | ०३ २४ ५६ १३ | ०८ १६ १५ ४६ | ०४ ०१ ५६ ५४ | ०३ ०६ ०७ १० | ०७ २० २२ ४३ | ०३ २४ १९ ३२ | ०८ २० ५१ १५ | ०२ २१ ३७ ४९ | ०८ २१ ३७ ४९ |
| १३ | मंगल | ०३ २५ ५३ ४७ | ०८ २८ २९ २१ | ०४ ०२ ३४ ५९ | ०३ ०७ १८ ५६ | ०७ २० २२ ५४ | ०३ २५ ३३ ३९ | ०८ २० ४८ ०२ | ०२ २१ ३४ ३८ | ०८ २१ ३४ ३८ |
| १४ | बुध | ०३ २६ ५१ २१ | ०९ १० ३४ १७ | ०४ ०३ १३ ०४ | ०३ ०८ ३६ २० | ०७ २० २३ १५ | ०३ २६ ४७ ४७ | ०८ २० ४४ ५३ | ०२ २१ ३१ २७ | ०८ २१ ३१ २७ |
| १५ | गुरु | ०३ २७ ४८ ५७ | ०९ २२ ३२ ५४ | ०४ ०३ ५१ १० | ०३ ०९ ५९ ०५ | ०७ २० २३ ४८ | ०३ २८ ०१ ५६ | ०८ २० ४१ ४९ | ०२ २१ २८ १६ | ०८ २१ २८ १६ |
| १६ | शुक्र | ०३ २८ ४६ ३४ | १० ०४ २७ ०९ | ०४ ०४ २९ १६ | ०३ ११ २६ ५४ | ०७ २० २४ ३२ | ०३ २९ १६ ०६ | ०८ २० ३८ ४८ | ०२ २१ २५ ०५ | ०८ २१ २५ ०५ |
| १७ | शनि | ०३ २९ ४४ १२ | १० १६ १८ ५१ | ०४ ०५ ०७ २२ | ०३ १२ ५९ २८ | ०७ २० २५ २७ | ०४ ०० ३० १७ | ०८ २० ३५ ५२ | ०२ २१ २१ ५५ | ०८ २१ २१ ५५ |
| १८ | रवि | ०४ ०० ४१ ५१ | १० २८ ०९ ५१ | ०४ ०५ ४५ २८ | ०३ १४ ३६ २७ | ०७ २० २६ ३३ | ०४ ०१ ४४ २९ | ०८ २० ३३ ०० | ०२ २१ १८ ४४ | ०८ २१ १८ ४४ |
| १९ | सोम | ०४ ०१ ३९ ३२ | ११ १० ०२ १४ | ०४ ०६ २३ ३५ | ०३ १६ १७ २६ | ०७ २० २७ ५० | ०४ ०२ ५८ ४१ | ०८ २० ३० १३ | ०२ २१ १५ ३३ | ०८ २१ १५ ३३ |
| २० | मंगल | ०४ ०२ ३७ १४ | ११ २१ ५८ २३ | ०४ ०७ ०१ ४२ | ०३ १८ ०२ ०३ | ०७ २० २९ १८ | ०४ ०४ १२ ५५ | ०८ २० २७ ३१ | ०२ २१ १२ २२ | ०८ २१ १२ २२ |
| २१ | बुध | ०४ ०३ ३४ ५८ | ०० ०४ ०१ १४ | ०४ ०७ ३९ ५० | ०३ १९ ४९ ५२ | ०७ २० ३० ५७ | ०४ ०५ २७ ०९ | ०८ २० २४ ५३ | ०२ २१ ०९ १२ | ०८ २१ ०९ १२ |
| २२ | गुरु | ०४ ०४ ३२ ४३ | ०० १६ १४ ०९ | ०४ ०८ १७ ५८ | ०३ २१ ४० २८ | ०७ २० ३२ ४६ | ०४ ०६ ४१ २५ | ०८ २० २२ २० | ०२ २१ ०६ ०१ | ०८ २१ ०६ ०१ |
| २३ | शुक्र | ०४ ०५ ३० ३१ | ०० २८ ४१ ०१ | ०४ ०८ ५६ ०७ | ०३ २३ ३३ २५ | ०७ २० ३४ ४७ | ०४ ०७ ५५ ४१ | ०८ २० १९ ५२ | ०२ २१ ०२ ५० | ०८ २१ ०२ ५० |
| २४ | शनि | ०४ ०६ २८ १९ | ०१ ११ २५ ५३ | ०४ ०९ ३४ १६ | ०३ २५ २८ १७ | ०७ २० ३६ ५८ | ०४ ०९ ०९ ५९ | ०८ २० १७ २८ | ०२ २० ५९ ३९ | ०८ २० ५९ ३९ |
| २५ | रवि | ०४ ०७ २६ १० | ०१ २४ ३२ ४५ | ०४ १० १२ २५ | ०३ २७ २४ ४२ | ०७ २० ३९ २१ | ०४ १० २४ १७ | ०८ २० १५ १० | ०२ २० ५६ २९ | ०८ २० ५६ २९ |
| २६ | सोम | ०४ ०८ २४ ०२ | ०२ ०८ ०४ ५९ | ०४ १० ५० ३५ | ०३ २९ २२ १५ | ०७ २० ४१ ५४ | ०४ ११ ३८ ३७ | ०८ २० १२ ५६ | ०२ २० ५३ १८ | ०८ २० ५३ १८ |
| २७ | मंगल | ०४ ०९ २१ ५६ | ०२ २२ ०४ ३२ | ०४ ११ २८ ४६ | ०४ ०१ २० ३६ | ०७ २० ४४ ३७ | ०४ १२ ५२ ५७ | ०८ २० १० ४८ | ०२ २० ५० ०७ | ०८ २० ५० ०७ |
| २८ | बुध | ०४ १० १९ ५२ | ०३ ०६ ३१ १५ | ०४ १२ ०६ ५७ | ०४ ०३ १९ २५ | ०७ २० ४७ ३२ | ०४ १४ ०७ १८ | ०८ २० ०८ ४४ | ०२ २० ४६ ५६ | ०८ २० ४६ ५६ |
| २९ | गुरु | ०४ ११ १७ ५० | ०३ २१ २१ ५९ | ०४ १२ ४५ ०९ | ०४ ०५ १८ २६ | ०७ २० ५० ३७ | ०४ १५ २१ ४० | ०८ २० ०६ ४६ | ०२ २० ४३ ४५ | ०८ २० ४३ ४५ |
| ३० | शुक्र | ०४ १२ १५ ४९ | ०४ ०६ ३० २१ | ०४ १३ २३ २१ | ०४ ०७ १७ २२ | ०७ २० ५३ ५३ | ०४ १६ ३६ ०२ | ०८ २० ०४ ५४ | ०२ २० ४० ३५ | ०८ २० ४० ३५ |
| ३१ | शनि | ०४ १३ १३ ५० | ०४ २१ ४७ ०३ | ०४ १४ ०१ ३४ | ०४ ०९ १६ ०१ | ०७ २० ५७ १९ | ०४ १७ ५० २६ | ०८ २० ०३ ०६ | ०२ २० ३७ २४ | ०८ २० ३७ २४ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, सितम्बर २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | रवि | ०४ १४ ११ ५२ | ०५ ०७ ०१ १५ | ०४ १४ ३९ ४७ | ०४ ११ १४ १२ | ०७ २१ ०० ५६ | ०४ १९ ०४ ५० | ०८ २० ०१ २५ | ०२ २० ३४ १३ | ०८ २० ३४ १३ |
| २ | सोम | ०४ १५ ०९ ५६ | ०५ २२ ०२ २२ | ०४ १५ १८ ०० | ०४ १३ ११ ४४ | ०७ २१ ०४ ४३ | ०४ २० १९ १५ | ०८ १९ ५९ ४८ | ०२ २० ३१ ०२ | ०८ २० ३१ ०२ |
| ३ | मंगल | ०४ १६ ०८ ०२ | ०६ ०६ ४१ ५६ | ०४ १५ ५६ १४ | ०४ १५ ०८ ३१ | ०७ २१ ०८ ४१ | ०४ २१ ३३ ४० | ०८ १९ ५८ १७ | ०२ २० २७ ५२ | ०८ २० २७ ५२ |
| ४ | बुध | ०४ १७ ०६ ०८ | ०६ २० ५४ ४१ | ०४ १६ ३४ २९ | ०४ १७ ०४ २६ | ०७ २१ १२ ४९ | ०४ २२ ४८ ०५ | ०८ १९ ५६ ५२ | ०२ २० २४ ४१ | ०८ २० २४ ४१ |
| ५ | गुरु | ०४ १८ ०४ १७ | ०७ ०४ ३८ ४९ | ०४ १७ १२ ४४ | ०४ १८ ५९ २३ | ०७ २१ १७ ०६ | ०४ २४ ०२ ३१ | ०८ १९ ५५ ३२ | ०२ २० २१ ३० | ०८ २० २१ ३० |
| ६ | शुक्र | ०४ १९ ०२ २६ | ०७ १७ ५५ २२ | ०४ १७ ५० ५९ | ०४ २० ५३ २० | ०७ २१ २१ ३५ | ०४ २५ १६ ५८ | ०८ १९ ५४ १८ | ०२ २० १८ १९ | ०८ २० १८ १९ |
| ७ | शनि | ०४ २० ०० ३७ | ०८ ०० ४७ २४ | ०४ १८ २९ १५ | ०४ २२ ४६ १३ | ०७ २१ २६ १३ | ०४ २६ ३१ २५ | ०८ १९ ५३ ०९ | ०२ २० १५ ०८ | ०८ २० १५ ०८ |
| ८ | रवि | ०४ २० ५८ ५० | ०८ १३ १९ ०२ | ०४ १९ ०७ ३१ | ०४ २४ ३८ ०१ | ०७ २१ ३१ ०१ | ०४ २७ ४५ ५२ | ०८ १९ ५२ ०७ | ०२ २० ११ ५८ | ०८ २० ११ ५८ |
| ९ | सोम | ०४ २१ ५७ ०४ | ०८ २५ ३४ ५० | ०४ १९ ४५ ४८ | ०४ २६ २८ ४१ | ०७ २१ ३५ ५८ | ०४ २९ ०० २० | ०८ १९ ५१ ०९ | ०२ २० ०८ ४७ | ०८ २० ०८ ४७ |
| १० | मंगल | ०४ २२ ५५ १९ | ०९ ०७ ३९ ०८ | ०४ २० २४ ०६ | ०४ २८ १८ १३ | ०७ २१ ४१ ०६ | ०५ ०० १४ ४८ | ०८ १९ ५० १८ | ०२ २० ०५ ३६ | ०८ २० ०५ ३६ |
| ११ | बुध | ०४ २३ ५३ ३६ | ०९ १९ ३५ ५४ | ०४ २१ ०२ २३ | ०५ ०० ०६ ३७ | ०७ २१ ४६ २३ | ०५ ०१ २९ १६ | ०८ १९ ४९ ३२ | ०२ २० ०२ २५ | ०८ २० ०२ २५ |
| १२ | गुरु | ०४ २४ ५१ ५५ | १० ०१ २८ २४ | ०४ २१ ४० ४२ | ०५ ०१ ५३ ५२ | ०७ २१ ५१ ४९ | ०५ ०२ ४३ ४५ | ०८ १९ ४८ ५३ | ०२ १९ ५९ १५ | ०८ १९ ५९ १५ |
| १३ | शुक्र | ०४ २५ ५० १६ | १० १३ १९ १९ | ०४ २२ १९ ०१ | ०५ ०३ ४० ०० | ०७ २१ ५७ २५ | ०५ ०३ ५८ १४ | ०८ १९ ४८ १८ | ०२ १९ ५६ ०४ | ०८ १९ ५६ ०४ |
| १४ | शनि | ०४ २६ ४८ ३८ | १० २५ १० ४१ | ०४ २२ ५७ २१ | ०५ ०५ २५ ०१ | ०७ २२ ०३ ११ | ०५ ०५ १२ ४३ | ०८ १९ ४७ ५० | ०२ १९ ५२ ५३ | ०८ १९ ५२ ५३ |
| १५ | रवि | ०४ २७ ४७ ०२ | ११ ०७ ०४ ०८ | ०४ २३ ३५ ४१ | ०५ ०७ ०८ ५५ | ०७ २२ ०९ ०६ | ०५ ०६ २७ १३ | ०८ १९ ४७ २८ | ०२ १९ ४९ ४२ | ०८ १९ ४९ ४२ |
| १६ | सोम | ०४ २८ ४५ २८ | ११ १९ ०१ ०५ | ०४ २४ १४ ०३ | ०५ ०८ ५१ ४३ | ०७ २२ १५ ०९ | ०५ ०७ ४१ ४३ | ०८ १९ ४७ ११ | ०२ १९ ४६ ३२ | ०८ १९ ४६ ३२ |
| १७ | मंगल | ०४ २९ ४३ ५६ | ०० ०१ ०२ ५८ | ०४ २४ ५२ २५ | ०५ १० ३३ २७ | ०७ २२ २१ २२ | ०५ ०८ ५६ १३ | ०८ १९ ४७ ०० | ०२ १९ ४३ २१ | ०८ १९ ४३ २१ |
| १८ | बुध | ०५ ०० ४२ २६ | ०० १३ ११ ३० | ०४ २५ ३० ४७ | ०५ १२ १४ ०७ | ०७ २२ २७ ४४ | ०५ १० १० ४४ | ०८ १९ ४६ ५५ | ०२ १९ ४० १० | ०८ १९ ४० १० |
| १९ | गुरु | ०५ ०१ ४० ५९ | ०० २५ २८ ५३ | ०४ २६ ०९ ११ | ०५ १३ ५३ ४४ | ०७ २२ ३४ १५ | ०५ ११ २५ १५ | ०८ १९ ४६ ५६ | ०२ १९ ३६ ५९ | ०८ १९ ३६ ५९ |
| २० | शुक्र | ०५ ०२ ३९ ३३ | ०१ ०७ ५७ ५० | ०४ २६ ४७ ३५ | ०५ १५ ३२ २० | ०७ २२ ४० ५५ | ०५ १२ ३९ ४७ | ०८ १९ ४७ ०३ | ०२ १९ ३३ ४८ | ०८ १९ ३३ ४८ |
| २१ | शनि | ०५ ०३ ३८ १० | ०१ २० ४१ ३८ | ०४ २७ २६ ०१ | ०५ १७ ०९ ५६ | ०७ २२ ४७ ४३ | ०५ १३ ५४ १९ | ०८ १९ ४७ १६ | ०२ १९ ३० ३८ | ०८ १९ ३० ३८ |
| २२ | रवि | ०५ ०४ ३६ ४८ | ०२ ०३ ४३ ५२ | ०४ २८ ०४ २७ | ०५ १८ ४६ ३२ | ०७ २२ ५४ ४१ | ०५ १५ ०८ ५२ | ०८ १९ ४७ ३५ | ०२ १९ २७ २७ | ०८ १९ २७ २७ |
| २३ | सोम | ०५ ०५ ३५ २९ | ०२ १७ ०८ ०४ | ०४ २८ ४२ ५४ | ०५ २० २२ ०९ | ०७ २३ ०१ ४६ | ०५ १६ २३ २५ | ०८ १९ ४७ ५९ | ०२ १९ २४ १६ | ०८ १९ २४ १६ |
| २४ | मंगल | ०५ ०६ ३४ १२ | ०३ ०० ५७ ०४ | ०४ २९ २१ २२ | ०५ २१ ५६ ४८ | ०७ २३ ०९ ०१ | ०५ १७ ३७ ५८ | ०८ १९ ४८ ३० | ०२ १९ २१ ०५ | ०८ १९ २१ ०५ |
| २५ | बुध | ०५ ०७ ३२ ५८ | ०३ १५ १२ ०७ | ०४ २९ ५९ ५१ | ०५ २३ ३० ३० | ०७ २३ १६ २४ | ०५ १८ ५२ ३२ | ०८ १९ ४९ ०६ | ०२ १९ १७ ५५ | ०८ १९ १७ ५५ |
| २६ | गुरु | ०५ ०८ ३१ ४६ | ०३ २९ ५२ ०० | ०५ ०० ३८ २० | ०५ २५ ०३ १६ | ०७ २३ २३ ५५ | ०५ २० ०७ ०६ | ०८ १९ ४९ ४९ | ०२ १९ १४ ४४ | ०८ १९ १४ ४४ |
| २७ | शुक्र | ०५ ०९ ३० ३६ | ०४ १४ ५२ १७ | ०५ ०१ १६ ५१ | ०५ २६ ३५ ०५ | ०७ २३ ३१ ३४ | ०५ २१ २१ ४१ | ०८ १९ ५० ३७ | ०२ १९ ११ ३३ | ०८ १९ ११ ३३ |
| २८ | शनि | ०५ १० २९ २८ | ०५ ०० ०५ ०९ | ०५ ०१ ५५ २३ | ०५ २८ ०५ ५८ | ०७ २३ ३९ २२ | ०५ २२ ३६ १५ | ०८ १९ ५१ ३१ | ०२ १९ ०८ २२ | ०८ १९ ०८ २२ |
| २९ | रवि | ०५ ११ २८ २२ | ०५ १५ २० १६ | ०५ ०२ ३३ ५५ | ०५ २९ ३५ ५५ | ०७ २३ ४७ १८ | ०५ २३ ५० ५० | ०८ १९ ५२ ३१ | ०२ १९ ०५ १२ | ०८ १९ ०५ १२ |
| ३० | सोम | ०५ १२ २७ १८ | ०६ ०० २६ २७ | ०५ ०३ १२ २८ | ०६ ०१ ०४ ५७ | ०७ २३ ५५ २२ | ०५ २५ ०५ २६ | ०८ १९ ५३ ३७ | ०२ १९ ०२ ०१ | ०८ १९ ०२ ०१ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अक्टूबर २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | मंगल | ०५ १३ २६ १६ | ०६ १५ १३ ४१ | ०५ ०३ ५१ ०२ | ०६ ०२ ३३ ०२ | ०७ २४ ०३ ३४ | ०५ २६ २० ०१ | ०८ १९ ५४ ४९ | ०२ १८ ५८ ५० | ०८ १८ ५८ ५० |
| २ | बुध | ०५ १४ २५ १६ | ०६ २९ ३४ ५१ | ०५ ०४ २९ ३७ | ०६ ०४ ०० १० | ०७ २४ ११ ५३ | ०५ २७ ३४ ३६ | ०८ १९ ५६ ०७ | ०२ १८ ५५ ३९ | ०८ १८ ५५ ३९ |
| ३ | गुरु | ०५ १५ २४ १८ | ०७ १३ २६ २६ | ०५ ०५ ०८ १३ | ०६ ०५ २६ २१ | ०७ २४ २० २० | ०५ २८ ४९ १२ | ०८ १९ ५७ ३१ | ०२ १८ ५२ २८ | ०८ १८ ५२ २८ |
| ४ | शुक्र | ०५ १६ २३ २१ | ०७ २६ ४८ २१ | ०५ ०५ ४६ ४९ | ०६ ०६ ५१ ३३ | ०७ २४ २८ ५५ | ०६ ०० ०३ ४७ | ०८ १९ ५९ ०१ | ०२ १८ ४९ १८ | ०८ १८ ४९ १८ |
| ५ | शनि | ०५ १७ २२ २७ | ०८ ०९ ४३ ०९ | ०५ ०६ २५ २६ | ०६ ०८ १५ ४५ | ०७ २४ ३७ ३७ | ०६ ०१ १८ २२ | ०८ २० ०० ३६ | ०२ १८ ४६ ०७ | ०८ १८ ४६ ०७ |
| ६ | रवि | ०५ १८ २१ ३४ | ०८ २२ १५ ०४ | ०५ ०७ ०४ ०४ | ०६ ०९ ३८ ५६ | ०७ २४ ४६ २७ | ०६ ०२ ३२ ५७ | ०८ २० ०२ १८ | ०२ १८ ४२ ५६ | ०८ १८ ४२ ५६ |
| ७ | सोम | ०५ १९ २० ४२ | ०९ ०४ २९ ०७ | ०५ ०७ ४२ ४३ | ०६ ११ ०१ ०३ | ०७ २४ ५५ २४ | ०६ ०३ ४७ ३२ | ०८ २० ०४ ०५ | ०२ १८ ३९ ४५ | ०८ १८ ३९ ४५ |
| ८ | मंगल | ०५ २० १९ ५३ | ०९ १६ ३० ३२ | ०५ ०८ २१ २३ | ०६ १२ २२ ०४ | ०७ २५ ०४ २८ | ०६ ०५ ०२ ०७ | ०८ २० ०५ ५७ | ०२ १८ ३६ ३५ | ०८ १८ ३६ ३५ |
| ९ | बुध | ०५ २१ १९ ०५ | ०९ २८ २४ १४ | ०५ ०९ ०० ०३ | ०६ १३ ४१ ५७ | ०७ २५ १३ ३९ | ०६ ०६ १६ ४२ | ०८ २० ०७ ५६ | ०२ १८ ३३ २४ | ०८ १८ ३३ २४ |
| १० | गुरु | ०५ २२ १८ २० | १० १० १४ ३३ | ०५ ०९ ३८ ४५ | ०६ १५ ०० ३७ | ०७ २५ २२ ५७ | ०६ ०७ ३१ १७ | ०८ २० १० ०० | ०२ १८ ३० १३ | ०८ १८ ३० १३ |
| ११ | शुक्र | ०५ २३ १७ ३६ | १० २२ ०५ ०५ | ०५ १० १७ २७ | ०६ १६ १८ ०२ | ०७ २५ ३२ २२ | ०६ ०८ ४५ ५१ | ०८ २० १२ १० | ०२ १८ २७ ०२ | ०८ १८ २७ ०२ |
| १२ | शनि | ०५ २४ १६ ५४ | ११ ०३ ५८ ३७ | ०५ १० ५६ १० | ०६ १७ ३४ ०६ | ०७ २५ ४१ ५४ | ०६ १० ०० २६ | ०८ २० १४ २५ | ०२ १८ २३ ५१ | ०८ १८ २३ ५१ |
| १३ | रवि | ०५ २५ १६ १४ | ११ १५ ५७ ०८ | ०५ ११ ३४ ५४ | ०६ १८ ४८ ४५ | ०७ २५ ५१ ३२ | ०६ ११ १५ ०० | ०८ २० १६ ४६ | ०२ १८ २० ४१ | ०८ १८ २० ४१ |
| १४ | सोम | ०५ २६ १५ ३६ | ११ २८ ०२ ०१ | ०५ १२ १३ ४० | ०६ २० ०१ ५२ | ०७ २६ ०१ १७ | ०६ १२ २९ ३४ | ०८ २० १९ १३ | ०२ १८ १७ ३० | ०८ १८ १७ ३० |
| १५ | मंगल | ०५ २७ १५ ०० | ०० १० १४ ११ | ०५ १२ ५२ २६ | ०६ २१ १३ २१ | ०७ २६ ११ ०९ | ०६ १३ ४४ ०९ | ०८ २० २१ ४५ | ०२ १८ १४ १९ | ०८ १८ १४ १९ |
| १६ | बुध | ०५ २८ १४ २६ | ०० २२ ३४ २५ | ०५ १३ ३१ १३ | ०६ २२ २३ ०३ | ०७ २६ २१ ०६ | ०६ १४ ५८ ४३ | ०८ २० २४ २२ | ०२ १८ ११ ०८ | ०८ १८ ११ ०८ |
| १७ | गुरु | ०५ २९ १३ ५४ | ०१ ०५ ०३ ३७ | ०५ १४ १० ०२ | ०६ २३ ३० ५१ | ०७ २६ ३१ १० | ०६ १६ १३ १७ | ०८ २० २७ ०५ | ०२ १८ ०७ ५८ | ०८ १८ ०७ ५८ |
| १८ | शुक्र | ०६ ०० १३ २५ | ०१ १७ ४३ ०५ | ०५ १४ ४८ ५१ | ०६ २४ ३६ ३३ | ०७ २६ ४१ २१ | ०६ १७ २७ ५१ | ०८ २० २९ ५४ | ०२ १८ ०४ ४७ | ०८ १८ ०४ ४७ |
| १९ | शनि | ०६ ०१ १२ ५७ | ०२ ०० ३४ ३६ | ०५ १५ २७ ४२ | ०६ २५ ३९ ५८ | ०७ २६ ५१ ३७ | ०६ १८ ४२ २५ | ०८ २० ३२ ४८ | ०२ १८ ०१ ३६ | ०८ १८ ०१ ३६ |
| २० | रवि | ०६ ०२ १२ ३२ | ०२ १३ ४० २४ | ०५ १६ ०६ ३४ | ०६ २६ ४० ५३ | ०७ २७ ०२ ०० | ०६ १९ ५६ ५९ | ०८ २० ३५ ४७ | ०२ १७ ५८ २५ | ०८ १७ ५८ २५ |
| २१ | सोम | ०६ ०३ १२ ०९ | ०२ २७ ०३ ०३ | ०५ १६ ४५ २७ | ०६ २७ ३९ ०४ | ०७ २७ १२ २८ | ०६ २१ ११ ३३ | ०८ २० ३८ ५१ | ०२ १७ ५५ १५ | ०८ १७ ५५ १५ |
| २२ | मंगल | ०६ ०४ ११ ४९ | ०३ १० ४४ ५१ | ०५ १७ २४ २१ | ०६ २८ ३४ १३ | ०७ २७ २३ ०३ | ०६ २२ २६ ०७ | ०८ २० ४२ ०१ | ०२ १७ ५२ ०४ | ०८ १७ ५२ ०४ |
| २३ | बुध | ०६ ०५ ११ ३१ | ०३ २४ ४७ १९ | ०५ १८ ०३ १६ | ०६ २९ २६ ०१ | ०७ २७ ३३ ४३ | ०६ २३ ४० ४१ | ०८ २० ४५ १६ | ०२ १७ ४८ ५३ | ०८ १७ ४८ ५३ |
| २४ | गुरु | ०६ ०६ ११ १५ | ०४ ०९ १० २० | ०५ १८ ४२ १३ | ०७ ०० १४ ०८ | ०७ २७ ४४ २९ | ०६ २४ ५५ १६ | ०८ २० ४८ ३६ | ०२ १७ ४५ ४२ | ०८ १७ ४५ ४२ |
| २५ | शुक्र | ०६ ०७ ११ ०२ | ०४ २३ ५१ २० | ०५ १९ २१ ११ | ०७ ०० ५८ १० | ०७ २७ ५५ २१ | ०६ २६ ०९ ५० | ०८ २० ५२ ०२ | ०२ १७ ४२ ३१ | ०८ १७ ४२ ३१ |
| २६ | शनि | ०६ ०८ १० ५० | ०५ ०८ ४५ ०२ | ०५ २० ०० ०९ | ०७ ०१ ३७ ४० | ०७ २८ ०६ १८ | ०६ २७ २४ २४ | ०८ २० ५५ ३२ | ०२ १७ ३९ २१ | ०८ १७ ३९ २१ |
| २७ | रवि | ०६ ०९ १० ४१ | ०५ २३ ४३ ३७ | ०५ २० ३९ ०९ | ०७ ०२ १२ ०९ | ०७ २८ १७ २० | ०६ २८ ३८ ५९ | ०८ २० ५९ ०८ | ०२ १७ ३६ १० | ०८ १७ ३६ १० |
| २८ | सोम | ०६ १० १० ३४ | ०६ ०८ ३७ ४६ | ०५ २१ १८ ११ | ०७ ०२ ४१ ०७ | ०७ २८ २८ २९ | ०६ २९ ५३ ३३ | ०८ २१ ०२ ४९ | ०२ १७ ३२ ५९ | ०८ १७ ३२ ५९ |
| २९ | मंगल | ०६ ११ १० २९ | ०६ २३ १८ १५ | ०५ २१ ५७ १३ | ०७ ०३ ०३ ५९ | ०७ २८ ३९ ४२ | ०७ ०१ ०८ ०७ | ०८ २१ ०६ ३५ | ०२ १७ २९ ४८ | ०८ १७ २९ ४८ |
| ३० | बुध | ०६ १२ १० २५ | ०७ ०७ ३७ ३४ | ०५ २२ ३६ १६ | ०७ ०३ २० ०९ | ०७ २८ ५१ ०० | ०७ ०२ २२ ४१ | ०८ २१ १० २५ | ०२ १७ २६ ३८ | ०८ १७ २६ ३८ |
| ३१ | गुरु | ०६ १३ १० २४ | ०७ २१ ३० ५७ | ०५ २३ १५ २० | ०७ ०३ २९ ०० | ०७ २९ ०२ २४ | ०७ ०३ ३७ १५ | ०८ २१ १४ २१ | ०२ १७ २३ २७ | ०८ १७ २३ २७ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, नवम्बर २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | शुक्र | ०६ १४ १० २४ | ०८ ०४ ५६ ४३ | ०५ २३ ५४ २५ | ०७ ०३ २९ ५४ | ०७ २९ १३ ५३ | ०७ ०४ ५१ ४९ | ०८ २१ १८ २१ | ०२ १७ २० १६ | ०८ १७ २० १६ |
| २ | शनि | ०६ १५ १० २६ | ०८ १७ ५५ ५८ | ०५ २४ ३३ ३२ | ०७ ०३ २२ १८ | ०७ २९ २५ २६ | ०७ ०६ ०६ २२ | ०८ २१ २२ २७ | ०२ १७ १७ ०५ | ०८ १७ १७ ०५ |
| ३ | रवि | ०६ १६ १० २९ | ०९ ०० ३१ ४९ | ०५ २५ १२ ३९ | ०७ ०३ ०५ ३९ | ०७ २९ ३७ ०४ | ०७ ०७ २० ५५ | ०८ २१ २६ ३७ | ०२ १७ १३ ५५ | ०८ १७ १३ ५५ |
| ४ | सोम | ०६ १७ १० ३४ | ०९ १२ ४८ ४२ | ०५ २५ ५१ ४७ | ०७ ०२ ३९ ३४ | ०७ २९ ४८ ४७ | ०७ ०८ ३५ २७ | ०८ २१ ३० ५१ | ०२ १७ १० ४४ | ०८ १७ १० ४४ |
| ५ | मंगल | ०६ १८ १० ४१ | ०९ २४ ५१ ४५ | ०५ २६ ३० ५७ | ०७ ०२ ०३ ४९ | ०८ ०० ०० ३४ | ०७ ०९ ५० ०० | ०८ २१ ३५ ११ | ०२ १७ ०७ ३३ | ०८ १७ ०७ ३३ |
| ६ | बुध | ०६ १९ १० ४९ | १० ०६ ४६ ११ | ०५ २७ १० ०७ | ०७ ०१ १८ २९ | ०८ ०० १२ २६ | ०७ ११ ०४ ३१ | ०८ २१ ३९ ३४ | ०२ १७ ०४ २२ | ०८ १७ ०४ २२ |
| ७ | गुरु | ०६ २० १० ५९ | १० १८ ३७ ०३ | ०५ २७ ४९ १९ | ०७ ०० २३ ५५ | ०८ ०० २४ २२ | ०७ १२ १९ ०३ | ०८ २१ ४४ ०३ | ०२ १७ ०१ ११ | ०८ १७ ०१ ११ |
| ८ | शुक्र | ०६ २१ ११ १० | ११ ०० २८ ५० | ०५ २८ २८ ३२ | ०६ २९ २० ५७ | ०८ ०० ३६ २३ | ०७ १३ ३३ ३४ | ०८ २१ ४८ ३५ | ०२ १६ ५८ ०१ | ०८ १६ ५८ ०१ |
| ९ | शनि | ०६ २२ ११ २३ | ११ १२ २५ १९ | ०५ २९ ०७ ४५ | ०६ २८ १० ४७ | ०८ ०० ४८ २८ | ०७ १४ ४८ ०४ | ०८ २१ ५३ १३ | ०२ १६ ५४ ५० | ०८ १६ ५४ ५० |
| १० | रवि | ०६ २३ ११ ३८ | ११ २४ २९ २४ | ०५ २९ ४७ ०० | ०६ २६ ५५ ०९ | ०८ ०१ ०० ३७ | ०७ १६ ०२ ३४ | ०८ २१ ५७ ५४ | ०२ १६ ५१ ३९ | ०८ १६ ५१ ३९ |
| ११ | सोम | ०६ २४ ११ ५४ | ०० ०६ ४३ १० | ०६ ०० २६ १६ | ०६ २५ ३६ ०८ | ०८ ०१ १२ ४९ | ०७ १७ १७ ०४ | ०८ २२ ०२ ४० | ०२ १६ ४८ २८ | ०८ १६ ४८ २८ |
| १२ | मंगल | ०६ २५ १२ १२ | ०० १९ ०७ ४७ | ०६ ०१ ०५ ३४ | ०६ २४ १६ १२ | ०८ ०१ २५ ०६ | ०७ १८ ३१ ३३ | ०८ २२ ०७ ३० | ०२ १६ ४५ १८ | ०८ १६ ४५ १८ |
| १३ | बुध | ०६ २६ १२ ३१ | ०१ ०१ ४३ ४७ | ०६ ०१ ४४ ५२ | ०६ २२ ५७ ५६ | ०८ ०१ ३७ २७ | ०७ १९ ४६ ०१ | ०८ २२ १२ २४ | ०२ १६ ४२ ०७ | ०८ १६ ४२ ०७ |
| १४ | गुरु | ०६ २७ १२ ५२ | ०१ १४ ३१ १४ | ०६ ०२ २४ १२ | ०६ २१ ४३ ५३ | ०८ ०१ ४९ ५१ | ०७ २१ ०० ३० | ०८ २२ १७ २२ | ०२ १६ ३८ ५६ | ०८ १६ ३८ ५६ |
| १५ | शुक्र | ०६ २८ १३ १५ | ०१ २७ २९ ५८ | ०६ ०३ ०३ ३३ | ०६ २० ३६ २४ | ०८ ०२ ०२ २० | ०७ २२ १४ ५८ | ०८ २२ २२ २४ | ०२ १६ ३५ ४५ | ०८ १६ ३५ ४५ |
| १६ | शनि | ०६ २९ १३ ४० | ०२ १० ३९ ५६ | ०६ ०३ ४२ ५५ | ०६ १९ ३७ ३० | ०८ ०२ १४ ५१ | ०७ २३ २९ २५ | ०८ २२ २७ ३० | ०२ १६ ३२ ३५ | ०८ १६ ३२ ३५ |
| १७ | रवि | ०७ ०० १४ ०६ | ०२ २४ ०१ २० | ०६ ०४ २२ १९ | ०६ १८ ४८ ४२ | ०८ ०२ २७ २७ | ०७ २४ ४३ ५२ | ०८ २२ ३२ ४० | ०२ १६ २९ २४ | ०८ १६ २९ २४ |
| १८ | सोम | ०७ ०१ १४ ३५ | ०३ ०७ ३४ ३६ | ०६ ०५ ०१ ४४ | ०६ १८ ११ ०१ | ०८ ०२ ४० ०६ | ०७ २५ ५८ १९ | ०८ २२ ३७ ५४ | ०२ १६ २६ १३ | ०८ १६ २६ १३ |
| १९ | मंगल | ०७ ०२ १५ ०५ | ०३ २१ २० १६ | ०६ ०५ ४१ १० | ०६ १७ ४४ ५८ | ०८ ०२ ५२ ४८ | ०७ २७ १२ ४५ | ०८ २२ ४३ १२ | ०२ १६ २३ ०२ | ०८ १६ २३ ०२ |
| २० | बुध | ०७ ०३ १५ ३७ | ०४ ०५ १८ ३८ | ०६ ०६ २० ३८ | ०६ १७ ३० ३८ | ०८ ०३ ०५ ३३ | ०७ २८ २७ ११ | ०८ २२ ४८ ३४ | ०२ १६ १९ ५१ | ०८ १६ १९ ५१ |
| २१ | गुरु | ०७ ०४ १६ ११ | ०४ १९ २९ १५ | ०६ ०७ ०० ०७ | ०६ १७ २७ ४३ | ०८ ०३ १८ २२ | ०७ २९ ४१ ३७ | ०८ २२ ५३ ५९ | ०२ १६ १६ ४१ | ०८ १६ १६ ४१ |
| २२ | शुक्र | ०७ ०५ १६ ४६ | ०५ ०३ ५० २७ | ०६ ०७ ३९ ३७ | ०६ १७ ३५ ४० | ०८ ०३ ३१ १४ | ०८ ०० ५६ ०३ | ०८ २२ ५९ २८ | ०२ १६ १३ ३० | ०८ १६ १३ ३० |
| २३ | शनि | ०७ ०६ १७ २४ | ०५ १८ १९ ०३ | ०६ ०८ १९ ०९ | ०६ १७ ५३ ४५ | ०८ ०३ ४४ १० | ०८ ०२ १० २८ | ०८ २३ ०५ ०० | ०२ १६ १० १९ | ०८ १६ १० १९ |
| २४ | रवि | ०७ ०७ १८ ०३ | ०६ ०२ ५० १५ | ०६ ०८ ५८ ४२ | ०६ १८ २१ ०७ | ०८ ०३ ५७ ०८ | ०८ ०३ २४ ५३ | ०८ २३ १० ३७ | ०२ १६ ०७ ०८ | ०८ १६ ०७ ०८ |
| २५ | सोम | ०७ ०८ १८ ४४ | ०६ १७ १८ ०८ | ०६ ०९ ३८ १६ | ०६ १८ ५६ ५३ | ०८ ०४ १० ०९ | ०८ ०४ ३९ १७ | ०८ २३ १६ १६ | ०२ १६ ०३ ५८ | ०८ १६ ०३ ५८ |
| २६ | मंगल | ०७ ०९ १९ २६ | ०७ ०१ ३६ २४ | ०६ १० १७ ५२ | ०६ १९ ४० ०८ | ०८ ०४ २३ १३ | ०८ ०५ ५३ ४१ | ०८ २३ २१ ५९ | ०२ १६ ०० ४७ | ०८ १६ ०० ४७ |
| २७ | बुध | ०७ १० २० १० | ०७ १५ ३९ १७ | ०६ १० ५७ २८ | ०६ २० ३० ०२ | ०८ ०४ ३६ १९ | ०८ ०७ ०८ ०५ | ०८ २३ २७ ४६ | ०२ १५ ५७ ३६ | ०८ १५ ५७ ३६ |
| २८ | गुरु | ०७ ११ २० ५५ | ०७ २९ २२ २८ | ०६ ११ ३७ ०६ | ०६ २१ २५ ४७ | ०८ ०४ ४९ २९ | ०८ ०८ २२ २७ | ०८ २३ ३३ ३५ | ०२ १५ ५४ २५ | ०८ १५ ५४ २५ |
| २९ | शुक्र | ०७ १२ २१ ४१ | ०८ १२ ४३ ३५ | ०६ १२ १६ ४५ | ०६ २२ २६ ३७ | ०८ ०५ ०२ ४१ | ०८ ०९ ३६ ५० | ०८ २३ ३९ २८ | ०२ १५ ५१ १४ | ०८ १५ ५१ १४ |
| ३० | शनि | ०७ १३ २२ २८ | ०८ २५ ४२ १६ | ०६ १२ ५६ २५ | ०६ २३ ३१ ५३ | ०८ ०५ १५ ५५ | ०८ १० ५१ ११ | ०८ २३ ४५ २४ | ०२ १५ ४८ ०४ | ०८ १५ ४८ ०४ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, दिसम्बर २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | रवि | ०७ १४ २३ १६ | ०६ ०८ २० ०० | ०६ १३ ३६ ०६ | ०६ २४ ४० ५६ | ०८ ०५ २६ १२ | ०८ १२ ०५ ३२ | ०८ २३ ५१ २३ | ०२ १५ ४४ ५३ | ०८ १५ ४४ ५३ |
| २ | सोम | ०७ १५ २४ ०६ | ०६ २० ३६ ४८ | ०६ १४ १५ ४६ | ०६ २५ ५३ २३ | ०८ ०५ ४२ ३० | ०८ १३ १६ ५२ | ०८ २३ ५७ २५ | ०२ १५ ४१ ४२ | ०८ १५ ४१ ४२ |
| ३ | मंगल | ०७ १६ २४ ५६ | १० ०२ ४५ ४० | ०६ १४ ५५ ३२ | ०६ २७ ०८ ३८ | ०८ ०५ ५५ ५२ | ०८ १४ ३४ ११ | ०८ २४ ०३ ३० | ०२ १५ ३८ ३१ | ०८ १५ ३८ ३१ |
| ४ | बुध | ०७ १७ २५ ४७ | १० १४ ४२ १४ | ०६ १५ ३५ १७ | ०६ २८ २६ २० | ०८ ०६ ०६ १५ | ०८ १५ ४८ २८ | ०८ २४ ०६ ३८ | ०२ १५ ३५ २१ | ०८ १५ ३५ २१ |
| ५ | गुरु | ०७ १८ २६ ३६ | १० २६ ३४ २८ | ०६ १६ १५ ०३ | ०६ २६ ४६ ०७ | ०८ ०६ २२ ४० | ०८ १७ ०२ ४५ | ०८ २४ १५ ४८ | ०२ १५ ३२ १० | ०८ १५ ३२ १० |
| ६ | शुक्र | ०७ १६ २७ ३२ | ११ ०८ २७ १३ | ०६ १६ ५४ ५० | ०७ ०१ ०७ ४२ | ०८ ०६ ३६ ०७ | ०८ १८ १७ ०१ | ०८ २४ २२ ०२ | ०२ १५ २८ ५६ | ०८ १५ २८ ५६ |
| ७ | शनि | ०७ २० २८ २६ | ११ २० २५ ०६ | ०६ १७ ३४ ३८ | ०७ ०२ ३० ४८ | ०८ ०६ ४६ ३६ | ०८ १६ ३१ १६ | ०८ २४ २८ १८ | ०२ १५ २५ ४८ | ०८ १५ २५ ४८ |
| ८ | रवि | ०७ २१ २६ २० | ०० ०२ ३२ ०८ | ०६ १८ १४ २७ | ०७ ०३ ५५ १३ | ०८ ०७ ०३ ०७ | ०८ २० ४५ २६ | ०८ २४ ३४ ३६ | ०२ १५ २२ ३८ | ०८ १५ २२ ३८ |
| ९ | सोम | ०७ २२ ३० १५ | ०० १४ ५१ ३७ | ०६ १८ ५४ १८ | ०७ ०५ २० ४६ | ०८ ०७ १६ ३६ | ०८ २१ ५६ ४१ | ०८ २४ ४० ५७ | ०२ १५ १६ २७ | ०८ १५ १६ २७ |
| १० | मंगल | ०७ २३ ३१ ११ | ०० २७ २५ ५३ | ०६ १६ ३४ १० | ०७ ०६ ४७ १६ | ०८ ०७ ३० १३ | ०८ २३ १३ ५२ | ०८ २४ ४७ २१ | ०२ १५ १६ १६ | ०८ १५ १६ १६ |
| ११ | बुध | ०७ २४ ३२ ०८ | ०१ १० १६ १५ | ०६ २० १४ ०३ | ०७ ०८ १४ ३६ | ०८ ०७ ४३ ४८ | ०८ २४ २८ ०२ | ०८ २४ ५३ ४६ | ०२ १५ १३ ०५ | ०८ १५ १३ ०५ |
| १२ | गुरु | ०७ २५ ३३ ०६ | ०१ २३ २२ ५३ | ०६ २० ५३ ५७ | ०७ ०६ ४२ ३८ | ०८ ०७ ५७ २५ | ०८ २५ ४२ १० | ०८ २५ ०० १४ | ०२ १५ ०६ ५४ | ०८ १५ ०६ ५४ |
| १३ | शुक्र | ०७ २६ ३४ ०४ | ०२ ०६ ४४ ५६ | ०६ २१ ३३ ५३ | ०७ ११ ११ १७ | ०८ ०८ ११ ०३ | ०८ २६ ५६ १७ | ०८ २५ ०६ ४५ | ०२ १५ ०६ ४४ | ०८ १५ ०६ ४४ |
| १४ | शनि | ०७ २७ ३५ ०४ | ०२ २० २० ५६ | ०६ २२ १३ ५० | ०७ १२ ४० २८ | ०८ ०८ २४ ४३ | ०८ २८ १० २३ | ०८ २५ १३ १७ | ०२ १५ ०३ ३३ | ०८ १५ ०३ ३३ |
| १५ | रवि | ०७ २८ ३६ ०४ | ०३ ०४ ०८ ३६ | ०६ २२ ५३ ४६ | ०७ १४ १० ०६ | ०८ ०८ ३८ २४ | ०८ २६ २४ २७ | ०८ २५ १६ ५२ | ०२ १५ ०० २२ | ०८ १५ ०० २२ |
| १६ | सोम | ०७ २६ ३७ ०५ | ०३ १८ ०५ ३२ | ०६ २३ ३३ ४८ | ०७ १५ ४० १० | ०८ ०८ ५२ ०६ | ०६ ०० ३८ ३० | ०८ २५ २६ २६ | ०२ १४ ५७ ११ | ०८ १४ ५७ ११ |
| १७ | मंगल | ०८ ०० ३८ ०७ | ०४ ०२ ०६ २२ | ०६ २४ १३ ५० | ०७ १७ १० ३५ | ०८ ०६ ०५ ४६ | ०६ ०१ ५२ ३१ | ०८ २५ ३३ ०८ | ०२ १४ ५४ ०१ | ०८ १४ ५४ ०१ |
| १८ | बुध | ०८ ०१ ३६ ११ | ०४ १६ १७ ४६ | ०६ २४ ५३ ५२ | ०७ १८ ४१ २० | ०८ ०६ १६ ३३ | ०६ ०३ ०६ ३१ | ०८ २५ ३६ ४८ | ०२ १४ ५० ५० | ०८ १४ ५० ५० |
| १९ | गुरु | ०८ ०२ ४० १५ | ०५ ०० २८ ३५ | ०६ २५ ३३ ५६ | ०७ २० १२ २३ | ०८ ०६ ३३ १८ | ०६ ०४ २० ३० | ०८ २५ ४६ ३१ | ०२ १४ ४७ ३६ | ०८ १४ ४७ ३६ |
| २० | शुक्र | ०८ ०३ ४१ २० | ०५ १४ ३६ ४२ | ०६ २६ १४ ०२ | ०७ २१ ४३ ४२ | ०८ ०६ ४७ ०४ | ०६ ०५ ३४ २७ | ०८ २५ ५३ १५ | ०२ १४ ४४ २८ | ०८ १४ ४४ २८ |
| २१ | शनि | ०८ ०४ ४२ २६ | ०५ २८ ४८ ५४ | ०६ २६ ५४ ०६ | ०७ २३ १५ १७ | ०८ १० ०० ५१ | ०६ ०६ ४८ २२ | ०८ २६ ०० ०१ | ०२ १४ ४१ १८ | ०८ १४ ४१ १८ |
| २२ | रवि | ०८ ०५ ४३ ३२ | ०६ १२ ५३ ४६ | ०६ २७ ३४ १७ | ०७ २४ ४७ ०७ | ०८ १० १४ ३८ | ०६ ०८ ०२ १७ | ०८ २६ ०६ ४६ | ०२ १४ ३८ ०७ | ०८ १४ ३८ ०७ |
| २३ | सोम | ०८ ०६ ४४ ४० | ०६ २६ ५१ ४६ | ०६ २८ १४ २७ | ०७ २६ १६ १२ | ०८ १० २८ २६ | ०६ ०६ १६ ०६ | ०८ २६ १३ ३६ | ०२ १४ ३४ ५६ | ०८ १४ ३४ ५६ |
| २४ | मंगल | ०८ ०७ ४५ ४८ | ०७ १० ४० ११ | ०६ २८ ५४ ३७ | ०७ २७ ५१ ३० | ०८ १० ४२ १५ | ०६ १० ३० ०० | ०८ २६ २० ३० | ०२ १४ ३१ ४५ | ०८ १४ ३१ ४५ |
| २५ | बुध | ०८ ०८ ४६ ५७ | ०७ २४ १६ २१ | ०६ २६ ३४ ४६ | ०७ २६ २४ ०३ | ०८ १० ५६ ०४ | ०६ ११ ४३ ४६ | ०८ २६ २७ २२ | ०२ १४ २८ ३४ | ०८ १४ २८ ३४ |
| २६ | गुरु | ०८ ०६ ४८ ०६ | ०८ ०७ ३८ ०६ | ०७ ०० १५ ०३ | ०८ ०० ५६ ४६ | ०८ ११ ०६ ५३ | ०६ १२ ५७ ३६ | ०८ २६ ३४ १६ | ०२ १४ २५ २४ | ०८ १४ २५ २४ |
| २७ | शुक्र | ०८ १० ४६ १५ | ०८ २० ४३ ५४ | ०७ ०० ५५ १७ | ०८ ०२ २६ ५१ | ०८ ११ २३ ४३ | ०६ १४ ११ २२ | ०८ २६ ४१ ११ | ०२ १४ २२ १३ | ०८ १४ २२ १३ |
| २८ | शनि | ०८ ११ ५० २५ | ०६ ०३ ३३ ०६ | ०७ ०१ ३५ ३२ | ०८ ०४ ०३ ०७ | ०८ ११ ३७ ३१ | ०६ १५ २५ ०५ | ०८ २६ ४८ ०७ | ०२ १४ १६ ०२ | ०८ १४ १६ ०२ |
| २९ | रवि | ०८ १२ ५१ ३५ | ०६ १६ ०६ १७ | ०७ ०२ १५ ४६ | ०८ ०५ ३६ ३८ | ०८ ११ ५१ २२ | ०६ १६ ३८ ४६ | ०८ २६ ५५ ०५ | ०२ १४ १५ ५१ | ०८ १४ १५ ५१ |
| ३० | सोम | ०८ १३ ५२ ४५ | ०६ २८ २४ ४८ | ०७ ०२ ५६ ०७ | ०८ ०७ १० २५ | ०८ १२ ०५ १२ | ०६ १७ ५२ २५ | ०८ २७ ०२ ०४ | ०२ १४ १२ ४१ | ०८ १४ १२ ४१ |
| ३१ | मंगल | ०८ १४ ५३ ५५ | १० १० ३१ १० | ०७ ०३ ३६ २६ | ०८ ०८ ४४ २६ | ०८ १२ १६ ०२ | ०६ १६ ०६ ०१ | ०८ २७ ०६ ०३ | ०२ १४ ०६ ३० | ०८ १४ ०६ ३० |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जनवरी २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | बुध | ०८ १५ ५५ ०५ | १० २२ २८ ४३ | ०७ ०४ १६ ४६ | ०८ १० १८ ५० | ०८ १२ ३२ ५२ | ०९ २० १९ ३५ | ०८ २७ १६ ०४ | ०२ १४ ०६ १९ | ०८ १४ ०६ १९ |
| २ | गुरु | ०८ १६ ५६ १५ | ११ ०४ २१ २८ | ०७ ०४ ५७ ०७ | ०८ ११ ५३ ३० | ०८ १२ ४६ ४१ | ०९ २१ ३३ ०६ | ०८ २७ २३ ०५ | ०२ १४ ०३ ०८ | ०८ १४ ०३ ०८ |
| ३ | शुक्र | ०८ १७ ५७ २५ | ११ १६ १३ ५४ | ०७ ०५ ३७ ३० | ०८ १३ २८ २८ | ०८ १३ ०० ३० | ०९ २२ ४६ ३४ | ०८ २७ ३० ०८ | ०२ १३ ५९ ५७ | ०८ १३ ५९ ५७ |
| ४ | शनि | ०८ १८ ५८ ३४ | ११ २८ १० ४१ | ०७ ०६ १७ ५३ | ०८ १५ ०३ ४६ | ०८ १३ १४ १८ | ०९ २३ ५९ ५९ | ०८ २७ ३७ ११ | ०२ १३ ५६ ४७ | ०८ १३ ५६ ४७ |
| ५ | रवि | ०८ १९ ५९ ४३ | ०० १० १६ ३४ | ०७ ०६ ५८ १८ | ०८ १६ ३९ २५ | ०८ १३ २८ ०६ | ०९ २५ १३ २२ | ०८ २७ ४४ १४ | ०२ १३ ५३ ३६ | ०८ १३ ५३ ३६ |
| ६ | सोम | ०८ २१ ०० ५२ | ०० २२ ३५ ५९ | ०७ ०७ ३८ ४४ | ०८ १८ १५ २५ | ०८ १३ ४१ ५३ | ०९ २६ २६ ४१ | ०८ २७ ५१ १९ | ०२ १३ ५० २५ | ०८ १३ ५० २५ |
| ७ | मंगल | ०८ २२ ०२ ०१ | ०१ ०५ १२ ४७ | ०७ ०८ १९ ११ | ०८ १९ ५१ ४६ | ०८ १३ ५५ ४० | ०९ २७ ३९ ५७ | ०८ २७ ५८ २३ | ०२ १३ ४७ १४ | ०८ १३ ४७ १४ |
| ८ | बुध | ०८ २३ ०३ ०९ | ०१ १८ ०९ ५१ | ०७ ०८ ५९ ३९ | ०८ २१ २८ ३५ | ०८ १४ ०९ २६ | ०९ २८ ५३ १० | ०८ २८ ०५ २८ | ०२ १३ ४४ ०४ | ०८ १३ ४४ ०४ |
| ९ | गुरु | ०८ २४ ०४ १७ | ०२ ०१ २८ ४५ | ०७ ०९ ४० ०८ | ०८ २३ ०५ ४६ | ०८ १४ २३ ११ | १० ०० ०६ १९ | ०८ २८ १२ ३४ | ०२ १३ ४० ५३ | ०८ १३ ४० ५३ |
| १० | शुक्र | ०८ २५ ०५ २५ | ०२ १५ ०९ २४ | ०७ १० २० ३९ | ०८ २४ ४३ २२ | ०८ १४ ३६ ५५ | १० ०१ १९ २४ | ०८ २८ १९ ४० | ०२ १३ ३७ ४२ | ०८ १३ ३७ ४२ |
| ११ | शनि | ०८ २६ ०६ ३२ | ०२ २९ ०९ ५३ | ०७ ११ ०१ ११ | ०८ २६ २१ २४ | ०८ १४ ५० ३८ | १० ०२ ३२ २७ | ०८ २८ २६ ४६ | ०२ १३ ३४ ३१ | ०८ १३ ३४ ३१ |
| १२ | रवि | ०८ २७ ०७ ३९ | ०३ १३ २६ २८ | ०७ ११ ४१ ४५ | ०८ २७ ५९ ५२ | ०८ १५ ०४ २१ | १० ०३ ४५ २५ | ०८ २८ ३३ ५२ | ०२ १३ ३१ २१ | ०८ १३ ३१ २१ |
| १३ | सोम | ०८ २८ ०८ ४६ | ०३ २७ ५४ ०२ | ०७ १२ २२ १९ | ०८ २९ ३८ ४८ | ०८ १५ १८ ०२ | १० ०४ ५८ २० | ०८ २८ ४० ५९ | ०२ १३ २८ १० | ०८ १३ २८ १० |
| १४ | मंगल | ०८ २९ ०९ ५३ | ०४ १२ २६ ३८ | ०७ १३ ०२ ५५ | ०९ ०१ १८ ११ | ०८ १५ ३१ ४१ | १० ०६ ११ १० | ०८ २८ ४८ ०४ | ०२ १३ २४ ५९ | ०८ १३ २४ ५९ |
| १५ | बुध | ०९ ०० ११ ०० | ०४ २६ ५८ २१ | ०७ १३ ४३ ३३ | ०९ ०२ ५८ ०२ | ०८ १५ ४५ २० | १० ०७ २३ ५७ | ०८ २८ ५५ ११ | ०२ १३ २१ ४८ | ०८ १३ २१ ४८ |
| १६ | गुरु | ०९ ०१ १२ ०६ | ०५ ११ २४ ०२ | ०७ १४ २४ १२ | ०९ ०४ ३८ २१ | ०८ १५ ५८ ५७ | १० ०८ ३६ ४१ | ०८ २९ ०२ १८ | ०२ १३ १८ ३७ | ०८ १३ १८ ३७ |
| १७ | शुक्र | ०९ ०२ १३ १३ | ०५ २५ ३९ ४६ | ०७ १५ ०४ ५२ | ०९ ०६ १९ ०७ | ०८ १६ १२ ३३ | १० ०९ ४९ २० | ०८ २९ ०९ २४ | ०२ १३ १५ २७ | ०८ १३ १५ २७ |
| १८ | शनि | ०९ ०३ १४ १९ | ०६ ०९ ४३ ०५ | ०७ १५ ४५ ३४ | ०९ ०८ ०० २१ | ०८ १६ २६ ०८ | १० ११ ०१ ५५ | ०८ २९ १६ ३० | ०२ १३ १२ १६ | ०८ १३ १२ १६ |
| १९ | रवि | ०९ ०४ १५ २५ | ०६ २३ ३२ ४७ | ०७ १६ २६ १७ | ०९ ०९ ४२ ०१ | ०८ १६ ३९ ४० | १० १२ १४ २६ | ०८ २९ २३ ३६ | ०२ १३ ०९ ०५ | ०८ १३ ०९ ०५ |
| २० | सोम | ०९ ०५ १६ ३० | ०७ ०७ ०८ ३८ | ०७ १७ ०७ ०१ | ०९ ११ २४ ०५ | ०८ १६ ५३ १२ | १० १३ २६ ५३ | ०८ २९ ३० ४१ | ०२ १३ ०५ ५४ | ०८ १३ ०५ ५४ |
| २१ | मंगल | ०९ ०६ १७ ३६ | ०७ २० ३० ५५ | ०७ १७ ४७ ४६ | ०९ १३ ०६ ३२ | ०८ १७ ०६ ४१ | १० १४ ३९ १५ | ०८ २९ ३७ ४६ | ०२ १३ ०२ ४४ | ०८ १३ ०२ ४४ |
| २२ | बुध | ०९ ०७ १८ ४१ | ०८ ०३ ४० १२ | ०७ १८ २८ ३३ | ०९ १४ ४९ २० | ०८ १७ २० ०८ | १० १५ ५१ ३३ | ०८ २९ ४४ ५१ | ०२ १२ ५९ ३३ | ०८ १२ ५९ ३३ |
| २३ | गुरु | ०९ ०८ १९ ४५ | ०८ १६ ३७ ०० | ०७ १९ ०९ २० | ०९ १६ ३२ २४ | ०८ १७ ३३ ३४ | १० १७ ०३ ४६ | ०८ २९ ५१ ५५ | ०२ १२ ५६ २२ | ०८ १२ ५६ २२ |
| २४ | शुक्र | ०९ ०९ २० ४९ | ०८ २९ २१ ४८ | ०७ १९ ५० ०९ | ०९ १८ १५ ४२ | ०८ १७ ४६ ५८ | १० १८ १५ ५५ | ०८ २९ ५८ ५९ | ०२ १२ ५३ ११ | ०८ १२ ५३ ११ |
| २५ | शनि | ०९ १० २१ ५२ | ०९ ११ ५५ ०१ | ०७ २० ३० ५९ | ०९ १९ ५९ ०८ | ०८ १८ ०० १९ | १० १९ २७ ५९ | ०९ ०० ०६ ०१ | ०२ १२ ५० ०१ | ०८ १२ ५० ०१ |
| २६ | रवि | ०९ ११ २२ ५४ | ०९ २४ १७ १० | ०७ २१ ११ ५० | ०९ २१ ४२ ३६ | ०८ १८ १३ ३८ | १० २० ३९ ५७ | ०९ ०० १३ ०३ | ०२ १२ ४६ ५० | ०८ १२ ४६ ५० |
| २७ | सोम | ०९ १२ २३ ५६ | १० ०६ २९ ०८ | ०७ २१ ५२ ४२ | ०९ २३ २५ ५८ | ०८ १८ २६ ५५ | १० २१ ५१ ५१ | ०९ ०० २० ०४ | ०२ १२ ४३ ३९ | ०८ १२ ४३ ३९ |
| २८ | मंगल | ०९ १३ २४ ५६ | १० १८ ३२ १६ | ०७ २२ ३३ ३५ | ०९ २५ ०९ ०५ | ०८ १८ ४० ०९ | १० २३ ०३ ३८ | ०९ ०० २७ ०४ | ०२ १२ ४० २८ | ०८ १२ ४० २८ |
| २९ | बुध | ०९ १४ २५ ५६ | ११ ०० २८ ३३ | ०७ २३ १४ २९ | ०९ २६ ५१ ४७ | ०८ १८ ५३ २१ | १० २४ १५ २० | ०९ ०० ३४ ०३ | ०२ १२ ३७ १७ | ०८ १२ ३७ १७ |
| ३० | गुरु | ०९ १५ २६ ५४ | ११ १२ २० ४० | ०७ २३ ५५ २४ | ०९ २८ ३३ ५० | ०८ १९ ०६ ३० | १० २५ २६ ५७ | ०९ ०० ४१ ०१ | ०२ १२ ३४ ०७ | ०८ १२ ३४ ०७ |
| ३१ | शुक्र | ०९ १६ २७ ५१ | ११ २४ १२ ०० | ०७ २४ ३६ २० | १० ०० १४ ५९ | ०८ १९ १९ ३७ | १० २६ ३८ २७ | ०९ ०० ४७ ५८ | ०२ १२ ३० ५६ | ०८ १२ ३० ५६ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, फरवरी २०२० ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | शनि | ०९ १७ २८ ४७ | ०० ०६ ०६ ३७ | ०७ २५ १७ १७ | १० ०१ ५४ ५६ | ०८ १९ ३२ ४१ | १० २७ ४९ ५१ | ०९ ०० ५४ ५४ | ०२ १२ २७ ४५ | ०८ १२ २७ ४५ |
| २ | रवि | ०९ १८ २९ ४२ | ०० १८ ०९ ०३ | ०७ २५ ५८ १५ | १० ०३ ३३ २१ | ०८ १९ ४५ ४२ | १० २९ ०१ ०८ | ०९ ०१ ०१ ४८ | ०२ १२ २४ ३४ | ०८ १२ २४ ३४ |
| ३ | सोम | ०९ १९ ३० ३५ | ०१ ०० २४ ११ | ०७ २६ ३९ १४ | १० ०५ ०९ ५० | ०८ १९ ५८ ३९ | ११ ०० १२ १९ | ०९ ०१ ०८ ४१ | ०२ १२ २१ २४ | ०८ १२ २१ २४ |
| ४ | मंगल | ०९ २० ३१ २७ | ०१ १२ ५६ ४९ | ०७ २७ २० १४ | १० ०६ ४३ ५७ | ०८ २० ११ ३४ | ११ ०१ २३ २३ | ०९ ०१ १५ ३३ | ०२ १२ १८ १३ | ०८ १२ १८ १३ |
| ५ | बुध | ०९ २१ ३२ १८ | ०१ २५ ५१ २२ | ०७ २८ ०१ १६ | १० ०८ १५ १० | ०८ २० २४ २६ | ११ ०२ ३४ १९ | ०९ ०१ २२ २३ | ०२ १२ १५ ०२ | ०८ १२ १५ ०२ |
| ६ | गुरु | ०९ २२ ३३ ०७ | ०२ ०९ ११ १३ | ०७ २८ ४२ १८ | १० ०९ ४२ ५५ | ०८ २० ३७ १५ | ११ ०३ ४५ ०९ | ०९ ०१ २९ ११ | ०२ १२ ११ ५१ | ०८ १२ ११ ५१ |
| ७ | शुक्र | ०९ २३ ३३ ५५ | ०२ २२ ५८ ०७ | ०७ २९ २३ २१ | १० ११ ०६ ३७ | ०८ २० ५० ०० | ११ ०४ ५५ ५१ | ०९ ०१ ३५ ५८ | ०२ १२ ०८ ४० | ०८ १२ ०८ ४० |
| ८ | शनि | ०९ २४ ३४ ४२ | ०३ ०७ ११ २८ | ०८ ०० ०४ २६ | १० १२ २५ ३४ | ०८ २१ ०२ ४२ | ११ ०६ ०६ २५ | ०९ ०१ ४२ ४४ | ०२ १२ ०५ ३० | ०८ १२ ०५ ३० |
| ९ | रवि | ०९ २५ ३५ २७ | ०३ २१ ४७ ४९ | ०८ ०० ४५ ३२ | १० १३ ३९ ०५ | ०८ २१ १५ २१ | ११ ०७ १६ ५२ | ०९ ०१ ४९ २७ | ०२ १२ ०२ १९ | ०८ १२ ०२ १९ |
| १० | सोम | ०९ २६ ३६ ११ | ०४ ०६ ४० ५१ | ०८ ०१ २६ ३९ | १० १४ ४६ २४ | ०८ २१ २७ ५६ | ११ ०८ २७ १० | ०९ ०१ ५६ ०९ | ०२ ११ ५९ ०८ | ०८ ११ ५९ ०८ |
| ११ | मंगल | ०९ २७ ३६ ५३ | ०४ २१ ४१ ५८ | ०८ ०२ ०७ ४७ | १० १५ ४६ ४७ | ०८ २१ ४० २७ | ११ ०९ ३७ २१ | ०९ ०२ ०२ ४९ | ०२ ११ ५५ ५७ | ०८ ११ ५५ ५७ |
| १२ | बुध | ०९ २८ ३७ ३५ | ०५ ०६ ४१ ४३ | ०८ ०२ ४८ ५६ | १० १६ ३९ २८ | ०८ २१ ५२ ५५ | ११ १० ४७ २३ | ०९ ०२ ०९ २६ | ०२ ११ ५२ ४७ | ०८ ११ ५२ ४७ |
| १३ | गुरु | ०९ २९ ३८ १५ | ०५ २१ ३१ १६ | ०८ ०३ ३० ०७ | १० १७ २३ ४६ | ०८ २२ ०५ १९ | ११ ११ ५७ १६ | ०९ ०२ १६ ०२ | ०२ ११ ४९ ३६ | ०८ ११ ४९ ३६ |
| १४ | शुक्र | १० ०० ३८ ५४ | ०६ ०६ ०३ ५० | ०८ ०४ ११ १८ | १० १७ ५९ ०० | ०८ २२ १७ ४० | ११ १३ ०७ ०१ | ०९ ०२ २२ ३६ | ०२ ११ ४६ २५ | ०८ ११ ४६ २५ |
| १५ | शनि | १० ०१ ३९ ३२ | ०६ २० १५ २१ | ०८ ०४ ५२ ३१ | १० १८ २४ ३७ | ०८ २२ २९ ५६ | ११ १४ १६ ३७ | ०९ ०२ २९ ०८ | ०२ ११ ४३ १४ | ०८ ११ ४३ १४ |
| १६ | रवि | १० ०२ ४० ०९ | ०७ ०४ ०४ २५ | ०८ ०५ ३३ ४६ | १० १८ ४० ०९ | ०८ २२ ४२ ०९ | ११ १५ २६ ०५ | ०९ ०२ ३५ ३८ | ०२ ११ ४० ०४ | ०८ ११ ४० ०४ |
| १७ | सोम | १० ०३ ४० ४५ | ०७ १७ ३१ ५१ | ०८ ०६ १५ ०१ | १० १८ ४५ २१ | ०८ २२ ५४ १७ | ११ १६ ३५ २३ | ०९ ०२ ४२ ०५ | ०२ ११ ३६ ५३ | ०८ ११ ३६ ५३ |
| १८ | मंगल | १० ०४ ४१ १९ | ०८ ०० ३९ ४६ | ०८ ०६ ५६ १७ | १० १८ ४० ०७ | ०८ २३ ०६ २१ | ११ १७ ४४ ३२ | ०९ ०२ ४८ ३० | ०२ ११ ३३ ४२ | ०८ ११ ३३ ४२ |
| १९ | बुध | १० ०५ ४१ ५३ | ०८ १३ ३१ ०० | ०८ ०७ ३७ ३४ | १० १८ २४ ३३ | ०८ २३ १८ २१ | ११ १८ ५३ ३१ | ०९ ०२ ५४ ५३ | ०२ ११ ३० ३१ | ०८ ११ ३० ३१ |
| २० | गुरु | १० ०६ ४२ २५ | ०८ २६ ०८ २३ | ०८ ०८ १८ ५३ | १० १७ ५९ ०२ | ०८ २३ ३० १६ | ११ २० ०२ २१ | ०९ ०३ ०१ १३ | ०२ ११ २७ २० | ०८ ११ २७ २० |
| २१ | शुक्र | १० ०७ ४२ ५५ | ०९ ०८ ३४ ३० | ०८ ०९ ०० १२ | १० १७ २४ १३ | ०८ २३ ४२ ०७ | ११ २१ ११ ०१ | ०९ ०३ ०७ ३० | ०२ ११ २४ १० | ०८ ११ २४ १० |
| २२ | शनि | १० ०८ ४३ २५ | ०९ २० ५१ २४ | ०८ ०९ ४१ ३२ | १० १६ ४० ५८ | ०८ २३ ५३ ५४ | ११ २२ १९ ३० | ०९ ०३ १३ ४६ | ०२ ११ २० ५९ | ०८ ११ २० ५९ |
| २३ | रवि | १० ०९ ४३ ५२ | १० ०३ ०० ४१ | ०८ १० २२ ५३ | १० १५ ५० २५ | ०८ २४ ०५ ३५ | ११ २३ २७ ४९ | ०९ ०३ १९ ५८ | ०२ ११ १७ ४८ | ०८ ११ १७ ४८ |
| २४ | सोम | १० १० ४४ १८ | १० १५ ०३ ३६ | ०८ ११ ०४ १५ | १० १४ ५३ ५५ | ०८ २४ १७ १२ | ११ २४ ३५ ५७ | ०९ ०३ २६ ०७ | ०२ ११ १४ ३७ | ०८ ११ १४ ३७ |
| २५ | मंगल | १० ११ ४४ ४३ | १० २७ ०१ १८ | ०८ ११ ४५ ३७ | १० १३ ५२ ५९ | ०८ २४ २८ ४४ | ११ २५ ४३ ५४ | ०९ ०३ ३२ १४ | ०२ ११ ११ २७ | ०८ ११ ११ २७ |
| २६ | बुध | १० १२ ४५ ०५ | ११ ०८ ५५ ०१ | ०८ १२ २७ ०० | १० १२ ४९ १३ | ०८ २४ ४० ११ | ११ २६ ५१ ३९ | ०९ ०३ ३८ १८ | ०२ ११ ०८ १६ | ०८ ११ ०८ १६ |
| २७ | गुरु | १० १३ ४५ २६ | ११ २० ४६ २५ | ०८ १३ ०८ २४ | १० ११ ४४ १६ | ०८ २४ ५१ ३२ | ११ २७ ५९ १२ | ०९ ०३ ४४ १९ | ०२ ११ ०५ ०५ | ०८ ११ ०५ ०५ |
| २८ | शुक्र | १० १४ ४५ ४५ | ०० ०२ ३७ ४३ | ०८ १३ ४९ ४९ | १० १० ३९ ४३ | ०८ २५ ०२ ४९ | ११ २९ ०६ ३३ | ०९ ०३ ५० १७ | ०२ ११ ०१ ५४ | ०८ ११ ०१ ५४ |
| २९ | शनि | १० १५ ४६ ०२ | ०० १४ ३१ ५२ | ०८ १४ ३१ १४ | १० ०९ ३७ ०३ | ०८ २५ १४ ०० | ०० ०० १३ ४२ | ०९ ०३ ५६ १२ | ०२ १० ५८ ४४ | ०८ १० ५८ ४४ |

# विक्रम सम्वत् २०७६, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मार्च २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

| तिथि | दिन | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. | रा. अं. क. वि. |
| १ | रवि | १० १६ ४६ १७ | ०० २६ ३२ ३१ | ०८ १५ १२ ४१ | १० ०८ ३७ ३६ | ०८ २५ २५ ०६ | ०० ०१ २० ३७ | ०९ ०४ ०२ ०४ | ०२ १० ५५ ३३ | ०८ १० ५५ ३३ |
| २ | सोम | १० १७ ४६ ३० | ०१ ०८ ४४ ०२ | ०८ १५ ५४ ०७ | १० ०७ ४२ २९ | ०८ २५ ३६ ०६ | ०० ०२ २७ १९ | ०९ ०४ ०७ ५२ | ०२ १० ५२ २२ | ०८ १० ५२ २२ |
| ३ | मंगल | १० १८ ४६ ४१ | ०१ २१ ११ १५ | ०८ १६ ३५ ३५ | १० ०६ ५२ ३६ | ०८ २५ ४७ ०० | ०० ०३ ३३ ४७ | ०९ ०४ १३ ३७ | ०२ १० ४९ ११ | ०८ १० ४९ ११ |
| ४ | बुध | १० १९ ४६ ५० | ०२ ०३ ५९ ०४ | ०८ १७ १७ ०३ | १० ०६ ०८ ४० | ०८ २५ ५७ ४९ | ०० ०४ ४० ०१ | ०९ ०४ १९ १९ | ०२ १० ४६ ०० | ०८ १० ४६ ०० |
| ५ | गुरु | १० २० ४६ ५७ | ०२ १७ १२ ०२ | ०८ १७ ५८ ३२ | १० ०५ ३१ ०७ | ०८ २६ ०८ ३३ | ०० ०५ ४६ ०० | ०९ ०४ २४ ५८ | ०२ १० ४२ ५० | ०८ १० ४२ ५० |
| ६ | शुक्र | १० २१ ४७ ०१ | ०३ ०० ५३ ३१ | ०८ १८ ४० ०२ | १० ०५ ०० १७ | ०८ २६ १९ १० | ०० ०६ ५१ ४३ | ०९ ०४ ३० ३३ | ०२ १० ३९ ३९ | ०८ १० ३९ ३९ |
| ७ | शनि | १० २२ ४७ ०४ | ०३ १५ ०४ ५४ | ०८ १९ २१ ३२ | १० ०४ ३६ १६ | ०८ २६ २९ ४२ | ०० ०७ ५७ १२ | ०९ ०४ ३६ ०४ | ०२ १० ३६ २८ | ०८ १० ३६ २८ |
| ८ | रवि | १० २३ ४७ ०४ | ०३ २९ ४४ २८ | ०८ २० ०३ ०४ | १० ०४ १९ ०५ | ०८ २६ ४० ०७ | ०० ०९ ०२ २४ | ०९ ०४ ४१ ३२ | ०२ १० ३३ १७ | ०८ १० ३३ १७ |
| ९ | सोम | १० २४ ४७ ०२ | ०४ १४ ४६ ५२ | ०८ २० ४४ ३६ | १० ०४ ०८ ३७ | ०८ २६ ५० २६ | ०० १० ०७ १९ | ०९ ०४ ४६ ५७ | ०२ १० ३० ०७ | ०८ १० ३० ०७ |
| १० | मंगल | १० २५ ४६ ५९ | ०५ ०० ०३ १४ | ०८ २१ २६ ०९ | १० ०४ ०४ ४१ | ०८ २७ ०० ३९ | ०० ११ ११ ५८ | ०९ ०४ ५२ १७ | ०२ १० २६ ५६ | ०८ १० २६ ५६ |
| ११ | बुध | १० २६ ४६ ५३ | ०५ १५ २२ २४ | ०८ २२ ०७ ४३ | १० ०४ ०७ ०२ | ०८ २७ १० ४६ | ०० १२ १६ १९ | ०९ ०४ ५७ ३५ | ०२ १० २३ ४५ | ०८ १० २३ ४५ |
| १२ | गुरु | १० २७ ४६ ४६ | ०६ ०० ३२ ५० | ०८ २२ ४९ १८ | १० ०४ १५ २४ | ०८ २७ २० ४७ | ०० १३ २० २३ | ०९ ०५ ०२ ४८ | ०२ १० २० ३४ | ०८ १० २० ३४ |
| १३ | शुक्र | १० २८ ४६ ३७ | ०६ १५ २४ ४९ | ०८ २३ ३० ५३ | १० ०४ २९ २८ | ०८ २७ ३० ४१ | ०० १४ २४ ०८ | ०९ ०५ ०७ ५७ | ०२ १० १७ २४ | ०८ १० १७ २४ |
| १४ | शनि | १० २९ ४६ २६ | ०६ २९ ५१ ४८ | ०८ २४ १२ ३० | १० ०४ ४८ ५७ | ०८ २७ ४० २९ | ०० १५ २७ ३५ | ०९ ०५ १३ ०३ | ०२ १० १४ १३ | ०८ १० १४ १३ |
| १५ | रवि | ११ ०० ४६ १४ | ०७ १३ ५० ५३ | ०८ २४ ५४ ०७ | १० ०५ १३ ३० | ०८ २७ ५० १० | ०० १६ ३० ४३ | ०९ ०५ १८ ०५ | ०२ १० ११ ०२ | ०८ १० ११ ०२ |
| १६ | सोम | ११ ०१ ४६ ०० | ०७ २७ २२ २२ | ०८ २५ ३५ ४५ | १० ०५ ४२ ५१ | ०८ २७ ५९ ४४ | ०० १७ ३३ ३१ | ०९ ०५ २३ ०२ | ०२ १० ०७ ५१ | ०८ १० ०७ ५१ |
| १७ | मंगल | ११ ०२ ४५ ४४ | ०८ १० २८ ४८ | ०८ २६ १७ २३ | १० ०६ १६ ४० | ०८ २८ ०९ ११ | ०० १८ ३५ ५९ | ०९ ०५ २७ ५६ | ०२ १० ०४ ४० | ०८ १० ०४ ४० |
| १८ | बुध | ११ ०३ ४५ २६ | ०८ २३ १४ ०० | ०८ २६ ५९ ०३ | १० ०६ ५४ ४२ | ०८ २८ १८ ३१ | ०० १९ ३८ ०६ | ०९ ०५ ३२ ४५ | ०२ १० ०१ ३० | ०८ १० ०१ ३० |
| १९ | गुरु | ११ ०४ ४५ ०७ | ०९ ०५ ४२ ११ | ०८ २७ ४० ४२ | १० ०७ ३६ ४१ | ०८ २८ २७ ४४ | ०० २० ३९ ५३ | ०९ ०५ ३७ ३१ | ०२ ०९ ५८ १९ | ०८ ०९ ५८ १९ |
| २० | शुक्र | ११ ०५ ४४ ४६ | ०९ १७ ५७ २७ | ०८ २८ २२ २२ | १० ०८ २२ २१ | ०८ २८ ३६ ५० | ०० २१ ४१ १७ | ०९ ०५ ४२ १२ | ०२ ०९ ५५ ०८ | ०८ ०९ ५५ ०८ |
| २१ | शनि | ११ ०६ ४४ २३ | १० ०० ०३ २४ | ०८ २९ ०४ ०३ | १० ०९ ११ २९ | ०८ २८ ४५ ४६ | ०० २२ ४२ १९ | ०९ ०५ ४६ ४८ | ०२ ०९ ५१ ५७ | ०८ ०९ ५१ ५७ |
| २२ | रवि | ११ ०७ ४३ ५९ | १० १२ ०२ ५८ | ०८ २९ ४५ ४४ | १० १० ०३ ५३ | ०८ २८ ५४ ४० | ०० २३ ४२ ५७ | ०९ ०५ ५१ २१ | ०२ ०९ ४८ ४७ | ०८ ०९ ४८ ४७ |
| २३ | सोम | ११ ०८ ४३ ३२ | १० २३ ५८ २४ | ०९ ०० २७ २५ | १० १० ५९ २१ | ०८ २९ ०३ २४ | ०० २४ ४३ १२ | ०९ ०५ ५५ ४९ | ०२ ०९ ४५ ३६ | ०८ ०९ ४५ ३६ |
| २४ | मंगल | ११ ०९ ४३ ०३ | ११ ०५ ५१ २५ | ०९ ०१ ०९ ०७ | १० ११ ५७ ४२ | ०८ २९ १२ ०० | ०० २५ ४३ ०२ | ०९ ०६ ०० १२ | ०२ ०९ ४२ २५ | ०८ ०९ ४२ २५ |
| २५ | बुध | ११ १० ४२ ३३ | ११ १७ ४३ २४ | ०९ ०१ ५० ४८ | १० १२ ५८ ४६ | ०८ २९ २० २८ | ०० २६ ४२ २६ | ०९ ०६ ०४ ३१ | ०२ ०९ ३९ १४ | ०८ ०९ ३९ १४ |
| २६ | गुरु | ११ ११ ४२ ०० | ११ २९ ३५ ३६ | ०९ ०२ ३२ ३० | १० १४ ०२ २६ | ०८ २९ २८ ४८ | ०० २७ ४१ २४ | ०९ ०६ ०८ ४५ | ०२ ०९ ३६ ०३ | ०८ ०९ ३६ ०३ |
| २७ | शुक्र | ११ १२ ४१ २५ | ०० ११ २९ ३८ | ०९ ०३ १४ १२ | १० १५ ०८ ३२ | ०८ २९ ३७ ०१ | ०० २८ ३९ ५४ | ०९ ०६ १२ ५५ | ०२ ०९ ३२ ५३ | ०८ ०९ ३२ ५३ |
| २८ | शनि | ११ १३ ४० ४९ | ०० २३ २७ १७ | ०९ ०३ ५५ ५४ | १० १६ १६ ५८ | ०८ २९ ४५ ०५ | ०० २९ ३७ ५६ | ०९ ०६ १७ ०० | ०२ ०९ २९ ४२ | ०८ ०९ २९ ४२ |
| २९ | रवि | ११ १४ ४० ०९ | ०१ ०५ ३१ ११ | ०९ ०४ ३७ ३६ | १० १७ २७ ३७ | ०८ २९ ५३ ०१ | ०१ ०० ३५ २८ | ०९ ०६ २१ ०० | ०२ ०९ २६ ३१ | ०८ ०९ २६ ३१ |
| ३० | सोम | ११ १५ ३९ २८ | ०१ १७ ४४ ३४ | ०९ ०५ १९ १८ | १० १८ ४० २४ | ०९ ०० ०० ४९ | ०१ ०१ ३२ ३० | ०९ ०६ २४ ५५ | ०२ ०९ २३ २० | ०८ ०९ २३ २० |
| ३१ | मंगल | ११ १६ ३८ ४४ | ०२ ०० ११ २१ | ०९ ०६ ०१ ०० | १० १९ ५५ १३ | ०९ ०० ०८ २९ | ०१ ०२ २९ ०१ | ०९ ०६ २८ ४६ | ०२ ०९ २० १० | ०८ ०९ २० १० |

# विक्रम सम्वत् २०१९-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

## मार्च, २०१९ अयनांश-२४:०७:१४

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | १०:३० | १२:२६ | १४:४० | १७:०१ | १९:१८ | २१:३४ | २३:५४ | ०२:१६ | ०४:२० | ०६:०३ | ०७:३० | ०८:५५ |
| ०२ | १०:२६ | १२:२२ | १४:३७ | १६:५७ | १९:१४ | २१:३० | २३:५० | ०२:१२ | ०४:१७ | ०५:५९ | ०७:२६ | ०८:५१ |
| ०३ | १०:२२ | १२:१८ | १४:३३ | १६:५३ | १९:१० | २१:२७ | २३:४६ | ०२:०९ | ०४:१३ | ०५:५५ | ०७:२२ | ०८:४७ |
| ०४ | १०:१९ | १२:१४ | १४:२९ | १६:४९ | १९:०६ | २१:२३ | २३:४२ | ०२:०५ | ०४:०९ | ०५:५१ | ०७:१८ | ०८:४३ |
| ०५ | १०:१५ | १२:१० | १४:२५ | १६:४५ | १९:०२ | २१:१९ | २३:३८ | ०२:०१ | ०४:०५ | ०५:४७ | ०७:१५ | ०८:३९ |
| ०६ | १०:११ | १२:०६ | १४:२१ | १६:४१ | १८:५८ | २१:१५ | २३:३४ | ०१:५७ | ०४:०१ | ०५:४३ | ०७:११ | ०८:३६ |
| ०७ | १०:०७ | १२:०२ | १४:१७ | १६:३७ | १८:५५ | २१:११ | २३:३० | ०१:५३ | ०३:५७ | ०५:३९ | ०७:०७ | ०८:३२ |
| ०८ | १०:०३ | ११:५८ | १४:१३ | १६:३३ | १८:५१ | २१:०७ | २३:२६ | ०१:४९ | ०३:५३ | ०५:३५ | ०७:०३ | ०८:२८ |
| ०९ | ०९:५९ | ११:५४ | १४:०९ | १६:२९ | १८:४७ | २१:०३ | २३:२२ | ०१:४५ | ०३:४९ | ०५:३१ | ०६:५९ | ०८:२४ |
| १० | ०९:५५ | ११:५० | १४:०५ | १६:२५ | १८:४३ | २०:५९ | २३:१९ | ०१:४१ | ०३:४५ | ०५:२७ | ०६:५५ | ०८:२० |
| ११ | ०९:५१ | ११:४७ | १४:०१ | १६:२१ | १८:३९ | २०:५५ | २३:१५ | ०१:३७ | ०३:४१ | ०५:२३ | ०६:५१ | ०८:१६ |
| १२ | ०९:४७ | ११:४३ | १३:५७ | १६:१८ | १८:३५ | २०:५१ | २३:११ | ०१:३३ | ०३:३७ | ०५:२० | ०६:४७ | ०८:१२ |
| १३ | ०९:४३ | ११:३९ | १३:५३ | १६:१४ | १८:३१ | २०:४७ | २३:०७ | ०१:२९ | ०३:३३ | ०५:१६ | ०६:४३ | ०८:०८ |
| १४ | ०९:३९ | ११:३५ | १३:४९ | १६:१० | १८:२७ | २०:४३ | २३:०३ | ०१:२५ | ०३:२९ | ०५:१२ | ०६:३९ | ०८:०४ |
| १५ | ०९:३५ | ११:३१ | १३:४५ | १६:०६ | १८:२३ | २०:३९ | २२:५९ | ०१:२१ | ०३:२५ | ०५:०८ | ०६:३५ | ०८:०० |
| १६ | ०९:३१ | ११:२७ | १३:४१ | १६:०२ | १८:१९ | २०:३५ | २२:५५ | ०१:१७ | ०३:२१ | ०५:०४ | ०६:३१ | ०७:५६ |
| १७ | ०९:२७ | ११:२३ | १३:३८ | १५:५८ | १८:१५ | २०:३२ | २२:५१ | ०१:१४ | ०३:१८ | ०५:०० | ०६:२७ | ०७:५२ |
| १८ | ०९:२४ | ११:१९ | १३:३४ | १५:५४ | १८:११ | २०:२८ | २२:४७ | ०१:१० | ०३:१४ | ०४:५६ | ०६:२३ | ०७:४८ |
| १९ | ०९:२० | ११:१५ | १३:३० | १५:५० | १८:०७ | २०:२४ | २२:४३ | ०१:०६ | ०३:१० | ०४:५२ | ०६:१९ | ०७:४४ |
| २० | ०९:१६ | ११:११ | १३:२६ | १५:४६ | १८:०३ | २०:२० | २२:३९ | ०१:०२ | ०३:०६ | ०४:४८ | ०६:१६ | ०७:४० |
| २१ | ०९:१२ | ११:०७ | १३:२२ | १५:४२ | १७:५९ | २०:१६ | २२:३५ | ००:५८ | ०३:०२ | ०४:४४ | ०६:१२ | ०७:३७ |
| २२ | ०९:०८ | ११:०३ | १३:१८ | १५:३८ | १७:५६ | २०:१२ | २२:३१ | ००:५४ | ०२:५८ | ०४:४० | ०६:०८ | ०७:३३ |
| २३ | ०९:०४ | १०:५९ | १३:१४ | १५:३४ | १७:५२ | २०:०८ | २२:२७ | ००:५० | ०२:५४ | ०४:३६ | ०६:०४ | ०७:२९ |
| २४ | ०९:०० | १०:५५ | १३:१० | १५:३० | १७:४८ | २०:०४ | २२:२३ | ००:४६ | ०२:५० | ०४:३२ | ०६:०० | ०७:२५ |
| २५ | ०८:५६ | १०:५१ | १३:०६ | १५:२६ | १७:४४ | २०:०० | २२:२० | ००:४२ | ०२:४६ | ०४:२८ | ०५:५६ | ०७:२१ |
| २६ | ०८:५२ | १०:४८ | १३:०२ | १५:२२ | १७:४० | १९:५६ | २२:१६ | ००:३८ | ०२:४२ | ०४:२५ | ०५:५२ | ०७:१७ |
| २७ | ०८:४८ | १०:४४ | १२:५८ | १५:१९ | १७:३६ | १९:५२ | २२:१२ | ००:३४ | ०२:३८ | ०४:२१ | ०५:४८ | ०७:१३ |
| २८ | ०८:४४ | १०:४० | १२:५४ | १५:१५ | १७:३२ | १९:४८ | २२:०८ | ००:३० | ०२:३४ | ०४:१७ | ०५:४४ | ०७:०९ |
| २९ | ०८:४० | १०:३६ | १२:५० | १५:११ | १७:२८ | १९:४४ | २२:०४ | ००:२६ | ०२:३० | ०४:१३ | ०५:४० | ०७:०५ |
| ३० | ०८:३६ | १०:३२ | १२:४६ | १५:०७ | १७:२४ | १९:४० | २२:०० | ००:२२ | ०२:२६ | ०४:०९ | ०५:३६ | ०७:०१ |
| ३१ | ०८:३२ | १०:२८ | १२:४२ | १५:०३ | १७:२० | १९:३६ | २१:५६ | ००:१८ | ०२:२३ | ०४:०५ | ०५:३२ | ०६:५७ |

## अप्रैल २०१९ अयनांश-२४:०७:१७

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | ०८:२८ | १०:२४ | १२:३९ | १४:५९ | १७:१६ | १९:३३ | २१:५२ | ००:१५ | ०२:१९ | ०४:०१ | ०५:२८ | ०६:५३ |
| ०२ | ०८:२५ | १०:२० | १२:३५ | १४:५५ | १७:१२ | १९:२९ | २१:४८ | ००:११ | ०२:१५ | ०३:५७ | ०५:२४ | ०६:४९ |
| ०३ | ०८:२१ | १०:१६ | १२:३१ | १४:५१ | १७:०८ | १९:२५ | २१:४४ | ००:०७ | ०२:११ | ०३:५३ | ०५:२१ | ०६:४५ |
| ०४ | ०८:१७ | १०:१२ | १२:२७ | १४:४७ | १७:०४ | १९:२१ | २१:४० | ००:०३/२३:५९ | ०२:०७ | ०३:४९ | ०५:१७ | ०६:४२ |
| ०५ | ०८:१३ | १०:०८ | १२:२३ | १४:४३ | १७:०० | १९:१७ | २१:३६ | २३:५५ | ०२:०३ | ०३:४५ | ०५:१३ | ०६:३८ |
| ०६ | ०८:०९ | १०:०४ | १२:१९ | १४:३९ | १६:५७ | १९:१३ | २१:३२ | २३:५१ | ०१:५९ | ०३:४१ | ०५:०९ | ०६:३४ |
| ०७ | ०८:०५ | १०:०० | १२:१५ | १४:३५ | १६:५३ | १९:०९ | २१:२८ | २३:४७ | ०१:५५ | ०३:३७ | ०५:०५ | ०६:३० |
| ०८ | ०८:०१ | ०९:५६ | १२:११ | १४:३१ | १६:४९ | १९:०५ | २१:२५ | २३:४३ | ०१:५१ | ०३:३३ | ०५:०१ | ०६:२६ |
| ०९ | ०७:५७ | ०९:५३ | १२:०७ | १४:२७ | १६:४५ | १९:०१ | २१:२१ | २३:३९ | ०१:४७ | ०३:२९ | ०४:५७ | ०६:२२ |
| १० | ०७:५३ | ०९:४९ | १२:०३ | १४:२४ | १६:४१ | १८:५७ | २१:१७ | २३:३५ | ०१:४३ | ०३:२६ | ०४:५३ | ०६:१८ |
| ११ | ०७:४९ | ०९:४५ | ११:५९ | १४:२० | १६:३७ | १८:५३ | २१:१३ | २३:३१ | ०१:३९ | ०३:२२ | ०४:४९ | ०६:१४ |
| १२ | ०७:४५ | ०९:४१ | ११:५५ | १४:१६ | १६:३३ | १८:४९ | २१:०९ | २३:२७ | ०१:३५ | ०३:१८ | ०४:४५ | ०६:१० |
| १३ | ०७:४१ | ०९:३७ | ११:५१ | १४:१२ | १६:२९ | १८:४५ | २१:०५ | २३:२३ | ०१:३१ | ०३:१४ | ०४:४१ | ०६:०६ |
| १४ | ०७:३७ | ०९:३३ | ११:४७ | १४:०८ | १६:२५ | १८:४१ | २१:०१ | २३:१९ | ०१:२७ | ०३:१० | ०४:३७ | ०६:०२ |
| १५ | ०७:३३ | ०९:२९ | ११:४४ | १४:०४ | १६:२१ | १८:३७ | २०:५७ | २३:१६ | ०१:२४ | ०३:०६ | ०४:३३ | ०५:५८ |
| १६ | ०७:२९ | ०९:२५ | ११:४० | १४:०० | १६:१७ | १८:३४ | २०:५३ | २३:१२ | ०१:२० | ०३:०२ | ०४:२९ | ०५:५४ |
| १७ | ०७:२६ | ०९:२१ | ११:३६ | १३:५६ | १६:१३ | १८:३० | २०:४९ | २३:०८ | ०१:१६ | ०२:५८ | ०४:२५ | ०५:५० |
| १८ | ०७:२२ | ०९:१७ | ११:३२ | १३:५२ | १६:०९ | १८:२६ | २०:४५ | २३:०४ | ०१:१२ | ०२:५४ | ०४:२२ | ०५:४६ |
| १९ | ०७:१८ | ०९:१३ | ११:२८ | १३:४८ | १६:०५ | १८:२२ | २०:४१ | २३:०० | ०१:०८ | ०२:५० | ०४:१८ | ०५:४३ |
| २० | ०७:१४ | ०९:०९ | ११:२४ | १३:४४ | १६:०२ | १८:१८ | २०:३७ | २२:५६ | ०१:०४ | ०२:४६ | ०४:१४ | ०५:३९ |
| २१ | ०७:१० | ०९:०५ | ११:२० | १३:४० | १५:५८ | १८:१४ | २०:३३ | २२:५२ | ०१:०० | ०२:४२ | ०४:१० | ०५:३५ |
| २२ | ०७:०६ | ०९:०१ | ११:१६ | १३:३६ | १५:५४ | १८:१० | २०:२९ | २२:४८ | ००.५६ | ०२:३८ | ०४:०६ | ०५:३१ |
| २३ | ०७:०२ | ०८:५७ | ११:१२ | १३:३२ | १५:५० | १८:०६ | २०:२६ | २२:४४ | ००:५२ | ०२:३४ | ०४:०२ | ०५:२७ |
| २४ | ०६:५८ | ०८:५४ | ११:०८ | १३:२८ | १५:४६ | १८:०२ | २०:२२ | २२:४० | ००:४८ | ०२:३० | ०३:५८ | ०५:२३ |
| २५ | ०६:५४ | ०८:५० | ११:०४ | १३:२५ | १५:४२ | १७:५८ | २०:१८ | २२:३६ | ००:४४ | ०२:२७ | ०३:५४ | ०५:१९ |
| २६ | ०६:५० | ०८:४६ | ११:०० | १३:२१ | १५:३८ | १७:५४ | २०:१४ | २२:३२ | ००:४० | ०२:२३ | ०३:५० | ०५:१५ |
| २७ | ०६:४६ | ०८:४२ | १०:५६ | १३:१७ | १५:३४ | १७:५० | २०:१० | २२:२८ | ००:३६ | ०२:१९ | ०३:४६ | ०५:११ |
| २८ | ०६:४२ | ०८:३८ | १०:५२ | १३:१३ | १५:३० | १७:४६ | २०:०६ | २२:२४ | ००:३२ | ०२:१५ | ०३:४२ | ०५:०७ |
| २९ | ०६:३८ | ०८:३४ | १०:४८ | १३:०९ | १५:२६ | १७:४२ | २०:०२ | २२:२१ | ००:२८ | ०२:११ | ०३:३८ | ०५:०३ |
| ३० | ०६:३४ | ०८:३० | १०:४५ | १३:०५ | १५:२२ | १७:३८ | १९:५८ | २२:१७ | ००:२५ | ०२:०७ | ०३:३४ | ०४:५९ |

# विक्रम सम्वत् २०१९-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

मई, २०१९ अयनांश-२४:०७:२०

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | ०६:३१ | ०८:२६ | १०:४१ | १३:०१ | १५:१८ | १७:३५ | १९:५४ | २२:१३ | ००:२१ | ०२:०३ | ०३:३० | ०४:५५ |
| ०२ | ०६:२७ | ०८:२२ | १०:३७ | १२:५७ | १५:१४ | १७:३१ | १९:५० | २२:०९ | ००:१७ | ०१:५९ | ०३:२६ | ०४:५१ |
| ०३ | ०६:२३ | ०८:१८ | १०:३३ | १२:५३ | १५:१० | १७:२७ | १९:४६ | २२:०५ | ००:१३ | ०१:५५ | ०३:२३ | ०४:४७ |
| ०४ | ०६:१९ | ०८:१४ | १०:२९ | १२:४९ | १५:०६ | १७:२३ | १९:४२ | २२:०१ | ००:०९ | ०१:५१ | ०३:१९ | ०४:४४ |
| ०५ | ०६:१५ | ०८:१० | १०:२५ | १२:४५ | १५:०३ | १७:१९ | १९:३८ | २१:५७ | ००:०५ | ०१:४७ | ०३:१५ | ०४:४० |
| ०६ | ०६:११ | ०८:०६ | १०:२१ | १२:४१ | १४:५९ | १७:१५ | १९:३४ | २१:५३ | ००:०१/२३:५७ | ०१:४३ | ०३:११ | ०४:३६ |
| ०७ | ०६:०७ | ०८:०२ | १०:१७ | १२:३७ | १४:५५ | १७:११ | १९:३० | २१:४९ | २३:५३ | ०१:३९ | ०३:०७ | ०४:३२ |
| ०८ | ०६:०३ | ०७:५८ | १०:१३ | १२:३३ | १४:५१ | १७:०७ | १९:२७ | २१:४५ | २३:४९ | ०१:३५ | ०३:०३ | ०४:२८ |
| ०९ | ०५:५९ | ०७:५५ | १०:०९ | १२:२९ | १४:४७ | १७:०३ | १९:२३ | २१:४१ | २३:४५ | ०१:३१ | ०२:५९ | ०४:२४ |
| १० | ०५:५५ | ०७:५१ | १०:०५ | १२:२६ | १४:४३ | १६:५९ | १९:१९ | २१:३७ | २३:४१ | ०१:२८ | ०२:५५ | ०४:२० |
| ११ | ०५:५१ | ०७:४७ | १०:०१ | १२:२२ | १४:३९ | १६:५५ | १९:१५ | २१:३३ | २३:३७ | ०१:२४ | ०२:५१ | ०४:१६ |
| १२ | ०५:४७ | ०७:४३ | ०९:५७ | १२:१८ | १४:३५ | १६:५१ | १९:११ | २१:२९ | २३:३३ | ०१:२० | ०२:४७ | ०४:१२ |
| १३ | ०५:४३ | ०७:३९ | ०९:५३ | १२:१४ | १४:३१ | १६:४७ | १९:०७ | २१:२५ | २३:३० | ०१:१६ | ०२:४३ | ०४:०८ |
| १४ | ०५:३९ | ०७:३५ | ०९:४९ | १२:१० | १४:२७ | १६:४३ | १९:०३ | २१:२२ | २३:२६ | ०१:१२ | ०२:३९ | ०४:०४ |
| १५ | ०५:३५ | ०७:३१ | ०९:४६ | १२:०६ | १४:२३ | १६:४० | १८:५९ | २१:१८ | २३:२२ | ०१:०८ | ०२:३५ | ०४:०० |
| १६ | ०५:३२ | ०७:२७ | ०९:४२ | १२:०२ | १४:१९ | १६:३६ | १८:५५ | २१:१४ | २३:१८ | ०१:०४ | ०२:३१ | ०३:५६ |
| १७ | ०५:२८ | ०७:२३ | ०९:३८ | ११:५८ | १४:१५ | १६:३२ | १८:५१ | २१:१० | २३:१४ | ०१:०० | ०२:२८ | ०३:५२ |
| १८ | ०५:२४ | ०७:१९ | ०९:३४ | ११:५४ | १४:११ | १६:२८ | १८:४७ | २१:०६ | २३:१० | ००:५६ | ०२:२४ | ०३:४९ |
| १९ | ०५:२० | ०७:१५ | ०९:३० | ११:५० | १४:०७ | १६:२४ | १८:४३ | २१:०२ | २३:०६ | ००:५२ | ०२:२० | ०३:४५ |
| २० | ०५:१६ | ०७:११ | ०९:२६ | ११:४६ | १४:०४ | १६:२० | १८:३९ | २०:५८ | २३:०२ | ००:४८ | ०२:१६ | ०३:४१ |
| २१ | ०५:१२ | ०७:०७ | ०९:२२ | ११:४२ | १४:०० | १६:१६ | १८:३५ | २०:५४ | २२:५८ | ००:४४ | ०२:१२ | ०३:३७ |
| २२ | ०५:०८ | ०७:०३ | ०९:१८ | ११:३८ | १३:५६ | १६:१२ | १८:३२ | २०:५० | २२:५४ | ००:४० | ०२:०८ | ०३:३३ |
| २३ | ०५:०४ | ०७:०० | ०९:१४ | ११:३४ | १३:५२ | १६:०८ | १८:२८ | २०:४६ | २२:५० | ००:३६ | ०२:०४ | ०३:२९ |
| २४ | ०५:०० | ०६:५६ | ०९:१० | ११:३१ | १३:४८ | १६:०४ | १८:२४ | २०:४२ | २२:४६ | ००:३३ | ०२:०० | ०३:२५ |
| २५ | ०४:५६ | ०६:५२ | ०९:०६ | ११:२७ | १३:४४ | १६:०० | १८:२० | २०:३८ | २२:४२ | ००:२९ | ०१:५६ | ०३:२१ |
| २६ | ०४:५२ | ०६:४८ | ०९:०२ | ११:२३ | १३:४० | १५:५६ | १८:१६ | २०:३४ | २२:३८ | ००:२५ | ०१:५२ | ०३:१७ |
| २७ | ०४:४८ | ०६:४४ | ०८:५८ | ११:१९ | १३:३६ | १५:५२ | १८:१२ | २०:३० | २२:३४ | ००:२१ | ०१:४८ | ०३:१३ |
| २८ | ०४:४४ | ०६:४० | ०८:५४ | ११:१५ | १३:३२ | १५:४८ | १८:०८ | २०:२६ | २२:३१ | ००:१७ | ०१:४४ | ०३:०९ |
| २९ | ०४:४० | ०६:३६ | ०८:५१ | ११:११ | १३:२८ | १५:४४ | १८:०४ | २०:२३ | २२:२७ | ००:१३ | ०१:४० | ०३:०५ |
| ३० | ०४:३६ | ०६:३२ | ०८:४७ | ११:०७ | १३:२४ | १५:४१ | १८:०० | २०:१९ | २२:२३ | ००:०९ | ०१:३६ | ०३:०१ |
| ३१ | ०४:३३ | ०६:२८ | ०८:४३ | ११:०३ | १३:२० | १५:३७ | १७:५६ | २०:१५ | २२:१९ | ००:०५ | ०१:३२ | ०२:५७ |

जून २०१९ अयनांश-२४:०७:२४

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | ०४:२९ | ०६:२४ | ०८:३९ | १०:५९ | १३:१६ | १५:३३ | १७:५२ | २०:११ | २२:१५ | ००:०१/२३:५७ | ०१:२९ | ०२:५३ |
| ०२ | ०४:२५ | ०६:२० | ०८:३५ | १०:५५ | १३:१२ | १५:२९ | १७:४८ | २०:०७ | २२:११ | २३:५३ | ०१:२५ | ०२:५० |
| ०३ | ०४:२१ | ०६:१६ | ०८:३१ | १०:५१ | १३:०९ | १५:२५ | १७:४४ | २०:०३ | २२:०७ | २३:४९ | ०१:२१ | ०२:४६ |
| ०४ | ०४:१७ | ०६:१२ | ०८:२७ | १०:४७ | १३:०५ | १५:२१ | १७:४० | १९:५९ | २२:०३ | २३:४५ | ०१:१७ | ०२:४२ |
| ०५ | ०४:१३ | ०६:०८ | ०८:२३ | १०:४३ | १३:०१ | १५:१७ | १७:३६ | १९:५५ | २१:५९ | २३:४१ | ०१:१३ | ०२:३८ |
| ०६ | ०४:०९ | ०६:०४ | ०८:१९ | १०:३९ | १२:५७ | १५:१३ | १७:३३ | १९:५१ | २१:५५ | २३:३७ | ०१:०९ | ०२:३४ |
| ०७ | ०४:०५ | ०६:०१ | ०८:१५ | १०:३५ | १२:५३ | १५:०९ | १७:२९ | १९:४७ | २१:५१ | २३:३४ | ०१:०५ | ०२:३० |
| ०८ | ०४:०१ | ०५:५७ | ०८:११ | १०:३२ | १२:४९ | १५:०५ | १७:२५ | १९:४३ | २१:४७ | २३:३० | ०१:०१ | ०२:२६ |
| ०९ | ०३:५७ | ०५:५३ | ०८:०७ | १०:२८ | १२:४५ | १५:०१ | १७:२१ | १९:३९ | २१:४३ | २३:२६ | ००:५७ | ०२:२२ |
| १० | ०३:५३ | ०५:४९ | ०८:०३ | १०:२४ | १२:४१ | १४:५७ | १७:१७ | १९:३५ | २१:३९ | २३:२२ | ००:५३ | ०२:१८ |
| ११ | ०३:४९ | ०५:४५ | ०७:५९ | १०:२० | १२:३७ | १४:५३ | १७:१३ | १९:३१ | २१:३५ | २३:१८ | ००:४९ | ०२:१४ |
| १२ | ०३:४५ | ०५:४१ | ०७:५५ | १०:१६ | १२:३३ | १४:४९ | १७:०९ | १९:२८ | २१:३२ | २३:१४ | ००:४५ | ०२:१० |
| १३ | ०३:४१ | ०५:३७ | ०७:५२ | १०:१२ | १२:२९ | १४:४६ | १७:०५ | १९:२४ | २१:२८ | २३:१० | ००:४१ | ०२:०६ |
| १४ | ०३:३८ | ०५:३३ | ०७:४८ | १०:०८ | १२:२५ | १४:४२ | १७:०१ | १९:२० | २१:२४ | २३:०६ | ००:३७ | ०२:०२ |
| १५ | ०३:३४ | ०५:२९ | ०७:४४ | १०:०४ | १२:२१ | १४:३८ | १६:५७ | १९:१६ | २१:२० | २३:०२ | ००:३३ | ०१:५८ |
| १६ | ०३:३० | ०५:२५ | ०७:४० | १०:०० | १२:१७ | १४:३४ | १६:५३ | १९:१२ | २१:१६ | २२:५८ | ००:३० | ०१:५४ |
| १७ | ०३:२६ | ०५:२१ | ०७:३६ | ०९:५६ | १२:१३ | १४:३० | १६:४९ | १९:०८ | २१:१२ | २२:५४ | ००:२६ | ०१:५१ |
| १८ | ०३:२२ | ०५:१७ | ०७:३२ | ०९:५२ | १२:१० | १४:२६ | १६:४५ | १९:०४ | २१:०८ | २२:५० | ००:२२ | ०१:४७ |
| १९ | ०३:१८ | ०५:१३ | ०७:२८ | ०९:४८ | १२:०६ | १४:२२ | १६:४१ | १९:०० | २१:०४ | २२:४६ | ००:१८ | ०१:४३ |
| २० | ०३:१४ | ०५:०९ | ०७:२४ | ०९:४४ | १२:०२ | १४:१८ | १६:३७ | १८:५६ | २१:०० | २२:४२ | ००:१४ | ०१:३९ |
| २१ | ०३:१० | ०५:०५ | ०७:२० | ०९:४० | ११:५८ | १४:१४ | १६:३४ | १८:५२ | २०:५६ | २२:३८ | ००:१० | ०१:३५ |
| २२ | ०३:०६ | ०५:०२ | ०७:१६ | ०९:३६ | ११:५४ | १४:१० | १६:३० | १८:४८ | २०:५२ | २२:३५ | ००:०६ | ०१:३१ |
| २३ | ०३:०२ | ०४:५८ | ०७:१२ | ०९:३३ | ११:५० | १४:०६ | १६:२६ | १८:४४ | २०:४८ | २२:३१ | ००:०२/२३:५८ | ०१:२७ |
| २४ | ०२:५८ | ०४:५४ | ०७:०८ | ०९:२९ | ११:४६ | १४:०२ | १६:२२ | १८:४० | २०:४४ | २२:२७ | २३:५४ | ०१:२३ |
| २५ | ०२:५४ | ०४:५० | ०७:०४ | ०९:२५ | ११:४२ | १३:५८ | १६:१८ | १८:३६ | २०:४० | २२:२३ | २३:५० | ०१:१९ |
| २६ | ०२:५० | ०४:४६ | ०७:०० | ०९:२१ | ११:३८ | १३:५४ | १६:१४ | १८:३२ | २०:३७ | २२:१९ | २३:४६ | ०१:१५ |
| २७ | ०२:४६ | ०४:४२ | ०६:५६ | ०९:१७ | ११:३४ | १३:५० | १६:१० | १८:२९ | २०:३३ | २२:१५ | २३:४२ | ०१:११ |
| २८ | ०२:४२ | ०४:३८ | ०६:५३ | ०९:१३ | ११:३० | १३:४७ | १६:०६ | १८:२५ | २०:२९ | २२:११ | २३:३८ | ०१:०७ |
| २९ | ०२:३९ | ०४:३४ | ०६:४९ | ०९:०९ | ११:२६ | १३:४३ | १६:०२ | १८:२१ | २०:२५ | २२:०७ | २३:३५ | ०१:०३ |
| ३० | ०२:३५ | ०४:३० | ०६:४५ | ०९:०५ | ११:२२ | १३:३९ | १५:५८ | १८:१७ | २०:२१ | २२:०३ | २३:३१ | ००:५९ |

# विक्रम सम्वत् २०१९-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

## जुलाई, २०१९ अयनांश-२४:०७:३०

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | ०२:३१ | ०४:२६ | ०६:४१ | ०९:०१ | ११:१८ | १३:३५ | १५:५४ | १८:१३ | २०:१७ | २१:५९ | २३:२७ | ००:५६ |
| ०२ | ०२:२७ | ०४:२२ | ०६:३७ | ०८:५७ | ११:१४ | १३:३१ | १५:५० | १८:०९ | २०:१३ | २१:५५ | २३:२३ | ००:५२ |
| ०३ | ०२:२३ | ०४:१८ | ०६:३३ | ०८:५३ | ११:११ | १३:२७ | १५:४६ | १८:०५ | २०:०९ | २१:५१ | २३:१९ | ००:४८ |
| ०४ | ०२:१९ | ०४:१४ | ०६:२९ | ०८:४९ | ११:०७ | १३:२३ | १५:४२ | १८:०१ | २०:०५ | २१:४७ | २३:१५ | ००:४४ |
| ०५ | ०२:१५ | ०४:१० | ०६:२५ | ०८:४५ | ११:०३ | १३:१९ | १५:३९ | १७:५७ | २०:०१ | २१:४३ | २३:११ | ००:४० |
| ०६ | ०२:११ | ०४:०७ | ०६:२१ | ०८:४१ | १०:५९ | १३:१५ | १५:३५ | १७:५३ | १९:५७ | २१:४० | २३:०७ | ००:३६ |
| ०७ | ०२:०७ | ०४:०३ | ०६:१७ | ०८:३८ | १०:५५ | १३:११ | १५:३१ | १७:४९ | १९:५३ | २१:३६ | २३:०३ | ००:३२ |
| ०८ | ०२:०३ | ०३:५९ | ०६:१३ | ०८:३४ | १०:५१ | १३:०७ | १५:२७ | १७:४५ | १९:४९ | २१:३२ | २२:५९ | ००:२८ |
| ०९ | ०१:५९ | ०३:५५ | ०६:०९ | ०८:३० | १०:४७ | १३:०३ | १५:२३ | १७:४१ | १९:४५ | २१:२८ | २२:५५ | ००:२४ |
| १० | ०१:५५ | ०३:५१ | ०६:०५ | ०८:२६ | १०:४३ | १२:५९ | १५:१९ | १७:३७ | १९:४१ | २१:२४ | २२:५१ | ००:२० |
| ११ | ०१:५१ | ०३:४७ | ०६:०१ | ०८:२२ | १०:३९ | १२:५५ | १५:१५ | १७:३३ | १९:३८ | २१:२० | २२:४७ | ००:१६ |
| १२ | ०१:४७ | ०३:४३ | ०५:५८ | ०८:१८ | १०:३५ | १२:५१ | १५:११ | १७:३० | १९:३४ | २१:१६ | २२:४३ | ००:१२ |
| १३ | ०१:४३ | ०३:३९ | ०५:५४ | ०८:१४ | १०:३१ | १२:४८ | १५:०७ | १७:२६ | १९:३० | २१:१२ | २२:३९ | ००:०८ |
| १४ | ०१:४० | ०३:३५ | ०५:५० | ०८:१० | १०:२७ | १२:४४ | १५:०३ | १७:२२ | १९:२६ | २१:०८ | २२:३६ | ००:०४ |
| १५ | ०१:३६ | ०३:३१ | ०५:४६ | ०८:०६ | १०:२३ | १२:४० | १४:५९ | १७:१८ | १९:२२ | २१:०४ | २२:३२ | ००:००/२३:५ |
| १६ | ०१:३२ | ०३:२७ | ०५:४२ | ०८:०२ | १०:१९ | १२:३६ | १४:५५ | १७:१४ | १९:१८ | २१:०० | २२:२८ | २३:५३ |
| १७ | ०१:२८ | ०३:२३ | ०५:३८ | ०७:५८ | १०:१६ | १२:३२ | १४:५१ | १७:१० | १९:१४ | २०:५६ | २२:२४ | २३:४९ |
| १८ | ०१:२४ | ०३:१९ | ०५:३४ | ०७:५४ | १०:१२ | १२:२८ | १४:४७ | १७:०६ | १९:१० | २०:५२ | २२:२० | २३:४५ |
| १९ | ०१:२० | ०३:१५ | ०५:३० | ०७:५० | १०:०८ | १२:२४ | १४:४३ | १७:०२ | १९:०६ | २०:४८ | २२:१६ | २३:४१ |
| २० | ०१:१६ | ०३:११ | ०५:२६ | ०७:४६ | १०:०४ | १२:२० | १४:४० | १६:५८ | १९:०२ | २०:४४ | २२:१२ | २३:३७ |
| २१ | ०१:१२ | ०३:०८ | ०५:२२ | ०७:४२ | १०:०० | १२:१६ | १४:३६ | १६:५४ | १८:५८ | २०:४१ | २२:०८ | २३:३३ |
| २२ | ०१:०८ | ०३:०४ | ०५:१८ | ०७:३९ | ०९:५६ | १२:१२ | १४:३२ | १६:५० | १८:५४ | २०:३७ | २२:०४ | २३:२९ |
| २३ | ०१:०४ | ०३:०० | ०५:१४ | ०७:३५ | ०९:५२ | १२:०८ | १४:२८ | १६:४६ | १८:५० | २०:३३ | २२:०० | २३:२५ |
| २४ | ०१:०० | ०२:५६ | ०५:१० | ०७:३१ | ०९:४८ | १२:०४ | १४:२४ | १६:४२ | १८:४६ | २०:२९ | २१:५६ | २३:२१ |
| २५ | ००:५६ | ०२:५२ | ०५:०६ | ०७:२७ | ०९:४४ | १२:०० | १४:२० | १६:३८ | १८:४२ | २०:२५ | २१:५२ | २३:१७ |
| २६ | ००:५२ | ०२:४८ | ०५:०२ | ०७:२३ | ०९:४० | ११:५६ | १४:१६ | १६:३५ | १८:३९ | २०:२१ | २१:४८ | २३:१३ |
| २७ | ००:४८ | ०२:४४ | ०४:५९ | ०७:१९ | ०९:३६ | ११:५३ | १४:१२ | १६:३१ | १८:३५ | २०:१७ | २१:४४ | २३:०९ |
| २८ | ००:४५ | ०२:४० | ०४:५५ | ०७:१५ | ०९:३२ | ११:४९ | १४:०८ | १६:२७ | १८:३१ | २०:१३ | २१:४० | २३:०५ |
| २९ | ००:४१ | ०२:३६ | ०४:५१ | ०७:११ | ०९:२८ | ११:४५ | १४:०४ | १६:२३ | १८:२७ | २०:०९ | २१:३७ | २३:०१ |
| ३० | ००:३७ | ०२:३२ | ०४:४७ | ०७:०७ | ०९:२४ | ११:४१ | १४:०० | १६:१९ | १८:२३ | २०:०५ | २१:३३ | २२:५८ |
| ३१ | ००:३३ | ०२:२८ | ०४:४३ | ०७:०३ | ०९:२० | ११:३७ | १३:५६ | १६:१५ | १८:१९ | २०:०१ | २१:२९ | २२:५४ |

## अगस्त २०१९ अयनांश-२४:०७:३५

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | ००:२९ | ०२:२४ | ०४:३९ | ०६:५९ | ०९:१७ | ११:३३ | १३:५२ | १६:११ | १८:१५ | १९:५७ | २१:२५ | २२:५० |
| ०२ | ००:२५ | ०२:२० | ०४:३५ | ०६:५५ | ०९:१३ | ११:२९ | १३:४८ | १६:०७ | १८:११ | १९:५३ | २१:२१ | २२:४६ |
| ०३ | ००:२१ | ०२:१६ | ०४:३१ | ०६:५१ | ०९:०९ | ११:२५ | १३:४४ | १६:०३ | १८:०७ | १९:४९ | २१:१७ | २२:४२ |
| ०४ | ००:१७ | ०२:१२ | ०४:२७ | ०६:४७ | ०९:०५ | ११:२१ | १३:४१ | १५:५९ | १८:०३ | १९:४५ | २१:१३ | २२:३८ |
| ०५ | ००:१३ | ०२:०९ | ०४:२३ | ०६:४३ | ०९:०१ | ११:१७ | १३:३७ | १५:५५ | १७:५९ | १९:४२ | २१:०९ | २२:३४ |
| ०६ | ००:०९ | ०२:०५ | ०४:१९ | ०६:४० | ०८:५७ | ११:१३ | १३:३३ | १५:५१ | १७:५५ | १९:३८ | २१:०५ | २२:३० |
| ०७ | ००:०५ | ०२:०१ | ०४:१५ | ०६:३६ | ०८:५३ | ११:०९ | १३:२९ | १५:४७ | १७:५१ | १९:३४ | २१:०१ | २२:२६ |
| ०८ | ००:०१/२३:५ | ०१:५७ | ०४:११ | ०६:३२ | ०८:४९ | ११:०५ | १३:२५ | १५:४३ | १७:४७ | १९:३० | २०:५७ | २२:२२ |
| ०९ | २३:५३ | ०१:५३ | ०४:०७ | ०६:२८ | ०८:४५ | ११:०१ | १३:२१ | १५:३९ | १७:४४ | १९:२६ | २०:५३ | २२:१८ |
| १० | २३:४९ | ०१:४९ | ०४:०३ | ०६:२४ | ०८:४१ | १०:५७ | १३:१७ | १५:३६ | १७:४० | १९:२२ | २०:४९ | २२:१४ |
| ११ | २३:४६ | ०१:४५ | ०४:०० | ०६:२० | ०८:३७ | १०:५४ | १३:१३ | १५:३२ | १७:३६ | १९:१८ | २०:४५ | २२:१० |
| १२ | २३:४२ | ०१:४१ | ०३:५६ | ०६:१६ | ०८:३३ | १०:५० | १३:०९ | १५:२८ | १७:३२ | १९:१४ | २०:४२ | २२:०६ |
| १३ | २३:३८ | ०१:३७ | ०३:५२ | ०६:१२ | ०८:२९ | १०:४६ | १३:०५ | १५:२४ | १७:२८ | १९:१० | २०:३८ | २२:०२ |
| १४ | २३:३४ | ०१:३३ | ०३:४८ | ०६:०८ | ०८:२५ | १०:४२ | १३:०१ | १५:२० | १७:२४ | १९:०६ | २०:३४ | २१:५९ |
| १५ | २३:३० | ०१:२९ | ०३:४४ | ०६:०४ | ०८:२१ | १०:३८ | १२:५७ | १५:१६ | १७:२० | १९:०२ | २०:३० | २१:५५ |
| १६ | २३:२६ | ०१:२५ | ०३:४० | ०६:०० | ०८:१८ | १०:३४ | १२:५३ | १५:१२ | १७:१६ | १८:५८ | २०:२६ | २१:५१ |
| १७ | २३:२२ | ०१:२१ | ०३:३६ | ०५:५६ | ०८:१४ | १०:३० | १२:४९ | १५:०८ | १७:१२ | १८:५४ | २०:२२ | २१:४७ |
| १८ | २३:१८ | ०१:१७ | ०३:३२ | ०५:५२ | ०८:१० | १०:२६ | १२:४६ | १५:०४ | १७:०८ | १८:५० | २०:१८ | २१:४३ |
| १९ | २३:१४ | ०१:१४ | ०३:२८ | ०५:४८ | ०८:०६ | १०:२२ | १२:४२ | १५:०० | १७:०४ | १८:४७ | २०:१४ | २१:३९ |
| २० | २३:१० | ०१:१० | ०३:२४ | ०५:४५ | ०८:०२ | १०:१८ | १२:३८ | १४:५६ | १७:०० | १८:४३ | २०:१० | २१:३५ |
| २१ | २३:०६ | ०१:०६ | ०३:२० | ०५:४१ | ०७:५८ | १०:१४ | १२:३४ | १४:५२ | १६:५६ | १८:३९ | २०:०६ | २१:३१ |
| २२ | २३:०२ | ०१:०२ | ०३:१६ | ०५:३७ | ०७:५४ | १०:१० | १२:३० | १४:४८ | १६:५२ | १८:३५ | २०:०२ | २१:२७ |
| २३ | २२:५८ | ००:५८ | ०३:१२ | ०५:३३ | ०७:५० | १०:०६ | १२:२६ | १४:४४ | १६:४८ | १८:३१ | १९:५८ | २१:२३ |
| २४ | २२:५४ | ००:५४ | ०३:०८ | ०५:२९ | ०७:४६ | १०:०२ | १२:२२ | १४:४० | १६:४५ | १८:२७ | १९:५४ | २१:१९ |
| २५ | २२:५० | ००:५० | ०३:०५ | ०५:२५ | ०७:४२ | ०९:५८ | १२:१८ | १४:३७ | १६:४१ | १८:२३ | १९:५० | २१:१५ |
| २६ | २२:४७ | ००:४६ | ०३:०१ | ०५:२१ | ०७:३८ | ०९:५५ | १२:१४ | १४:३३ | १६:३७ | १८:१९ | १९:४६ | २१:११ |
| २७ | २२:४३ | ००:४२ | ०२:५७ | ०५:१७ | ०७:३४ | ०९:५१ | १२:१० | १४:२९ | १६:३३ | १८:१५ | १९:४३ | २१:०७ |
| २८ | २२:३९ | ००:३८ | ०२:५३ | ०५:१३ | ०७:३० | ०९:४७ | १२:०६ | १४:२५ | १६:२९ | १८:११ | १९:३९ | २१:०४ |
| २९ | २२:३५ | ००:३४ | ०२:४९ | ०५:०९ | ०७:२६ | ०९:४३ | १२:०२ | १४:२१ | १६:२५ | १८:०७ | १९:३५ | २१:०० |
| ३० | २२:३१ | ००:३० | ०२:४५ | ०५:०५ | ०७:२३ | ०९:३९ | ११:५८ | १४:१७ | १६:२१ | १८:०३ | १९:३१ | २०:५६ |
| ३१ | २२:२७ | ००:२६ | ०२:४१ | ०५:०१ | ०७:१९ | ०९:३५ | ११:५४ | १४:१३ | १६:१७ | १७:५९ | १९:२७ | २०:५२ |

# विक्रम सम्वत् २०१९-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

## सितम्बर, २०१९ अयनांश-२४:०७:३८

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | २२:२३ | ००:२२ | ०२:३७ | ०४:५७ | ०७:१५ | ०९:३१ | ११:५० | १४:०६ | १६:१३ | १७:५५ | १९:२३ | २०:४८ |
| ०२ | २२:१९ | ००:१८ | ०२:३३ | ०४:५३ | ०७:११ | ०९:२७ | ११:४७ | १४:०५ | १६:०६ | १७:५१ | १९:१९ | २०:४४ |
| ०३ | २२:१५ | ००:१५ | ०२:२९ | ०४:४९ | ०७:०७ | ०९:२३ | ११:४३ | १४:०१ | १६:०५ | १७:४८ | १९:१५ | २०:४० |
| ०४ | २२:११ | ००:११ | ०२:२५ | ०४:४६ | ०७:०३ | ०९:१९ | ११:३९ | १३:५७ | १६:०१ | १७:४४ | १९:११ | २०:३६ |
| ०५ | २२:०७ | ००:०७ | ०२:२१ | ०४:४२ | ०६:५९ | ०९:१५ | ११:३५ | १३:५३ | १५:५७ | १७:४० | १९:०७ | २०:३२ |
| ०६ | २२:०३ | [illegible] | ०२:१७ | ०४:३८ | ०६:५५ | ०९:११ | ११:३१ | १३:४९ | १५:५३ | १७:३६ | १९:०३ | २०:२८ |
| ०७ | २१:५९ | २३:५५ | ०२:१३ | ०४:३४ | ०६:५१ | ०९:०७ | ११:२७ | १३:४५ | १५:४९ | १७:३२ | १८:५९ | २०:२४ |
| ०८ | २१:५५ | २३:५१ | ०२:०९ | ०४:३० | ०६:४७ | ०९:०३ | ११:२३ | १३:४२ | १५:४६ | १७:२८ | १८:५५ | २०:२० |
| ०९ | २१:५२ | २३:४७ | ०२:०६ | ०४:२६ | ०६:४३ | ०९:०० | ११:१९ | १३:३८ | १५:४२ | १७:२४ | १८:५१ | २०:१६ |
| १० | २१:४८ | २३:४३ | ०२:०२ | ०४:२२ | ०६:३९ | ०८:५६ | ११:१५ | १३:३४ | १५:३८ | १७:२० | १८:४७ | २०:१२ |
| ११ | २१:४४ | २३:३९ | ०१:५८ | ०४:१८ | ०६:३५ | ०८:५२ | ११:११ | १३:३० | १५:३४ | १७:१६ | १८:४४ | २०:०८ |
| १२ | २१:४० | २३:३५ | ०१:५४ | ०४:१४ | ०६:३१ | ०८:४८ | ११:०७ | १३:२६ | १५:३० | १७:१२ | १८:४० | २०:०५ |
| १३ | २१:३६ | २३:३१ | ०१:५० | ०४:१० | ०६:२७ | ०८:४४ | ११:०३ | १३:२२ | १५:२६ | १७:०८ | १८:३६ | २०:०१ |
| १४ | २१:३२ | २३:२७ | ०१:४६ | ०४:०६ | ०६:२४ | ०८:४० | १०:५९ | १३:१८ | १५:२२ | १७:०४ | १८:३२ | १९:५७ |
| १५ | २१:२८ | २३:२३ | ०१:४२ | ०४:०२ | ०६:२० | ०८:३६ | १०:५५ | १३:१४ | १५:१८ | १७:०० | १८:२८ | १९:५३ |
| १६ | २१:२४ | २३:१९ | ०१:३८ | ०३:५८ | ०६:१६ | ०८:३२ | १०:५१ | १३:१० | १५:१४ | १६:५६ | १८:२४ | १९:४९ |
| १७ | २१:२० | २३:१६ | ०१:३४ | ०३:५४ | ०६:१२ | ०८:२८ | १०:४८ | १३:०६ | १५:१० | १६:५२ | १८:२० | १९:४५ |
| १८ | २१:१६ | २३:१२ | ०१:३० | ०३:५० | ०६:०८ | ०८:२४ | १०:४४ | १३:०२ | १५:०६ | १६:४९ | १८:१६ | १९:४१ |
| १९ | २१:१२ | २३:०८ | ०१:२६ | ०३:४७ | ०६:०४ | ०८:२० | १०:४० | १२:५८ | १५:०२ | १६:४५ | १८:१२ | १९:३७ |
| २० | २१:०८ | २३:०४ | ०१:२२ | ०३:४३ | ०६:०० | ०८:१६ | १०:३६ | १२:५४ | १४:५८ | १६:४१ | १८:०८ | १९:३३ |
| २१ | २१:०४ | २३:०० | ०१:१८ | ०३:३९ | ०५:५६ | ०८:१२ | १०:३२ | १२:५० | १४:५४ | १६:३७ | १८:०४ | १९:२९ |
| २२ | २१:०० | २२:५६ | ०१:१४ | ०३:३५ | ०५:५२ | ०८:०८ | १०:२८ | १२:४६ | १४:५१ | १६:३३ | १८:०० | १९:२५ |
| २३ | २०:५६ | २२:५२ | ०१:१० | ०३:३१ | ०५:४८ | ०८:०४ | १०:२४ | १२:४३ | १४:४७ | १६:२९ | १७:५६ | १९:२१ |
| २४ | २०:५३ | २२:४८ | ०१:०७ | ०३:२७ | ०५:४४ | ०८:०१ | १०:२० | १२:३९ | १४:४३ | १६:२५ | १७:५२ | १९:१७ |
| २५ | २०:४९ | २२:४४ | ०१:०३ | ०३:२३ | ०५:४० | ०७:५७ | १०:१६ | १२:३५ | १४:३९ | १६:२१ | १७:४९ | १९:१३ |
| २६ | २०:४५ | २२:४० | ००:५९ | ०३:१९ | ०५:३६ | ०७:५३ | १०:१२ | १२:३१ | १४:३५ | १६:१७ | १७:४५ | १९:१० |
| २७ | २०:४१ | २२:३६ | ००:५५ | ०३:१५ | ०५:३२ | ०७:४९ | १०:०८ | १२:२७ | १४:३१ | १६:१३ | १७:४१ | १९:०६ |
| २८ | २०:३७ | २२:३२ | ००:५१ | ०३:११ | ०५:२८ | ०७:४५ | १०:०४ | १२:२३ | १४:२७ | १६:०९ | १७:३७ | १९:०२ |
| २९ | २०:३३ | २२:२८ | ००:४७ | ०३:०७ | ०५:२५ | ०७:४१ | १०:०० | १२:१९ | १४:२३ | १६:०५ | १७:३३ | १८:५८ |
| ३० | २०:२९ | २२:२४ | ००:४३ | ०३:०३ | ०५:२१ | ०७:३७ | ०९:५६ | १२:१५ | १४:१९ | १६:०१ | १७:२९ | १८:५४ |

## अक्टूबर, २०१९ अयनांश-२४:०७:४१

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | २०:२५ | २२:२१ | ००:३९ | ०२:५९ | ०५:१७ | ०७:३३ | ०९:५३ | १२:११ | १४:१५ | १५:५७ | १७:२५ | १८:५० |
| ०२ | २०:२१ | २२:१७ | ००:३५ | ०२:५५ | ०५:१३ | ०७:२९ | ०९:४९ | १२:०७ | १४:११ | १५:५४ | १७:२१ | १८:४६ |
| ०३ | २०:१७ | २२:१३ | ००:३१ | ०२:५२ | ०५:०९ | ०७:२५ | ०९:४५ | १२:०३ | १४:०७ | १५:५० | १७:१७ | १८:४२ |
| ०४ | २०:१३ | २२:०९ | ००:२७ | ०२:४८ | ०५:०५ | ०७:२१ | ०९:४१ | ११:५९ | १४:०३ | १५:४६ | १७:१३ | १८:३८ |
| ०५ | २०:०९ | २२:०५ | ००:२३ | ०२:४४ | ०५:०१ | ०७:१७ | ०९:३७ | ११:५५ | १३:५९ | १५:४२ | १७:०९ | १८:३४ |
| ०६ | २०:०५ | २२:०१ | ००:१९ | ०२:४० | ०४:५७ | ०७:१३ | ०९:३३ | ११:५१ | १३:५५ | १५:३८ | १७:०५ | १८:३० |
| ०७ | २०:०१ | २१:५७ | ००:१५ | ०२:३६ | ०४:५३ | ०७:०९ | ०९:२९ | ११:४७ | १३:५१ | १५:३४ | १७:०१ | १८:२६ |
| ०८ | १९:५७ | २१:५३ | ००:१२ | ०२:३२ | ०४:४९ | ०७:०५ | ०९:२५ | ११:४४ | १३:४८ | १५:३० | १६:५७ | १८:२२ |
| ०९ | १९:५४ | २१:४९ | ००:०८ | ०२:२८ | ०४:४५ | ०७:०२ | ०९:२१ | ११:४० | १३:४४ | १५:२६ | १६:५३ | १८:१८ |
| १० | १९:५० | २१:४५ | ००:०४/२३:५० | ०२:२४ | ०४:४१ | ०६:५८ | ०९:१७ | ११:३६ | १३:४० | १५:२२ | १६:५० | १८:१४ |
| ११ | १९:४६ | २१:४१ | २३:५६ | ०२:२० | ०४:३७ | ०६:५४ | ०९:१३ | ११:३२ | १३:३६ | १५:१८ | १६:४६ | १८:११ |
| १२ | १९:४२ | २१:३७ | २३:५२ | ०२:१६ | ०४:३३ | ०६:५० | ०९:०९ | ११:२८ | १३:३२ | १५:१४ | १६:४२ | १८:०७ |
| १३ | १९:३८ | २१:३३ | २३:४८ | ०२:१२ | ०४:३० | ०६:४६ | ०९:०५ | ११:२४ | १३:२८ | १५:१० | १६:३८ | १८:०३ |
| १४ | १९:३४ | २१:२९ | २३:४४ | ०२:०८ | ०४:२६ | ०६:४२ | ०९:०१ | ११:२० | १३:२४ | १५:०६ | १६:३४ | १७:५९ |
| १५ | १९:३० | २१:२५ | २३:४० | ०२:०४ | ०४:२२ | ०६:३८ | ०८:५७ | ११:१६ | १३:२० | १५:०२ | १६:३० | १७:५५ |
| १६ | १९:२६ | २१:२२ | २३:३६ | ०२:०० | ०४:१८ | ०६:३४ | ०८:५४ | ११:१२ | १३:१६ | १४:५८ | १६:२६ | १७:५१ |
| १७ | १९:२२ | २१:१८ | २३:३२ | ०१:५६ | ०४:१४ | ०६:३० | ०८:५० | ११:०८ | १३:१२ | १४:५५ | १६:२२ | १७:४७ |
| १८ | १९:१८ | २१:१४ | २३:२८ | ०१:५३ | ०४:१० | ०६:२६ | ०८:४६ | ११:०४ | १३:०८ | १४:५१ | १६:१८ | १७:४३ |
| १९ | १९:१४ | २१:१० | २३:२४ | ०१:४९ | ०४:०६ | ०६:२२ | ०८:४२ | ११:०० | १३:०४ | १४:४७ | १६:१४ | १७:३९ |
| २० | १९:१० | २१:०६ | २३:२० | ०१:४५ | ०४:०२ | ०६:१८ | ०८:३८ | १०:५६ | १३:०० | १४:४३ | १६:१० | १७:३५ |
| २१ | १९:०६ | २१:०२ | २३:१६ | ०१:४१ | ०३:५८ | ०६:१४ | ०८:३४ | १०:५२ | १२:५६ | १४:३९ | १६:०६ | १७:३१ |
| २२ | १९:०२ | २०:५८ | २३:१३ | ०१:३७ | ०३:५४ | ०६:१० | ०८:३० | १०:४९ | १२:५३ | १४:३५ | १६:०२ | १७:२७ |
| २३ | १८:५९ | २०:५४ | २३:०९ | ०१:३३ | ०३:५० | ०६:०७ | ०८:२६ | १०:४५ | १२:४९ | १४:३१ | १५:५८ | १७:२३ |
| २४ | १८:५५ | २०:५० | २३:०५ | ०१:२९ | ०३:४६ | ०६:०३ | ०८:२२ | १०:४१ | १२:४५ | १४:२७ | १५:५४ | १७:१९ |
| २५ | १८:५१ | २०:४६ | २३:०१ | ०१:२५ | ०३:४२ | ०५:५९ | ०८:१८ | १०:३७ | १२:४१ | १४:२३ | १५:५१ | १७:१५ |
| २६ | १८:४७ | २०:४२ | २२:५७ | ०१:२१ | ०३:३८ | ०५:५५ | ०८:१४ | १०:३३ | १२:३७ | १४:१९ | १५:४७ | १७:१२ |
| २७ | १८:४३ | २०:३८ | २२:५३ | ०१:१७ | ०३:३४ | ०५:५१ | ०८:१० | १०:२९ | १२:३३ | १४:१५ | १५:४३ | १७:०८ |
| २८ | १८:३९ | २०:३४ | २२:४९ | ०१:१३ | ०३:३१ | ०५:४७ | ०८:०६ | १०:२५ | १२:२९ | १४:११ | १५:३९ | १७:०४ |
| २९ | १८:३५ | २०:३० | २२:४५ | ०१:०९ | ०३:२७ | ०५:४३ | ०८:०२ | १०:२१ | १२:२५ | १४:०७ | १५:३५ | १७:०० |
| ३० | १८:३१ | २०:२६ | २२:४१ | ०१:०५ | ०३:२३ | ०५:३९ | ०७:५८ | १०:१७ | १२:२१ | १४:०३ | १५:३१ | १६:५६ |
| ३१ | १८:२७ | २०:२३ | २२:३७ | ०१:०१ | ०३:१९ | ०५:३५ | ०७:५५ | १०:१३ | १२:१७ | १३:५९ | १५:२७ | १६:५२ |

# विक्रम सम्वत् २०११-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

## नवम्बर, २०१९ अयनांश-२४:०७:४४

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | १८:२३ | २०:१९ | २२:३३ | ००:५७ | ०३:१५ | ०५:३१ | ०७:५१ | १०:०९ | १२:१३ | १३:५६ | १५:२३ | १६:४८ |
| ०२ | १८:१९ | २०:१५ | २२:२९ | ००:५४ | ०३:११ | ०५:२७ | ०७:४७ | १०:०५ | १२:०९ | १३:५२ | १५:१९ | १६:४४ |
| ०३ | १८:१५ | २०:११ | २२:२५ | ००:५० | ०३:०७ | ०५:२३ | ०७:४३ | १०:०१ | १२:०५ | १३:४८ | १५:१५ | १६:४० |
| ०४ | १८:११ | २०:०७ | २२:२१ | ००:४६ | ०३:०३ | ०५:१९ | ०७:३९ | ०९:५७ | १२:०१ | १३:४४ | १५:११ | १६:३६ |
| ०५ | १८:०७ | २०:०३ | २२:१७ | ००:४२ | ०२:५९ | ०५:१५ | ०७:३५ | ०९:५३ | ११:५८ | १३:४० | १५:०७ | १६:३२ |
| ०६ | १८:०३ | १९:५९ | २२:१४ | ००:३८ | ०२:५५ | ०५:११ | ०७:३१ | ०९:५० | ११:५४ | १३:३६ | १५:०३ | १६:२८ |
| ०७ | १८:०० | १९:५५ | २२:१० | ००:३४ | ०२:५१ | ०५:०८ | ०७:२७ | ०९:४६ | ११:५० | १३:३२ | १४:५९ | १६:२४ |
| ०८ | १७:५६ | १९:५१ | २२:०६ | ००:३० | ०२:४७ | ०५:०४ | ०७:२३ | ०९:४२ | ११:४६ | १३:२८ | १४:५६ | १६:२० |
| ०९ | १७:५२ | १९:४७ | २२:०२ | ००:२६ | ०२:४३ | ०५:०० | ०७:१९ | ०९:३८ | ११:४२ | १३:२४ | १४:५२ | १६:१७ |
| १० | १७:४८ | १९:४३ | २१:५८ | ००:२२ | ०२:३९ | ०४:५६ | ०७:१५ | ०९:३४ | ११:३८ | १३:२० | १४:४८ | १६:१३ |
| ११ | १७:४४ | १९:३९ | २१:५४ | ००:१८ | ०२:३५ | ०४:५२ | ०७:११ | ०९:३० | ११:३४ | १३:१६ | १४:४४ | १६:०९ |
| १२ | १७:४० | १९:३५ | २१:५० | ००:१४ | ०२:३२ | ०४:४८ | ०७:०७ | ०९:२६ | ११:३० | १३:१२ | १४:४० | १६:०५ |
| १३ | १७:३६ | १९:३१ | २१:४६ | ००:१० | ०२:२८ | ०४:४४ | ०७:०३ | ०९:२२ | ११:२६ | १३:०८ | १४:३६ | १६:०१ |
| १४ | १७:३२ | १९:२८ | २१:४२ | ००:०६ | ०२:२४ | ०४:४० | ०७:०० | ०९:१८ | ११:२२ | १३:०४ | १४:३२ | १५:५७ |
| १५ | १७:२८ | १९:२४ | २१:३८ | ००:०२/२३:५९ | ०२:२० | ०४:३६ | ०६:५६ | ०९:१४ | ११:१८ | १३:०१ | १४:२८ | १५:५३ |
| १६ | १७:२४ | १९:२० | २१:३४ | २३:५५ | ०२:१६ | ०४:३२ | ०६:५२ | ०९:१० | ११:१४ | १२:५७ | १४:२४ | १५:४९ |
| १७ | १७:२० | १९:१६ | २१:३० | २३:५१ | ०२:१२ | ०४:२८ | ०६:४८ | ०९:०६ | ११:१० | १२:५३ | १४:२० | १५:४५ |
| १८ | १७:१६ | १९:१२ | २१:२६ | २३:४७ | ०२:०८ | ०४:२४ | ०६:४४ | ०९:०२ | ११:०६ | १२:४९ | १४:१६ | १५:४१ |
| १९ | १७:१२ | १९:०८ | २१:२२ | २३:४३ | ०२:०४ | ०४:२० | ०६:४० | ०८:५८ | ११:०२ | १२:४५ | १४:१२ | १५:३७ |
| २० | १७:०८ | १९:०४ | २१:१९ | २३:३९ | ०२:०० | ०४:१६ | ०६:३६ | ०८:५४ | १०:५९ | १२:४१ | १४:०८ | १५:३३ |
| २१ | १७:०४ | १९:०० | २१:१५ | २३:३५ | ०१:५६ | ०४:१२ | ०६:३२ | ०८:५१ | १०:५५ | १२:३७ | १४:०४ | १५:२९ |
| २२ | १७:०१ | १८:५६ | २१:११ | २३:३१ | ०१:५२ | ०४:०९ | ०६:२८ | ०८:४७ | १०:५१ | १२:३३ | १४:०० | १५:२५ |
| २३ | १६:५७ | १८:५२ | २१:०७ | २३:२७ | ०१:४८ | ०४:०५ | ०६:२४ | ०८:४३ | १०:४७ | १२:२९ | १३:५७ | १५:२१ |
| २४ | १६:५३ | १८:४८ | २१:०३ | २३:२३ | ०१:४४ | ०४:०१ | ०६:२० | ०८:३९ | १०:४३ | १२:२५ | १३:५३ | १५:१८ |
| २५ | १६:४९ | १८:४४ | २०:५९ | २३:१९ | ०१:४० | ०३:५७ | ०६:१६ | ०८:३५ | १०:३९ | १२:२१ | १३:४९ | १५:१४ |
| २६ | १६:४५ | १८:४० | २०:५५ | २३:१५ | ०१:३७ | ०३:५३ | ०६:१२ | ०८:३१ | १०:३५ | १२:१७ | १३:४५ | १५:१० |
| २७ | १६:४१ | १८:३६ | २०:५१ | २३:११ | ०१:३३ | ०३:४९ | ०६:०८ | ०८:२७ | १०:३१ | १२:१३ | १३:४१ | १५:०६ |
| २८ | १६:३७ | १८:३२ | २०:४७ | २३:०७ | ०१:२९ | ०३:४५ | ०६:०४ | ०८:२३ | १०:२७ | १२:०९ | १३:३७ | १५:०२ |
| २९ | १६:३३ | १८:२९ | २०:४३ | २३:०३ | ०१:२५ | ०३:४१ | ०६:०१ | ०८:१९ | १०:२३ | १२:०५ | १३:३३ | १४:५८ |
| ३० | १६:२९ | १८:२५ | २०:३९ | २३:०० | ०१:२१ | ०३:३७ | ०५:५७ | ०८:१५ | १०:१९ | १२:०२ | १३:२९ | १४:५४ |

## दिसम्बर, २०१९ अयनांश-२४:०७:४९

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | १६:२५ | १८:२१ | २०:३५ | २२:५६ | ०१:१७ | ०३:३३ | ०५:५३ | ०८:११ | १०:१५ | ११:५८ | १३:२५ | १४:५० |
| ०२ | १६:२१ | १८:१७ | २०:३१ | २२:५२ | ०१:१३ | ०३:२९ | ०५:४९ | ०८:०७ | १०:११ | ११:५४ | १३:२१ | १४:४६ |
| ०३ | १६:१७ | १८:१३ | २०:२७ | २२:४८ | ०१:०९ | ०३:२५ | ०५:४५ | ०८:०३ | १०:०७ | ११:५० | १३:१७ | १४:४२ |
| ०४ | १६:१३ | १८:०९ | २०:२३ | २२:४४ | ०१:०५ | ०३:२१ | ०५:४१ | ०७:५९ | १०:०३ | ११:४६ | १३:१३ | १४:३८ |
| ०५ | १६:०९ | १८:०५ | २०:२० | २२:४० | ०१:०१ | ०३:१७ | ०५:३७ | ०७:५६ | १०:०० | ११:४२ | १३:०९ | १४:३४ |
| ०६ | १६:०६ | १८:०१ | २०:१६ | २२:३६ | ००:५७ | ०३:१३ | ०५:३३ | ०७:५२ | ०९:५६ | ११:३८ | १३:०५ | १४:३० |
| ०७ | १६:०२ | १७:५७ | २०:१२ | २२:३२ | ००:५३ | ०३:१० | ०५:२९ | ०७:४८ | ०९:५२ | ११:३४ | १३:०१ | १४:२६ |
| ०८ | १५:५८ | १७:५३ | २०:०८ | २२:२८ | ००:४९ | ०३:०६ | ०५:२५ | ०७:४४ | ०९:४८ | ११:३० | १२:५८ | १४:२२ |
| ०९ | १५:५४ | १७:४९ | २०:०४ | २२:२४ | ००:४५ | ०३:०२ | ०५:२१ | ०७:४० | ०९:४४ | ११:२६ | १२:५४ | १४:१९ |
| १० | १५:५० | १७:४५ | २०:०० | २२:२० | ००:४१ | ०२:५८ | ०५:१७ | ०७:३६ | ०९:४० | ११:२२ | १२:५० | १४:१५ |
| ११ | १५:४६ | १७:४१ | १९:५६ | २२:१६ | ००:३८ | ०२:५४ | ०५:१३ | ०७:३२ | ०९:३६ | ११:१८ | १२:४६ | १४:११ |
| १२ | १५:४२ | १७:३७ | १९:५२ | २२:१२ | ००:३४ | ०२:५० | ०५:०९ | ०७:२८ | ०९:३२ | ११:१४ | १२:४२ | १४:०७ |
| १३ | १५:३८ | १७:३३ | १९:४८ | २२:०८ | ००:३० | ०२:४६ | ०५:०५ | ०७:२४ | ०९:२८ | ११:१० | १२:३८ | १४:०३ |
| १४ | १५:३४ | १७:३० | १९:४४ | २२:०४ | ००:२६ | ०२:४२ | ०५:०२ | ०७:२० | ०९:२४ | ११:०६ | १२:३४ | १३:५९ |
| १५ | १५:३० | १७:२६ | १९:४० | २२:०१ | ००:२२ | ०२:३८ | ०४:५८ | ०७:१६ | ०९:२० | ११:०३ | १२:३० | १३:५५ |
| १६ | १५:२६ | १७:२२ | १९:३६ | २१:५७ | ००:१८ | ०२:३४ | ०४:५४ | ०७:१२ | ०९:१६ | १०:५९ | १२:२६ | १३:५१ |
| १७ | १५:२२ | १७:१८ | १९:३२ | २१:५३ | ००:१४ | ०२:३० | ०४:५० | ०७:०८ | ०९:१२ | १०:५५ | १२:२२ | १३:४७ |
| १८ | १५:१८ | १७:१४ | १९:२८ | २१:४९ | ००:१० | ०२:२६ | ०४:४६ | ०७:०४ | ०९:०८ | १०:५१ | १२:१८ | १३:४३ |
| १९ | १५:१४ | १७:१० | १९:२४ | २१:४५ | ००:०६ | ०२:२२ | ०४:४२ | ०७:०० | ०९:०५ | १०:४७ | १२:१४ | १३:३९ |
| २० | १५:१० | १७:०६ | १९:२१ | २१:४१ | ००:०२/२३:५८ | ०२:१८ | ०४:३८ | ०६:५७ | ०९:०१ | १०:४३ | १२:१० | १३:३५ |
| २१ | १५:०७ | १७:०२ | १९:१७ | २१:३७ | २३:५४ | ०२:१५ | ०४:३४ | ०६:५३ | ०८:५७ | १०:३९ | १२:०६ | १३:३१ |
| २२ | १५:०३ | १६:५८ | १९:१३ | २१:३३ | २३:५० | ०२:११ | ०४:३० | ०६:४९ | ०८:५३ | १०:३५ | १२:०३ | १३:२७ |
| २३ | १४:५९ | १६:५४ | १९:०९ | २१:२९ | २३:४६ | ०२:०७ | ०४:२६ | ०६:४५ | ०८:४९ | १०:३१ | ११:५९ | १३:२४ |
| २४ | १४:५५ | १६:५० | १९:०५ | २१:२५ | २३:४२ | ०२:०३ | ०४:२२ | ०६:४१ | ०८:४५ | १०:२७ | ११:५५ | १३:२० |
| २५ | १४:५१ | १६:४६ | १९:०१ | २१:२१ | २३:३९ | ०१:५९ | ०४:१८ | ०६:३७ | ०८:४१ | १०:२३ | ११:५१ | १३:१६ |
| २६ | १४:४७ | १६:४२ | १८:५७ | २१:१७ | २३:३५ | ०१:५५ | ०४:१४ | ०६:३३ | ०८:३७ | १०:१९ | ११:४७ | १३:१२ |
| २७ | १४:४३ | १६:३८ | १८:५३ | २१:१३ | २३:३१ | ०१:५१ | ०४:१० | ०६:२९ | ०८:३३ | १०:१५ | ११:४३ | १३:०८ |
| २८ | १४:३९ | १६:३५ | १८:४९ | २१:०९ | २३:२७ | ०१:४७ | ०४:०७ | ०६:२५ | ०८:२९ | १०:११ | ११:३९ | १३:०४ |
| २९ | १४:३५ | १६:३१ | १८:४५ | २१:०६ | २३:२३ | ०१:४३ | ०४:०३ | ०६:२१ | ०८:२५ | १०:०८ | ११:३५ | १३:०० |
| ३० | १४:३१ | १६:२७ | १८:४१ | २१:०२ | २३:१९ | ०१:३९ | ०३:५९ | ०६:१७ | ०८:२१ | १०:०४ | ११:३१ | १२:५६ |
| ३१ | १४:२७ | १६:२३ | १८:३७ | २०:५८ | २३:१५ | ०१:३५ | ०३:५५ | ०६:१३ | ०८:१७ | १०:०० | ११:२७ | १२:५२ |

# विक्रम सम्वत् २०११-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

जनवरी, २०२० अयनांश-२४:०७:५५

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | १४:२३ | १६:१९ | १८:३३ | २०:५४ | २३:११ | ०१:३१ | ०३:५१ | ०६:०९ | ०८:१३ | ०९:५६ | ११:२३ | १२:४८ |
| ०२ | १४:१९ | १६:१५ | १८:३० | २०:५० | २३:०७ | ०१:२७ | ०३:४७ | ०६:०५ | ०८:१० | ०९:५२ | ११:१९ | १२:४४ |
| ०३ | १४:१५ | १६:११ | १८:२६ | २०:४६ | २३:०३ | ०१:२३ | ०३:४३ | ०६:०२ | ०८:०६ | ०९:४८ | ११:१५ | १२:४० |
| ०४ | १४:१२ | १६:०७ | १८:२२ | २०:४२ | २२:५९ | ०१:२० | ०३:३९ | ०५:५८ | ०८:०२ | ०९:४४ | ११:११ | १२:३६ |
| ०५ | १४:०८ | १६:०३ | १८:१८ | २०:३८ | २२:५५ | ०१:१६ | ०३:३५ | ०५:५४ | ०७:५८ | ०९:४० | ११:०७ | १२:३२ |
| ०६ | १४:०४ | १५:५९ | १८:१४ | २०:३४ | २२:५१ | ०१:१२ | ०३:३१ | ०५:५० | ०७:५४ | ०९:३६ | ११:०४ | १२:२८ |
| ०७ | १४:०० | १५:५५ | १८:१० | २०:३० | २२:४७ | ०१:०८ | ०३:२७ | ०५:४६ | ०७:५० | ०९:३२ | ११:०० | १२:२५ |
| ०८ | १३:५६ | १५:५१ | १८:०६ | २०:२६ | २२:४४ | ०१:०४ | ०३:२३ | ०५:४२ | ०७:४६ | ०९:२८ | १०:५६ | १२:२१ |
| ०९ | १३:५२ | १५:४७ | १८:०२ | २०:२२ | २२:४० | ०१:०० | ०३:१९ | ०५:३८ | ०७:४२ | ०९:२४ | १०:५२ | १२:१७ |
| १० | १३:४८ | १५:४३ | १७:५८ | २०:१८ | २२:३६ | ००:५६ | ०३:१५ | ०५:३४ | ०७:३८ | ०९:२० | १०:४८ | १२:१३ |
| ११ | १३:४४ | १५:४० | १७:५४ | २०:१४ | २२:३२ | ००:५२ | ०३:१२ | ०५:३० | ०७:३४ | ०९:१६ | १०:४४ | १२:०९ |
| १२ | १३:४० | १५:३६ | १७:५० | २०:११ | २२:२८ | ००:४८ | ०३:०८ | ०५:२६ | ०७:३० | ०९:१३ | १०:४० | १२:०५ |
| १३ | १३:३६ | १५:३२ | १७:४६ | २०:०७ | २२:२४ | ००:४४ | ०३:०४ | ०५:२२ | ०७:२६ | ०९:०९ | १०:३६ | १२:०१ |
| १४ | १३:३२ | १५:२८ | १७:४२ | २०:०३ | २२:२० | ००:४० | ०३:०० | ०५:१८ | ०७:२२ | ०९:०५ | १०:३२ | ११:५७ |
| १५ | १३:२८ | १५:२४ | १७:३८ | १९:५९ | २२:१६ | ००:३६ | ०२:५६ | ०५:१४ | ०७:१८ | ०९:०१ | १०:२८ | ११:५३ |
| १६ | १३:२४ | १५:२० | १७:३४ | १९:५५ | २२:१२ | ००:३२ | ०२:५२ | ०५:१० | ०७:१४ | ०८:५७ | १०:२४ | ११:४९ |
| १७ | १३:२० | १५:१६ | १७:३१ | १९:५१ | २२:०८ | ००:२८ | ०२:४८ | ०५:०७ | ०७:११ | ०८:५३ | १०:२० | ११:४५ |
| १८ | १३:१६ | १५:१२ | १७:२७ | १९:४७ | २२:०४ | ००:२४ | ०२:४४ | ०५:०३ | ०७:०७ | ०८:४९ | १०:१६ | ११:४१ |
| १९ | १३:१३ | १५:०८ | १७:२३ | १९:४३ | २२:०० | ००:२१ | ०२:४० | ०४:५९ | ०७:०३ | ०८:४५ | १०:१२ | ११:३७ |
| २० | १३:०९ | १५:०४ | १७:१९ | १९:३९ | २१:५६ | ००:१७ | ०२:३६ | ०४:५५ | ०६:५९ | ०८:४१ | १०:०९ | ११:३३ |
| २१ | १३:०५ | १५:०० | १७:१५ | १९:३५ | २१:५२ | ००:१३ | ०२:३२ | ०४:५१ | ०६:५५ | ०८:३७ | १०:०५ | ११:३० |
| २२ | १३:०१ | १४:५६ | १७:११ | १९:३१ | २१:४९ | ००:०९ | ०२:२८ | ०४:४७ | ०६:५१ | ०८:३३ | १०:०१ | ११:२६ |
| २३ | १२:५७ | १४:५२ | १७:०७ | १९:२७ | २१:४५ | ००:०५ | ०२:२४ | ०४:४३ | ०६:४७ | ०८:२९ | ०९:५७ | ११:२२ |
| २४ | १२:५३ | १४:४८ | १७:०३ | १९:२३ | २१:४१ | ००:०१/२३:५७ | ०२:२० | ०४:३९ | ०६:४३ | ०८:२५ | ०९:५३ | ११:१८ |
| २५ | १२:४९ | १४:४४ | १६:५९ | १९:१९ | २१:३७ | २३:५३ | ०२:१६ | ०४:३५ | ०६:३९ | ०८:२१ | ०९:४९ | ११:१४ |
| २६ | १२:४५ | १४:४१ | १६:५५ | १९:१५ | २१:३३ | २३:४९ | ०२:१३ | ०४:३१ | ०६:३५ | ०८:१७ | ०९:४५ | ११:१० |
| २७ | १२:४१ | १४:३७ | १६:५१ | १९:१२ | २१:२९ | २३:४५ | ०२:०९ | ०४:२७ | ०६:३१ | ०८:१४ | ०९:४१ | ११:०६ |
| २८ | १२:३७ | १४:३३ | १६:४७ | १९:०८ | २१:२५ | २३:४१ | ०२:०५ | ०४:२३ | ०६:२७ | ०८:१० | ०९:३७ | ११:०२ |
| २९ | १२:३३ | १४:२९ | १६:४३ | १९:०४ | २१:२१ | २३:३७ | ०२:०१ | ०४:१९ | ०६:२३ | ०८:०६ | ०९:३३ | १०:५८ |
| ३० | १२:२९ | १४:२५ | १६:३९ | १९:०० | २१:१७ | २३:३३ | ०१:५७ | ०४:१५ | ०६:१९ | ०८:०२ | ०९:२९ | १०:५४ |
| ३१ | १२:२५ | १४:२१ | १६:३५ | १८:५६ | २१:१३ | २३:२९ | ०१:५३ | ०४:११ | ०६:१५ | ०७:५८ | ०९:२५ | १०:५० |

फरवरी २०२० अयनांश-२४:०७:५६

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | १२:२१ | १४:१७ | १६:३२ | १८:५२ | २१:०९ | २३:२६ | ०१:४९ | ०४:०८ | ०६:१२ | ०७:५४ | ०९:२१ | १०:४६ |
| ०२ | १२:१८ | १४:१३ | १६:२८ | १८:४८ | २१:०५ | २३:२२ | ०१:४५ | ०४:०४ | ०६:०८ | ०७:५० | ०९:१७ | १०:४२ |
| ०३ | १२:१४ | १४:०९ | १६:२४ | १८:४४ | २१:०१ | २३:१८ | ०१:४१ | ०४:०० | ०६:०४ | ०७:४६ | ०९:१३ | १०:३८ |
| ०४ | १२:१० | १४:०५ | १६:२० | १८:४० | २०:५७ | २३:१४ | ०१:३७ | ०३:५६ | ०६:०० | ०७:४२ | ०९:१० | १०:३४ |
| ०५ | १२:०६ | १४:०१ | १६:१६ | १८:३६ | २०:५३ | २३:१० | ०१:३३ | ०३:५२ | ०५:५६ | ०७:३८ | ०९:०६ | १०:३१ |
| ०६ | १२:०२ | १३:५७ | १६:१२ | १८:३२ | २०:५० | २३:०६ | ०१:२९ | ०३:४८ | ०५:५२ | ०७:३४ | ०९:०२ | १०:२७ |
| ०७ | ११:५८ | १३:५३ | १६:०८ | १८:२८ | २०:४६ | २३:०२ | ०१:२५ | ०३:४४ | ०५:४८ | ०७:३० | ०८:५८ | १०:२३ |
| ०८ | ११:५४ | १३:४९ | १६:०४ | १८:२४ | २०:४२ | २२:५८ | ०१:२१ | ०३:४० | ०५:४४ | ०७:२६ | ०८:५४ | १०:१९ |
| ०९ | ११:५० | १३:४६ | १६:०० | १८:२० | २०:३८ | २२:५४ | ०१:१७ | ०३:३६ | ०५:४० | ०७:२२ | ०८:५० | १०:१५ |
| १० | ११:४६ | १३:४२ | १५:५६ | १८:१७ | २०:३४ | २२:५० | ०१:१४ | ०३:३२ | ०५:३६ | ०७:१८ | ०८:४६ | १०:११ |
| ११ | ११:४२ | १३:३८ | १५:५२ | १८:१३ | २०:३० | २२:४६ | ०१:१० | ०३:२८ | ०५:३२ | ०७:१५ | ०८:४२ | १०:०७ |
| १२ | ११:३८ | १३:३४ | १५:४८ | १८:०९ | २०:२६ | २२:४२ | ०१:०६ | ०३:२४ | ०५:२८ | ०७:११ | ०८:३८ | १०:०३ |
| १३ | ११:३४ | १३:३० | १५:४४ | १८:०५ | २०:२२ | २२:३८ | ०१:०२ | ०३:२० | ०५:२४ | ०७:०७ | ०८:३४ | ०९:५९ |
| १४ | ११:३० | १३:२६ | १५:४० | १८:०१ | २०:१८ | २२:३४ | ००:५८ | ०३:१६ | ०५:२० | ०७:०३ | ०८:३० | ०९:५५ |
| १५ | ११:२६ | १३:२२ | १५:३७ | १७:५७ | २०:१४ | २२:३० | ००:५४ | ०३:१२ | ०५:१७ | ०६:५९ | ०८:२६ | ०९:५१ |
| १६ | ११:२२ | १३:१८ | १५:३३ | १७:५३ | २०:१० | २२:२७ | ००:५० | ०३:०९ | ०५:१३ | ०६:५५ | ०८:२२ | ०९:४७ |
| १७ | ११:१९ | १३:१४ | १५:२९ | १७:४९ | २०:०६ | २२:२३ | ००:४६ | ०३:०५ | ०५:०९ | ०६:५१ | ०८:१८ | ०९:४३ |
| १८ | ११:१५ | १३:१० | १५:२५ | १७:४५ | २०:०२ | २२:१९ | ००:४२ | ०३:०१ | ०५:०५ | ०६:४७ | ०८:१४ | ०९:३९ |
| १९ | ११:११ | १३:०६ | १५:२१ | १७:४१ | १९:५८ | २२:१५ | ००:३८ | ०२:५७ | ०५:०१ | ०६:४३ | ०८:११ | ०९:३५ |
| २० | ११:०७ | १३:०२ | १५:१७ | १७:३७ | १९:५४ | २२:११ | ००:३४ | ०२:५३ | ०४:५७ | ०६:३९ | ०८:०७ | ०९:३२ |
| २१ | ११:०३ | १२:५८ | १५:१३ | १७:३३ | १९:५१ | २२:०७ | ००:३० | ०२:४९ | ०४:५३ | ०६:३५ | ०८:०३ | ०९:२८ |
| २२ | १०:५९ | १२:५४ | १५:०९ | १७:२९ | १९:४७ | २२:०३ | ००:२६ | ०२:४५ | ०४:४९ | ०६:३१ | ०७:५९ | ०९:२४ |
| २३ | १०:५५ | १२:५० | १५:०५ | १७:२५ | १९:४३ | २१:५९ | ००:२२ | ०२:४१ | ०४:४५ | ०६:२७ | ०७:५५ | ०९:२० |
| २४ | १०:५१ | १२:४७ | १५:०१ | १७:२१ | १९:३९ | २१:५५ | ००:१९ | ०२:३७ | ०४:४१ | ०६:२३ | ०७:५१ | ०९:१६ |
| २५ | १०:४७ | १२:४३ | १४:५७ | १७:१८ | १९:३५ | २१:५१ | ००:१५ | ०२:३३ | ०४:३७ | ०६:२० | ०७:४७ | ०९:१२ |
| २६ | १०:४३ | १२:३९ | १४:५३ | १७:१४ | १९:३१ | २१:४७ | ००:११ | ०२:२९ | ०४:३३ | ०६:१६ | ०७:४३ | ०९:०८ |
| २७ | १०:३९ | १२:३५ | १४:४९ | १७:१० | १९:२७ | २१:४३ | ००:०७ | ०२:२५ | ०४:२९ | ०६:१२ | ०७:३९ | ०९:०४ |
| २८ | १०:३५ | १२:३१ | १४:४५ | १७:०६ | १९:२३ | २१:३९ | ००:०३/२३:५९ | ०२:२१ | ०४:२५ | ०६:०८ | ०७:३५ | ०९:०० |
| २९ | १०:३१ | १२:२७ | १४:४१ | १७:०२ | १९:१९ | २१:३५ | २३:५५ | ०२:१७ | ०४:२१ | ०६:०४ | ०७:३१ | ०८:५६ |

# विक्रम सम्वत् २०१९-२० की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल ( भा.स्टैं.टा. )

मार्च, २०२० अयनांश-२४:०८:०३

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | १०:२७ | १२:२३ | १४:३८ | १६:५८ | १९:१५ | २१:३१ | २३:५१ | ०२:१४ | ०४:१८ | ०६:०० | ०७:२७ | ०८:५२ |
| ०२ | १०:२३ | १२:१९ | १४:३४ | १६:५४ | १९:११ | २१:२८ | २३:४७ | ०२:१० | ०४:१४ | ०५:५६ | ०७:२३ | ०८:४८ |
| ०३ | १०:२० | १२:१५ | १४:३० | १६:५० | १९:०७ | २१:२४ | २३:४३ | ०२:०६ | ०४:१० | ०५:५२ | ०७:१९ | ०८:४४ |
| ०४ | १०:१६ | १२:११ | १४:२६ | १६:४६ | १९:०३ | २१:२० | २३:३९ | ०२:०२ | ०४:०६ | ०५:४८ | ०७:१६ | ०८:४० |
| ०५ | १०:१२ | १२:०७ | १४:२२ | १६:४२ | १८:५९ | २१:१६ | २३:३५ | ०१:५८ | ०४:०२ | ०५:४४ | ०७:१२ | ०८:३७ |
| ०६ | १०:०८ | १२:०३ | १४:१८ | १६:३८ | १८:५६ | २१:१२ | २३:३१ | ०१:५४ | ०३:५८ | ०५:४० | ०७:०८ | ०८:३३ |
| ०७ | १०:०४ | ११:५९ | १४:१४ | १६:३४ | १८:५२ | २१:०८ | २३:२७ | ०१:५० | ०३:५४ | ०५:३६ | ०७:०४ | ०८:२९ |
| ०८ | १०:०० | ११:५५ | १४:१० | १६:३० | १८:४८ | २१:०४ | २३:२३ | ०१:४६ | ०३:५० | ०५:३२ | ०७:०० | ०८:२५ |
| ०९ | ०९:५६ | ११:५१ | १४:०६ | १६:२६ | १८:४४ | २१:०० | २३:२० | ०१:४२ | ०३:४६ | ०५:२८ | ०६:५६ | ०८:२१ |
| १० | ०९:५२ | ११:४८ | १४:०२ | १६:२२ | १८:४० | २०:५६ | २३:१६ | ०१:३८ | ०३:४२ | ०५:२४ | ०६:५२ | ०८:१७ |
| ११ | ०९:४८ | ११:४४ | १३:५८ | १६:१९ | १८:३६ | २०:५२ | २३:१२ | ०१:३४ | ०३:३८ | ०५:२१ | ०६:४८ | ०८:१३ |
| १२ | ०९:४४ | ११:४० | १३:५४ | १६:१५ | १८:३२ | २०:४८ | २३:०८ | ०१:३० | ०३:३४ | ०५:१७ | ०६:४४ | ०८:०९ |
| १३ | ०९:४० | ११:३६ | १३:५० | १६:११ | १८:२८ | २०:४४ | २३:०४ | ०१:२६ | ०३:३० | ०५:१३ | ०६:४० | ०८:०५ |
| १४ | ०९:३६ | ११:३२ | १३:४६ | १६:०७ | १८:२४ | २०:४० | २३:०० | ०१:२२ | ०३:२६ | ०५:०९ | ०६:३६ | ०८:०१ |
| १५ | ०९:३२ | ११:२८ | १३:४२ | १६:०३ | १८:२० | २०:३६ | २२:५६ | ०१:१८ | ०३:२२ | ०५:०५ | ०६:३२ | ०७:५७ |
| १६ | ०९:२८ | ११:२४ | १३:३९ | १५:५९ | १८:१६ | २०:३३ | २२:५२ | ०१:१५ | ०३:१९ | ०५:०१ | ०६:२८ | ०७:५३ |
| १७ | ०९:२५ | ११:२० | १३:३५ | १५:५५ | १८:१२ | २०:२९ | २२:४८ | ०१:११ | ०३:१५ | ०४:५७ | ०६:२४ | ०७:४९ |
| १८ | ०९:२१ | ११:१६ | १३:३१ | १५:५१ | १८:०८ | २०:२५ | २२:४४ | ०१:०७ | ०३:११ | ०४:५३ | ०६:२० | ०७:४५ |
| १९ | ०९:१७ | ११:१२ | १३:२७ | १५:४७ | १८:०४ | २०:२१ | २२:४० | ०१:०३ | ०३:०७ | ०४:४९ | ०६:१७ | ०७:४१ |
| २० | ०९:१३ | ११:०८ | १३:२३ | १५:४३ | १८:०० | २०:१७ | २२:३६ | ००:५९ | ०३:०३ | ०४:४५ | ०६:१३ | ०७:३८ |
| २१ | ०९:०९ | ११:०४ | १३:१९ | १५:३९ | १७:५७ | २०:१३ | २२:३२ | ००:५५ | ०२:५९ | ०४:४१ | ०६:०९ | ०७:३४ |
| २२ | ०९:०५ | ११:०० | १३:१५ | १५:३५ | १७:५३ | २०:०९ | २२:२८ | ००:५१ | ०२:५५ | ०४:३७ | ०६:०५ | ०७:३० |
| २३ | ०९:०१ | १०:५६ | १३:११ | १५:३१ | १७:४९ | २०:०५ | २२:२४ | ००:४७ | ०२:५१ | ०४:३३ | ०६:०१ | ०७:२६ |
| २४ | ०८:५७ | १०:५३ | १३:०७ | १५:२७ | १७:४५ | २०:०१ | २२:२१ | ००:४३ | ०२:४७ | ०४:२९ | ०५:५७ | ०७:२२ |
| २५ | ०८:५३ | १०:४९ | १३:०३ | १५:२४ | १७:४१ | १९:५७ | २२:१७ | ००:३९ | ०२:४३ | ०४:२५ | ०५:५३ | ०७:१८ |
| २६ | ०८:४९ | १०:४५ | १२:५९ | १५:२० | १७:३७ | १९:५३ | २२:१३ | ००:३५ | ०२:३९ | ०४:२२ | ०५:४९ | ०७:१४ |
| २७ | ०८:४५ | १०:४१ | १२:५५ | १५:१६ | १७:३३ | १९:४९ | २२:०९ | ००:३१ | ०२:३५ | ०४:१८ | ०५:४५ | ०७:१० |
| २८ | ०८:४१ | १०:३७ | १२:५१ | १५:१२ | १७:२९ | १९:४५ | २२:०५ | ००:२७ | ०२:३१ | ०४:१४ | ०५:४१ | ०७:०६ |
| २९ | ०८:३७ | १०:३३ | १२:४७ | १५:०८ | १७:२५ | १९:४१ | २२:०१ | ००:२३ | ०२:२७ | ०४:१० | ०५:३७ | ०७:०२ |
| ३० | ०८:३३ | १०:२९ | १२:४४ | १५:०४ | १७:२१ | १९:३७ | २१:५७ | ००:१९ | ०२:२४ | ०४:०६ | ०५:३३ | ०६:५८ |
| ३१ | ०८:२९ | १०:२५ | १२:४० | १५:०० | १७:१७ | १९:३४ | २१:५३ | ००:१६ | ०२:२० | ०४:०२ | ०५:२९ | ०६:५४ |

अप्रैल २०२० अयनांश-२४:०८:०६

| तिथि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०१ | ०८:२६ | १०:२१ | १२:३६ | १४:५६ | १७:१३ | १९:३० | २१:४९ | ००:१२ | ०२:१६ | ०३:५८ | ०५:२५ | ०६:५० |
| ०२ | ०८:२२ | १०:१७ | १२:३२ | १४:५२ | १७:०९ | १९:२६ | २१:४५ | ००:०८ | ०२:१२ | ०३:५४ | ०५:२१ | ०६:४६ |
| ०३ | ०८:१८ | १०:१३ | १२:२८ | १४:४८ | १७:०५ | १९:२२ | २१:४१ | ००.०४/२३:०० | ०२:०८ | ०३:५० | ०५:१८ | ०६:४२ |
| ०४ | ०८:१४ | १०:०९ | १२:२४ | १४:४४ | १७:०१ | १९:१८ | २१:३७ | २३:५६ | ०२:०४ | ०३:४६ | ०५:१४ | ०६:३९ |
| ०५ | ०८:१० | १०:०५ | १२:२० | १४:४० | १६:५८ | १९:१४ | २१:३३ | २३:५२ | ०२:०० | ०३:४२ | ०५:१० | ०६:३५ |
| ०६ | ०८:०६ | १०:०१ | १२:१६ | १४:३६ | १६:५४ | १९:१० | २१:२९ | २३:४८ | ०१:५६ | ०३:३८ | ०५:०६ | ०६:३१ |
| ०७ | ०८:०२ | ०९:५७ | १२:१२ | १४:३२ | १६:५० | १९:०६ | २१:२६ | २३:४४ | ०१:५२ | ०३:३४ | ०५:०२ | ०६:२७ |
| ०८ | ०७:५८ | ०९:५४ | १२:०८ | १४:२८ | १६:४६ | १९:०२ | २१:२२ | २३:४० | ०१:४८ | ०३:३० | ०४:५८ | ०६:२३ |
| ०९ | ०७:५४ | ०९:५० | १२:०४ | १४:२५ | १६:४२ | १८:५८ | २१:१८ | २३:३६ | ०१:४४ | ०३:२७ | ०४:५४ | ०६:१९ |
| १० | ०७:५० | ०९:४६ | १२:०० | १४:२१ | १६:३८ | १८:५४ | २१:१४ | २३:३२ | ०१:४० | ०३:२३ | ०४:५० | ०६:१५ |
| ११ | ०७:४६ | ०९:४२ | ११:५६ | १४:१७ | १६:३४ | १८:५० | २१:१० | २३:२८ | ०१:३६ | ०३:१९ | ०४:४६ | ०६:११ |
| १२ | ०७:४२ | ०९:३८ | ११:५२ | १४:१३ | १६:३० | १८:४६ | २१:०६ | २३:२४ | ०१:३२ | ०३:१५ | ०४:४२ | ०६:०७ |
| १३ | ०७:३८ | ०९:३४ | ११:४८ | १४:०९ | १६:२६ | १८:४२ | २१:०२ | २३:२१ | ०१:२८ | ०३:११ | ०४:३८ | ०६:०३ |
| १४ | ०७:३४ | ०९:३० | ११:४५ | १४:०५ | १६:२२ | १८:३८ | २०:५८ | २३:१७ | ०१:२५ | ०३:०७ | ०४:३४ | ०५:५९ |
| १५ | ०७:३० | ०९:२६ | ११:४१ | १४:०१ | १६:१८ | १८:३५ | २०:५४ | २३:१३ | ०१:२१ | ०३:०३ | ०४:३० | ०५:५५ |
| १६ | ०७:२७ | ०९:२२ | ११:३७ | १३:५७ | १६:१४ | १८:३१ | २०:५० | २३:०९ | ०१:१७ | ०२:५९ | ०४:२६ | ०५:५१ |
| १७ | ०७:२३ | ०९:१८ | ११:३३ | १३:५३ | १६:१० | १८:२७ | २०:४६ | २३:०५ | ०१:१३ | ०२:५५ | ०४:२३ | ०५:४७ |
| १८ | ०७:१९ | ०९:१४ | ११:२९ | १३:४९ | १६:०६ | १८:२३ | २०:४२ | २३:०१ | ०१:०९ | ०२:५१ | ०४:१९ | ०५:४४ |
| १९ | ०७:१५ | ०९:१० | ११:२५ | १३:४५ | १६:०३ | १८:१९ | २०:३८ | २२:५७ | ०१:०५ | ०२:४७ | ०४:१५ | ०५:४० |
| २० | ०७:११ | ०९:०६ | ११:२१ | १३:४१ | १५:५९ | १८:१५ | २०:३४ | २२:५३ | ०१:०१ | ०२:४३ | ०४:११ | ०५:३६ |
| २१ | ०७:०७ | ०९:०२ | ११:१७ | १३:३७ | १५:५५ | १८:११ | २०:३० | २२:४९ | ००:५७ | ०२:३९ | ०४:०७ | ०५:३२ |
| २२ | ०७:०३ | ०८:५८ | ११:१३ | १३:३३ | १५:५१ | १८:०७ | २०:२७ | २२:४५ | ००:५३ | ०२:३५ | ०४:०३ | ०५:२८ |
| २३ | ०६:५९ | ०८:५५ | ११:०९ | १३:२९ | १५:४७ | १८:०३ | २०:२३ | २२:४१ | ००:४९ | ०२:३१ | ०३:५९ | ०५:२४ |
| २४ | ०६:५५ | ०८:५१ | ११:०५ | १३:२६ | १५:४३ | १७:५९ | २०:१९ | २२:३७ | ००:४५ | ०२:२८ | ०३:५५ | ०५:२० |
| २५ | ०६:५१ | ०८:४७ | ११:०१ | १३:२२ | १५:३९ | १७:५५ | २०:१५ | २२:३३ | ००:४१ | ०२:२४ | ०३:५१ | ०५:१६ |
| २६ | ०६:४७ | ०८:४३ | १०:५७ | १३:१८ | १५:३५ | १७:५१ | २०:११ | २२:२९ | ००:३७ | ०२:२० | ०३:४७ | ०५:१२ |
| २७ | ०६:४३ | ०८:३९ | १०:५३ | १३:१४ | १५:३१ | १७:४७ | २०:०७ | २२:२५ | ००:३३ | ०२:१६ | ०३:४३ | ०५:०८ |
| २८ | ०६:३९ | ०८:३५ | १०:४९ | १३:१० | १५:२७ | १७:४३ | २०:०३ | २२:२२ | ००:२९ | ०२:१२ | ०३:३९ | ०५:०४ |
| २९ | ०६:३५ | ०८:३१ | १०:४६ | १३:०६ | १५:२३ | १७:४० | १९:५९ | २२:१८ | ००:२६ | ०२:०८ | ०३:३५ | ०५:०० |
| ३० | ०६:३२ | ०८:२७ | १०:४२ | १३:०२ | १५:१९ | १७:३६ | १९:५५ | २२:१४ | ००:२२ | ०२:०४ | ०३:३१ | ०४:५६ |

# षड्वर्ग-चक्र

| अंश | | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | १० | १२ | १२ | १२ | १३ | १५ | १६ | १७ | १७ | १८ | २० | २१ | २३ | २३ | २५ | २५ | २६ | २७ | ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कला | | ३० | ३० | १७ | ० | ४० | ३० | ३४ | ० | ० | ३० | ५१ | २० | ० | ४० | ८ | ३० | ० | ० | २५ | ३० | २० | ० | ४२ | ४० | ३० | ० |
| विफला | | ० | ० | ८ | ० | ० | ० | १७ | ० | ० | ० | २५ | ० | ० | ० | ३४ | ० | ० | ० | ४२ | ० | ० | ० | ५१ | ० | ० | ० |
| मेष | हो. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | द्रे. | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ |
| | स. | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ |
| | न. | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ |
| | द्वा. | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ |
| | त्रिं. | १ | १ | १ | १ | ११ | ११ | ११ | ११ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| वृष | हो. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | द्रे. | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० |
| | स. | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ |
| | न. | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ |
| | द्वा. | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १ |
| | त्रिं. | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १० | १० | १० | १० | ८ | ८ | ८ | ८ |
| मि. | हो. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | द्रे. | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| | स. | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ |
| | न. | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ |
| | द्वा. | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १ | १ | १ | २ |
| | त्रिं. | १ | १ | १ | १ | ११ | ११ | ११ | ११ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| क. | हो. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | द्रे. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ |
| | स. | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ |
| | न. | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ |
| | द्वा. | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ |
| | त्रिं. | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १० | १० | १० | १० | ८ | ८ | ८ | ८ |
| सिं. | हो. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | द्रे. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| | स. | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ |
| | न. | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ |
| | द्वा. | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ |
| | त्रिं. | १ | १ | १ | १ | ११ | ११ | ११ | ११ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| कं. | हो. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | द्रे. | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| | स. | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ |
| | न. | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ |
| | द्वा. | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| | त्रिं. | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १० | १० | १० | १० | ८ | ८ | ८ | ८ |

# षड्वर्ग-चक्र

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अंश | | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | १० | १२ | १२ | १२ | १३ | १५ | १६ | १७ | १७ | १८ | २० | २१ | २३ | २३ | २५ | २५ | २६ | २७ | ३० |
| कला | | ३० | ३० | १७ | ० | ४० | ३० | ३४ | ० | ० | ३० | ५१ | २० | ० | ४० | ८ | ३० | ० | ० | २५ | ३० | २० | ० | ४२ | ४० | ३० | ० |
| विफला | | ० | ० | ८ | ० | ० | ० | १७ | ० | ० | ० | २५ | ० | ० | ० | ३४ | ० | ० | ० | ४२ | ० | ० | ० | ५१ | ० | ० | ० |
| तुला | हो. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | द्रे. | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| | स. | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ |
| | न. | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ |
| | द्वा. | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ |
| | त्रिं. | १ | १ | १ | १ | ११ | ११ | ११ | ११ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| वृ. | हो. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | द्रे. | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | स. | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ |
| | न. | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ |
| | द्वा. | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ |
| | त्रिं. | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १० | १० | १० | १० | ८ | ८ | ८ | ८ |
| धनु | हो. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | द्रे. | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | स. | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ |
| | न. | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ |
| | द्वा. | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ |
| | त्रिं. | १ | १ | १ | १ | ११ | ११ | ११ | ११ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| मकर | हो. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | द्रे. | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| | स. | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० |
| | न. | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ |
| | द्वा. | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ |
| | त्रिं. | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १० | १० | १० | १० | ८ | ८ | ८ | ८ |
| कुम्भ | हो. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | द्रे. | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| | स. | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ |
| | न. | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ |
| | द्वा. | ११ | १२ | १२ | १२ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० |
| | त्रिं. | १ | १ | १ | १ | ११ | ११ | ११ | ११ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| मीन | हो. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | द्रे. | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ |
| | स. | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ |
| | न. | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ |
| | द्वा. | १२ | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ |
| | त्रिं. | २ | २ | २ | २ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १० | १० | १० | १० | ८ | ८ | ८ | ८ |

# विंशोत्तरीदशा-सारिणी

| राशि | | मे. सिं. ध. | | | वृ. कं. म. | | | मि. तु. कुं. | | | क. वृ. मी. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | |
| स्प.चन्द्र | | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. |
| अं. | क. | के. | | | सू. | | | भौ. | | | गु. | | |
| ० | ०० | ७ | ० | ० | ४ | ६ | ० | ३ | ६ | ० | ४ | ० | ० |
| ० | २० | ६ | ९ | २७ | ४ | ४ | ६ | ३ | ३ | २७ | ३ | ७ | ६ |
| ० | ४० | ६ | ७ | २४ | ४ | २ | १२ | ३ | १ | २४ | ३ | २ | १२ |
| १ | ०० | ६ | ५ | २१ | ४ | ० | १८ | २ | ११ | २१ | २ | ९ | १८ |
| १ | २० | ६ | ३ | १८ | ३ | १० | २४ | २ | ९ | १८ | २ | ४ | २४ |
| १ | ४० | ६ | १ | १५ | ३ | ९ | ० | २ | ७ | १५ | २ | ० | ० |
| २ | ०० | ५ | ११ | १२ | ३ | ७ | ६ | २ | ५ | १२ | १ | ७ | ६ |
| २ | २० | ५ | ९ | ९ | ३ | ५ | १२ | २ | ३ | ९ | १ | २ | १२ |
| २ | ४० | ५ | ७ | ६ | ३ | ३ | १८ | २ | १ | ६ | ० | ९ | १८ |
| ३ | ०० | ५ | ५ | ३ | ३ | १ | २४ | १ | ११ | ३ | ० | ४ | २४ |
| | | | | | | | | | | | श. | | |
| ३ | २० | ५ | ३ | ० | ३ | ० | ० | १ | ९ | ० | १९ | ० | ० |
| ३ | ४० | ५ | ० | २७ | २ | १० | ६ | १ | ६ | २७ | १८ | ६ | ९ |
| ४ | ०० | ४ | १० | २४ | २ | ८ | १२ | १ | ४ | २४ | १८ | ० | १८ |
| ४ | २० | ४ | ८ | २१ | २ | ६ | १८ | १ | २ | २१ | १७ | ६ | २७ |
| ४ | ४० | ४ | ६ | १८ | २ | ४ | २४ | १ | ० | १८ | १७ | १ | ६ |
| ५ | ०० | ४ | ४ | १५ | २ | ३ | ० | ० | १० | १५ | १६ | ७ | १५ |
| ५ | २० | ४ | २ | १२ | २ | १ | ६ | ० | ८ | १२ | १६ | १ | २४ |
| ५ | ४० | ४ | ० | ९ | १ | ११ | १२ | ० | ६ | ९ | १५ | ८ | ३ |
| ६ | ०० | ३ | १० | ६ | १ | ९ | १८ | ० | ४ | ६ | १५ | २ | १२ |
| ६ | २० | ३ | ८ | ३ | १ | ७ | २४ | ० | २ | ३ | १४ | ८ | २१ |
| | | | | | | | | रा. | | | | | |
| ६ | ४० | ३ | ६ | ० | १ | ६ | ० | १८ | ० | ० | १४ | ३ | ० |
| ७ | ०० | ३ | ३ | २७ | १ | ४ | ६ | १७ | ६ | १८ | १३ | ९ | ९ |
| ७ | २० | ३ | १ | २४ | १ | २ | १२ | १७ | १ | ६ | १३ | ३ | ८ |
| ७ | ४० | २ | ११ | २१ | १ | ० | १८ | १६ | ७ | २४ | १२ | ९ | २७ |
| ८ | ०० | २ | ९ | १८ | ० | १० | २४ | १६ | २ | १२ | १२ | ४ | ६ |
| ८ | २० | २ | ७ | १५ | ० | ९ | ० | १५ | ९ | ० | ११ | १० | १५ |
| ८ | ४० | २ | ५ | १२ | ० | ७ | ६ | १५ | ३ | १८ | ११ | ४ | २४ |
| ९ | ०० | २ | ३ | ९ | ० | ५ | १२ | १४ | १० | ६ | १० | ११ | ३ |
| ९ | २० | २ | १ | ६ | ० | ३ | १८ | १४ | ४ | २४ | १० | ५ | १२ |
| ९ | ४० | १ | ११ | ३ | ० | १ | २४ | १३ | ११ | १२ | ९ | ११ | २१ |
| | | | | | च. | | | | | | | | |
| १० | ०० | १ | ९ | ० | १० | ० | ० | १३ | ६ | ० | ९ | ६ | ० |

| राशि | | मे. सिं. ध. | | | वृ. कं. म. | | | मि. तु. कुं. | | | क. वृ. मी. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | |
| स्प.चन्द्र | | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. |
| अं. | क. | के. | | | चं. | | | रा. | | | श. | | |
| १० | २० | १ | ६ | २७ | ९ | ९ | ० | १३ | ० | १८ | ९ | ० | ९ |
| १० | ४० | १ | ४ | २४ | ९ | ६ | ० | १२ | ७ | ६ | ८ | ६ | १८ |
| ११ | ०० | १ | २ | २१ | ९ | ३ | ० | १२ | १ | २४ | ८ | ० | २७ |
| ११ | २० | १ | ० | १८ | ९ | ० | ० | ११ | ८ | १२ | ७ | ७ | ६ |
| ११ | ४० | ० | १० | १५ | ८ | ९ | ० | ११ | ३ | ० | ७ | १ | १५ |
| १२ | ०० | ० | ८ | १२ | ८ | ६ | ० | १० | ९ | १८ | ६ | ७ | २४ |
| १२ | २० | ० | ६ | ९ | ८ | ३ | ० | १० | ४ | ६ | ६ | २ | ३ |
| १२ | ४० | ० | ४ | ६ | ८ | ० | ० | ९ | १० | २४ | ५ | ८ | १२ |
| १३ | ०० | ० | २ | ३ | ७ | ९ | ० | ९ | ५ | १२ | ५ | २ | २१ |
| | | शु. | | | | | | | | | | | |
| १३ | २० | २० | ० | ० | ७ | ६ | ० | ९ | ० | ० | ४ | ९ | ० |
| १३ | ४० | १९ | ६ | ० | ७ | ३ | ० | ८ | ६ | १८ | ४ | ३ | ९ |
| १४ | ०० | १९ | ० | ० | ७ | ० | ० | ८ | १ | ६ | ३ | ९ | १८ |
| १४ | २० | १८ | ६ | ० | ६ | ९ | ० | ७ | ७ | २४ | ३ | ३ | २७ |
| १४ | ४० | १८ | ० | ० | ६ | ६ | ० | ७ | २ | १२ | २ | १० | ६ |
| १५ | ०० | १७ | ६ | ० | ६ | ३ | ० | ६ | ९ | ० | २ | ४ | १५ |
| १५ | २० | १७ | ० | ० | ६ | ० | ० | ६ | ३ | १८ | १ | १० | २४ |
| १५ | ४० | १६ | ६ | ० | ५ | ९ | ० | ५ | १० | ६ | १ | ५ | ३ |
| १६ | ०० | १६ | ० | ० | ५ | ६ | ० | ५ | ४ | २४ | ० | ११ | १२ |
| १६ | २० | १५ | ६ | ० | ५ | ३ | ० | ४ | ११ | १२ | ० | ५ | २१ |
| | | | | | | | | | | | बु. | | |
| १६ | ४० | १५ | ० | ० | ५ | ० | ० | ४ | ६ | ० | १७ | ० | ० |
| १७ | ०० | १४ | ६ | ० | ४ | ९ | ० | ४ | ० | १८ | १६ | ६ | २७ |
| १७ | २० | १४ | ० | ० | ४ | ६ | ० | ३ | ७ | ६ | १६ | १ | २४ |
| १७ | ४० | १३ | ६ | ० | ४ | ३ | ० | ३ | १ | २४ | १५ | ८ | २१ |
| १८ | ०० | १३ | ० | ० | ४ | ० | ० | २ | ८ | १२ | १५ | ३ | १८ |
| १८ | २० | १२ | ६ | ० | ३ | ९ | ० | २ | ३ | ० | १४ | १० | १५ |
| १८ | ४० | १२ | ० | ० | ३ | ६ | ० | १ | ९ | १८ | १४ | ५ | १२ |
| १९ | ०० | ११ | ६ | ० | ३ | ३ | ० | १ | ४ | ६ | १४ | ० | ९ |
| १९ | २० | ११ | ० | ० | ३ | ० | ० | ० | १० | २४ | १३ | ७ | ६ |
| १९ | ४० | १० | ६ | ० | २ | ९ | ० | ० | ५ | १२ | १३ | २ | ३ |
| | | | | | | | | गु. | | | | | |
| २० | ०० | १० | ० | ० | २ | ६ | ० | १६ | ० | ० | १२ | ९ | ० |

| राशि | | मे. सिं. ध. | | | वृ. कं. म. | | | मि. तु. कुं. | | | क. वृ. मी. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | | भोग्यदशा | | |
| स्प.चन्द्र | | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. | व. | मा. | दि. |
| अं. | क. | शु. | | | चं. | | | गु. | | | बु. | | |
| २० | २० | ९ | ६ | ० | २ | ३ | ० | १५ | ७ | ६ | १२ | ३ | २७ |
| २० | ४० | ९ | ० | ० | २ | ० | ० | १५ | २ | १२ | ११ | १० | २४ |
| २१ | ०० | ८ | ६ | ० | १ | ९ | ० | १४ | ९ | १८ | ११ | ५ | २१ |
| २१ | २० | ८ | ० | ० | १ | ६ | ० | १४ | ४ | २४ | ११ | ० | १८ |
| २१ | ४० | ७ | ६ | ० | १ | ३ | ० | १४ | ० | ० | १० | ७ | १५ |
| २२ | ०० | ७ | ० | ० | १ | ० | ० | १३ | ७ | ६ | १० | २ | १२ |
| २२ | २० | ६ | ६ | ० | ० | ९ | ० | १३ | २ | १२ | ९ | ९ | ९ |
| २२ | ४० | ६ | ० | ० | ० | ६ | ० | १२ | ९ | १८ | ९ | ४ | ६ |
| २३ | ०० | ५ | ६ | ० | ० | ३ | ० | १२ | ४ | २४ | ८ | ११ | ३ |
| | | | | | भौ. | | | | | | | | |
| २३ | २० | ५ | ० | ० | ७ | ० | ० | १२ | ० | ० | ८ | ६ | ० |
| २३ | ४० | ४ | ६ | ० | ६ | ९ | २७ | ११ | ७ | ६ | ८ | ० | २७ |
| २४ | ०० | ४ | ० | ० | ६ | ७ | २४ | ११ | २ | १२ | ७ | ७ | २४ |
| २४ | २० | ३ | ६ | ० | ६ | ५ | २१ | १० | ९ | १८ | ७ | २ | २१ |
| २४ | ४० | ३ | ० | ० | ६ | ३ | १८ | १० | ४ | २४ | ६ | ९ | १८ |
| २५ | ०० | २ | ६ | ० | ६ | १ | १५ | १० | ० | ० | ६ | ४ | १५ |
| २५ | २० | २ | ० | ० | ५ | ११ | १२ | ९ | ७ | ६ | ५ | ११ | १२ |
| २५ | ४० | १ | ६ | ० | ५ | ९ | ९ | ९ | २ | १२ | ५ | ६ | ९ |
| २६ | ०० | १ | ० | ० | ५ | ७ | ६ | ८ | ९ | १८ | ५ | १ | ६ |
| २६ | २० | ० | ६ | ० | ५ | ५ | ३ | ८ | ४ | २४ | ४ | ८ | ३ |
| | | सू. | | | | | | | | | | | |
| २६ | ४० | ६ | ० | ० | ५ | ३ | ० | ८ | ० | ० | ४ | ३ | ० |
| २७ | ०० | ५ | १० | ६ | ५ | ० | २७ | ७ | ७ | ६ | ३ | ९ | २७ |
| २७ | २० | ५ | ८ | १२ | ४ | १० | २४ | ७ | २ | १२ | ३ | ४ | २४ |
| २७ | ४० | ५ | ६ | १८ | ४ | ८ | २१ | ६ | ९ | १८ | २ | ११ | २१ |
| २८ | ०० | ५ | ४ | २४ | ४ | ६ | १८ | ६ | ४ | २४ | २ | ६ | १८ |
| २८ | २० | ५ | ३ | ० | ४ | ४ | १५ | ६ | ० | ० | २ | १ | १५ |
| २८ | ४० | ५ | १ | ६ | ४ | २ | १२ | ५ | ७ | ६ | १ | ८ | १२ |
| २९ | ०० | ४ | ११ | १२ | ४ | ० | ९ | ५ | २ | १२ | १ | ३ | ९ |
| २९ | २० | ५ | ९ | १८ | ३ | १० | ३ | ४ | ९ | १८ | ० | १० | ६ |
| २९ | ४० | ४ | ७ | २४ | ३ | ८ | ६ | ४ | ४ | २४ | ० | ५ | ३ |
| ३० | ०० | ४ | ६ | ० | ३ | ६ | ० | ४ | ० | ० | ० | ० | ० |

## विंशोत्तरीदशा-कलासारिणी

| | केतु ७ वर्ष | | शुक्र २० वर्ष | | सूर्य ६ वर्ष | | चन्द्र १० वर्ष | | मंगल ७ वर्ष | | राहु १८ वर्ष | | गुरु १६ वर्ष | | शनि १९ वर्ष | | बुध १७ वर्ष | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | मा. | दि. | क. |
| १ | ० | ३ | ० | ९ | ० | ३ | ० | ५ | ० | ३ | ० | ८ | ० | ७ | ० | ९ | ० | ८ | १ |
| २ | ० | ६ | ० | १८ | ० | ५ | ० | ९ | ० | ६ | ० | १६ | ० | १४ | ० | १७ | ० | १५ | २ |
| ३ | ० | ९ | ० | २७ | ० | ८ | ० | १४ | ० | ९ | ० | २४ | ० | २२ | ० | २६ | ० | २३ | ३ |
| ४ | ० | १३ | १ | ६ | ० | ११ | ० | १८ | ० | १३ | १ | २ | ० | २९ | १ | ४ | १ | १ | ४ |
| ५ | ० | १६ | १ | १५ | ० | १४ | ० | २३ | ० | १६ | १ | ११ | १ | ६ | १ | १३ | १ | ८ | ५ |
| ६ | ० | १९ | १ | २४ | ० | १६ | ० | २७ | ० | १९ | १ | १९ | १ | १३ | १ | २१ | १ | १६ | ६ |
| ७ | ० | २२ | २ | ३ | ० | १९ | १ | २ | ० | २२ | १ | २७ | १ | २० | २ | ० | १ | २४ | ७ |
| ८ | ० | २५ | २ | १२ | ० | २२ | १ | ६ | ० | २५ | २ | ५ | १ | २८ | २ | ८ | २ | १ | ८ |
| ९ | ० | २८ | २ | २१ | ० | २४ | १ | ११ | ० | २८ | २ | १३ | २ | ५ | २ | १७ | २ | ९ | ९ |
| १० | १ | १ | ३ | ० | ० | २७ | १ | १५ | १ | १ | २ | २१ | २ | १२ | २ | २६ | २ | १७ | १० |
| १५ | १ | १७ | ४ | १५ | १ | ११ | २ | ८ | १ | १७ | ४ | २ | ३ | १८ | ४ | ८ | ३ | २५ | १५ |
| २० | २ | ३ | ६ | ० | १ | २४ | ३ | ० | २ | ३ | ५ | १२ | ४ | २४ | ५ | २१ | ५ | ३ | २० |

## दशासाधन-विधि

सर्वप्रथम स्पष्टचन्द्र बनाकर उसकी राशि के कोष्ठक में अंश एवं कलाओं के अनुसार विंशोत्तरी दशा का भोग्य निकालना चाहिए। यहाँ २०-२० कलाओं के अन्तर पर दशा भोग्यमान वर्ष, मास एवं दिन में दिया गया है, फिर २० कलाओं से जितनी कलायें अधिक या कम हों उनके अनुसार कला सारिणी से उस ग्रह के कोष्ठक से मासादि फल जानकर पूर्वानीत फल में घटाना या जोड़ना चाहिए। इस प्रकार स्पष्टचन्द्र के राशि अंश एवं कलाओं के आधार पर विंशोत्तरी दशा का भोग्यमान सुगमता से जाना जा सकता है।

## विंशोत्तरीदशान्तर्दशा-चक्र

| | सूर्य | | | | चन्द्र | | | | मंगल | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कृ. | उ.फा. | | उ.षा. | रोहि. | ह. | | श्रवण | मृ. | | चि. | ध. |
| | ग्रह | वर्ष | मास | दिन | ग्रह | वर्ष | मास | दिन | ग्रह | वर्ष | मास | दिन |
| अन्तर्दशामानानि | सू. | ० | ३ | १८ | चं. | ० | १० | ० | मं. | ० | ४ | २७ |
| | चं. | ० | ६ | ० | मं. | ० | ७ | ० | रा. | १ | ० | १८ |
| | मं. | ० | ४ | ६ | रा. | १ | ६ | ० | बृ. | ० | ११ | ६ |
| | रा. | ० | १० | २४ | बृ. | १ | ४ | ० | श. | १ | १ | ९ |
| | बृ. | ० | ९ | १८ | श. | १ | ७ | ० | बु. | ० | ११ | २७ |
| | श. | ० | ११ | १२ | बु. | १ | ५ | ० | के. | ० | ४ | २७ |
| | बु. | ० | १० | ६ | के. | ० | ७ | ० | शु. | १ | २ | ० |
| | के. | ० | ४ | ६ | शु. | १ | ८ | ० | सू. | ० | ४ | ६ |
| | शु. | १ | ० | ० | सू. | ० | ६ | ० | चं. | ० | ७ | ० |

| राहु | | | | गुरु | | | | शनि | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आर्द्रा. | स्वा. | | शत. | पुन. | वि. | पू. | भा. | पुष्य. | अनु. | | उ.भा. |
| ग्रह | वर्ष | मास | दिन | ग्रह | वर्ष | मास | दिन | ग्रह | वर्ष | मास | दिन |
| रा. | २ | ८ | १२ | बृ. | २ | १ | १८ | श. | ३ | ० | ३ |
| बृ. | २ | ४ | २४ | श. | २ | ६ | १२ | बु. | २ | ८ | ९ |
| श. | २ | १० | ०६ | बु. | २ | ३ | ६ | के. | १ | १ | ९ |
| बु. | २ | ६ | १८ | के. | ० | ११ | ६ | शु. | ३ | २ | ० |
| के. | १ | ० | १८ | शु. | २ | ८ | ० | सू. | ० | ११ | १२ |
| शु. | ३ | ० | ० | सू. | ० | ९ | १८ | चं. | १ | ७ | ० |
| सू. | ० | १० | २४ | चं. | १ | ४ | ० | मं. | १ | १ | ९ |
| चं. | १ | ६ | ० | मं. | ० | ११ | ६ | रा. | २ | १० | ६ |
| मं. | १ | ० | १८ | रा. | २ | ४ | २४ | बृ. | २ | ६ | १२ |

| बुध | | | | केतु | | | | गुरु | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आश्ले. | ज्ये. | | रेवती | मघा. | | मू. | अश्वि. | पू.फा. | | पू.षा. | भ. |
| ग्रह | वर्ष | मास | दिन | ग्रह | वर्ष | मास | दिन | ग्रह | वर्ष | मास | दिन |
| बु. | २ | ४ | २७ | के. | ० | ४ | २७ | शु. | ३ | ४ | ० |
| के. | ० | ११ | २७ | शु. | १ | २ | ० | सू. | १ | ० | ० |
| शु. | २ | १० | ० | सू. | ० | ४ | ६ | चं. | १ | ८ | ० |
| सू. | ० | १० | ६ | चं. | ० | ७ | ० | मं. | १ | २ | ० |
| चं. | १ | ५ | ० | मं. | ० | ४ | २७ | रा. | ३ | ० | ० |
| मं. | ० | ११ | २७ | रा. | १ | ० | १८ | बृ. | २ | ८ | ० |
| रा. | २ | ६ | १८ | बृ. | ० | ११ | ६ | श. | ३ | २ | ० |
| बृ. | २ | ३ | ६ | श. | १ | १ | ९ | बु. | २ | १० | ० |
| श. | २ | ८ | ९ | बु. | ० | ११ | २७ | के. | १ | २ | ० |

# वेधसिद्ध ( नवीन ) वर्षमानानुसारेण वर्षप्रवेशसारिणी

| गताब्द संख्या | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वार | १ | २ | ३ | ५ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | २ | ३ | ४ | ६ | ० | १ | २ | ४ | ५ | ६ | ० | २ | ३ | ४ | ५ | ० | १ | २ | ३ | ५ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ |
| घटी | १५ | ३० | ४६ | १ | १६ | ३२ | ४७ | ३ | १८ | ३३ | ४९ | ४ | १९ | ३५ | ५० | ६ | २१ | ३६ | ५२ | ७ | २३ | ३८ | ५३ | ९ | २४ | ३९ | ५५ | १० | २६ | ४१ | ५६ | १२ | २७ | ४३ | ५८ | १३ | २९ | ४४ | ५९ | १५ |
| पल | २२ | ४५ | ८ | ३१ | ५४ | १७ | ४० | ३ | २६ | ४९ | १२ | ३५ | ५८ | २१ | ४४ | ७ | ३० | ५३ | १६ | ३९ | १ | २४ | ४७ | १० | ३३ | ५६ | १९ | ४२ | ५ | २८ | ५१ | १४ | ३७ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ |
| विपल | ५७ | ५४ | ५१ | ४८ | ४५ | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१ | १८ | १५ | १२ | ९ | ६ | ३ | ० | ५७ | ५४ | ५१ | ४८ | ४५ | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१ | १८ | १५ | १२ | ९ | ६ | ३ | ० |

| गताब्द संख्या | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वार | २ | ३ | ५ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | २ | ३ | ४ | ६ | ० | १ | २ | ४ | ५ | ६ | ० | २ | ३ | ४ | ५ | ० | १ | २ | ३ | ५ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | २ |
| घटी | ३० | ४६ | १ | १६ | ३२ | ४७ | २ | १८ | ३३ | ४९ | ४ | १९ | ३५ | ५० | ६ | २१ | ३६ | ५२ | ७ | २२ | ३८ | ५३ | ९ | २४ | ३९ | ५५ | १० | २६ | ४१ | ५६ | १२ | २७ | ४३ | ५८ | १३ | २९ | ४४ | ५९ | १५ | ३० |
| पल | ४० | ३ | २६ | ४९ | १२ | ३५ | ५८ | २१ | ४४ | ७ | ३० | ५३ | १६ | ३९ | २ | २५ | ४८ | ११ | ३४ | ५७ | १९ | ४२ | ५ | २८ | ५१ | १४ | ३७ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ |
| विपल | ५७ | ५४ | ५१ | ४८ | ४५ | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१ | १८ | १५ | १२ | ९ | ६ | ३ | ० | ५७ | ५४ | ५१ | ४८ | ४५ | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१ | १८ | १५ | १२ | ९ | ६ | ३ | ० |

# प्राचीनमानानुसारेण वर्षप्रवेश सारिणी

| गताब्द संख्या | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वार | १ | २ | ३ | ५ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ०० | ६ | १ | २ | ३ | ४ | ६ | ० | १ | २ | ४ | ५ | ६ | ० | २ | ३ | ४ | ०० | ० | १ | २ | ४ | ५ | ६ | ० | २ | ३ | ४ | ५ | ० | १ |
| घटी | १५ | ३१ | ४६ | २ | १७ | ३३ | ४८ | ४ | १९ | ३५ | ५० | ६ | २१ | ३७ | ५२ | ८ | २३ | ३९ | ५४ | १० | २६ | ४१ | ५७ | १२ | २८ | ४३ | ५९ | १४ | ३० | ४५ | १ | १६ | ३२ | ४७ | ३ | १८ | ३४ | ४९ | ५ | २१ |
| पल | ३१ | ३ | ३४ | ६ | ३७ | ०० | ४० | १२ | ४३ | १५ | ४६ | १८ | ४९ | २१ | ५२ | २४ | ५५ | २७ | ५८ | ३० | १ | ३३ | ४ | ३६ | ७ | ३९ | १० | ४२ | १३ | ४५ | १६ | ४८ | १९ | ५१ | २२ | ५४ | २५ | ५७ | २८ | ० |
| विपल | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० |

| गताब्द संख्या | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वार | २ | ३ | ५ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | २ | ३ | ४ | ६ | ० | १ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | २ | ३ | ४ | ६ | ० | १ | २ | ४ | ५ | ६ | ० | २ | ३ | ४ | ५ | ० | १ | २ |
| घटी | ३६ | ५२ | ७ | २३ | ३८ | ५४ | ९ | २५ | ४० | ५६ | ११ | २७ | ४२ | ५८ | १३ | २९ | ४४ | ० | १५ | ३१ | ४७ | २ | १८ | ३३ | ४९ | ४ | २० | ३५ | ५१ | ६ | २२ | ३७ | ५३ | ८ | २४ | ३९ | ५५ | १० | २६ | ४२ |
| पल | ३१ | ३ | ३४ | ६ | ३७ | ९ | ४० | १२ | ४३ | १५ | ४६ | १८ | ४९ | २१ | ५२ | २४ | ५५ | २७ | ५८ | ३० | १ | ३३ | ४ | ३६ | ७ | ३९ | १० | ४२ | १३ | ४५ | १६ | ४८ | १९ | ५१ | २२ | ५४ | २५ | ५७ | २८ | ० |
| विपल | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० |

## विं. मुद्दादशाचक्र

| सूर्य | चन्द्र | मं. | राहु | गुरु | शनि | बुध | के. | शुक्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | १ | ० | १ | १ | १ | १ | ० | २ |
| १८ | ० | २१ | २४ | १८ | २७ | २१ | २१ | ० |

## योगिनीक्रमेण मुद्दादशाचक्र

| यो. | मं. | पिं. | धा. | भ्रा. | भ. | उ. | सि. | सं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा. | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ |
| दि. | १० | २० | ० | १० | २० | ० | १० | २० |

## त्रिराशिपतिचक्र

| लग्नम् | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कु. | मी. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दि.प. | सू. | शु. | श. | शु. | गु. | चं. | बु. | मं. | श. | मं. | गु. | चं. |
| लग्नम् | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कु. | मी. |
| रा.प. | गु. | चं. | बु. | मं. | सू. | शु. | श. | शु. | श. | मं. | गु. | चं. |

# वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल् अभीष्ट हो, उस अभीष्ट संवत् में से जन्म सवंत् घटाने पर जो शेष बचे वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से पृष्ट १३१ पर दी गई प्राचीन मतानुसार वर्ष प्रवेश सारिणी के नीचे दिए वार, घटी, पलादि फल लेकर उसमें जन्म वार इष्टवटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल, घटी आदि यदि ६० से अधिक हों तो उन्हें सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या ७ हो तो ७ अधिक का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष प्रवेश कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

## मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है, यह प्रतिवर्ष एक-एक राशि बढ़ती है। अतः गतवर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़ने पर यदि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

## मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोड़कर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें २ घटाकर ९ का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य, चन्द, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिन पृ.सं. ९४ पर दिए गए मुद्दादशा चक्र से जानें।

## हर्षबलसाधन-

वर्ष कुण्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं

## स्थानबल-

वर्ष लग्न से ९ स्थान में सूर्य, ३ में चन्द्रमा, ६ में मंगल, १ में बुध, ११ में गुरु, ५ में शुक्र तथा १२ में शनि ५ हर्षबल होते हैं।

## स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में ५ हर्षबल देते हैं। अर्थात् सूर्य १।५ चन्द्र २।४, मंगल १।८।१०, बुध ३।६।, गुरु ४।९।१२, शुक्र २।७।१२, शनि १०।११।७ इन स्वोच्च राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित होते हैं।

## पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं.बु.शु.श.) १।२।३।७।९ स्थानों में तथा पुरुषग्रह (सू. मं.गु) ४।५।६।१०।११।१२ स्थानों में ५ हर्षबल होते हैं।

## दिनरात्रिबल-

दिन में वर्षप्रवेश हो तो पुरुषग्रह तथा रात्रि में हो तो स्त्री ग्रह ५ हर्षबल देते हैं। यहाँ यह ध्यान देना चाहिए जहाँ बल प्राप्त हो वहाँ ५ तथा जहाँ बल प्राप्त न हों वहाँ ० शून्य रखना चाहिए। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

## वर्षेश-निर्णय -

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी में पञ्चाधिकारी कहलाते है। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान् होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान् होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्पबल हो तो मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि में हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे बलवान हो वह वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करे वह वर्षेश होगा। यदि इत्थाशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि में बैठा हो वह वर्षेश होगा।

## वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे ५।९ स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, ३।११ स्थान का गुप्त मित्र दृष्टि से १/७ स्थान को प्रम्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा ४।१० स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कार्यों में कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रु दृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

# ★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश २३° । ००", पलभा ५ । ५ । ३४, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल ( २२८, २५८, ३०५, ३३९, ३४०, ३३० )

इन्दौर, उज्जैन, कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, नड़ियाद, भोपाल, मोरवी, मांडवी, वीरमगाम आदि स्थानों के लिए-

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ |
| ० मेष | २ | १० | १७ | २५ | ३२ | ४० | ४८ | ५६ | ५ | १३ | २२ | ३१ | ३९ | ४८ | ५६ | ५ | १४ | २२ | ३१ | ३९ | ४८ | ५७ | ५ | १४ | २२ | ३१ | ४० | ४८ | ५७ | ५ |
| | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ |
| | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| १ वृष | १४ | २३ | ३१ | ४० | ४८ | ५७ | ६ | १६ | २६ | ३६ | ४६ | ५६ | ७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ९ | १९ | २९ | ३९ | ४९ | ५९ |
| | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ | १७ |
| २ मिथुन | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | ११ | २२ | ३३ | ४४ | ५६ | ७ | १८ | ३० | ४१ | ५२ | ०४ | १५ | २६ | ३७ | ४९ | ० | ११ | २३ | ३४ | ४५ | ५७ | ८ | १९ | ३० |
| | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ०६ | २४ | ४२ | ०० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ०६ | २४ | ४२ | ०० | १८ | ३६ | ५४ |
| | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २३ |
| ३ कर्क | ४२ | ५३ | ४ | १६ | २७ | ३८ | ५० | १ | १२ | २४ | ३५ | ४६ | ५८ | ९ | २० | ३२ | ४३ | ५४ | ०६ | १७ | २८ | ४० | ५१ | ०२ | १४ | २५ | ३६ | ४८ | ५९ | १० |
| | १२ | ३० | ४८ | ०६ | २४ | ४२ | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० |
| | २३ | २३ | २३ | २३ | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २८ | २८ | २८ | २८ |
| ४ सिंह | २२ | ३३ | ४४ | ५६ | ७ | १८ | ३० | ४१ | ५२ | ०३ | १४ | २५ | ३६ | ४७ | ५८ | ९ | २० | ३१ | ४२ | ५३ | ०४ | १५ | २६ | ३७ | ४८ | ५९ | १० | २१ | ३२ | ४३ |
| | ०० | २० | ४० | ०० | २० | ४० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | २८ | २९ | २९ | २९ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ |
| ५ कन्या | ५४ | ५ | १६ | २७ | ३८ | ४९ | ० | ११ | २२ | ३३ | ४४ | ५५ | ६ | १७ | २८ | ३९ | ५० | ०१ | १२ | २३ | ३४ | ४५ | ५६ | ७ | १८ | २९ | ४० | ५१ | ०२ | १३ |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ |
| ६ तुला | २४ | ३५ | ४६ | ५७ | ०८ | १९ | ३० | ४१ | ५२ | ४ | १५ | २६ | ३८ | ४९ | ० | १२ | २३ | ३४ | ४६ | ५७ | ८ | २० | ३१ | ४२ | ५४ | ०५ | १६ | २८ | ३९ | ५० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| | ४० | ४० | ४० | ४० | ४० | ४० | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४५ | ४५ | ४५ |
| ७ वृश्चिक | ०२ | १३ | २४ | ३६ | ४७ | ५८ | १० | २१ | ३२ | ४३ | ५५ | ०६ | १७ | २९ | ४० | ५१ | ०३ | १४ | २५ | ३६ | ४८ | ५९ | १० | २२ | ३३ | ४४ | ५६ | ७ | १८ | २९ |
| | ०० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ०० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ०६ | २४ | ४२ | ०० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ०६ | २४ | ४२ | ०० | १८ | ३६ | ५४ |
| | ४५ | ४५ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ८ धनु | ४० | ५१ | ०३ | १५ | २६ | ३७ | ४९ | ५९ | ९ | १९ | २९ | ३९ | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५१ | १ | ११ | २१ | ३१ | ४१ | ५२ | ०२ | १२ | २२ | ३२ | ४२ |
| | १२ | ३० | ४८ | ०६ | २४ | ४२ | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| | ५० | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ |
| ९ मकर | ५३ | ०३ | १३ | २३ | ३३ | ४३ | ५४ | ०२ | ११ | १९ | २८ | ३७ | ४५ | ५४ | ०२ | ११ | २० | २८ | ३७ | ४५ | ५४ | ०३ | ११ | २० | २८ | ३७ | ४६ | ५४ | ३ | ११ |
| | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ |
| | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५९ |
| १० कुम्भ | २० | २९ | ३७ | ४६ | ५४ | ०३ | १२ | १९ | २७ | ३४ | ४२ | ५० | ५७ | ०५ | १२ | २० | २८ | ३५ | ४३ | ५० | ५८ | ०६ | १३ | २१ | २८ | ३६ | ४४ | ५१ | ५९ | ६ |
| | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ |
| | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| ११ मीन | १४ | २२ | २९ | ३७ | ४४ | ५२ | ० | ७ | १५ | २२ | ३० | ३८ | ४५ | ५३ | ० | ८ | १६ | २३ | ३१ | ३८ | ४६ | ५४ | ०१ | ९ | १६ | २४ | ३२ | ३९ | ४७ | ५४ |
| | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ०० | ३६ | १२ | ४८ |

अक्षांश २५° । ००", पलभा ५ । ३५ । ४४, अयनांश २४° । ०५

# ★ लग्नसारिणी ★

आबू, इलाहाबाद, उदयपुर, कराची, काशी, कोटा, जमालपुर, जालोर, झांसी, मालदा, मिर्जापुर, मुंगेर, मोकामा, बूंदी आदि स्थानों के लिए-

स्वोदयपल ( २२३, २५४, ३०३, ३४१, ३४४, ३३५ )

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| | ५८ | ५ | १३ | २० | २८ | ३५ | ४३ | ५१ | ५९ | ८ | १६ | २५ | ३३ | ४२ | ५० |
| | २४ | ५० | १६ | ४२ | ०८ | ३४ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| १ वृष | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ |
| | ६ | १४ | २३ | ३१ | ४० | ४८ | ५७ | ०७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ०७ | १७ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ |
| २ मिथुन | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ |
| | ५९ | ९ | १९ | २९ | ३९ | ४९ | ०० | ११ | २२ | ३४ | ४५ | ५६ | ८ | १९ | ३० |
| | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | २२ | ४४ | ०६ | २८ | ५० | १२ | ३४ | ५६ |
| ३ कर्क | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० |
| | ३२ | ४४ | ५५ | ०६ | १८ | २९ | ४१ | ५२ | ३ | १५ | २६ | ३८ | ४९ | १ | १२ |
| | ४८ | १० | ३२ | ५४ | १६ | ३८ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| ४ सिंह | २३ | २३ | २३ | २३ | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ |
| | १६ | २७ | ३९ | ५० | ०२ | १३ | २५ | ३६ | ४७ | ५८ | ०९ | २० | ३२ | ४३ | ५४ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ४ | ३२ | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० |
| ५ कन्या | २८ | २९ | २९ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३१ | ३१ | ३१ |
| | ५३ | ४ | १५ | २६ | ३७ | ४८ | ०० | ११ | २२ | ३३ | ४४ | ५५ | ०७ | १८ | २९ |
| | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० |
| ६ तुला | ३४ | ३४ | ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३७ |
| | २८ | ३९ | ५० | १ | १२ | २३ | ३५ | ४६ | ५७ | ९ | २० | ३२ | ४३ | ५५ | ६ |
| | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | २८ | ५६ | २४ | ४२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| ७ वृश्चिक | ४० | ४० | ४० | ४० | ४० | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ |
| | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५६ | ७ | १९ | ३० | ४१ | ५३ | ०४ | १५ | २७ | ३८ | ४९ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २२ | ४४ | ०६ | २८ | ५० | १२ | ३४ | ५६ |
| ८ धनु | ४५ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४८ | ४८ | ४८ |
| | ५२ | ४ | १५ | २६ | ३८ | ४९ | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० |
| | ४८ | १० | ३२ | ५४ | १६ | ३८ | ०० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ |
| ९ मकर | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५३ | ५३ |
| | २ | १२ | २२ | ३२ | ४२ | ५२ | ०३ | ११ | १९ | २८ | ३६ | ४५ | ५३ | २ | १० |
| | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| १० कुम्भ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५७ |
| | २६ | ३४ | ४३ | ५१ | ०० | ०८ | १७ | २४ | ३१ | ३९ | ४६ | ५४ | ०१ | ०९ | १६ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २६ | ५२ | १८ | ४४ | १० | ३६ | ०२ | २८ |
| ११ मीन | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ०० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | १५ | २२ | ३० | ३७ | ४५ | ५२ | ०० | ७ | १४ | २२ | २९ | ३७ | ४४ | ५२ | ५९ |
| | २४ | ५० | १६ | ४२ | ०८ | ३४ | ०० | २६ | ५२ | १८ | ४४ | १० | ३६ | ०२ | २८ |

| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| | ५९ | ७ | १६ | २४ | ३३ | ४१ | ५० | ५८ | ६ | १५ | २३ | ३२ | ४० | ४९ | ५७ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| १ वृष | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| | २७ | ३८ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ८ | १९ | २९ | ३९ | ४९ |
| | ५४ | ०० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | ०६ | १२ | १८ |
| २ मिथुन | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ |
| | ४२ | ५३ | ०५ | १६ | २७ | ३९ | ५० | १ | १३ | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | १० | २१ |
| | १८ | ४० | ०२ | २४ | ४६ | ०८ | ३० | ५२ | १४ | ३६ | ५८ | २० | ४२ | ०४ | २६ |
| ३ कर्क | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २३ |
| | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५५ | ०७ | १८ | ३० | ४१ | ५३ | ०४ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| ४ सिंह | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २८ | २८ | २८ | २८ |
| | ०५ | १६ | २७ | ३९ | ५० | १ | १२ | २३ | ३४ | ४६ | ५७ | ०८ | १९ | ३० | ४१ |
| | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| ५ कन्या | ३१ | ३१ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ |
| | ४० | ५१ | ०२ | १४ | २५ | ३६ | ४७ | ५८ | ९ | २१ | ३२ | ४३ | ५४ | ०५ | १६ |
| | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| ६ तुला | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ |
| | १८ | २९ | ४१ | ५२ | ०४ | १५ | २७ | ३८ | ४९ | १ | १२ | २४ | ३५ | ४७ | ५८ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| ७ वृश्चिक | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ |
| | ०१ | १२ | २४ | ३५ | ४६ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५५ | ७ | १८ | ३० | ४१ |
| | १८ | ४० | ०२ | २४ | ४६ | ०८ | ३० | ५२ | १४ | ३६ | ५८ | २० | ४२ | ४ | २६ |
| ८ धनु | ४८ | ४८ | ४८ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| | ३० | ४१ | ५१ | ०१ | ११ | २१ | ३१ | ४१ | ५१ | ०१ | ११ | २२ | ३२ | ४२ | ५२ |
| | ५४ | ०० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ०६ | १२ | १८ |
| ९ मकर | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ | ५५ |
| | १९ | २७ | ३६ | ४४ | ५३ | ०१ | १० | १८ | २६ | ३५ | ४३ | ५२ | ०० | ०९ | १७ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| १० कुम्भ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५९ | ५९ |
| | २३ | ३१ | ३८ | ४६ | ५३ | ०१ | ०८ | १५ | २३ | ३० | ३८ | ४५ | ५३ | ०० | ०७ |
| | ५४ | २० | ४६ | १२ | ३८ | ०४ | ३० | ५६ | २२ | ४८ | १४ | ४० | ०६ | ३२ | ५८ |
| ११ मीन | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| | ०६ | १४ | २१ | २९ | ३६ | ४४ | ५१ | ५८ | ०६ | १३ | २१ | २८ | ३६ | ४३ | ५० |
| | ५४ | २० | ४६ | १२ | ३८ | ०४ | ३० | ५६ | २२ | ४८ | १४ | ४० | ०६ | ३२ | ५८ |

# ✷ लग्नसारिणी ✷

अक्षांश २७° । ००", पलभा ६ । ६ । ५२, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल ( २१७, २५०, ३०३, ३४३, ३४८, ३३९ )

अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, इटावा, उन्नाव, कन्नौज, गोरखपुर, फैजाबाद, आदि स्थानों के लिए-

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| | ५३ | ० | ८ | १५ | २२ | २९ | ३७ | ४५ | ५३ | २ | १० | १८ | २७ | ३५ | ४३ | ५२ | ० | ८ | १७ | २५ | ३३ | ४२ | ५० | ५८ | ७ | १५ | २३ | ३२ | ४० | ४८ |
| | ३६ | ५० | ४ | १८ | ३२ | ४६ | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| १ वृष | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ |
| | ५७ | ५ | १३ | २२ | ३० | ३८ | ४७ | ५७ | ७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ७ | १७ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ९ | १९ | २९ | ३९ |
| | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ |
| २ मिथुन | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ |
| | ४९ | ५९ | ९ | १९ | २९ | ३९ | ५० | १ | १२ | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | १० | २१ | ३२ | ४४ | ५५ | ७ | १८ | ३० | ४१ | ५२ | ४ | १५ | २७ | ३८ | ५० | १ | १२ |
| | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | २६ | ५२ | १८ | ४४ | १० | ३६ | २ | २८ | ५४ | २० | ४६ | १२ | ३८ | ४ | ३० | ५६ | २२ | ४८ | १४ | ४० | ६ | ३२ | ५८ |
| ३ कर्क | १७ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ |
| | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५६ | ७ | १९ | ३१ | ४२ | ५४ | ५ | १७ | २९ | ४० | ५२ | ३ | १५ | २७ | ३८ | ५० | १ | १३ | २५ | ३६ | ४८ | ५९ |
| | २४ | ५० | १६ | ४२ | ८ | ३४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ |
| ४ सिंह | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २८ | २८ | २८ | २८ |
| | ११ | २३ | ३४ | ४६ | ५७ | ९ | २१ | ३२ | ४३ | ५४ | ६ | १७ | २८ | ४० | ५१ | २ | १४ | २५ | ३६ | ४७ | ५९ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५५ | ७ | १८ | २९ | ४० |
| | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ६ | २४ | ४२ | ० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ६ | २४ | ४२ | ० | १८ | ३६ | ५४ |
| ५ कन्या | २८ | २९ | २९ | २९ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ |
| | ५२ | ३ | १४ | २६ | ३७ | ४८ | ० | ११ | २२ | ३३ | ४५ | ५६ | ७ | १९ | ३० | ४१ | ५३ | ४ | १५ | २६ | ३८ | ४९ | ० | १२ | २३ | ३४ | ४६ | ५७ | ८ | १९ |
| | १२ | ३० | ४८ | ६ | २४ | ४२ | ० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ६ | २४ | ४२ | ० | १८ | ३६ | ५४ | १२ | ३० | ४८ | ६ | २४ | ४२ | ० | १८ | ३६ | ५४ |
| ६ तुला | ३४ | ३४ | ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ४० |
| | ३१ | ४२ | ५३ | ५ | १६ | २७ | ३९ | ५० | २ | १३ | २५ | ३७ | ४८ | ० | ११ | २३ | ३५ | ४६ | ५८ | ९ | २१ | ३३ | ४४ | ५६ | ७ | १९ | ३१ | ४२ | ५४ | ५ |
| | १२ | ३० | ४८ | ६ | २४ | ४२ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ |
| ७ वृश्चिक | ४० | ४० | ४० | ४० | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ |
| | १७ | २९ | ४० | ५२ | ३ | १५ | २७ | ३८ | ४९ | १ | १२ | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | ९ | २१ | ३२ | ४४ | ५५ | ७ | १८ | २९ | ४१ | ५२ | ४ | १५ | २७ | ३८ | ४९ |
| | २४ | ० | ३६ | १२ | ४८ | २४ | ० | २६ | ५२ | १८ | ४४ | १० | ३६ | २ | २८ | ५४ | २० | ४६ | १२ | ३८ | ४ | ३० | ५६ | २२ | ४८ | १४ | ४० | ६ | ३२ | ५८ |
| ८ धनु | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५१ |
| | १ | १२ | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५१ | १ | ११ | २१ | ३१ | ४१ | ५१ | १ | ११ | २१ | ३२ | ४२ | ५२ | २ |
| | २४ | ५० | १६ | ४२ | ८ | ३४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ |
| ९ मकर | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ | ५५ |
| | १२ | २२ | ३२ | ४२ | ५२ | २ | १३ | २१ | २९ | ३८ | ४६ | ५४ | ३ | ११ | १९ | २८ | ३६ | ४४ | ५३ | १ | ९ | १८ | २६ | ३४ | ४३ | ५१ | ५९ | ८ | १६ | २४ |
| | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| १० कुम्भ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५९ | ५९ |
| | ३३ | ४१ | ४९ | ५८ | ६ | १४ | २३ | ३० | ३७ | ४४ | ५१ | ५९ | ६ | १३ | २० | २८ | ३५ | ४२ | ४९ | ५७ | ४ | ११ | १८ | २५ | ३३ | ४० | ४७ | ५४ | २ | ९ |
| | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | १४ | २८ | ४२ | ५६ | १० | २४ | ३८ | ५२ | ६ | २० | ३४ | ४८ | २ | १६ | ३० | ४४ | ५८ | १२ | २६ | ४० | ५४ | ८ | २२ |
| ११ मीन | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| | १६ | २३ | ३१ | ३८ | ४५ | ५२ | ० | ७ | १४ | २१ | २८ | ३६ | ४३ | ५० | ५७ | ५ | १२ | १९ | २६ | ३४ | ४१ | ४८ | ५५ | २ | १० | १७ | २४ | ३१ | ३९ | ४६ |
| | ३६ | ५० | ४ | १८ | ३२ | ४६ | ० | १४ | २८ | ४२ | ५६ | १० | २४ | ३८ | ५२ | ६ | २० | ३४ | ४८ | २ | १६ | ३० | ४४ | ५८ | १२ | २६ | ४० | ५४ | ८ | २२ |

# ★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश २८° । ३९", पलभा ६ । ३३ । ६, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल ( २१३, २४७, ३००, ३४४, ३५१, ३४५ )

दिल्ली, गाजियाबाद, टनकपुर, नैनीताल, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गुड़गाँव, रोहतक, मुक्तिनाथ आदि स्थानों के लिए-

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| | ५० | ५७ | ४ | ११ | १८ | २५ | ३३ | ४१ | ४९ | ५७ | ५ | १४ | २२ | ३० | ३८ | ४७ | ५५ | ०३ | ११ | २० | २८ | ३६ | ४४ | ५२ | १ | ९ | १७ | २५ | ३४ | ४२ |
| | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | १४ | २८ | ४२ | ५६ | १० | २४ | ३८ | ५२ | ०६ | २० | ३४ | ४८ | ०२ | १६ | ३० | ४४ | ५८ | १२ | २६ | ४० | ५४ | ०८ | २२ |
| १ वृष | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ |
| | ५० | ५८ | ७ | १५ | २३ | ३१ | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० |
| | ३६ | ५० | ४ | १८ | ३२ | ४६ | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० |
| २ मिथुन | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १७ |
| | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५१ | २ | १४ | २५ | ३७ | ४८ | ० | ११ | २३ | ३४ | ४६ | ५७ | ०९ | २० | ३२ | ४३ | ५४ | ०६ | १७ | २९ | ४० | ५२ | ०३ |
| | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| ३ कर्क | १७ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ |
| | १५ | २६ | ३८ | ४९ | १ | १२ | २४ | ३५ | ४७ | ५९ | १० | २२ | ३४ | ४५ | ५७ | ०९ | २१ | ३२ | ४४ | ५६ | ०७ | १९ | ३१ | ४३ | ५४ | ०६ | १८ | २९ | ४१ | ५३ |
| | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ४ | ३२ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ |
| ४ सिंह | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २८ | २८ | २८ | २८ |
| | ०४ | १६ | २८ | ३९ | ५१ | ३ | १५ | २६ | ३८ | ४९ | ०१ | १२ | २४ | ३५ | ४७ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५६ | ०७ | १९ | ३० | ४२ | ५३ | ०५ | १६ | २८ | ३९ |
| | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० |
| ५ कन्या | २८ | २९ | २९ | २९ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ | ३४ |
| | ५१ | ०२ | १४ | २५ | ३७ | ४८ | ०० | ११ | २३ | ३४ | ४६ | ५७ | ०९ | २० | ३२ | ४३ | ५५ | ०६ | १८ | २९ | ४१ | ५२ | ०४ | १५ | २७ | ३८ | ५० | ०१ | १३ | २४ |
| | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० |
| ६ तुला | ३४ | ३४ | ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ४० | ४० |
| | ३६ | ४७ | ५९ | १० | २२ | ३३ | ४५ | ५६ | ८ | २० | ३१ | ४३ | ५५ | ०६ | १८ | ३० | ४२ | ५३ | ०५ | १७ | २८ | ४० | ५२ | ०३ | १५ | २७ | ३९ | ५० | ०२ | १४ |
| | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ३० | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ |
| ७ वृश्चिक | ४० | ४० | ४० | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ |
| | २५ | ३७ | ४९ | ०० | १२ | २४ | ३६ | ४७ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५६ | ०७ | १९' | ३० | ४२ | ५३ | ०५ | १६ | २८ | ३९ | ५० | २ | १३ | २५ | ३६ | ४८ | ५९ |
| | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ | १२ | ४० | ०८ | ३६ | ०४ | ३२ | ०० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ |
| ८ धनु | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५१ | ५१ |
| | ११ | २२ | ३४ | ४५ | ५७ | ०८ | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० |
| | १२ | ४० | ८ | ३६ | ४ | ३२ | ०० | ०० | ० | ० | ० | ० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० |
| ९ मकर | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ |
| | २० | ३० | ४० | ५० | ०० | १० | २० | २८ | ३६ | ४४ | ५२ | ०१ | ९ | १७ | २५ | ३४ | ४२ | ५० | ५८ | ०७ | १५ | २३ | ३१ | ३९ | ४८ | ५६ | ४ | १२ | २१ | २९ |
| | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | १४ | २८ | ४२ | ५६ | १० | २४ | ३८ | ५२ | ०६ | २० | ३४ | ४८ | ०२ | १६ | ३० | ४४ | ५८ | १२ | २६ | ४० | ५४ | ०८ | २२ |
| १० कुम्भ | ५५ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५९ | ५९ |
| | ३७ | ४५ | ५४ | ०२ | १० | १८ | २७ | ३४ | ४१ | ४८ | ५५ | ०२ | ०९ | १६ | २३ | ३० | ३८ | ४५ | ५२ | ५९ | ०६ | १३ | २० | २७ | ३४ | ४१ | ४९ | ५६ | ०३ | १० |
| | ३६ | ५० | ०४ | १८ | ३२ | ४६ | ०० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | ०६ | १२ | १८ |
| ११ मीन | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| | १७ | २४ | ३१ | ३८ | ४५ | ५२ | ० | ७ | १४ | २१ | २८ | ३५ | ४२ | ४९ | ५६ | ३ | ११ | १८ | २५ | ३२ | ३९ | ४६ | ५३ | ०० | ०७ | १४ | २२ | २९ | ३६ | ४३ |
| | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ०६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ०० | ०६ | १२ | १८ |

# ★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश ३०° । ००" पलभा ६ । ५५ । ४२, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल ( २१०, २४४, २९९, ३४५, ३५४, ३४८ )

अल्मोड़ा, सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिण्डा, शाहबाद, मुल्तान आदि स्थानों के लिए-

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | २<br>४८<br>० | २<br>५५<br>० | ३<br>०२<br>० | ३<br>९<br>० | ३<br>१६<br>० | ३<br>२३<br>० | ३<br>३०<br>० | ३<br>३८<br>८ | ३<br>४६<br>१६ | ३<br>५४<br>२४ | ४<br>२<br>३२ | ४<br>१०<br>४० | ४<br>१८<br>४८ | ४<br>२६<br>५६ | ४<br>३५<br>०४ | ४<br>४३<br>१२ | ४<br>५१<br>२० | ४<br>५९<br>२८ | ५<br>७<br>३६ | ५<br>१५<br>४४ | ५<br>२३<br>५२ | ५<br>३२<br>०० | ५<br>४०<br>८ | ५<br>४८<br>१६ | ५<br>५६<br>२४ | ६<br>०४<br>३२ | ६<br>१२<br>४० | ६<br>२०<br>४८ | ६<br>२८<br>५६ | ६<br>३७<br>०४ |
| १ वृष | ६<br>४५<br>१२ | ६<br>५३<br>२० | ७<br>१<br>२८ | ७<br>०९<br>३६ | ७<br>१७<br>४४ | ७<br>२५<br>५२ | ७<br>३४<br>०० | ७<br>४३<br>५८ | ७<br>५३<br>५६ | ८<br>३<br>५४ | ८<br>१३<br>५२ | ८<br>२३<br>५० | ८<br>३३<br>४८ | ८<br>४३<br>४६ | ८<br>५३<br>४४ | ९<br>३<br>४२ | ९<br>१३<br>४० | ९<br>२३<br>३८ | ९<br>३३<br>३६ | ९<br>४३<br>३४ | ९<br>५३<br>३२ | १०<br>०३<br>३० | १०<br>१३<br>२८ | १०<br>२३<br>२६ | १०<br>३३<br>२४ | १०<br>४३<br>२२ | १०<br>५३<br>२० | ११<br>३<br>१८ | ११<br>१३<br>१६ | ११<br>२३<br>१४ |
| २ मिथुन | ११<br>३३<br>१२ | ११<br>४३<br>१० | ११<br>५३<br>०८ | १२<br>०३<br>०६ | १२<br>१३<br>०४ | १२<br>२३<br>०२ | १२<br>३३<br>०० | १२<br>४४<br>३० | १२<br>५६<br>०० | १३<br>०७<br>३० | १३<br>१९<br>०० | १३<br>३०<br>३० | १३<br>४२<br>०० | १३<br>५३<br>३० | १४<br>५<br>०० | १४<br>१६<br>३० | १४<br>२८<br>०० | १४<br>३९<br>३० | १४<br>५१<br>०० | १५<br>०२<br>३० | १५<br>१४<br>०० | १५<br>२५<br>३० | १५<br>३७<br>०० | १५<br>४८<br>३० | १६<br>००<br>०० | १६<br>११<br>३० | १६<br>२३<br>०० | १६<br>३४<br>३० | १६<br>४६<br>०० | १६<br>५७<br>३० |
| ३ कर्क | १७<br>०९<br>०० | १७<br>२०<br>३० | १७<br>३२<br>०० | १७<br>४३<br>३० | १७<br>५५<br>०० | १८<br>०६<br>३० | १८<br>१८<br>०० | १८<br>२९<br>४८ | १८<br>४१<br>३६ | १८<br>५३<br>२४ | १९<br>०५<br>१२ | १९<br>१७<br>०० | १९<br>२८<br>४८ | १९<br>४०<br>३६ | १९<br>५२<br>२४ | २०<br>०४<br>१२ | २०<br>१६<br>०० | २०<br>२७<br>४८ | २०<br>३९<br>३६ | २०<br>५१<br>२४ | २१<br>३<br>१२ | २१<br>१५<br>०० | २१<br>२६<br>४८ | २१<br>३८<br>३६ | २१<br>५०<br>२४ | २२<br>०२<br>१२ | २२<br>१४<br>०० | २२<br>२५<br>४८ | २२<br>३७<br>३६ | २२<br>४९<br>२४ |
| ४ सिंह | २३<br>९<br>१२ | २३<br>१३<br>०० | २३<br>२४<br>४८ | २३<br>३६<br>३६ | २३<br>४८<br>२४ | २४<br>००<br>१२ | २४<br>१२<br>०० | २४<br>२३<br>३६ | २४<br>३५<br>१२ | २४<br>४६<br>४८ | २४<br>५८<br>२४ | २५<br>१०<br>० | २५<br>२१<br>३६ | २५<br>३३<br>१२ | २५<br>४४<br>४८ | २५<br>५६<br>२४ | २६<br>८<br>०० | २६<br>१९<br>३६ | २६<br>३१<br>१२ | २६<br>४२<br>४८ | २६<br>५४<br>२४ | २७<br>०६<br>०० | २७<br>१७<br>३६ | २७<br>२८<br>१२ | २७<br>४०<br>४८ | २७<br>५२<br>२४ | २८<br>०४<br>०० | २८<br>१५<br>३६ | २८<br>२७<br>१२ | २८<br>३८<br>४८ |
| ५ कन्या | २८<br>५०<br>२४ | २९<br>०२<br>०० | २९<br>१३<br>३६ | २९<br>२५<br>१२ | २९<br>३६<br>४८ | २९<br>४८<br>२४ | ३०<br>००<br>०० | ३०<br>११<br>३६ | ३०<br>२३<br>१२ | ३०<br>३४<br>४८ | ३०<br>४६<br>२४ | ३०<br>५८<br>० | ३१<br>०९<br>३६ | ३१<br>२१<br>१२ | ३१<br>३२<br>४८ | ३१<br>४४<br>२४ | ३१<br>५६<br>०० | ३२<br>०७<br>३६ | ३२<br>१९<br>१२ | ३२<br>३०<br>४८ | ३२<br>४२<br>२४ | ३२<br>५४<br>०० | ३३<br>५<br>३६ | ३३<br>१७<br>१२ | ३३<br>२८<br>४८ | ३३<br>४०<br>२४ | ३३<br>५२<br>०० | ३४<br>३<br>३६ | ३४<br>१५<br>१२ | ३४<br>२६<br>४८ |
| ६ तुला | ३४<br>३८<br>२४ | ३४<br>५०<br>०० | ३५<br>९<br>३६ | ३५<br>१३<br>१२ | ३५<br>२४<br>४८ | ३५<br>३६<br>२४ | ३५<br>४८<br>०० | ३५<br>५९<br>४८ | ३६<br>११<br>३६ | ३६<br>२३<br>२४ | ३६<br>३५<br>१२ | ३६<br>४७<br>०० | ३६<br>५८<br>४८ | ३७<br>१०<br>३६ | ३७<br>२२<br>२४ | ३७<br>३४<br>१२ | ३७<br>४६<br>०० | ३७<br>५७<br>४८ | ३८<br>०९<br>३६ | ३८<br>२१<br>२४ | ३८<br>३३<br>१२ | ३८<br>४५<br>०० | ३८<br>५६<br>४८ | ३९<br>०८<br>३६ | ३९<br>२०<br>२४ | ३९<br>३२<br>१२ | ३९<br>४४<br>०० | ३९<br>५५<br>४८ | ४०<br>०७<br>३६ | ४०<br>१९<br>२४ |
| ७ वृश्चिक | ४०<br>३१<br>१२ | ४०<br>४३<br>०० | ४०<br>५४<br>४८ | ४१<br>०६<br>३६ | ४१<br>१८<br>२४ | ४१<br>३०<br>१२ | ४१<br>४२<br>०० | ४१<br>५३<br>३० | ४२<br>०५<br>०० | ४२<br>१६<br>३० | ४२<br>२८<br>०० | ४२<br>३९<br>३० | ४२<br>५१<br>०० | ४३<br>०२<br>३० | ४३<br>१४<br>०० | ४३<br>२५<br>३० | ४३<br>३७<br>०० | ४३<br>४८<br>३० | ४४<br>००<br>०० | ४४<br>११<br>३० | ४४<br>२३<br>०० | ४४<br>३४<br>३० | ४४<br>४६<br>०० | ४४<br>५७<br>३० | ४५<br>९<br>०० | ४५<br>२०<br>३० | ४५<br>३२<br>०० | ४५<br>४३<br>३० | ४५<br>५५<br>०० | ४६<br>६<br>३० |
| ८ धनु | ४६<br>१८<br>०० | ४६<br>२९<br>३० | ४६<br>४१<br>०० | ४६<br>५२<br>३० | ४७<br>०४<br>०० | ४७<br>१५<br>३० | ४७<br>२७<br>०० | ४७<br>३६<br>५८ | ४७<br>४६<br>५६ | ४७<br>५६<br>५४ | ४८<br>०६<br>५२ | ४८<br>१६<br>५० | ४८<br>२६<br>४८ | ४८<br>३६<br>४६ | ४८<br>४६<br>४४ | ४८<br>५६<br>४२ | ४९<br>०६<br>४० | ४९<br>१६<br>३८ | ४९<br>२६<br>३६ | ४९<br>३६<br>३४ | ४९<br>४६<br>३२ | ४९<br>५६<br>३० | ५०<br>६<br>२८ | ५०<br>१६<br>२६ | ५०<br>२६<br>२४ | ५०<br>३६<br>२२ | ५०<br>४६<br>२० | ५०<br>५६<br>१८ | ५१<br>६<br>१६ | ५१<br>१६<br>१४ |
| ९ मकर | ५१<br>२६<br>१२ | ५१<br>३६<br>१० | ५१<br>४६<br>०८ | ५१<br>५६<br>०६ | ५२<br>०६<br>०४ | ५२<br>१६<br>०२ | ५२<br>२६<br>०० | ५२<br>३४<br>०८ | ५२<br>४२<br>१६ | ५२<br>५०<br>२४ | ५२<br>५८<br>३२ | ५३<br>६<br>४० | ५३<br>१४<br>४८ | ५३<br>२२<br>५६ | ५३<br>३१<br>०४ | ५३<br>३९<br>१२ | ५३<br>४७<br>२० | ५३<br>५५<br>२८ | ५४<br>३<br>३६ | ५४<br>११<br>४४ | ५४<br>१९<br>५२ | ५४<br>२८<br>०० | ५४<br>३६<br>०८ | ५४<br>४४<br>१६ | ५४<br>५२<br>२४ | ५५<br>००<br>३२ | ५५<br>८<br>४० | ५५<br>१६<br>४८ | ५५<br>२४<br>५६ | ५५<br>३३<br>४ |
| १० कुम्भ | ५५<br>४१<br>१२ | ५५<br>४९<br>२० | ५५<br>५७<br>२८ | ५६<br>५<br>३६ | ५६<br>१३<br>४४ | ५६<br>२१<br>५२ | ५६<br>३०<br>०० | ५६<br>३७<br>०० | ५६<br>४४<br>०० | ५६<br>५१<br>०० | ५६<br>५८<br>०० | ५७<br>०५<br>०० | ५७<br>१२<br>०० | ५७<br>१९<br>०० | ५७<br>२६<br>०० | ५७<br>३३<br>०० | ५७<br>४०<br>०० | ५७<br>४७<br>०० | ५७<br>५४<br>०० | ५८<br>१<br>०० | ५८<br>०८<br>०० | ५८<br>१५<br>०० | ५८<br>२२<br>०० | ५८<br>२९<br>०० | ५८<br>३६<br>०० | ५८<br>४३<br>०० | ५८<br>५०<br>०० | ५८<br>५७<br>०० | ५९<br>४<br>०० | ५९<br>११<br>०० |
| ११ मीन | ५९<br>१८<br>०० | ५९<br>२५<br>०० | ५९<br>३२<br>०० | ५९<br>३९<br>०० | ५९<br>४६<br>०० | ५९<br>५३<br>०० | ०<br>०<br>० | ०<br>७<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२८<br>० | ०<br>३५<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४९<br>० | ०<br>५६<br>० | १<br>३<br>० | १<br>१०<br>० | १<br>१७<br>० | १<br>२४<br>० | १<br>३१<br>० | १<br>३८<br>० | १<br>४५<br>० | १<br>५२<br>० | १<br>५९<br>० | २<br>०६<br>० | २<br>१३<br>० | २<br>२०<br>० | २<br>२७<br>० | २<br>३४<br>० | २<br>४१<br>० |

# ★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश ३१° । ००", पलभा ७/१२/३९, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल ( २०७, २४१, २९८, ३४६, ३५७, ३५१ )

सोलन, फिरोजपुर, उत्तरकाशी, लुधियाना, फरीदकोट, रोपड़, शिमला आदि स्थानों के लिए-

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| | ४५ | ५२ | ५९ | ६ | १३ | २० | २७ | ३५ | ४३ | ५१ | ५९ | ७ | १५ | २३ | ३१ | ३९ | ४७ | ५५ | ३ | ११ | १९ | २७ | ३५ | ४३ | ५१ | ५९ | ७ | १५ | २३ | ३१ |
| | ३६ | ३० | ३४ | २८ | २२ | १६ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ |
| १ वृष | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ |
| | ३९ | ४८ | ५६ | ०४ | १२ | २० | २८ | ३८ | ४८ | ५७ | ७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ७ | १७ | २६ | ३६ | ४६ | ५६ | ०६ | १६ |
| | ५८ | ०० | ०२ | ०४ | ०६ | ०८ | १० | ०६ | ०२ | ५८ | ५४ | ५० | ४६ | ४२ | ३८ | ३४ | ३० | २६ | २२ | १८ | १४ | १० | ६ | ०२ | ५८ | ५४ | ५० | ४६ | ४२ | ३८ |
| २ मिथुन | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ |
| | २६ | ३६ | ४६ | ५६ | ०६ | १६ | २६ | ३७ | ४९ | ०० | १२ | २३ | ३५ | ४६ | ५८ | ९ | २१ | ३२ | ४४ | ५५ | ७ | १९ | ३० | ४२ | ५३ | ५ | १६ | २८ | ३९ | ११ |
| | ३४ | ३० | २६ | २२ | १८ | १४ | १० | ४२ | १४ | ४६ | १८ | ४० | १२ | ४४ | १६ | ४८ | २० | ५२ | २४ | ५६ | २८ | ०० | ३२ | ४ | ३६ | ८ | ४० | १२ | ४४ | १६ |
| ३ कर्क | १७ | १७ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ |
| | ०२ | १४ | २५ | ३७ | ४८ | ०० | १२ | २३ | ३५ | ४७ | ५९ | ११ | २३ | ३५ | ४७ | ५९ | ११ | २२ | ३४ | ४६ | ५८ | १० | २२ | ३४ | ४६ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४५ |
| | ४८ | २० | ५२ | २४ | ५६ | २८ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ० | ५४ | ४८ | ४२ |
| ४ सिंह | २२ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २८ | २८ | २८ | २८ |
| | ५७ | ९ | २१ | ३३ | ४५ | ५७ | ०९ | २० | ३२ | ४४ | ५५ | ०७ | १९ | ३० | ४२ | ५४ | ०६ | १७ | २९ | ४१ | ५२ | ०४ | १६ | २७ | ३९ | ५१ | ०३ | १४ | २६ | ३८ |
| | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ |
| ५ कन्या | २८ | २९ | २९ | २९ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३१ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ | ३४ |
| | ४९ | १ | १३ | २४ | ३६ | ४८ | ०० | ११ | २३ | ३५ | ४६ | ५८ | १० | २१ | ३३ | ४५ | ५७ | ८ | २० | ३२ | ४३ | ५५ | ०७ | १८ | ३० | ४२ | ५४ | ०५ | १७ | २९ |
| | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ | ४८ | ३० | १२ | ५४ | २३ | १८ | ०० | ४२ | २४ | ०६ |
| ६ तुला | ३४ | ३४ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३६ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३७ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ४० | ४० | ४० |
| | ४० | ५२ | ०४ | १५ | २७ | ३९ | ५१ | २ | १४ | २६ | ३८ | ५० | २ | १४ | २६ | ३८ | ५० | १ | १३ | २५ | ३७ | ४९ | १ | १३ | २५ | ३७ | ४९ | ०० | १२ | २४ |
| | ४८ | ३० | १२ | ५४ | ३६ | १८ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ |
| ७ वृश्चिक | ४० | ४० | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४१ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४३ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४४ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४६ | ४६ |
| | ३६ | ४८ | ०० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ५९ | ११ | २२ | ३४ | ४५ | ५७ | ८ | २० | ३१ | ४३ | ५४ | ६ | १७ | २९ | ४१ | ५२ | ४ | १५ | २७ | ३८ | ५० | ०१ | १३ |
| | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ३२ | ०४ | ३६ | ०८ | ४० | १२ | ४४ | १६ | ४८ | २० | ५२ | २४ | ५६ | २८ | ०० | ३२ | ४ | ३६ | ०८ | ४० | १२ | ४४ | १६ |
| ८ धनु | ४६ | ४६ | ४६ | ४६ | ४७ | ४७ | ४७ | ४७ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४८ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५१ | ५१ | ५१ |
| | २४ | ३६ | ४७ | ५९ | १० | २२ | ३४ | ४३ | ५३ | ३ | १३ | २३ | ३३ | ४३ | ५३ | ०३ | १३ | २३ | ३३ | ४३ | ५३ | ०३ | १२ | २२ | ३२ | ४२ | ५२ | ०२ | १२ | २२ |
| | ४८ | २० | ५२ | २४ | ५६ | २८ | ०० | ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ | २८ | २४ | २० | १६ | १२ | ०८ | ०४ | ०० | ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ | २८ |
| ९ मकर | ५१ | ५१ | ५१ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ |
| | ३२ | ४२ | ५२ | ०२ | १२ | २२ | ३२ | ४० | ४८ | ५६ | ४ | १२ | २० | २८ | ३६ | ४४ | ५२ | ० | ८ | १६ | २४ | ३२ | ४० | ४८ | ५६ | ०४ | १२ | २० | २८ | ३६ |
| | २४ | २० | १६ | १२ | ०८ | ०४ | ०० | ०२ | ०४ | ०६ | ०८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ |
| १० कुम्भ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५९ | ५९ |
| | ४४ | ५२ | ०० | ०८ | १६ | २४ | ३३ | ३९ | ४६ | ५३ | ०० | ०७ | १४ | २१ | २८ | ३५ | ४२ | ४८ | ५५ | ०२ | ९ | १६ | २३ | ३० | ३६ | ४३ | ५० | ५७ | ४ | ११ |
| | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ |
| ११ मीन | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| | १८ | २५ | ३२ | ३९ | ४६ | ५३ | ० | ६ | १३ | २० | २७ | ३४ | ४१ | ४८ | ५५ | ०२ | ०९ | १५ | २२ | २९ | ३६ | ४३ | ५० | ५७ | ०४ | ११ | १८ | २४ | ३१ | ३८ |
| | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३० | २४ | १८ | १२ | ०६ | ०० | ५४ | ४८ | ४२ |

# * दशम-लग्न-सारिणी *

विशेष : दशम लग्न निकालने के लिए अभीष्ट अक्षांश से सम्बन्धित लग्न-सारिणी से सूर्य के राशि अंश का फल लेकर इष्टकाल जोड़ना चाहिए। जुड़े हुए फल में से १५ घटी घटा कर शेष फल को दशम लग्न सारिणी में बाईं ओर राशि एवं ऊपर अंश देखकर उसके तुल्य दशम लग्न होगा। सूक्ष्म फल हेतु अनुपात द्वारा कला विकला का आनयन करना चाहिए।

| | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | ३<br>४०<br>६ | ३<br>४९<br>२४ | ३<br>५८<br>४२ | ४<br>८<br>० | ४<br>१७<br>१८ | ४<br>२६<br>३६ | ४<br>३५<br>५४ | ४<br>४५<br>१२ | ४<br>५५<br>१० | ५<br>५<br>८ | ५<br>१५<br>६ | ५<br>२५<br>४ | ५<br>३५<br>२ | ५<br>४५<br>० | ५<br>५४<br>५८ |
| १ वृष | ८<br>३४<br>२६ | ८<br>४४<br>२४ | ८<br>५४<br>२२ | ९<br>४<br>२० | ९<br>१४<br>१८ | ९<br>२४<br>१६ | ९<br>३४<br>१४ | ९<br>४४<br>१२ | ९<br>५४<br>५६ | १०<br>५<br>४० | १०<br>१६<br>२४ | १०<br>२७<br>८ | १०<br>३७<br>५२ | १०<br>४८<br>३६ | १०<br>५९<br>२० |
| २ मिथुन | १३<br>५१<br>४ | १४<br>१<br>४८ | १४<br>१२<br>३२ | १४<br>२३<br>१६ | १४<br>३४<br>० | १४<br>४४<br>४४ | १४<br>५५<br>२८ | १५<br>६<br>१२ | १५<br>१६<br>५६ | १५<br>२७<br>४० | १५<br>३८<br>२४ | १५<br>४९<br>८ | १५<br>५९<br>५२ | १६<br>१०<br>३६ | १६<br>२१<br>२० |
| ३ कर्क | १९<br>१३<br>४ | १९<br>२३<br>४८ | १९<br>३४<br>३२ | १९<br>४५<br>१६ | १९<br>५६<br>० | २०<br>६<br>४४ | २०<br>१७<br>२८ | २०<br>२८<br>१२ | २०<br>३८<br>१० | २०<br>४८<br>८ | २०<br>५८<br>६ | २१<br>८<br>४ | २१<br>१८<br>२ | २१<br>२८<br>० | २१<br>३७<br>५८ |
| ४ सिंह | २४<br>१७<br>२६ | २४<br>२७<br>२४ | २४<br>३७<br>२२ | २४<br>४७<br>२० | २४<br>५७<br>१८ | २५<br>७<br>१६ | २५<br>१७<br>१४ | २५<br>२७<br>१२ | २५<br>३६<br>३० | २५<br>४५<br>४८ | २५<br>५५<br>६ | २६<br>४<br>२४ | २६<br>१३<br>४२ | २६<br>२२<br>० | २६<br>३१<br>१८ |
| ५ कन्या | २९<br>०<br>६ | २९<br>९<br>२४ | २९<br>१८<br>४२ | २९<br>२८<br>० | २९<br>३७<br>१८ | २९<br>४६<br>३६ | २९<br>५५<br>५४ | ३०<br>५<br>१२ | ३०<br>१५<br>३० | ३०<br>२४<br>४८ | ३०<br>३४<br>६ | ३०<br>४३<br>२४ | ३०<br>५२<br>४२ | ३१<br>२<br>० | ३१<br>११<br>१८ |
| ६ तुला | ३३<br>४०<br>६ | ३३<br>४९<br>२४ | ३३<br>५८<br>४२ | ३४<br>८<br>० | ३४<br>१७<br>१८ | ३४<br>२६<br>३६ | ३४<br>३५<br>५४ | ३४<br>४५<br>१२ | ३४<br>५५<br>१० | ३५<br>५<br>८ | ३५<br>१५<br>६ | ३५<br>२५<br>४ | ३५<br>३५<br>२ | ३५<br>४५<br>० | ३५<br>५४<br>५८ |
| ७ वृश्चिक | ३८<br>३४<br>२६ | ३८<br>४४<br>२४ | ३८<br>५४<br>२२ | ३९<br>४<br>२० | ३९<br>१४<br>१८ | ३९<br>२४<br>१६ | ३९<br>३४<br>१४ | ३९<br>४४<br>१२ | ३९<br>५४<br>५६ | ४०<br>५<br>४० | ४०<br>१६<br>२४ | ४०<br>२७<br>८ | ४०<br>३७<br>५२ | ४०<br>४८<br>३६ | ४०<br>५९<br>२० |
| ८ धनु | ४३<br>५१<br>४ | ४४<br>१<br>४८ | ४४<br>१२<br>३२ | ४४<br>२३<br>१६ | ४४<br>३४<br>० | ४४<br>४४<br>४४ | ४४<br>५५<br>२८ | ४५<br>६<br>१२ | ४५<br>१६<br>५६ | ४५<br>२७<br>४० | ४५<br>३८<br>२४ | ४५<br>४९<br>८ | ४५<br>५९<br>५२ | ४६<br>१०<br>३६ | ४६<br>२१<br>२० |
| ९ मकर | ४९<br>१३<br>४ | ४९<br>२३<br>४८ | ४९<br>३४<br>३२ | ४९<br>४५<br>१६ | ४९<br>५६<br>० | ५०<br>६<br>४४ | ५०<br>१७<br>२८ | ५०<br>२८<br>१२ | ५०<br>३८<br>१० | ५०<br>४८<br>८ | ५०<br>५८<br>६ | ५१<br>८<br>४ | ५१<br>१८<br>२ | ५१<br>२८<br>० | ५१<br>३७<br>५८ |
| १० कुम्भ | ५४<br>१७<br>२६ | ५४<br>२७<br>२४ | ५४<br>३७<br>२२ | ५४<br>४७<br>२० | ५४<br>५७<br>१८ | ५५<br>७<br>१६ | ५५<br>१७<br>१४ | ५५<br>२७<br>१२ | ५५<br>३६<br>३० | ५५<br>४५<br>४८ | ५५<br>५५<br>६ | ५६<br>४<br>२४ | ५६<br>१३<br>४२ | ५६<br>२३<br>० | ५६<br>३२<br>१८ |
| ११ मीन | ५९<br>१<br>६ | ५९<br>१०<br>२४ | ५९<br>१९<br>४२ | ५९<br>२९<br>० | ५९<br>३८<br>१८ | ५९<br>४७<br>३६ | ५९<br>५६<br>५४ | ०<br>६<br>१२ | ०<br>१५<br>३० | ०<br>२४<br>४८ | ०<br>३४<br>६ | ०<br>४३<br>२४ | ०<br>५२<br>४२ | १<br>२<br>० | १<br>११<br>१८ |

| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० मेष | ६<br>४<br>५६ | ६<br>१४<br>५४ | ६<br>२४<br>५२ | ६<br>३४<br>५० | ६<br>४४<br>४८ | ६<br>५४<br>४६ | ७<br>४<br>४४ | ७<br>१४<br>४२ | ७<br>२४<br>४० | ७<br>३४<br>३८ | ७<br>४४<br>३६ | ७<br>५४<br>३४ | ८<br>४<br>३२ | ८<br>१४<br>३० | ८<br>२४<br>२८ |
| १ वृष | ११<br>१०<br>४ | ११<br>२०<br>४८ | ११<br>३१<br>३२ | ११<br>४२<br>१६ | ११<br>५३<br>० | १२<br>३<br>४४ | १२<br>१४<br>२८ | १२<br>२५<br>१२ | १२<br>३५<br>५६ | १२<br>४६<br>४० | १२<br>५७<br>२४ | १३<br>८<br>८ | १३<br>१८<br>५२ | १३<br>२९<br>३६ | १३<br>४०<br>२० |
| २ मिथुन | १६<br>३२<br>४ | १६<br>४२<br>४८ | १६<br>५३<br>३२ | १७<br>४<br>१६ | १७<br>१५<br>० | १७<br>२५<br>४४ | १७<br>३६<br>२८ | १७<br>४७<br>१२ | १७<br>५७<br>५६ | १८<br>८<br>४० | १८<br>१९<br>२४ | १८<br>३०<br>८ | १८<br>४०<br>५२ | १८<br>५१<br>३६ | १८<br>२<br>२० |
| ३ कर्क | २१<br>४७<br>५६ | २१<br>५७<br>५४ | २२<br>७<br>५२ | २२<br>१७<br>५० | २२<br>२७<br>४८ | २२<br>३७<br>४६ | २२<br>४७<br>४४ | २२<br>५७<br>४२ | २३<br>७<br>४० | २३<br>१७<br>३८ | २३<br>२७<br>३६ | २३<br>३७<br>३४ | २३<br>४७<br>३२ | २३<br>५७<br>३० | २४<br>७<br>२८ |
| ४ सिंह | २६<br>४०<br>३६ | २६<br>४९<br>५४ | २६<br>५९<br>१२ | २७<br>८<br>३० | २७<br>१७<br>४८ | २७<br>२७<br>६ | २७<br>३६<br>२४ | २७<br>४५<br>४२ | २७<br>५५<br>० | २८<br>४<br>१८ | २८<br>१३<br>३६ | २८<br>२२<br>५४ | २८<br>३२<br>१२ | २८<br>४१<br>३० | २८<br>५०<br>४८ |
| ५ कन्या | ३१<br>२०<br>३६ | ३१<br>२९<br>५४ | ३१<br>३९<br>१२ | ३१<br>४८<br>३० | ३१<br>५७<br>४८ | ३२<br>७<br>६ | ३२<br>१६<br>२४ | ३२<br>२५<br>४२ | ३२<br>३५<br>० | ३२<br>४४<br>१८ | ३२<br>५३<br>३६ | ३३<br>२<br>५४ | ३३<br>१२<br>१२ | ३३<br>२१<br>३० | ३३<br>३०<br>४८ |
| ६ तुला | ३६<br>४<br>५६ | ३६<br>१४<br>५४ | ३६<br>२४<br>५२ | ३६<br>३४<br>५० | ३६<br>४४<br>४८ | ३६<br>५४<br>४६ | ३७<br>४<br>४४ | ३७<br>१४<br>४२ | ३७<br>२४<br>४० | ३७<br>३४<br>३८ | ३७<br>४४<br>३६ | ३७<br>५४<br>३४ | ३८<br>४<br>३२ | ३८<br>१४<br>३० | ३८<br>२४<br>२८ |
| ७ वृश्चिक | ४१<br>१०<br>४ | ४१<br>२०<br>४८ | ४१<br>३१<br>३२ | ४१<br>४२<br>१६ | ४१<br>५३<br>० | ४२<br>३<br>४४ | ४२<br>१४<br>२८ | ४२<br>२५<br>१२ | ४२<br>३५<br>५६ | ४२<br>४६<br>४० | ४२<br>५७<br>२४ | ४३<br>८<br>८ | ४३<br>१८<br>५२ | ४३<br>२९<br>३६ | ४३<br>४०<br>२० |
| ८ धनु | ४६<br>३२<br>४ | ४६<br>४२<br>४८ | ४६<br>५३<br>३२ | ४७<br>४<br>१६ | ४७<br>१५<br>० | ४७<br>२५<br>४४ | ४७<br>३६<br>२८ | ४७<br>४७<br>१२ | ४७<br>५७<br>५६ | ४८<br>८<br>४० | ४८<br>१९<br>२४ | ४८<br>३०<br>८ | ४८<br>४०<br>५२ | ४८<br>५१<br>३६ | ४९<br>२<br>२० |
| ९ मकर | ५१<br>४७<br>५६ | ५१<br>५७<br>५४ | ५२<br>७<br>५२ | ५२<br>१७<br>५० | ५२<br>२७<br>४८ | ५२<br>३७<br>४६ | ५२<br>४७<br>४४ | ५२<br>५७<br>४२ | ५३<br>७<br>४० | ५३<br>१७<br>३८ | ५३<br>२७<br>३६ | ५३<br>३७<br>३४ | ५३<br>४७<br>३२ | ५३<br>५७<br>३० | ५४<br>७<br>२८ |
| १० कुम्भ | ५६<br>४१<br>३६ | ५६<br>५०<br>५४ | ५७<br>०<br>१२ | ५७<br>९<br>३० | ५७<br>१८<br>४८ | ५७<br>२८<br>६ | ५७<br>३७<br>२४ | ५७<br>४६<br>४२ | ५७<br>५६<br>० | ५८<br>५५<br>१८ | ५८<br>१४<br>३६ | ५८<br>२३<br>५४ | ५८<br>३३<br>१२ | ५८<br>४२<br>३० | ५८<br>५१<br>४८ |
| ११ मीन | १<br>२०<br>३६ | १<br>२९<br>५४ | १<br>३९<br>१२ | १<br>४८<br>३० | १<br>५७<br>४८ | १<br>७<br>६ | २<br>१६<br>२४ | २<br>२५<br>४२ | २<br>३५<br>० | २<br>४४<br>१८ | २<br>५३<br>३६ | ३<br>२<br>५४ | ३<br>१२<br>१२ | ३<br>२१<br>३० | ३<br>३०<br>४८ |

## नैसर्गिक ग्रह-मैत्री चक्र

| ग्रह | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मित्र | चं. मं. गु. | सू. बु. | सू. चं. गु. | सू. शु. | सू. चं. मं. | बु. श. | बु. शु. | बु. शु. श. |
| शत्रु | शु. श. | रा. | बु. | चं. | बु. शु. | सू. चं. | सू.चं.मं. | सू.चं.मं |
| सम | बु. | मं. गु. श. | शु. श. | मं. गु. श. | श. | मं. गु. | गु. | गु. |

### तात्कालिक-मैत्री

ग्रह स्थान से २, ३, ४, १०, ११, १२ स्थान में स्थित ग्रह मित्र तथा ग्रह स्थान से १, ५, ६, ७, ८, ९ स्थान में स्थित ग्रह शत्रु होते हैं।

## नक्षत्रों की अन्धाक्ष-मन्दाक्ष-सुलोचनादि संज्ञा

| | | | |
|---|---|---|---|
| अन्धाक्ष | रो., पु., उ.फा., वि., पू.षा., ध., रे., | पूर्व | शीघ्र लाभ |
| मन्दाक्ष | मृ., आश्ले., ह., अनु., उ.षा., शत., अश्वि., | दक्षिण | प्रयत्न से लाभ |
| मध्याक्ष | आ., म., चि., ज्ये., अभि., पू.भा., भ. | पश्चिम | दूरश्रवण, लाभ नहीं |
| सुलोचन | पुन., पू.फा., स्वा., मू., श्रव., उ.भा., कृ. | उत्तर | न श्रवण न लाभ |

## तिथि-वार-नक्षत्रदिवस सिद्ध्यादि योगचक्र

| वार | रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सिद्धि योग | ३।८।१३ | १।६।११ | ३।८।१३ | २।७।१२ | ५।१०।१५ | १।६।११ | ४।९।१४ |
| अमृत योग | ५।१०।१५ | ५।१०।१५ | २।७।१२ | १।६।११ | ३।८।१३ | ४।९।१४ | १।६।११ |
| सर्वार्थ सिद्धि योग | अश्वि.पुष्य हस्त, मूल उ.फा.,उ.षा. उ.भा. | रो.मृ.पुष्य श्रवण अनु. | अश्वि. उ.भा. कृ., आश्ले. | रो.मृ. ह. अनु. | अश्वि. पुष्य पुन.अनु.रे. | अश्वि. पुन.अनु. श्रव.रे. | रो.स्वा. श्रवण |
| मृत्यु योग | १।६।११ | २।७।१२ | १।६।११ | ३।८।१३ | ४।९।१४ | २।७।१२ | ५।१०।१५ |
| राज्यप्रद योग | X | X | ४।९।१४ | X | X | X | ४।९।१४ |

### शिव-वास

वर्तमान तिथि को दो से गुणा करके पाँच जोड़ने पर जो प्राप्त हो, उसको सात से भाग देने पर एक शेष रहने पर कैलाश में श्रेष्ठ, दो से गौरी पार्श्व में श्रेष्ठ, तीन से वृषोपरि श्रेष्ठ, चार से सभा में सामान्य, पाँच से ज्ञानलेवा में श्रेष्ठ, छः से क्रीड़ा में नेष्ट तथा शून्य से श्मशान में मृत्युकारक है।

# विविध-मुहूर्त्तों का विचार

**गर्भाधान के मुहूर्त्त का विचार-** रजोदर्शन प्रारम्भ से ४ रात्रि उपरान्त सम-रात्रियों में रो०, ह०, स्वा०, मृ०, अनु०, श्र०, ध०, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, तुला, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से ३-६-११वें स्थानों पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो, (स्त्री को विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। (पुन०, अश्वि०, पुष्य, चित्रा) इन नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

## गर्भाधान-मुहूर्त्त-चक्र

| | |
|---|---|
| रो०, हस्त, स्वाती, मृग०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा | श्रेष्ठ नक्षत्र |
| पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा | मध्यम नक्षत्र |
| १-४-५-७-९-१० | लग्न |
| लग्न से ३-६-११वें पापग्रह हों | |
| १-३-५-७-९-११ | नवांश |
| रजोदर्शन से ६-८-१०-१२-१४-१६वीं | रात्रियाँ |

**पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त विचार-** गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र में, तारा शुद्धि में, रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मू०, श्रवण, ३ उत्तरा नक्षत्रों में जन्म को त्याग कर, शुक्ल पक्ष १-२-३-५-७-१०-११, १३ तथा कृष्ण पक्ष की में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन में पूर्व भाग में पुरूष संज्ञक नवमांश लग्न में होने पर तथा लग्न से १-४-५-७-९-१० स्थानों पर शुभ ग्रह तथा ३-६-११वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द की १-६-८-१२वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। (गर्भ से) ६-८ मासों में मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

## पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त चक्र

| | |
|---|---|
| गर्भ से तृतीय मास में तथा मासाधिपति बली होने पर ६, ८ मासों में | मास |
| शुक्ल पक्ष की १-२-३-५-७-१०-११-१३, कृष्ण पक्ष की १ से १० | तिथि |
| (जन्म नक्षत्र को छोड़कर) रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मूल, श्रवण तीनों उत्तरा | नक्षत्र |
| १-३-५-७-११ | लग्न |
| रवि, मंगल, गुरु मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र | वार |

**स्तनपान कराने का मुहूर्त्त-** जन्म के पाँचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, वैधृति ४-९-१४ तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे० नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान शुभ है।

## स्तनपान मुहूर्त्त चक्र

| | |
|---|---|
| २-३-५-८-१०-११-१३-१५ | तिथि |
| सोम, बुध, गुरु, शुक्र | वार |
| पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे० | नक्षत्र |
| भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, रिक्ता तिथि | त्याज्य |

**जलपूजन करने का मुहूर्त्त-** जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र वारों में ४-९-१४-३० तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार १ मास के बाद ही करें।

### जल पूजन करने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

| | |
|---|---|
| १-२-३-५-६-८-१०-११-१२-१३-१ | तिथि |
| बुध, गुरु, सोम | वार |
| मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण | नक्षत्र |
| प्रथममासोपरान्तचैत्र, पौष अधिक-मास, गु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमा० तिथि | त्याज्य |

### जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त्त-

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण ११वें दिन, क्षत्रिय १३वें दिन, शूद्र २१वें दिन कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के कारण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर ११वें या १२वें दिन नाम संस्कार बिना मुहूर्त्त विचार कर लें। १२ दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता १-२-३-५-६-७-१०-११-१२-१३ इन तिथियों में शुभ वार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०, श्र०, ध०, श०, रे०, नक्षत्रों में लग्न नवांश बल का विचार कर नामकरण करें।

### नामकरण संस्कार मुहूर्त्त चक्र

| | |
|---|---|
| १-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३ | तिथि |
| सोम, बुध, गुरु, शुक्र | वार |
| अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, ३ उत्तरा, अभि०, श्रव०, धनि०, शत, रेवती | नक्षत्र |
| जन्म से १० दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन, पर्व व रिक्ता तिथि। | त्याज्य |

### निष्क्रमण मुहूर्त्त अर्थात् बालक के प्रथम बार घर से निकलने का मुहूर्त्त-

जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्रों का पूजन करके सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पावें तब जन्म से ३ मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमा० आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

### बालक के प्रथम बार घर से निष्क्रमण के लिए मुहूर्त्त चक्र

| | |
|---|---|
| तिथि | १-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३ |
| वार | रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र |
| नक्षत्र | अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु० स्वा०, मूल, श्र०, धनि० |
| त्याज्य | मंगल, शनिवार, रिक्ता, अमा०, विष्टि, अशुभ योग |

**भूमि पर प्रथमोपवेश का विचार-** जन्म से पंचम मास में रिक्ता, अमा०, रहित तिथि, शुभवार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्येष्ठा, अभि०, ३ उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथवी और वराह का पूजन कर 'पृथ्वी' पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएँ रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिए।

### भूमि पर पहली बार बैठाने के लिए मुहूर्त्त चक्र

| | |
|---|---|
| तिथि | पंचममास में १-२-३-५-६-७-८-१० ११-१२-१३-१५ |

| | |
|---|---|
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |
| नक्षत्र | अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्ये०, ३ उत्तरा |
| लग्न | २-५-८-११ |

**अन्नप्राशन कराने का विचार-** बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद ६, ८, १०, १२वें मास में पुत्र को और ५, ७, ९, ११वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

**विशेष-**

उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित १, ३, ५, ७, १०, १३, १५ तिथियों में शुभवार अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में १, ३, ४, ५, ७, ९ स्थानों में शुभ ग्रह हों जन्म-लग्न व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न को त्यागकर पाप शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

### अन्नप्राशन कराने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

| | |
|---|---|
| मास | पुत्र को - ६, ८, १०, १२ |
| | कन्या को - ५, ७, ९, ११ |
| तिथि | १, ३, ५, ७, १०, १३, १५ |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |

| | |
|---|---|
| नक्षत्र | अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, श०, तीनों उत्तरा, रेवती |
| लग्न | २, ३, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११ |
| त्याज्य | जन्म लग्न से व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न। दशम में पाप ग्रह, भद्राव्यतिपातादि दोष। |

**कर्ण-वेध करने का विचार-** समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को त्यागकर जन्म से १२वें या १६वें दिन अथवा ६, ७, ८वें मास में या विषम वर्षों में शुभवार, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे० नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन, लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

### कर्णवेध-मुहूर्त्त चक्र

| | |
|---|---|
| वर्षादि | विषम वर्ष । ६, ७, ८वें मास। जन्म से १२वें या १३वें दिन। |
| तिथि | १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |

| | |
|---|---|
| नक्षत्र | अश्वि०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे० |
| लग्न | २, ७, ९, १२ |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |
| त्याज्य | समवर्ष, देवशयन, ( आषाढ़ शु० ११ ) से कार्तिक शु० ११ तक ) चैत्र, पौष, जन्ममास-तिथि-नक्षत्र, क्षय तथा रिक्ता तिथि । |

**चूडाकर्म ( मुण्डन ) संस्कार विचार-** अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौल कर्म विषम वर्ष, उत्तरायण, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्र०, धनि०, शत०, रे० नक्षत्रों में करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिए। ज्येष्ठ, चैत्र मास में न करें। बालक की माता को ५ मास की गर्भ स्थिति होने पर ५ वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

### चूडाकर्म संस्कार के मुहूर्त्त के लिए चक्र

| | |
|---|---|
| वर्ष | विषम । सूर्य उत्तरायण होने पर |
| तिथि | २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |

| नक्षत्र | अश्वि०, मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्रव०, धनि०, श०, रे० |
|---|---|
| त्याज्य | लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्रमास समवर्ष, दक्षिणायन। |

**कन्या के नाक बिंधवाने का विचार**- शुक्ल पक्ष रिक्ता व अमा० रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०, ३ उत्तरा, स्वाती, शत०, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

## कन्या नासिकाछेदन-मुहूर्त्त-चक्र

| पक्ष | शुक्ल पक्ष |
|---|---|
| तिथि | १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ |
| वार | सोम-बुध-गुरु-शुक्र |
| प्रहर | प्रथम |
| नक्षत्र | अश्वि०, मृग०, पुन०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, धनि०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती |

**अक्षरारम्भ करने का विचार**- बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षर अंक आदि ज्ञानार्थ अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो, जन्म से ५, ७वें वर्ष में। १,२, ३,५, ६, १०, ११,१२ तिथि, शुभवार, अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, रे०, इन नक्षत्रों में चरलग्नों को छोड़कर अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी तथा अपने कुल देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ मुहूर्त्त करें।

## अक्षरारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

| अयन | उत्तरायण |
|---|---|
| वर्ष | ५वां, ७वां |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |
| तिथि | २, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२ |
| लग्न | २, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२ |
| नक्षत्र | अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, रेवती। |

**विद्यारम्भ कराने का विचार**- अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान बढ़ाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या (विशेषत: संस्कृत भाषास्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण, २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ तिथियों में, रवि बुध, गुरु, शुक्र वारों में और अश्वि०, आश्ले०, मृग०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, श०, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ है। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिए रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा, भ०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ०षा०, शत०, इन नक्षत्रों में शुभ है।

## विद्यारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

| अयन | | उत्तरायण |
|---|---|---|
| तिथि | | २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ |
| संस्कृत व हिंदी विद्यारम्भ त्याज्य | | फाल्गुन मास, रिक्तादि तिथि अशुभवार |
| वार | | रवि, बुध, गुरु, शुक्र |
| नक्षत्र | | अश्वि०, रो०, मृ०, |
| ग्राह्य | | आर्द्रा, पुन०, पुष्य०, आ०, ह०, चि०, स्वा०, अनु, मू०, श्र०, ध०, श०, ३ पूर्वा, रे० |
| अंग्रेजी | वार | रवि, मंगल, शनि |
| फारसी | तिथि | ४, ९, १४ |
| उर्दू आदि | नक्षत्र | ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा०, मू०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ० षा०, शत० । |

## उपनयन संस्कार के मुहूर्त्त का विचार-

यज्ञोपवीतपरिधान ( उपनयन संस्कार ) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तीनों को करना चाहिए। बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण ८वें, क्षत्रिय ११वें, वैश्य १२वें वर्ष में यज्ञोपवीत संस्कार करे इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण १६वें, क्षत्रिय २२वें, वैश्य २४वें वर्ष तक उपनयन करा सकते हैं। बालक ( बटुक ) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचारें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११, १२ तथा कृष्णपक्ष की २, ३, ५ तिथियों में अश्वि०, रो०, मृ०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त्त में यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र मास, मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है।

सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ है तथा भौमबल विचार भी आवश्यक है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, देवशयन, गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, अपराह्न, ज्ये०, शु० २, आषाढ़ शु० १०, पौष शु० ११, माघ शु० १२, संक्रान्ति दिन, रोगबाण, रवि के ८, १७, २६ गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की ६, ८, १२ में स्थिति, १, ५, ८वें भावों में पापग्रह अशुभ है। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

## उपनयन मुहूर्त्त-चक्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| वर्ष | ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य<br>( ८ या १६ ) ( ११ या २२ ) ( १२ या २४ ) | | |
| अयन | देवशयन से पूर्व उत्तरायण में, | | |
| वार | रवि, चं.०, बुध, गुरु, शुक्र | | |
| पक्ष तिथि | शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११,१२<br>कृष्ण पक्ष की २, ३, ५ | | |
| नक्षत्र | अश्वि०, रो०, मृग०, आर्द्रा०, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, ३ उत्तरा, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती | | |
| गुरु | ५, ११, ९<br>२, ७<br>श्रेष्ठ | १०, ६<br>३, १<br>पूज्य | ४, ८, १२<br><br>निन्दित |
| अन्य ग्राह्य | पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त्त<br>( सामवेदियों को भौमबल व मंगलवार भी ) | | |
| त्याज्य | गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस, रोगबाण तथा लग्नेश, चं०, शु०, गु०, की ६, ८, १२वें, पाप ग्रहों की १, ५, ८वें स्थिति। | | |

## विवाह-संस्कार का विचार-

भारतीय मनीषियों ने मानव जीवन को ४ आश्रमों में विभाजि किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, और संन्यास। इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम का मुख्याधार विवाह है यही संस्कार वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फल प्राप्ति का भी आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देवर्षिपितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः 'विवाह' संस्कार के समय का निर्णय हमारे महर्षियों ने अतिसूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रोक्त अष्टविध विवाहों में विशेष रूप से आजकल गान्धर्व विवाह पद्धति ( जिसको कि प्रेम-विवाह कहा जाता है ) को अपनाया जा रहा है। 'ब्राह्म विवाह' विधि में मुख्यरूप से वरकन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक ( नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान ), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

**'भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशीलयुक्ता**
**शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।**
**तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि**
**तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥'**

**''राम दैवज्ञ''**

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष २५ वर्षोपरान्त विषम वर्षों में, कन्या १६ वर्ष के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सब विचारों में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्म की राशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

**विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे।**
**जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं च चिन्तयेत्॥१॥**
**कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।**
**सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥२॥**

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नामराशि में मेलापकादि कार्य किये जा सकते हैं, परन्तु महत्त्व जन्म राशि का ही है।

**जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनाम् मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।**
**सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः॥**

**(विवाह वृन्दावनम्)**

यदि प्रसिद्ध नामराशि से मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्म नाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें क्योंकि-

**जन्मर्भं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।**
**व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥**

## वर-कन्या की जन्मपत्रिका के मेलापक में अन्य विचार-

कन्या-वर की कुण्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट तथा नाड़ी इन आठों बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का १, वश्य के २, तारा के ३, योनि के ४, ग्रहमैत्री के ५, गणमैत्री के ६, भकूट के ७ तथा नाड़ी के ८ गुण उत्तरोत्तर वृद्धि से ग्रहण किए जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग ३ होता है।

**'वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।**
**गणमैत्रं भकूटञ्च नाडी चैते गुणाधिकाः॥'**

### गुण संख्या के ग्रहण करने का विचार-

वर कन्या की कुण्डली का मिलान करने पर सोलह गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य २० गुण मिलने पर मध्यम तथा तीस गुण या तीस गुण से अधिक गुण क्रमशः उत्तम कहे हैं।

**'गुणाः षोडशभिर्न्यूना निन्द्या मध्यास्तु विंशतिः।**
**श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥**

दुष्ट भकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार- यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर-कन्या के राशि के स्वामी एक ही हों अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो, तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हो तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस में मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्धि हो, तो दुष्ट भकूट के दोष का नाश करता है तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

**'प्रोक्ते दुष्टभकूटके** परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-
ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि **गदितो नाड्यर्क्षशुद्धिर्यदि।**
**अन्यर्क्षे**ऽशपयोर्बलित्वसखिते **नाड्यर्क्षशुद्धौ तथा-**
**ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥'**

**(मुहूर्त्त चिन्तामणि)**

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

**'मैत्र्यां** राशिस्वामिनोरंशनाथ-
**द्वन्द्वस्याऽपि स्याद्गणानां न दोषः।**
**खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं**
**खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।'**

**(मुहूर्त्त चिन्तामणि)**

### नाड़ी दोष तथा गण दोष का परिहार-

वर-कन्या की राशि एक हो और नक्षत्र भिन्न हो, अथवा नक्षत्र एक तथा राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण के दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

**'राशयैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयोः स्यान्**
**नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।**
**नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो**
**नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥'**
**(मुहूर्त्त चिन्तामणि)**

**'एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।**
**अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्त्वशोभना॥'**
**(गर्ग)**

**वरवरण के मुहूर्त्त का विचार-** विवाह संस्कार से पूर्व शुभ वार, शुभ लग्न, शुभ-नवांश में शुभ तिथि, कुयोगरहित दिन में कृ०, रो०, ३ पूर्वा, ३ उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण व कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे। अर्थात् तिलक लगावे।

**कन्यावरण का मुहूर्त्त-** वर की माता या स्वयं वर अथवा कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, ३ पूर्वा, स्वा०, अनु०, उ०षा०, श्र०, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रो०, ३ उत्तरा, रे०, मू०, मृग०, मघा, हस्त)- में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

### विवाहकाल निर्णय में अन्य विचार

ज्येष्ठमास, ज्येष्ठवर, ज्येष्ठकन्या (अर्थात् प्रथम गर्भ से उत्पन्न वर-कन्या) यह त्रिज्येष्ठ कहलाता है। यदि वर कन्या में से एक ज्येष्ठ हो तो ज्येष्ठ मास होने पर ज्येष्ठद्वन्द्व होता है। यहाँ 'ज्येष्ठद्वन्द्व' मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि' इस प्रकार त्रिज्येष्ठ त्याज्य तथा ज्येष्ठद्वन्द्व मध्यम कहलाता है।

जन्मराशि से विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि

| बल | गुरु | चन्द्र | सूर्य |
|---|---|---|---|
| श्रेष्ठ | २, ५, ७, ९, ११ | १, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११ | ३, ६, १०, ११ |
| पूज्य | १, ३, ६, १० | १२ | १, २, ५, ७, ९ |
| नेष्ट | ४, ८, १२ | ४, ८ | ४, ८, १२ |

यहाँ वर को सूर्यबल कन्या को गुरुबल तथा दोनों को चन्द्रबल देखना चाहिए।

**'वरस्य भास्करबलं कन्यायाश्च गुरोर्बलम्।**
**द्वयोश्चन्द्रबलं ग्राह्यं विवाहो नान्यथा भवेत्॥**

विशेष- गुरु व सूर्य स्वोच्च, स्वमित्र स्वराशि, स्वनवांश, वर्गोत्तम नवांश में होने पर ४, ८, १२वें होने पर भी शुभ माने जाते हैं।

**'स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रे वा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरौ।**
**रिष्फाष्टतुर्यगोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्॥'**
**(राम दैवज्ञ)**

यदि गुरु नीच या शत्रु राशि का हो तो शुभ होने पर भी अशुभ फलप्रद होता है अतः नीच या शत्रु राशिस्थ गुरु, कन्या की राशि से २, ५, ७, ९, ११वें होने पर भी अशुभ माना गया है यह पूजा, (गुरु का दान व्रत जपादि आचरण) करने पर ही शुभफलप्रद होता है। ऐसे ही सूर्य के ४, ८, १२वें होने पर परिहार वाक्य-

**'स्वोच्चे स्वमित्रसदने स्वगृहे स्ववर्गे।**
**स्वांशे ततश्च निधनव्ययतुर्यगोऽपि॥**
**श्रेयस्तनोति रिपुनीचगतोऽप्यनिष्टम्।**
**तुल्यं फलं निगदितं रविजीवयोश्च॥**
**(दैवज्ञ कल्पद्रुम)**

सूर्य यदि तुला राशि वाले वर के लिए २, ५, ९वें में हो तो शुभफलप्रद होता है उसकी पूजा की आवश्यकता नहीं होती। यथा-

**'धर्मधीधनगतोदिवाकर-**
**स्तौलिराशिजनितस्य शोभनः॥**

अन्य राशि वालों के लिए २, ५, ९वां रवि १३ अंश बीत जाने के उपरान्त शुभ माना जाता है। अर्थात् पूज्य नहीं होता यथा-

**'गर्ग्याङ्गिरो वत्सवशिष्ठगौत-**
**मपराशराद्या मुनयो वदन्ति।**
**द्वितीयपंचाङ्कगतो दिवाकर**
**स्त्रयोदशाहात्परतः शुभावहः।'**

## वधू-प्रवेश मुहूर्त्त का विचार-

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से १६ दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किए भी स्थिर लग्न में वधू-प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में । तीसरे, ५वें वर्ष में भी शुभ है। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त्त ( तिथ्यादि का ) विचार कभी हो सकता है। वधू -प्रवेश में रे०, अ०, रोहि०, मृ०, श्र०, ध०, ह०, चि०, स्वा०, म०, मू०, ३ उत्तरा, पुष्य, अनु०, इन नक्षत्रों में शुभ वारों में १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम् शुद्ध होने पर शुभ होता है।

व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमा०, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू-प्रवेश वर्जित है।

### वधू-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

| | |
|---|---|
| दिन | १६ दिन तक अथवा ७, ५, ९वें दिन |
| मास, वर्ष | विषम मास, विषम वर्ष। |
| तिथि | १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ |
| नक्षत्र | रे०, अ०, रो०, मृ०, श्र०, ध०, हस्त, चि०, स्वा०, म०, मूल, पुष्य, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि० |
| वार | चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र |
| लग्न | २, ५, ८, ११ लग्न ४, ८ भाव शुद्ध हो। |
| त्याज्य | व्यतीपात, क्षयतिथि, रिक्ता, अमा०, ग्रहण, वैधृति, संक्रान्ति दिन |

विशेष-

**'वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः**
**राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।**
**दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः**
**सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥**

## द्विरागमन-मुहूर्त्त-

वधूप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह १-३-५ इन विषम वर्षों में १-८-११ राशि के सूर्य में सूर्य, गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार १, २, ३, ६, ७, १२ लग्नों में ह०, अ०, रे०, तीनों उत्तरा, रो०, मृग०, स्वा०, पुन०, पु०, श्र०, ध०, शत०, मू०, चि०, अनु० नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

| | |
|---|---|
| वर्ष | विषम ( ५ वर्ष तक ) |
| मास | १, ८, ११वीं राशि के सूर्य में, सूर्य गुरु की शुद्धि |
| तिथि | १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १५ |
| वार | सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र |
| नक्षत्र | ह०, चि०, अ०, रे०, रो०, स्वा०, पुन०, पुष्य०, श्र०, ध०, श०, मृग०, मू० अनु०, ३ उत्तरा |
| त्याज्य | सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। ( रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। सामान्य अवस्था में त्याज्य ) |

विशेष-

**'रेवत्यादिमृगान्ते च यावत्तिष्ठति-**
**चन्द्रमा तावच्छुक्रो**
**भवेदन्धः सम्मुखे दक्षिणे शुभः॥'**

# जन्माक्षर-चक्र

| | मेष | वृष | मिथुन | कर्क |
|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | शूद्र | विप्र |
| वश्य | चतुष्पद् | चतुष्पद् | मानव | जलचर, कीट |
| राशीश | मंगल | शुक्र | बुध | चन्द्र |
| घात मास | कार्तिक | मार्गशीर्ष | आषाढ़ | पौष |
| घात तिथि | १-६-११ | ५-१०-१५ | २-७-१२ | २-७-१२ |
| घात वार | रविवार | शनिवार | सोमवार | बुधवार |
| घात नक्षत्र | मघा | हस्त | स्वाती | अनुराधा |
| घात योग | विष्कुम्भ | सुकर्मा | परिघ | व्याघात |
| घात करण | बव | शकुनी | चतुष्पाद् | नाग |
| घात प्रहर | प्रथम | चतुर्थ | तृतीय | प्रथम |
| स्त्री घा. चं. | १ | ८ | ७ | ९ |
| पु. घा. चं. | १ | ५ | ९ | २ |

| नक्षत्र | योनि | गण | नाड़ी | युंजा | दशाधीश |
|---|---|---|---|---|---|
| अश्विनी | अश्व | देव. | आद्य | पूर्व | केतु |
| भरणी | गज | मनुष्य | मध्य | पूर्व | शुक्र |
| कृत्तिका | मेष | राक्षस | अन्त्य | पूर्व | सूर्य |
| रोहिणी | सर्प | मनुष्य | अन्त्य | पूर्व | चन्द्रमा |
| मृगशिरा | सर्प | देव | मध्य | पूर्व | मंगल |
| आर्द्रा | श्वान | मनुष्य | आद्य | मध्य | राहु |
| पुनर्वसु | मार्जार | देव | अन्त्य | मध्य | गुरु |
| पुष्य | मेष | देव | मध्य | मध्य | शनि |
| आश्लेषा | मार्जार | राक्षस | अन्त्य | मध्य | बुध |

| नक्षत्र | चरण | अक्षर | वर्ग | नवांश | नवांशेश | स्प. चन्द्र रा. | स्प. चन्द्र अं. | स्प. चन्द्र क. | भो. वि. दशा व. | भो. वि. दशा मा. | भो. वि. दशा दि. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अश्विनी | १ | चू | सिं. | मे. | मं. | ० | ३ | २० | ५ | ३ | ० |
| | २ | चे | सिं. | वृ. | शु. | ० | ६ | ४० | ३ | ६ | ० |
| | ३ | चो | सिं. | मि. | बु. | ० | १० | ० | १ | ९ | ० |
| | ४ | ला | मृ. | क. | चं. | ० | १३ | २० | ० | ० | ० |
| भरणी | १ | ली | मृ. | सिं. | सू. | ० | १६ | ४० | १५ | ० | ० |
| | २ | लू | मृ. | कं. | बु. | ० | २० | ० | १० | ० | ० |
| | ३ | ले | मृ. | तु. | शु. | ० | २३ | २० | ५ | ० | ० |
| | ४ | लो | मृ. | वृ. | मं. | ० | २६ | ४० | ० | ० | ० |
| कृत्तिका | १ | आ | ग. | ध. | गु. | १ | ० | ० | ४ | ६ | ० |
| | २ | इ | ग. | म. | श. | १ | ३ | २० | ३ | ० | ० |
| | ३ | उ | ग. | कुं. | श. | १ | ६ | ४० | १ | ६ | ० |
| | ४ | ए | ग. | मी. | गु | १ | १० | ० | ० | ० | ० |
| रोहिणी | १ | ओ | ग. | मे. | मं. | १ | १३ | २० | ७ | ६ | ० |
| | २ | वा | मृ. | वृ. | शु. | १ | १६ | ४० | ५ | ० | ० |
| | ३ | वि | मृ. | मि. | बु. | १ | २० | ० | २ | ६ | ० |
| | ४ | वु | मृ. | क. | चं. | १ | २३ | २० | ० | ० | ० |
| मृगशिरा | १ | वे | मृ. | सिं. | सू. | १ | २६ | ४० | ५ | ३ | ० |
| | २ | वो | मृ. | कं. | बु. | २ | ० | ० | ३ | ६ | ० |
| | ३ | का | मा. | तु. | शु. | २ | ३ | २० | १ | ९ | ० |
| | ४ | की | मा. | वृ. | मं. | २ | ६ | ४० | ० | ० | ० |
| आर्द्रा | १ | कु | मा. | ध. | गु. | २ | १० | ० | १३ | ६ | ० |
| | २ | घ | मा. | म. | श. | २ | १३ | २० | ९ | ० | ० |
| | ३ | ङ | मा. | कुं. | श. | २ | १६ | ४० | ४ | ६ | ० |
| | ४ | छ | सिं. | मी. | गु. | २ | २० | ० | ० | ० | ० |
| पुनर्वसु | १ | के | मा. | मे. | मं. | २ | २३ | २० | १२ | ० | ० |
| | २ | को | मा. | वृ. | शु. | २ | २६ | ४० | ८ | ० | ० |
| | ३ | हा | मे. | मि. | बु. | ३ | ० | ० | ४ | ० | ० |
| | ४ | ही | मे. | क. | चं. | ३ | ३ | २० | ० | ० | ० |
| पुष्य | १ | हू | मे. | सिं. | सू. | ३ | ६ | ४० | १४ | ३ | ० |
| | २ | हे | मे. | कं. | बु. | ३ | १० | ० | ९ | ६ | ० |
| | ३ | हो | मे. | तु. | शु. | ३ | १३ | २० | ४ | ९ | ० |
| | ४ | डा | श्वा. | वृ. | मं. | ३ | १६ | ४० | ० | ० | ० |
| आश्लेषा | १ | डी | श्वा. | ध. | गु. | ३ | २० | ० | १२ | ९ | ० |
| | २ | डू | श्वा. | मं. | श. | ३ | २३ | २० | ८ | ६ | ० |
| | ३ | डे | श्वा. | कुं. | श. | ३ | २६ | ४० | ४ | ३ | ० |
| | ४ | डो | श्वा. | मी. | गु. | ४ | ० | ० | ० | ० | ० |

# जन्माक्षर-चक्र

| | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक |
|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | शूद्र | विप्र |
| वश्य | चतुष्पद् | मानव | मानव | कीट, सरीसृप |
| राशीश | सूर्य | बुध | शुक्र | मंगल |
| घात मास | ज्येष्ठ | भाद्रपद | माघ | आश्विन |
| घात तिथि | ३-८-१३ | ५-१०-१५ | ४-९-१४ | १-६-११ |
| घात वार | शनिवार | शनिवार | गुरुवार | शुक्रवार |
| घात नक्षत्र | मूल | श्रवण | शतभिषा | रेवती |
| घात योग | धृति | शुभ | शुक्ल | व्यतिपात |
| घात करण | बव | कौलव | तैतिल | गर |
| घात प्रहर | प्रथम | प्रथम | चतुर्थ | प्रथम |
| स्त्री घा. चं. | ४ | ३ | ६ | २ |
| पु. घा. चं. | ६ | १० | ३ | ७ |

| नक्षत्र | मघा | पूर्वा फाल्गुनी | उत्तरा फाल्गुनी | हस्त | चित्रा | स्वाती | विशाखा | अनुराधा | ज्येष्ठा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| योनि | मूषक | मूषक | गौ | महिषी | व्याघ्र | महिषी | व्याघ्र | मृग | मृग |
| गण | राक्षस | मनुष्य | मनुष्य | देव | राक्षस | देव | राक्षस | देव | राक्षस |
| नाड़ी | आद्य | मध्य | आद्य | आद्य | मध्य | अन्त्य | अन्त्य | मध्य | आद्य |
| युंजा | मध्य | मध्य | मध्य | मध्य | मध्य | मध्य | मध्य | मध्य | अन्त्य |
| दशाधीश | केतु | शुक्र | सूर्य | चन्द्रमा | मंगल | राहु | गुरु | शनि | बुध |

| नक्षत्र | मघा | | | | पूर्वा फाल्गुनी | | | | उत्तरा फाल्गुनी | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चरण | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ |
| अक्षर | मा | मी | मु | मे | मो | टा | टी | टू | टे | टो | पा | पी |
| वर्ग | मू. | मू. | मू. | मू. | मू. | श्वा. | श्वा. | श्वा. | श्वा. | श्वा. | मू. | मू. |
| नवांश | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
| नवांशेश | मं. | शु. | बु. | चं. | सू. | बु. | शु. | मं. | गु. | श. | श. | गु. |
| स्प. चन्द्र रा. | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| स्प. चन्द्र अं. | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ० | ३ | ६ | १० |
| स्प. चन्द्र क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| धो. वि. दशा. व. | ५ | ३ | १ | ० | १५ | १० | ५ | ० | ४ | ३ | १ | ० |
| धो. वि. दशा. मा. | ३ | ६ | ९ | ० | ० | ० | ० | ० | ६ | ० | ६ | ० |
| धो. वि. दशा. दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| नक्षत्र | हस्त | | | | चित्रा | | | | स्वाती | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चरण | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ |
| अक्षर | पू | ष | ण | ठ | पे | पो | रा | री | रु | रे | रो | ता |
| वर्ग | मू. | मे. | श्वा. | श्वा. | मू. | मू. | मृ. | मृ. | मृ. | मृ. | मृ. | स. |
| नवांश | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
| नवांशेश | मं. | शु. | बु. | चं. | सू. | बु. | शु. | मं. | गु. | श. | श. | गु. |
| स्प. चन्द्र रा. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| स्प. चन्द्र अं. | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ० | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० |
| स्प. चन्द्र क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| धो. वि. दशा. व. | ७ | ५ | २ | ० | ५ | ३ | १ | ० | १३ | ९ | ४ | ० |
| धो. वि. दशा. मा. | ६ | ० | ६ | ० | ३ | ६ | ९ | ० | ६ | ० | ६ | ० |
| धो. वि. दशा. दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| नक्षत्र | विशाखा | | | | अनुराधा | | | | ज्येष्ठा | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चरण | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ |
| अक्षर | ती | तू | ते | तो | ना | नी | नू | ने | नो | या | यी | यू |
| वर्ग | स. | स. | स. | स. | स. | स. | स. | स. | स. | मृ. | मृ. | मृ. |
| नवांश | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
| नवांशेश | मं. | शु. | बु. | चं. | सू. | बु. | शु. | मं. | गु. | श. | श. | गु. |
| स्प. चन्द्र रा. | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ |
| स्प. चन्द्र अं. | २३ | २६ | ० | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ० |
| स्प. चन्द्र क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| धो. वि. दशा. व. | १२ | ८ | ४ | ० | १४ | ९ | ४ | ० | १२ | ८ | ४ | ० |
| धो. वि. दशा. मा. | ० | ० | ० | ० | ३ | ६ | ९ | ० | ९ | ६ | ३ | ० |
| धो. वि. दशा. दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

# जन्माक्षर-चक्र

| | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | शूद्र | विप्र |
| वश्य | मानव १५चतु. १५ | चतु. १५ जलचर १५ | मानव | जलचर |
| राशीश | गुरु | शनि | शनि | गुरु |
| घात मास | श्रावण | वैशाख | चैत्र | फाल्गुन |
| घात तिथि | ३-८-१३ | ४-९-१४ | ३-८-१३ | ५-१०-१५ |
| घात वार | शुक्रवार | मंगलवार | गुरुवार | शुक्रवार |
| घात नक्षत्र | भरणी | रोहिणी | आर्द्रा | आश्लेषा |
| घात योग | वज्र | वैधृति | गंड | वज्र |
| घात करण | तैतिल | शकुनी | वणिज | विष्टि |
| घात प्रहर | प्रथम | चतुर्थ | तृतीय | चतुर्थ |
| स्त्री घा. चं. | १० | ११ | ५ | १२ |
| पु. घा. चं. | ४ | ८ | ११ | १२ |

| | | मूल | | | | पूर्वाषाढा | | | | उत्तराषाढा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| योनि | | श्वान | | | | वानर | | | | नकुल |
| गण | | राक्षस | | | | मनुष्य | | | | मनुष्य |
| नाड़ी | | आद्य | | | | मध्य | | | | अन्त्य |
| युंजा | | आन्त्य | | | | अन्त्य | | | | अन्त्य |
| चरण | | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ |
| अक्षर | | ये | यो | भा | भी | भू | धा | फा | ढ़ा | भे |
| वर्ग | | मृ. | मृ. | मू. | मू. | मू. | सर्प | मू. | श्वा | मू. |
| नवांश | | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. |
| नवांशेश | | मं. | शु. | बु. | च. | सू. | बु. | शु. | मं. | गु. |
| स्प. चन्द्र | रा. | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ |
| | अं. | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ० |
| | क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| भो. वि. दशा. | व. | ५ | ३ | १ | ० | १५ | १० | ५ | ० | ४ |
| | मा. | ३ | ६ | ९ | ० | ० | ० | ० | ० | ६ |
| | दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| दशाधीश | | केतु | | | | शुक्र | | | | सूर्य |

| | | उत्तराषाढा | | | श्रवण | | | | धनिष्ठा | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| योनि | | नकुल | | | वानर | | | | सिंह | |
| गण | | मनुष्य | | | देव | | | | राक्षस | |
| नाड़ी | | अन्त्य | | | अन्त्य | | | | मध्य | |
| युंजा | | अन्त्य | | | अन्त्य | | | | अन्त्य | |
| चरण | | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ |
| अक्षर | | भो | जा | जी | खी | खू | खे | खो | गा | गी |
| वर्ग | | मू. | सिं. | सिं | मा. | मा. | मा. | मा. | मा. | मा. |
| नवांश | | म. | कुं. | मी. | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. |
| नवांशेश | | श. | श. | गु. | मं. | शु. | बु. | चं. | सू. | बु. |
| स्प. चन्द्र | रा. | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | १० |
| | अं. | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ०० |
| | क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| भो. वि. दशा. | व. | ३ | १ | ० | ७ | ५ | २ | ० | ५ | ३ |
| | मा. | ० | ६ | ० | ६ | ० | ६ | ० | ३ | ६ |
| | दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| दशाधीश | | सूर्य | | | चन्द्रमा | | | | मंगल | |

| | | धनिष्ठा | | शतभिषा | | | | पूर्वाभाद्रपदा | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| योनि | | सिंह | | अश्व | | | | सिंह | | |
| गण | | राक्षस | | राक्षस | | | | मनुष्य | | |
| नाड़ी | | मध्य | | आद्य | | | | आद्य | | |
| युंजा | | अन्त्य | | अन्त्य | | | | अन्त्य | | |
| चरण | | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ |
| अक्षर | | गू | गे | गो | सा | सी | सू | से | सो | दा |
| वर्ग | | मा. | मा. | मा. | मे. | मे. | मे. | मे. | मे. | स. |
| नवांश | | तु. | वृ. | ध. | म. | कु. | मी. | मे. | वृ. | मि. |
| नवांशेश | | शु. | मं. | गु. | श. | श. | गु. | मं. | शु. | बु. |
| स्प. चन्द्र | रा. | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १ | ११ |
| | अं. | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ० |
| | क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| भो. वि. दशा. | व. | १ | ० | १३ | ९ | ४ | ० | १२ | ८ | ४ |
| | मा. | ९ | ० | ६ | ० | ६ | ० | ० | ० | ० |
| | दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| दशाधीश | | मंगल | | राहु | | | | गुरु | | |

| | | पूर्वाभाद्रपदा | उत्तराभाद्रपदा | | | | रेवती | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| योनि | | सिंह | गौ | | | | गज | | | |
| गण | | मनुष्य | मनुष्य | | | | देव | | | |
| नाड़ी | | आद्य | मध्य | | | | अन्त्य | | | |
| युंजा | | अन्त्य | अन्त्य | | | | पूर्व | | | |
| चरण | | ४ | १ | २ | ३ | ४ | १ | २ | ३ | ४ |
| अक्षर | | दी | दू. | थ | झ | ञ | दे | दो | चा | ची |
| वर्ग | | स. | स. | स. | सिं. | सिं. | स. | स. | सिं. | सिं. |
| नवांश | | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
| नवांशेश | | चं. | स. | वु. | शु. | मं. | गु. | श. | श. | गु. |
| स्प. चन्द्र | रा. | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| | अं. | ३ | ६ | १० | १३ | १६ | २० | २३ | २६ | ० |
| | क. | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| भो. वि. दशा. | व. | ० | १४ | ९ | ४ | ० | १२ | ८ | ४ | ० |
| | मा. | ० | ३ | ६ | ९ | ० | ९ | ६ | ३ | ० |
| | दि. | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| दशाधीश | | गुरु | शनि | | | | बुध | | | |

# मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

| कन्या \ वर | | मेष | | | वृष | | | मिथुन | | | कर्क | | | सिंह | | | कन्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अश्वि. १,२,३,४ | भर. १,२,३,४ | कृत्ति. १ | कृत्ति. २,३,४ | रोहि. १,२,३,४ | मृग. १,२ | मृग. ३,४ | आर्द्रा १,२,३,४ | पुन. १,२,३ | पुन. ४ | पुष्य १,२,३,४ | आश्ले. १,२,३,४ | मघा १,२,३,४ | पू.फा. १,२,३,४ | उ.फा. १ | उ.फा. २,३,४ | हस्त १,२,३,४ | चित्रा १,२ |
| मेष | अश्वि. १,२,३,४ | २८ न | ३३ | २८॥ त | १८॥ बभ त | २१॥ बभ त | २२॥ बभ त | २६ बत र | १७ बन तर | १९ बन तर | २३॥ नत | ३१॥ त | २८ ग | २१ वभ ग | २५ वभ | १५॥ वभ नत | ११ बभ नतर | ६ तबभ यनर | १३ वभ तर |
| | भर. १,२,३,४ | ३४ | २८ न | २९ ग | १९ बग भ | २१॥ बभ त | १४॥ बभ तन | १८ नब तर | २६ बत र | २७ बत र | ३१॥ त | २३॥ न त | २५॥ ग त | २० गव भ | १८ वभ न | २६ वभ | २१॥ बभ र | २० बभ रत | ४ बभग नतर |
| | कृति. १ | २७॥ गत | २९ ग | २८ न | १८ बभ न | १० गब नभ | १६॥ गब भत | २० गब त | २० गब त | २१ गब तर | २५॥ गत | २६॥ गत | २३॥ नत | १६॥ वभ नत | २० गव भ | २० गव भ | १५॥ गव भ | १५॥ गव भर | १८ ब भत |
| वृष | कृति. २,३,४ | १८॥ गभ त | २० गभ | १९ भन | २८ न | २० गन | २६॥ गत | १७॥ गब भत | १७॥ बग भत | १८॥ गब भत | २२ गत र | २३ गत र | २० नत र | १८॥ नव तर | २२ रव ग | २२ रव ग | २१ गभ | २१ गभ | २३॥ भत |
| | रोहि. १,२,३,४ | २३॥ भत | २३॥ भत | ११ गभ न | २० गन | २८ न | ३६ | २७॥ बभ | २३॥ बभ त | २२॥ भब तय | २६ तर य | २७ त र | १२ गन तरय | १०॥ रवग नतय | २४॥ रव तय | २७ रव | २६ भ | २६ भ | २० गभ |
| | मृग. १,२ | २३॥ भत | १४॥ भन त | १८॥ भत ग | २७॥ तग | ३५ | २८ न | १९ बभ न | २४ बभ | २२॥ बभ तय | २६ तय र | १९ तर न | २१ तर यग | १९॥ गरव तय | १५॥ रव तनय | २४॥ रव त | २३॥ भत | २६ भ | १३ भन ग |
| मिथुन | मृग. ३,४ | २७ तर | १८ नत र | २२ तर ग | १९॥ भग त | २७ भ | २० भन | २८ न | ३३ | ३१॥ तय | १९ भव तयर | १२ भन वतर | १४ भवत यगर | २३॥ वत यग | १९॥ वन तय | २८॥ व त | ३१॥ त | ३४ | २१ नग |
| | आर्द्रा १,२,३,४ | १९ तर न | २७ तर | २१ तर ग | १८॥ गभ त | २४॥ भ त | २६ भ | ३४ | २८ ´न | २५ न य | १२॥ भन तयर | २० भव तर | १३ गभर वतय | २३॥ गत व | २६॥ वत | २१॥ नव त | २४॥ नत | २४॥ नत | २७ गय |
| | पुन. १,२,३, | २० नत र | २७ तर | २३ तर | २०॥ भत ग | २२॥ भत | २३॥ भत य | ३१॥ तय | २४ नय | २८ न | १५॥ नभ वर | २२॥ भ वर | १७॥ भव तरग | २२॥ यव तग | २६॥ यव त | २१॥ नव त | २४॥ नत | २५॥ नत | २७॥ तग |
| कर्क | पुन. ४ | २२॥ बन त | २६॥ बत | २५॥ बत ग | २२ बग तर | २४ बत यर | २५ बत यर | १८ बभव रतय | १०॥ बभव नयर | १४॥ बभ रनत | २८ न | ३५ | २९॥ तग | १६॥ बभय गत | २०॥ बभ तय | १५॥ बभ नत | १८ नभ तर | १९ नब वतर | २१ बग वतर |
| | पुष्य १,२,३,४ | ३०॥ बत | २१॥ बन त | २६॥ बत ग | २३ बत रग | २५ बत र | १८ बन तर | ११ बभन वतर | १८ बभ वतर | २१॥ बभ वर | ३५ | २८ न | ३० ग | १९॥ बभ गत | १५॥ बभ नत | २३॥ बभ त | २६ बव तर | २७ बव तर | १२ नबवय तरग |
| | आश्ले. १,२,३,४ | २६ बग | २४॥ बग त | २२॥ नब त | १९ नब तर | ११ गबत नयर | १९ गब तयर | १२ गबत भवयर | १२ गबभ वतयर | १५ गबत भवर | २८॥ गत | २९ ग | २८ न | १५ यब भन | १५॥ गबय भत | १८॥ गब भत | २१ गब वतर | २१ गब वतर | २६ बव तर |
| सिंह | मघा १,२,३,४ | २० गव भ | २० गव भ | १६॥ भव नत | १७॥ वब रनत | ६॥ वबत गरनय | १७॥ वबत गरय | २१॥ वब गतय | २२॥ वब गत | २०॥ वब गयत | १६॥ गभ यत | १९॥ गभ त | १६ नभ य | २८ न | ३० ग | २७॥ गत | १६॥ वभ गभत | १६॥ वभ गभत | २१॥ वब भत |
| | पू.फा. १,२,३,४ | २६ वभ | १८ वभ न | २० गव भ | २१ बव रग | २३॥ वब रतय | १५॥ वबन रतय | १६॥ वब नतय | २८॥ वब त | २६॥ वब तय | २२॥ यभ त | १७॥ भन त | १६॥ गभ यत | ३० ग | २८ न | ३५ | २४ वब भ | २२॥ वब भत | ७॥ वबत गनभ |
| | उ.फा. १ | १६॥ वभ तन | २६ वभ | २० वग भ | २१ वब गर | २६ वब र | २४॥ वब रत | २८॥ वब त | २०॥ वब नत | २१॥ वब नत | १७॥ भन त | २५॥ भत | १९॥ गभ त | २७॥ गत | ३५ | २८ न | १७ वब भन | १६ वब भन | १३॥ वयब तगभ |
| कन्या | उ.फा. २,३,४ | १३ भन तर | २२॥ भर | १६॥ गभ र | २१ गभ | २६ भ | २४॥ भत | ३१॥ बत | २३॥ नब त | २४॥ नब त | २० नव तर | २८ वत र | २२ गव तर | १७॥ गव भत | २५ भव | १८ वभ न | २८ न | २७ न | २४॥ यग त |
| | हस्त १,२,३,४ | १० यभ नतर | २० भत र | १७॥ भर ग | २२ भग | २५ भ | २६ भ | ३३ ब | २२॥ नब त | २४॥ नब त | २० नव तर | २८ व तर | २३ वत रग | १८॥ वभ तग | २२॥ वभ त | १६ वभ न | २६ न | २८ न | २८ यग |
| | चित्रा १,२ | १३ गभत यर | ५ गभन तयर | १९ भत यर | २३॥ भत य | २० गभ | १२ गभ न | १९ गब न | २६ गब य | २५॥ गब त | २१ गव तर | १२ गनव तयर | २७ वत र | २२॥ वभ त | ८॥ गव भनत | १४॥ वय गभत | २४॥ गय त | २७ गय | २८ न |

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

# मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतिनोऽधिकं यत्॥

| कन्या \ वर | | तुला | | | वृश्चिक | | | धनु | | | मकर | | | कुम्भ | | | मीन | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चित्रा ३,४ | स्वाती १,२ ३,४ | विशा. १,२,३ | विशा. ४ | अनु. १,२ ३,४ | ज्ये. १,२ ३,४ | मूल १,२ ३,४ | पू.षा. १,२ ३,४ | उ.षा. १ | उ.षा. २,३,४ | श्रव. १,२ ३,४ | धनि. १,२ | धनि. ३,४ | शत. १,२ ३,४ | पू.भा. १,२,३ | पू.भा. ४ | उ.भा. १,२ ३,४ | रेव. १,२ ३,४ |
| मेष | अश्वि. १,२ ३,४ | २२॥ बय तग | २६॥ बय त | २२॥ तब यग | १८॥ गभ तय | २५॥ भत | १४ भन ग | १३॥ भन ग | २५ भ | २३॥ भत | २५ ब तर | २६ बत र | २० बत यरग | २० बत यरग | १५ बन तरग | १६ बन तयर | १४॥ नभ तय | २४॥ भ त | २६ भ |
| | भर. १,२ ३,४ | १३॥ बगन तय | २६॥ बत | २१॥ गब तय | १७॥ गभ तय | १७॥ नभ त | १६॥ गभ त | २० गभ | १८ नभ | २६ भ | २७॥ बर | २६ ब तर | १० बय गनतर | १० बयग नतर | २० गब तर | २४ बय नर | २२॥ तभ | १७॥ नभ त | २६॥ भत |
| | कृत्ति. १ | २७॥ बत य | १५॥ बग नत | १६॥ बन तय | १५॥ भन तय | १६॥ गभ त | २५॥ भत | २४॥ भत | १८ गभ य | १२ गभ न | १३॥ बग नर | ११॥ बय रगन | २५ बत यर | २५ बत यर | २७ बत र | १६ बग तयर | १७॥ गभ तय | १६॥ गभ त | ११॥ गभ तन |
| वृष | कृत्ति. २,३,४ | २२॥ बभ तय | १०॥ गब भनत | १४॥ बभ तनय | २०॥ न तय | २४॥ गत | ३०॥ त | २० भ तर | १३॥ यग भर | ७॥ गभ नर | १२ गभ न | १० यग भन | २३॥ भत य | २६॥ बत य | ३१॥ बत | २३॥ गब तय | २० गत यर | २२ ग तर | १४ गन तर |
| | रोहि. १,२,३,४ | १६ गब भ | १५॥ बभ नत | ६॥ तबग नभ | १५॥ गन त | २६॥ त | २३॥ ग त | १४ गभ तर | १६ रभ तय | ११॥ यभ नर | १६ भय न | १७ नभ य | २० गभ | २६॥ गब | २४॥ गब त | ३०॥ बत | २७ तर | २७ तर | १६ र नत |
| | मृग. १,२ | १२ बभ नग | २५ बभ | १८॥ बभ तग | २४॥ तग | २१॥ नत | २४॥ तग | १५ भत रग | १० नभ तयर | १७ यभ तर | २१॥ भय त | २५ भय | १३ नभ ग | १६ बग न | २७ बग | २६॥ बत | २६ तर | १८ न तर | २७ तर |
| मिथुन | मृग. ३,४ | १४ नभ ग | २७ भ | २०॥ भत ग | १४ भव तरग | ११ भवन तर | १४ भव तरग | २३ तर ग | १८ नत यर | २५ यत र | २० भय वत | २३॥ भव य | ११॥ नभ वग | १३ भनग | २१ भग | २३॥ भत | २५॥ तव र | १७॥ नव तर | २६॥ वत र |
| | आर्द्रा १,२,३,४ | २० गभ य | २७ भ | २० गभ य | १३॥ रगव भय | १७ तभ वयर | ३ यतगव भनर | १६ गन तर | २८ तर | २८ तर | २३ भव त | २३ भव त | १७॥ गभ वय | १६ गभ य | १२ गभ न | १७ नभ य | १६ नर वय | २६॥ वत र | २६॥ वत र |
| | पुन. १,२,३ | २०॥ भत ग | २८ भ | २२ भग | १५॥ वभ रग | २१॥ वभ र | ७ रगव भनत | १४ यरत नग | २७ तर | २७ तर | २२ वत भ | २३ वत भ | १७ वतभ यग | १८॥ भग तय | १४ नभ ग | १६ नभ य | १८ रन यव | २८ रव | २७॥ वत र |
| कर्क | पुन. ४ | २०॥ बत रग | २८ वर ब | २२ वर बग | २० गभ | २६ भ | ११॥ तग भन | ८ वतब भगनय | २१ बभ वत | २१ बभ वत | २६ बत र | २७ बत र | २१ बगत यर | १२॥ बभव तयगर | ८ बभव नगर | १० बभर नवय | १६ नभ य | २० भ | २५॥ भत |
| | पुष्य १,२,३,४ | ११॥ गनबव तयर | २६॥ बव तर | २१ रबग वय | १६ भ यग | १८ भन | २१ भग | १७ गबभ वत | ११ यबभ तनव | २१ बभ वत | २६ बत र | २५ बय तर | १३ गबन तयर | ४॥ भबगय वनतर | १४॥ बवत रगभ | १८ बभव यर | २४ भय | १८ नभ | २७ भ |
| | आश्ले. १,२,३,४ | २५॥ बव तर | १२॥ गबव तरन | १७॥ नबव तर | १५॥ नभ त | २० गभ | २६ भ | २२॥ बभ वय | १६ गबव भत | ८ गबव भनत | १३ गबर नत | १३ बगत नर | २६ बत यर | १७॥ बभव तरय | १६॥ बभव तर | ११॥ गबभ वतयर | १७॥ गभ तय | २१ गभ | १३ गभ न |
| सिंह | मघा. १,२,३,४ | २४॥ बव तर | ११॥ बवत रगन | १६॥ बवत रन | २२॥ नव त | २५॥ गव त | ३३ व | २५ भव | १६ गव भ | ८॥ वगभ नतय | ३॥ बरतय गभन | ४॥ बरत गभन | १८॥ बर तभ | २४॥ बव तर | २५॥ बव तर | १८॥ बवर गत | १८॥ गभ त | १६॥ गभ त | १३ गभ न |
| | पू.फा. १,२,३,४ | १०॥ बवत रगन | २५॥ बव तर | १८॥ बवर गत | २४॥ गव त | २३॥ नव त | २५॥ गव त | १६ गव भ | १७ भव न | २४ भव न | १७ बर भय | १८॥ बत भत | ४॥ बरत गभन | १०॥ बवत रगन | १६॥ बवर गत | २४॥ बव रत | २४॥ भत | १७॥ नभ त | २५॥ भत |
| | उ.फा. १ | १६॥ बवत यगर | २५॥ बव तर | १६॥ बवय गतर | २२॥ यव गत | ३१॥ वत | १७॥ गव तन | ६॥ गव नभत | २५ भव | २५ भव | २० बर भ | २० बर भ | ११॥ बरत गभय | १७॥ बवत गरय | ११॥ बवत गनर | १५॥ बवत नरय | १५॥ नभ तय | २६॥ भत | २५॥ भत |
| कन्या | उ.फा. २,३,४ | १६॥ गबय भत | २५॥ बभ त | १६॥ गबय भत | १८ यवत गर | २७ वत र | १३ गवत नर | १४ गन तर | २६॥ र | २६॥ र | २४॥ भव | २४॥ भव | १६ गभ वतय | १६॥ गबभ तय | १०॥ गबन भत | १४॥ बभन तय | १७॥ तनव यर | २८॥ वत र | २७॥ वत र |
| | हस्त १,२,३,४ | २० बभ यग | २६॥ बभ त | १८॥ बभ तयग | २० वग तयर | २६ वत र | १३ नव तरग | १५ नत रग | २७ तर | २८॥ र | २३॥ भव | २४॥ भव | १८॥ भग वय | १६ बभ यग | ८॥ बयभ नतग | १३॥ बभ नतय | १६॥ वनत यर | २६॥ वत र | २७॥ वत र |
| | चित्रा १,२ | २० बभ न | १६ गब भय | २६॥ बभ त | २८ वत र | ११ गवन तयर | २५ वत यर | २७ तय र | १४ गन तर | २२ गत र | १७ गभ त | १८॥ गभ व | १५॥ भव नय | १६ बय भन | २४ बभ य | १६॥ गबत भय | १६॥ गवत यर | १०॥ गयव नतर | १६॥ वगत यर |

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

# मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

| कन्या \ वर | | मेष | | | वृष | | | मिथुन | | | कर्क | | | सिंह | | | कन्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अश्वि. १,२,३,४ | भर. १,२,३,४ | कृत्ति. १ | कृत्ति. २,३,४ | रोहि. १,२,३,४ | मृग. १,२ | मृग. ३,४ | आर्द्रा १,२,३,४ | पुन. १,२,३ | पुन. ४ | पुष्य १,२,३,४ | आश्ले. १,२,३,४ | मघा १,२,३,४ | पू.फा. १,२,३,४ | उ.फा. १ | उ.फा. २,३,४ | हस्त १,२,३,४ | चित्रा १,२ |
| तुला | चित्रा ३,४ | २२॥ गत य | १४॥ गन तय | २८॥ तय | २३॥ भत य | २० गभ | १२ गभ न | १३ गभ न | २१ गभ | १९॥ गभ त | २०॥ गर वत | ११॥ गनय वरत | २६॥ वत र | २५॥ वर त | ११॥ वरग नत | १७॥ वय गरत | १७॥ यग भत | २० गभ य | २१ भन |
| | स्वाती १,२,३,४ | २७॥ यत | २६॥ त | १७॥ नत | १२॥ भन त | १५॥ भन त | २६ भ | २७ भ | २६ भ | २८ भ | २६ वर | २७॥ वत र | १४॥ नव तर | १३॥ वन तग | २५॥ वर त | २५॥ वर न | २५। भत | २७॥ भत | २१ भय ग |
| | विशा. १,२,३ | २२॥ तय ग | २२॥ तय ग | २०॥ तय न | १५॥ तभ नय | १०॥ गभ तन | १८॥ गभ त | १९॥ गभ त | २० गभ य | २१ गभ | २२ गव र | २१ गत र | १८॥ नव तर | १७॥ वर तन | १९॥ वर तग | १७॥ वयर गत | १७॥ यगत भ | १८॥ गभ तय | २७॥ भत |
| वृश्चिक | विशा. ४ | १६॥ बगभ यत | १६॥ बगभ यत | १४॥ बभ नयत | १९॥ बन यत | १४॥ बग नत | २२॥ बग त | १२ बवर गभत | १२॥ वबय गभर | १३॥ बव गभर | १९ गभ | १८ गभ य | १५॥ भन त | २१॥ बव नत | २३॥ बव गत | २१॥ बव गयत | १७ तबव गयर | १८ बवग तयर | २७ बव तर |
| | अनु. १,२,३,४ | २४॥ बभ त | १५॥ बभ नत | १९॥ बभ गत | २४॥ बत ग | २७॥ बत | २०॥ बन त | १० बवत नभर | १५॥ तबव रभय | २०॥ बव भर | २६ भ | १८ भन | २१ भग | २४॥ बव तग | २०॥ बव तन | २६॥ बव त | २५ बव तर | २६ बव त | ११ बरव तनय |
| | ज्येष्ठा १,२,३,४ | १२ बग भन | १८॥ बग तभ | २४॥ बभ त | २६॥ बत | २२॥ बग त | २२॥ बग त | १२ तबव गभर | २ तवबय गभनर | ५ तबवर गभन | १०॥ तग भन | २० गभ | २६ भ | ३१ बव | २३॥ बव गत | १६॥ तबव गन | १२ तबव गनर | १२ तबव गनर | २४ बवत यर |
| धनु | मूल १,२,३,४ | १२ गभ न | २० गभ | २४॥ भत | १९ बभ तर | १३ बग तभर | १३ रबग तभ | २१ बग तर | १५ बगन तर | १२ रबग तनय | ८ यगभ वनत | १७ गभ वत | २३॥ भव य | २५ वभ | १९ वग भ | ६॥ तवग भन | १३ तरब गन | १३ तरब गन | २६ रब तय |
| | पू.षा. १,२,३,४ | २६ भ | १८ भन | १८ गभ य | १२॥ बय गभर | १८ बभ तयर | १० रबभ तनय | १८ बन तयर | २७ बत र | २७ बत र | २३ भव त | १३ यभ नवत | १७ गभ वत | १९ वग भ | १७ वभ न | २५ वभ | २८॥ बर | २७ बत र | १३ तबग नर |
| | उ.षा. १ | २४॥ भत | २६ भ | १२ गभ न | ६॥ रबय भन | १०॥ बयर भन | १७ बय तभर | २५ बय तर | २७ बत र | २७ बत र | २३ भव त | २३ भव त | ६ गभ वनत | ८॥ तगव यभन | २४ वभ य | २५ वभ | २८॥ बर | २८॥ बर | २१ गब तर |
| मकर | उ.षा. २,३,४ | २७ तर | २८॥ र | १४॥ गन र | १२ गभ न | १६ भन य | २२॥ यभ त | २० बय तभ | २२ बभ त | २२ बभ वत | २८ तर | २८ तर | १४ गन तर | ४॥ तयर गभन | २० रभ य | २१ रभ | २४॥ भत | २४॥ वभ | १७ गभ वत |
| | श्रव. १,२,३,४ | २७ तर | २६ तर | १३॥ यन र | ११ यभ गन | १६ भन य | २५ भय | २२॥ बभ वय | २१ बभ वत | २२ बभ वत | २८ त | २६ यत र | १५ नत र | ६॥ तगर भन | १८॥ रभ त | २० भर | २३॥ भव | २४॥ भव | १९॥ भव |
| | धनि. १,२,३,४ | २० गत यर | ११ यगन तर | २६ तय र | २३॥ भत य | २० गभ | १२ गभ न | ६॥ वबग भन | १६॥ वयब गभ | १६ बगव तभ | २२ गत र | १३ रगन तय | २८ तर | १६॥ रभ त | ५॥ तगर भन | १२॥ तयर गभ | १६ गभव तय | १७॥ गभ व | १५॥ भन वय |
| कुम्भ | धनि. ३,४ | २० गत यर | ११ यगत नर | २६ तय र | ३०॥ तय | २७ ग | १९ गन | १२ गभ न | १९ गभ य | १८॥ गभ त | १३॥ गभ वतर | ४॥ तयर गभनव | १६॥ भव तर | २५॥ वत र | ११॥ वतर गन | १८॥ वरग तय | १७॥ गभ तय | १९ गभ य | १७ यभ न |
| | शत. १,२,३,४ | १५ गन तर | २१ गत र | २८ तर | ३२॥ त | २५॥ गत | २७ ग | २० गभ | १२ गभ न | १३ गभ न | ८ गभव नर | १४॥ गभव तर | २०॥ वभ तर | २६॥ वर त | २०॥ वर गत | १२॥ वरत गन | ११॥ तग नभ | ८॥ तयग नभ | २५ भय |
| | पू.भा. १,२,३ | १८ नत यर | २५ यत र | २० गर तय | २४॥ गत य | ३१॥ त | ३१॥ त | २४॥ भत | १७ भन य | १८ भन | १३ भन व | २० भर वय | १३॥ गभव तर | १९॥ वर तग | २५॥ वर त | १६॥ वरय नत | १५॥ भन त | १५॥ भन तय | १७॥ गभ तय |
| मीन | पू.भा. ४ | १४॥ बभत नय | २१॥ बय तभ | १६॥ गबत भय | १९ गबत यर | २६ बत र | २६ बत र | २५॥ बव तर | १८ बनव यर | १९ नब वर | १८ नभ | २५ भय | १८॥ गभ त | १७॥ बग तभ | २३॥ बभ त | १४॥ बभत नय | १६॥ रबन वतय | १६॥ रबन वतय | १८॥ रबग वतय |
| | उ.भा. १,२,३,४ | २४॥ बभ त | १६॥ बभ तन | १८॥ गब तभ | २१ गब तर | २६ बत र | १८ नब तर | १७॥ नब वतर | २५॥ बर वत | २८ बव र | २७ भ | १९ भन | २१ गभ | १८॥ गब तभ | १६॥ बभ न | २५॥ बभ त | २७॥ बव तर | २६॥ बव तर | ६॥ बतर वयगन |
| | रेव. १,२,३,४ | २५ बभ | २४॥ बभ त | ११॥ तगब भन | १४ गबन तर | १७ वन तर | २६ बत र | २५॥ बर वत | २४॥ रब वत | २६॥ रब वत | २५॥ भत | २७ भ | १४ भन ग | १३ बभ गन | २३॥ बभ त | २३॥ बभ त | २५॥ बर वत | २६॥ बर वत | १९॥ बयर वतग |

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

# मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

| वर / कन्या | | तुला | | | वृश्चिक | | | धनु | | | मकर | | | कुम्भ | | | मीन | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | चित्रा ३,४ | स्वाती १,२,३,४ | विशा. १,२,३ | विशा. ४ | अनु. १,२,३,४ | ज्ये. १,२,३,४ | मूल १,२,३,४ | पू.षा. १,२,३,४ | उ.षा. १ | उ.षा. २,३,४ | श्रव. १,२,३,४ | धनि. १,२ | धनि. ३,४ | शत. १,२,३,४ | पू.भा. १,२,३ | पू.भा. ४ | उ.भा. १,२,३,४ | रेव. १,२,३,४ |
| तुला | चित्रा ३,४ | २८ न | २७ गय | ३४॥ त | २३॥ भवत | ६॥ यगवतनभ | २०॥ भवतय | २७ तयर | १४ गभतर | २२ गतर | २५ गतव | २६॥ गव | २३॥ नबय | १८ नभय | २६ भय | १८॥ गभतय | १२॥ गभवतयर | ३॥ वतयगभनर | १२॥ यगरभवत |
| | स्वाती १,२,३,४ | २८ यग | २८ न | २० नयग | ६ भवयनग | २१॥ भवत | १६॥ भवतग | २३ तरग | २७ तरग | १९ तनर | २२ नवत | २३ नवत | २६॥ वयग | २१ यगभ | २० गयभ | २५ यभ | १९ वभयर | १९॥ वतभर | १२॥ वतभनर |
| | विशा. १,२,३, | ३४॥ त | १९ गनय | २८ न | १७ भवन | १६ गवभय | २०॥ भवतय | २७ तयर | २२ गतर | १४ गनतर | १७ गनवत | १७ गनवत | ३० वतय | २४॥ भतय | २६ भय | २० गभय | १४ गभवयर | १३ गयभनर | ४॥ गभवनयतर |
| वृश्चिक | विशा. ४ | २२॥ बवभत | ७ बवगनभय | १६ बवनभ | २८ न | २७ गय | ३१॥ तय | २१॥ बवतयभ | १६॥ बवगभत | ८॥ बवगनभत | १२ गबनतर | १२ बनगतर | २५ बतयर | २४ बवतयर | २५॥ बवयर | १९॥ बवगयर | १९ गभय | १८ गयभ | ६॥ गभनतय |
| | अनु. १,२,३,४ | ६॥ बवतभयगन | २१॥ बवभत | १६ बवभयग | २८ यग | २८ न | ३१ ग | १५॥ बवतगयभ | १३॥ तबवनभ | २१॥ बवतभ | २५ बतर | २६ बतर | १२ तयबनरग | ११ तयबवनरग | २१ बवतरग | २४॥ बवयर | २४ भय | १८ नभ | २७ भ |
| | ज्येष्ठा १,२,३,४ | १९॥ बवतभय | १५॥ तबवगभ | १९॥ बवभतय | ३१॥ तय | ३० ग | २८ न | १४ बवनभय | १६॥ बवतगभ | १६॥ बवतगभ | २० वतर | २० वतर | २५ बतयर | २४ बवतयर | १८ बवनरत | १० तबवयगनर | ६॥ गभतनय | २१ गभ | २१ गभ |
| धनु | मूल १,२,३,४ | २६ तबयर | २१ गबतर | २६ तबयर | २२॥ भवतय | १५॥ गवभयत | १५ यवनभ | २८ न | २८ ग | २६॥ गत | १५ गबभवत | १५ गबभवत | २० बभवतय | २८॥ बवय | २१॥ बनत | १४॥ गनबतय | १६ गनवतय | २५ गवत | २६ गव |
| | पू.षा. १,२,३,४ | १३ गबतनर | २७ बतर | २१ गबतर | १७॥ गवभत | १५॥ भवनत | १७॥ गवभत | २८ ग | २८ न | ३४ | २२॥ बभव | २३ बभवत | ६ गबवभनतय | १४॥ गबतनय | २३॥ गबत | २८॥ बतय | ३० वतय | २३ नवत | ३१ वत |
| | उ.षा. १ | २१ गबतर | १९ नबतर | १३ गबनतर | ६॥ गवभनत | २३॥ भवत | १७॥ गवभत | २६॥ गत | ३४ | २८ न | १६॥ बभवन | १४॥ बभवन | १५ गबवभत | २३॥ गबत | २३॥ गबत | २६॥ बत | ३१ वत | ३१ वत | २३ नवत |
| मकर | उ.षा. २,३,४ | २४ गबत | २२ नबवत | १६ गबनत | १३ गनतर | २७ तर | २१ गतर | १६ गभवत | २३॥ भव | १७॥ नभव | २८ न | २६ न | २६॥ गत | १७ गबभवत | १७ गबवभत | २३ बभवत | ३०॥ त | ३०॥ त | २२॥ नत |
| | श्रव. १,२,३,४ | २६॥ बवग | २२ नबवत | १७ नबगवत | १४ नतर | २७ तर | २२ तर | १७ भवतग | २३ भवत | १४॥ नभव | २५ न | २८ न | २८ यग | १८॥ बभवयग | १८ बभवतग | २१ बभवतय | २८॥ तय | २६॥ त | २२॥ नत |
| | धनि. १,२ | २२॥ नबवय | २४॥ गबवय | २९ बवतय | २६ तयर | १२ गनतयर | २६ तयर | २१ भवतय | ७ गभयवनत | १६ गभवत | २६॥ गत | २७ गय | २८ न | १८॥ बभनव | २३॥ बभवय | १९ गबवतभ | २६॥ गत | १५॥ गनतय | २२॥ गयत |
| कुम्भ | धनि. ३,४ | १८ नभय | २० गभय | २४॥ भतय | २५ तवयर | ११ गवयतनर | २५ तवयर | २६॥ तय | १५॥ गतनय | २४॥ तग | १८ गभवत | १८॥ गभवय | १९॥ भवन | २८ न | ३३ य | २८॥ गत | १८ गभवत | ७ तगभवनय | १४ गयवभत |
| | शत. १,२,३,४ | २६ भय | १९ भयग | २६ भय | २६॥ यवर | २१ गवतर | १९ नवतर | २२॥ नत | २४॥ गत | २४॥ गत | १८ गभवत | १८ गभवत | २४॥ भवय | ३३ य | २८ न | १९ गनय | ८॥ गभवनय | १७ गभवत | १६ गभवत |
| | पू.भा. १,२,३ | १८॥ गभतय | २६ भय | २० गभय | २०॥ गवयर | २६॥ वयर | ११ गवतयनर | १५॥ नगतय | २६॥ तय | ३०॥ त | २४ भवत | २३ भवतय | २० भगवत | २८॥ गत | १९ नगय | २८ न | १७॥ नभव | २२॥ भवय | २० भयवत |
| मीन | पू.भा. ४ | ११॥ गबभवतयर | १९ बभवयर | १३ गबवभयर | १९ गभय | २५ भय | ६॥ गभनतय | १५ गबतनय | २९ बवतय | ३० बवत | २९॥ बत | २८॥ बतय | २५॥ गबत | १७ गबभत | ७॥ गबयभतन | १६॥ बभतन | २८ न | ३३ य | ३०॥ यत |
| | उ.भा. १,२,३,४ | २॥ यवबरगभनत | १९॥ भवबतर | १२ गवरभयब | १८ गयभ | १९ नभ | २१ गभ | २४ गबवत | २२ नबवत | ३० बवत | २९॥ बत | २९॥ बत | १४॥ गबतनय | ६ गबवनभतय | १६ गबवभत | २१॥ बभतय | ३३ य | २८ न | ३५ |
| | रेव. १,२,३,४ | १२॥ बभवतयर | ११॥ बभतवनर | ४॥ बभवनतगयर | १०॥ नभतयग | २७ भ | २२ भग | २६॥ बगव | २९ बवत | २१ नबवत | २०॥ नबत | २१॥ नबत | २२॥ बयतग | १४ बवयभतग | १६ बभवतग | १८ बयभवत | २६॥ यत | ३४ | २८ न |

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

## मंगली दोष विचार

ज्योतिषशास्त्र मेलापक द्वारा दम्पत्ति के आगामी जीवन के सुख-दुःख, सम्पत्ति, विपत्ति, आय-व्यय तथा आने वाली घटनाओं का मनोवैज्ञानिक एवं तात्त्विक विवेचन करता है। अतः वर-कन्या के शुभ-अशुभ ग्रह योगों की सामञ्जस्यता एवं मित्रता होगी, तो आगामी जीवन सुखमय तथा आनन्दमय होगा। यदि ग्रहों में परस्पर शत्रुता एवं एक की कुण्डली में सौम्यग्रह तथा एक की कुण्डली में अरिष्टकारक ग्रह बैठे हों तो संघर्षमय जीवन के साथ-साथ एक-दूसरे को घातक सिद्ध हो सकते हैं। अतः कुण्डली मिलान के समय अरिष्ट योगों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। यदि वर या कन्या किसी एक की जन्मकुण्डली या चन्द्रकुण्डली से लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या व्यय स्थान में मंगल स्थित हो तो इस प्रकार की कुण्डली मंगली कही जाती है। यदि वर की कुण्डली में उपरोक्त स्थानों में मंगल हो तो कन्या को तथा यदि कन्या की कुण्डली में हो तो वर के लिए नेष्ट होता है।

**'लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।**
**कन्याभर्तृविनाशाय भर्ताकन्याविनाशदः॥'**

(मुहूर्त्त-संग्रह-दर्पण)

## मंगली दोष परिहार-

उपरोक्त कथनानुसार यदि वर-कन्या में से किसी एक की कुण्डली में मंगलीयोगकारक ग्रह स्थित हो तो परस्पर अरिष्टकारक होते हैं, किन्तु 'लोहा लोहे को काटता है' इस तथ्य के अनुसारयदि वर-कन्या दोनों की कुण्डली में समान मंगली योगकारक ग्रह स्थित हों तो दोनों का मंगली दोष कट जाता है, यह ध्यान रहे कि वर के मंगली योग का कन्या से प्रबल होना आवश्यक है। इसी प्रकार यदि एक की कुण्डली में मंगल योगकारक स्थानों १, ४, ७, ८, १२ में हो तथा दूसरे की कुण्डली में इन्हीं स्थानों में मंगल अरिष्ट योगकारक शनि, राहु, केतु आदि पापग्रह स्थित हों तो एक-दूसरे के दोष को नष्ट कर देते हैं-

**'शनिभौमोऽथवा कश्चित्-**
**पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥'**

(फलित नवरत्न संग्रह)

'यामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुके तथा।
अष्टमे द्वादशे चैव भौमदोषो न विद्यते॥''

यदि मेष राशि का मंगल लग्न में, वृश्चिक राशि का चतुर्थ में, मकर राशि का सप्तम में, कर्क राशि का अष्टम में तथा धनु राशि का व्यय स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
द्यूने मृगे कर्कि चाष्टौ भौम दोषो न विद्यते॥

अन्य आचार्य के मत में वृष राशि के मंगल को सप्तम भाव तथा कुम्भ राशि के भौम को अष्टम भाव में होने पर भौम दोष नहीं होता-

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।**
**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौमदोषो न विद्यते॥**

बली गुरु शुक्र के लग्न या सप्तम भाव मे होने पर तथा मंगल के वक्री, नीचस्थ, शत्रुगृही तथा अस्तंगत होने पर भी मंगल का दोष समाप्त हो जाता है।

**सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽथवा भौमे।**
**वक्रनीचारिगृहस्थे वाऽस्तेऽपि न कुजदोषः॥**

द्वितीय भाव में चन्द्र और शुक्र स्थित हो, मंगल पर गुरु की दृष्टि हो तथा केन्द्र स्थित राहु मंगल की युति हो, तो मंगली का दोष नहीं होता।

**न मंगली चन्द्रभृगुर्द्वितीये,**
**न मंगली पश्यति यस्य जीवः।**
**न मंगली केन्द्रगते च राहुर्न-**
**मंगली मंगलराहुयोगे॥**

केन्द्र त्रिकोण में शुभग्रह तथा ३, ६, ११वें भाव में अशुभ ग्रह सप्तमेश स्वगृही हो तो भौम का दोष नहीं होता-

**'केन्द्रकोणे शुभाढ्ये च त्रिषडायेऽप्यसद्ग्रहाः।**
**तदा भौमस्य दोषो न मदने मदनपस्तथा॥'**

राशि की मित्रता, गण की ऐक्यता तथा गुणों की बहुलता मंगली दोष को नष्ट कर देती है–

**'राशिमैत्रं यदायाति गणैक्यं वा यदा भवेत्।**
**अथवा गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते॥'**

उपरोक्त मंगली दोष परिहार से स्पष्ट है कि रामाचार्य ने बालवैधव्य का विचार करके सावित्री या पीपल के वृक्ष का व्रत कराकर विष्णु की प्रतिमा (शालिग्राम) पीपल वृक्ष या कुम्भ से विवाह के अनन्तर चिरंजीवी वर के साथ विवाह का जो विधान किया है, उसका भी यही तात्पर्य है–

**"जन्मोत्थं च विलोक्य बालविधवायोगं विधाय व्रतं,**
**सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतया दद्यादिमां वा रहः।**
**सल्लग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाहं स्फुटं**
**दद्यातां चिरंजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः॥"**

**विवाहादिकार्यों में सूर्य, गुरु व चन्द्र का अष्टक वर्ग विचार–** विवाहादि शुभ कार्यों में यदि नाम राशि या जन्म राशि से गोचरीय ग्रह शुद्धि प्राप्त न हो तो अष्टकवर्गशुद्धि का विचार करना चाहिए, क्योंकि अष्टकवर्ग द्वारा शुद्ध गुरु, चन्द्र व सूर्य गोचर के अशुद्ध होने पर भी ग्राह्य माने जाते हैं। कहा भी है–

**"अष्टकवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु।**
**व्रतोद्वाहौ च कर्त्तव्यौ गोचरेण कदाचन॥"**

क्योंकि........

**"अष्टकवर्गेण ये शुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु**
**सूक्ष्माष्टवर्गसंशुद्धिः स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे"**

### सूर्याष्टकवर्ग रेखा – ४८

| सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | ल. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३ | १ | ३ | ५ | ६ | १ | ३ |
| २ | ६ | २ | ५ | ६ | ७ | २ | ४ |
| ४ | १० | ४ | ६ | ९ | १२ | ४ | ६ |
| ७ | ११ | ७ | ९ | ११ | | ७ | १० |
| ८ | | ८ | १० | | | ८ | ११ |
| ९ | | ९ | ११ | | | ९ | १२ |
| १० | | १० | १२ | | | १० | |
| ११ | | ११ | | | | ११ | |

### गुरु का अष्टकवर्ग रेखा – ४९

| गु० | शु० | श० | सू० | चं० | मं० | बु० | ल० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | १ | २ | १ | १ | १ |
| २ | ५ | ५ | २ | ५ | २ | २ | २ |
| ३ | ६ | ६ | ३ | ७ | ४ | ४ | ४ |
| ४ | ९ | १२ | ४ | ९ | ७ | ५ | ५ |
| ७ | १० | | ७ | ११ | ८ | ६ | ६ |
| ८ | ११ | | ८ | | १० | ९ | ७ |
| १० | | | ९ | | ११ | १० | ९ |
| ११ | | | १० | | | ११ | १० |
| | | | ११ | | | | ११ |

### चन्द्राष्टकवर्ग रेखा – ५६

| च० | मं० | बु० | गु० | शु० | श० | सू० | ल० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | १ | १ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ |
| ६ | ५ | ४ | ७ | ५ | ६ | ७ | १० |
| ७ | ६ | ५ | ८ | ७ | ११ | ८ | ११ |
| १० | ९ | ७ | १० | ९ | | १० | |
| ११ | १० | ८ | ११ | १० | | ११ | |
| | ११ | १० | १२ | ११ | | | |
| | | ११ | | | | | |

**यात्रा मुहूर्त्त का विचार–** यात्रा करने में चन्द्रवास, दिक्शूल, योगिनी, चन्द्रबल ये ४ बातें मुख्य विचारणीय हैं, साथ ही तिथि नक्षत्र आदि का भी विचार है। ह०, श्र०, अश्वि०, मृ०, पुष्य, पुन०, ध०, अनु०, रे० नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं अत्यावश्यकता में निन्द्य नक्षत्रों (भ०, कृ०, आर्द्रा, आश्ले०, म०, चि०, स्वा०, वि०, ज्ये०) की प्रारम्भ की क्रमश ७-२१-१०-१४-११-४०-१४-१४-१४ घटियां यात्रा में त्याज्य हैं। रो०, तीनों उत्तरा, तीनों पूर्वा, मूल ये नक्षत्र मध्यम माने हैं। कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि में यात्रा शुभ है। जन्मलग्न और जन्म राशि से अष्टम लग्न व नवांश में, कुम्भ लग्न या कुम्भ के नवांश में यात्रा सर्वथा निषिद्ध है।

**चन्द्रवास का विचार-**

**मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च-**
**कन्यामकरे च याम्ये।**
**युग्मे तुलायां च घटे प्रतीच्यां-**
**कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्याम्॥१॥**

| दिशा | पूर्व | दक्षिण | पश्चिम | उत्तर |
|---|---|---|---|---|
| राशि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क |
| राशि | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक |
| राशि | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |

यात्राफल- यात्रा काल में चन्द्रमा सम्मुख होने पर अर्थलाभ, दक्षिण होने पर सुख-सम्पत्ति, पृष्ठ होने पर मरण तुल्य कष्ट या मरण, वाम होने पर धन की हानि करता है।

**'सर्वे दोषाः लयं यान्ति पूर्णचन्द्रे ही सम्मुखे।'**

| दिशा | सम्मुख | दक्षिण | पृष्ठ | वाम |
|---|---|---|---|---|
| फल | अर्थलाभ | सुख-सम्पत्ति | मरण | धनक्षय |

(महाकष्ट)

यथा **सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसम्पदः।**
**पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः॥२॥**

योगिनी विचार- प्रतिपदा से प्रारम्भ कर पूर्व, उत्तर अग्नि, नैऋत्य, दक्षिण, पश्चिम, वायव्य, ईशान इन दिशाओं में क्रमशः योगिनी का भ्रमण होता है। यह योगिनी यात्रा करने वालों के लिए सम्मुख तथा वाम शुभ नहीं होती। दक्षिण तथा पृष्ठ में रहने पर शुभ होती है।

योगिनीवासचक्र

| तिथियाँ | दिशा |
|---|---|
| १-९ | पूर्व |
| २-१० | उत्तर |
| ३-११ | अग्नि |
| ४-१२ | नैऋत्य |
| ५-१३ | दक्षिण |
| ६-१४ | पश्चिम |
| ७-१५ | वायव्य |
| ८-३० | ईशान |

योगिनीवासचक्रम्

योगिनी का विशेष-विचार- योगिनी के शुभा-शुभत्व के विषय में ज्योतिष ग्रन्थों में दोनों प्रकार के वाक्य उपलब्ध होते हैं। यथा-

**योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा।**
**अशुभा वामभागस्था पृष्ठे दक्षे जयप्रदा॥२॥**

(मुहूर्त्त गणपति)

इसके विपरीत शीघ्रबोध में निम्नवाक्य मिलता है।

**योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी।**
**दक्षिणे धनहन्त्री च सम्मुखे मरणप्रदा॥२॥**

**(शीघ्रबोध)**

**तथा जयदा पृष्ठदक्षस्था भंगदा वामसम्मुखी।**
**त्रिविधंयोगिनीचक्रम् इत्युक्तं ब्रह्मयामले॥३॥**

**(स्वरोदय)**

मुहूर्त्त चिन्तामणिकार द्वारा-

**'सम्मुखवामगा न शस्ता' यह कहा गया है॥४॥**

तथा च-

**पृष्ठतो दक्षिणे वापि योगिनी गमने हिता।**
**वामसम्मुखयोर्नेष्टा वायुमेवं विचिन्तयेत्॥५॥**

(विजय कल्पलता)

तथा-

**वामे शुभकरीदेवी पृष्ठेसर्वार्थदायिनी।**
**वंशबन्धकरी चाग्रे दक्षिणे मृत्युदायिनी॥७॥**

(ज्योतिस्तत्त्व)

इस प्रकार के विरोधी वचनों को देखते हुए मुहूर्त्तचिन्तामणि, मुहूर्त्तगणपति, स्वरोदय एवं विजय कल्पलता के वचनों के आधार पर दक्षिण तथा पृष्ठस्थ योगिनी शुभ एवं वाम और सम्मुखस्य योगिनी को अशुभ माना है।

## दिक्शूल-विचार

| वार | दिशा |
|---|---|
| सोम, शनि | पूर्व |
| सोम, गुरु | आग्नेय |
| गुरु | दक्षिण |
| रवि, शुक्र | नैऋत्य |
| रवि, शुक्र | पश्चिम |
| मंगल | वायव्य |
| मंगल, बुध | उत्तर |
| बुध, शनि | ईशान |

आवश्यक कार्य में रविवार में घृतपान, सोम को दूध, मंगल को गुड़, बुध को तिल, गुरु को दधि, शुक्र को यवान्न, शनि को उड़द तेल या तेल की वस्तु का सेवन करके जाना शुभ है।

| पूर्व | दक्षिण | पश्चिम | उत्तर | दिशा |
|---|---|---|---|---|
| ज्येष्ठा | पू०भा० | रोहिणी | उ०फा० | नक्षत्र |

विशेष- यात्रा में घातचन्द्र, शुक्रास्त, जन्मराशीश, जन्मदशेश के अस्त होने पर शुभफल नहीं होता है।

पहली तीर्थ यात्रा गुरु, शुक्र होने पर वर्ज्य है। सिंह राशि का गुरु एवं नीच राशि का गुरुवर्ज्य है।

## समयशूल-विचार

| पूर्व | दक्षिण | पश्चिम | उत्तर |
|---|---|---|---|
| प्रात:काल | मध्याह्न | सायंकाल | अर्धरात्रि |

### दिक्शूल परिहार-

'न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ
देवेज्यदैत्येज्यदिवाकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां
सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥'

### दिशाओं के विभाग से लग्न-विचार

| दिशा | शुभ लग्न | मध्यम | भय | महाभय |
|---|---|---|---|---|
| पूर्व | १-५-९ | २-६-१० | ४-८-१२ | ३-७-११ |
| दक्षिण | २-१०-६ | ३-७-११ | १-५-९ | ४-८-१२ |
| पश्चिम | ३-७-११ | ४-८-१२ | २-६-१० | १-५-९ |
| उत्तर | ४-८-१२ | १-५-९ | ३-७-११ | २-६-१० |

प्रस्थान-विचार- यात्रा मुहूर्त्त में विलम्ब होने पर यात्रा के तीन दिन के अन्दर वर्णानुसार यज्ञोपवीतादि वस्तु या मन की सबसे प्रियवस्तु को किसी के यहां रख दें। पुनः यात्रा में जाते समय ले जायें।

गृहारम्भ विचार- नवीन गृहनिर्माण के पूर्व नींव खोदने के उपरान्त इष्टिका स्थापना का विचार करना चाहिए। नींव खनन करते समय राहुमुख का विचार कर राहुमुख के पीछे वाली दिशा से खात (नींव) खनन प्रारम्भ करें।

### राहुमुख एवं खातदिशा ज्ञान के लिए चक्र

| कोण | ईशा | वायव्य | नैऋत्य | अग्नि |
|---|---|---|---|---|
| गृहारम्भ | सिंह, कन्या, तुला | वृश्चि, धनु मकर | कुम्भ, मीन मेष | वृष, मिथुन, कर्क |
| देवालया-रम्भ | मीन, मेष वृष | मि०, कर्क सिंह | कन्या, तुला वृश्चिक | धनु, म०, कुम्भ |
| जलाशया-रम्भ | म०, कुम्भ, मीन | मेष, वृष मिथुन | कर्क, सिंह, कन्या | तुला, वृ०, धनु |
| खातदिशा | आग्नेय | ईशान | वायव्य | नैऋत्य |

गृहारम्भ से पूर्व भूमि के शुभाशुभत्व की भी परीक्षा कर लेनी चाहिए। भूमि में एक हाथ चौड़ा एक हाथ लम्बा, एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर रात्रि में उसे जल से भरकर प्रात:काल देखें की यदि जलयुक्त हो तो शुभ, निर्जल हो तो मध्यम, जलहीन के साथ फटी हो तो भूमि अशुभ समझें।

| | गृहारम्भ मुहूर्त्त-चक्र | वार | बुध, गुरु, शुक्र, सोम, शनि | त्याज्य | भद्रा, अशुभ योग, अष्टमचन्द्र, चक्र अशुद्धि। |
|---|---|---|---|---|---|
| नक्षत्र | तीनों उत्तरा, मृग०, पुष्य, अनु०, ध०, श०, चि०, ह०, स्वा०, रे०, रो० | तिथियाँ<br>लग्न | २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५<br>२, ३, ५, ६, ८, ११, १२ | विशेष :- शुक्ल पक्ष, गुरु-शुक्र के उदय में गृहराम्भ विशेष शुभ है।<br>यात्रा में दिन में दिनमान अष्टमांश से, रात्रि में रात्रि के अष्टमांश से वेलाफल बोधक चक्र- | |
| मास | वै०, श्रा०, मार्ग०, माघ, फाल्गुन इन मासों में। सूर्य क्रमशः १, ४, ५, ८, १०, ११ राशियों में स्थित होने पर। | लग्न शुद्धि | स्वामी की दृष्टि हो, लग्न से १, ४, ७, १०, ५, ९वें शुभ ग्रह, ३, ६, ११वें, पाप ग्रह तथा ८, १२ स्थान शुभ पाप से रहित। | | |

## चतुर्घटिका ( चौघड़िया ) मुहूर्त्त

| घटी | रवि | रवि | सोम | सोम | मंगल | मंगल | बुध | बुध | गुरु | गुरु | शुक्र | शुक्र | शनि | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | दिन | रात्रि | दिन | रात्रि | दिन | रात्रि | दिन | रात्रि | दिन | रात्रि | दिन | रात्रि | दिन | रात्रि |
| ४ | उद्वेग | शुभ | अमृत | चर | रोग | काल | लाभ | उद्वेग | शुभ | अमृत | चर | रोग | काल | लाभ |
| ४ | चर | अमृत | काल | रोग | उद्वेग | लाभ | अमृत | शुभ | रोग | चर | लाभ | काल | शुभ | उद्वेग |
| ४ | लाभ | चर | शुभ | काल | चर | उद्वेग | काल | अमृत | उद्वेग | रोग | अमृत | लाभ | रोग | शुभ |
| ४ | अमृत | रोग | रोग | लाभ | लाभ | शुभ | शुभ | चर | चर | काल | काल | उद्वेग | उद्वेग | अमृत |
| ४ | काल | काल | उद्वेग | उद्वेग | अमृत | अमृत | रोग | रोग | लाभ | लाभ | शुभ | शुभ | चर | चर |
| ४ | शुभ | लाभ | चर | शुभ | काल | चर | उद्वेग | काल | अमृत | उद्वेग | रोग | अमृत | लाभ | रोग |
| ४ | रोग | उद्वेग | लाभ | अमृत | शुभ | रोग | चर | लाभ | काल | शुभ | उद्वेग | चर | अमृत | काल |
| ४ | उद्वेग | शुभ | अमृत | चर | रोग | काल | लाभ | उद्वेग | शुभ | अमृत | चर | रोग | काल | लाभ |

विशेष - विजयदशमी को बिना मुहूर्त्त के भी यात्रा शुभ है वाम स्वर चलने पर पूर्व व ईशान, दक्षिण स्वर चलते समय दक्षिण व नैर्ऋत्य कोण में जाना अशुभ है।

मन की तीव्र इच्छा भी एक मुहूर्त्त है। मन के निषेध करने पर न जावें। मन के कहने पर बिना मुहूर्त्त भी यात्रा शुभ है। श्वास ग्रहण करते समय वाहन पर पैर रखें तो यात्रा सुरक्षित कहलाती है।

## चैत्रादि मास में गृहारम्भ का मास के अनुसार फल

| मास | फल |
|---|---|
| चैत्र | शोक |
| वैशाख | धान्य |
| ज्येष्ठ | पशु मरण |
| आषाढ़ | हानि |
| श्रावण | द्रव्य वृद्धि |
| भाद्रपद | नाश |
| आश्विन | शुभ |
| कार्तिक | मृत्यु |
| माघ | धन |
| पौष | श्री प्राप्ति |
| मार्गशीर्ष | वह्निभय |
| फाल्गुन | लक्ष्मी लाभ |

गृहारम्भ में शिलान्यास ( प्रथम इष्टिका स्थापना ) पूर्व दक्षिण कोण ( अग्निकोण ) में करें।

**'क्षेत्रभित्तिशिलान्यासस्तम्भस्यारोपणं तथा।**
**पूर्वदक्षिणयोर्मध्ये कुर्यादित्याह कश्यपः॥'**

वत्स चक्र विचार- सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उससे गृहारम्भ नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें पुनः चक्रानुसार फल विचारें।

## वत्स-चक्र

| नक्षत्र | स्थान | फल |
|---|---|---|
| ३ | शीर्ष | वह्निभय |
| ४ | अग्रिमपाद | रिक्त, अशुभ |
| ४ | पृष्ठपाद | स्थिरता |
| ३ | पृष्ठ | श्रीलाभ |
| ४ | दक्षिण कुक्षि | शुभ लाभ |
| ३ | पुच्छ | स्वामिनाश |
| ४ | वाम कुक्षि | निर्धनता |
| ३ | मुख | अशुभ, कष्ट |

अन्य विशेष- पुष्य, ३ उत्तरा, रो०, म०, आश्ले०, पू०षा०, इन नक्षत्रों में, गुरु जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र में, गुरुवार को गृहारम्भ पुत्र और लक्ष्मीदायक माना गया है। रो०, ह०, श्र०, उ०फा०, चि०, इनमें बुधाधिष्ठित नक्षत्र में बुधवार को गृहारम्भ पुत्र और सुखप्रद है। वि०, चि०, आ०, आश्ले०, ध०, श० इनमें शुक्राधिष्ठित नक्षत्र में शुक्रवार को गृहारम्भ धनधान्यप्रद होता है।

भूमि शयन- नींव खनन में भूमि शयन का भी विचार करें। सूर्य नक्षत्र से ५, ७, ९, १२, १९, २६ संख्यक नक्षत्रों में भूमि खनन अशुभ है। अत्यावश्यकता में इन नक्षत्रों की ५, ११, ७, ६, २, १० ये घड़ी वर्जित करें।

कुँआ या नल लगाने के लिए- गृह में उत्तर, ईशान, पूर्व व पश्चिम दिशायें श्रेष्ठ है अन्य शुभ हैं।

## कुंआ खोदने व नल लगाने के लिए चक्र

| दिशा | फल |
|---|---|
| पूर्व | ऐश्वर्य |
| अग्नि | सुत हानि |
| दक्षिण | स्त्री नाश |
| नैर्ऋत्य | गृहपति नाश |
| पश्चिम | सम्पत्ति |
| वायव्य | शत्रुभय |
| उत्तर | सुख |
| ईशान | पुष्टि |
| मध्य | अर्थ हानि |

## द्वार शाखा ( द्वारस्थापन ) विचार

द्वार चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना करके चक्र देखकर शुभ फलदायक नक्षत्र में चक्रबल शुद्धि में द्वार ( मुख्यद्वार ) की स्थापना करें।

**द्वारस्थापन-चक्र**

| नक्षत्र | स्थान | फल |
|---|---|---|
| ४ | शिर | श्री प्राप्ति |
| ८ | कोण | उद्वसन |
| ८ | शाखा | सौख्य |
| ३ | देहली | गृहेशनाश |
| ४ | मध्य | सौख्य |

## जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

| | |
|---|---|
| मास | वै०, ज्ये०, माघ, फाल्गुन |
| नक्षत्र | तीनों उत्तरा, अनु०, रो०, मृ०, चि०, रे०, इन नक्षत्रों में कुम्भ चक्र शुद्धि होने पर। |
| वार | चं०, बु, गु०, शु०, श० |
| तिथियाँ | १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३ |
| लग्न | (२, ५, ८, ११) शुभ<br>(३, ६, ९, १२) मध्यम |
| लग्न शुद्धि | लग्न से १, २, ३, ५, ७, ९, १०, ११वें स्थानों पर शुभ ग्रह ३, ६, ११ पाप तथा ४, ८ स्थान ग्रह रहित श्रेष्ठ हैं। |
| जीर्ण | उपरोक्त मास तथा श्रा०, मार्ग०, कार्तिक भी ग्राह्य है। गुरु शुक्रास्त में भी। |
| गृह-प्रवेश | शत०, पुष्य, स्वाती और धनिष्ठा नक्षत्रों में शुभ है। |

**जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त विचार-** गृह निर्माण के बाद मास, तिथि, वार नक्षत्र, लग्न व चन्द्र तारा शुद्धि में कुम्भचक्रशुद्धि तथा जन्म लग्न व जन्म राशि से प्रवेश लग्न अष्टम से अन्य होने पर दम्पत्ति जलपूर्ण कलश पर पुष्पमाला, पञ्चपल्लव तथा नारिकेल रखकर, गीत-वाद्य ब्राह्मण, कन्या व गौ के सहित गृहप्रवेश करें।

**कुम्भ-चक्र-** सूर्य नक्षत्र से गणना कर विचार करें।

| ५ | ८ | ८ | ६ |
|---|---|---|---|
| अशुभ | शुभ | अशुभ | शुभ |

सूर्य नक्षत्र से गृह-प्रवेश तक उक्त चक्रानुसार गणना कर शुभफल के समय में ही प्रवेश करना चाहिए।

**स्पष्ट फल ज्ञान के लिए अन्य कुम्भ-चक्र**

| नक्षत्र | स्थान | फल |
|---|---|---|
| १ | मुख | अग्निदाह |
| ४ | पूर्व | उद्वसन |
| ४ | दक्षिण | लाभ |
| ४ | पश्चिम | लक्ष्मीप्राप्ति |
| ४ | उत्तर | कलह |
| ४ | गर्भ | विनाश |
| ३ | अधः | स्थिरता |
| ३ | कण्ठ | स्थिरता |

## दुकान (विपणि) करने का मुहूर्त्त

| | |
|---|---|
| नक्षत्र | रो०, तीनों उत्तरा, ह०, पुष्य, चि०, रे०, अनु०, मृ०, अश्वि० |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र |
| तिथि | २, ३, ५, ७, १०, १२, १३ |
| अन्य | चन्द्रशुद्धि, शुभलग्न |

**क्रय नक्षत्र-** रे०, अ०, शत०, स्वा०, श्र०, चित्रा नक्षत्र बुध तथा रविवार श्रेष्ठ हैं।

**विक्रय नक्षत्र-** पू०, फा०, पू०षा०, पू०भा०, वि०, चि०, कृ०, आश्ले०, भर० ये सात नक्षत्र गुरुवार और सोमवार श्रेष्ठ हैं।

**विशेष-** बेचने के नक्षत्रों में खरीदना तथा खरीदने के नक्षत्रों में बेचना हानिप्रद है।

## बड़ा व्यापार करने का मुहूर्त

| | |
|---|---|
| नक्षत्र | हस्त, पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा। |
| वार | बुध, गुरु, शुक्र |
| तिथि | २, ३, ५, ७, ११, १३ |

**नौकरी करने का मुहूर्त-** हस्त, चित्रा, अनु०, रे०, अ०, मृ०, पुष्य नक्षत्रों में बुध, गुरु, शुक्र, रवि इन वारों में रिक्ता, अमा०, रहित तिथियों में नौकरी प्रारम्भ करनी श्रेष्ठ है

## मुकद्दमा दायर करने का मुहूर्त्त

| | |
|---|---|
| नक्षत्र | ज्ये०, आर्द्रा०, म०, तीनों उत्तरा, मृ०, आश्ले०, भ० |
| वार | रवि, बुध, गुरु, शुक्र |
| तिथि | ३, ५, ८, १०, १५ |
| लग्न | ३, ६, ७, ८, १२ |
| लग्नशुद्धि | सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र ये ग्रह १, ४, ७, १० इन स्थानों में, पापग्रह ३, ६, ११ स्थानों पर शुभ हैं।<br>अष्टम स्थान में कोई ग्रह न हो। |

विशेष- लग्न में कोई प्रबल पाप ग्रह हो ऐसे लग्न में मुकदमा दायर करना अत्यन्त शुभ है।

## मशीनरी चालू करने का मुहूर्त्त

| | |
|---|---|
| वार | बुधवार, अत्युत्तम है अन्य शुभ वार |
| नक्षत्र | धनि०, अश्वि०, ह०, चि०, अनु०, पु०, पुष्य, ज्ये०, एवं रेवती। |
| लग्नशुद्धि | श०, मं०, शु०, श० शुभ स्थानों में हों। |
| अन्य | शनि की होरा, चन लग्न |

**गाय बैल आदि पशु लेने का मुहूर्त-** गाय खरीदने के लिए उ.फा. नक्षत्र से वर्तमान नक्षत्र तक ( खरीदने के नक्षत्र तक ) गणना करें, वह नक्षत्र ४, ५, २६ या २७वाँ हो तो गाय लेना अशुभ है। शेष सभी नक्षत्रों में गाय खरीदना शुभ है। भैंस लेने के लिए नक्षत्र से गणना करने पर ४, ५, २६, २७वाँ नक्षत्रों को त्याग कर शेष श्रेष्ठ हैं। बैल लेने के लिए उ.फा. से ३-४-२६-२७वें नक्षत्रों को छोड़कर शेष नक्षत्र लाभपद हैं। तिथियों में ९-१४-४ ( रिक्ता ) तथा मंगलवार को कभी भी पशु न लें।

## मन्दिर निर्माण का मुहूर्त्त

| | |
|---|---|
| मास | माघ, फा०, वै०, ज्ये, मार्ग, पौष |
| नक्षत्र | पुष्य, तीनों उत्तरा, मृग०, श्र०, अश्वि०, चि०, पुन०, आर्द्रा, ह०, ध०, रो०। |
| वार | सो०, बु, गुरु, शुक्र |
| तिथि | २, ३, ५, ७, ११, १२, १३ |

## जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्त्त

| | |
|---|---|
| समय | उत्तरायण, गुरु, शुक्र व मंगल के बली होने पर |
| तिथि | शुक्ल पक्ष की १-२-५-१०-१३-१५ कृष्ण पक्ष की १-२-५ मतान्तर से शुक्लपक्ष की ७-११ । |
| नक्षत्र | पुष्य, तीनों उत्तरा, ह०, रे०, रो०, अश्वि०, मृ०, श्र०, ध०, पुन०, ( मतान्तर से चि०, स्वा०, भ०, मू०, अत्यावश्यक होने पर। ) |
| वार | सोम, बुध, गुरु, शुक्र । |
| लग्न शुद्धि | २, ३, ५, ९, ११, १२ ( लग्न राशियाँ ) केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह ३, ६, ११वें पापग्रह, अष्टम शुद्ध हो। |
| अन्य | पूर्वाह्न, अपने-अपने मास तिथि, नक्षत्र में दक्षिणायन में प्रतिष्ठा के लिए शास्त्राज्ञा। ( यथा चतुर्दशी में शंकर चतुर्थी में गणेश ) इत्यादि। |

प्रतिष्ठामुहूर्त- देवतारामवाप्यादिप्रतिष्ठामुत्तरायणे। माघादिपञ्च-मासेषु कृष्णेऽप्यापंचमीदिने। मातृभैरववाहारनारसिंहत्रिविक्रमाः। महिषासुरहन्त्री च स्थाप्या च वै दक्षिणायने।

## चुल्लिचक्र विचार

सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उस से चन्द्र नक्षत्र ( दिन नक्षत्र ) तक गणना करके पुनः चक्रानुसार फल का विचार करें।

| नक्षत्र संख्या | ६ | ४ | ८ | ३ | ६ |
|---|---|---|---|---|---|
| फल | शुभ | अशुभ | शुभ | अशुभ | शुभ |

## हल प्रवहण मुहूर्त्त

मृगशीर्ष, रेवती, चित्रा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा, हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित्, स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, मघा और विशाखा इन नक्षत्रों में रिक्ता, अमावस्या, षष्ठी और अष्टमी तिथियों को छोड़कर शेष तिथियों में १,५,७,१०,११ इन लग्नों को छोड़कर भूमिशयन एवं भद्रादि का विचार कर हलचक्र शुद्धि होने पर प्रथम बार हल प्रवहण करना श्रेयस्कर होता है।

**हल चक्र** - सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र ( चन्द्र नक्षत्र ) तक गणना करके निम्न चक्रानुसार शुभाशुभ फल का विचार करें।

| नक्षत्र संख्या | ३ | ७ | ९ | ८ |
|---|---|---|---|---|
| फल | अशुभ | शुभ | अशुभ | शुभ |

## बीजवपन मुहूर्त्त

हस्त, अश्विनी, पुष्य, तीनों उत्तरा, रोहिणी, चित्रा, अनुराधा, मृगशीर्ष, रेवती, स्वाती, धनिष्ठा, मघा एवं मूल इन नक्षत्रों में, रिक्ता तिथि, अष्टमी, अमा, भद्रा, क्षीण चन्द्र, तिथिक्षय, सूर्य, मंगल और शनिवार, रात्रि एवं दोनों सन्ध्याओं को छोड़कर राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र के अनुसार बीजवपन शुभ होता है।

## राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र

| नक्षत्र | स्थान | फल |
|---|---|---|
| ३ | शिर | धान्यनाश |
| ३ | गला | कालिमा युक्त |
| १२ | उदर | वृद्धि |
| ४ | पुच्छ | तृष |
| ५ | बाह्य | नाश |

## औषधसेवन मुहूर्त्त

हस्त, चित्रा, स्वाती पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अश्विनी, रेवती, अनुराधा, मृगशीर्ष मूल नक्षत्र तथा रविवार व शुभ दिनों ( चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र ) में रिक्ता, अष्टमी, अमा एवं भद्रा तिथियों को छोड़कर, शुभ ग्रहों के बली होने पर तथा लग्न से ६, ७, ८, १२ भावों के शुद्ध ( ग्रहरहित ) होने पर औषध निर्माण व सेवन आयुष्यवर्धक एवं शुभ होता है।

## वाहन आरोहण मुहूर्त्त

रेवती, अश्विनी, शतभिषा, स्वाती, मृगशीर्ष, चित्रा, पुनर्वसु, श्रवण, हस्त, पुष्य व धनिष्ठा नक्षत्र तथा सूर्य, चन्द्र, बुध, गुरु व शुक्र वारों में, रिक्ता, अमा एवं भद्रा रहित तिथियों में तथा चर लग्नों में प्रथम बार वाहन की सवारी करना शुभ होता है।

# ग्रहों के दान, दान समय, जप-संख्या, जपनीय-मन्त्र एवं हवनसमिधा ज्ञानार्थ-चक्र

| | दान-पदार्थ | | | | | | | | | | | | दान समय | जप संख्या | जपनीय मन्त्र | हवन समिधा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | माणिक | सुवर्ण | ताम्र | गेहूँ | गुड़ | घी | रक्तपुष्प | केशर | मूंग | रक्तगी | र.वस्त्र | र. चन्दन | सूर्योदय | ७००० | ॐ ह्राँ ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः | अर्क |
| चन्द्र | मोती | सुवर्ण | रजत | चावल | मिश्री | दही | श्वेतपुष्प | शंख | कर्पूर | श्वेतबैल | श्वे.वस्त्र | श्वे.चन्दन | सन्ध्या | ११००० | ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः | पलाश |
| भौम | मूंगा | सुवर्ण | ताम्र | मसूर | गुड़ | घी | रक्तकेशर | केशर | कस्तूरी | रक्तबैल | रक्तवस्त्र | र.चन्दन | घ.२ शेष दिन | १०००० | ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः | खदिर |
| बुध | पन्ना | सुवर्ण | कांसी | मूंग | खांड | घी | सर्वपुष्प | हाथीदांत | कर्पूर | शस्त्र | ह.वस्त्र | फल | घ.५ शेष दिन | ११००० | ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः | अ.मार्ग |
| गुरु | पुखराज | सुवर्ण | कांसी | दा.चना | खांड | घी | पीतपुष्प | हल्दी | पुस्तक | घोड़ा | पीतवस्त्र | पीतफल | सन्ध्या | २१००० | ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः | अश्वत्थ |
| शुक्र | हीरा | सुवर्ण | रजत | चावल | मिश्री | दूध | श्वेतपुष्प | सुगन्ध | दधि | श्वे.घोड़ा | श्वे.वस्त्र | श्वे.चन्दन | सूर्योदय | ६००० | ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः | उदुंबर |
| शनि | नीलम | सुवर्ण | लोहा | उड़द | कुलथी | तेल | कृष्णपुष्प | कस्तूरी | कृष्णांग | भैंस | कृ.वस्त्र | उपानह | मध्याह्न | २३००० | ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः | शमी |
| राहु | गोमेद | सुवर्ण | सीसा | तिल | सरसों | तेल | कृष्णपुष्प | खड्ग | कम्बल | घोड़ा | नी.वस्त्र | शस्त्र | रात्रि | १८००० | ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः | दूर्वा |
| केतु | लसन | सुवर्ण | लोहा | तिल | सप्तधा | तेल | धूम्रपुष्प | नारियल | कम्बल | बकरा | धूम्रवस्त्र | शस्त्र | रात्रि | १७००० | ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः | कुशा |
| मुन्था | भौम | सुवर्ण | चाँदी | चावल | सुवर्ण | घी | श्वेतपुष्प | कपूर | मिश्री | श्वेतवस्त्र | श्वे.चन्दन | हाथीदांत | मुं.काल | मुन्थेशवत् | मुन्थेशमन्त्रवत् | |

## भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश, एवं देशान्तर

( नोट- यहाँ ( + ) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पूर्व तथा ( - ) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पश्चिम समझना चाहिए )

| नगर | पलभा | अक्षांश | रेखांश | देशान्तर | नगर | पलभा | अक्षांश | रेखांश | देशान्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अजमेर | ५।५८।१२ | २६.२७ | ७४.४२ | -१०.०० | गोरखपुर | ६।२।५५ | २६.४२ | ८३.२४ | +२४.४८ |
| अम्बाला | ७।१।२५ | ३०.२१ | ७६.५२ | -१.२० | गोंडल | ४।४१।४१ | २१.५५ | ७०.५३ | -२५.२० |
| अमरावती | ४।३५।२५ | २०.५६ | ७७.४८ | +२.२४ | गौंडा | ६।१४।१७ | २७.२८ | ८२.१ | +११.१६ |
| अमृतसर | ७।२३।१४ | ३१.३७ | ७४.५५ | -९.०८ | गोहाटी | ५।५४।१ | २६.११ | ९१.४७ | +५८.२० |
| अयोध्या | ६।३।४२ | २६.४८ | ८२.१४ | +२०.०८ | चण्डीगढ़ | ७।८।४ | ३०।४४ | ७६।२५ | -३.४८ |
| अलवर | ६।१५।५२ | २७.३४ | ७६.३८ | -२.१६ | चितौड़गढ़ | ५।३४।१३ | २४.५४ | ७४.४२ | -१०.०० |
| अलीगढ़ | ६।२१।१३ | २७.५४ | ७८.०६ | +३.३६ | छत्तीसगढ़ | ४।४३।३७ | २१.३० | ८२.०० | +११.१२ |
| अलीपुर ( उ.प्र. ) | ४।५८।४३ | २२.३२ | ८८.२४ | +४४.४८ | छपरा | ५।४७।४८ | २५.४७ | ८४.११ | +२९.५६ |
| अल्मोड़ा | ६।४९।१८ | २९.३७ | ७९.४० | +९.५२ | जम्मू | ७।४२।४१ | ३२.४४ | ७४.५४ | -९.१२ |
| अहमदनगर | ४।१।५ | १९.५ | ७४.४८ | -९.३६ | जबलपुर | ५।८।६ | २३.१० | ७९.५१ | +११.०८ |
| अहमदाबाद | ५।६।७ | २३.२ | ७२.३७ | -१८.२० | जयपुर | ६।५।३२ | २६.५५ | ७५.५२ | -५.२० |
| आगरा | ६।९।३० | २७.१० | ७८.५ | +३.३२ | जालन्धर | ७।१८।३ | ३१.११ | ७५.१८ | -७.३६ |
| आजमगढ़ | ५।५१।५७ | २६.३ | ८३.१३ | +२४.४ | जामनगर | ४।५७।३० | २२.२७ | ७०.५ | -२८.२८ |
| आबू | ५।३०।३१ | २४.४० | ७२.४५ | -१७.४८ | जूनागढ़ | ४।४३।५१ | २१.३१ | ७०.३६ | -२६.२४ |
| आसनसोल | ५।१६।३ | २३.४२ | ८७.१ | +३१.१६ | जोधपुर | ५।५५।५१ | २६.१८ | ७३.४ | -१६.३२ |
| आनन्द | ४।४९।२८ | २२.३५ | ७२.५८ | -१६.५६ | जौनपुर | ५।४७।३३ | २५.४६ | ८२.४४ | +२२.८ |
| इटारसी | ४।५८।१४ | २२.३० | ७७.५५ | +२.५२ | झालावाड़ | ५।२१।३१ | २४.३६ | ७४.१ | -१२.१२ |
| इटावा | ६।३।२६ | २६.४७ | ७९.२ | +७.२० | झांसी | ५।४२।३१ | २५.२७ | ७८.३७ | +५.४० |
| इन्द्रगढ़ | ५/४७/२ | २५.४४ | ७६.१२ | -४.०० | टोंक | ५।५४।१ | २६.११ | ७५.५० | -५.२८ |
| इन्दौर | ५।१।४० | २२.४४ | ७५.५४ | -५.१२ | डूंगरपुर | ५।१८।३ | २३.५० | ७३.५० | -१३.२८ |
| इलाहाबाद | ५।४२।५५ | २५.२८ | ८१.५४ | +१८.४८ | तिरुपति | २।५५।४ | १३.४० | ७९.२० | +८.३२ |
| उज्जैन | ५।७।५१ | २३.१ | ७५.४३ | -५.५६ | तूतीकोरिन | १।५०।४१ | ८.४५ | ७८.११ | +३.५६ |
| उदयपुर | ५।३१।१० | २४.४२ | ७३.३३ | -१४.३६ | त्रिवेन्द्रम | १।४७।२३ | ८.२९ | ७६.५१ | -०.५२ |
| उदयगिरि | ३।११।०८ | १४.५२ | ७९.११ | +८.२८ | त्रिनेवल्ली | १।५०।२३ | ८.५३ | ७७.५७ | +३.०० |
| उन्नाव | ६।३।४२ | २६.४८ | ८०.४३ | +१४.०४ | थानेसर | ६।५८।८ | २९.२५ | ७६.५६ | -१.४ |
| एकलिंगजी | ५।३१।२५ | २४.४३ | ७३.४३ | -१३.५६ | दरभंगा | ५।५३।४६ | २६.१० | ८५.५१ | +३४.३६ |
| औरंगाबाद | ४।२०।२४ | १९.५३ | ७५.२३ | -७.१६ | दिल्ली | ६।३३।६ | २८.३८ | ७७.१२ | ०.०० |
| कटक | ४।२८।४३ | २०.२८ | ८५.५४ | +३४.४८ | द्वारका | ४।५४।११ | २२.१४ | ६९.०१ | -३२.४४ |
| कन्नौज | ६।७।३९ | २७.३ | ७९.५८ | +११.०४ | देवास | ५।५।८ | २२.५८ | ७६.०६ | -४.२४ |
| कलकत्ता | ४।४९।१३ | २२.३४ | ८८.२४ | +४४.४८ | देहरादून | ७।०१।०१ | ३०.१९ | ७८.४ | +३.२८ |
| करनाल | ६।५०।५१ | २९.४२ | ७७.२ | -०.४० | धर्मशाला | ७।३४।३५ | ३२.१६ | ७६.२३ | -३.१६ |
| कानपुर | ५।५८।२७ | २६.२८ | ८०.२० | +१२.३२ | धार | ४।५१।२८ | २२.३५ | ७५.२० | -७.२८ |
| किशनगढ़ | ६।०।१७ | २६.३५ | ७४.५६ | -९.४ | धरमपुर ( गुजरात ) | ४।२१।४० | २०.३२ | ७३.१३ | -१५.५६ |
| कोटा | ५।३८।१८ | २५.१० | ७५.५२ | -५.२० | धौलपुर | ६।२।७ | २६.४२ | ७७.५३ | +२.४४ |
| कोल्हापुर | ३।३६।१ | १६.४२ | ७४.१६ | -११.४४ | धांगड़ा | ५।५।२२ | २२.५६ | ७१.३१ | -२२.४४ |
| कांगड़ा | ७।३१।२२ | ३२.०५ | ७६.१८ | -३.३६ | नडीआद | ५।०।५६ | २२.४१ | ७२.५५ | -७.८ |
| खंडवा | ४।४८।२८ | २१.५० | ७६.२३ | -३.१६ | नवसारी | ४।३८।४ | २१.७ | ७२.५५ | -१७.८ |
| गया | ५।३२।५६ | २४.४९ | ८५.१ | +३१.१६ | नवलगढ़ | ६।२०।२५ | २७.५१ | ७५.१६ | -७.४४ |
| गढ़वाल | ५।५१।५३ | ३०.१५ | ७९.३० | +९.१२ | नसीराबाद | ५।५५।५१ | २६.१८ | ७४.४६ | -९.४४ |
| ग्वालियर | ५।५४।४८ | २६.१४ | ७८.१० | +३.५२ | नागपुर | ४।३८।३३ | २१.९ | ७९.९ | +७.४८ |
| गाजियाबाद | ६।३२।३९ | २८.४० | ७७.२८ | +१.४ | नाथद्वार | ५।३४।४३ | २४.५६ | ७३.४८ | -१३.३६ |
| गाजीपुर | ५।४४।२७ | २५.३४ | ८३.३५ | +२५.३२ | नालंदा | ५।३८।२ | २५.१ | ८५.२४ | +३२.४८ |
| गंगापुर | ५।५८।४३ | २६.२९ | ७६.४५ | -१.४८ | नासिक | ४।२२।३२ | २०.२ | ७३.५० | -१३.२८ |
| गुड़गांव | ६।३२।५० | २८.३७ | ७७.४ | -०.३२ | नीमच | ५।२७।२२ | २४.२७ | ७४.५२ | -९.२० |
| गुरुदासपुर | ७।३०।४७ | ३२.०३ | ७५.२७ | -७.०० | नैनीताल | ६।४५।२५ | २९.२३ | ७९.३० | +९.१२ |
| गोवा | ३।११।४० | १५.३० | ७३.५७ | -१३.०० | पजिम | ३।११।४० | १५.३० | ७३.५५ | -१३.८ |

| नगर | पलभा | अक्षांश | रेखांश | देशान्तर | नगर | पलभा | अक्षांश | रेखांश | देशान्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पन्ना | ५।३१।२५ | २४.४३ | ८०.१२ | +१२.०० | मथुरा | ६।१४।१७ | २७.२८ | ७७.४१ | +१.५६ |
| पटना | ५।४५।१३ | २५.३७ | ८५.१३ | +३२.०४ | एटा ( कासगंज ) | ६।१६।०८ | २७.३५ | ७८.४१ | +५.५६ |
| पठानकोट | ७।३४।५२ | ३२.१७ | ७५.४२ | -६.०० | मद्रास | २।४७।०६ | १३.४ | ८०.१७ | +१२.२० |
| प्रतापगढ़ ( राज० ) | ५।२१।४ | २४.२ | ७४.४५ | -१.४८ | माणसा | ५।१२।४ | २३.२६ | ७२.४० | -१८.८ |
| प्रतापगढ़ ( यूपी ) | ५।४९।२१ | २५.५३ | ८१.५८ | +११.४ | मिर्जापुर | ५।३८।१८ | २५.१० | ८२.३७ | +२१.४० |
| पटियाला | ७।११।१८ | ३०.२० | ७६.२५ | -३.८ | मुगलसराय | ५।४०।५ | २५.१७ | ८३.११ | +२३.५६ |
| प्रयाग | ५।४३।२५ | २५.३० | ८१.५६ | +१८.५६ | मेरठ | ६।३९।२३ | २९.१ | ७७।४५ | +२.१२ |
| पानीपत | ६।४५।२५ | २९.२३ | ७७.१ | -०.४४ | राँची | ५।११।११ | २३.२३ | ८५.२३ | +३२.४४ |
| पांडिचेरी | २।३२।१० | ११.५६ | ७९.५३ | -१०.४४ | रायबरेली | ५।५४।४८ | २६.१४ | ८१.१६ | +१६.१६ |
| पीलीभीत | ६।३३।०६ | २८.३८ | ७५.५१ | -५.२४ | रेवाड़ी | ६।२६।४ | २८.१२ | ७६.३६ | -२.२४ |
| पुरी जगन्नाथ | ४।११।१३ | १९.४८ | ८५.५२ | +३४.४० | रोहतक | ६।३७।२८ | २८।५४ | ७६.३८ | -२.१६ |
| पूना | ४।०।५५ | १८.३० | ७३.५८५ | -१३.०८ | लखनऊ | ६।५।३२ | २६.५५ | ८०.५९ | +१५.०८ |
| पोर्टब्लेवर | २।२८।५३ | ११.४१ | ९२.४३ | +६२.४ | लद्दाख | ७।२१।५४ | ३२.०० | ८०.० | +११.० |
| पोरबन्दर | ४।४५।११ | २१.३७ | ६९.४९ | -२९.३२ | लुधियाना | ७।११।२९ | ३०.५६ | ७५.५२ | -५.२० |
| फतेहगढ़ | ६।१२।५७ | २७.२३ | ७९.४० | +१.५२ | वाराणसी | ५।४०।३६ | २५.१९ | ८३.१ | +२३.१६ |
| फतेहपुर | ५।४९।५२ | २५.५५ | ८०.५२ | +१४.४० | वृन्दावन | ६।१५।३६ | २७.३३ | ७७.४४ | +२.०८ |
| फतेहाबाद | ६।४७।३८ | २९.३१ | ७५.२० | -७.२८ | शिमला | ७।१४।२० | ३१.०६ | ७७.१० | -०.०८ |
| फार्रुखाबाद | ६।१३।१३ | २७.२४ | ७९.३७ | +१.४० | शिलांग | ५।४४।२७ | २५.३८ | ९१.५६ | +५८.५६ |
| फैजाबाद | ६।३।२६ | २६.४७ | ८२.१२ | +२०.०० | श्रीगंगानगर | ६।५४।३५ | २९.५६ | ७३.५२ | -१३.२० |
| बक्सर | ५।४४।२७ | २५.३४ | ८४.१ | +२७.१६ | श्रीनगर | ८।७।२९ | ३४.६ | ७४.५१ | -१.२४ |
| बड़ौदा | ४।५५।१८ | २२.१८ | ७३.१६ | -१५.४४ | सतना | ५।२१।२८ | २४.३४ | ८०.५५ | +१४.५२ |
| बद्रीनाथ | ७।८।४ | ३०.४४ | ७९.३२ | +१.२० | सागर | ५।१८।३ | २३.५० | ७८.५० | +६.३२ |
| बम्बई | ४।६।४५ | १८.५५ | ७२.५० | -१७.२८ | सहारनपुर | ६।५५।८ | १९.५८ | ७७.२३ | +०.४४ |
| बरेली | ६।२८।७६ | २८.२२ | ७९.२७ | +१.०० | सूरत | ४।३१।१६ | २१.१२ | ७२.५२ | -१७.२० |
| बीकानेर | ६।२३।६ | २८.१ | ७३.२२ | +१५.२० | सोमनाथ | ४।३७।२१ | २१.४ | ७०.२६ | -२७.०४ |
| बीजापुर | ३।३७।५० | १६.५० | ७५.४७ | -५.४० | हरिद्वार | ६।५५।८ | २९.५८ | ७८.१३ | +४.०४ |
| बैंगलोर | २।४५।४७ | १२.५८ | ७७.३८ | +१.४४ | हावड़ा ( प०बं० ) | ४।५१।२८ | २२.३५ | ८८.२३ | +४४.४४ |
| भरतपुर | ६।१०।४१ | २७.१५ | ७७.३० | +१.१२ | हैदराबाद | ३।४४।४३ | १७.२० | ७८.३० | +५.१२ |
| भीलवाड़ा | ५।४१।७ | २५.२१ | ७४.३८ | -१०.१६ | होशियापुर | ७।२१।४८ | ३१.३२ | ७५.५७ | -५.०० |
| भोपाल | ५।०१।३५ | २३.१६ | ७७.३६ | +१.३६ | होशंगाबाद | ५।२।१० | २२.४६ | ७७.४५ | +२.१२ |

## लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधिः

विद्यापीठ पञ्चाङ्ग में अक्षांश रेखांश सारिणी में दी गई पलभा अथवा पलभा के ज्ञान से पलभा को क्रम से १०।८।१०/३ से गुणा करके अभीष्ट स्थानीय चरखण्ड सिद्ध होगें।

उदाहरण- दिल्ली की पलभ ६।३३।०६

६।३३।०६ X १०=६०।३३०६०=६६ प्रथम चरखण्ड स्वल्पान्तरात्
६।३३।०६ X ८=४८।२६४।४८=५२ द्वितीय चरखण्ड स्वल्पान्तरात्

प्रथम चरखण्ड ६६/३=२२ तृतीय चरखण्ड।

इस प्रकार चरखण्ड का साधन करके केतकर के मत से मेषादि द्वादश राशियों के लंकोदयमान २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९, २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९ तीन-तीन राशियों में मेषादि क्रमोत्क्रम से चरखण्ड का ऋण-धन, धन-ऋण, संस्कार करने पर स्वदेशीय उदयमान सिद्ध होंगे।

| लङ्कोदयमान | | चरखण्ड | | स्वदेशीय उदयमान |
|---|---|---|---|---|
| मे. २७९ मी. | - | ६६ | = | मे. २१३ मी. |
| वृ. २९९ कुं | - | ५२ | = | वृ. २४७ कुं. |
| मि. ३२२ म. | - | २२ | = | मि. ३०० म. |
| क. ३२२ ध. | + | २२ | = | क. ३४४ ध. |
| सि. २९९ वृ. | + | ५२ | = | सिं. ३५१ वृ. |
| क. २७९ तु. | + | ६६ | = | क. ३४५ तु. |

इस प्रकारस्वदेशीय उदयमान द्वारा "तत्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः" इत्यादि विधि द्वारा लग्न साधन किया जा सकता है।

# लघुरित्थ सारिणी

| मि.क्र. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | मि.क्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ↓ ०० | | १.३८०२ | १.०७९२ | ९०३१ | ७७८१ | ६८९२ | ६०२१ | ५३५१ | ४७७१ | ४२६० | ३८०२ | ३३८८ | ३०१० | ↓ ०० |
| १ | ३.०१५८४ | १.३७३० | १.०७५६ | ९००७ | ७७६३ | ६७९८ | ६००९ | ५३४१ | ४७६२ | ४२५२ | ३७९५ | ३३८२ | ३००४ | १ |
| २ | २.८५७३ | १.३६६० | १.०७२० | ८९८३ | ७७४५ | ६७८४ | ५९९८ | ५३३० | ४७५३ | ४२४४ | ३७८८ | ३३७५ | २९९८ | २ |
| ३ | २.६८९२ | १.३५९० | १.०६८५ | ८९५९ | ७७२८ | ६७६१ | ५९८५ | ५३२० | ४७४४ | ४२३६ | ३७८० | ३३६८ | २९९२ | ३ |
| ४ | २.५५६३ | १.३५२२ | १.०६४९ | ८९३५ | ७७१० | ६७५५ | ५९७३ | ५३१० | ४७३५ | ४२२८ | ३७७३ | ३३६२ | २९५६ | ४ |
| ५ | २.४५९४ | १.३४५४ | १.०६१४ | ८९१२५ | ७६९२ | ६७४१ | ५९६१ | ५३०० | ४७२६ | ४२२० | ३७६६ | ३३५५ | २९८० | ५ |
| ६ | २.३८०२ | १.३३८८ | १०.०५८० | ८८८८ | ७६७४ | ६७२६ | ५९४९ | ५२८९ | ४७१७ | ४२१२ | ३७५९ | ३३४९ | २९७४ | ६ |
| ७ | २.३१३३ | १.३३२३ | १.०५४६ | ८८६५ | ७६५७ | ६७१२ | ५९३७ | ५२७९ | ४७०८ | ४२०४ | ३७५२ | ३३४२ | २९६८ | ७ |
| ८ | २.२५५३ | १.३२५८ | १.०५११ | ८८४२ | ७६३८ | ६६९८ | ५९२५ | ५२६९ | ४६९९ | ४१९६ | ३७४५ | ३३३६ | २९६२ | ८ |
| ९ | २.२०४१ | १३१९५ | १.०४७८ | ८८१९ | ७६२२ | ६६८४ | ५९१३ | ५२५९ | ४६९० | ४१८८ | ३७३७ | ३३२९ | २९५६ | ९ |
| १० | २.१५८४ | १.३१३३ | १.०४४४ | ८७९६ | ७६०४ | ६६७० | ५९०२ | ५२४९ | ४६८२ | ४१८० | ३७३० | ३३२३ | २९५० | १० |
| ११ | २.११७० | १.३०७१ | १.०४११ | ८७७३ | ७५८७ | ६६५६ | ५८९० | ५२३९ | ४६७३ | ४१७२५ | ३७२३ | ३३१६ | २९४४ | ११ |
| १२ | २.०७९२ | १.३०१० | १.०३७८ | ५७५१ | ७५७० | ६६४२ | ५८७८ | ५२२९ | ४६६४ | ४१६४ | ३७१६ | ३३१० | २९३८ | १२ |
| १३ | २.०४४४ | १.२९५० | १.०३४५ | ८७२८ | ७५५२ | ६६२८ | ५८६६ | ५२१९ | ४६५५ | ४१५६ | ३७०९ | ३३०३ | २९३३ | १३ |
| १४ | २.०१२२ | १.२८९१ | १.०३१३ | ८७०६ | ७५१८ | ६६०० | ८५८३ | ५१९९ | ४६३८ | ४१४१ | ६३१५ | ३२९१ | २९२२ | १४ |
| १५ | १.९५४२ | १.२७७५ | १ ०२४८ | ८६६१ | ७५०१ | ६५८७ | ५८३२ | ५१८१ | ४६२१ | ४१३३ | ३६८८ | ३२८४ | २९१५ | १५ |
| १६ | १.९५४२ | १.२७७५ | १.०२४८ | ८६६१ | ७५०१ | ६५८७ | ५८३२ | ५१८१ | ४६२१ | ४१३३ | ३६८८ | ३२८४ | २९१५ | १६ |
| १७ | १.९२७१ | १.२७११ | १.०२१६ | ८६३९ | ७४८४ | ६५७३ | ५८२० | ५१७१ | ४६२० | ४१२५ | ३६८१ | १२७८ | २९०८ | १७ |
| १८ | १.९०३१ | १.२६६३ | १.०१८५ | ७६१७ | ७४६७ | ६५५९ | ५८०९ | ५१६१ | ५६११ | ४११७ | ३६७४ | ३२७१ | २९०३ | १८ |
| १९ | १.८७९६ | १.२६०७ | १.०१५३ | ८५९५ | ७४५१ | ६५४६ | ५७९७ | ५१५१ | ४६०३ | ४१०९ | ३६६७ | ३२६५ | २८९७ | १९ |
| २० | १.८५७३ | १.२५५३ | १.०१२२ | ८५७३ | ७४३४ | ६५३२ | ५७८६ | ५१४१ | ४१०२ | ४१०२ | ३६६० | ३२५८ | २८९१ | २० |
| २१ | १.८३६१ | १.२४९१ | १.००११ | ८५५२ | ७४१७ | ६५११ | ५७७४ | ५१३१ | ४५८५ | ४०९४ | ३६५३ | ३२५२ | २८८५ | २१ |
| २२ | १.८१५१ | १.२४४५ | १.००६१ | ८५३० | ७४०१ | ६५०५ | ५७६३ | ५१२१ | ४५७७ | ४०८६ | ३६४६ | ३२४६ | २८८० | २२ |
| २३ | १.७९६६ | १.२३९३ | १.०४३० | ८५०१ | ७३८४ | ६४९२ | ५७५२ | ५११० | ४५६८ | ४०७१ | ३६३१ | ३२३१ | २८७४ | २३ |
| २४ | १.७७८११ | २३४१ | १.०००० | ८४८७ | ७३६८ | ६४७८ | ५७४० | ५११० | ४५५१ | ४०७१ | ३६३२ | ३२३३ | २८६८ | २४ |
| २५ | १.७६०४ | १.२२८१ | ०.९९७० | ८४६६ | ७३५१ | ६४६५ | ५७२९ | ५१०० | ४५५१ | ४०६३ | ३६२५ | ३२२७ | २८६३ | २५ |
| २६ | १.७४३४ | १.२२३१ | ०.९९४० | ८४४५ | ७३३५ | ६४५१ | ५७१८ | ५०९० | ४५४२ | ४०५५ | ३६१८ | ३२२० | २८५६ | २६ |
| २७ | १.७२७० | १.२१८८ | ०.९९१० | ८४२४ | ७३१८ | ६४३८ | ५७०६ | ५०८१ | ४५३४ | ४०४८ | ३६११ | ३२१४ | २८५० | २७ |
| २८ | १.७११२ | १.२१३१ | ०.९८८१ | ८४०३ | ७३०२ | ६४२५ | ५६९५ | ५०७१ | ४५२५ | ४०४० | ३६०४ | ३२०८ | २८४५ | २८ |
| २९ | १.६९६० | १.२०९० | ०.९८५२ | ८३८२ | ७२८६ | ६४१२ | ५६८४ | ५०६१ | ४५१६ | ४०३२ | ३५९७ | ३२०१ | २८३९ | २९ |
| ३० | १.६८१२ | १.२०४१ | ०.९८२३ | ८३६१ | ७२७० | ६३९८ | ५६७३ | ५०५१ | ४५०८ | ४०२५ | ३५९० | ३१९५ | २८३३ | ३० |
| ३१ | १.६६७० | १.१९९३ | ०.९७९४ | ८३४१ | ७२५४ | ६३८५ | ५६६२ | ५०४२ | ४४९९ | ४०१७ | ३५८३ | ३१८९ | २८२७ | ३१ |
| ३२ | १.६५३२ | १.१९४६ | ०.९७६५ | ८३२० | ७२३८ | ६३७२ | ५६५१ | ५०३२ | ४४९१ | ४०१० | ३५७६ | ३१८३ | २८२१ | ३२ |
| ३३ | १.६३९८ | १.१८९९ | ०.९७३७ | ८३०० | ७२२२ | ६३५९ | ५६४० | ५०२३ | ४४८२ | ४००२ | ३५७० | ३१७६ | २८१६ | ३३ |
| ३४ | १.६२६९ | १.१८५२ | ०.९७०८ | ८२७९ | ७२०६ | ६३४६ | ५६२९ | ५०१३ | ४४६६ | ३९९४ | ३५६३ | ३१७० | २८१० | ३४ |
| ३५ | १.६१४३ | १.१८०६ | ०.९६८० | ८२५९ | ७१९० | ६३३३ | ५६१८ | ५००३ | ४४६६ | ३९८७ | ३५५६ | ३१६४ | २८०४ | ३५ |
| ३६ | १.६०२१ | १.१७६१ | ०.५६५२ | ८२३९ | ७१७४ | ६३२० | ५६०७ | ४९९४ | ४४५७ | ३९७९ | ३५४९ | ३१५७ | २७९८ | ३६ |
| ३७ | १.५९०२ | १.१७१६ | ०.९६२५ | ८२६१ | ७१५९ | ६३०७ | ५५९६ | ४९८४ | ४४४९ | ३९७२ | ३५४२ | ३१५१ | २७९३ | ३७ |
| ३८ | १.५७८६ | १.१६७१ | ०.९५९७ | ८१९९ | ७१४३ | ६२९४ | ५५८५ | ४९७५ | ४४४० | ३९६४ | ३५३५ | ३१४५ | २७८७ | ३८ |
| ३९ | १.५६७३ | १.१६२७ | ०.९५७० | ८१७९ | ७१२८ | ६२८२ | ५५७४ | ४९६५ | ४४३२ | ३९५७ | ३५२९ | ३१३९ | २७८१ | ३९ |
| ४० | १.५५६३ | १.१५८४ | ०.९५४२ | ८१५९ | ७११२ | ६२६९ | ५५६३ | ४९५६ | ४४२४ | ३९४९ | ३५२२ | ३१३३ | २७७५ | ४० |
| ४१ | १.४८५६ | १.१५४० | ०.९५१५ | ८१४० | ७३९७ | ६२५६ | ५५५२ | ४९४७ | ३९४२ | ३९४२ | ३५१५ | ३१२६ | २७७० | ४१ |
| ४२ | १.४३५१ | १.१४९८ | ०.९४८८ | ८१२० | ७०८१ | ६२४३ | ५५४१ | ४९३७ | ४४०७ | ३९३४ | ३४०८ | ३१२० | २७६४ | ४२ |
| ४३ | १.४२४९ | १.१४५५ | ०.९४६२ | ८१०१ | ७०६६ | ६२३१ | ५५३१ | ४९२८ | ४३९९ | ३९२७ | ३४०१ | ३११४ | २७५८ | ४३ |
| ४४ | १.४१४९ | १.१४१३ | ०.९४३५ | ८०८१ | ७०५० | ६२१८ | ५५२० | ४९१८ | ४२९० | ३९१९ | ३४९५ | ३१०८ | २७५३ | ४४ |
| ४५ | १.४०५१ | १.१३७२ | ०.९४०९ | ८०६३ | ७०३५ | ६२०५ | ५५०९ | ४९०९ | ४३८२ | ३९१२ | ३४८८ | ३१०२ | २७४७ | ४५ |
| ४६ | १.४९५६ | १.१३३१ | ०.९३८३ | ८०४३ | ७०२० | ६१९३ | ५४९८ | ४९०० | ४३७४ | ३९०५ | ३४८१ | ३०९६ | २७४१ | ४६ |
| ४७ | १.४६६३ | १.१२९० | ०.९३५६ | ८०२३ | ७००५ | ६१८० | ५४८८ | ४८९० | ४३६५ | ३८९७ | ३४७५ | ३०८९ | २७३६ | ४७ |
| ४८ | १.४७७१ | १.१२४९ | ०.९३३० | ८००४ | ६९९० | ६१६८ | ५४७७ | ४८८१ | ५३५७ | ३८९० | ३४६८ | ३०८३ | २७३० | ४८ |
| ४९ | १.४६८२ | १.१२०८ | ०.९३०५ | ७९८५ | ६९७५ | ६१५५ | ५४६६ | ४८७२ | ४३४९ | ३८८२ | ३४६१ | ३०७७ | २७२४ | ४९ |
| ५० | १.४५९४ | १.११७० | ०.९२७९ | ७९६६ | ६९६० | ६१४३ | ५४५६ | ४८६३ | ४३४१ | ३८७५ | ३४५४ | ३०७१ | २७१९ | ५० |
| ५१ | १.४४०८ | १.११३० | ०.९२५४ | ७९४७ | ६९४५ | ६१३१ | ५४४५ | ४८५३ | ५३३३ | ३८६८ | ३४४८ | ३०६५ | २७१३ | ५१ |
| ५२ | १.४६२४ | १.१०९१ | ०.९२२८ | ७९२९ | ६९३० | ४९९८ | ५४३५ | ४८४४ | ४३२४ | ३८६० | ३४४१ | ३०५९ | २७०७ | ५२ |
| ५३ | १.४३४१ | १.१०५३ | ०.९२०३ | ७९१० | ६९१५ | ६१०६ | ५४२४ | ४८३५ | ४३१६ | ३८५३ | ३४३४ | ३०५३ | २७०२ | ५३ |
| ५४ | १.४२६० | १.१०१५ | ०.९१७८ | ७८९१ | ६९०० | ६०९४ | ५४१४ | ४८२६ | ४३०८ | ३८४६ | ३४२८ | ३०४७ | २६९६ | ५४ |
| ५५ | १.४१८० | १.०९७७ | ०.९१५३ | ७८७३ | ६८८५ | ६०८१ | ५४०३ | ४८१७ | ४३०० | ३८३८ | ३४२१ | ३०४१ | २६९१ | ५५ |
| ५६ | १.४१०२ | १.०९३९ | ०.९१२८ | ७८५४ | ६८७१ | ६०६९ | ५३९३ | ४८०८ | ४२९२ | ३८३१ | ३४१५ | ३०३४ | २६८५ | ५६ |
| ५७ | १.४०२५ | १०.९०२ | ०.९१०४ | ७८३६ | ४८५६ | ६०५७ | ५३८२ | ४७९८ | ४२८४ | ३८२४ | ३४०८ | ३०२८ | २६७९ | ५७ |
| ५८ | १.३९४९ | १.०८६५ | ०.९०७९ | ७८१८ | ६८४१ | ६०४५ | ५३७२ | ४७८९ | ४२७६ | ३८१७ | ३४०१ | ३०२२ | २६७४ | ५८ |
| ५९ | १.३८७५ | १.०८२८ | ०.९०५५ | ७८००६ | ६८२७ | ६०३३ | ५३६१ | ४७८० | ४२६८ | ३८०९ | ३३९५ | ३०१६ | २६६८ | ५९ |

# लघुरित्थ सारिणी

| मि.क्र. | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | मि.क्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ↓ ०० | २६६३ | २३४१ | २०४१ | १७६१ | १४९८ | १२४९ | १०१५ | ०७९२ | ०५८० | ०३७८ | ०१८५ | ↓ ०० |
| १ | २६५२ | २३३० | २०३६ | १७५६ | १४९३ | १२४५ | १०११ | ०७८८ | ०५७७ | ०३७५ | ०१८२ | १ |
| २ | २६५२ | २३३० | २०३२ | १७५२ | १४८९ | १२४१ | १००७ | ०७८५ | ०५७३ | ०३७१ | ०१७९ | २ |
| ३ | २६४६ | २३२५ | २०२७ | १७४७ | १४८५ | १२३७ | १००३ | ०७८१ | ०५७० | ०३६८ | ०१७५ | ३ |
| ४ | २६४० | २३२० | २०२२ | १७४४३ | १४८१ | १२३३ | ०९९९ | ०७७७ | ०५६६ | ०३६५ | ०१७२ | ४ |
| ५ | २६३५ | २३१५ | २०१७ | १७३८ | १४७६ | १२२९ | ०९९६ | ०७७४ | ०५६३ | ०३६१ | ०१६९ | ५ |
| ६ | २६२९ | २३१० | २०१२ | १७३४ | १४७२ | १२२५ | ०९९२ | ०७७० | ०५५९ | ०३५८ | ०१६६ | ६ |
| ७ | २६२४ | २३०५ | २००८ | १७२९ | १४६८ | १२२१ | ०९८८ | ०७६७ | ०५५६ | ०३५५ | ०१६३ | ७ |
| ८ | २६१८ | २३०० | २००३ | १७२५ | १४६४ | १२१७ | ०९८४ | ०७६३ | ०५५२ | ०३५२ | ०१६० | ८ |
| ९ | २६१३ | २२९५ | १९९८ | १७२० | १४५९ | १२१३ | ०९८० | ०७५९ | ०५४९ | ०३४८ | ०१५७ | ९ |
| १० | २६०७ | २२८९ | १९९३ | १७१६ | १४५५ | १२०९ | ०९७७ | ०७५६ | ०५४६ | ०३४५ | ०१५४ | १० |
| ११ | २६०२ | २२८४ | १९८८ | १७११ | १४५१ | १२०५ | ०९७३ | ०७५२ | ०५४२ | ०३४२ | ०१५० | ११ |
| १२ | २५९६ | २२७९ | १९८४ | १७०७ | १४४७ | १२०१ | ०९६९ | ०७४९ | ०५३९ | ०३३९ | ०१४७ | १२ |
| १३ | २५९१ | २२७४ | १९७४ | १६९८ | १४३८ | ११९३ | ०९६२ | ०७४१ | ०५३२ | ०३३२ | ०१४१ | १३ |
| १४ | २५८५ | २२६९ | १९७४ | १६९८ | १४३८ | ११९३ | ०९६२ | ०७४१ | ०५३२ | ०३३२ | ०१४१ | १४ |
| १५ | २५८० | २२६४ | १९६९ | १६९४ | १४३४ | ११९० | ०९५८ | ०७३८ | ०५२५ | ०३२९ | ०१३८ | १५ |
| १६ | २५७४ | २२५९ | १९६५ | १६८९ | १४३० | ११८६ | ०९५४ | ०७३४ | ०५२५ | ०३२६ | ०१३५ | १६ |
| १७ | २५६९ | २२५४ | १९६० | १६८५ | १४२६ | ११८२ | ०९५० | ०७३१ | ०५२२ | ०३२२ | ०१३२ | १७ |
| १८ | २५६४ | २२४९ | १९५५ | १६८० | १४२२ | ११७८ | ०९४७ | ०७२७ | ०५१८ | ०३१९ | ०१२९ | १८ |
| १९ | २५५८ | २२४४ | १९५० | १६७६ | १४१७ | ११७४ | ०९४३ | ०७२४ | ०५१५ | ०३१६ | ०१२६ | १९ |
| २० | २५५३ | २२३९ | १९४६ | १६७१ | १४१३ | ११७० | ०९३९ | ०७२० | ०५१२ | ०३१३ | ०१२२ | २० |
| २१ | २५४७ | २२३४ | १९४१ | १६६७ | १४०९ | ११६६ | ०९३५ | ०७१६ | ०५०८ | ०३०९ | ०११९ | २१ |
| २२ | २५४२ | २२२९ | १९३६ | १६६२ | १४०५ | ११६२ | ०९३२ | ०७१३ | ०५०५ | ०३०६ | ०११६ | २२ |
| २३ | २५३६ | २२२३ | १९३२ | १६५८ | १४०१ | ११५८ | ०९२८ | ०७०९ | ०५०१ | ०३०३ | ०११३ | २३ |
| २४ | २५३१ | २२१८ | १९२७ | १६५४ | १३९७ | ११५४ | ०९२४ | ०७०६ | ०४९८ | ०३०० | ०११० | २४ |
| २५ | २५२६ | २२१३ | १९२२ | १६४९ | १३९२ | ११५० | ०९२० | ०७०२ | ०४९५ | ०२९६ | ०१०७ | २५ |
| २६ | २५२० | २२०८ | १९१७ | १६४५ | १३८८ | ११४६ | ०९१७ | ०६९९ | ०४९१ | ०२९३ | ०१०४ | २६ |
| २७ | २५१५ | २२०३ | १९१३ | १६४० | १३८४ | ११४२ | ०९१३ | ०६९५ | ०४८८ | ०२९० | ०१०१ | २७ |
| २८ | २५०९ | २१९८ | १९०८ | १६३६ | १६८० | ११३८ | ०९०९ | ०६९२ | ०४८४ | ०२८७ | ००९८ | २८ |
| २९ | २५०४ | २१९३ | १९०३ | १६३२ | १३७६ | ११३४ | ०९०६ | ०६८८ | ०४८१ | ०२८४ | ००९५ | २९ |
| ३० | २४९९ | २१८८ | १८९९ | १६२७ | १३७२ | ११३० | ०९०२ | ०६८५ | ०४७८ | ०२८० | ००९१ | ३० |
| ३१ | २४९३ | २१८३ | १८९८ | १६२३ | १३६८ | ११२७ | ०८९८ | ०६८१ | ०४७४ | ०२७७ | ००८८ | ३१ |
| ३२ | २४८८ | २१७८ | १८८९ | १६१८ | १३६४ | ११२२ | ०८९४ | ०६७८ | ०४७१ | ०२७४ | ००८५ | ३२ |
| ३३ | ३४८३ | २१७३ | १८८५ | १६१४ | ११५१ | ११११ | ०८९१ | ०६७४ | ०४६८ | ०२७१ | ००८२ | ३३ |
| ३४ | २४७७ | २१६८ | १८८० | १६१० | १३५५ | १११५ | ०८८७ | ०६७१ | ०४६४ | ०२६७ | ००७९ | ३४ |
| ३५ | २४७२ | २१६४ | १८७५ | १६०५ | १३५१ | ११११ | ०८८३ | ०६६७ | ०४६१ | ०२६४ | ००७६ | ३५ |
| ३६ | २४६७ | २१५९ | १८७१ | १६०१ | १३४७ | ११०७ | ०८८० | ०६४३ | ०४५८ | ०२६१ | ००७३ | ३६ |
| ३७ | २४६१ | २१५४ | १८६६ | १५९८ | १३४३ | ११०३ | ०८७६ | ०६६० | ०४५४ | ०२५८ | ००७० | ३७ |
| ३८ | २४५६ | २१४९ | १८६२ | १५९२ | १३३९ | १०९९ | ०८७२ | ०६५६ | ०४५१ | ०२५५ | ००६७ | ३८ |
| ३९ | २४५१ | २१४४ | १८५७ | १५८८ | १३३५ | १०९५ | ०८६९ | ०६५३ | ०४४८ | ०२५१ | ००६४ | ३९ |
| ४० | २४४५ | २१३९ | १८५२ | १५८४ | १३३१ | १०९१ | ०८६५ | ०६४९ | ०४४४ | ०२४८ | ००६१ | ४० |
| ४१ | २४४० | २१३४ | १८४८ | १५७९ | १३२६ | १०८८ | ०८६१ | ०६४६ | ०४४१ | ०२४५ | ००५८ | ४१ |
| ४२ | २४३५ | २१२९ | १८४३ | १५७५ | १३२२ | १०८४ | ०८५७ | ०६४२ | ०६३८ | ०२४२ | ००५५ | ४२ |
| ४३ | २४३० | २१२४ | १८३८ | १५७१ | १३१८ | १०८० | ०८५४ | ०६३९ | ०४३४ | ०२३९ | ००५२ | ४३ |
| ४४ | २४२४ | २११९ | १८३४ | १५६६ | १३१४ | १०७६ | ०८५० | ०६३५ | ०४३१ | ०२३६ | ००४९ | ४४ |
| ४५ | २४१६ | २११४ | १८२९ | १५६२ | १३१० | १०७२ | ०८४७ | ०६३२ | ०४२८ | ०२३२ | ००४६ | ४५ |
| ४६ | २४१४ | २१०९ | १८२५ | १५५८ | १३०६ | १०६८ | ०८४३ | ०६२८ | ०४२४ | ०२२९ | ००४२ | ४६ |
| ४७ | २४०९ | २१०४ | १८३० | १५५३ | १३०२ | १०६४ | ०८३९ | ०६२५ | ०४२१ | ०२२६ | ००३९ | ४७ |
| ४८ | २४०३ | २०९९ | १८१६ | १५४९ | १२९८ | १०६१ | ०८३५ | ०६२२ | ०४१८ | ०२२३ | ००३६ | ४८ |
| ४९ | २३९८ | २०९५ | १८११ | १५४५ | १२९४ | १०५ | ०८३२ | ०६१८ | ०४१४ | ०२२० | ००३३ | ४९ |
| ५० | २३९३ | २०९० | १८०६ | १५४० | १२९० | १०५३ | ०८२८ | ०६१५ | ०४११ | ०२१६ | ००३० | ५० |
| ५१ | २३८८ | २०८५ | १८०२ | १५३६ | १२८६ | १०४९ | ०८२५ | ०६११ | ०४०८ | ०२१३ | ००२७ | ५१ |
| ५२ | २३८३ | २०८० | १७९७ | १५३२ | १२८२ | १०४५ | ०८२१ | ०६०८ | ०४०४ | ०२१० | ००२४ | ५२ |
| ५३ | २३७७ | २०७५ | १७९३ | १५२८ | १२७८ | १०४१ | ०८१७ | ०६०४ | ०४०१ | ०२०७ | ००२१ | ५३ |
| ५४ | २३७२ | २०७० | १७८८ | १५२३ | १२७४ | १०३८ | ०८१४ | ०६०१ | ०३९८ | ०२०४ | ००१८ | ५४ |
| ५५ | २३६७ | २०६५ | १७८४ | १५१९ | १२७० | १०३४ | ०८१० | ०५९७ | ०३९४ | ०२०१ | ००१५ | ५५ |
| ५६ | २३६२ | २०६१ | १७७९ | १५१५ | १२६६ | १०३० | ०८०६ | ०५९४ | ०३९१ | ०१९७ | ००१२ | ५६ |
| ५७ | २३५६ | २०५६ | १७४ | १५१० | १२६१ | १०२६ | ०८०३ | ०५९० | ०३८८ | ०१९४ | ०००९ | ५७ |
| ५८ | २३५१ | २०५१ | १७७० | १५०६ | १२५७ | १०२२ | ०७९९ | ०५८७ | ०३८४ | ०१९१ | ०००६ | ५८ |
| ५९ | २३४६ | २०४६ | १७६५ | १५०२ | १२५३ | १०१८ | ०७९५ | ०५८३ | ०३८१ | ०१८८ | ०००३ | ५९ |

**लघुरित्थ सारिणी द्वारा ग्रह स्पष्ट करने की विधि-** लघुरित्थ से ग्रह स्पष्ट करने के लिए पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट के भारतीय स्टैण्डर्ड समय तथा जन्म समय के भारतीय स्टैण्डर्ड समय का अन्तर करने पर घण्टों मिनिटों में चालन आता है। यदि जन्म समय पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट समय से कम हो तो चालन ऋण, अधिक होने पर धन होता है। इस प्रकार सारिणी में घण्टे के नीचे तथा मिनिटों के सामने का चालन दशमलवात्मकलघुरित्थ लेकर तथा अभीष्ट ग्रह की दैनिक गति यदि अंशात्मक हो तो अंश के नीचे तथा कला के सामने के दशमलवात्मक लघुरित्थ को लेकर चालन में लघुरित्थ में जोड़ने पर जो प्राप्त हो, वह सारिणी में जिस अंश के नीचे तथा जिस कला के सामने मिले वही चालन फल होगा। यदि चालन ऋण हो तो पञ्चाङ्ग के ग्रह स्पष्ट में ऋण तथा यदि धन हो धन करने पर जन्मकालीन ग्रह स्पष्ट होगा। यह ध्यान रहे, कि सारिणी में घण्टे या अंश तथा मिनिट या कला का लघुरित्थ एक ही आता है, तथा जहाँ ( ३ अंश के नीचे से अन्त तक ) लघुरित्थ के आगे दशमलव नहीं दिए गए हैं वहाँ दशमलव सहित लेना चाहिए, जैसे १०३१ के स्थान पर ०१०३१ इत्यादि।

# अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि

अभीष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदयकाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि सूर्योदय से जन्मकाल तक के समय को इष्टकाल कहते है, या यूं कहिए कि जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय घटाने पर इष्टकाल बनता है, अतः किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड बनाने की विधि यहां दी जा रही है।

मान लीजिए १९ दिसम्बर १९८५ को स्टैण्डर्ड समय प्रातः १० बजकर २० मिनट पर दिल्ली का इष्टकाल निकालने के लिए यहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है-

किसी भी स्थान का सूर्योदय बनाने के लिए वहां के अक्षांस उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर, रेखांश तथा रेखान्तर की आश्वयकता होती है। छः घण्टे में चर का संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय, तथा पञ्चाङ्ग की सारिणी से वेलान्तर तथा रेखान्तर का विपरीत संस्कार अर्थात् यदि दोनों की ऋण हों तो धन, तथा धन हो तो ऋण करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

दिल्ली का अक्षांश=२८°।३८', १९ दिसम्बर की क्रान्ति दक्षिणा=२३°।२५', वेलान्तर+३ मिनट, रेखांश ७७°।१२', रेखान्तर मि० २१ से. १२ ऋणात्मक है।

चरसाधन- उपरोक्त उपकरणों द्वारा पञ्चाङ्ग की चर सारिणी से अक्षांश तथा क्रान्ति के संस्कार से चर मिनिट लाने हैं। दिल्ली के अक्षांश २८°।३८' के सामने तथा कान्त्यंश २२° के नीचे चर मिनिट ५१ एवं २४° के नीचे मि० ५६ से. १८ लिखे हैं, किन्तु अभीष्ट चर क्रान्ति २३°।२५' का लाना है, अतः चर मिनिटादि दो अंशों के अन्तर पर होने के कारण अभीष्ट चर मिनिटादि लाने के लिए अनुपात किया:-

यदि दो क्रान्त्यंशो के अन्तर में चर ५ मिनिट १८ से. मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर २३°।२५'-२२°।००=१°।२५' में क्या ?

$$\frac{\text{मि० ५ से० १८} \times 1^\circ।25'}{2^\circ}$$ स्वल्पान्तरात् ४ मिनिट

इसको २२° क्रान्त्यंश के चर मिनिट ५१, में जोड़ने पर ५५ मिनिट अभीष्ट चर हुआ।

## चर संस्कार विधि-

चर का साधन करके यदि उत्तरा क्रान्ति तथा उत्तरी अक्षांश हो, तो चर मिनिटादि ६ घण्टे में ऋण करने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो, तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर, इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति दक्षिण अक्षांश हो तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा। भारतवर्ष में सर्वत्र अक्षांश उत्तर दिशा के ही हैं। अतः भारतवर्ष में २१ मार्च से २२ सितम्बर तक चर मिनिटों का ६ घण्टे में घटाने पर तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक चर मिनिटों को ६ घण्टे में जोड़ने पर स्थानीय समय अर्थात् धूप घड़ी ( स्थानीय ) का सूर्योदय काल ज्ञात होता है। उसमें मध्यमान्तर और वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैण्डर्ड समय में सूर्योदय काल प्राप्त होता है। अभीष्ट स्थानीय सूर्योदय साधन हेतु चर संस्कार ज्ञान के लिए चक्र:-

| उत्तरी अक्षांश | | दक्षिणी अक्षांश | |
|---|---|---|---|
| उत्तरा क्रान्ति | दक्षिणा क्रान्ति | उत्तरा क्रान्ति | दक्षिणा क्रान्ति |
| घं. ६- चर मि. | घं. ६ + चर मि. | घं. ६ + चर मि. | घं. ६- चर मि. |
| = स्था. सूर्योदय | = स्था. सूर्योदय | = स्था. सूर्योदय | = स्था. सूर्योदय |

१९ दिसम्बर को क्रान्ति दक्षिणा है, तथा अक्षांश उत्तरी है, अतः घं. ६+मि. ५५= घं. ६ मि. ५५=स्थानीय सूर्योदय।

इस दिन वेलान्तर+ ३ मिनट हैं, अत: स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५५ - मि.३ । = घं. ६ मि. ५२ = स्था. मध्यम सूर्योदय तथा रेखान्तर- मि. २१ सें. १२ का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५२+मि. २१ सें. १२= घं. ७ मि. १३ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय होगा।

| | | |
|---|---|---|
| सीनीय सूर्योदय | = ६/५५/०० | मि./सें. |
| स्पष्टान्तर | = +१८/१२ | मध्यमान्तर = -२१/१२ |
| स्टैं० समय सूर्योदय काल का | = ७/१३/१२ | वेलान्तर = + ३/०० |
| | | सपष्टान्तर = -१८/१२ |

स्पष्टान्तर द्वारा स्थानीय सूर्योदय से स्टैं. सूर्योदय, स्टै. सूर्योदय से स्थानीय सूर्योदय तथा स्टैं० समय से स्थानीय समय बनाने की विधि :-

## स्पष्टान्तर साधन-

यदि रेखान्तर तथा वेलान्तर दोनों ऋण हो तो दोनों का योग करने पर ऋण ( - ) स्पष्टान्तर एवं दोनों धन हो तो दोनो का योग करने पर धन ( + ) स्पष्टान्तर तथा यदि एक संख्या धन एक ऋण हो तो अधिक संख्या में से घटाने पर अधिक संख्या वाला चिह्न लगाने पर स्पष्टान्तर होता हैं।

जैसे :- रेखान्तर-मि० २१ से० १२, वेलान्तर + मि० ३

अत: स्पष्टान्तर = -मि० २१ से० १२+मि० ३ = -मि० १८ से० १२

इस स्पष्टान्तर का स्टैं. सूर्योदय में यथावत् संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा।

स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२ - स्पष्टान्तर मि. १८ से. १२ = स्थानीय सूर्योदय घं. ६ मि. ५५

इसी प्रकार स्टैं. समय में स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर स्थानीय समय होगा।

स्टैं. समय घं. १० मि. २०-मि. १८ से. १२= घं. १० मि. १ से. ४८ = स्थानीय समय।

इसके विपरीत स्थानीय सूर्योदय में स्पष्टान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैं० सूर्योदय तथा स्थानीय समय में संस्कार विपरीत करने पर स्टैं० समय होगा।

स्थानीय सूर्योदय घं० ६ मि. ५५+मि. १८ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२

स्था. समय घं. १० मि. १ से. ४८+मि. १८ से. १२ = स्टैं. समय घं १० मि. २०

इस प्रकार स्टैं. जन्म समय में स्टैं. सूर्योदय अथवा स्थानीय समय में स्थानीय सूर्योदय घटाने पर घण्टा मिनट में इष्टकाल तथा उसे २॥ से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल होता है।

यह ध्यान रहे कि यदि जन्म समय स्टैण्डर्ड हो तो सूर्योदय भी स्टैण्डर्ड तथा यदि जन्म समय स्थानीय हो तो सूर्योदय भी स्थानीय होना चाहिए।

स्थानीय समय तथा स्थानीय सूर्योदय से एवं स्टैं. समय तथा स्टैं. सूर्योदय से इष्टकाल साधन-

| | घं. । मि. । से. | | घं. । मि. । से. |
|---|---|---|---|
| स्टैं. जन्म समय | = १० । १२ । ०० | स्थानीय जन्म समय | = १० । ०१ । ४८ |
| स्टैं. सूर्योदय | = -७ । १३ । १२ | स्थानीय सूर्योदय | = -६ । ५५ । ०० |
| घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल | = ३ । ०६ । ४८ | घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल | = ३। ०६। ४८ |
| अढ़ाई से गुणा करने पर | = X २ ॥ | अढ़ाई से गुणा करने पर | = X २ ॥ |
| | घं. । प. । वि. | | घं. । प. । वि. |
| | ७ । ३० । ०० | | ७ । ३० । ०० |
| | १५ । ०० | | १५ । ०० |
| | ७ । ४५ । ०० | | ७ । ४५ । ०० |
| घटीपलात्मक इष्टकाल | = ७/४५/०० | घटीपलात्मक इष्टकाल | = ७/४५/०० |

# ✸ विभिन्न अंगों पर पल्ली ( छिपकली/किरली ) गिरने का फल एवं उपचार ✸

शरीर पर पल्ली ( छिपकली/किरली ) गिरने पर उस समय जो वस्त्र पहने हो उन वस्त्रों सहित स्नान करना चाहिए। जन्म नक्षत्र, दग्धा-तिथि, मृत्युयोग, पापग्रहयुक्त लग्न एवं अष्टम चन्द्रमा में पल्ली पतन अरिष्ट फलदायक होता है, अतः उसकी शान्ति के लिए पञ्चगव्य से स्नान कर छायापात्रदान, महामृत्युञ्जय का जाप, होमादि करना श्रेयस्कर होता है।

**पल्ली-पतन के शुभ तिथि, वार एवं नक्षत्र :-**

## ✸ अङ्ग विभागवश पल्ली-पतनफल जानने के लिए चक्र ✸

| अङ्ग | फल | अङ्ग | फल | अङ्ग | फल | अङ्ग | फल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मस्तक | राज्यलाभ | कण्ठ | शत्रुनाशक | पृष्ठ मध्य | झगड़ा | कटिप्रदेश | रोग-भय |
| कपाल | ऐश्वर्य प्राप्ति | दक्षिण-भुज | मान-सम्मान | दक्षिण-पृष्ठ | सुखलाभ | दक्षिण जङ्घा | धन हानि |
| नासिकाग्र | व्याधि | वाम-भुज | राज-भय | वाम-पृष्ठ | रोग-भय | वाम जङ्घा | पुत्र-लाभ |
| मुख-प्रदेश | मिष्ठान-भोजन | दक्षिण-स्कन्ध | सफलता | दक्षिण-हस्त | धन-लाभ | गुदा | रोग-भय |
| दक्षिण-कर्ण | आयु-वृद्धि | वाम-स्कन्ध | शत्रुभय | वाम-हस्त | धन-हानि | गुप्ताङ्ग | मित्र-प्राप्ति |
| वाम-कर्ण | भूषण लाभ | स्तन-प्रदेश | दौर्भाग्य | नाभि-प्रदेश | पुत्र-प्राप्ति | दक्षिण-पाद | यात्रा |
| | | | | हृदय | यश-प्रप्ति | वाम-पाद | रोग भय |

**अङ्ग स्फुरण फलः-**

शकुन की दृष्टि से शरीर के किसी भी भाग में अचानक स्फुरण हो जाता है। यह स्फुरण यदि निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायु विकार से सम्बन्धित होता है। वह स्फुरण निष्फल होता है। यदि क्षणिक अंग स्फुरण हो, तो वा शुभाशुभ फल बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामाङ्ग एवं पूरूष का दक्षिणाङ्ग स्फुरण शुभ माना गया ह। विस्तृत फल निम्न प्रकार ज्ञात करें।

| स्थान | फल | स्थान | फल | स्थान | फल | स्थान | फल | स्थान | फल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मस्तक ( सिर ) | भूमिलाभ | भृकुटि | धन प्राप्ति | कण्ठ | भूषण प्राप्ति | पृष्ठ | पराजय | बाहु-प्रदेश | प्रिय-प्राप्ति |
| ललाट | स्थान लाभ | नासिका | सुगन्ध लाभ | ग्रीवा | शत्रु भय | नाभि | स्त्रीनाश | गुप्ताङ्ग | प्रिय-प्राप्ति |
| नेत्र | प्रियदर्शनलाभ | दक्षिण कर्ण | आयु-वृद्धि | स्कन्ध | मित्र-समागम | कुक्षि | सुप्रीति | जङ्घा | हानिप्रद |
| कपोल | स्त्री सुख | वाम-कर्ण | भूषण लाभ | वक्षः स्थल | विजय | कटि प्रदेश | प्रिय-प्राप्ति | घुटना | शत्रुसन्धि |
| भ्रूमध्य | सुख-प्राप्ति | अधर | प्रिय प्राप्ति | हृदय | इष्ट सिद्धि | हस्त | धन-प्राप्ति | पाद | स्थान-प्राप्ति |

**छींक ( छिक्का ) विचारः-**

कोई शुभ कार्य प्रारम्भ करते समय अथवा यात्रा करते समय छींक आने पर अपशकुन माना जाता है। इसका विचार भारत वर्ष में प्रायः सभी प्रदेशों में होता है इसके विषय में अनेक लोकोक्ति अथवा घाघ, भड्डली इत्यादि की किवदन्तियाँ मुहावरों के रूप में प्रचलित हैं। संकेत में सारांश यह है, कि सूँघनी आदि पदार्थो के द्वारा ली गई बनावटी छींक निष्फल होती है। पीछे की छींक कुशलक्षेमकारक है। बाई ओर की छींक सभी कार्य को सिद्ध करने वाली सामने की छींक लड़ाई कराने वाली, दाहिनी ओर की छींक धन-नाश करने वाली, ऊँची छींक विजय देने वाली, नीची छींक भय करने वाली तथा अपनी अपनी छींक बहुत दुःख देने वाली होती है। कन्या, विधवा, मालिन, धोबिन, रजस्वला, वैश्या की छींक बहुत अशुभफल देने वाली होती है। यदि भोजन के अन्त में छींक आए तो दूसरे दिन प्रिय भोजन प्राप्त होता है।

सन्ध्यावन्दनादि, शयन के समय, शौच के समय, दानकाल, भोजन के समय बाई ओर तथा पीछे की छींक शुभफल करने वाली होती है। छींक के विषय में अनेक किंवदन्तियाँ प्रचलित हैं, उनमें से प्रचलित उक्ति यहाँ दी जा रही हैं-

छींकत न्हइयै छींकत खइयै, छींकत जइयै सोय। छींकत पर घर कबहूँ न जइयै सब सोने की होय। एक नाक दो छींका। इनसे सगुन होत है नीका।

# ✵ जन्म-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल ✵

| ग्रह | तनु १ | धन २ | सहज ३ | सुख ४ | पुत्र ५ | शत्रु ६ | स्त्री ७ | मृत्यु ८ | धर्म ९ | कर्म १० | लाभ ११ | व्यय १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | उच्च-शरीर प्रवासी, रोग | भाग्यवान, मितव्ययी | पराक्रमी, अशान्तिचित | बन्धुवैरी, अशान्तचित | बुद्धिमान, वञ्चक | चतुष्पदकष्ठ राज्यव्यय | स्त्रीकष्ट, व्यापारी | कार्यशी, व्यसनी | भ्रातृपीड़ित, चिन्तायुक्त | परिश्रमी, मातृपीड़क | सन्ततिहीन, राज्यभोगी | नेत्रकष्ट युद्धविजयी |
| चन्द्र | धनी,सुखी दुर्बल, मूर्ख | विलासी, कुटम्बस्नेही | परिश्रमी, भ्रातृकष्ट | उच्चाधिकारी, स्त्रीपुत्रादिसुख | निर्मलबुद्धि, व्यापारी | शत्रुजित्, मातृकष्टप्रद | स्त्रीसुख, शत्रुकष्ट | संघर्षशील, व्याधियुक्त | साहसी, सुखी | धर्मात्मा, ऐश्वर्यशील | राज्यप्रतिष्ठा, कन्यासन्तति | नेत्ररोगी, अपूणमनोरथ |
| भौम | लौहाग्निकष्ट, स्त्रीपुत्रनाश | अल्पपरिवार, धनी | पराक्रमी, भ्रातृकष्ट | कुटुम्बकष्ट, राज्यलाभ | तीव्रजठराग्नि, सन्ततिनाशक | शत्रुजित्, बुद्धिमान् | स्त्रीनाशक, कर्त्तव्यहीन | दुर्भाग्यशीली, महाकष्ट | धनी, तेजस्वी | मंगलकार्यहीन, पराक्रमी | शत्रुनाशक, सन्ततिकष्ट | धर्मभ्रष्ट, वृथापवाद |
| बुध | अरिष्टनाश, श्रेष्ठबुद्धि | बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी | नम्रस्वभाव, व्यापारवृत्ति | प्रधानधिकारी, पितृधनहीन | स्वार्थी, कपटी | मनुष्यविरोधी, शत्रुवशी | स्त्रीसुखदायक, सौन्दर्यशीली | दीर्घायु, व्यापारी | बुद्धिमान, प्रतापी | पितृधनभोगी, नीतिज्ञ | धनी, सौन्दर्यप्रमी | शत्रुजित्, अतिथिपूजक |
| गुरु | सुखी स्वल्पवीर्यवान् | कवि, मुखरोगी | सहोदरयुत, कृतघ्नी | अनुष्ठानकता, शत्रुसेवित | लेखक, वक्ता, विलासी | मातृरोग, स्त्रीसुख | विभूतिमान, सौन्दर्यशीली | प्रवासी, ईर्ष्यालु | ब्राह्मणप्रेमी, आलसी | पुत्रचिन्ता, ज्ञानी | आभूषणप्रेमी परमार्थी | अपयशी, वञ्चक |
| शुक्र | सौन्दर्यवान्, सुखी | बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी | बन्धुहीन, कायर | मातृसेवक, महान् | सुपुत्रवान्, कवि | प्रबलशत्रु, दुःखी | कटिरोग, विलासी | चतुष्पदव्यय, प्रवासी | व्यापारी, पाखण्डी | वंशावरोधक, विप्रवृत्ति | कीर्तिवान्, गुणी | क्रीडक, बन्धुवैरी |
| शनि | तृष्णावान् चिन्तित | कटुभाषी, प्रवासी | युक्तभाषी, विघ्नयुक्त | चतुष्पदहीन, वातरोगी | पुत्रहीन, मित्रद्रोही | शत्रुजित्, पशुसुख | चञ्चलस्त्री, वाद-विवादी | बन्धुवियोग, रोगी | संन्यासी, कपटबुद्धि | बन्धुहीन, युद्धविजय | स्थिरवृद्धि, अस्थिरसंपत्ति | निर्लज्ज, शत्रुनाशक |
| राहु | शत्रुबलहन्ता स्त्रीचिन्ता | कुटुम्बनाशक, निर्भय | पराक्रमी, सम्मानित | मातृरोगी, क्रोधी | पुत्रवान्, स्त्रीचिन्तित | शत्रुनाशक, स्थिरधनी | स्त्रीहीन, लोकनिन्दित | कुटुम्बत्यागी, पण्डित | तीर्थसेवी, दयालु | व्यसनी, लोकनिन्दित | पुत्रवान्, दुष्टात्मा | सिद्धमनोरथ, दीनमैत्री |
| केतु | दुर्जन-संतप्त स्त्रीपुत्रकष्ट | मुखरोगी, कुटुम्बविरोधी | बाहुरोगी, शत्रुनाशक | मातृसुखहीन, पितृधननाशक | भ्रातृरोग, कष्ट | व्याधिनाश, शत्रुनाश | धननाश, जलभय | गुदारोग, निजगृहसेवी | क्लेशनाशक, म्लेच्छमैत्री | पितृसुखहीन, चतुष्पदपतन | भाग्यवान्, विद्वान | सद्व्ययी, नेत्ररोगी |

# ✵ वर्ष-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल ✵

| ग्रह | तनु १ | धन २ | सहज ३ | सुख ४ | पुत्र ५ | शत्रु ६ | स्त्री ७ | मृत्यु ८ | धर्म ९ | कर्म १० | लाभ ११ | व्यय १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | त्रिदोषपीड़ा | कुटुम्बविरोधी | भ्रातृपीड़ा | कृषि-पशुहानि | पित्तप्रकोप | शत्रुनाश | स्त्रीकष्ट | भ्रातृकष्ट | भ्रातृकष्ट | धनमानलाभ | धनी,विलासी | उद्विग्नता |
| चन्द्र | कफरोगी | कुटुम्बपरप्रभाव | भ्रातृसुख-धनी | व्यापारलाभ | प्रबुद्धमित्र | वाद-विवाद | खांसी, वातरोग | मूत्ररोग | भाग्योदय | वैरीनाश,धनी | व्यापारलाभ | नेत्ररोग |
| भौम | नेत्ररोगी | धनहानि | वाहनसुख | अग्निकष्ट,व्रण | सन्तानकष्ट | शत्रुनाश | स्त्रीरोग | शत्रुकष्ट | भाग्ययशवृद्धि | धनवृद्धि | राज्यधनलाभ | व्यय,व्याधि |
| बुध | स्त्रीसुखवृद्धि | वाहनलाभ | धनयशपुत्रसुख | भूमिलाभ | धनपुत्रलाभ | स्त्रीकष्ट | विलासी | कफ,ज्वर | धनपुत्रलाभ | पुत्रधनवृद्धि | धनयशवृद्धि | वैरीविवाद |
| गुरु | यशस्वी | धनलाभ | कीर्तिलाभ | वाहनसुख | सन्ततिसुख | शत्रु-स्त्रीकष्ट | दाम्पत्यसुख | ज्वरवृद्धि | धनलाभ | राज्यलाभ | विजयलाभ | रोगी,शत्रुवृद्धि |
| शुक्र | यशस्वी | धन-मानलाभ | सहोदरसुख | कृषिवाहनसुख | सन्तानवृद्धि | उदरविकार | स्त्रीसुख | शरीरकष्ट | धर्मशील | व्यापारी, धनी | सन्तानवृद्धि | नेत्र, चर्मरोग |
| शनि | वातरोगी | भ्रातृनाश | पराक्रमी | अग्निपीड़ा | पुत्रहानि | कीर्तिवृद्धि | स्त्रीकष्ट | ज्वरपीड़ा | भाग्योदय | कृषिहानि | कीर्तिवृद्धि | विशेषव्यय |
| राहु | स्त्रीकष्ट | बन्धुविवाद | धन-यशवृद्धि | वाहनकष्ट | बुद्धिनाश | शत्रुनाश | गुप्तरोग | मृत्युतुल्यकष्ट | धर्मवृद्धि | यशवृद्धि | शत्रुनाश | स्थानभ्रंश |
| केतु | चिन्ता | परिवारक्लेश | वंशवृद्धि | वाहनपीड़ा | कुबुद्धि | रोगनाश | विवाद | अरिष्टप्राप्ति | भाग्यनाश | अर्थप्राप्ति | विविधलाभ | रोग, शोक |
| मुन्था | शरीरपुष्टि | उत्साही | पराक्रमी,धनी | शरीरपीड़ा | पुत्रयशलाभ | दुर्बलता | धन-धर्मनाश | व्यसनी | भाग्योदय | राज्यसुख | ऐश्वर्यप्राप्ति | दुष्टसंगति |

# विक्रमी सम्वत् २०७६ पञ्चाङ्ग कार्यशाला में उपस्थित ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के महानुभाव










# विद्यापीठीय-स्वर्णजयन्तीसदनम्
## ( ज्योतिष-विभाग )



१. **ज्योतिष–प्रवेशिका** यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम वैदिक ज्योतिष की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।

२. **ज्योतिष–प्राज्ञ** यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त और उनकी प्रयोग विधि द्वारा जन–जीवन की घटनाओं के पूर्वानुमान की विधि पर आधारित है।

३. **ज्योतिष–भूषण** यह द्विवर्षीय एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र की विशिष्ट जानकारी पर आधारित है।

४. **शास्त्री** यह तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।

५. **आचार्य** यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।

६. **पी–एच.डी.** ज्योतिष शास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी पहलुओं पर शोध के माध्यम से नवीन तथ्यों की जानकारी के लिए यह अनुसन्धानमूलक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

७. **मेडिकल एस्ट्रोलॉजी** यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त SAP (DRS-I, II, III ज्यो.) प्रोग्राम के अन्तर्गत मेडिकल एस्ट्रोलॉजी में शोध एवं शिक्षण कार्य हेतु विद्यापीठ के ज्योतिष–विभाग का चयन किया गया है। एतदर्थ मेडिकल ऐस्ट्रोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जनवरी २००५ से प्रारम्भ किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार स्वीकृति मिलने पर इसे भी प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा एवं एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में सञ्चालित किया जायेगा।

**नोट** – सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया प्रतिवर्ष जून–जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। प्रमाणपत्रीय एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं।

**मुद्रक : गणेश प्रिंटिंग प्रेस- नई दिल्ली ११००१६**